competishun
The Power of Real Gurus

10

CBSE कक्षा 10 · विषय कोड 002

हिंदी
पाठ्यक्रम ‘अ’

अध्यायवार एवं प्रश्न-प्रकारवार बोर्ड प्रश्न 2022 – 2026

CBSE बोर्ड प्रश्न-पत्रों के प्रश्न — अध्याय और प्रश्न-प्रकार के अनुसार, प्रत्येक के साथ CBSE अंक-योजना के मूल्य-बिंदु और आदर्श उत्तर।

क्षितिज · कृतिका · व्याकरण · अपठित बोध · रचनात्मक लेखन

समीक्षित संस्करण · नवंबर 2026

इस पुस्तक के बारे में

इस पुस्तक में CBSE कक्षा 10 हिंदी पाठ्यक्रम 'अ' (कोड 002) के 2022 (टर्म-II), 2023, 2024, 2025 और 2026 के उन **75 प्रश्न-पत्र सेटों** के प्रश्न संकलित हैं जो इस संकलन के लिए उपलब्ध कराए गए थे। प्रश्न पाठ्यपुस्तक के अध्याय और प्रश्न-प्रकार के अनुसार रखे गए हैं और प्रत्येक प्रश्न के साथ उसका उत्तर दिया गया है।

इस संस्करण में: 1,481 स्वतंत्र प्रश्न • 82 पठित/अपठित गद्यांश-काव्यांश (463 उप-प्रश्न) • 313 लेखन-प्रश्न (आदर्श उत्तर सहित)।

वर्ष	सेट	सम्मिलित प्रश्न-पत्र कोड
2022 (टर्म-II)	12	3/1/1–3, 3/2/1–3, 3/3/1–3, 3/4/1–3
2023	15	3/1/1–3, 3/2/1–3, 3/4/1–3, 3/5/1–3, 3/6/1–3
2024	15	3/1/1–3, 3/2/1–3, 3/3/1–3, 3/4/1–3, 3/5/1–3
2025	18	3/1/1–3, 3/2/1–3, 3/3/1–3, 3/4/1–3, 3/5/1–3, 3/6/1–3
2026	15	3/1/1–3, 3/2/1–3, 3/3/1–3, 3/4/1–3, 3/5/1–3

इन कोडों के बाहर के प्रश्न-पत्र — जैसे 2023 की शृंखला 3/3 तथा पूरक परीक्षा के प्रश्न-पत्र — इस संकलन में नहीं हैं।

प्रविष्टि कैसे पढ़ें

स्रोत-पंक्ति. प्रत्येक प्रश्न के ऊपर परीक्षा-वर्ष और वे सेट-कोड दिए हैं जिनमें वह प्रश्न आया, जैसे "2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)"। जो प्रश्न कई सेटों में दोहराया गया है, वह एक ही बार छपा है।

उत्तर • CBSE मूल्य-बिंदु
CBSE की अंक-योजना (मार्किंग स्कीम) का उत्तर अथवा मूल्य-बिंदु — ज्यों-के-त्यों; केवल सज्जा बदली गई है।

आदर्श उत्तर
CBSE के मूल्य-बिंदुओं के आधार पर Competishun द्वारा लिखा गया पूर्ण उत्तर — वर्णनात्मक और लेखन-प्रश्नों के लिए।

चित्र-रूप प्रश्न. कुछ प्रश्न प्रश्न-पत्र से चित्र के रूप में लिए गए हैं; चित्र के भीतर छपी क्रम-संख्या मूल प्रश्न-पत्र की है।

पाठ्यक्रम की स्थिति

अध्याय CBSE के 2026-27 के पाठ्यक्रम के अनुसार हैं। **कन्यादान** (ऋतुराज), **मानवीय करुणा की दिव्य चमक** (सर्वेश्वर दयाल सक्सेना) और **जॉर्ज पंचम की नाक** (कमलेश्वर) वर्तमान पाठ्यक्रम में नहीं हैं। इनके प्रश्न केवल 2022 (टर्म-II) के प्रश्न-पत्रों से हैं; ये संदर्भ के लिए रखे गए हैं और विषय-सूची, अध्याय के आरंभ तथा प्रत्येक प्रश्न पर "वर्तमान पाठ्यक्रम में नहीं" चिह्नित हैं।

इस समीक्षित संस्करण के बारे में

यह संस्करण पूर्व संकलन की पृष्ठ-दर-पृष्ठ जाँच के बाद नवंबर 2026 में Competishun की ब्रांड-सज्जा में पुनः तैयार किया गया है। किए गए सुधार और वे बिंदु जिनकी CBSE की आधिकारिक फ़ाइलों से पुष्टि अभी शेष है, साथ दी गई ऑडिट रिपोर्ट में सूचीबद्ध हैं।

विषय-सूची

भाग 1 — पाठ्यपुस्तक 'क्षितिज भाग-2' : अध्यायवार प्रश्नोत्तर 5

पद — सूरदास (28) 5

राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद — तुलसीदास (28) 21

आत्मकथ्य — जयशंकर प्रसाद (26) 36

उत्साह, अट नहीं रही है — सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (54) 49

यह दंतुरित मुसकान, फसल — नागार्जुन (32) 69

संगतकार — मंगलेश डबराल (32) 81

कन्यादान — ऋतुराज (8) वर्तमान पाठ्यक्रम में नहीं 97

नेताजी का चश्मा — स्वयं प्रकाश (34) 101

बालगोबिन भगत — रामवृक्ष बेनीपुरी (33) 116

लखनवी अंदाज़ — यशपाल (45) 132

मानवीय करुणा की दिव्य चमक — सर्वेश्वर दयाल सक्सेना (22) वर्तमान पाठ्यक्रम में नहीं 149

एक कहानी यह भी — मन्नू भंडारी (29) 157

नौबतखाने में इबादत — यतींद्र मिश्र (35) 176

संस्कृति — भदंत आनंद कौसल्यायन (23) 193

भाग 2 — पूरक पाठ्यपुस्तक 'कृतिका भाग-2' : अध्यायवार प्रश्नोत्तर 201

माता का अँचल — शिवपूजन सहाय (51) 201

जॉर्ज पंचम की नाक — कमलेश्वर (6) वर्तमान पाठ्यक्रम में नहीं 227

साना-साना हाथ जोड़ि — मधु कांकरिया (51) 230

मैं क्यों लिखता हूँ? — अज्ञेय (46) 256

भाग 3 — व्यावहारिक व्याकरण : प्रकारवार प्रश्नोत्तर 278

रचना के आधार पर वाक्य-भेद (283) 278

वाच्य (220) 331

पद-परिचय (244) 366

अलंकार (186) 416

भाग 4 — अपठित बोध 445

अपठित गद्यांश (20) 445

अपठित काव्यांश (27) 475

भाग 5 — रचनात्मक लेखन : प्रकारवार प्रश्न 520

अनुच्छेद-लेखन (85) 520

औपचारिक पत्र (37) 543

अनौपचारिक पत्र (37) 564

स्ववृत्त-लेखन (31) 582

ई-मेल लेखन (31) 599
विज्ञापन-लेखन (45) 613
संदेश-लेखन (47) 628

भाग 1

पाठ्यपुस्तक 'क्षितिज भाग-2' : अध्यायवार प्रश्नोत्तर

क्षितिज • काव्य खंड

पद — सूरदास

पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

काव्यांश 1 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3) • **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।
अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही
चाहति हुतीं गुहारि जितहिं तै, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यों, मरजादा न लही।

(i) गोपियों को अपना धैर्य टूटता हुआ-सा क्यों लग रहा था?

(A) विरहाग्नि के और बढ़ जाने के कारण।
(B) उद्धव के योग ज्ञान को सुन-सुनकर।
(C) उद्धव के धीरज से प्रभावित होकर।
(D) अपने प्रति कृष्ण के शुष्क व्यवहार से।

उत्तर **(D)** अपने प्रति कृष्ण के शुष्क व्यवहार से।

(ii) 'सूरदास' के इस 'पद' की भाषा है -

(A) ब्रज भाषा
(B) अवधी भाषा
(C) पूरबी बोली
(D) मिश्रित भाषा

उत्तर **(A)** ब्रज भाषा

(iii) गोपियाँ अब तक व्यथा को कैसे सहन कर रही थीं?

(A) एक-दूसरे के दुःख के सहारे
(B) अतीत की मधुर स्मृतियों के सहारे
(C) कृष्ण के आने की आस में
(D) ज्ञान के मार्ग का अनुसरण करके

उत्तर **(C)** कृष्ण के आने की आस में

(iv) सूरदास के 'पद' के अनुसार किसके मन की, कौन सी बात मन में ही रह गई?

(A) उद्धव की, ज्ञान देने की
(B) कृष्ण की, संदेश भेजने की
(C) गोपियों की, कृष्ण से मिलन की
(D) उद्धव की, कृष्ण से भक्ति की

उत्तर (C) गोपियों की, कृष्ण से मिलन की

(v) गोपियों की विरहाग्नि और अधिक प्रदीप्त क्यों हो जाती है?

(A) कृष्ण के संदेश भेजने से
(B) उद्धव के आ जाने से
(C) उद्धव के योग-संदेश से
(D) गोपियों के परस्पर दुःख से

उत्तर (C) उद्धव के योग-संदेश से

(vi) गोपियों की अभिलाषाएँ मन में ही क्यों रह गई?

(A) सांसारिक लोक-लाज के कारण
(B) कृष्ण के मथुरा गमन के कारण
(C) कृष्ण के स्थान पर उद्धव के आने के कारण
(D) प्रेमाभिव्यक्ति के लिए उचित शब्द न मिलने के कारण

उत्तर (C) कृष्ण के स्थान पर उद्धव के आने के कारण

(vii) योग-संदेश को सुन गोपियों की क्या दशा हुई?

(A) उद्धव के संदेश से गोपियों का दुख कुछ कम हुआ।
(B) श्रीकृष्ण के आने की उम्मीद को बल मिला।
(C) गोपियाँ मानो विरह के दुख से जल उठीं।
(D) गोपियाँ दुखी हो श्रीकृष्ण को पुकारने लगीं।

उत्तर (C) गोपियाँ मानो विरह के दुख से जल उठीं।

(viii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए:

कथन: गोपियाँ उद्धव के समक्ष अपनी विरह व्यथा कह रही हैं।
कारण: उद्धव श्रीकृष्ण द्वारा भेजे गए उनके दूत हैं।
विकल्प:

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।

(ix) मर्यादा का पालन किसने नहीं किया?

(A) कृष्ण ने
(B) उद्धव ने
(C) गोपियों ने
(D) सूरदास ने

उत्तर **(A)** कृष्ण ने

(x)

(v) गोपियों ने अब तक धीरज क्यों धारण कर रखा था ? इस प्रश्न के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :

I. प्रेम की मर्यादा का पालन करते हुए
II. कृष्ण के लौटकर आने की उम्मीद में
III. समाज के नियमों को ध्यान में रखकर

विकल्प :

(A) केवल I और III सही हैं।
(B) केवल II और III सही हैं।
(C) केवल I और II सही हैं।
(D) I, II और III तीनों सही हैं।

उत्तर **(C)** केवल I और II सही हैं।

काव्यांश 2 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3, 3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपने मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यों अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए॥

(i) प्रस्तुत पद में 'राजनीति' का प्रयोग हुआ है:

(A) चतुराई के अर्थ में
(B) अच्छे कर्मों के उदाहरण में
(C) कर्तव्यपालन के अर्थ में
(D) कृष्ण की प्रशंसा के संदर्भ में

उत्तर **(A)** चतुराई के अर्थ में

(ii) गोपियों के द्वारा 'मधुकर' किसे कहा जा रहा है?

(A) कृष्ण को
(B) भ्रमरको
(C) उद्धव को
(D) हरिको

उत्तर **(C)** उद्धव को

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए

कथन: गोपियाँ पहले के लोगों को भला कह रही हैं।
कारण: वे लोग इधर-उधर डोलते-दौड़ते रहते थे।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, परंतु कारण सही है।
(B) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है।
(D) कथन और कारण दोनों ही ग़लत हैं।

उत्तर **(B)** कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

(iv)

(i) इस पद में गोपियों ने श्रीकृष्ण पर कौन-कौन से आक्षेप लगाए हैं ?

I. उन्होंने राजनीति सीख ली है।
II. पहले से ही चतुर थे, अब तो बड़े-बड़े ग्रंथ भी पढ़ लिए।
III. योग-संदेश भेजने का अर्थ है कि उनकी चालाकी और बढ़ गई है।

विकल्प :

(A) I और II दोनों
(B) I और III दोनों
(C) I, II और III तीनों
(D) II और III दोनों

उत्तर **(C)** I, II और III तीनों

(v) 'राजधर्म' क्या है?

(A) स्वयं अन्याय करना
(B) दूसरों के अन्याय को रोकना
(C) प्रजा को न सताना
(D) गोपियों को योग-संदेश भिजवाना न न 502

उत्तर **(C)** प्रजा को न सताना

(vi) गोपियों द्वारा कृष्ण को राजनीतिज्ञ क्यों कहा गया?

(A) अपनों का अच्छे से ख्याल रखने के कारण
(B) प्रेम में छल-कपटपूर्ण व्यवहार करने के कारण
(C) कृष्ण के राजनीति संबंधी गहन ज्ञान के कारण
(D) कृष्ण के एक आदर्श राजा होने के कारण

उत्तर **(B)** प्रेम में छल-कपटपूर्ण व्यवहार करने के कारण

(vii) 'इक अति चतुर .....' पंक्ति के माध्यम से गोपियों द्वारा श्रीकृष्ण की/पर _____ किया गया है। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित विकल्प दूबारा कीजिए:

(A) कटाक्ष
(B) उपहास
(C) प्रशंसा
(D) निंदा

उत्तर **(A)** कटाक्ष

(viii) काव्यांश में 'मधुकर' के माध्यम से किसकी ओर संकेत किया गया है?

(A) भौंरे की ओर
(B) उद्धव की ओर

(C) कृष्ण की ओर
(D) योग की ओर

उत्तर **(B)** उद्धव की ओर

(ix) गोपियों को छलपूर्ण क्या प्रतीत होता है?

(A) उद्धव का कृष्ण के प्रति प्रेम
(B) कृष्ण का राजनीति में प्रवेश
(C) उद्धव और कृष्ण की मित्रता
(D) कृष्ण का उनके प्रति व्यवहार

उत्तर **(D)** कृष्ण का उनके प्रति व्यवहार

(x) कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन: गोपियाँ उद्धव से व्यंग्यपूर्ण बातें करती हैं।
कारण: उद्धव के प्रति मित्रवत एवं आत्मवत भाव के कारण गोपियों की ये सहज अभिव्यक्ति है।

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।
(C) कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(D)** कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

काव्यांश 3 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

हमारे हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी
सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपा, जिनके मन चकरी।

(i) गोपियों के अनुसार उद्धव द्वारा किन लोगों को योग की शिक्षा दी जानी चाहिए?

(A) जिनके मन में कृष्ण के प्रति भक्ति हो
(B) जो योग के बारे में जानना चाहते हों
(C) जो भक्ति मार्ग को हृदय से अपनाना चाहते हों
(D) जिनका मन कृष्ण के प्रति स्थिर न हो

उत्तर **(D)** जिनका मन कृष्ण के प्रति स्थिर न हो

(ii) 'हारिल' और 'हारिल की लकड़ी' किनके प्रतीक हैं?

(A) कृष्ण - कृष्ण
(B) कृष्ण -गोपियाँ
(C) गोपियाँ – कृष्ण
(D) कृष्ण - उद्धव

उत्तर **(C)** गोपियाँ – कृष्ण

(iii) (ग) पद्यांश में व्याधि किसे बताया गया है ?

(A) कृष्ण के मित्र उद्धव को (B) उद्धव के बताए योग को

(C) कटुक स्वाद वाली ककड़ी को (D) कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम को

उत्तर **(B)** उद्धव के बताए योग को

(iv) दिए गए कथनों में से काव्यांश के संदर्भ में सही विकल्प का चयन कीजिए:

(A) गोपियाँ दिन-रात कृष्ण के नाम का जप करती रहती हैं।
(B) गोपियाँ उद्धव को भी योग त्यागने की सलाह देती हैं।
(C) गोपियाँ उद्धव को भी भक्ति मार्ग अपनाने को कहती हैं।
(D) गोपियाँ कृष्ण से प्रेम करके बहुत पछता रही हैं।

उत्तर **(A)** गोपियाँ दिन-रात कृष्ण के नाम का जप करती रहती हैं।

(v) कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन: गोपियाँ कृष्ण के प्रति अपने अगाध प्रेम के कारण भ्रमित थीं।
कारण: प्रेम और विश्वास की गहराई से व्यक्ति में सूझ-बूझ की कमी हो जाती है।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(B)** कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

काव्यांश 4 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

ऊधो! तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माह तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

(i) 'ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।' पंक्ति के द्वारा क्या स्पष्ट होता है?

(A) श्रीकृष्ण का मन प्रेम से अछूता रहा।
(B) उद्धव का मन प्रेम से अछूता रहा।
(C) गोपियाँ प्रेम रूपी रस से अछूती रहीं।
(D) तेल से युक्त मटकी पर जल का प्रभाव नहीं होता।

उत्तर **(B)** उद्धव का मन प्रेम से अछूता रहा।

(ii)

(ii) कृष्ण–प्रेम में डूबी गोपियों की तुलना किससे की गई है?
उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. कमल के पत्ते से
II. जल में पड़े तेल चुपड़े घड़े से
III. गुड़ से चिपटी चींटियों से

विकल्प :

(A) केवल III सही है।
(B) केवल I सही है।
(C) I और III दोनों सही हैं।
(D) II और III दोनों सही हैं।

उत्तर **(A)** केवल III सही है।

(iii)

(iii) प्रस्तुत पद के आधार पर सूरदास के काव्य के बारे में कहा जा सकता है।
उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. सहज उपमाओं द्वारा गूढ़ भाव व्यक्त किए गए हैं।
II. उनके काव्य में केवल दार्शनिक चिंतन है।
III. उनका काव्य बहुत अधिक अलंकृत और सजावटी है।
IV. योग साधना से अधिक कृष्ण–प्रेम को महत्त्व दिया गया है।

विकल्प :

(A) I और II सही हैं।
(B) III और IV सही हैं।
(C) II और III सही हैं।
(D) I और IV सही हैं।

उत्तर **(D)** I और IV सही हैं।

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

कथन: गोपियाँ उद्धव को 'बड़भागी' कहते हुए वास्तव में 'भाग्यहीन' बता रही हैं।
कारण: वे योग का संदेश लेकर आए हैं।

(A) कथन सही है परंतु कारण गलत है।
(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है।
(D) कारण और कथन दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(D)** कारण और कथन दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

(v) गोपियों के अनुसार 'कृष्ण' किसके समान हैं?

(A) प्रेम-भाव से भरी नदी के समान
(B) स्नेह के स्पर्श से भी दूर

(C) कमल के पत्तों सरीखे
(D) अनुरागी मन वाले 'बड़भागी'

उत्तर **(A)** प्रेम-भाव से भरी नदी के समान

(vi)

(ii) कृष्ण–प्रेम में डूबी गोपियों की तुलना किससे की गई है?
उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. कमल के पत्ते से
II. जल में पड़े तेल चुपड़े घड़े से
III. गुड़ से चिपटी चींटियों से

विकल्प :

(A) केवल III सही है।
(B) केवल I सही है।
(C) I और III दोनों सही हैं।
(D) II और III दोनों सही हैं।

3/1/3* 11 * Page P.T.O.

उत्तर **(A)** केवल III सही है।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 **2023** (3/1/1)

सूरदास के पदों के आधार पर उद्धव हैं -

(A) निर्गुण ब्रह्म के उपासक, कृष्ण-सखा, योग के विरोधी
(B) सगुण ईश्वर के भक्त, कृष्ण-सखा, योग के प्रचारक
(C) निर्गुण ब्रह्म के उपासक, कृष्ण सखा, योग-मार्गी
(D) निर्गुण ईश्वर के विरुद्ध, सगुण-कृष्ण के भक्त, योग-मार्गी

उत्तर **(C)** निर्गुण ब्रह्म के उपासक, कृष्ण सखा, योग-मार्गी

प्रश्न 2 **2023** (3/1/3)

गोपियों के अनुसार उद्धव का स्वभाव कैसा था?

(A) प्रेम के भाव से वंचित
(B) मित्रता एवं प्रेम में पणा हुआ
(C) स्नेह के स्पर्श लिपटा हुआ
(D) अनुरागी मन वाला

उत्तर **(A)** प्रेम के भाव से वंचित

प्रश्न 3 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

गोपियाँ उद्धव को भाग्यवान मानती हैं क्योंकि -

(A) गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रेम में लिप्त हैं, फिर भी विरह वेदना झेल रही हैं।
(B) उद्धव श्रीकृष्ण के प्रेम-बंधन से मुक्त और अलिप्त होने के कारण विरह वेदना से भी मुक्त हैं।

(C) उद्धव को मथुरा में श्रीकृष्ण का सान्निध्य हर समय प्राप्त है।
(D) उद्धव ने बड़ी-बड़ी पोथियाँ पढ़कर ज्ञान अर्जित किया है।

उत्तर **(B)** उद्धव श्रीकृष्ण के प्रेम-बंधन से मुक्त और अलिप्त होने के कारण विरह वेदना से भी मुक्त हैं।

प्रश्न 4 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

सूरदास के पद 'अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी' -- से गोपियाँ क्या कहना चाहती हैं?

(A) हम भोली हैं, चींटी और गुड़ हैं।
(B) जैसे चींटी गुड़ ले जाते नहीं थकती, हम भी नहीं थकते।
(C) चींटी गुड़ पर अपने प्राण त्याग देती है।
(D) भोली गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रेम में डूबी हैं जैसे चींटी का गुड़ से प्रेम है।

उत्तर **(D)** भोली गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रेम में डूबी हैं जैसे चींटी का गुड़ से प्रेम है।

प्रश्न 5 **2023** (3/6/3)

गोपियाँ कृष्ण को हारिल की लकड़ी के समान पकड़े हैं - इसका आशय है -

(A) गोपियों ने कृष्ण को अपना सहारा बनाया है।
(B) गोपियाँ मन, वचन और कर्म से एकनिष्ठता में कृष्ण के प्रति समर्पित हैं।
(C) जिस तरह हारिल हाथ में लकड़ी लिए रहता है गोपियाँ कृष्ण की छोड़ी लकुटी लिए रहती हैं।
(D) वे कृष्ण से वैसा प्रेम नहीं करतीं जैसा हारिल लकड़ी से करता है।

उत्तर **(B)** गोपियाँ मन, वचन और कर्म से एकनिष्ठता में कृष्ण के प्रति समर्पित हैं।

प्रश्न 6 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

सूरदास के पदों में उद्धव की तुलना किससे नहीं की गई है?

(A) तेल की गगरी
(B) हारिल पक्षी की लकड़ी
(C) मधुकर
(D) कमलपात (कमल-पात)

उत्तर **(B)** हारिल पक्षी की लकड़ी

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 7 **2023** (3/1/1)

सूर की गोपियाँ सच्चा राजधर्म किसे बता रही हैं? उनके अनुसार कृष्ण किस प्रकार राजधर्म का पालन नहीं कर रहे हैं?

आदर्श उत्तर

गोपियों के अनुसार सच्चा राजधर्म यह है कि राजा प्रजा को कभी न सताए और उसके हितों की रक्षा करे। कृष्ण स्वयं न आकर उद्धव के हाथ योग का संदेश भिजवा रहे हैं और गोपियों की मिलने की इच्छा पूरी नहीं कर रहे, इसलिए वे राजधर्म का पालन नहीं कर रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- प्रजा को न सताना
- उनके हितों की रक्षा / पालन करना;

- अन्याय करके
- गोपियों की श्रीकृष्ण से मिलने की इच्छा पूरी न करके
- उद्धव द्वारा योग का संदेश भिजवाकर (दोनों भागों से एक-एक बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 2023 (3/1/2)

सूरदास की गोपियाँ व्यंग्यपूर्वक उद्धव को 'बड़भागी' क्यों कहती हैं? 'पद' में आए दो दृष्टांतों से स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

गोपियाँ उद्धव को व्यंग्य में 'बड़भागी' कहती हैं, क्योंकि वे कृष्ण के पास रहकर भी उनके प्रेम से अछूते रहे। वे दो दृष्टांत देती हैं – कमल का पत्ता जल में रहकर भी गीला नहीं होता और तेल लगी गागर पर जल की बूँद नहीं ठहरती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- उद्धव कृष्ण के पास रहकर भी कृष्ण प्रेम से अछूते थे; दृष्टांत
- कमल का पत्ता जल में रहकर भी जल से अछूता
- तेल की गागर जल में होते हुए भी जल से अछूती

प्रश्न 9 2023 (3/2/1)

'सूरदास' के पद के आधार पर लिखिए कि 'हारिल पक्षी' के उदाहरण से गोपियाँ अपने बारे में क्या बताना चाहती हैं।

आदर्श उत्तर

हारिल पक्षी जैसे अपने पंजों में दबी लकड़ी को कभी नहीं छोड़ता, वैसे ही गोपियों ने कृष्ण को मन, वचन और कर्म से दृढ़तापूर्वक पकड़ रखा है। इस उदाहरण से वे अपने एकनिष्ठ प्रेम और पूर्ण समर्पण को प्रकट करती हैं; सोते-जागते और स्वप्न में भी वे कृष्ण को ही याद करती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- प्रेम की एकनिष्ठता
- कृष्ण के प्रति पूर्ण समर्पण
- कृष्ण: एकमात्र सहारा
- मन, वचन और कर्म से कृष्ण का ध्यान
- सोते-जागते, स्वप्न में कृष्ण को याद करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 10 2023 (3/2/2)

'ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी' पद में वर्णित गुड़ और चींटी के उदाहरण के माध्यम से गोपियों की किस मनोदशा का वर्णन हुआ है?

आदर्श उत्तर

जैसे चींटी गुड़ से चिपककर उससे अलग नहीं हो पाती, वैसे ही गोपियाँ कृष्ण के प्रेम में पूरी तरह लिप्त हैं। इस उदाहरण से उनका एकनिष्ठ प्रेम और समर्पण प्रकट होता है। कृष्ण से दूरी उन्हें स्वीकार नहीं है और वे प्रेम के आगे स्वयं को विवश पाती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- प्रेम, एकनिष्ठ समर्पण
- श्रीकृष्ण से दूरी स्वीकार्य नहीं

- विवशता (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 11 2023 (3/2/3)

'ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी' पद के आधार पर लिखिए कि गोपियों ने किन उदाहरणों से सिद्ध किया है कि उद्धव कृष्ण के समीप रहकर भी उनके प्रेम से वंचित ही रहे। किन्हीं दो उदाहरणों से अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

गोपियाँ कहती हैं कि उद्धव कृष्ण रूपी प्रेम-नदी के पास रहकर भी उसमें पाँव तक नहीं डुबो सके। वे कमल के उस पत्ते के समान हैं जो जल में रहकर भी जल से अछूता रहता है और तेल लगी उस गागर के समान हैं जिस पर जल की एक बूँद भी नहीं ठहरती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कृष्ण रूपी प्रीति-नदी के पास रहकर भी उसके स्पर्श से अछूते रहना
- कमल का पत्ता जल में रहकर भी जल से अछूता
- तेल की गागर जल में रहते हुए भी जल से अछूती (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 12 2023 (3/6/1)

'सूर के पद' में गोपियों के माध्यम से सूरदास की भक्ति-भावना सामने आती है। इस कथन के आलोक में सूरदास की भक्ति-भावना पर टिप्पणी कीजिए। (किन्हीं दो बिंदुओं को उत्तर में अवश्य शामिल करें)

आदर्श उत्तर

सूरदास सगुण कृष्ण-भक्ति के कवि हैं। उनकी भक्ति सख्य भाव की है, जिसमें कृष्ण को प्रेमी, सखा और आराध्य माना गया है। गोपियों के माध्यम से वे निर्गुण भक्ति और योग को नीरस बताकर अनन्य भाव की सगुण भक्ति को श्रेष्ठ सिद्ध करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कृष्ण-भक्ति (सगुण भक्ति)
- साख्य भाव की भक्ति - कृष्ण को प्रेमी, सखा, आराध्य मानना
- सगुण भक्त के पक्षधर
- निर्गुण भक्ति के विरूद्ध
- अनन्य भाव की भक्ति (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 13 2023 (3/6/2)

'सूर के पद' में प्रेम की मर्यादा का निर्वाह किसने और किस प्रकार नहीं किया?

आदर्श उत्तर

प्रेम की मर्यादा का निर्वाह कृष्ण ने नहीं किया। उन्होंने लौटने का भरोसा दिया था, फिर भी वे गोपियों से मिलने नहीं आए। प्रेम के बदले प्रेम देने के स्थान पर उन्होंने उद्धव के हाथ योग का संदेश भेज दिया, जो प्रेम की मर्यादा के विरुद्ध था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कृष्ण ने;
- भरोसा देकर भी गोपियों से मिलने नहीं आए

- योग का संदेश देकर उद्धव को भेज दिया (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए कोई एक बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 14 2024 (3/1/1)

सूरदास के 'पद' के अनुसार गोपियों को ऐसा क्यों लगा कि कृष्ण ने राजनीति पढ़ ली है?

आदर्श उत्तर

गोपियों को लगा कि कृष्ण ने राजनीति पढ़ ली है, क्योंकि वे स्वयं नहीं आए और चतुराई से उद्धव के द्वारा योग-संदेश भिजवा दिया। उन्होंने प्रेम की मर्यादा का पालन नहीं किया और राजनीतिज्ञों की तरह छलपूर्ण व्यवहार किया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- स्वयं न आकर उद्धव द्वारा योग-संदेश भेजने के कारण
- प्रेम की मर्यादा का पालन न करने के कारण

प्रश्न 15 2024 (3/1/2)

गोपियों ने उद्धव द्वारा बताए गए योग को व्याधि क्यों कहा है? सूरदास के 'पद' के आधार पर बताइए।

आदर्श उत्तर

गोपियों का कृष्ण के प्रति प्रेम एकनिष्ठ है और वे उनके प्रति पूर्णतः समर्पित हैं। ऐसे में योग का संदेश उन्हें एक ऐसी बीमारी जैसा लगा जिसे उन्होंने न कभी देखा, न सुना, न भोगा। इस संदेश ने उनकी विरह-वेदना को कम करने के स्थान पर और अधिक बढ़ा दिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- गोपियों का श्रीकृष्ण के प्रति एकनिष्ठ प्रेम और समर्पण
- योग-संदेश से विरह का और अधिक बढ़ जाना

प्रश्न 16 2024 (3/1/3)

सूरदास के 'पद' में उद्धव के व्यवहार की तुलना किनसे और क्यों की गई है?

आदर्श उत्तर

उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते और जल में पड़ी तेलयुक्त गगरी से की गई है। जैसे ये दोनों जल में रहते हुए भी जल से अछूते रहते हैं, वैसे ही उद्धव कृष्ण के समीप रहते हुए भी उनके प्रेम से अछूते रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर एक बिंदु लिखेंगे, जैसे –

तुलना

- उद्धव के व्यवहार की तुलना कमल के पत्ते से की गई है
- जल में पड़ी तेलयुक्त गगरी से की गई है;

कारण

- कमल के पत्ते और तेलयुक्त गगरी का जल में रहते हुए भी जल से अछूता रहना, जैसे उद्धव का कृष्ण के समीप रहते हुए भी उनके प्रेम से अछूते रहना

प्रश्न 17 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

उद्धव ने गोपियों को समझाने के लिए कौन-सा उपदेश दिया और गोपियों को वह पसंद क्यों नहीं आया?

आदर्श उत्तर

उद्धव ने गोपियों को योग और निर्गुण ब्रह्म की उपासना का उपदेश दिया। गोपियों को यह पसंद नहीं आया, क्योंकि वे कृष्ण के प्रति एकनिष्ठ प्रेम और समर्पण से भरी थीं। उन्हें यह संदेश शुष्क, नीरस और कड़वी ककड़ी के समान लगा, जिसने उनकी विरह-वेदना को और बढ़ा दिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर एक उपयुक्त संदेश लिखेंगे, जैसे -

- योग का संदेश
- निर्गुण ब्रह्म का संदेश

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- कृष्ण के प्रति एकनिष्ठ प्रेम और समर्पण का भाव
- संदेश शुष्क और नीरस
- संदेश कड़वी ककड़ी के समान
- विरह-वेदना बढ़ाने वाला

प्रश्न 18 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

सूरदास की गोपियों ने उद्धव को 'बड़भागी' किस उद्देश्य से कहा है?

आदर्श उत्तर

गोपियों ने उद्धव को 'बड़भागी' उन पर व्यंग्य करने के उद्देश्य से कहा है। वे बताना चाहती हैं कि उद्धव वास्तव में अभागे हैं, क्योंकि कृष्ण के इतने निकट रहते हुए भी वे प्रेम की अनुभूति से वंचित रह गए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- उद्धव पर व्यंग्य करना
- श्रीकृष्ण के निकट रहते हुए भी प्रेम की अनुभूति से वंचित रहना

प्रश्न 19 **2025** (3/1/2)

गोपियों के जीवन पर कृष्ण का क्या प्रभाव दिखता है? 'सूर के पदों' के आधार पर दो बिंदुओं में अपनी बात लिखिए।

आदर्श उत्तर

गोपियाँ कृष्ण के एकनिष्ठ प्रेम में पूरी तरह डूबी हुई हैं; उन्हें कृष्ण-प्रेम के अतिरिक्त योग जैसा कोई दूसरा मार्ग स्वीकार नहीं है। कृष्ण के वियोग में वे अत्यंत व्याकुल हैं और उद्धव के सामने अपने प्रेम तथा विरह को खुलकर प्रकट करती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- कृष्ण के एकनिष्ठ प्रेम में डूबना
- कृष्ण-प्रेम के अतिरिक्त कोई अन्य मार्ग स्वीकार्य न होना
- कृष्ण के विरह में अत्यंत व्याकुल होना
- अपने प्रेम और विरह को प्रकट करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 20 **2025** (3/3/1)

सूरदास की गोपियों की वाक्-चातुर्य को किन्हीं दो उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

गोपियाँ वाक्-चतुर हैं। वे उद्धव को 'बड़भागी' कहकर वास्तव में उन्हें प्रेम से वंचित भाग्यहीन सिद्ध कर देती हैं। इसी प्रकार वे कृष्ण को 'राजनीति पढ़ा हुआ' कहकर उनके छलपूर्ण व्यवहार की ओर संकेत करती हैं और योग को अस्थिर मन वालों के योग्य बताती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे-

- उद्धव को भाग्यवान कहकर वास्तव में उन्हें भाग्यहीन साबित करना
- प्रकारांतर से योग को चकरी के समान अस्थिर चित्तवाले कृष्ण के लिए सही ठहराना
- कृष्ण को राजनीतिज्ञ कहकर उनके छलपूर्ण व्यवहार की ओर संकेत करना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)

प्रश्न 21 **2025** (3/3/2)

सूरदास ने गोपियों के माध्यम से निर्गुण भक्ति की अपेक्षा सगुण-साकार कृष्ण भक्ति की श्रेष्ठता स्थापित की है। दो उदाहरणों के साथ इस बात को सिद्ध कीजिए।

आदर्श उत्तर

गोपियाँ योग को कड़वी ककड़ी और अनदेखी-अनसुनी बीमारी के समान बताकर कृष्ण के एकनिष्ठ प्रेम में ही अपनी आस्था व्यक्त करती हैं। वे स्वयं को गुड़ से चिपकी चींटी जैसी बताती हैं और कहती हैं कि योग उन्हें सौंपा जाए जिनके मन चकरी की तरह अस्थिर हैं। इस प्रकार सगुण भक्ति की श्रेष्ठता सिद्ध होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर सगुण साकार भक्ति की श्रेष्ठता बताने वाले दो उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे-

- योग को कड़वी ककड़ी और बीमारी के समान बताना और कृष्ण के एकनिष्ठ प्रेम में ही आस्था व्यक्त करना
- योग को नीरस लोगों की राह बताते हुए स्वयं को गुड़ के पीछे प्राण देने वाली चींटियों जैसी भोली और कृष्ण प्रेम को न छोड़ने वाली बताना
- निर्गुण भक्ति को उन लोगों के लिए कहना जिनके मन अस्थिर हैं। (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)

प्रश्न 22 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

योग-संदेश पाकर गोपियों की क्या मनोदशा हुई? उनकी भावनाओं को दो बिंदुओं में लिखिए।

आदर्श उत्तर

योग-संदेश पाकर गोपियों की विरह-व्यथा और बढ़ गई तथा कृष्ण से मिलने की उनकी आशा टूट गई। वे अत्यंत दुखी और निराश हो उठीं। उन्होंने स्वयं को विवश अनुभव किया और कृष्ण के इस व्यवहार पर शिकायत भरे स्वर में अपनी पीड़ा प्रकट की।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- विरह व्यथा का बढ़ना
- कृष्ण के मिलन की आशा का टूटना
- कृष्ण से शिकायत
- विवशता
- अत्यंत दुख
- निराशा (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 23 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

सूरदास द्वारा रचित 'पद' में 'गुर चाँटी ज्यों पागी' कहने से गोपियों की किस मनोदशा की अभिव्यक्ति होती है?

आदर्श उत्तर

'गुर चाँटी ज्यों पागी' कहकर गोपियाँ बताती हैं कि जैसे चींटी गुड़ से लिपटी रहती है, वैसे ही वे कृष्ण-प्रेम में पगी हुई हैं। इससे उनका अनन्य, निश्छल और एकनिष्ठ प्रेम, पूर्ण समर्पण और अटूट आकर्षण प्रकट होता है। कृष्ण से अलग होना उनके लिए असंभव है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- अनन्य, निश्छल, दृढ़ और एकनिष्ठ प्रेम
- पूर्ण समर्पण और जुड़ाव
- अटूट आकर्षण
- अलगाव असंभव
- विवशता (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 24 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

गोपियाँ उद्धव की बातें सुनकर निराश क्यों हो गईं? 'सूरदास के पद' के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

गोपियाँ आशा कर रही थीं कि कृष्ण प्रेम-संदेश भेजेंगे या स्वयं आएँगे, पर उन्होंने उद्धव के हाथ योग-संदेश भेज दिया। इससे कृष्ण के आने की उनकी आशा धूमिल हो गई और विरह-व्यथा पहले से भी अधिक बढ़ गई। इसी कारण वे निराश हो गईं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- कृष्ण द्वारा प्रेम-संदेश के स्थान पर योग-संदेश भेजना
- कृष्ण आगमन की आशा धूमिल होना

- विरह व्यथा का बढ़ जाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

क्षितिज • काव्य खंड

राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद — तुलसीदास

पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

काव्यांश 1 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3, 3/3/2, 3/3/3) • **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।
बहु धनुही तोरी लरिकाई। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।

(i) 'नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा - पंक्ति के संदर्भ में राम के चरित्र की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?

(A) संयम
(B) सरलता
(C) विनम्रता
(D) वीरता

उत्तर **(C)** विनम्रता

(ii) परशुराम ने शिव धनुष तोड़ने वाले को क्या चेतावनी दी?

(A) सहस्रबाहु के समान उसे अपना शत्रु समझने की
(B) राजा जनक की सभा से बाहर निकल आने की
(C) राजा जनक की सभा में उसे मार डालने की
(D) उसके साथ आजीवन शत्रुतापूर्ण व्यवहार करने की

उत्तर **(A)** सहस्रबाहु के समान उसे अपना शत्रु समझने की

(iii) 'न त मारे जैहहिं सब राजा' - यह कथन परशुराम के 'फ उदाहरण है।'

(A) शौर्य का
(B) अहंकार का
(C) क्रोध का
(D) गौरव का

उत्तर **(B)** अहंकार का

(iv) सेवक किसे कहा गया है?

(A) मधुर वचन बोलने वाले को
(B) सेवा करने वाले को
(C) कभी क्रोध न करने वाले को
(D) विनम्रतापूर्ण व्यवहार करने वाले को

उत्तर **(B)** सेवा करने वाले को

(v) परशुराम की धनुष पर ममता होने का क्या कारण था?

(A) उनके आराध्य शिव का धनुष होना
(B) उनके गुरु विश्वामित्र का धनुष होना

(C) अपने पिता का आशीर्वाद समझना
(D) धनुष का अत्यंत प्राचीन होना

उत्तर **(A)** उनके आराध्य शिव का धनुष होना

(vi) राम ने स्वयं को परशुराम का सेवक क्यों बताया?

(A) वे परशुराम के क्रोध से डर गए थे।
(B) वे परशुराम का क्रोध-शांत करना चाहते थे।
(C) वे उनसे उम्र में बहुत ही छोटे थे।
(D) वे व्यंग्य में उनसे ऐसा कह रहे थे।

उत्तर **(B)** वे परशुराम का क्रोध-शांत करना चाहते थे।

(vii)

(ii) परशुराम के क्रोध का क्या कारण था ?
(A) सभा में उन्हें न बुलाया जाना । (B) उनके गुरु शिव का धनुष टूटना ।
(C) लक्ष्मण की धृष्टता से भरी बातें । (D) राम की अभिमान से भरी बातें ।

उत्तर **(B)** उनके गुरु शिव का धनुष टूटना।

(viii) लक्ष्मण ने शिवधनुष की तुलना अन्य धनुषों से क्यों की?

(A) परशुराम का क्रोध शांत करने के लिए।
(B) परशुराम का क्रोध और भड़काने के लिए।
(C) परशुराम के प्रति अपने व्यंग्यात्मक लहजे के कारण
(D) शिवधनुष का अन्य धनुषों के जैसा होने के कारण।

उत्तर **(C)** परशुराम के प्रति अपने व्यंग्यात्मक लहजे के कारण

(ix) परशुराम की बातें सुनकर लक्ष्मण मुसकुराने क्यों लगे?

(A) स्वयं पर नियंत्रण न रखने के कारण
(B) परशुराम के क्रोध को गंभीरता से न लेने के कारण
(C) परशुराम के क्रोध को भड़काने के लिए
(D) परशुराम के आत्मप्रशंसात्मक वचनों को सुनकर

उत्तर **(D)** परशुराम के आत्मप्रशंसात्मक वचनों को सुनकर

(x)

(v) परशुराम ने राम के विनम्र वचनों का उत्तर कैसे दिया ?
(A) विनम्रतापूर्वक (B) क्रोधपूर्वक
(C) शांतिपूर्वक (D) तटस्थ भाव

उत्तर **(B)** क्रोधपूर्वक

(xi) राम ने शिव धनुष तोड़ने वाले को क्या कहा है?

(A) शिव का भक्त
(B) शिव का दास
(C) परशुराम का दास
(D) विश्वामित्र का शिष्य

उत्तर **(C)** परशुराम का दास

(xii)

(ii) परशुराम के अनुसार शिव धनुष तोड़ने वाला उनके लिए किसके समान है ? इस कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :

I. शत्रु के समान
II. सहस्रबाहु के समान
III. सेवक के समान

विकल्प :

(A) केवल I और II सही हैं।
(B) केवल II और III सही हैं।
(C) केवल I और III सही हैं।
(D) I, II और III तीनों सही हैं।

उत्तर **(A)** केवल I और II सही हैं।

(xiii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए:

कथन: परशुराम के अहंकारपूर्ण वचनों को सुनकर लक्ष्मण मुस्कुराने लगे।
कारण: उन्होंने बचपन से ही बहुत से धनुष तोड़े हैं।
विकल्प:

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर **(D)** कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

(xiv) परशुराम सभा में मौजूद राजाओं से क्या कह रहे हैं?

(A) शत्रु को उनके सामने उपस्थित कर दें।
(B) दोषी स्वयं ही सभा से अलग हो जाए।
(C) सभी राजा सभा से अलग हो जाएँ।
(D) सभी राजा इसके लिए दोषी हैं।

उत्तर **(B)** दोषी स्वयं ही सभा से अलग हो जाए।

(xv)

(iv) इस काव्यांश के आधार पर लक्ष्मण की वाणी किस प्रकार की थी ?

(A) कटु
(B) व्यंग्यपूर्ण
(C) गंभीर

उत्तर **(B)** व्यंग्यपूर्ण

काव्यांश 2 **2024** (3/3/1)

सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।
सुनि मुनि बचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।

बहु धनुही तोरी लरिकाई। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।

(i) राम ने स्वयं को परशुराम का सेवक क्यों बताया?

(A) वे परशुराम के क्रोध से डर गए थे।
(B) वे परशुराम का क्रोध-शांत करना चाहते थे।
(C) वे उनसे उम्र में बहुत ही छोटे थे।
(D) वे व्यंग्य में उनसे ऐसा कह रहे थे।

उत्तर **(B)** वे परशुराम का क्रोध-शांत करना चाहते थे।

(ii) परशुराम के क्रोध का क्या कारण था?

(A) सभा में उन्हें न बुलाया जाना।
(B) उनके गुरु शिव का धनुष टूटना।
(C) लक्ष्मण की धृष्टता से भरी बातें।
(D) राम की अभिमान से भरी बातें।

उत्तर **(B)** उनके गुरु शिव का धनुष टूटना।

(iii) लक्ष्मण ने शिवधनुष की तुलना अन्य धनुषों से क्यों की?

(A) परशुराम का क्रोध शांत करने के लिए।
(B) परशुराम का क्रोध और भड़काने के लिए।
(C) परशुराम के प्रति अपने व्यंग्यात्मक लहजे के कारण
(D) शिवधनुष का अन्य धनुषों के जैसा होने के कारण।

उत्तर **(C)** परशुराम के प्रति अपने व्यंग्यात्मक लहजे के कारण

(iv) परशुराम की बातें सुनकर लक्ष्मण मुसकुराने क्यों लगे?

(A) स्वयं पर नियंत्रण न रखने के कारण
(B) परशुराम के क्रोध को गंभीरता से न लेने के कारण
(C) परशुराम के क्रोध को भड़काने के लिए
(D) परशुराम के आत्मप्रशंसात्मक वचनों को सुनकर

उत्तर **(D)** परशुराम के आत्मप्रशंसात्मक वचनों को सुनकर

(v) परशुराम ने राम के विनम्र वचनों का उत्तर कैसे दिया?

(A) विनम्रतापूर्वक
(B) क्रोधपूर्वक
(C) शांतिपूर्वक
(D) तटस्थ भाव

उत्तर **(B)** क्रोधपूर्वक

काव्यांश 3 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।

(i) पद्यांश में लक्ष्मण किन्हें संबोधित कर रहे हैं?

(A) श्रीराम को
(B) राजा जनक को
(C) परशुराम को
(D) विश्वामित्र को

उत्तर **(C)** परशुराम को

(ii) (ii) लक्ष्मण ने धनुष टूटने के लिए कौन-से तर्क दिए ?

I. सभी धनुष एक समान हैं ।
II. पुराना धनुष टूटने से क्या हानि, क्या लाभ ?
III. वह तो छूते ही टूट गया ।
IV. मुनिवर आप इतना क्रोध क्यों कर रहे हो ?

विकल्प :

(A) I, II, IV
(B) II, III, IV
(C) I, II, III
(D) I, III, IV

उत्तर **(C)** I, II, III

(iii) 'परशुराम ने अपने फरसे की ओर देखा' -- इसका क्या भाव है?

(A) उनका फरसा अति सुंदर है।
(B) उनका फरसा उनका सहारा है।
(C) वैसा फरसा किसी और के पास नहीं है।
(D) वे कमज़ोर नहीं, फरसाधारी वीर हैं।

उत्तर **(D)** वे कमज़ोर नहीं, फरसाधारी वीर हैं।

(iv) परशुराम ने लक्ष्मण का वध न करने के लिए क्या तर्क दिया?

(A) वे बालक का वध नहीं करेंगे।
(B) वे मुनि हैं, अत: किसी का वध नहीं करेंगे।
(C) वध करने के लिए उनका फरसा अनुपयुक्त है।
(D) ऐसा उनका स्वभाव ही नहीं है।

उत्तर **(A)** वे बालक का वध नहीं करेंगे।

(v) परशुराम ने अपने परिचय में नहीं कहा:

(A) मैं निरा मुनि नहीं हूँ।
(B) मैं अत्यधिक क्रोधी हूँ।

(C) मैं बाल ब्रह्मचारी हूँ।
(D) मैं बहुत विद्वान हूँ।

उत्तर (D) मैं बहुत विद्वान हूँ।

काव्यांश 4 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।
पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना I
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।

(i) लक्ष्मण कोमल वाणी में किन्हें संबोधित कर रहे हैं?

(A) मुनिवर परशुराम
(B) दशरथपुत्र राम
(C) गुरु विश्वामित्र
(D) राजा जनक

उत्तर (A) मुनिवर परशुराम

(ii) इन पंक्तियों में लक्ष्मण ने परशुराम के लिए व्यंग्य में क्या कहा?

(A) मुनीश्वर आपने अनेक राजाओं से भूमि जीतकर ब्राह्मणों को दी है।
(B) हे मुनिवर आपके बरे में ज्ञात है कि आप तो क्षत्रियकुल के विनाशक हैं।
(C) हे मुनिश्रेष्ठ महान योद्धा होते हुए आपको बार-बार फरसा दिखाने की आवश्यकता क्या है?
(D) हे मुनिवर आपके पास तो वह फरसा है जिससे आपने राजा सहस्रबाहु का वध किया था।

उत्तर (C) हे मुनिश्रेष्ठ महान योद्धा होते हुए आपको बार-बार फरसा दिखाने की आवश्यकता क्या है?

(iii) 'हाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।' --- का आशय है:

(A) हम कुम्हड़े का फल नहीं जो देखते ही मुरझा जाएँगे।
(B) हम कुम्हड़े का फल नहीं जो छूते ही सूख जाएँगे।
(C) हम दुर्बल नहीं जो आपके क्रोधपूर्ण वचनों से डर जाएँगे।
(D) हम दुर्बल नहीं जो आपके फरसे को देखकर डर जाएँगे।

उत्तर (C) हम दुर्बल नहीं जो आपके क्रोधपूर्ण वचनों से डर जाएँगे।

(iv) ज्ञोपवीतधारी ब्राह्मण समझकर हम अपने क्रोध को नियंत्रित कर आपके कठोर व्यवहार को सहन कर रहे हैं।' -- यह भाव किस पंक्ति में आया है?

(A) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।
(B) पुनि-पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।
(C) देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना ॥
(D) भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।

उत्तर (D) भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।

(v) लक्ष्मण द्वारा रघुकुल में किस-किस पर शूरवीरता न दिखाने की बात कही गई?

(A) सुर, ब्राह्मण, भगवान के भक्त, गायक
(B) सुर, महिसुर, हरिजन, गायिका
(C) देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त, गाय
(D) असुर, ब्राह्मण, भगवान के भक्त, गाय

उत्तर (C) देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त, गाय

काव्यांश 5 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिन काज करिअत रोसू।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।
बालकु बोलि बधधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।
सहस्रबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।

(i) परशुराम ने अपना परिचय क्या कहकर दिया?

(A) मैं क्षत्रिय कुल का प्रसिद्ध संरक्षक हूँ।
(B) मैं अत्यंत उग्र स्वभाव का हूँ।
(C) मैं सहस्रबाहु का संरक्षक हूँ।
(D) मैं ब्राह्मण कुल का संहारक हूँ।

उत्तर (B) मैं अत्यंत उग्र स्वभाव का हूँ।

(ii) पद्यांश में 'जड़' का अर्थ है:

(A) मूल
(B) स्रोत
(C) नींव
(D) मूर्ख

उत्तर (D) मूर्ख

(iii) लक्ष्मण की वाणी कैसी थी?

(A) व्यंग्यपूर्ण - भयपूर्ण
(B) गंभीर - भयपूर्ण
(C) व्यंग्यपूर्ण - भयरहित
(D) भयपूर्ण - हास्यपूरित

उत्तर (C) व्यंग्यपूर्ण - भयरहित

(iv) पद्यांश में बाल ब्रह्मचारी किसे कहा गया है?

(A) परशुराम को
(B) लक्ष्मण को
(C) रघुपति को
(D) महिदेव को

उत्तर (A) परशुराम को

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन: लक्ष्मण का परशुराम के प्रति व्यवहार कोमलता से भरा और विनम्र था।
कारण: लक्ष्मण परशुराम के विचार, आचार और व्यक्तित्व से अत्यंत प्रभावित थे।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(B)** कथन और कारण दोनों गलत हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 **2023** (3/1/2)

लक्ष्मण के द्वारा शिव धनुष के टूटने के लिए दिए गए तर्कों में कौन-सा तर्क सम्मिलित नहीं है?

(A) धनुष छूते ही टूट गया।
(B) जीर्ण-शीर्ण धनुष तोड़कर किसी को क्या लाभ हानि?
(C) सभी धनुष तो एकसमान ही होते हैं।
(D) हँसी - खेल में रघुपति से टूट गया।

उत्तर **(D)** हँसी - खेल में रघुपति से टूट गया।

प्रश्न 2 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

परशुराम के क्रोधित होने का कारण था -

(A) सीता स्वयंवर में राम-लक्ष्मण का पहुँचना
(B) लक्ष्मण द्वारा उनके गुरु शिव का धनुष तोड़ना
(C) राम-लक्ष्मण द्वारा उनके प्रश्नों का जवाब न देना
(D) राम द्वारा शिव-धनुष का भंग करना खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

उत्तर **(D)** राम द्वारा शिव-धनुष का भंग करना खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्रश्न 3 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता के संदर्भ में शिव-धनुष टूटने की आवाज़ सुन परशुराम ने क्रोधित होते हुए पूछा कि धनुष किसने तोड़ा? इसका उत्तर किसने और क्या दिया?

(A) लक्ष्मण ने कहा कि शिव-धनुष उन्होंने ही तोड़ा है।
(B) लक्ष्मण ने कहा कि शिव-धनुष राम ने तोड़ा है।
(C) राम ने कहा कि शिव-धनुष तोड़ने वाला आपका कोई सेवक होगा।
(D) राम ने कहा कि शिव-धनुष को भंग करने वाला और कोई नहीं मैं ही हूँ।

उत्तर **(C)** राम ने कहा कि शिव-धनुष तोड़ने वाला आपका कोई सेवक होगा।

प्रश्न 4 **2023** (3/6/1)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में परशुराम बार-बार विश्वामित्र से लक्ष्मण की शिकायत क्यों कर रहे हैं?

(A) विश्वामित्र सभी मुनियों में श्रेष्ठ थे।
(B) विश्वामित्र राम और लक्ष्मण के कुल गुरु थे।
(C) विश्वामित्र सीता-स्वयंबर में जनक के पुरोहित थे।
(D) विश्वामित्र उस समय राम-लक्ष्मण के गुरु एवं अभिभावक थे।

उत्तर **(D)** विश्वामित्र उस समय राम-लक्ष्मण के गुरु एवं अभिभावक थे।

प्रश्न 5 **2023** (3/6/2)

लक्ष्मण ने वीरों के क्या लक्षण बताए?

(A) बीर युद्ध में पराक्रम दिखाते हैं न कि अपनी बड़ाई खुद बताते हैं।
(B) वीर कभी भी युद्ध के लिए प्रस्तुत रहते हैं और उनके बारे में बताना नहीं पड़ता।
(C) बीर विनम्र होते हैं आवश्यकता अनुसार ही शस्त्र धारण करते हैं।
(D) वीर वाचाल होते हैं और उनके आने से पहले उनकी खबर पहुँच जाती है।

उत्तर **(A)** बीर युद्ध में पराक्रम दिखाते हैं न कि अपनी बड़ाई खुद बताते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 6 **2023** (3/1/1)

परशुराम शिव धनुष टूटने पर इतने अधिक क्रोधित क्यों हो गए? शिव धनुष तोड़ने वाले के प्रति उनकी प्रतिक्रिया क्या थी? 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' प्रसंग के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

शिव परशुराम के आराध्य और गुरु थे, इसलिए शिव-धनुष टूटने पर वे अत्यंत क्रोधित हो गए। उन्होंने धनुष तोड़ने वाले को सहस्रबाहु के समान अपना शत्रु बताया और चेतावनी दी कि वह सभा से अलग होकर सामने आ जाए, अन्यथा सभी राजा मारे जाएँगे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- शिव उनके आराध्य / गुरु थे;
- सहस्रबाहु के समान अपना शत्रु बताया।
- चेतावनी दी कि उसे समाज / सभा से अलग कर दिया जाए। अन्यथा सभी राजाओं का वध निश्चित है। (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए कोई एक बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 7 **2023** (3/1/3)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम-संवाद' प्रसंग के आधार पर परशुराम के स्वभाव और व्यक्तित्व की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

परशुराम अपने गुरु शिव के परम भक्त और बाल-ब्रह्मचारी हैं। वे अत्यंत क्रोधी स्वभाव के हैं और क्षत्रिय-कुल के द्रोही के रूप में प्रसिद्ध हैं। वे बलशाली, साहसी और यशस्वी हैं, परंतु अपने पराक्रम का स्वयं बखान करने वाले आत्मप्रशंसक भी हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- गुरु (शिव) के परम भक्त
- बालब्रह्मचारी

- अति क्रोधी
- क्षत्रिय कुल-द्रोही
- आत्मप्रशंसक
- बलशाली
- यशस्वी
- साहसी 04 (कोई चार बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 **2023** (3/2/1)

'लक्ष्मण की बातें परशुराम के गुस्से को और बढ़ा रही थीं।' -- 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता के आलोक में इस कथन की पुष्टि कीजिए।

आदर्श उत्तर

लक्ष्मण बार-बार उकसाने वाली बातें कहते हैं – बचपन में हमने ऐसे कई धनुष तोड़े हैं; पुराने धनुष के टूटने से क्या लाभ-हानि; आपके फरसा दिखाने से यहाँ कोई नहीं डरता; वीर युद्ध में वीरता दिखाते हैं, कायर ही अपनी बड़ाई करते हैं। इन व्यंग्य-वचनों से परशुराम का क्रोध बढ़ता गया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

लक्ष्मण द्वारा बार-बार उकसाने वाली बात

- हमने बचपन में ऐसे कई छोटे धनुष तोड़े हैं।
- भृगु का पत्र समझकर व जनेऊ देखकर आपकी बातों को सह रहे हैं।
- पुराने धनुष के टूट जाने से क्या लाभ, क्या हानि।
- आपके बार-बार फरसा दिखाने से यहाँ कोई भयभीत नहीं होगा
- किसी को मारने के लिए आपकी कठोर बातें ही काफी हैं। व्यर्थ में ही आपने शस्त्र धारण किया है।
- वीर युद्ध में वीरता दिखलाते हैं जबकि कायर अपने मुँह अपनी बड़ाई करते हैं।
- माता-पिता के ऋण से तो आप मुक्त हो चुके हैं, गुरु का कितना ऋण बाकी है, बताइए, मैं थैली खोलता हूँ। (संदर्भगत अन्य उपयुक्त उदाहरणों पर भी अंक दिए जाएँ) (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 9 **2023** (3/2/2)

'हाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं' -- पंक्ति के द्वारा लक्ष्मण परशुराम से क्या कह रहे हैं? उन्होंने अपने व्यवहार को उचित ठहराते हुए क्या तर्क दिया?

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति द्वारा लक्ष्मण कहते हैं कि इस सभा में कोई कुम्हड़े की बतिया जैसा कमज़ोर नहीं है जो तर्जनी देखकर ही डर जाए। अपने व्यवहार को उचित ठहराते हुए वे तर्क देते हैं कि परशुराम मुनि की तरह नहीं, फरसा और धनुष-बाण धारण किए योद्धा की तरह दिखाई दे रहे हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- सभा में कोई भी कमजोर नहीं है, डरने वाला नहीं है।
- परशुराम किसी मुनि की तरह नहीं बल्कि योद्धा की तरह दिखाई दे रहे हैं।

प्रश्न 10 2023 (3/2/3)

राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में परशुराम के क्रोध का क्या कारण था? उन्होंने आते ही क्रोध में क्या माँग की? क्या आपको उनका क्रोध उचित प्रतीत होता है? तर्क संगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

परशुराम के क्रोध का कारण शिव-धनुष का टूटना था। आते ही उन्होंने माँग की कि धनुष तोड़ने वाला सभा से अलग होकर सामने आ जाए। शिव उनके गुरु थे, इसलिए क्रोध स्वाभाविक था; किंतु धनुष टूटने का कारण जाने बिना सबको धमकी देना उचित नहीं कहा जा सकता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

कारण -।

- शिव-धनुष टूटना; माँग - शिव-धनुष तोड़ने वाला अपराधी सभा से अलग होकर सामने आ जाए। (प्रश्न के अंतिम भाग के लिए तर्कपूर्ण उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर

स्वीकार्य) उदाहरणार्थ - उचित - शिव उनके गुरू थे, उनके धनुष को तोड़ने के कारण उत्पन्न क्रोध सात्विक अनुचित - शिव-धनुष के टूटने के कारणों को

जाने बिना धमकी देना

प्रश्न 11 2023 (3/6/1)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में लक्ष्मण ने अपने कुल की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है? (किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन कीजिए 1)

आदर्श उत्तर

लक्ष्मण बताते हैं कि रघुकुल में देवता, ब्राह्मण, भगवान के भक्त और गाय पर वीरता नहीं दिखाई जाती; इन सबका सम्मान करने की परंपरा है। ऋषि-मुनियों और ब्राह्मणों पर हाथ नहीं उठाया जाता, क्योंकि इन्हें मारने से पाप लगता है और इनसे हारने पर अपयश मिलता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- देवताओं, गुरूओं, मुनियों, ब्राह्मणों, गौओं का सम्मान करने की परंपरा
- ऋषियों, मुनियों, ब्राह्मणों पर हाथ न उठाना

प्रश्न 12 2023 (3/6/2)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम' के तीनों मुख्य पात्रों में से किससे आप सर्वाधिक प्रभावित होते हैं और क्यों?

आदर्श उत्तर

मैं राम से सर्वाधिक प्रभावित होता हूँ। वे विनम्र, संयमी और गुरुजनों का आदर करने वाले हैं। पराक्रमी और समर्थ होते हुए भी वे बढ़-चढ़कर नहीं बोलते और क्रोध नहीं करते; अपने शांत और मधुर वचनों से वे क्रोधित परशुराम को भी शांत करने का प्रयास करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ

- राम ने प्रभावित किया कारण
- राम विनम्र, गुरुजनों का आदर करने वाले, संयमी, पराक्रमी
- समर्थ होते हुए भी बढ़-चढ़ कर न बोलना

- क्रोध न करना

प्रश्न 13 2023 (3/6/3)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के अंतर्गत लक्ष्मण वीरों और कायरों की कौन-सी विशेषताएँ बताते हैं और क्यों?

आदर्श उत्तर

लक्ष्मण कहते हैं कि वीर युद्ध-भूमि में अपनी वीरता कर्म से दिखाते हैं, जबकि कायर केवल अपने मुँह से अपनी वीरता का बखान करते हैं। वे ऐसा इसलिए कहते हैं क्योंकि परशुराम निरंतर अपने ही मुख से अपने साहस, शौर्य और बल की प्रशंसा कर रहे थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- वीर युद्ध में अपनी वीरता प्रदर्शित करते हैं।
- कायर केवल वीरता का बखान करते हैं।; कारण - परशुराम द्वारा निरंतर अपने ही मुख से अपने साहस, शौर्य, बल आदि का बखान करना।

प्रश्न 14 2024 (3/2/1)

परशुराम ने किसकी तुलना सहस्रबाहु से की और क्यों?

आदर्श उत्तर

परशुराम ने शिव-धनुष तोड़ने वाले की तुलना सहस्रबाहु से की। सहस्रबाहु उनका घोर शत्रु था, जिसकी भुजाएँ उन्होंने काट डाली थीं। यह तुलना करके वे जताना चाहते थे कि धनुष तोड़ने वाला भी उनका वैसा ही शत्रु है और दंड का पात्र है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- शिवधनुष तोड़ने वाले की;
- सहस्रबाहु, उनका शत्रु होने के कारण

प्रश्न 15 2024 (3/2/2)

'रामलक्ष्मण परशुराम संवाद' कविता के आधार पर लिखिए कि रघुकुल में किस-किस पर वीरता का प्रदर्शन नहीं किया जाता और क्यों?

आदर्श उत्तर

रघुकुल में ब्राह्मण, देवता, गाय और ईश्वर के भक्तों पर वीरता का प्रदर्शन नहीं किया जाता। इसका कारण यह है कि इनका वध करने से पाप लगता है और इनके हाथों पराजित होने पर अपकीर्ति फैलती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे–

- ब्राह्मण, देवता, गाय, ईश्वर के भक्त पर वीरता का प्रदर्शन नहीं

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- क्योंकि उनके वध से पाप
- उनके हाथों पराजय से अपकीर्ति

प्रश्न 16 2024 (3/2/3)

'लक्ष्मण द्वारा परशुराम को चुनौती देने के क्या कारण थे?' अपने शब्दों में पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

लक्ष्मण ने परशुराम को इसलिए चुनौती दी क्योंकि परशुराम अतिशय क्रोध में कठोर वचन कह रहे थे और बार-बार अपना कुठार दिखाकर डराने का प्रयास कर रहे थे। लक्ष्मण का स्वभाव वीरोचित और उग्र था, इसलिए वे उन वचनों को सह न सके और प्रत्युत्तर देते रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- परशुराम के अतिशय क्रोध में कहे गए कठोर वचनों के प्रत्यूत्तर में
- बार-बार कुठार दिखाने के कारण
- लक्ष्मण के वीरोचित उग्र स्वभाव कारण

प्रश्न 17 2025 (3/1/1)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में राम की उपस्थिति शब्दों में कम परंतु प्रभाव में अधिक है, कैसे? दो बिंदुओं में उनके प्रभाव को स्पष्ट कीजिए

आदर्श उत्तर

राम बहुत कम बोलते हैं, पर उनका मृदु, शांत और शीतल व्यक्तित्व परशुराम के क्रोध को शांत करने का काम करता है। साहस के साथ जुड़ी उनकी विनयशीलता लक्ष्मण के व्यंग्य-वचनों से कहीं अधिक प्रभाव डालती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- राम का मृदु, शांत और शीतल व्यक्तित्व परशुराम के क्रोध को शांत करने वाला
- साहस के साथ विनयशीलता का प्रभाव अधिक होना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 18 2025 (3/1/3)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' प्रसंग के राम शांत, सौम्य एवं अत्यंत प्रभावशाली हैं। कैसे? कविता के प्रसंगों के आधार पर दो बिंदुओं में लिखिए।

आदर्श उत्तर

राम क्रोधित परशुराम से विनम्र भाव से कहते हैं कि शिव-धनुष तोड़ने वाला आपका ही कोई दास होगा। परशुराम और लक्ष्मण दोनों अतिशय वाक्पटु और उग्र हैं, जबकि राम शांत और सौम्य बने रहते हैं; उनके शीतल वचन ही क्रोध की आग को बुझाने में समर्थ होते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- राम ने क्रोधी परशुराम से विनम्र भाव से कहा कि धनुष तोड़ने वाला उनका कोई दास
- परशुराम एवं लक्ष्मण अतिशय वाक्पटु जबकि राम शांत और सौम्य (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 19 2025 (3/3/3)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' कविता में परशुराम जी सहस्रबाहु के प्रसंग द्वारा लक्ष्मण को क्या समझाना चाहते हैं?

आदर्श उत्तर

सहस्रबाहु के प्रसंग द्वारा परशुराम लक्ष्मण को चेतावनी देना चाहते हैं कि वे कोई साधारण मुनि नहीं, शस्त्र धारण करने वाले वीर हैं। वे अत्यंत क्रोधी हैं, दंड देने में सक्षम हैं और उनका फरसा वज्र के समान कठोर है, इसलिए लक्ष्मण सँभलकर बोलें।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- लक्ष्मण को चेतावनी
- वे साधारण मुनि नहीं, शस्त्र धारण करने वाले वीर
- अत्यंत क्रोधी और दंड देने में सक्षम
- वज्र के समान कठोर परशुधारी

प्रश्न 20 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

परशुराम के आगमन के पश्चात् राजा जनक की सभा का दृश्य 'राम-लक्ष्मण- परशुराम' संवाद के आधार पर अपने शब्दों में वर्णित कीजिए।

आदर्श उत्तर

धनुष-भंग के बाद सभा का उल्लासमय वातावरण परशुराम के आते ही भय से भर गया। क्रोधित परशुराम को देखकर उपस्थित राजा डर गए। राम ने संयम और विनम्रता से उन्हें समझाने का प्रयास किया, पर लक्ष्मण के निर्भीक व्यंग्य से उनका क्रोध बढ़ता गया और सभी अनिष्ट की आशंका से भर उठे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर सभा के दृश्य से संबंधित कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- धनुष-भंग के पश्चात् उल्लासमय वातावरण में भय का संचार
- क्रोधित परशुराम को देख उपस्थित राजाओं में भय
- राम के द्वारा संयम और विनम्रता से समझाने का प्रयास
- परशुराम की दंभपूर्ण चेतावनी और तीव्र होता क्रोध
- लक्ष्मण की निर्भीक व्यंग्यपूर्ण वाचालता
- सभी का अनिष्ट की आशंका से भर उठना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 21 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ में परशुराम ने शिवधनुष तोड़ने वाले को अपना शत्रु क्यों कहा? आपकी दृष्टि में क्या वास्तव में वह उनका शत्रु था?

आदर्श उत्तर

परशुराम शिव के अनन्य भक्त और शिष्य थे, इसलिए शिव-धनुष का टूटना उन्हें अपने गुरु का अपमान लगा और उन्होंने तोड़ने वाले को शत्रु कहा। मेरी दृष्टि में वह उनका शत्रु नहीं था, क्योंकि धनुष शिव का अपमान करने के लिए नहीं, स्वयंवर की शर्त पूरी करने के लिए तोड़ा गया था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कारण:

- परशुराम शिव के अनन्य भक्त, शिष्य
- शिव-धनुष का टूटना गुरु/आराध्य का अपमान;

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- हाँ, क्योंकि शिव-धनुष को भंग करना गुरु का अपमान है।
- नहीं, शिव-धनुष को शिव का अपमान करने के लिए भंग नहीं किया गया था।

प्रश्न 22 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर लिखिए लक्ष्मण और श्री राम के बचनों में मुख्य अंतर क्या था?

आदर्श उत्तर

लक्ष्मण के वचनों में उग्रता, उद्दंडता और व्यंग्य था; वे परशुराम को उकसाने वाली बातें कह रहे थे। इसके विपरीत श्री राम के वचनों में विनम्रता, विनयशीलता और आत्मसंयम था; वे मधुर वाणी से परशुराम का क्रोध शांत करना चाहते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर एक उपयुक्त अंतर लिखेंगे-

- लक्ष्मण के वचनों में उद्दंडता/ व्यंग्यात्मकता/ उग्रता;
- श्री राम के वचनों में विनम्रता/ विनयशीलता/ आत्मसंयम

प्रश्न 23 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' में लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या विशेषताएँ बतलाई हैं?

आदर्श उत्तर

लक्ष्मण के अनुसार वीर योद्धा रणभूमि में शत्रु के सामने अपने पराक्रम से वीरता सिद्ध करता है; वह अपने मुँह से अपनी प्रशंसा नहीं करता। वीर धैर्यवान और क्षोभरहित होता है तथा अपशब्द नहीं कहता। युद्ध में शत्रु को सामने पाकर अपनी बड़ाई करना कायरों का काम है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

दिए गए प्रश्न का सीधा उत्तर 'राम-लक्ष्मण परशुराम संवाद' के उस पद से है, जो वर्तमान में पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है; यद्यपि यह प्रश्न पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास में दिया गया है। अत: परीक्षार्थियों ने यदि पाठ के आधार पर इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास किया है तो उनके हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें पूरे अंक दिए जाएँ।

क्षितिज • काव्य खंड

आत्मकथ्य — जयशंकर प्रसाद

पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

काव्यांश 1 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

तब भी कहते हो - कह डालू दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे - यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले -
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।
यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूले अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।
उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ; मधुर चाँदनी रातों की।
अरे खिल-खिलाकर हँसते होने वाली उन बातों की।
मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।

(i) अपने बीते हुए जीवन को कवि किस रूप में देख रहा है?

(A) विशद और विस्तृत
(B) सरल और सामान्य
(C) समृद्ध और सबल
(D) दुखद और करुण

उत्तर **(B)** सरल और सामान्य

(ii) जीवन-गाथा नहीं सुनाने के पीछे कौन-सा कारण मुख्य है?

(A) उनको भय है कि लोग उनकी कमज़ोरियों पर हँसेंगे।
(B) विनम्र स्वभाववश अपनी जीवन-कथा को आम आदमी की कथा मानना।
(C) उनके जीवन के खालीपन से दूसरे सुख पाएँगे।
(D) उनके जीवन की व्यथा सबको भावुक बना देगी।

उत्तर **(B)** विनम्र स्वभाववश अपनी जीवन-कथा को आम आदमी की कथा मानना।

(iii) 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ' - पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि किस गाथा को उज्ज्वल कहा गया है?

(A) विगत जीवन की स्मृतियों को
(B) मित्रों के साथ व्यतीत समय-गाथा को
(C) प्रेयसी / पत्नी के साथ व्यतीत मधुर स्मृतियों को
(D) साहित्यिक गोष्ठियों में की जाने वाली चर्चा को

उत्तर **(C)** प्रेयसी / पत्नी के साथ व्यतीत मधुर स्मृतियों को

(iv) 'देखोगे - यह गागर रीती' - पंक्ति में प्रयुक्त 'गागर रीती' से क्या अभिप्राय है?

(A) गागर का रिक्त होना
(B) विशिष्ट उपलब्धियों का न होना
(C) साहित्यिक रचनाओं का न होना
(D) विगत जीवन में सुख का न होना

उत्तर **(B)** विशिष्ट उपलब्धियों का न होना

(v)

(v) उपर्युक्त काव्यांश का मुख्य भाव है – 1

(a) जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की मार्मिक अभिव्यक्ति
(b) आत्मकथा न लिखने के कारणों का उल्लेख
(c) मित्रों के मधुर – कटु व्यवहार का उल्लेख
(d) प्रेयसी / पत्नी के साथ व्यतीत मधुर पलों की अभिव्यक्ति

उत्तर **(A)** जीवन के यथार्थ एवं अभाव पक्ष की मार्मिक अभिव्यक्ति

काव्यांश 2 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3) • **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो - कह डालू दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले -
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।
7 77

(i) कवि ने इन पंक्तियों में 'मधुप' का प्रयोग किस अर्थ में किया है?

(A) संसार रूपी भ्रमर
(B) मन रूपी भ्रमर
(C) लोलुप मित्रगण
(D) कविता के पाठक

उत्तर **(B)** मन रूपी भ्रमर

(ii)

(ii) 'मुरझाकर गिर रहीं हैं पत्तियाँ देखो' – के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

I. कवि के जीवन से सुख रूपी पत्तियाँ गिर रही हैं।
II. संसार में जीवन नश्वर है और एक न एक दिन सबको नष्ट होना है।
III. कवि के मित्र एक-एक कर साथ छोड़ते हुए जा रहे हैं।

विकल्प :

(A) केवल II सही है।
(B) I, II और III तीनों सही हैं।
(C) I और II सही हैं।
(D) I और III सही हैं।

उत्तर **(C)** I और II सही हैं।

(iii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन: कवि अपनी आत्मकथा नहीं लिखना चाहता है।
कारण: महान लोगों की असंख्य आत्मकथाएँ इस साहित्य संसार में पहले से ही मौजूद है।
विकल्प:

(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर **(D)** कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(iv) (iv) कवि ने अपने मित्रों/पाठकों से क्या-क्या सवाल किए हैं ?

I. क्या तुम मेरे जीवन का खालीपन देख सुखी हो पाओगे ?
II. आत्मकथाओं का व्यंग्य और उपहास उड़ाया जाता है, ऐसे में तुम क्यों चाहते हो कि मैं अपनी दुर्बलता लिखूँ ?
III. क्या मेरे जीवन का सुख लेकर तुमने अपने जीवन को भर लिया है ?

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों
(B) केवल I और III
(C) केवल I और II
(D) केवल II और III

उत्तर **(A)** I, II और III तीनों

(v) कवि विडंबना किसे कह रहा है?

(A) इस संसार में सीधेपन का मज़ाक उड़ाया जाता है।
(B) दोस्त-मित्र ही अकसर छल करते हैं।
(C) सच्ची आत्मकथाओं का भी उपहास उड़ाया जाता है।
(D) जीवन अपनी भूलों और दूसरों की प्रवंचनाओं का मिश्रण मात्र होता है।

उत्तर **(A)** इस संसार में सीधेपन का मज़ाक उड़ाया जाता है।

(vi) 'पत्तियों का मुरझाकर गिरना' किसका प्रतीक है?

(A) जीवन की बाधाओं का
(B) जीवन की अनंतता का
(C) जीवन की नश्वरता का
(D) जीवन की निश्चितता का

उत्तर **(C)** जीवन की नश्वरता का

(vii) 'तुम सुनकर सुख पाओगे' पंक्ति में 'तुम' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(A) मित्रों के लिए
(B) प्रेयसी के लिए
(C) अंतर्मन के लिए
(D) पाठकों के लिए

उत्तर **(A)** मित्रों के लिए

(viii)

(iii) कवि ने अपने मित्रों से क्या-क्या सवाल किए हैं ? इस प्रश्न के उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :

(I) क्या तुम मेरे जीवन के खालीपन को देखकर सुखी हो पाओगे ?

(II) कहीं मेरे जीवन का सुख लेकर तो तुमने अपने जीवन को नहीं भर लिया है ?

(III) आत्म-कथाओं का उपहास उड़ाया जाता है फिर तुम क्यों चाहते हो कि मैं अपनी दुर्बलता लिखूँ।

विकल्प :

(A) विकल्प (I) और (II) सही हैं।

(B) विकल्प (I), (II) और (III) सही हैं।

(C) विकल्प (II) और (III) सही हैं।

(D) केवल विकल्प (I) सही है।

उत्तर **(B)** विकल्प (I), (II) और (III) सही हैं।

(ix) काव्यांश के संदर्भ में 'रीती गागर' से क्या अभिप्राय है?

(A) धन-संपत्ति का अभाव
(B) जीवन में कोई अपना न होना
(C) सम्मान से रहित जीवन
(D) उपलब्धियों से रहित जीवन

उत्तर **(D)** उपलब्धियों से रहित जीवन

(x) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए:

कथन: कवि अपने जीवन की दुर्बलता समाज के सामने नहीं लाना चाहता।
कारण: लोगों के बीच कटाक्षपूर्ण मज़ाक बनने का भय।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ही ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

काव्यांश 3 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की।
सीवन को उधेड़ कर देखोगे क्यों मेरी कथा की?

छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ?
क्या यह अच्छा नहीं कि औरों की सुनता मैं मौन रहूँ?
सुनकर क्या तुम भला करोगे मेरी भोली आत्मकथा?
अभी समय भी नहीं, थकी सोई है मेरी मौन व्यथा।

(i) 'उसकी स्मृति पाथेय बनी है' पंक्ति में कवि ने किसकी स्मृति को अपना 'पाथेय' बनाया है?

(A) अपनी आत्मकथा को। **(B)** अपने मित्रों की यादों को।
(C) अपनी परिवार की यादों को। **(D)** अपनी प्रेयसी की यादों को।

उत्तर **(D)** अपनी प्रेयसी की यादों को।

(ii) 'कथा' शब्द का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है?

(A) कठिनाइयों के लिए **(B)** पत्नी के लिए
(C) अंतर्मन के लिए **(D)** अपने जीवन के लिए

उत्तर **(C)** अंतर्मन के लिए

(iii) (iii) कवि अपनी व्यथा को मौन ही रखना चाहता है, क्यों ? इस प्रश्न के उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए –

(I) व्यथा जागेगी तो पीड़ा पहुँचाएगी ।
(II) दुखद अतीत को याद कर और दुखी नहीं होना चाहते ।
(III) अपने जीवन में कोई महान उपलब्धि नही प्राप्त की ।
(IV) वे दूसरों की आत्मकथा को महत्त्व देना चाहते हैं ।

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।
(B) कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।
(C) कथन (I), (II) और (IV) सही हैं ।
(D) केवल कथन (IV) सही है ।

उत्तर **(A)** कथन (I) और (II) सही हैं।

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए:

कथन: कवि ने अपने जीवन को बहुत छोटा कहा है।
कारण: स्वभाव की विनम्रता के कारण वह अपने जीवन को साधारण मानते थे।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(v) 'छोटे से जीवन की कैसे बड़ी कथाएँ आज कहूँ' - इस पंक्ति से जयशंकर प्रसाद के स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है?

(A) वे बहुत बड़े साहित्यकार नहीं थे।
(B) वे बहुत सरल थे, उनको अहंकार नहीं था।
(C) वे बहुत कम उम्र के कवि थे।
(D) उन्होंने साहित्य जगत में अभी प्रवेश किया था।

उत्तर **(B)** वे बहुत सरल थे, उनको अहंकार नहीं था।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

जयशंकर प्रसाद अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते हैं?

(A) वह एक सामान्य व्यक्ति की भोली कथा है।
(B) वह कथा दुर्बलताओं से भरी हुई है।
(C) उसमें दूसरों के दिए धोखे और छल हैं।
(D) विनम्र स्वभाववश स्वयं को सामान्य मानव मानते हैं।

उत्तर **(D)** विनम्र स्वभाववश स्वयं को सामान्य मानव मानते हैं।

प्रश्न 2 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि अपने जीवन-पथ की थकान कैसे दूर करता है?

(A) अपने अतीत की सुखद स्मृतियों के सहारे।
(B) अपने अतीत की दुखद स्मृतियों के सहारे।
(C) विविध प्रकार के साहित्य-मनन के सहारे।
(D) अपनी स्मृति-अनुभवों पर आधारित साहित्य सृजन करके।

उत्तर **(A)** अपने अतीत की सुखद स्मृतियों के सहारे।

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 3 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'आत्मकथ्य' से उद्धृत निम्नलिखित काव्य-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए - 'उसकी स्मृति पाथेय बनी है थके पथिक की पंथा की'।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का भाव यह है कि प्रिय के साथ बिताए सुखद क्षणों की स्मृति ही जीवन-पथ पर थके हुए कवि का पाथेय अर्थात सहारा है। ये मधुर स्मृतियाँ उसे कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ने की शक्ति और प्रेरणा देती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रेयसी / पत्नी की मधुर स्मृतियाँ कवि को जीवन की कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ने की शक्ति और प्रेरणा प्रदान करती हैं।

प्रश्न 4 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'आत्मकथ्य' कविता की पंक्ति - 'यह विडंबना! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।' -- का भाव अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि का जीवन अत्यंत सरल रहा है और इसी सरलता के कारण वह बार-बार धोखे और प्रवंचना का शिकार हुआ। अपनी आत्मकथा लिखकर वह अपनी ही सरलता का उपहास नहीं उड़ाना चाहता। सरल होना ही उपहास का कारण बन जाए, यही सबसे बड़ी विडंबना है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कवि का सरल जीवन
- विडंबना - सरलता का उपहास
- सरलता के कारण धोखे और प्रवंचना के शिकार

प्रश्न 5 **2023** (3/6/1)

इस वर्ष पाठ्यक्रम में पढ़ी कौन-सी कविता आपको सबसे अधिक प्रभावित करती है, और क्यों?

आदर्श उत्तर

मुझे 'आत्मकथ्य' कविता सबसे अधिक प्रभावित करती है। इसमें कवि जयशंकर प्रसाद की विनम्रता झलकती है; वे अपने जीवन को साधारण मानते हैं। कविता में जीवन के यथार्थ, अभावों और छले जाने की पीड़ा की अत्यंत मार्मिक अभिव्यक्ति हुई है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ

- 'आत्मकथ्य';
- कवि की विनम्रता
- जीवन के यथार्थ और अभाव की मार्मिक अभिव्यक्ति

प्रश्न 6 **2023** (3/6/1)

'आत्मकथ्य' में कवि आत्मकथा न लिखने के लिए जिन तर्कों का सहारा ले रहा है उनमें से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि आत्मकथा न लिखने के लिए तर्क देता है कि उसका जीवन सामान्य है; उसमें ऐसा कुछ विशेष नहीं जिसे लिखा जाए। वह अपने निजी जीवन, दुर्बलताओं और दूसरों से मिले छल को सार्वजनिक करके हँसी का पात्र नहीं बनना चाहता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- निजी जीवन को सार्वजनिक न करने की इच्छा
- जीवन सामान्य है, ऐसा कुछ विशेष नहीं जिसे लिखा जाए
- जीवन की दुर्बलताओं के सार्वजनिक उल्लेख से दूसरों द्वारा सुख पाने की संभावना
- हँसी का पात्र बनने का भय
- जीवन रिक्त, अभावों से भरा
- प्रवंचनाओं और छल को सबके सामने न लाने की इच्छा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 7 **2023** (3/6/2)

इस वर्ष पाठ्यक्रम में पढ़ी कौन-सी कविता है जिसमें आत्मकथा लेखन के विषय में कवि ने अपनी राय व्यक्त की है? आत्मकथा के विषय में कवि के विचारों में से किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

यह कविता 'आत्मकथ्य' है। कवि का मानना है कि आत्मकथा पूरी ईमानदारी और सच्चाई से लिखी जानी चाहिए, जिसके लिए बेहद निजी पलों को भी प्रकट करना पड़ता है। आत्मकथा लिखने के लिए उपलब्धियों भरा असाधारण जीवन चाहिए, जबकि उसका अपना जीवन सामान्य है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- आत्मकथ्य; कवि के विचार;
- आत्मकथा पूरी ईमानदारी और सच्चाई से लिखना आवश्यक और इसके लिए बेहद निजी पलों को भी अभिव्यक्त करना पड़ता है।
- आत्मकथा लोगों को सुख, आनंद, प्रेरणा देने वाली होनी चाहिए किंतु कवि के जीवन में ऐसा कुछ नहीं है।
- आत्मकथा लिखने के लिए उपलब्धियों भरा असाधारण जीवन होना चाहिए किंतु कवि का जीवन सामान्य है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 8 **2023** (3/6/3)

'कंथा के सीवन को उधेड़ने' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि के लिए आत्मकथा लिखना सीवन उधेड़ने जैसा क्यों है?

आदर्श उत्तर

कंथा अर्थात गुदड़ी की सीवन उधेड़ने का अर्थ है – जीवन की बीती स्मृतियों और छिपी बातों की परतों को खोलकर सबके सामने रख देना। आत्मकथा लिखने पर कवि को अपने अभावों, दूसरों से मिले छल और नितांत निजी पलों को भी सार्वजनिक करना पड़ेगा, इसलिए यह सीवन उधेड़ने जैसा है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कंथा अर्थात गुदड़ी की भाँति जीवन की विगत स्मृतियों, छिपी हुई बातों की परतों को उधेडना अर्थात सार्वजनिक करना।
- कवि को अपने जीवन के अभावों, दूसरों से मिले छल और बेहद निजी पलों को भी सार्वजनिक करना होगा।

प्रश्न 9 **2024** (3/1/1)

'आत्म कथ्य' कविता से ली गई 'अनंत नीलिमा में असंख्य जीवन इतिहास' पंक्ति का क्या आशय है?

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का आशय है कि इस अनंत नीले आकाश के नीचे असंख्य लोगों ने जीवन जिया है और हर एक की अपनी-अपनी कहानी है। कवि मानता है कि उन अनगिनत जीवन-कथाओं के बीच उसकी अपनी जीवन-कथा भी एक साधारण-सी कहानी है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी दी गई पंक्ति का उपयुक्त आशय स्पष्ट करेंगे, जैसे -

- इस सृष्टि में कवि के जीवन के समान अनगिनत लोगों के जीवन की अपनी-अपनी कहानी
- कवि का मानना कि उसकी जीवनकथा साधारण

प्रश्न 10 2024 (3/1/2)

'आत्मकथ्य' कविता में कवि स्वयं को थका हुआ पथिक क्यों कहता है?

आदर्श उत्तर

कवि स्वयं को थका हुआ पथिक इसलिए कहता है क्योंकि उसका जीवन संघर्षों, दुखों और अभावों से भरा रहा है। जीवन-यात्रा में उसने अनेक भूलें कीं और दूसरों की प्रवंचनाएँ सहीं। इन सबने उसे भीतर से थका दिया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में दा उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- भूलों और प्रवंचनाओं से भरा जीवन
- संघर्षों और दुखों से भरा जीवन
- अभाव ग्रस्त जीवन

प्रश्न 11 2024 (3/1/3)

'आत्मकथ्य' कविता में आई पंक्ति 'मुरझाकर गिर रही पत्तियाँ, देखो कितनी आज घनी'। का आशय स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति में मुरझाकर गिरती पत्तियाँ नश्वर जीवन का प्रतीक हैं। कवि कहना चाहता है कि जीवन अस्थायी है; इस संसार में लोग आते हैं और चले जाते हैं। पत्तियों के झरने की तरह जीवन का बीत जाना ही संसार का सत्य है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी दी गई पंक्ति का उपयुक्त आशय स्पष्ट करेंगे, जैसे –

- जीवन अस्थायी और नश्वर
- पत्तियाँ जीवन का प्रतीक
- पत्तियों का गिरना नश्वरता का प्रतीक
- इस संसार में लोगों का आना और चले जाना जीवन का सत्य

प्रश्न 12 2024 (3/3/1)

मित्रों द्वारा प्रेरित किए जाने पर भी जयशंकर प्रसाद अपनी आत्मकथा क्यों नहीं लिखना चाहते थे?

आदर्श उत्तर

जयशंकर प्रसाद अपने निजी जीवन को सार्वजनिक नहीं करना चाहते थे। उनके अनुसार उनका जीवन सामान्य और अभावों से भरा रहा; उसमें लिखने योग्य कुछ विशेष नहीं था। अपनी दुर्बलताओं और दूसरों के छल को उजागर करके वे हँसी का पात्र नहीं बनना चाहते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी 'आत्मकथा' कविता के संदर्भ में उपयुक्त कोई दो कारण लिखेंगे, जैसे –

- निजी जीवन को सार्वजनिक न करने की इच्छा
- जीवन सामान्य रहा, ऐसा कुछ विशेष नहीं जिसे लिखा जाए
- जीवन की दुर्बलताओं के सार्वजनिक उल्लेख से दूसरों द्वारा सुख पाने की संभावना
- हँसी का पात्र बनने का भय

- अभावों से भरा रिक्त जीवन
- प्रवंचनाओं और छल को सबके सामने न लाने की इच्छा

प्रश्न 13 2024 (3/3/2)

'आत्मकथ्य' कविता का रचनाकार अपने जीवन के उज्ज्वल क्षणों-गाथाओं को सबके सामने प्रकट नहीं करना चाहता है। क्यों? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि के लिए प्रेम के उन उज्ज्वल क्षणों की सुखद स्मृतियाँ उसकी निजी संपत्ति की तरह हैं, जिन्हें वह सबके सामने खोलना नहीं चाहता। ये स्मृतियाँ ही उसके अंधकारपूर्ण और संघर्ष भरे जीवन में आगे बढ़ने का एकमात्र सहारा हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी 'आत्मकथ्य' कविता के संदर्भ में कोई एक उपयुक्त बिंदु विस्तार से लिखेंगे, जैसे–

- निजी प्रेम की सुखपूर्ण स्मृतियाँ निजी सम्पत्ति की तरह
- स्मृतियाँ अंधकारपूर्ण जीवन में आगे बढ़ने का एकमात्र सहारा

प्रश्न 14 2024 (3/3/3) • 2025 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे - यह गागर रीती।' कहकर कवि ने अपने जीवन के किस पहलू पर प्रकाश डालना चाहता है?

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति द्वारा कवि बताना चाहता है कि उसका जीवन खाली गागर की तरह रीता है। उसमें कोई विशेष उपलब्धि नहीं है; वह अभावों और कष्टों से भरा एक साधारण जीवन है, जिसे जानकर किसी को सुख नहीं मिलेगा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- कोई विशेष उपलब्धि नहीं
- अभाव व कष्ट भरा जीवन
- साधारण जीवन

प्रश्न 15 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

जयशंकर प्रसाद ने अपनी आत्मकथा न लिखने के क्या कारण गिनवाए हैं?

आदर्श उत्तर

प्रसाद जी के अनुसार उनका जीवन सामान्य, रिक्त और अभावों से भरा है; उसमें लिखने योग्य कुछ विशेष नहीं है। वे अपने निजी जीवन, दुर्बलताओं और दूसरों से मिली प्रवंचनाओं को सबके सामने नहीं लाना चाहते, क्योंकि लोग उन्हें जानकर सुख ही पाएँगे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- निजी जीवन को सार्वजनिक न करने की इच्छा
- जीवन सामान्य है, ऐसा कुछ विशेष नहीं, जिसे लिखा जाए

- जीवन की दुर्बलताओं के उल्लेख से दूसरों द्वारा सुख पाने की संभावना
- जीवन रिक्त, अभावों से भरा
- प्रवंचनाओं और दुर्बलताओं को सबके सामने न लाने की इच्छा

प्रश्न 16 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

यदि जयशंकर प्रसाद अपने जीवन का सार सच्चाई, ईमानदारी से लिखते तो क्या परिणाम हो सकता था?

आदर्श उत्तर

यदि प्रसाद जी अपने जीवन का सार सच्चाई से लिखते तो उनका निजी जीवन सार्वजनिक हो जाता और उनके दुख तथा अभाव सबके सामने आ जाते। वे स्वयं हँसी के पात्र बनते और उन्हें छलने वाले मित्रों की हकीकत भी उजागर हो जाती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- निजी जीवन का सार्वजनिक हो जाना
- जीवन के दुख / अभाव सामने आ जाना
- हँसी का पात्र बन जाना
- मित्रों की हकीकत का सामने आ जाना

प्रश्न 17 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'आत्मकथ्य' का लेखक आत्मकथा नहीं लिखते हुए भी अपने जीवन की झलकियाँ हमारे सामने रख देता है। कविता के आधार पर किन्हीं दो का वर्णन कीजिए।

आदर्श उत्तर

कविता से पता चलता है कि कवि का जीवन सामान्य और कष्टों-दुखों से भरा रहा। उसने निरंतर छल, व्यंग्य और उपहास सहा। उसके सुख के सपने पूरे होने से पहले ही बिखर गए और अब प्रिय की स्मृति ही उसके जीवन का पाथेय है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर किन्हीं दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- जीवन का सामान्य होना और कष्टों-दुखों से भरा होना
- जीवन में निरंतर छल, व्यंग्य और उपहास सहना
- कवि के सपनों का पूरा होने से पहले ही बिखर जाना
- प्रिय व्यक्ति की स्मृति को जीवन का पाथेय बनाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 18 **2025** (3/3/1)

'आत्मकथ्य' कविता के कवि के जीवन का संबल क्या है? वह उसे सबसे बाँटना क्यों नहीं चाहता?

आदर्श उत्तर

कवि के जीवन का संबल प्रेम के सुखद दिनों की मधुर स्मृतियाँ हैं। वह उन्हें सबसे बाँटना नहीं चाहता, क्योंकि ये स्मृतियाँ उसकी नितांत निजी पूँजी हैं और वह अपने जीवन के इन निजी पलों को सार्वजनिक नहीं करना चाहता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

संबल: प्रेम के सुखद दिनों की स्मृतियाँ;
न बाँटने का कारण: जीवन की सुखद निजी स्मृतियों को सार्वजनिक न करने की इच्छा

प्रश्न 19 **2025** (3/3/2)

'आत्मकथ्य' कविता का कवि अपने मित्रों पर भरोसा क्यों नहीं कर पाता है? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए

आदर्श उत्तर

कवि अपने मित्रों पर भरोसा नहीं कर पाता, क्योंकि उन्होंने उसके साथ प्रवंचना की और उसके भोलेपन का उपहास किया। उसे लगता है कि वे उसकी कमियों और जीवन के खालीपन को जानकर सहानुभूति नहीं दिखाएँगे, बल्कि सुख ही पाएँगे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कवि द्वारा मित्रों पर भरोसा न कर पाने के दो उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- उनकी कमियों या खालीपन को देख सुख पाना
- उनके साथ प्रवंचना करना
- उनके भोलेपन का उपहास करना

प्रश्न 20 **2025** (3/3/3)

'आत्मकथ्य' कविता आत्मकथा न लिखने वाले कवि की आत्मकथा की झाँकी ही है, कैसे? कविता के आधार पर कवि के जीवन-तथ्यों में से किन्हीं दो का उल्लेख अवश्य कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि आत्मकथा लिखने से इनकार करते हुए भी अपने जीवन के तथ्य बता देता है। उसका जीवन सामान्य और दुखों से भरा रहा; उसने निरंतर छल और उपहास सहा। उसके सपने पूरे होने से पहले ही बिखर गए और प्रिय की स्मृति ही उसका पाथेय है। इस प्रकार कविता उसकी आत्मकथा की झाँकी बन जाती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त तथ्य लिखेंगे-

- जीवन का सामान्य होना और कष्टों-दुखों से भरा होना
- जीवन में निरंतर छल, व्यंग्य और उपहास सहना
- कवि के सपनों का पूरे होने से पहले ही बिखर जाना
- प्रिय व्यक्ति की स्मृति को जीवन का पाथेय बनाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 21 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'आत्मकथ्य' कविता में कवि न तो अपने जीवन के दुःख और विफलताओं से दूसरों को परिचित कराना चाहता है और न ही अपनी सुखद स्मृतियों को किसी के साथ साझा करना चाहता है। कवि की इस सोच के पीछे क्या कारण हो सकते हैं?

आदर्श उत्तर

कवि अपने जीवन के उतार-चढ़ाव और विफलताएँ बताकर मित्रों के उपहास का पात्र नहीं बनना चाहता; साथ ही अतीत के घावों को कुरेदने की पीड़ा से भी बचना चाहता है। उसकी सुखद स्मृतियाँ नितांत निजी हैं और संघर्षपूर्ण जीवन में उसका अवलंब हैं, इसलिए वह उन्हें भी साझा नहीं करता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- जीवन के उतार-चढ़ाव और विफलताओं के बारे में अपने मित्रों या औरों को बताकर वह उनके उपहास का पात्र नहीं बनना चाहता
- अतीत के घाव पुनः हरे हो जाने और उससे होने वाली पीड़ा से बचना
- उसके जीवन की सुखद स्मृतियाँ नितांत निजी
- सुखद स्मृतियाँ उसके संघर्षपूर्ण जीवन में अवलंब की तरह

प्रश्न 22 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

कहते हैं खुशियाँ बाँटने से बढ़ती हैं परंतु 'आत्मकथ्य' में कवि अपने जीवन की सुखद स्मृतियों को भी सबके सामने क्यों प्रकट नहीं करना चाहता?

आदर्श उत्तर

कवि के जीवन की सुखद स्मृतियाँ उसकी नितांत निजी धरोहर हैं, जिन्हें वह सार्वजनिक नहीं करना चाहता। ये स्मृतियाँ ही उसके संघर्षपूर्ण जीवन में अवलंब का काम करती हैं; इन्हें सबके सामने खोल देने से उनकी पवित्रता नष्ट हो जाएगी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई एक उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- जीवन की सुखद निजी स्मृतियों को सार्वजनिक न करने की इच्छा
- सुखद स्मृतियाँ उसके संघर्षपूर्ण जीवन में अवलंब (अन्य उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)

प्रश्न 23 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर जयशंकर प्रसाद के जीवन की जो झलक मिलती है उसके बारे में एक टिप्पणी लिखिए।

आदर्श उत्तर

कविता से जयशंकर प्रसाद के सरल और निश्छल स्वभाव की झलक मिलती है। वे भावुक और संवेदनशील थे। उनके जीवन में सुख का अभाव, रिक्तता और असफलताएँ रहीं तथा मित्रों और परिचितों द्वारा छले जाने की पीड़ा भी उन्हें सहनी पड़ी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- सरलता और निश्छलता
- जीवन की रिक्तता और असफलताएँ
- भावुकता और संवेदनशीलता
- सुख का अभाव
- मित्रों और परिचितों द्वारा छले जाने की पीड़ा (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

क्षितिज • काव्य खंड

उत्साह, अट नहीं रही है — सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 2023 (3/6/2)

'अट नहीं रही' कविता के आधार पर लिखिए कि फागुन में प्रकृति में क्या-क्या बदलाव आते हैं?

(A) लाल-हरे नए पत्ते निकलते हैं, बारिश होती है, आँधी भी चलने लगती है।

(B) पेड़ों से पुराने पत्ते झड़ने लगते हैं, पक्षी नाचते हैं, सुवासित हवा चलती है।

(C) पेड़ों पर लाल-हरे नए पत्ते आते हैं, चारों तरफ फूल खिल जाते हैं, सुवासित हवा चलती है।

(D) पक्षी कलरव करते हैं, उनके पर हवा में उड़ते हैं और सुवासित हवा चलती है।

उत्तर **(C)** पेड़ों पर लाल-हरे नए पत्ते आते हैं, चारों तरफ फूल खिल जाते हैं, सुवासित हवा चलती है।

प्रश्न 2 2023 (3/6/3)

(ii) विश्व के सभी जन गर्मी और अन्याय से किस मनोदशा में थे ? 'उत्साह' कविता के आधार पर लिखिए । **1**

(a) बेचैन और अनमने

(b) बारिश के इंतज़ार में

(c) प्रतीक्षा और बेचैनी

(d) व्याकुल और आशावादी

उत्तर **(A)**

प्रश्न 3 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

(i) 'उत्साह' कविता की विशेषताएँ हैं :

I. संबोधन शैली

II. खड़ी बोली

III. ब्रजभाषा

IV. संवाद शैली

विकल्प :

(A) I, II

(B) III, IV

(C) II, III

(D) I, IV

उत्तर **(A)** I, II

प्रश्न 4 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'उत्साह' कविता में बादलों की तुलना किससे की गई है?

(A) हाथी-दल
(B) घुँघराले बाल
(C) भैंसों का झुंड
(D) विषधर समूह

उत्तर **(B)** घुँघराले बाल

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 5 **2022 टर्म-II** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

यदि 'उत्साह' कविता को कोई अन्य शीर्षक देना हो तो आप क्या शीर्षक देना चाहेंगे और क्यों?

आदर्श उत्तर

मैं 'उत्साह' कविता को 'क्रांतिदूत' शीर्षक देना चाहूँगा। इस कविता में बादलों के माध्यम से समाज में क्रांति की चेतना जगाने की बात कही गई है और बादल क्रांति के दूत हैं। यह शीर्षक संक्षिप्त है और कविता के मूल भाव तथा संदेश को सटीक रूप में व्यक्त करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(कविता के मूल भाव को व्यक्त करने वाला कोई भी सार्थक शीर्षक स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ –

- क्रांतिदूत, बादल-राग, बादल-गीत, नवचेतना, क्रांतिचेतना आदि (दिए हुए शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट करने वाला उपयुक्त तर्क अपेक्षित)

उदाहरणार्थ –

- 'उत्साह' कविता में क्रांति की चेतना जगाने की बात की गई है, बादल क्रांतिदूत हैं।
- कविता के मूल भाव और संदेश को व्यक्त करने वाला संक्षिप्त और सटीक शीर्षक है।

प्रश्न 6 **2022 टर्म-II** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर लिखिए कि 'फागुन' का व्यक्ति के मन-मस्तिष्क पर क्या प्रभाव पड़ता है?

आदर्श उत्तर

फागुन का सौंदर्य व्यक्ति को इतना आकर्षक लगता है कि उसकी दृष्टि बँध जाती है और वह चाहकर भी नज़रें नहीं हटा पाता। उसका मन आनंद और प्रफुल्लता से भर जाता है तथा कल्पनाओं में खोकर उड़ान भरने लगता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- फागुन का सौंदर्य बहुत आकर्षक लगता है।
- दृष्टि बँध जाती है, चाहकर भी नज़रें हटा नहीं पाता, उसका मन नहीं भरता।
- प्राकृतिक सौंदर्य को मन में समा लेना चाहता है।
- मन, आनंद और प्रफुल्लता से भर जाता है।
- मन कल्पनाओं में खोकर उड़ान भरने लगता है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 7 **2022 टर्म-II** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'उत्साह' कविता के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' एक आह्वान गीत है, जिसमें बादलों के माध्यम से सामाजिक बदलाव और नवजीवन का आह्वान किया गया है। इसकी भाषा तत्सम प्रधान खड़ी बोली है; ओज गुण और वीर रस है। मुक्त छंद में रचित इस कविता में नाद-सौंदर्य, बादलों का प्रतीकात्मक प्रयोग तथा अनुप्रास, उपमा और मानवीकरण अलंकार हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- आह्वान गीत / उद्बोधन गीत
- सामाजिक बदलाव की आकांक्षा
- बादलों के माध्यम से युवाओं का आह्वान
- नवजीवन एवं उत्साह का संचार
- तत्सम प्रधान खड़ी बोली हिंदी।
- वीर रस
- ओज गुण
- नाद-सौंदर्य / लयात्मकता / गेयता
- मुक्त छंद
- बादलों का प्रतीकात्मक प्रयोग / बादल उल्लास एवं क्रांति के प्रतीक
- अनुप्रास, उपमा, पुनरुक्तिप्रकाश एवं मानवीकरण अलंकार (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 **2022 टर्म-II** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'निराला' ने 'उत्साह' कविता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन के क्या संदेश दिए हैं? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता के माध्यम से निराला समाज में क्रांति और बदलाव लाने का संदेश देते हैं। वे शोषित-पीड़ित लोगों को शोषण से मुक्ति दिलाने, नवीन विचारों और नवचेतना का संचार करने तथा कुरीतियों को उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- समाज में क्रांति एवं बदलाव का
- शोषित एवं पीड़ित लोगों को शोषण से मुक्ति का
- नवीन विचारों एवं नवचेतना के संचार का
- कुरीतियों को उखाड़ फेंकने का (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 9 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'उत्साह' कविता में बादल किनके प्रतीक हैं? कविता के आधार पर दो बिंदुओं को लिखिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता में बादल क्रांति-चेतना और परिवर्तन के प्रतीक हैं, जो अपनी गर्जना से समाज में उत्साह और ओज भरते हैं। साथ ही वे तपती

धरती को शीतल करके सुख, आनंद और नवनिर्माण लाने वाले भी हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- क्रांति-चेतना
- सुख और आनंद
- नवनिर्माण
- उत्साह / ओज
- परिवर्तन (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 10 2022 टर्म-II (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'अट नहीं रही है' कविता के शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित सिद्ध कीजिए।

आदर्श उत्तर

'अट नहीं रही है' शीर्षक पूर्णतः सार्थक है। फागुन की शोभा इतनी अधिक है कि वह प्रकृति में, तन में और आँखों में समा नहीं पा रही। शीर्षक संक्षिप्त और सटीक है तथा कविता के इसी मूल भाव को व्यक्त करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- शीर्षक सटीक, संक्षिप्त और कविता के मूल भाव से संबंधित
- फागुन का प्राकृतिक सौंदर्य आँखों में समा न पाने का भाव

प्रश्न 11 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

इस सत्र में पढ़ी गई किस कविता में कवि ने बादलों के विविध रूपों का चित्रण किया है? उनका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता में बादलों के विविध रूपों का चित्रण है। वे काले घुँघराले बालों के समान सुंदर हैं और बाल-कल्पना की तरह पल-पल बदलते रहते हैं। वे क्रांति के प्रतीक हैं, जो नवजीवन देते हैं और लोगों में उत्साह भर देते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- 'उत्साह' कविता में;
- काले घुँघराले बालों के समान
- बाल-कल्पना जैसे सुंदर, प्रतिपल परिवर्तित
- नए कवि की कल्पना जैसे
- क्रांति के प्रतीक
- नव जीवन देने वाले
- उत्साह भरने वाले (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 12 2022 टर्म-II (3/4/1)

प्रकृति के सौंदर्य का जो चित्र 'अट नहीं रही है' कविता उपस्थित करती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

कविता में फागुन का सर्वव्यापक सौंदर्य चित्रित है। पेड़ों पर नए हरे-लाल पत्ते निकल आए हैं और चारों ओर फूल खिले हैं, मानो प्रकृति के गले में फूलों की माला पड़ी हो। शीतल, मंद और सुगंधित हवा बह रही है। यह शोभा कहीं समा नहीं पा रही।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- फागुन का सर्वव्यापक सौंदर्य
- पेड़ों पर नए पत्ते निकलना
- सर्वत्र फूलों का खिलना / फूलों की माला-सी प्रकृति में बन जाना।
- शीतल-मंद-सुगंधित हवा का बहना (मौलिक उत्तर पर भी अंक दिए जाएँ) (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 13 2022 टर्म-II (3/4/2)

'अट नहीं रही है' कविता में प्रकृति में परिवर्तन के जो दृश्य कवि को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं उनका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

आदर्श उत्तर

फागुन में पेड़ों पर नए-नए पत्ते आ गए हैं और रंग-बिरंगे फूल खिल उठे हैं, मानो पूरी प्रकृति ने फूलों की माला पहन ली हो। मंद, शीतल और सुवासित हवा बह रही है तथा आकाश में पक्षी उड़ रहे हैं। ये दृश्य कवि को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- पेड़ों पर आए नए पत्ते
- रंग-बिरंगे फूल / पूरी प्रकृति में मानो माला में गुँथे फूल
- मंद-शीतल, सुवासित हवा
- आकाश में उड़ते पक्षी (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 14 2022 टर्म-II (3/4/3)

फागुन की सुंदरता में ऐसा अलग और अनोखा क्या है कि कवि की आँख उससे हट नहीं रही है? 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर बताइए।

आदर्श उत्तर

फागुन का प्राकृतिक सौंदर्य अत्यंत मनमोहक है। पेड़ों पर नए पत्ते आ गए हैं, रंग-बिरंगे फूल खिले हैं, शीतल-मंद-सुगंधित हवा बह रही है और नभ में परिंदे उड़ रहे हैं। यह शोभा इतनी अनोखी है कि कवि की आँख उससे हट नहीं पाती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य
- रंग-बिरंगे फूल
- पेड़ों पर आए नए पत्ते
- नभ में उड़ते परिंदे
- शीतल, मंद, सुगंधित हवा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 15 2023 (3/1/1)

बादलों से संबंधित किन बिंबों का प्रयोग 'उत्साह' कविता में है?

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता में बादलों के लिए कई बिंबों का प्रयोग हुआ है। उन्हें सुंदर, काले, घुँघराले बालों जैसा बताया गया है; वे बच्चों की कल्पना की तरह परिवर्तनशील हैं और पूरे आसमान में चारों ओर घिरकर छाए हुए हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- ललित काले घंघराले बाल
- बच्चों की कल्पना की तरह परिवर्तनशील
- आसमान में चारों तरफ छाए (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 16 2023 (3/1/2)

'अट नहीं रही' कविता में प्रकृति में आए जिन परिवर्तनों का वर्णन है उनमें से किन्हीं दो का संक्षेप में उल्लेख करते हुए बताइए कि उनका कवि पर क्या प्रभाव पड़ा है?

आदर्श उत्तर

फागुन में पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकल आए हैं और सारा वातावरण पुष्पित तथा सुगंधित हो उठा है। कवि इस सौंदर्य में खो जाता है; उसके मन में उमंग और उल्लास भर जाता है, कल्पनाओं को पंख लग जाते हैं और यह शोभा उसकी आँखों में समा नहीं पाती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकलना
- सारा वातावरण पुष्पित और सुगंधित होना
- शीतल-मंद-सुगंधित हवा चलना कवि पर प्रभाव
- प्राकृतिक सौंदर्य में खो जाना
- मन को कल्पनाओं के पंख लगना
- मन में उमंग और उल्लास
- प्रकृति के अद्भुत सौंदर्य का आँखों में न समा पाना / मन तृप्त न होना (दोनों भागों स दो-दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 17 2023 (3/1/3)

इस वर्ष पाठ्य-पुस्तक में पढ़ी किस कविता में बादलों का प्रतीक लिया गया है? कविता के मूल भाव को अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता में बादलों का प्रतीक लिया गया है। इसका मूल भाव सामाजिक क्रांति और परिवर्तन का आह्वान है। कवि चाहता है कि बादल गरजकर शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षाएँ पूरी करें और समाज में नव-निर्माण का मार्ग खोलें।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

कविता-उत्साह;

- सामाजिक क्रांति / परिवर्तन का आह्वान
- शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा की पूर्ति
- नव-निर्माण

प्रश्न 18 2023 (3/2/1)

आपके पाठ्यक्रम में कौन-सी कविता फागुन के सौंदर्य पर केंद्रित है? उसका नाम लिखते हुए बताइए कि उसमें कवि के किन मनोभावों का उल्लेख हुआ है।

आदर्श उत्तर

'अट नहीं रही है' कविता फागुन के सौंदर्य पर केंद्रित है। इसमें कवि फागुन के प्राकृतिक सौंदर्य में खो जाता है; उसके मन को कल्पनाओं के पंख लग जाते हैं। वह इस शोभा को देखते हुए भी तृप्त नहीं होता, उसका मन नहीं भरता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- 'अट नहीं रही है';
- कवि के मनोभाव
- फागुन के प्राकृतिक सौंदर्य में खो जाना
- मन को कल्पनाओं के पंख लगना
- सौंदर्य से तृप्त न होना / मन न भरना

प्रश्न 19 2023 (3/2/2)

'उत्साह' एवं 'अट नहीं रही' दोनों कविताएँ प्रकृति पर आधारित हैं पर दोनों में बहुत अंतर है। अपनी आलोचनात्मक दृष्टि से उस अंतर को स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' में प्रकृति के उग्र रूप का वर्णन है; कवि बादलों से गरजने का अनुरोध करता है और उन्हें क्रांति-चेतना तथा परिवर्तन का दूत मानता है। इसके विपरीत 'अट नहीं रही है' में प्रकृति का शांत और सौम्य रूप है; इसमें खिले फूलों, नए पत्तों और सुवासित हवा से सजे फागुन का सुंदर चित्र है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

उत्साह

- क्रांति-चेतना और परिवर्तन
- बादल से गरजने का अनुरोध

12 2 बादल क्रांतिदूत

- प्रकृति के उग्र रूप का वर्णन अट नहीं रही है
- प्रकृति के शांत व सौम्य रूप का वर्णन
- वसंत का सुंदर चित्र
- खिले हुए रंग-बिरंगे फूल, नए लाल हरे पत्ते
- सुवासित हवा (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 20 2023 (3/2/3)

इस वर्ष पाठ्यक्रम में पढ़ी किस कविता में कवि ने बादलों से अनुरोध किया है? उसके अनुरोध की मुख्य बातों को अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों से अनुरोध किया है कि वे घनघोर गर्जना करें और समाज में क्रांति की चेतना भर दें। वे बेचैन और अनमने

लोगों को कष्टों तथा अन्याय से मुक्ति दिलाएँ, शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा पूरी करें और नवजीवन तथा नवनिर्माण लाएँ।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- उत्साह;
- गरजने का
- क्रांति-चेतना का
- शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा की पूर्ति का
- नवजीवन, नवनिर्माण का
- बेचैन और अनमने लोगों का कष्टों / अन्याय से मुक्ति दिलाने का (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 21 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'अट नहीं रही है' कविता में कवि ने फागुन मास के सौंदर्य को किस प्रकार चित्रित किया है?

आदर्श उत्तर

कवि ने बताया है कि फागुन में मंद-शीतल हवा बहती है, पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकल आते हैं और सारा वातावरण फूलों से पुष्पित तथा सुगंधित हो उठता है। इस शोभा को देखकर मन उमंग और उल्लास से भर जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- मंद-शीतल हवा का बहना
- पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकलना
- मन में उमंग और उल्लास भर जाना
- वातावरण-पुष्पित, सुगंधित और सुवासित (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 22 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'अट नहीं रही है' -- कविता में किसका वर्णन हुआ है और कवि ने उस सौंदर्य के बारे में क्या कहा है?

आदर्श उत्तर

इस कविता में फागुन के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन हुआ है। कवि कहता है कि पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकल आए हैं, सारा वातावरण पुष्पित और सुगंधित है तथा शीतल-मंद हवा बह रही है। मन उमंग से भर गया है और यह अद्भुत शोभा आँखों में समा नहीं पा रही।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

वर्णन - फागुन के प्राकृतिक सौंदर्य का; क्या

- पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकलना
- सारा वातावरण पुष्पित एवं सुगंधित होना
- शीतल-मंद-सुगंधित हवा
- मन में उमंग और उल्लास
- फागुन के अद्भुत सौंदर्य का आँखों में न समा पाना 55 (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 23 2023 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'वज्र छिपा नूतन कविता फिर भर दो - बादल गरजो' -- 'उत्साह' कविता की इन पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहता है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इन पंक्तियों में कवि बादलों की तरह कवियों का भी आह्वान करता है कि वे अपनी नई कविता में वज्र जैसी शक्ति, परिवर्तन और सामाजिक क्रांति का स्वर भरें। बादलों की गर्जना उत्साह और नवचेतना की प्रतीक है; कवि मानता है कि सामाजिक बदलाव में कविता की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कवियों से अपनी कविता में परिवर्तन और सामाजिक क्रांति का स्वर भरने का आह्वान
- सामाजिक क्रांति या बदलाव में साहित्य (कविता) की महत्वपूर्ण भूमिका
- बादलों की गर्जना उत्साह एवं नवचेतना का प्रतीक (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

अपर

प्रश्न 24 2023 (3/6/2)

'उत्साह' कविता क्रांति और बदलाव की कविता किस प्रकार है? किन्हीं दो बिंदुओं से स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' में कवि बादलों से गरजने और समाज में परिवर्तन लाने का आग्रह करता है। यहाँ बादल क्रांति-चेतना के प्रतीक हैं, जो शोषण से मुक्ति दिलाकर नवजीवन और नवनिर्माण को संभव बनाते हैं। इसी कारण यह क्रांति और बदलाव की कविता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- बादलों से गरजने और परिवर्तन लाने का आग्रह
- बादल क्रांति चेतना के प्रतीक-रूप में वर्णित
- बादल नवजीवन, नवनिर्माण को संभव करने वाले
- शोषण से मुक्ति की आकांक्षा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 25 2023 (3/6/3)

पाठ्यक्रम में पढ़ी कौन-सी कविता पूरी तरह प्रकृति के सौंदर्य पर केन्द्रित है? उसमें वर्णित प्राकृतिक सुंदरता के किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

'अट नहीं रही है' कविता पूरी तरह प्रकृति के सौंदर्य पर केंद्रित है। इसमें बताया गया है कि फागुन में पेड़ों पर लाल-हरे नए पत्ते निकल आते हैं, सारा वातावरण फूलों से पुष्पित और सुगंधित हो उठता है तथा शीतल-मंद-सुवासित हवा बहती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

'अट नहीं रही है'; प्राकृतिक सौंदर्य के बिंदु

- पेड़ों पर लाल-हरे नए पत्ते निकलना
- सारा वातावरण पुष्पित एवं सुगंधित होना
- शीतल-मंद-सुवासित हवा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 26 2024 (3/1/1, 3/2/2)

'उत्साह' कविता के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' शीर्षक सार्थक है, क्योंकि यह कविता के केंद्रीय भाव को व्यक्त करता है। यह एक आह्वान गीत है, जिसमें बादलों की गर्जना के माध्यम से नव परिवर्तन के लिए नया उत्साह, जोश और नवीन कल्पना भरने की बात कही गई है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- कविता के केन्द्रीय भाव की अभिव्यक्ति
- आह्वान गीत
- नव परिवर्तन हेतु नव उत्साह और नवीन कल्पना का समावेश

प्रश्न 27 2024 (3/1/1)

फागुन मास में प्रकृति के सौंदर्य का वर्णन, 'अट नहीं रही है'. कविता के आधार पर कीजिए।

आदर्श उत्तर

फागुन मास में मंद, शीतल और सुवासित हवा बहती है। पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकल आते हैं और सारा वातावरण पुष्पित, पल्लवित तथा सुगंधित हो उठता है। इस शोभा को देखकर मन उल्लास और उमंग से भर जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ से प्रकृति-सौन्दर्य के कोई दो बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- मंद सुवासित, शीतल हवा का बहना
- मन में उल्लास और उमंग का भरना
- पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकलना
- वातावरण पुष्पित, पल्लवित और सुगंधित होना

प्रश्न 28 2024 (3/1/2)

'उत्साह' कविता में कवि ने धाराधर किसे और क्यों कहा है?

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों को 'धाराधर' कहा है। बादल अपने भीतर जल की धारा धारण किए रहते हैं और लगातार बरसकर धरती को जल देते हैं, इसीलिए उन्हें धाराधर कहा गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

उत्साह कविता में बादलों को धाराधर कहा गया है।

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- जल की धारा धारण करने के कारण

- लगातार बरसने के कारण

प्रश्न 29 2024 (3/1/2)

'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर 'कहीं पड़ी है उर में, मंद-गंध-पुष्प-माल' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का आशय है कि फागुन में चारों ओर भाँति-भाँति के फूल खिल उठे हैं। फूलों से लदे पेड़-पौधों को देखकर ऐसा लगता है मानो प्रकृति ने अपने गले में मंद-मंद सुगंध वाली फूलों की माला पहन ली हो।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी दी गई पंक्ति का आशय स्पष्ट करेंगे, जैसे –

- चारों ओर भाँति-भाँति के फूलों का खिलना और प्रकृति के गले में सुगंधित माला के समान प्रतीत होना

प्रश्न 30 2024 (3/1/3)

'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन की शोभा का वर्णन कीजिए।

आदर्श उत्तर

फागुन में पेड़ों पर लाल-हरे नए पत्ते आ जाते हैं और पेड़-पौधे पल्लवित तथा पुष्पित हो उठते हैं। मंद, शीतल और सुवासित हवा बहती है। चारों ओर प्रसन्नता और उल्लास का वातावरण छा जाता है; यह शोभा कहीं समा नहीं पाती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- पेड़ों पर लाल हरे नए पत्ते
- प्रसन्नता, उल्लास का वातावरण
- पल्लवित, पुष्पित पेड़-पौधे
- मंद शीतल सुवासित हवा

प्रश्न 31 2024 (3/1/3)

'उत्साह' कविता में कवि बादलों की तुलना काले-घुंघराले बालों से क्यों करता है?

आदर्श उत्तर

कवि बादलों की तुलना काले-घुँघराले बालों से इसलिए करता है क्योंकि दोनों के रंग, संरचना और फैलाव में समानता है। आकाश में घिरे काले बादल घने घुँघराले बालों जैसे ही सुंदर दिखाई देते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- काले बादलों और घुँघराले बालों में समानता
- दोनों की एक समान संरचना, स्वरूप और विस्तार
- बादलों और घुँघराले बालों के सौंदर्य में सादृशता

प्रश्न 32 2024 (3/2/1)

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि निराला ने 'उत्साह' कविता के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का संदेश दिया है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

हाँ, मैं इस बात से सहमत हूँ। कवि बादलों से गरजने और परिवर्तन लाने का आग्रह करता है; यहाँ बादल क्रांति के वाहक हैं। कविता सामाजिक परिवर्तन के लिए क्रांति की प्रेरणा देती है तथा शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा पूरी करने और नवनिर्माण की पुकार करती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- सामाजिक परिवर्तन के लिए क्रांति की प्रेरणा
- नवजीवन, नवनिर्माण की पुकार
- शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा की पूर्ति का आह्वान
- बादलों से गरजने और परिवर्तन लाने का आग्रह
- बादल क्रांति के वाहक
- अन्य तर्कपूर्ण उत्तर भी स्वीकार्य

प्रश्न 33 2024 (3/2/1)

'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर लिखिए कि फागुन मास के प्राकृतिक सौंदर्य का मानव मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

आदर्श उत्तर

फागुन का प्राकृतिक सौंदर्य देखकर मनुष्य का मन उत्साह, रोमांच और प्रसन्नता से भर जाता है। वह नई-नई कल्पनाओं में उड़ान भरने लगता है और प्रकृति के सौंदर्य में खो जाता है; उसकी दृष्टि उस शोभा से हटती ही नहीं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोइे दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- मन का नई-नई कल्पनाओं से भर उठना
- उत्साह, रोमांच और प्रसन्नता से भर जाना
- प्राकृतिक सौंदर्य को देख मन का तृप्त होना
- प्रकृति के सौंदर्य में मन का खो जाना

प्रश्न 34 2024 (3/2/3)

फागुन की किन विशेषताओं का वर्णन कवि ने 'अट नहीं रहीं हैं' - 'कविता में किया' है। अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

कवि ने बताया है कि फागुन में पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते निकल आते हैं, सारा वातावरण पुष्पित और सुगंधित हो जाता है तथा मंद-शीतल सुगंधित हवा बहती है। इससे मन में उमंग, उल्लास और कल्पनाशीलता जाग उठती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- पेड़ों पर नए लाल-हरे पत्ते

- वातावरण पुष्पित एवं सुगंधित
- मंद शीतल सुगंधित हवा
- मन में उमंग, उल्लास और कल्पनाशीलता

प्रश्न 35 **2024** (3/2/3)

कवि बादलों से गरजने का अनुरोध क्यों करता है? 'उत्साह' कविता के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

कवि बादलों से गरजने का अनुरोध इसलिए करता है कि उनकी गर्जना से शोषित-पीड़ित जन में उत्साह और नवचेतना का प्रसार हो। वह चाहता है कि बादल सामाजिक क्रांति और परिवर्तन लाएँ तथा नवजीवन और नवनिर्माण का मार्ग खोलें।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के संदर्भ में कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- शोषित पीड़ित जन में उत्साह एवं नवचेतना के प्रसार के लिए
- सामाजिक क्रांति और परिवर्तन के लिए
- नवजीवन, नवनिर्माण के लिए

प्रश्न 36 **2024** (3/3/1)

'उत्साह' कविता को कोई और शीर्षक दीजिए और बताइए कि आपने उस विशेष शीर्षक का चयन क्यों किया?

आदर्श उत्तर

मैं इस कविता को 'क्रांतिदूत' शीर्षक दूँगा। कविता में बादलों से गरजकर समाज में बदलाव लाने का आह्वान किया गया है; बादल सामाजिक क्रांति का संदेश लाने वाले दूत हैं। अतः यह शीर्षक कविता की क्रांति और बदलाव की आकांक्षा को ठीक-ठीक व्यक्त करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर स्वतंत्र और उपयुक्त शीर्षक और शीर्षक के चयन का कारण लिखेंगे, जैसे –

- 'क्रांति दूत' / क्रांति का अग्रदूत / क्रांति चेतना आदि कारण – कविता में सामाजिक क्रांति, बदलाव की आकांक्षा आदि

प्रश्न 37 **2024** (3/3/2)

क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि 'उत्साह' कविता के माध्यम से कवि ने समाज में परिवर्तन का संदेश दिया है? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

हाँ, मैं इस कथन से सहमत हूँ। कवि बादलों को क्रांति का वाहक मानकर उनसे गरजने और परिवर्तन लाने का आग्रह करता है। वह शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा पूरी करने तथा नवजीवन और नवनिर्माण की पुकार करता है। इस प्रकार कविता सामाजिक परिवर्तन के लिए क्रांति की प्रेरणा देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दा उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- सामाजिक परिवर्तन के लिए क्रांति की प्रेरणा
- नवजीवन, नवनिर्माण की पुकार

- शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा की पूर्ति का आह्वान
- बादलों से गरजने और परिवर्तन लाने का आग्रह
- बादल क्रांति के वाहक
- अन्य तर्कपूर्ण बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 38 **2024** (3/3/3)

कवि बादलों को 'नवजीवन वाले' कहकर क्यों संबोधित करता है?

आदर्श उत्तर

कवि बादलों को 'नवजीवन वाले' इसलिए कहता है क्योंकि वे बरसकर तपती धरती को शीतल करते हैं और उसमें नया जीवन भर देते हैं। वे सबका कल्याण करते हैं तथा क्रांति का संदेश देकर समाज में परिवर्तन लाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दो उपयुक्त कारण लिखेंगे, जैसे –

- कल्याण करना
- परिवर्तन लाना
- क्रांति का संदेश देना
- तपती धरती को शीतल करना
- धरती में नया जीवन भरना

प्रश्न 39 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

निराला ने फागुन मास के सौंदर्य का वर्णन किया है। आप फागुन में अपने आस-पास के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

आदर्श उत्तर

फागुन में मेरे आस-पास के पेड़ों पर नई कोंपलें और पत्ते निकल आते हैं। बाग-बगीचों में रंग-बिरंगे फूल खिल उठते हैं, जिससे सारा वातावरण सुगंधित हो जाता है। हल्की ठंडी हवा बहती है और पूरा परिवेश नई उमंग तथा सौंदर्य से भर जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर अपने अनुभवों को दो बिंदुओं में लिखेंगे, जैसे –

- वातावरण पुष्पित एवं सुगंधित होना
- पेड़ों पर नए पत्ते/कोंपलें निकलना
- प्रकृति और परिवेश का नई उमंग और सौंदर्य से भर जाना

प्रश्न 40 **2025** (3/1/1)

'उत्साह' कविता का कवि परिवर्तन की कामना किन कारणों से कर रहा है? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि परिवर्तन की कामना इसलिए करता है कि शोषित और पीड़ित जनता का कल्याण हो तथा उसे कष्टों से मुक्ति मिले। साथ ही वह चाहता है कि पुराना और जड़ समाज बदले और उसके स्थान पर नव-निर्माण हो।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- शोषित पीड़ित जनता के कल्याण के लिए
- नव-निर्माण के लिए

प्रश्न 41 **2025** (3/1/2)

'अट नहीं रही है' कविता का कवि किन भावों में डूबा हुआ है? उसके भावों के लिए उत्तरदायी कारक कौन-से हैं?

आदर्श उत्तर

कवि प्रसन्नता, उत्साह-उमंग और कल्पना के भावों में डूबा हुआ है। इन भावों के लिए फागुन माह में वसंत ऋतु का भरपूर प्राकृतिक सौंदर्य उत्तरदायी है – रंग-बिरंगे फूल, नए कोमल लाल-हरे पत्ते और सुवासित हवा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

भाव:

- प्रसन्नता में
- उत्साह, उमंग में
- कल्पना में;

कारक:

- फागुन माह में वसंत ऋतु का भरपूर प्राकृतिक सौंदर्य
- सुवासित हवा
- रंग-बिरंगे फूल और नए कोमल लाल-हरे पत्ते (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 42 **2025** (3/1/3)

'उत्साह' कविता का कवि बादलों के बहाने किस सामाजिक बदलाव की उम्मीद में है? उसमें बदलाव की इच्छा क्यों जगती है?

आदर्श उत्तर

कवि बादलों के बहाने शोषित-पीड़ित वर्ग के उद्धार और समाज के नव-निर्माण की उम्मीद करता है। समाज के कमज़ोर वर्गों की दयनीय और शोषित अवस्था देखकर उसके मन में बदलाव की इच्छा जगती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- शोषित-पीड़ित वर्ग का उद्धार/ नव-निर्माण;
- समाज में कमजोर वर्गों की दयनीय और शोषित अवस्था देखकर

प्रश्न 43 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

अपने पाठ्यक्रम से पढ़ी एक ऐसी कविता का उल्लेख कीजिए जो पूरी तरह प्रकृति की शोभा पर केन्द्रित है। कविता के केंद्रीय भाव को भी लिखिए।

आदर्श उत्तर

'अट नहीं रही है' कविता पूरी तरह प्रकृति की शोभा पर केंद्रित है। इसका केंद्रीय भाव फागुन के सौंदर्य का वर्णन है। कवि प्रकृति के उल्लासमय परिवर्तन और उसकी अपरिमित आभा को दिखाते हुए प्रकृति और मानव-मन के गहरे संबंध को प्रकट करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- अट नहीं रही है;

केंद्रीय भाव:

- फागुन के सौंदर्य का वर्णन
- प्रकृति का उल्लासमय परिवर्तन
- प्रकृति की अपरिमित आभा
- प्रकृति और मानव मन का गहरा संबंध

(कोई तीन बिंदु अपेक्षित; अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 44 **2025** (3/3/1)

कवि निराला बादलों से किन-किन कारणों से गरजने/बरसने का आग्रह कर रहे हैं? 'उत्साह' कविता के आधार पर कोई दो कारण अवश्य लिखिए।

आदर्श उत्तर

निराला बादलों से इसलिए गरजने और बरसने का आग्रह करते हैं कि समाज में परिवर्तन और बदलाव आए तथा शोषित-पीड़ित जनता का कल्याण हो। वे चाहते हैं कि बादल नव-निर्माण करें और तपती गर्मी से व्याकुल लोगों को राहत दें।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- सामाजिक परिवर्तन और बदलाव के लिए
- शोषित पीड़ित जनता के कल्याण के लिए
- नव-निर्माण के लिए
- गर्मी से मुक्ति के लिए

प्रश्न 45 **2025** (3/3/2)

'उत्साह' कविता में बादलों को किन-किन रूपों में चित्रित किया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता में बादलों को क्रांतिदूत के रूप में चित्रित किया गया है। वे काले घुँघराले बालों के समान सुंदर हैं और कल्पना की तरह अस्थिर तथा प्रतिपल बदलने वाले हैं। उन्हें कवि-रूप में और धरती को नया जीवन देने वाले जीवनदाता के रूप में भी दिखाया गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- क्रांतिदूत के रूप में
- काले घुंघराले बालों के समान
- कल्पना के समान अस्थिर और प्रतिपल परिवर्तित

- कवि-रूप में भी, जीवनदाता के रूप में

प्रश्न 46 **2025** (3/3/3)

'अट नहीं रही है'? कविता में कवि ने फाल्गुन मास में वसंत ऋतु में प्रकृति में आए किन बदलावों का चित्रण किया है? इन बदलावों से आपके मन पर जो प्रभाव पड़ता है उसे भी लिखिए।

आदर्श उत्तर

फाल्गुन में पेड़ों पर लाल-हरे नए पत्ते निकल आते हैं, शीतल-मंद सुवासित हवा बहती है और धरती रंग-बिरंगे फूलों से भर जाती है। इन बदलावों को देखकर मेरे मन में भी कल्पना, उत्साह और उमंग का संचार होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- लाल-हरे नए पत्तों का निकलना
- शीतल-मंद सुवासित हवा का बहना
- रंग-बिरंगे फूलों से धरती का भर जाना

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- मन में कल्पना, उत्साह-उमंग का संचार

प्रश्न 47 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'अट नहीं रही है' कविता का कोई अन्य शीर्षक दीजिए तथा उसका कारण भी स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस कविता का अन्य शीर्षक 'आया वसंत' या 'फागुन' हो सकता है। इसका कारण यह है कि पूरी कविता में फाल्गुन मास अर्थात वसंत ऋतु के प्राकृतिक सौंदर्य का ही चित्रण किया गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के लिए स्वतंत्र रूप से कोई एक उपयुक्त शीर्षक देकर उसका कारण लिखेंगे, जैसे-

अन्य शीर्षक – फाल्गुन, फागुन, वसंत, आया वसंत जैसे शीर्षक;
कारण - कविता में वसंत ऋतु/फाल्गुन मास के दौरान के प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण

प्रश्न 48 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'कहीं पड़ी है उर में मंद-गंध-पुष्प-माल' - 'अट नहीं रही हैं' कविता से उद्धृत इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का आशय है कि फागुन में वृक्ष फूलों से लद गए हैं। उन्हें देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रकृति ने अपने गले में मंद-मंद सुगंध वाले फूलों की माला धारण कर ली हो।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्य-पंक्ति का आशय लिखेंगे-

- फूलों से लदे वृक्षों को देखकर ऐसा प्रतीत होना जैसे प्रकृति ने अपने गले में मंद-मंद सुगंधित फूलों की माला धारण कर ली हो। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 49 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन' 'उत्साह' कविता से उद्धृत इस पंक्ति में बादलों को 'अनंत के घन' क्यों कहा गया है?

आदर्श उत्तर

'अनंत' का अर्थ ईश्वर, आकाश और अंतहीन है। बादल ईश्वर की करुणा के संदेशवाहक हैं, अनंत आकाश में छाए रहते हैं और कभी समाप्त नहीं होते। वे बरसकर प्यासी धरती को हरा-भरा करते हैं और लोगों के जीवन में सुख-समृद्धि का संचार करते हैं, इसलिए उन्हें 'अनंत के घन' कहा गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- अनंत– ईश्वर, आकाश, अंतहीन। बादल ईश्वर की करुणा के प्रतिनिधि, उनके संदेशवाहक के रूप में। आकाश में ही आच्छादित और कभी न खत्म होने वाले अर्थात अंतहीन।
- बरस कर प्यासी-सूखी धरा को जल-प्लावित, हरा-भरा, लोगों के जीवन में सुख-आनंद, सुख-समृद्धि का संचार करने वाले। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 50 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'उत्साह' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट करते हुए लिखिए कि उसकी अभिव्यक्ति 'बादल' के सहारे क्यों की गई है?

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता का केंद्रीय भाव परिवर्तन और नवनिर्माण का आह्वान है। इसकी अभिव्यक्ति बादल के सहारे इसलिए की गई है कि बादल विप्लव और क्रांति-चेतना का प्रतीक है। जैसे बादल तपती धरा को राहत देकर नवनिर्माण का आधार तैयार करते हैं, वैसे ही कवि शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा-पूर्ति चाहता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता का केंद्रीय भाव और एक उपयुक्त कारण लिखेंगे-

केंद्रीय भाव: परिवर्तन/ नवनिर्माण का आह्वान;
कारण:

- बादल विध्वंस, विप्लव और क्रांति-चेतना का प्रतीक
- बादलों द्वारा नवनिर्माण का आधार तैयार करना
- बादलों से तपती धरा को जैसे राहत मिलती है वैसे शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा पूर्ति की कल्पना/चाह

प्रश्न 51 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'अट नहीं रही है' कविता में वर्णित फागुन मास की मादकता का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

फागुन में प्रकृति नया शृंगार कर लेती है और उसका मनोहारी सौंदर्य सर्वत्र छा जाता है। शीतल, मंद और सुवासित हवा बहती है। चारों ओर उल्लास और मस्ती का वातावरण होता है तथा मन में कल्पना, उत्साह और उमंग का संचार हो जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- सर्वव्यापक मनोहारी प्राकृतिक सौंदर्य
- प्रकृति का नव-शृंगार
- शीतल, मंद सुवासित हवा
- उल्लास और मस्ती
- मन में कल्पना, उत्साह, उमंग का संचार (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 52 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

फागुन की मनोहारिता मनुष्य के मन पर क्या प्रभाव डालती है? 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

फागुन की मनोहारिता से मनुष्य का मन अभिभूत हो जाता है। उसमें उत्साह और उमंग का संचार होता है तथा वह उल्लास, मस्ती और प्रसन्नता से भर उठता है। मन कल्पनाशील होकर ऊँची उड़ान भरने लगता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- मन में उत्साह, उमंग का संचार
- प्राकृतिक सौंदर्य से अभिभूत मन
- उल्लास और मस्ती
- प्रसन्नता
- कल्पनाशीलता

प्रश्न 53 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'उत्साह' तथा 'अट नहीं रही है' में कौन-कौन सी ऋतुओं का वर्णन हुआ है? आपको कौन सी ऋतु पसंद है और क्यों? किसी एक कारण का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

'उत्साह' कविता में वर्षा ऋतु का और 'अट नहीं रही है' में वसंत ऋतु का वर्णन हुआ है। मुझे सर्दी की ऋतु पसंद है, क्योंकि इसमें दीपावली और क्रिसमस जैसे मेरे पसंदीदा त्योहार आते हैं और छुट्टियाँ भी मिलती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से का दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कविता में वर्णित ऋतुएँ:

- 'उत्साह'- वर्षा ऋतु
- 'अट नहीं रही है'- वसंत ऋतु

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

सर्दी की ऋतु; इसमें मेरे पसंदीदा त्योहार जैसे दीपावली, क्रिसमस आते हैं और छुट्टियाँ मिलती हैं।

प्रश्न 54 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों से गरजने का आह्वान क्यों किया है? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि ने बादलों से गरजने का आह्वान इसलिए किया है कि समाज में परिवर्तन और बदलाव आए, शोषित-पीड़ित जनता का कल्याण हो और नवनिर्माण संभव हो। साथ ही बादलों के बरसने से गर्मी से तपते लोगों को मुक्ति मिलती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- सामाजिक परिवर्तन और बदलाव के लिए
- शोषित-पीड़ित जनता के कल्याण के लिए
- नवनिर्माण के लिए
- गर्मी से मुक्ति के लिए (अन्य उपयुक्त कारण भी स्वीकार्य)

क्षितिज • काव्य खंड

यह दंतुरित मुसकान, फसल — नागार्जुन

पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

काव्यांश 1 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात...
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेष!
थक गए हो?
आँख लूँ मैं फेर?
क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार?
यदि तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज
मैं न सकता देख
मैं न पाता जान
तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान।

(i) काव्यांश में बच्चे की मुस्कान कैसी बताई गई है?

(क) मासूम और दूधिया दाँतों को दिखाती
(ख) कठोर से कठोर व्यक्ति में भी कोमलता के भाव उत्पन्न कर देने वाली
(ग) निराश व्यक्ति के मन में भी उत्साह जगाने वाली उपर्युक्त में सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प है:

(A) केवल (क)
(B) केवल (क) और (ग)
(C) केवल (ख) और (ग)
(D) (क), (ख) और (ग) सभी

उत्तर **(D)** (क), (ख) और (ग) सभी

(ii) कवि ने नवजात शिशु की तुलना किससे की है?

(A) कमल के पुष्पों से
(B) शेफालिका के पुष्पों से
(C) बाँस के पुष्पों से
(D) बबूल के पुष्पों से

उत्तर **(A)** कमल के पुष्पों से

(iii) 'कवि को बच्चा अपरिचय की दृष्टि से एकटक देख रहा है।' -- यह भाव काव्यांश की किन पंक्तियों में व्यक्त हुआ है?

(A) क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार?
(B) तुम मुझे पाए नहीं पहचान? देखते ही रहोगे अनिमेष!

(C) थक गए हो? आँख लूँ मैं फेर?
(D) परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण

उत्तर (B) तुम मुझे पाए नहीं पहचान? देखते ही रहोगे अनिमेष!

(iv) प्रस्तुत काव्यांश का मूल भाव है:

(A) मातृत्व
(B) वात्सल्य
(C) प्रेम
(D) उम्मीद

उत्तर (B) वात्सल्य

(v) 'शेफालिका' के फूलों की क्या विशेषता होती है?

(A) बच्चे उनके प्रति आकर्षित रहते हैं।
(B) मज़बूती से डालियों में लगे रहते हैं।
(C) उनको कोई भी तोड़ नहीं पाता है।
(D) हल्की हवा से भी झरने लगते हैं।

उत्तर (D) हल्की हवा से भी झरने लगते हैं।

काव्यांश 2 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

फ़सल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है

(i) पद्यांश के आधार पर लिखिए कि फ़सल क्या है।

(A) प्रकृति और मानव के श्रम का प्रतिफल
(B) खेतों में उगने वाला अन्न आदि
(C) नदियों के पानी का जादू आदि
(D) खेतों की मिट्टी से उपजा अन्न आदि

उत्तर (A) प्रकृति और मानव के श्रम का प्रतिफल

(ii) फ़सल उपजाने के उपजाऊ तत्त्व हैं:

(A) नदियों का जादू और मिट्टी
(B) हाथों के स्पर्श की महिमा
(C) सिमटा हुआ संकोच हवा की थिरकन का
(D) मिट्टी, पानी, सूर्य, हवा और श्रम

उत्तर (D) मिट्टी, पानी, सूर्य, हवा और श्रम

(iii) 'मिट्टी के गुण-धर्म' से क्या अभिप्राय है?

(A) मिट्टी के भिन्न-भिन्न प्रकार
(B) मिट्टी के भिन्न-भिन्न रंग
(C) मिट्टी की विशेषताएँ जो फ़सल उगाती हैं
(D) अलग-अलग प्रदेशों की मिट्टी से है

उत्तर **(C)** मिट्टी की विशेषताएँ जो फ़सल उगाती हैं

(iv) 'हाथों के स्पर्श की महिमा है' -- से कवि का क्या अभिप्राय है?

(A) हाथों का प्यार पाकर फ़सल उगती है।
(B) किसान का परिश्रम खेती को शस्य श्यामला बनाता है।
(C) हाथों का महान स्पर्श सर्वोत्तम होता है।
(D) हाथों के स्पर्श की महिमा का गुणगान होता है।

उत्तर **(B)** किसान का परिश्रम खेती को शस्य श्यामला बनाता है।

(v) 'रूपांतर है सूरज की किरणों का' --का भाव है:

(A) सिमटा हुआ संकोच किरणों में समा जाता है।
(B) सूरज की किरणों पर हवा थिरकती है और संकोच दूर होता है।
(C) सूरज की किरणें हवा पर सवार हो नीचे आती हैं।
(D) सूरज की ऊर्जा अन्न में परिवर्तित होकर हमें पोषित करती है।

उत्तर **(D)** सूरज की ऊर्जा अन्न में परिवर्तित होकर हमें पोषित करती है।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 **2023** (3/1/3)

(ii) 'यह दंतुरित मुस्कान' में कवि स्वयं को किसके समान मान रहा है ? **1**

(a) शेफालिका के फूलों समान (b) बाँस और बबूल के समान
(c) मृतक के समान निर्जीव (d) पत्थर के समान

उत्तर **(B)** बांस और बबूल के समान 1 खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 2 **2023** (3/6/1)

'दंतुरित मुस्कान' का कवि स्वयं को चिर प्रवासी क्यों कह रहा है?

(A) वह पहली बार बच्चे से मिल रहा है।
(B) कवि सदा यात्रा पर रहने वाला व्यक्ति है।
(C) कवि लंबी यात्रा के बाद घर आया है।
(D) कवि का कोई घर नहीं है वह खानाबदोश है।

उत्तर **(B)** कवि सदा यात्रा पर रहने वाला व्यक्ति है।

प्रश्न 3 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चे द्वारा पिता को एकटक देखे जाने का क्या कारण था?

(A) ऐसे एकटक देखना उसका स्वभाव था।
(B) उसे पलकें झपकाना नहीं आता था।
(C) वह उन्हें पहचानने की कोशिश कर रहा था।
(D) वह उनकी उपेक्षा करने का प्रयास कर रहा था। खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

उत्तर **(C)** वह उन्हें पहचानने की कोशिश कर रहा था।

प्रश्न 4 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चा अपने पिता को क्यों नहीं पहचान पाता?

(A) माँ ने बच्चे को पिता से मिलवाया नहीं था।
(B) छोटे बच्चे सिर्फ़ अपनी माँ को ही पहचानते हैं।
(C) बच्चा अपने पिता को पहली बार देख रहा था।
(D) विशेष कारणवश पिता बच्चे को देखना नहीं चाहता था।

उत्तर **(C)** बच्चा अपने पिता को पहली बार देख रहा था।

प्रश्न 5 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'यह दंतुरित मुसकान' में बच्चे के धूल-धूसरित शरीर को देखकर पिता को कैसे लगता है?

(A) जैसे झोपड़ी कमल के फूल में रूपांतरित हो गई हो।
(B) जैसे झोपड़ी में कमल का फूल खिल गया हो।
(C) जैसे झोपड़ी के चारों ओर कमल खिल गए हों।
(D) जैसे चारों तरफ कीचड़ और झोपड़ी कमल का फूल हो।

उत्तर **(B)** जैसे झोपड़ी में कमल का फूल खिल गया हो।

प्रश्न 6 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'यह दंतुरित मुसकान' कविता में कौन-सा भाव मुखरित होता है?

(A) मैत्री
(B) व्यंग्य
(C) प्रेम
(D) वात्सल्य

उत्तर **(D)** वात्सल्य

प्रश्न 7 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'यह दंतुरित मुसकान' कविता के संदर्भ में लिखिए कि 'कठोर मन' कब पिघल जाता है।

(A) बिछुड़े मित्र के मिलने से
(B) प्यार भरा सान्निध्य पाकर
(C) बगीचे की सुंदरता देखकर
(D) बालपन के सहज स्पर्श से

उत्तर **(D)** बालपन के सहज स्पर्श से

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 8 **2023** (3/1/1)

आपने अपने पाठ्यक्रम में किस कविता में अन्न उपजाने की पूरी प्रक्रिया पढ़ी है? उस प्रक्रिया का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

आदर्श उत्तर

अन्न उपजाने की पूरी प्रक्रिया 'फसल' कविता में पढ़ी है। किसान खेत में बुवाई, निराई और गुड़ाई करके कठोर परिश्रम करता है। नदियों के पानी से फसल की सिंचाई होती है और सूरज के प्रकाश तथा हवा से उसे पोषण मिलता है; तब जाकर फसल तैयार होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- फसल कविता में;
- किसान का परिश्रम (बुवाई, निराई, गुडाई आदि)
- नदियों के पानी से सिंचाई
- सूरज के प्रकाश और हवा से पोषण 54 (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 9 **2023** (3/1/2)

'यह दंतुरित मुस्कान' में शिशु कवि को 'अनिमेष' देख रहा है। 'अनिमेष' का अर्थ लिखते हुए बताइए कि बच्चे ऐसा क्यों करते हैं?

आदर्श उत्तर

'अनिमेष' का अर्थ है – बिना पलक झपकाए लगातार, एकटक देखना। बच्चे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे किसी अपरिचित को देखकर उसे पहचानने का प्रयास करते हैं और नई वस्तुओं तथा नए चेहरों के प्रति उनके मन में जिज्ञासा होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- अपलक / लगातार, एकटक देखना;
- अपरिचित को देखकर उसे पहचानने के लिए,
- नवीन वस्तुओं के प्रति जिज्ञासा

(प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 10 **2023** (3/1/3)

'फसल' किन-किन रूपों का जादू है? इसे बनाए रखने के लिए हमें क्या प्रयास करने चाहिए?

आदर्श उत्तर

फसल नदियों के पानी, किसान के परिश्रम, मिट्टी के गुण-धर्म, सूरज की रोशनी और हवा का जादू है। इसे बनाए रखने के लिए हमें प्रकृति को स्वच्छ और मिट्टी को प्रदूषण-मुक्त रखना चाहिए, रासायनिक पदार्थों का उपयोग घटाकर जैविक खाद अपनानी चाहिए और अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- नदियों के पानी का, किसान के परिश्रम का, मिट्टी के गुण-धर्म का, सूरज की रोशनी और हवा का; प्रयास
- प्रकृति को स्वच्छ व मिट्टी को प्रदूषण मुक्त बनाना
- रासायनिक पदार्थों के उपयोग को कम करना
- जैविक खाद और कीटनाशकों का प्रयोग करना
- दो फसलों के बीच उपजाऊ क्षमता बढ़ाने के लिए खेत को खाली छोड़ना
- अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाना (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 11 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित कैसे रखा जा सकता है?' 'फसल' कविता के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

मिट्टी के गुण-धर्म को सुरक्षित रखने के लिए रासायनिक पदार्थों का उपयोग कम करना चाहिए और जैविक खाद तथा जैविक कीटनाशकों को बढ़ावा देना चाहिए। दो फसलों के बीच खेत को कुछ समय खाली छोड़ना और अधिक-से-अधिक पेड़-पौधे लगाना भी आवश्यक है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- रासायनिक पदार्थों के उपयोग को कम करके
- जैविक खाद और कीटनाशकों के प्रयोग का बढ़ावा देकर
- दो फसलों के बीच उपजाऊ क्षमता बढ़ाने के लिए खेत को खाली छोड़कर
- अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाकर (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 12 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात ..... छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात' 'तुम्हारी ये दंतुरित मुस्कान' से ली गई उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त बिंब को स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इन पंक्तियों में दृश्य बिंब है। शिशु का शरीर धूल से सना हुआ है, फिर भी वह अत्यंत सुंदर लग रहा है। कवि को ऐसा प्रतीत होता है मानो कीचड़ में खिलने वाला कमल तालाब छोड़कर उसकी झोंपड़ी में खिल उठा हो।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- शिशु का धूल से लथपथ शरीर
- कीचड़ में खिले कमल के समान झोपड़ी में शिशु

प्रश्न 13 **2023** (3/6/3)

बच्चे की दंतुरित मुस्कान का किस-किस पर क्या-क्या प्रभाव पड़ता है? यह 'दंतुरित मुस्कान' कविता के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

बच्चे की दंतुरित मुस्कान मृतक में भी जान डाल देती है; निराश और उदास मन में आशा का संचार हो जाता है। इसे देखकर कठोर पत्थर जैसा हृदय भी पिघल जाता है और बाँस तथा बबूल जैसे रूखे व्यक्ति भी शेफालिका के फूलों-से कोमल हो उठते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- निराश (मृतप्राय)/ मन पर - आशा का संचार होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 14 **2024** (3/2/2)

'फसल' कविता में कवि ने फसल के बारे में क्या कहा है? फसल उपजाने में अपेक्षित तत्त्वों का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि के अनुसार फसल लाखों लोगों के हाथों के स्पर्श की गरिमा, ढेर सारी नदियों के पानी का जादू, हज़ारों खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म, सूर्य की किरणों का रूपांतर और हवा की थिरकन है। इसे उपजाने में जल, वायु, मिट्टी, सूर्य और मानव-श्रम अपेक्षित तत्त्व हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी 'फ़सल' कविता के आधार पर कोई एक उपयुक्त बिदु लिखेंगे, जैसे -

- लाखों लोगों के हाथों का स्पर्श
- ढेर सारी नदियों के पानी का जादू
- हजारों खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म
- सूर्य की किरणों का रूपांतरण
- हवा की थिरकन का संकोच;

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- जल
- वायु
- मिट्टी
- सूर्य

प्रश्न 15 2024 (3/3/1)

'फसल' का सृजन कब संभव है? पठित कविता के आधार लिखिए।

आदर्श उत्तर

फसल का सृजन तभी संभव है जब नदियों का पानी, मिट्टी का गुण-धर्म, सूरज का प्रकाश और हवा – ये सभी प्राकृतिक तत्त्व किसान के कठोर परिश्रम के साथ मिल जाएँ। प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से ही फसल पैदा होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी 'फसल' कविता के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे–

- नदियों के पानी, मिट्टी के गुण-धर्म, सूरज के प्रकाश, हवा और किसान

प्रश्न 16 2024 (3/3/2)

'बच्चे के निकट आने और उसका स्नेह पाने के लिए सान्निध्य आवश्यक है।' का भाव 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

कविता में प्रवासी पिता लंबे समय बाद घर लौटता है तो शिशु उसे पहचान नहीं पाता और एकटक देखता रह जाता है; माँ के माध्यम से ही दोनों का परिचय होता है। इसका भाव यह है कि बच्चे का स्नेह पाने के लिए उसके साथ निरंतर रहना और समय बिताना आवश्यक है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता का निम्नलिखित संदर्भ देते हुए दी गई पंक्ति का भाव स्पष्ट करेंगे –

- बच्चे का प्रवासी पिता को देखकर न पहचानना

प्रश्न 17 **2024** (3/3/3)

फसल को ढेर सारी नदियों के पानी का जादू क्यों कहा गया है? कविता के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

फसलों की सिंचाई नदियों के पानी से होती है; बिना पानी के फसल की पैदावार संभव ही नहीं है। नदियों के पानी के साथ बहकर आई उपजाऊ मिट्टी भी फसलों के लिए वरदान होती है। इसी कारण फसल को ढेर सारी नदियों के पानी का जादू कहा गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- फसलों की सिंचाई के लिए नदियों के पानी का प्रयोग
- बिना पानी के फसल की पैदावार संभव नहीं
- नदियों के पानी के साथ आई उपजाऊ मिट्टी फसलों के लिए वरदान
- अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य

प्रश्न 18 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'फसल' कविता सामूहिक कार्य का अच्छा उदाहरण है - इस कथन पर टिप्पणी लिखिए।

आदर्श उत्तर

फसल किसी एक के प्रयास से तैयार नहीं होती। इसमें लाखों-करोड़ों लोगों के हाथों का स्पर्श, ढेर सारी नदियों का पानी, हज़ारों खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म, सूरज की किरणों का रूपांतर और हवा की थिरकन – सबका योगदान होता है। इसलिए यह सामूहिक कार्य का अच्छा उदाहरण है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता में दिए गए दो उदाहरणों के साथ टिप्पणी लिखेंगे, जैसे –

- लाखों लोगों के हाथों का स्पर्श
- ढेर सारी नदियों के पानी का जादू
- हजारों खेतों की मिट्टी का गुण-धर्म
- सूरज की किरणों का रूपांतरण
- हवा की थिरकन का संकोच

प्रश्न 19 **2025** (3/1/1)

'फ़सल' के लिए आवश्यक कारकों का उल्लेख अपने शब्दों में कीजिए।

आदर्श उत्तर

फसल के लिए प्रकृति के तत्त्व – उपजाऊ मिट्टी, पानी, हवा और सूरज का प्रकाश – आवश्यक हैं। इनके साथ मनुष्य का, विशेषकर किसान का कठोर परिश्रम भी उतना ही ज़रूरी है। इन सबके मेल से ही फसल तैयार होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

फ़सल के आवश्यक कारक:

- प्रकृति के तत्त्व- मिट्टी, पानी, हवा, प्रकाश
- मनुष्य का परिश्रम

प्रश्न 20 2025 (3/1/2)

फ़सल प्रकृति और मानव की सहभागिता का सर्वोत्कृष्ट रूप है - कैसे? 'फ़सल' कविता के संदर्भ में लिखिए।

आदर्श उत्तर

फसल के उपजने में प्रकृति के तत्त्वों – मिट्टी, पानी, हवा और प्रकाश – के साथ मनुष्य के परिश्रम का भी बराबर योगदान होता है। अकेली प्रकृति या अकेला मनुष्य फसल नहीं उगा सकता। इसीलिए फसल दोनों की सहभागिता का सर्वोत्कृष्ट रूप है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- फ़सल के उपजने में प्रकृति के तत्त्वों- मिट्टी, पानी, हवा, प्रकाश के साथ मनुष्य के परिश्रम का भी बराबर योगदान है। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 21 2025 (3/1/3)

'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में बच्चे की मुस्कान के प्रभाव का जो वर्णन कवि ने किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

कवि के अनुसार बच्चे की दंतुरित मुस्कान मृतक में भी जान डाल देती है, अर्थात निराश व्यक्ति में आशा का संचार कर देती है। यह मुस्कान कठोर-से-कठोर व्यक्ति के हृदय को भी पिघलाकर उसमें वात्सल्य भाव जगा देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- मृतक में भी जान डालना यानी निराश व्यक्ति में आशा का संचार करना
- कठोर से कठोर व्यक्ति के हृदय में वात्सल्य भाव जगाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 22 2025 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'यह दंतुरित मुस्कान' का कवि बालक की माँ को धन्य क्यों कह रहा है? शिशु के प्रति माता किन कर्तव्यों का निर्वाह करती है?

आदर्श उत्तर

कवि बालक की माँ को धन्य कहता है, क्योंकि उसी ने शिशु का पालन-पोषण किया और प्रवासी पिता के आने पर उसका परिचय कराया। माँ अबोध शिशु की देखभाल करती है, उसे मधुपर्क पिलाती है, उसके पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखती है तथा उसे स्नेह और संस्कार देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- पालन-पोषण करने और प्रवासी पिता के आगमन पर उसका परिचय कराने के लिए;
- अबोध शिशु की देखभाल और उसे मधुपर्क का पान करवाना
- शिशु के पोषण, स्वास्थ्य व विकास का ध्यान रखना

- शारीरिक, मानसिक सुरक्षा प्रदान करना
- संस्कार देना
- शिशु को स्नेह और अपनापन देना

(कोई एक बिंदु अपेक्षित; अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 23 **2025** (3/3/1)

'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चे के स्पर्श से 'शेफालिका के फूलों के झरने' से क्या अभिप्राय है?

आदर्श उत्तर

इसका अभिप्राय है कि बच्चे के कोमल स्पर्श से कवि के कठोर और रूखे मन में कोमलता और आनंद का प्रवाह होने लगा। उसके मन से स्नेह और वात्सल्य के भाव उसी तरह फूट पड़े जैसे शेफालिका के फूल झरते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर एक बिंदु में अभिप्राय लिखेंगे-

- स्नेह और वात्सल्य भाव जो बच्चे के स्पर्श से कवि के मन से फूट पड़े
- कठोर और रूखे मन में कोमलता और आनंद का प्रवाह

प्रश्न 24 **2025** (3/3/2)

'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर बाल मनोविज्ञान के किन्हीं दो पक्षों पर प्रकाश डालिए।

आदर्श उत्तर

कविता से पता चलता है कि बच्चे किसी अजनबी को सामने पाकर उसे कनखियों से या एकटक देखते हैं और पहचानने की कोशिश करते हैं। पहचान हो जाने पर वे मुस्कराने लगते हैं, जबकि अनजान और कठोर स्पर्श से घबराकर रो भी पड़ते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर बाल मनोविज्ञान के कोई दो पक्ष लिखेंगे-

- बच्चों के सामने किसी अजनबी के आने पर वे आँखों की कनखियों से देखते हैं, पहचानने की कोशिश करते हैं।
- कभी वे मुस्कराते हैं तो कभी एकटक देखते हैं।
- अजनबी व्यक्ति के अनजान और कठोर स्पर्श से रो भी पड़ते हैं।

प्रश्न 25 **2025** (3/3/3)

'यह दंतुरित मुसकान' कविता का कवि अपनी संतान के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वाह करने में क्यों अक्षम रहा है? कवि के अनुसार बच्चे का पालन-पोषण उसकी माँ ने कैसे किया है?

आदर्श उत्तर

कवि चिर प्रवासी रहा, अर्थात लंबे समय तक घर से बाहर रहा, इसलिए वह संतान के प्रति अपने उत्तरदायित्व नहीं निभा सका। बच्चे का पालन-पोषण माँ ने किया – उसने अबोध शिशु की देखभाल की, उसे मधुपर्क के रूप में पोषक भोजन कराया और उसके स्वास्थ्य तथा विकास का ध्यान रखा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- चिर प्रवासी होने के कारण;
- अबोध शिशु की देखभाल करना
- उसे मधुपर्क के रूप में स्वाद और पोषण से भरा भोजन करवाना
- शिशु के स्वास्थ्य और विकास का ध्यान रखना

प्रश्न 26 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

कवि ने 'फसल' को पानी का जादू क्यों कहा है?

आदर्श उत्तर

फसलों के उत्पादन और पोषण में पानी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है; पानी से ही फसल में हरियाली और नवजीवन आता है। नदियों के जल के साथ उपजाऊ मिट्टी भी आती है, जिससे मानो जादू की तरह फसल लहलहा उठती है। इसलिए कवि ने फसल को पानी का जादू कहा है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- फसलों के उत्पादन और पोषण में पानी की महत्त्वपूर्ण भूमिका
- पानी में फसलों की वृद्धि और विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व
- पानी से ही फसल में हरियाली और नवजीवन का संचार
- नदियों के जल के साथ उपजाऊ मिट्टी के आने से जादू के समान फसल की पैदावार (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 27 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

फसलें मानव की आधारभूत आवश्यकता से जुड़ी हैं और फसलों का आधारभूत तत्त्व है मिट्टी। वर्तमान जीवन शैली ने अनेक रूपों में इस मिट्टी को प्रभावित किया है। 'फसल' कविता के संदर्भ में इन प्रभावों का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

वर्तमान जीवन-शैली में खेती में रसायनों और कीटनाशक दवाओं के अधिक प्रयोग से मिट्टी प्रदूषित हो रही है। लगातार फसलें लेने से उसकी उर्वरता क्षीण हो रही है तथा प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे से मिट्टी की गुणवत्ता घटती जा रही है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के संदर्भ में दो उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- कृषि में रसायनों और कीटनाशक दवाओं के प्रयोग से मिट्टी का प्रदूषित होना
- फसलों की निरंतर उत्पत्ति से उर्वरता का क्षीण होना
- प्लास्टिक, औद्योगिक कचरे से मिट्टी की गुणवत्ता का कमतर होना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 28 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में शिशु से मिलकर कवि को कैसी अनुभूति होती है?

आदर्श उत्तर

शिशु से मिलकर कवि को गहरे वात्सल्य की अनुभूति होती है। उसकी दंतुरित मुस्कान देखकर कवि के निराश मन में आशा का संचार हो जाता है और उसके कठोर मन में कोमल भावनाएँ बहने लगती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- वात्सल्य की अनुभूति
- निराश मन में आशा का संचार
- कठोर मन में कोमल भावनाओं का प्रवाह (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 29 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'यह दंतुरित मुस्कान' कविता में बाँस या बबूल की संज्ञा से किसे संबोधित किया गया है और क्यों?

आदर्श उत्तर

कविता में बाँस या बबूल की संज्ञा से कवि ने स्वयं को अर्थात शिशु के पिता को संबोधित किया है। लंबे प्रवास और संघर्षों के कारण उसका जीवन बाँस और बबूल की तरह कठोर, रूखा और नीरस हो गया था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर किसे और क्यों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

किसे: स्वयं कवि को/ पिता को;
क्यों: कठोर, नीरस, रूखे जीवन के कारण

प्रश्न 30 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

बच्चे की मुस्कान और छवियों को कवि ने किन-किन बिंबों में व्यक्त किया है? किन्हीं दो बिंबों का वर्णन कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि ने धूल से सने बच्चे को झोंपड़ी में खिले कमल के रूप में देखा है। दूसरा बिंब यह है कि बच्चे के स्पर्श से कठोर पाषाण पिघलकर जल बन जाता है और बाँस-बबूल जैसे कठोर हृदय से शेफालिका के फूल झरने लगते हैं, अर्थात कोमल भावों का संचार होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर बिंबों का दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

बिंब-

- धूल से सना बच्चा मानो झोंपड़ी में खिला हुआ कमल
- स्पर्श मात्र से पाषाण हृदय में कोमल भावों का संचार
- बच्चे के स्पर्श से कठोर हृदय में शेफालिका के फूलों जैसे कोमल भावों का संचार
- दंतुरित मुसकान की मोहक छवि से मानो मृतक में भी प्राणों का संचार

क्षितिज • काव्य खंड

संगतकार — मंगलेश डबराल

पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

काव्यांश 1 2023 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3, 3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर

(i) मुख्य गायक अपने ही सरगम को किस कारण लाँघ जाता है?

(A) गाने की रौ में भटकने के कारण
(B) संगतकार द्वारा साथ देने के कारण
(C) संगतकार द्वारा साथ न देने के कारण
(D) संगतकार नौसिखिया था

उत्तर **(A)** गाने की रौ में भटकने के कारण

(ii) मुख्य गायक कहाँ भटक जाता है?

(A) समुद्र के भँवरजाल में
(B) बचपन की स्मृतियों में
(C) तबले की ताल में
(D) शोर-गूँज के भँवरजाल में

आदर्श उत्तर

कविता के अनुसार मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों के जंगल में खो जाता है या अपने ही सरगम को लाँघकर अनहद में भटक जाता है। (इस बहुविकल्पी प्रश्न के चारों विकल्प CBSE ने अनुपयुक्त माने हैं, इसलिए किसी भी विकल्प पर पूरे अंक दिए गए।)

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(चारों विकल्प अनुपयुक्त होने के कारण किसी भी विकल्प के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ)

(iii) मुख्य गायक के भटकने पर संगतकार उसकी सहायता कैसे करता है?

(A) उसका सामान उठाकर
(B) उसका हाथ पकड़कर
(C) स्थायी को सँभालकर
(D) बचपन की याद दिलाकर

उत्तर **(C)** स्थायी को सँभालकर

(iv) 'जब वह नौसिखिया था' - इस वाक्य में 'वह' किसके लिए आया है?

(A) संगतकार
(B) मुख्य गायक
(C) संयोजक
(D) बाँसुरी वादक

उत्तर **(B)** मुख्य गायक

(v) 'तारसप्तक' में जब बैठने लगता है उसका गला। यहाँ 'तारसप्तक' से क्या अभिप्राय है?

(A) धीमा स्वर
(B) शुद्ध स्वर
(C) दुगुना धीमा स्वर
(D) दुगुना ऊँचा स्वर

उत्तर **(D)** दुगुना ऊँचा स्वर

(vi) 'मुख्य गायक की गरज़ में संगतकार अपनी गूँज प्राचीन काल से मिला रहा है' - कथन में प्राचीन काल का तात्पर्य है -

उत्तर **(B)** हमेशा से

(vii)

(ii) मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों के जंगल में क्यों खो जाता है ? 1

(a) कई बार सिद्धस्थ गायक भी किसी सुर–ताल में उलझ जाते हैं ।

(b) गाना एक जंगल जैसा है जिसमें भटक जाना सहज ही हो जाता है ।

उत्तर **(C)** अपने ही गाने की लय में डूबकर भटक जाता है।

(viii) संगतकार किस तरह से मुख्य गायक की सहायता करता है?

(A) मुख्य गायक के भटकने पर स्थायी को सँभाल कर।
(B) मुख्य गायक को उसके बचपन की याद दिलाकर।
(C) मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान समेट कर।
(D) मुख्य गायक के साथ अंतरे को गाकर।

उत्तर **(A)** मुख्य गायक के भटकने पर स्थायी को सँभाल कर।

(ix)

(iv) संगतकार मुख्य गायक को ढाँढ़स कब बँधाता है ? – इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए निम्नलिखित कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए – 1

कथन : (क) जब उसका गला बैठने लगता है ।

(ख) जब वह निरुत्साहित होने लगता है ।

(ग) जब उसकी आवाज मंद पड़ने लगती है ।

विकल्प :

(a) केवल (क)

(b) केवल (ग)

(c) (क), (ख) और (ग)

उत्तर **(C)** (क), (ख) और (ग)

(x)

(v) 'तार सप्तक' में मुख्य गायक का गला क्यों बैठने लगता है ? 1

(a) वह गाते–गाते थक चुका होता है ।

(b) इसमें स्वरों को ऊँचाई–निचाई पर चढ़ाना होता है ।

उत्तर **(B)** इसमें स्वरों को ऊँचाई-निचाई पर चढ़ाना होता है।

(xi) मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों के जंगल में क्यों खो जाता है?

(A) कई बार सिद्धस्थ गायक भी किसी सुर-ताल में उलझ जाते हैं।
(B) गाना एक जंगल जैसा है जिसमें भटक जाना सहज ही हो जाता है।
(C) अपने ही गाने की लय में डूबकर भटक जाता है।
(D) महान गायक भी कभी-कभी कमज़ोर पड़ जाते हैं।

उत्तर **(C)** अपने ही गाने की लय में डूबकर भटक जाता है।

(xii) 'तार सप्तक' में मुख्य गायक का गला क्यों बैठने लगता है?

(A) वह गाते-गाते थक चुका होता है।
(B) इसमें स्वरों को ऊँचाई-निचाई पर चढ़ाना होता है।
(C) उसे बार-बार गाना पड़ता है।
(D) आवाज़ की गूँज अब नष्ट हो चुकी होती है।

उत्तर **(B)** इसमें स्वरों को ऊँचाई-निचाई पर चढ़ाना होता है।

(xiii)

(v) 'तार सप्तक' में मुख्य गायक का गला क्यों बैठने लगता है ? 1

(a) वह गाते–गाते थक चुका होता है ।

उत्तर **(B)** इसमें स्वरों को ऊँचाई-निचाई पर चढ़ाना होता है।

काव्यांश 2 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है

जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान
जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है

(i)

(i) 'संगतकार' कौन हो सकता है ?

I. मुख्य गायक का पुत्र
II. मुख्य गायक का छोटा भाई
III. मुख्य गायक का कोई दूर का रिश्तेदार
IV. मुख्य गायक का कोई शिष्य

विकल्प :

(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) I, III और IV
(D) II, III और IV

उत्तर **(D)** II, III और IV

(ii) गायक अंतरे की जटिल तानों में खो चुका होता है - का आशय है:

(A) गायक गाने की जटिलता में सुर खो देता है।
(B) गायक गाने की पंक्ति को बीच में ही भूल जाता है।
(C) गायक अंतरे को गाने में सरगम और तानों की जटिलता भूल जाता है।
(D) गायक अंतरे की तानों की गहराई और जटिलता में सुध-बुध खो देता है।

उत्तर **(D)** गायक अंतरे की तानों की गहराई और जटिलता में सुध-बुध खो देता है।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए:

कथन: संगतकार मुख्य गायक को उसका बचपन याद दिलाता है।
कारण: मुख्य गायक भी कभी नौसिखिया था।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, परंतु कारण सही है।
(B) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण,कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(D)** कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण,कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

(iv) मुख्य गायक के प्रतिभावान होने के बावजूद संगतकार का होना क्यों आवश्यक है?

(A) स्थायी और आनुषंगिक मुश्किलों को सँभालने के लिए
(B) उसके बचपन की याद दिलाने के लिए
(C) सुरों और सरगम की सीख लेने के लिए
(D) पीछे छूटने वाले सामान को समेटने के लिए

उत्तर **(A)** स्थायी और आनुषंगिक मुश्किलों को सँभालने के लिए

(v) पद्यांश में वर्णित पंक्तियों के आधार पर मुख्य गायक के बारे में कौन-सा कथन असत्य है?

(A) मुख्य गायक कभी-कभी अपनी सरगम में बेसुध होकर अनहद में खो जाता है।
(B) उच्च सुरों में उसका गला थकने लगता है और आवाज़ बुझने भी लगती है।
(C) संगतकार मुख्य गायक की गरजती हुई आवाज़ में अपनी गूँज मिलाकर उसे और पुष्ट करता है।
(D) मुख्य गायक अपने नौसिखिए होने को याद कर प्रेरणाहीन हो थकने लगता है।

उत्तर **(D)** मुख्य गायक अपने नौसिखिए होने को याद कर प्रेरणाहीन हो थकने लगता है।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 **2023** (3/1/1)

मुख्य गायक द्वारा 'अंतरे' की जटिल तानों के जंगल में खोने पर संगतकार 'स्थायी' को किस प्रकार सँभालता है?

(A) पीछे छूटे हुएसामान की तरह
(B) उसे ढाढ़स बँधाकर
(C) उसके स्वर में स्वर मिलाकर
(D) वाद्य यंत्रों की ध्वनि ऊँची कर

उत्तर **(C)** उसके स्वर में स्वर मिलाकर

प्रश्न 2 **2023** (3/1/2)

संगतकार की आवश्यकता है -

(A) मुख्य गायक की अनुपस्थिति में उसकी जगह लेने के लिए।
(B) मुख्य गायक के पीछे छूटे सामान को समेटने के लिए।
(C) प्रत्येक परिस्थिति में मुख्य गायक का पीछे से साथ देने के लिए।
(D) बीच-बीच में अपनी गायकी से एकरसता भंग करने के लिए।

उत्तर **(C)** प्रत्येक परिस्थिति में मुख्य गायक का पीछे से साथ देने के लिए।

प्रश्न 3 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

(ii) कवि के अनुमानों के आधार पर बताइए कि निम्नलिखित में से 'संगतकार' मुख्य गायक की सहायता किस रूप में नहीं करता ।

(a) मुख्य गायक के छोटे भाई के रूप में

(b) मुख्य गायक के शिष्य के रूप में

(c) मुख्य गायक के दूर के रिश्तेदार के रूप में

(d) मुख्य गायक के बेटे के रूप में

उत्तर **(D)** मुख्य गायक के बेटे के रूप में 1 खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 4 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

संगतकार मुख्य गायक का साथ क्यों देता है? अनुपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए:

(A) उसके समान ही अपनी पहचान बनाने के लिए।

(B) प्रदर्शन के दौरान उसका उत्साह बढ़ाने के लिए।

(C) उसके प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए।

(D) उसके स्वर को सहारा देने के लिए।

उत्तर **(A)** उसके समान ही अपनी पहचान बनाने के लिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 5 **2023** (3/1/2)

कवि की दृष्टि में 'संगतकार' की मनुष्यता क्या है? तर्क सहित बताइए कि क्या आप उससे सहमत हैं?

आदर्श उत्तर

कवि की दृष्टि में संगतकार की मनुष्यता यह है कि वह हर स्थिति में मुख्य गायक का साथ देता है और समर्थ होते हुए भी उससे आगे निकलने की होड़ नहीं करता। मैं इससे सहमत हूँ, क्योंकि दूसरे की सफलता के लिए स्वयं को पीछे रखना सचमुच बड़प्पन और त्याग है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- हर स्थिति में मुख्य गायक का साथ देना
- कभी उससे आगे जाने की होड़ न करना (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)।+

प्रश्न 6 **2023** (3/1/3)

मुख्य गायक को अकसर संगतकार की जरूरत क्यों पड़ती है? 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

मुख्य गायक को गायन में साथ देने के लिए संगतकार की ज़रूरत पड़ती है। जब वह अनहद में खो जाता है तो संगतकार स्थायी को सँभाले रखता है और उसके स्वर को बिखरने से पहले सँभाल लेता है। वह गायक को यह विश्वास भी दिलाता है कि वह अकेला नहीं है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- गायन में साथ देने के लिए
- वह अकेला नहीं है, इस विश्वास के लिए
- अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखने के लिए
- स्वर को बिखरने से पहले ही सँभाल लेने के लिए (कोई दो बिंदु अपेक्षित)।+]-

प्रश्न 7 2023 (3/2/1)

'संगतकार' जैसे व्यक्तियों के योगदान पर समाज का उतना ध्यान नहीं गया है और उन्हें यथोचित सम्मान भी नहीं मिला है। --- इस कथन पर 'संगतकार' कविता के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

यह कथन उचित है। संगतकार मुख्य गायक की सफलता में पूरा योगदान देता है, फिर भी उसे मुख्य गायक के समान श्रेय नहीं मिलता। समाज में पहचान और प्रसिद्धि मुख्य गायक को ही मिलती है और संगतकार पृष्ठभूमि में ही रह जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- संगतकार को मुख्य गायक के समान श्रेय नहीं मिलता है।
- समाज में मुख्य गायक की पहचान, प्रसिद्धि अधिक होती है।
- संगतकार पृष्ठभूमि में ही रह जाता है। (संदर्भगत स्वतंत्र टिप्पणी स्वीकार्य)

प्रश्न 8 2023 (3/2/2)

'संगतकार' मुख्य गायक की सहायता किस-किस तरह से करता है?

आदर्श उत्तर

संगतकार गायन में मुख्य गायक का साथ देता है और उसका उत्साह बढ़ाए रखता है। जब गायक अनहद में खो जाता है तो वह स्थायी को सँभाले रखता है। वह गायक को कभी अकेलेपन का अहसास नहीं होने देता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- गायन में साथ देना
- उसका उत्साह बढ़ाए रखना
- अकेलेपन का अहसास न होने देना
- अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखना

प्रश्न 9 2023 (3/2/3)

(घ) संगतकार की मनुष्यता को कवि ने किन शब्दों में रेखांकित किया है ? क्या इस विषय में आप उससे सहमत हैं ? तर्क संगत उत्तर दीजिए ।

आदर्श उत्तर

कवि के अनुसार संगतकार मुख्य गायक की सहायता करता है और जान-बूझकर अपने स्वर को ऊँचा न उठाकर स्वयं को पीछे रखता है; यही उसकी मनुष्यता है। मैं इससे सहमत हूँ, क्योंकि कुशल होते हुए भी वह मुख्य गायक से होड़ नहीं करता और उसके सम्मान की रक्षा करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- स्वयं को जानबूझ कर पीछे रखना
- मुख्य गायक की सहायता करना
- अपने स्वर को ऊँचा न उठाना (प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए तर्कपूर्ण उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) उदाहरणार्थ - सहमत - संगतकार कुशल होते हुए भी

मुख्य गायक से होड़ नहीं करता है, अपने आप को पीछे रखता है। असहमत - संगतकार का कार्य ही साथ देना है, वह मनुष्यता की बात नहीं, बस अपना

कार्य अच्छे से कर रहा है। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 10 2023 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'संगतकार' कविता के आधार पर लिखिए कि मुख्य गायक के साथ संगतकार की भूमिका किन रूपों में होती हैं।

आदर्श उत्तर

संगतकार गायन में मुख्य गायक का साथ देता है और उसका उत्साह बनाए रखता है। वह गायक को अकेलेपन का अहसास नहीं होने देता। गायक के अनहद में खो जाने पर वह स्थायी को सँभाले रखता है और उसके स्वर को बिखरने से पहले ही सँभाल लेता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

मुख्य गायक के साथ संगतकार की भूमिका:

- गायन में साथ देना
- उत्साह को बनाए रखना
- अकेलेपन का अहसास न होने देना
- अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखना
- स्वर को बिखरने से पहले ही सँभाल लेना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 11 2024 (3/2/1)

संगतकार की आवाज़ में हिचक की अनुभूति कब होती है? 'संगतकार' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

संगतकार की आवाज़ में हिचक तब सुनाई देती है जब वह अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की कोशिश करता है। मुख्य गायक से स्वयं को पीछे रखने के प्रयास में वह अपनी आवाज़ को दबाए रखता है, इसी से यह हिचक पैदा होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- अपने स्वर को ऊँचा न उठाने की कोशिश करते समय
- मुख्य गायक से स्वयं को पीछे रखने के प्रयास में

प्रश्न 12 2024 (3/2/2)

'संगतकार' कविता में 'आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ' - किस संदर्भ में कहा गया है? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

यह बात उस समय के संदर्भ में कही गई है जब मुख्य गायक तारसप्तक में स्वर को बहुत ऊँचा उठाकर गाता है। तब उसका गला बैठने लगता है और उत्साह कम हो जाता है। उसकी बुझती हुई आवाज़ को ही राख जैसा कुछ गिरना कहा गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के संदर्भ में कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

संदर्भ

- तारसप्तक में गाते समय
- स्वर को ऊँचा उठाने पर;

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- गला बैठ जाना
- उत्साह कम हो जाना

प्रश्न 13 2024 (3/2/3)

संगतकार मुख्य गायक का साथ कब और क्यों देता है?

आदर्श उत्तर

जब मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों में या अनहद में खो जाता है, अथवा तारसप्तक में उसका गला बैठने लगता है, तब संगतकार उसका साथ देता है। वह ऐसा गायक का उत्साह बनाए रखने और उसे अकेलेपन का अहसास न होने देने के लिए करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं लिखेंगे, जैसे -

कब –

- अंतरे की जटिल तानों में खो जाने पर
- अनहद में खो जाने पर
- तारसप्तक में गला बैठने पर;

क्यों

- उत्साह को बनाए रखने के लिए
- अकेलेपन का अहसास न होने देने के लिए

प्रश्न 14 2024 (3/3/1)

'संगतकार' कविता के संदर्भ में लिखिए कि संगतकार कौन होता है? उसके द्वारा किस प्राचीन परंपरा का निर्वाह किया जाता है?

आदर्श उत्तर

संगतकार वह सहयोगी कलाकार है जो मुख्य गायक के साथ गायन करता है या कोई वाद्य बजाता है। वह मुख्य गायक का साथ देने की प्राचीन परंपरा का निर्वाह करता है, जो हमारे संगीत की गुरु-शिष्य परंपरा से चली आ रही है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –
संगतकार – मुख्य गायक के साथ गायन करने वाला या कोई वाद्य बजाने वाला कलाकार, सहयोगी प्रश्न के दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- मुख्य गायक का साथ देने की परंपरा
- गुरु शिष्य परंपरा

प्रश्न 15 2024 (3/3/2)

संगतकार द्वारा अपनी आवाज़ को ऊँचा न उठाने की कोशिश उसकी नाकामयाबी क्यों नहीं है? 'संगतकार' कविता के संदर्भ में लिखिए।

आदर्श उत्तर

संगतकार जान-बूझकर अपनी आवाज़ को मुख्य गायक से ऊँचा नहीं उठाता, क्योंकि उसका कर्त्तव्य गायक का साथ देना और उसे सहारा देना है। अपनी योग्यता को दबाकर दूसरे को आगे रखना उसकी विफलता नहीं, बल्कि उसकी मनुष्यता का परिचायक है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर विस्तार से लिखेंगे, जैसे –

- कर्त्तव्य का निवाह
- विफलता नहीं, मनुष्यता का परिचायक

प्रश्न 16 2024 (3/3/3)

संगतकार गायक को कब और कैसे यह अहसास दिलाता है कि वह अकेला नहीं है? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

जब तारसप्तक में मुख्य गायक का गला बैठने लगता है या वह अंतरे की जटिल तानों में खो जाता है, तब संगतकार अपना स्वर मिलाकर उसका साथ देता है और स्थायी को सँभाल लेता है। इस प्रकार वह गायक को अहसास दिलाता है कि वह अकेला नहीं है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए एक-एक बिंदु लिखेंगे, जैसे –

कब

- तारसप्तक में उसका गला बैठने पर
- अंतरे की जटिल तानों में खो जाने पर

कैसे

- साथ देकर

- स्थायी को सँभाल कर

प्रश्न 17 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'मुख्य गायक-गायिकाओं की सफलता उनके संगतकारों पर निर्भर करती है।' -- स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

संगतकार मुख्य गायक की आवाज़ में अपनी आवाज़ मिलाकर उसे सशक्त बनाता है। वह कठिन तानों के बीच गायन को सँभाल लेता है और तारसप्तक में गायक के थके हुए स्वर को सहारा देता है। वह गायक को अकेला नहीं पड़ने देता, इसलिए गायक की सफलता उस पर निर्भर करती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी 'संगतकार' कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- मुख्य गायक की आवाज में अपनी आवाज मिलाकर उसे सशक्त बनाना
- कठिन तानों के बीच गायन को सँभाल लेना
- तार सप्तक में मुख्य गायक के थके हुए स्वर को सँभाल लेना
- मुख्य गायक को अकेला न पड़ने देना
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 18 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

संगतकार की भूमिका पर कविता के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

आदर्श उत्तर

मेरे विचार से संगतकार की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह मुख्य गायक का साथ देता है, उसका उत्साह बनाए रखता है और उसे अकेलेपन का अहसास नहीं होने देता। गायक के अनहद में खो जाने पर वही स्थायी को सँभाले रखता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के संदर्भ में संगतकार की भूमिका के बारे में दो उपयुक्त बिंदुओं में अपने विचार लिखेंगे, जैसे -

- मुख्य गायक का साथ देना
- उसका उत्साह बनाए रखना
- उसे अकेलेपन का अहसास न होने देना
- उसके अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखना
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 19 2025 (3/1/1)

'संगतकार' का मुख्य काम क्या होता है? क्या कविता में वर्णित 'संगतकार' अपने काम में सफल है? सोदाहरण लिखिए।

आदर्श उत्तर

संगतकार का मुख्य काम मुख्य गायक का साथ देना है। कविता का संगतकार अपने काम में पूरी तरह सफल है – वह गायक का उत्साह बनाए रखता है, अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभालता है, बिखरते स्वर को सहारा देता है और अपनी आवाज़ को ऊँचा नहीं उठाता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- मुख्य गायक का साथ देना; हाँ, वह अपने काम में सफल है;

उदाहरण:

- गायन में साथ देना
- उत्साह को बनाए रखना
- अकेलेपन का अहसास न होने देना
- अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखना
- स्वर को बिखरने से पहले ही सँभाल लेना
- अपनी आवाज़ को ऊँचा न उठाना

प्रश्न 20 **2025** (3/1/2)

'संगतकार' की भूमिका क्या होती है? कवि मंगलेश डबराल उस भूमिका में 'मनुष्यता' को क्यों देखते हैं?

आदर्श उत्तर

संगतकार की भूमिका मुख्य गायक का साथ देने की होती है। कवि इसमें मनुष्यता इसलिए देखते हैं कि संगतकार सच्चे मन से अपनी भूमिका निभाता है और जान-बूझकर अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ऊँचा नहीं उठने देता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- मुख्य गायक का साथ देना;
- संगतकार द्वारा सच्चे मन से अपनी भूमिका का निर्वाह और जान-बूझकर अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ऊँचा न उठाने की कोशिश (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 21 **2025** (3/1/3)

संगतकार मुख्य गायक का साथ किस-किस रूप में देता है? किन्हीं दो का वर्णन कविता के आधार पर कीजिए।

आदर्श उत्तर

संगतकार गायन में अपना स्वर मिलाकर मुख्य गायक का साथ देता है और उसका उत्साह बनाए रखता है। जब गायक अनहद में खो जाता है तो वह स्थायी को सँभाल लेता है तथा उसके स्वर को बिखरने से पहले ही थाम लेता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- गायन में साथ देकर
- उत्साह को बनाए रखकर
- अकेलेपन का अहसास न होने देकर
- अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभालकर
- स्वर को बिखरने से पहले ही सँभालकर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 22 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'संगतकार' के दो गुणों का उल्लेख करते हुए लिखिए कि इन्हीं दो का चयन आपने क्यों किया है।

आदर्श उत्तर

संगतकार के दो प्रमुख गुण हैं – समर्पण और विनम्रता। वह पूरी निष्ठा से मुख्य गायक का साथ देता है और निःस्वार्थ भाव से स्वयं को पीछे रखता है। मैंने इन गुणों को इसलिए चुना क्योंकि इन्हीं के कारण वह हमें प्रभावित करता है और एक बेहतर मनुष्य दिखाई देता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर संगतकार के दो गुणों को लिखेंगे-

- समर्पण
- निःस्वार्थता
- मनुष्यता
- विनम्रता
- संयम
- अनुशासन

(अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- इन गुणों के कारण वह हमें प्रभावित करता है और बेहतर मनुष्य दिखता है।

प्रश्न 23 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'संगतकार' कविता से उद्धृत पंक्ति 'वह आवाज़ सुंदर काँपती हुई थी' में कवि ने संगतकार की आवाज़ सुंदर किंतु काँपती हुई-सी क्यों कहा है?

आदर्श उत्तर

संगतकार की आवाज़ सुरीली है, इसलिए कवि ने उसे सुंदर कहा है; पर वह मुख्य गायक की तुलना में कम सधी और कम अनुभवी है। मुख्य गायक का साथ देते हुए वह अपनी आवाज़ को उस पर हावी नहीं होने देता, इसी कोशिश में उसकी आवाज़ काँपती हुई-सी लगती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- संगतकार की आवाज़ सुरीली परंतु मुख्य गायक की तुलना में कम सधी और कम अनुभवी
- मुख्य गायक का साथ देते हुए उसकी आवाज़ पर अपनी आवाज़ को हावी न होने देने की कोशिश के कारण

प्रश्न 24 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'और उसकी आवाज़ में जो एक हिचक साफ़ सुनाई देती है।' इस पंक्ति में किसकी आवाज़ हिचक से भरी है? कारण सहित लिखिए।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति में संगतकार की आवाज़ हिचक से भरी है। वह मुख्य गायक का साथ देते हुए अपनी आवाज़ को उसकी आवाज़ पर हावी नहीं होने देना चाहता। मुख्य गायक के महत्त्व और श्रेष्ठता को बनाए रखने की इसी कोशिश से उसकी आवाज़ में हिचक आ जाती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

संगतकार की;

- मुख्य गायक का साथ देते हुए उसकी आवाज़ पर अपनी आवाज़ को हावी न होने देने की कोशिश के कारण
- मुख्य गायक के महत्त्व और श्रेष्ठता को बनाए रखने के कारण

प्रश्न 25 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि ने किस सत्य को उजागर किया है?

आदर्श उत्तर

कवि ने यह सत्य उजागर किया है कि किसी भी व्यक्ति की सफलता में कई लोगों का योगदान होता है और हर एक की अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। कला में सहायक कलाकार पूरी साधना और परिश्रम करते हैं, फिर भी सम्मान और पहचान प्रायः मुख्य कलाकार को ही मिलती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- किसी व्यक्ति की सफलता में कई लोगों का योगदान होता है।
- प्रत्येक व्यक्ति की अपनी-अपनी भूमिका और अपना-अपना महत्त्वपूर्ण स्थान होता है।
- कला माध्यमों में सहायक कलाकारों की अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है पर साधना, अभ्यास और परिश्रम के बाद भी सम्मान, सराहना और पहचान सिर्फ मुख्य कलाकारों को ही मिलती है। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 26 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'संगतकार' कविता में कवि जिसे संगतकार की मनुष्यता बता रहा है वह वास्तव में उसका कर्त्तव्य ही है। इस कथन के पक्ष में उचित तर्कों को प्रस्तुत कीजिए।

आदर्श उत्तर

मुख्य गायक का साथ देना और सहयोग करना संगतकार का कर्त्तव्य है; यही उसकी पेशेवर प्रतिबद्धता है। उसने इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर संगतकार की भूमिका स्वीकार की है। अतः साथ देकर वह कोई विशिष्ट कार्य नहीं करता, केवल अपना दायित्व निभाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर दो उपयुक्त तर्क लिखेंगे-

- मुख्य गायक का साथ देना/ सहयोग करना संगतकार का कर्त्तव्य
- पेशेवर प्रतिबद्धता
- विशिष्ट उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ही उसने संगतकार की भूमिका स्वीकार की है
- साथ देकर वह कोई विशिष्ट कार्य नहीं कर रहा (अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य)

प्रश्न 27 **2026** (3/2/2, 3/2/3)

'संगतकार' मुख्य गायक का एक अनिवार्य सहयोगी होता है। उसकी आवश्यकता के दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

संगतकार प्रस्तुति की संपूर्णता सुनिश्चित करता है और उसकी प्रभावशीलता बढ़ाता है। वह मुख्य गायक का उत्साह बनाए रखता है, उसे अकेला नहीं पड़ने देता और अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभालकर उसके स्वर को बिखरने से बचा लेता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर किन्हीं दो बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- प्रस्तुति की संपूर्णता सुनिश्चित करना
- प्रभावशीलता को बढ़ाना
- उत्साह को बनाए रखना
- अकेलेपन का अहसास न होने देना
- अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभालना
- स्वर को बिखरने से पहले ही सँभाल लेना

प्रश्न 28 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'संगतकार' कविता के संदर्भ में लिखिए की संगतकार जैसे व्यक्तियों के व्यक्तित्व से युवाओं को क्या प्रेरणा मिलती है। किन्हीं दो का वर्णन कीजिए।

आदर्श उत्तर

संगतकार जैसे व्यक्तियों से युवाओं को मनुष्यता और समर्पण की प्रेरणा मिलती है। वे सिखाते हैं कि श्रेय की चिंता किए बिना पूरी निष्ठा, ईमानदारी और धैर्य से अपना योगदान देना चाहिए तथा दूसरों की सफलता में सहयोग करना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के संदर्भ को ध्यान में रखकर प्रेरणा के दो बिंदुओं में स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- मनुष्यता
- निष्ठापूर्ण योगदान
- समर्पण
- धैर्य और उत्साह
- ईमानदारी
- सहयोग (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 29 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'संगतकार' कविता में 'नौसिखिया' से क्या अभिप्राय है? गायक को उसका बचपन कौन याद दिलाता है?

आदर्श उत्तर

'नौसिखिया' से अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने अभी-अभी सीखना आरंभ किया हो और जो अभी दक्ष या कुशल न हुआ हो। जब मुख्य गायक अंतरे की जटिल तानों में भटक जाता है तब संगतकार स्थायी सँभालकर उसे उसका बचपन याद दिला देता है, जब वह स्वयं नौसिखिया था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर प्रश्न के दोनों हिस्सों का दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- नौसिखिया: जिसने अभी सीखना आरंभ किया हो/ जिसने नया-नया सीखा हो/ जो अभी दक्ष या कुशल न हुआ हो

- गायक को उसका बचपन संगतकार याद दिलाता है।

प्रश्न 30 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'संगतकार' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी भूमिका पर कविता के संदर्भ में प्रकाश डालिए।

आदर्श उत्तर

संगतकार का अर्थ है – मुख्य गायक के साथ गाने वाला या वाद्य यंत्र बजाने वाला सहयोगी कलाकार। वह गायन में साथ देता है, गायक का उत्साह बनाए रखता है, अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभालता है, बिखरते स्वर को थाम लेता है और प्रस्तुति के लिए प्रभावपूर्ण वातावरण बनाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

अर्थ:

- मुख्य गायक के साथ गानेवाला
- मुख्य गायक के साथ वाद्य यंत्र बजानेवाला
- सहयोगी; (कोई एक बिंदु अपेक्षित)

भूमिका:

- गायन में साथ देना
- उत्साह को बनाए रखना
- अकेलेपन का अहसास न होने देना
- अनहद में खो जाने पर स्थायी को सँभाले रखना
- स्वर को बिखरने से पहले ही सँभाल लेना
- मुख्य गायक के अनुकूल प्रभावपूर्ण वातावरण बनाना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

क्षितिज • काव्य खंड

कन्यादान — ऋतुराज

वर्तमान पाठ्यक्रम में नहीं

यह पाठ CBSE के 2026-27 के पाठ्यक्रम में सम्मिलित नहीं है। इसके प्रश्न 2022 (टर्म-II) के प्रश्न-पत्रों से हैं और केवल संदर्भ के लिए रखे गए हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3) हटाया गया अंश

'कन्यादान' कविता में 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई न देने' की बात क्यों कही गई है?

आदर्श उत्तर

माँ चाहती है कि बेटी में स्नेह, करुणा, कोमलता और संवेदनशीलता जैसे स्त्री-सुलभ गुण बने रहें, पर वह उन्हें अपनी कमज़ोरी न बनने दे। समाज इन्हीं गुणों को स्त्री की कमज़ोरी मानकर उसका शोषण करता है, इसलिए उसे सचेत और दृढ़ रहना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

यह समझाने के लिए कि –

- स्त्री-सुलभ गुणों जैसे - संवेदनशीलता, स्नेह, करुणा, कोमलता आदि से परिपूर्ण हो परंतु उन्हें अपनी कमज़ोरी न बनने दे।
- समाज इन स्त्री-सुलभ गुणों को उसकी कमज़ोरी मानता है।
- उसे ऐसी स्थिति के प्रति सचेत और दृढ़ रहना चाहिए। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3) हटाया गया अंश

'कन्यादान' कविता में आई पंक्ति 'लड़की अभी सयानी नहीं थी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का आशय है कि लड़की अभी अपरिपक्व, भोली-भाली और मासूम थी। माँ के आश्रय में रहकर वह जीवन के सुखों से तो परिचित थी, पर दुखों, जीवन के कठोर यथार्थ और समाज की कठिनाइयों से अपरिचित थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- लड़की अपरिपक्व, भोली-भाली और मासूम थी।
- वह जीवन के कठोर यथार्थ, समाज की कठिनाइयों से अपरिचित थी।
- माँ के आश्रय में जीवन के सुख से परिचित किंतु दुख से अपरिचित थी। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 3 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3) हटाया गया अंश

'कन्यादान' कविता में शाब्दिक भ्रम किसे और क्यों कहा गया है?

आदर्श उत्तर

'कन्यादान' कविता में वस्त्रों और आभूषणों को शाब्दिक भ्रम कहा गया है। इनका लालच स्त्रियों के लिए छलावा और बंधन बन जाता है। ये केवल बाहरी सौंदर्य के साधन हैं; स्त्री के आंतरिक गुणों और स्वतंत्र व्यक्तित्व के विकास में ये बाधक ही होते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- वस्त्रों और आभूषणों को;
- वस्त्रों और आभूषणों का लालच स्त्रियों के लिए छलावा और बंधन / वस्त्र, आभूषण आदि बाहरी सौंदर्य के प्रतिमान, स्त्री के आंतरिक गुणों के विकास में

इनकी कोई भूमिका नहीं / सौंदर्य के ऐसे प्रतिमान स्त्री के स्वतंत्र व्यक्तित्व के विकास में बाधक

प्रश्न 4 **2022 टर्म-II** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3) हटाया गया अंश

वर्तमान में 'कन्यादान' जैसी परंपरा के औचित्य-अनौचित्य पर अपने तर्कसंगत विचार लिखिए।

आदर्श उत्तर

कन्यादान प्राचीन काल से चली आ रही परंपरा है, जिसका सांस्कृतिक महत्त्व रहा है। परंतु मेरे विचार से वर्तमान में यह उचित नहीं है, क्योंकि पुत्री कोई वस्तु या संपत्ति नहीं है जिसका दान किया जाए। यह प्रथा मानवीय दृष्टि से अनुचित है और लड़कियों के मन में हीनता-बोध जगाती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ –

औचित्य –

- पारंपरिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व / प्राचीन काल से चली आ रही प्रथा
- कन्या को श्रेष्ठ धन मानते हुए, उसे उपयुक्त पात्र को दान देने का भाव

अनौचित्य –

- पुत्री कोई वस्तु नहीं, जिसका दान किया जाए।
- स्त्री को वस्तु / संपत्ति के रूप में स्थापित करती प्रथा
- मानवीय दृष्टि से भी यह परंपरा सर्वथा अनुचित
- लड़कियों के मन पर इसका नकारात्मक प्रभाव, हीनता-बोध

प्रश्न 5 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3) हटाया गया अंश

'पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की' – 'कन्यादान' कविता में लड़की के बारे में ऐसा क्यों कहा गया है? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

लड़की अपरिपक्व, भोली-भाली और मासूम थी। माँ के आश्रय में उसने जीवन के सुख ही देखे थे; दुखों, कठोर यथार्थ और समाज की कठिनाइयों का उसे अनुभव नहीं था। वह कल्पनालोक में विचरण करती थी, इसलिए उसे धुँधले प्रकाश की पाठिका कहा गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- 'कन्यादान' कविता में लड़की अपरिपक्व, भोली-भाली और मासूम थी।
- वह जीवन के कठोर यथार्थ, समाज की कठिनाइयों से अपरिचित थी।
- माँ के आश्रय में जीवन के सुख से परिचित, किंतु दुख से अपरिचित थी।
- कल्पनालोक में विचरण करने वाली थी। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 6 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3) हटाया गया अंश

'कन्यादान' कविता में माँ के द्वारा बेटी को दी गई प्रमुख सीखों का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

माँ बेटी को सीख देती है कि वह अपने सौंदर्य पर मुग्ध न हो और वस्त्र-आभूषणों के मोह में न फँसे। वह अत्याचार के सामने कभी न झुके। उसमें स्त्री-सुलभ गुण अवश्य हों, पर वह सशक्त और समर्थ बनी रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- अपने सौंदर्य पर मुग्ध न होना
- अत्याचार के सामने कभी न झुकना
- वस्त्र और आभूषण के मोह में न फँसना
- स्त्री सुलभ गुणों से युक्त होते हुए सशक्त और समर्थ होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 7 **2022 टर्म-II** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3) हटाया गया अंश

'कन्यादान' कविता में माँ की परंपरागत छवि से हटकर नए दृष्टिकोण से विचार किया गया है। उसमें नया क्या है? आप उन विचारों से कहाँ तक सहमत हैं और क्यों?

आदर्श उत्तर

कविता में माँ बेटी को केवल सहनशीलता नहीं सिखाती, बल्कि हिम्मत और साहस का पाठ पढ़ाती है। वह कहती है कि कर्त्तव्य निभाना पर अन्याय मत सहना; कोमल बनना पर कमज़ोर नहीं। मैं इन विचारों से पूरी तरह सहमत हूँ, क्योंकि आज के समाज में बराबरी के लिए बेटी का आत्मनिर्भर और सबल होना आवश्यक है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

नई सीख –

- कर्त्तव्यों का निर्वाह करना परंतु अन्याय न सहना, अधिकारों के लिए सचेत रहना
- स्त्री-सुलभ गुणों - कोमलता, करुणा, स्नेह, संवेदनशीलता आदि से संपन्न होते हुए भी कमज़ोर न बनना
- माँ द्वारा बेटी को हिम्मत और साहस का पाठ पढ़ाना
- सूझबूझ के साथ जीने तथा सबल बने रहने की प्रेरणा देना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

सहमत –

(प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ –

- अपने अनुभवों के आधार पर बेटी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए
- वर्तमान परिस्थितियों में समाज में बराबरी के लिए

प्रश्न 8 **2022 टर्म-II** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3) हटाया गया अंश

'आग' के विषय में माँ बेटी को क्या समझा रही है और क्यों?

'आग' के संकेत से कविता किस सामाजिक बुराई की ओर भी इशारा करती है? उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

माँ बेटी को समझाती है कि आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं। वह ऐसा इसलिए कहती है कि बेटी कर्त्तव्य तो निभाए, पर अत्याचार और शोषण न सहे तथा स्वयं को सुरक्षित रखे। 'आग' के संकेत से कविता दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई की ओर इशारा करती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- आग रोटियाँ सेंकने के लिए है, जलने के लिए नहीं;
- बेटी को सुरक्षित रहने, अन्याय न सहने की सीख देने के लिए / कर्त्तव्य का निर्वाह करने और अत्याचार न सहने के लिए / शोषण, अत्याचार से बचाने के लिए;
- दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई की ओर संकेत

क्षितिज • गद्य खंड

नेताजी का चश्मा — स्वयं प्रकाश

पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

गद्यांश 1 2023 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे, और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है। पहले मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेमवाला गोल चश्मा है।

(i) जीप के आगे बढ़ने पर भी हालदार साहब का मूर्ति के बारे में सोचते रहने का कारण था-

(A) देशप्रेम की भावना
(B) कस्बे में लगी मूर्ति का सौंदर्य
(C) मूर्ति पर संगमरमर का चश्मा न होना
(D) मूर्ति का रख-रखाव न होना

उत्तर **(A)** देशप्रेम की भावना

(ii) हालदार साहब ने नागरिकों के प्रयास को बताया -

(A) उदारवादी
(B) अकल्पनीय
(C) प्रशंसनीय
(D) बचकाना

उत्तर **(C)** प्रशंसनीय

(iii) 'दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुजरे' इस वाक्य में 'उधर' शब्द किसके लिए संकेत है?

(A) कस्बे के लिए
(B) चौराहे के लिए
(C) नगरपालिका के लिए
(D) उत्साही लेखक के लिए

उत्तर **(A)** कस्बे के लिए

(iv) उन्होंने मूर्ति में क्या अंतर देखा?

(A) मूर्ति ने कपड़े पहने हैं
(B) मूर्ति ने शाल ओढ़ी है
(C) मूर्ति पर चश्मा बदल गया है
(D) मूर्ति को पेंट कर दिया है

उत्तर **(C)** मूर्ति पर चश्मा बदल गया है

(v) हालदार साहब जीप से कहाँ जाते थे?

(A) कस्बे में लगी मूर्ति देखने
(B) अपनी फैक्टरी का काम देखने
(C) अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने
(D) कंपनी के काम से कस्बे से आगे

उत्तर **(D)** कंपनी के काम से कस्बे से आगे

गद्यांश 2 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

पानवाला मुस्कराकर बोला - नहीं साब! वो लँगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल! वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फ़ोटो-वोटो छपवा दो उसका कहीं। हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था। काम भी था। हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए।

(i)

(i) पानवाले ने देशभक्त का मज़ाक क्या कहकर उड़ाया था ? निम्नलिखित विशेषणों के आधार पर उचित विकल्प का चयन कर इस प्रश्न का उत्तर दीजिए :

I. लँगड़ा
II. बूढ़ा
III. पागल
IV. मरियल

विकल्प :

(a) I, II
(b) I, III
(c) I, IV
(d) II, IV

उत्तर **(B)** I, वा

(ii) हालदार साहब अवाक् क्यों रह गए?

(A) एक मरियल से बूढ़े आदमी को देखकर
(B) कल्पना से परे 'कैप्टन' नाम के विपरीत उसका हुलिया देखकर
(C) एक बूढ़े को लाठी पकड़े चश्मा लगाए गांधी जी के रूप में देखकर
(D) एक चश्मे वाले दुकानदार को इस रूप में देखकर

उत्तर **(B)** कल्पना से परे 'कैप्टन' नाम के विपरीत उसका हुलिया देखकर

(iii) कथन (A) और कारण (9) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): पानवाले ने अपने मित्र कैप्टन के बारे में अनुपयुक्त भाषा का प्रयोग किया।
कारण (72): पानवाले में संवेदनशीलता का अभाव था।

(A) कथन (A) ग़लत है, किंतु कारण (8) सही है।
(B) कथन (A) सही है, किंतु कारण (8) ग़लत है।
(C) कथन (A) सही है और उसका कारण (9) भी सही है।
(D) कथन (A) और कारण (8) दोनों गलत हैं।

उत्तर (C)

(iv) 'फ़ोटो-बोटो छपवा दो उसका कहीं' -- हालदार के सम्मुख पानवाले द्वारा कहा गया यह कथन चश्मे वाले के प्रति दर्शाता है, उसकी:

(A) संवेदना
(B) वेदना अनुभूति
(C) सहानुभूति
(D) व्यंग्यात्मकता

उत्तर (D) व्यंग्यात्मकता

(v) ड्राइवर की बेचैनी का कारण था:

(A) देशभक्त कैप्टन में कोई रुचि नहीं होना
(B) भूख लगना और घर जाने की जल्दी
(C) उमस के कारण बेचैनी बढ़ना
(D) हालदार साहब को गंतव्य पर पहुँचाने की जल्दी

उत्तर (D) हालदार साहब को गंतव्य पर पहुँचाने की जल्दी

गद्यांश 3 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई। एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, मानो चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे बैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम- संभवत: नेताजी से क्षमा माँगते हुए-लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह! भई खूब! क्या आइडिया है। लेकिन भाई! एक बात अभी भी समझ में नहीं आई। हालदार साहब ने पानवाले से फिर पूछा, नेताजी का ऑरिजिनल चश्मा कहाँ गया? पानवाला दूसरा पान मुँह में हूँ. चुका था। दोपहर का समय था, 'दुकान' पर भीड़-भाड़ अधिक नहीं थी। वह फिर आँखों ही आँखों हँसा। उसकी तोंद थिरकी। कत्थे की डंडी फेंक, पीछे मुड़कर उसने नीचे पीक थूकी और मुसकराता हुआ बोला, मास्टर बनाना भूल गया। हिल हि

(i) पानवाला आँखों ही आँखों क्यों हँसा?

(A) ऑरिजिनल चश्मे की बात पर, यह उसकी व्यंग्यात्मक हँसी थी।
(B) वह हालदार साहब पर अपनी हँसी ज़ाहिर नहीं होने देना चाहता था।
(C) हालदार साहब उसको हँसते देखकर बुरा भी मान सकते थे।
(D) आँखों ही आँखों हँसना पानेवाले की बहुत पुरानी आदत थी।

उत्तर (D) आँखों ही आँखों हँसना पानेवाले की बहुत पुरानी आदत थी।

(ii) 'मास्टर बनाना भूल गया।' - यहाँ मास्टर के संदर्भ में अनुपयुक्त विकल्प है -

(A) मूर्तिकार
(B) मोतीलाल
(C) ड्रॉइंग टीचर
(D) कैप्टन

उत्तर (D) कैप्टन

(iii) ग्राहक नेताजी की मूर्ति पर लगा चश्मे का फ्रेम क्यों ले लेते थे?

(A) नेताजी के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करने के लिए।
(B) ग्राहक नेताजी के समान दिखना चाहते थे।
(C) नेताजी पर लगे होने के कारण वह उन्हें पसंद आ जाता था।

(D) कैप्टन अपने फ्रेमों को उसी मूर्ति पर लगा देता था।

उत्तर (D) कैप्टन अपने फ्रेमों को उसी मूर्ति पर लगा देता था।

(iv) 'अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई।' इस पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कि हालदार साहब क्या समझ गए?

(A) मूर्ति के चश्मे के बार-बार बदले जाने का कारण।
(B) मूर्ति की आँखों पर चश्मा न होने का कारण।
(C) ग्राहकों द्वारा चश्मा न खरीदे जाने का कारण।
(D) पानवाले और कैप्टन की परस्पर दोस्ती का कारण।

उत्तर (A) मूर्ति के चश्मे के बार-बार बदले जाने का कारण।

(v) 'कैप्टन मूर्ति से चश्मे का फ्रेम उतारते हुए उनसे क्षमा भी माँगता होगा' लेखक के इस अनुमान का क्या कारण रहा होगा?

(A) नेताजी के प्रति कैप्टन का अति विश्वास से भरा व्यवहार।
(B) नेताजी के प्रति कैप्टन का दिखावे से भरा आचरण।
(C) कैप्टन को यह लगना कि चश्मे के बिना नेताजी तकलीफ़ में हैं।
(D) कैप्टन की सोच के बारे में लेखक का अनुमान सर्वथा गलत होना।

उत्तर (C) कैप्टन को यह लगना कि चश्मे के बिना नेताजी तकलीफ़ में हैं।

गद्यांश 4 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं। फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं। ड्राइवर भी बेचैन हो रहा था। काम भी था। हालदार साहब जीप में बैठकर चले गए।

(i) हालदार साहब किस बात पर आश्चर्यचकित रह गए?

(A) पानवाले द्वारा कैप्टन का मज़ाक उड़ाने पर
(B) कैप्टन की शारीरिक अवस्था को देखकर
(C) कैप्टन को चश्मा बेचते हुए देखकर
(D) ड्राइवर को बेचैन होते देखकर

उत्तर (B) कैप्टन की शारीरिक अवस्था को देखकर

(ii) दिव्यांग होते हुए भी कैप्टन द्वारा फेरी लगाकर अपना गुजर-बसर करना दर्शाता है कि वह _____ था। (रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(A) आत्मविश्वासी
(B) स्वाभिमानी
(C) सक्षम
(D) स्वावलंबी

उत्तर (D) स्वावलंबी

(iii) पानवाला किसका मज़ाक उड़ा रहा था?

(A) हालदार साहब का
(B) नेताजी का

(C) चश्मेवाले का (D) दुकानवाले का

उत्तर **(C)** चश्मेवाले का

(iv) (घ) हालदार साहब जीप में बैठकर क्यों चले गए ? – इस प्रश्न के उत्तर के लिए निम्नलिखित कथन पढ़िए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) पानवाला कैप्टन के विषय में और अधिक बात करने को तैयार नहीं था ।

(ii) कैप्टन की शारीरिक अवस्था देखकर निराश हो गए थे ।

(iii) उन्हें आवश्यक कार्यालयी काम निपटाना था ।

(iv) ड्राइवर बेचैन हो रहा था ।

विकल्प :

(A) (i) और (iii) दोनों (B) (ii) और (iv) दोनों

(C) (i) और (iv) दोनों (D) केवल (i)

उत्तर **(C)** (i) और (iv) दोनों

(v) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन: हालदार साहब के मन में कैप्टन के प्रति सम्मान का भाव था।
कारण: सुभाष बाबू के प्रति कैप्टन के विशेष लगाव को देखकर वह उससे प्रभावित थे।

(A) कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(B) कारण गलत है किंतु कथन सही है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण उसकी सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है किंतु कारण उसकी सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण उसकी सही व्याख्या करता है।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 **2023** (3/1/3)

हालदार साहब ने क्यों सोचा होगा कि कैप्टन आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सिपाही होगा? .4 निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए:

(क) उसका नाम कैप्टन था।
(ख) वह नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाता था।
(ग) वह सिर पर गाँधी टोपी पहनता था।

(A) केवल (क) **(B)** केवल (ख)

(C) (क) और (ग) **(D)** (क) और (ख)

उत्तर **(D)** (क) और (ख)

प्रश्न 2 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ के कैप्टन के विषय में हालदार साहब ने कौन-सा अनुमान नहीं लगाया?

(A) वह आज़ाद हिंद फ़ौज का सिपाही रहा होगा।
(B) वह नेताजी सुभाष चंद्र बोस का साथी रहा होगा।
(C) वह पक्का देशभक्त रहा होगा इसलिए नेताजी की मूर्ति बगैर चश्मे के नहीं देख सकता।
(D) वह भारतीय सेना का भूतपूर्व सिपाही रहा होगा इसलिए उसका एक पैर भी नहीं है।

उत्तर **(D)** वह भारतीय सेना का भूतपूर्व सिपाही रहा होगा इसलिए उसका एक पैर भी नहीं है।

प्रश्न 3 **2023** (3/6/1)

पानवाले ने नेताजी की मूर्ति पर चश्मा न होने का कारण बताया - 'मास्टर बनाना भूल गया' - यह उसके लिए कैसी बात थी और हालदार साहब के लिए कैसी?

(A) पानवाले के लिए - मज़ेदार, हालदार साहब के लिए - द्रवित करने वाली
(B) पानवाले के लिए - दुःखी करने वाली, हालदार साहब के लिए - द्रवित करने वाली
(C) पानवाले के लिए - मज़ेदार, हालदार साहब के लिए - विचारणीय
(D) पानवाले के लिए -द्रवित करने वाली, हालदार साहब के लिए - विचार करने वाली

उत्तर **(A)** पानवाले के लिए - मज़ेदार, हालदार साहब के लिए - द्रवित करने वाली

प्रश्न 4 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

नेताजी की मूर्ति पर लगे सरकंडे के चश्मे को देखकर हालदार साहब की आँखें क्यों भर आईं?

(A) सरकंडे से बना चश्मा उन्हें नेताजी की गरिमा के अनुरूप नहीं लगा।
(B) नेताजी की मूर्ति के हिसाब से चश्मे का स्वरूप सही नहीं था।
(C) चश्मे को देखकर उन्हें कैप्टन की याद आ गई थी।
(D) बच्चों में नेताजी के प्रति सम्मान और देशभक्ति देखकर वे भावुक हो गए।

उत्तर **(D)** बच्चों में नेताजी के प्रति सम्मान और देशभक्ति देखकर वे भावुक हो गए।

प्रश्न 5 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

नेताजी का चश्मा पाठ का केन्द्र-बिंदु है:

(A) देशभक्ति
(B) दिव्यांग का साहस
(C) नेताजी का चश्मा
(D) नेताजी की मूर्ति

उत्तर **(A)** देशभक्ति

प्रश्न 6 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में हालदार साहब को कौन-सी बात अच्छी नहीं लगी?

(A) पानवाले द्वारा कैप्टन का उपहास उड़ाना
(B) कैप्टन द्वारा मूर्ति पर चश्मा लगाना
(C) पत्थर की मूर्ति पर असली चश्मा
(D) ड्राइवर का झटके से जीप रोकना

उत्तर **(A)** पानवाले द्वारा कैप्टन का उपहास उड़ाना

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 7 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए कि नेताजी की मूर्ति पर लगे असली चश्मे को देख हालदार साहब के मन में क्या विचार आया?

आदर्श उत्तर

मूर्ति पर असली चश्मा देखकर हालदार साहब को कौतुक हुआ कि मूर्ति पत्थर की और चश्मा रियल! उन्होंने सोचा कि शायद मूर्तिकार चश्मा बनाना भूल गया होगा। बिना चश्मे की मूर्ति पर चश्मा लगाना उन्हें सराहनीय लगा और कस्बे के नागरिकों की देशभक्ति पर उन्हें अचरज हुआ।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- मूर्ति पत्थर की और चश्मा रियल!
- शायद मूर्तिकार चश्मा लगाना भूल गया।
- बिना चश्मे वाली पत्थर की मूर्ति पर चश्मा लगाना सराहनीय कार्य है।
- कस्बे के नागरिकों की देशभक्ति पर अचरज हुआ। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में चश्मे के बहाने से देशभक्ति की भावना पर किस प्रकार बल दिया गया है? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में चश्मे के बहाने बताया गया है कि शहीदों के प्रति आदर प्रकट करना भी देशभक्ति है। कैप्टन जैसा अकेला और साधारण व्यक्ति भी छोटे-से कार्य से देशभक्ति का परिचय दे सकता है। अंत में सरकंडे का चश्मा भावी पीढ़ी के मन में देशभक्ति के प्रस्फुटन का प्रतीक है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- देश के शहीदों के प्रति आदर की अभिव्यक्ति
- अकेला व्यक्ति भी देशभक्ति का कार्य कर सकता है।
- एक छोटा-सा कार्य भी देशभक्ति का परिचायक होता है।
- सरकंडे का चश्मा अर्थात भावी पीढ़ी के मन में देशभक्ति की भावना का प्रस्फुटन

प्रश्न 9 **2023** (3/6/1)

हालदार साहब का कस्बे के नागरिकों का कौन-सा प्रयास सराहनीय लगा और क्यों?

आदर्श उत्तर

हालदार साहब को कस्बे के नागरिकों का नेताजी की मूर्ति लगाना और बिना चश्मे वाली मूर्ति पर असली चश्मा पहना देना सराहनीय लगा। इस प्रयास में उन्हें नागरिकों की देशभक्ति की भावना तथा शहीदों और देशभक्तों के प्रति सम्मान की झलक दिखाई दी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- नेताजी की मूर्ति लगाना / बगैर चश्मे वाली पर चश्मा लगा देना;
- दशभक्ति की भावना का परिचय / शहीदों और देशभक्तों के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति

प्रश्न 10 2023 (3/6/2)

हालदार साहब को नेताजी की मूर्ति में कौन-सी कमी नज़र आई और उन्होंने उसके कारण के विषय में क्या-क्या अनुमान लगाया?

आदर्श उत्तर

हालदार साहब को मूर्ति में संगमरमर का चश्मा न होने की कमी नज़र आई। उन्होंने अनुमान लगाया कि मूर्तिकार को पारदर्शी चश्मा बनाना समझ नहीं आया होगा, या बारीकी के चक्कर में वह टूट गया होगा, अथवा अलग से फिट किया गया चश्मा बाद में निकल गया होगा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- संगमरमर (पत्थर) का चश्मा न होना; अनुमान
- मूर्तिकार को संगमरमर का पारदर्शी चश्मा बनाना समझ में नहीं आया होगा।
- चश्मा बनाते समय कुछ और बारीकी के चक्कर में टूट गया होगा।
- कोशिश की होगी पर असफल रहा होगा।
- पत्थर का चश्मा अलग से फिट किया होगा और वह निकल गया होगा।

प्रश्न 11 2023 (3/6/3)

कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर लगा चश्मा अकसर क्यों बदल देता था? उसकी इस हरकत से आपके मन में उसके प्रति कौन-से भाव आते हैं?

आदर्श उत्तर

कैप्टन फेरी लगाकर चश्मे बेचता था और उसके पास गिने-चुने फ्रेम ही थे। जब कोई ग्राहक मूर्ति पर लगे जैसा फ्रेम माँगता तो वह उसे उतारकर दे देता और मूर्ति पर दूसरा लगा देता। आजीविका की इस मजबूरी के बावजूद उसकी देशभक्ति देखकर मन में उसके प्रति सम्मान और श्रद्धा का भाव आता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कैप्टन फेरीवाला, गिने-चुने फ्रेम उपलब्ध, ग्राहकों की माँग के अनुसार चश्मा बेचना आजीविका की मजबूरी (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) (उदाहरणार्थ - कैप्टन के प्रति सम्मान, श्रद्धा प्रशंसा का भाव)

प्रश्न 12 2024 (3/1/1)

'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि पान वाले ने कैप्टन को 'पागल' क्यों कहा?

आदर्श उत्तर

कैप्टन बार-बार नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाता था और आजकल ऐसी देशभक्ति को लोग पागलपन समझते हैं। पानवाला हँसमुख स्वभाव का था और कैप्टन के प्रति उसके मन में पूर्वग्रह भी था, इसलिए उसने मज़ाक में कैप्टन को 'पागल' कह दिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- आजकल देशभक्ति की भावना को पागलपन समझा जाना
- कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर बार-बार चश्मा लगाया जाना
- पानवाले का हँसमुख स्वभाव
- पानवाले का कैप्टन के प्रति पूर्वग्रह
- पानवाले की कैप्टन से मित्रता

- अन्य स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य

प्रश्न 13 2024 (3/1/2)

वैसे तो पान वाला कैप्टन का मज़ाक बनाता था परंतु हालदार साहब को उसकी मृत्यु की बात बताते हुए वह उदास क्यों हो गया?

आदर्श उत्तर

पानवाला ऊपर से भले ही कैप्टन का मज़ाक बनाता था, पर भीतर से वह संवेदनशील था। कैप्टन के प्रति उसके मन में मानवीय लगाव, आत्मीयता और स्नेह था, इसलिए उसकी मृत्यु की बात बताते हुए वह उदास हो गया और उसकी आँखें भर आईं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- मानवीय लगाव
- संवेदनशीलता
- आत्मीयता और स्नेह

प्रश्न 14 2024 (3/1/3)

पार्कों में, सड़कों के किनारे, चौराहों पर उपेक्षित पड़ी मूर्तियाँ अक्सर देखी जा सकती हैं। ऐसी मूर्तियों के रख-रखाव का उत्तरदायित्व किसका है? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में उदाहरण सहित लिखिए।

आदर्श उत्तर

ऐसी मूर्तियों के रख-रखाव का उत्तरदायित्व स्थानीय प्रशासन और सरकार के साथ-साथ नागरिक समाज का भी है। 'नेताजी का चश्मा' पाठ में पहले कैप्टन और उसकी मृत्यु के बाद कस्बे के बच्चे नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाकर यही ज़िम्मेदारी निभाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- स्थानीय प्रशासन
- नागरिक समाज
- सरकार आदि

परीक्षार्थी 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में एक उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे –

पहले कैप्टन द्वारा और उसकी मृत्य के बाद कस्बे के बच्चों द्वारा नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाना

प्रश्न 15 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

हम कैसे कह सकते हैं कि पानवाला कैप्टन का मित्र था? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

पानवाला कैप्टन का मज़ाक अवश्य उड़ाता था, पर जब उसने हालदार साहब को कैप्टन की मृत्यु का समाचार सुनाया तो वह उदास हो गया और उसकी आँखों में आँसू आ गए। इससे सिद्ध होता है कि वह मन से कैप्टन का मित्र था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- कैप्टन की मृत्यु का समाचार सुनाते समय पानवाले की आँखों में आँसू आ जाना साबित करता है कि वह उसका मित्र था।
- अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य

प्रश्न 16 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर अनजाने में चश्मा लगाकर और उसके जाने के बाद बच्चे उस पर चश्मा लगाकर अपनी देशभक्ति को प्रगट करते हैं। आप अपनी देशभक्ति को किन-किन कार्यों/व्यवहार के माध्यम से प्रकट करते हैं?

आदर्श उत्तर

मैं अपनी देशभक्ति छोटे-छोटे कार्यों से प्रकट करता हूँ। मैं राष्ट्रीय प्रतीकों और शहीदों का सम्मान करता हूँ, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुँचाता और अपने आस-पास स्वच्छता रखता हूँ। नियमों का पालन करना, ज़रूरतमंदों की सहायता करना और मन लगाकर पढ़ना भी मेरे लिए देश-सेवा है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ द्वारा प्राप्त समझ के आधार पर स्वतंत्र उत्तर लिख कर बताएँगे कि वे अपनी देशभक्ति किन-किन कार्यों या व्यवहार के माध्यम से प्रकट करते हैं।

प्रश्न 17 **2025** (3/1/1)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में कैप्टन को देखकर हालदार साहब को धक्का क्यों लगा? हालदार साहब के व्यक्तित्व, पाठ के घटना-क्रम और अपने विचारों के आधार पर किन्हीं दो कारणों को लिखिए।

आदर्श उत्तर

हालदार साहब ने सोचा था कि कैप्टन कोई फ़ौजी या नेताजी का साथी होगा, पर वह एक बूढ़ा, मरियल और लँगड़ा फेरीवाला निकला। अपने अनुमान के विपरीत उसकी कद-काठी और एक सच्चे देशभक्त की ऐसी दीन-हीन स्थिति देखकर उन्हें धक्का लगा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई दो उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- अनुमान के विपरीत कद-काठी और शारीरिक अवस्था देखकर
- देशभक्त की दीन-हीन स्थिति देखकर
- कैप्टन कोई सैन्य अधिकारी नहीं बल्कि एक फेरीवाला

प्रश्न 18 **2025** (3/1/2)

हालदार साहब ने मूर्ति पर चश्मा लगाने वाले का नाम 'कैप्टन' सुनकर उसके बे में क्या अनुमान लगाया? उन्हें उन अनुमानों के ग़लत साबित होने पर कैसा लगा?

आदर्श उत्तर

'कैप्टन' नाम सुनकर हालदार साहब ने अनुमान लगाया कि वह नेताजी का साथी, आज़ाद हिंद फ़ौज का भूतपूर्व सैनिक या कोई प्रभावशाली और प्रतिष्ठित व्यक्ति होगा। जब उन्होंने देखा कि वह तो एक साधारण फेरीवाला है, तो वे अवाक् रह गए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- कैप्टन नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का साथी या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सैनिक/ स्वतंत्रता सेनानी
- कोई प्रभावशाली, महत्त्वपूर्ण और प्रतिष्ठित व्यक्ति;

- अवाक्रह गए (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 19 2025 (3/1/3)

हालदार साहब ने अपने मन में मूर्ति पर चश्मा लगाने वाले की एक छवि क्यों और कैसी बनाई? उस छवि को धक्का किस बात से लगा?

आदर्श उत्तर

'कैप्टन' नाम सुनकर हालदार साहब ने मन में छवि बनाई कि वह नेताजी का साथी या आज़ाद हिंद फ़ौज का भूतपूर्व सैनिक होगा। पर वह एक बूढ़ा, दुबला-पतला, लँगड़ा फेरीवाला निकला। अनुमान के विपरीत उसकी कद-काठी और देशभक्त की दीन-हीन स्थिति देखकर उस छवि को धक्का लगा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के तीनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- कैप्टन नाम सुनकर;
- नेताजी सुभाषचंद्र बोस का साथी या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सैनिक/ स्वतंत्रता सेनानी;
- अनुमान के विपरीत कद-काठी और शारीरिक अवस्था देखकर
- कैप्टन कोई भूतपूर्व सैनिक नहीं बल्कि एक फेरीवाला
- देशभक्त की दीन-हीन स्थिति देखकर

प्रश्न 20 2025 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में कस्बे के लोगों के किस प्रयास को सराहनीय कहा जा रहा है और क्यों?

आदर्श उत्तर

कस्बे के लोगों द्वारा चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति लगाने के प्रयास को सराहनीय कहा गया है। ऐसी मूर्ति नेताजी के प्रति आदर और सम्मान का प्रतीक है तथा उसे देखकर लोगों में देशभक्ति और प्रेरणा की भावना जाग्रत होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति लगाने के प्रयास को;

कारण –

- देशभक्तों / शहीदों/ स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्ति लगाना देशभक्ति का प्रतीक
- मूर्ति से लोगों में देशभक्ति और प्रेरणा की भावना जाग्रत होना
- नेताजी के प्रति उनके आदर और सम्मान का प्रतीक
- नेताजी की स्मृतियों और धरोहर को संजोकर रखने का प्रयास (कोई एक कारण अपेक्षित)

प्रश्न 21 2025 (3/3/1)

'नेताजी का चश्मा'? पाठ के पात्र 'पानवाले' के व्यक्तित्व पर टिप्पणी करते हुए उसकी दो विशेषताएँ लिखिए। एक जिसे आप पसंद करते हों और दूसरी जिसे आप अवश्य बदलना चाहेंगे। दोनों को स्पष्ट करना ज़रूरी है।

आदर्श उत्तर

पानवाला मोटा, काला और खुशमिज़ाज व्यक्ति है। मुझे उसकी संवेदनशीलता पसंद है; कैप्टन की मृत्यु पर वह सचमुच दुखी हो जाता है। पर मैं उसकी मज़ाक उड़ाने की आदत बदलना चाहूँगा, क्योंकि वह कैप्टन जैसे देशभक्त को 'लँगड़ा' और 'पागल' कहकर असंवेदनशीलता दिखाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी व्यक्तिगत दृष्टिकोण से दो बिंदुओं में स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- पसंद- खुशमिज़ाज / संवेदनशील (कैप्टन की मृत्यु पर दुखी)
- बदलना चाहेंगे- मज़ाक उड़ानेवाला / असंवदेनशील (कैप्टन को लंगड़ा और पागल कहना)

प्रश्न 22 **2025** (3/3/2)

'कैप्टन', 'पानवाला' अथवा 'हालदार साहब' में से आप किसे जागरूक नागरिक मानते हैं और क्यों? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में उचित उदाहरण के साथ लिखिए।

आदर्श उत्तर

मैं कैप्टन को जागरूक नागरिक मानता हूँ। वह नेताजी की मूर्ति में चश्मे की कमी को केवल देखता ही नहीं, बल्कि अपनी सीमित सामर्थ्य के बावजूद अपने चश्मों में से एक लगाकर उस कमी को दूर करने का प्रयास भी करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे -

कैप्टन को;
क्योंकि वह नेताजी की मूर्ति में कमी को न सिर्फ देखता है बल्कि दूर करने का प्रयास भी करता है।

प्रश्न 23 **2025** (3/3/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में 'हालदार साहब' की दिलचस्पी का मूल बिंदु क्या था? मूर्ति के चश्मे के विषय में गहरी रुचि होने के बावजूद वह स्वयं कोई प्रयास क्यों नहीं करते थे?

आदर्श उत्तर

हालदार साहब की दिलचस्पी का मूल बिंदु नेताजी की मूर्ति और उस पर लगा असली चश्मा था। गहरी रुचि होने पर भी वे स्वयं कोई प्रयास नहीं करते थे, क्योंकि एक सामान्य व्यक्ति की तरह वे सब कुछ तटस्थ भाव से देखते थे और समाधान की अपेक्षा दूसरों से करते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- नेताजी की मूर्ति और उस मूर्ति पर असली चश्मे का होना;

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- दूसरों द्वारा समाधान करने की अपेक्षा के कारण
- एक सामान्य व्यक्ति की तरह तटस्थ भाव से देखना

प्रश्न 24 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

हालदार साहब का हर बार कस्बे से गुजरते हुए मूर्ति के पास रुकना क्या दर्शाता है? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

आदर्श उत्तर

हालदार साहब का हर बार मूर्ति के पास रुकना यह दर्शाता है कि उनके मन में मूर्ति पर बदलते चश्मे को देखने की उत्सुकता और कौतूहल था। साथ ही इससे नेताजी और देशभक्तों के प्रति उनके मन का सम्मान भी प्रकट होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

पाठ के संदर्भ में स्वतंत्र, तर्कपूर्ण और उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य, जैसे -

- मूर्ति पर बदलते चश्मे को देखने की उत्सुकता और कौतूहल

प्रश्न 25 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

पानवाला वैसे तो कैप्टन का उपहास करता था परंतु उसकी मृत्यु से वह दुखी क्यों था? 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

पानवाला कैप्टन का उपहास अवश्य करता था, पर वह उसे रोज़ देखता था और उसके साथ जुड़ाव महसूस करता था। उसमें सहज मानवीय संवेदना थी, इसलिए कैप्टन की मृत्यु से वह दुखी हो गया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई एक उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- सहज मानवीय संवेदना
- कैप्टन के साथ जुड़ाव महसूस करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 26 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में नेताजी की मूर्ति पर पत्थर का चश्मा न होना बड़ी बात नहीं थी, बड़ी बात तो असली चश्मे की मौजूदगी थी। क्यों? उपयुक्त तर्कों के आधार पर उत्तर लिखिए।

आदर्श उत्तर

मूर्ति पर असली चश्मे की मौजूदगी यह बताती है कि आज भी लोगों के हृदय में देशभक्तों के प्रति सम्मान और देशभक्ति का भाव जीवित है। किसी को चश्मे की कमी अखरी और उसने उदासीन रहने के स्थान पर अपनी शक्ति भर प्रयास किया; यही नागरिकों का कर्त्तव्य-बोध और जागरूकता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई एक उपयुक्त कारण और उसके लिए सुसंगत तर्क लिखेंगे-

कारण:

- देशभक्तों/शहीदों के सम्मान की भावना
- आज भी लोगों के हृदय में देशभक्ति का भाव विद्यमान
- अपने इतिहास का सम्मान और परिवेश के प्रति जागरूकता
- नागरिकों का कर्त्तव्य-बोध (अन्य उपयुक्त कारण भी स्वीकार्य)

तर्क:

- मूर्ति पर चश्मा न होने की बात किसी को अखरना और उसके द्वारा यथाशक्ति प्रयास किया जाना
- नेताजी के व्यक्तित्व से परिचित होना और मूर्ति पर चश्मे की कमी को लक्षित करना

- उदासीनता और उपहास के भाव के स्थान पर देश के प्रति जागरूकता और सक्रियता का भाव

प्रश्न 27 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

हालदार साहब ने जब नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा देखा तो उनके मन में कौन-कौन-से भाव उभरे? किन्हीं दो का उल्लेख करते हुए लिखिए कि मूर्ति पर असली चश्मा क्यों लगा था?

आदर्श उत्तर

मूर्ति पर असली चश्मा देखकर हालदार साहब के मन में आश्चर्य और कौतूहल के भाव उभरे; साथ ही उन्हें प्रसन्नता भी हुई। मूर्ति पर असली चश्मा इसलिए लगा था कि मूर्तिकार ने पत्थर का चश्मा नहीं बनाया था और कैप्टन ने इस कमी को पूरा करने के लिए अपना चश्मा लगा दिया था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

भाव:

- कौतूहल
- जिज्ञासा
- आश्चर्य
- प्रसन्नता;

(कोई दो बिंदु अपेक्षित)

कारण:
मूर्ति पर पत्थर का चश्मा न होने के कारण कैप्टन द्वारा असली चश्मा लगा देना

प्रश्न 28 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'नेताजी का चश्मा'? पाठ में हालदार साहब को क्या देखकर 'दुर्दमनीय कौतूहल' हुआ और उन्होंने उसके लिए क्या किया?

आदर्श उत्तर

हालदार साहब जब भी कस्बे से गुज़रते, मूर्ति पर हर बार बदला हुआ असली चश्मा देखते। यह देखकर उन्हें दुर्दमनीय कौतूहल हुआ। अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए उन्होंने पानवाले से इसके बारे में पूछताछ की।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- मूर्ति पर हर बार असली चश्मा देखकर;
- पानवाले से पूछताछ की

प्रश्न 29 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'नेताजी का चश्मा' पाठ में वर्णित नेताजी की मूर्ति को चश्मा पहनाने वाले व्यक्ति को किस नाम से पुकारा जाता था? उसका पेशा और आर्थिक स्थिति कैसी थी? उसके व्यक्तित्व के किस गुण ने आपको प्रभावित किया है?

आदर्श उत्तर

मूर्ति को चश्मा पहनाने वाले व्यक्ति को 'कैप्टन' कहा जाता था। वह फेरी लगाकर चश्मे बेचता था और उसकी आर्थिक स्थिति अत्यंत साधारण थी। मुझे उसकी देशभक्ति की भावना ने प्रभावित किया; अभावों में रहकर भी वह देशभक्तों का सम्मान करता था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले तीन हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

नाम: कैप्टन;
पेशा: फेरी लगाकर चश्मा बेचना;
आर्थिक स्थिति: अत्यंत साधारण;

प्रश्न के चौथे हिस्से के लिए परीक्षार्थी एक बिंदु में स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

गुण:

- देशभक्तों के प्रति सम्मान
- देशभक्ति की भावना
- जागरूकता
- स्वावलंबन

प्रश्न 30 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

नेताजी की प्रतिमा पर कैसा चश्मा लगा था? प्रतिमा वाले पत्थर का चश्मा न लगा होने के कारणों को पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

नेताजी की प्रतिमा पर असली चश्मा लगा था। पत्थर का चश्मा न होने के कई कारण हो सकते थे – मूर्तिकार उसे बनाना भूल गया होगा, समय और बजट कम रहा होगा, जल्दबाज़ी में चश्मा टूट गया होगा या ठीक से नहीं बना होगा, अथवा बाद में निकल गया होगा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

असली चश्मा;
कारण:

- मूर्तिकार द्वारा पत्थर का चश्मा बनाना भूल जाना
- अच्छे मूर्तिकार की जानकारी का अभाव
- बजट कम होना
- समयाभाव
- जल्दबाजी में पत्थर के चश्मे का टूट जाना/ सही से न बन पाना
- चश्मे का बाद में निकल जाना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

क्षितिज • गद्य खंड

बालगोबिन भगत — रामवृक्ष बेनीपुरी

पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

गद्यांश 1 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी-स्नान को जाते-गाँव से दो मील दूर। वहाँ से नहा-धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोनेवाला हूँ, किंतु, एक दिन, माघ की उस दाँत किटकिटानेवाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गई थी जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था। खेत, बगीचा, घर-सब पर कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत्त मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था। उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं। गाते-गाते इतने मस्त हो जाते, इतने सुरूर में आते, उत्तेजित हो उठते कि मालूम होता, अब खड़े हो जाएँगे। कमली तो बार-बार सिर से नीचे सरक जाती। मैं जाड़े से कँपकँपा रहा था। किंतु तारे की छाँव में भी उनके मस्तक के श्रमबिंदु, जब-तब, चमक ही पड़ते।

(i) प्रभातियाँ किस समय गाया जाने वाला गीत है?

(A) भोर
(B) संध्या
(C) मध्याहन
(D) अपराह्न

उत्तर **(A)** भोर

(ii) 'उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था।' - का आशय है:

(A) वह एक के बाद एक गीत गाए जा रहे थे।
(B) वह लगातार प्रवचन दिए जा रहे थे।
(C) वह लगातार लोगों को आशीर्वचन दे रहे थे।
(D) वह किसी से लगातार बातें किए जा रहे थे।

उत्तर **(A)** वह एक के बाद एक गीत गाए जा रहे थे।

(iii) गद्यांश में किस ऋतु का उल्लेख है?

(A) वसंद ऋतु
(B) ग्रीष्म ऋतु
(C) शीत ऋतु
(D) वर्षा ऋतु

उत्तर **(C)** शीत ऋतु

(iv) बालगोबिन की प्रभातियाँ कब तक चला करती थीं?

(A) फाल्गुन से कार्तिक तक
(B) कार्तिक से फाल्गुन तक
(C) फाल्गुन से आषाढ़ तक
(D) कार्तिक से चैत्र तक

उत्तर **(B)** कार्तिक से फाल्गुन तक

(v) भगत गाँव के बाहर पोखरे के ऊँचे भिंडे पर क्यों गाया करते थे? अनुपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए -

(A) शांत और प्राकृतिक प्राकृतिक वातावरण के कारण।
(B) ताकि गाँववाले को परेशानी न हो।
(C) गाँव में अधिक शोर की मनाही थी।
(D) उन्हें उस स्थान पर रोज़ गाने की आदत थी।

उत्तर (C) गाँव में अधिक शोर की मनाही थी।

गद्यांश 2 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे - साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता! - कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते - जो उनके घर से चार कोस दूर पर था - एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(i) कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए:

कथन: बालगोबिन भगत साधु प्रकृति के थे।
कारण: गृहस्थ होते हुए भी निर्मोही जीवन व्यतीत करते थे।
विकल्प:

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन के लिए कारण सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(ii) इस गद्यांश में बालगोबिन भगत की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है?

(A) सत्यवादी, स्पष्टवक्ता, निष्ठावान
(B) सत्यवादी, साहसी, स्पष्टवादी
(C) निष्ठावान, जिज्ञासु, स्पष्टवादी
(D) कर्मठ, जिज्ञासु, निष्ठावान

उत्तर (A) सत्यवादी, स्पष्टवक्ता, निष्ठावान

(iii) बालगोबिन कबीर को अपना मानते थे:

(A) भाई
(B) मित्र
(C) पिता
(D) गुरु

उत्तर (D) गुरु

(iv) बालगोबिन का कबीर को अपना 'आदर्श' मानने का आधार था, कबीर की:

(A) सत्यप्रियता और मधुर गायन
(B) गृहस्थ होते हुए भी साधु प्रवृत्ति
(C) स्पष्टवादिता और रूढ़ियों का विरोध
(D) गृहस्थ होते हुए संसार से विरक्ति

उत्तर **(C)** स्पष्टवादिता और रूढ़ियों का विरोध

(v) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गद्यांश के अनुरूप नहीं है?

(A) बालगोबिन कबीर के आदेशों का पालन करते।
(B) बिना अनुमति के किसी की वस्तु नहीं छूते।
(C) दो-टूक बात करने में संकोच करते।
(D) 'प्रसाद' से ही गुज़र-बसर करते।

उत्तर **(C)** दो-टूक बात करने में संकोच करते।

गद्यांश 3 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है - यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेंड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करनेवालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!

(i) 'पुरवाई' से क्या तात्पर्य है?

(A) पूर्वजों का आशीर्वाद
(B) पूर्व से आने वाली हवाएँ
(C) वर्षा के दिन की ठंडक
(D) सावन मास में चलने वाली हवाएँ

उत्तर **(B)** पूर्व से आने वाली हवाएँ

(ii) 'यह क्या है -यह कौन है!' -- यहाँ 'यह' किसके लिए आया है?

(A) वर्षा-बूँदों की टप-टप
(B) बच्चों की किलकारियाँ
(C) बालगोबिन की मधुर आवाज़
(D) लोगों की संगीत लहरी

उत्तर **(C)** बालगोबिन की मधुर आवाज़

(iii) 'उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर!' --- इस कथन का आशय है:

(A) वे कभी सीढ़ी पर चढ़कर गाते और कभी धरती पर उतरकर
(B) उनके साथ पृथ्वी पर खड़े लोग भी गीत गाते
(C) बालगोबिन के संगीत का जादू सबको वशीभूत कर लेता है
(D) उनके संगीत में स्वरों का उतार-चढ़ाव सहज ही आकर्षित करता है।

उत्तर **(D)** उनके संगीत में स्वरों का उतार-चढ़ाव सहज ही आकर्षित करता है।

(iv) निम्नलिखित में कौन-सा कथन गद्यांश से संबंधित नहीं है?

(A) सब धान के बीज लगा रहे हैं।
(B) भगत खेत में रोपनी कर रहे हैं।
(C) बच्चे खेलते हुए झूम रहे हैं।
(D) औरतें, हलवाहे सब झूम रहे हैं।

उत्तर **(A)** सब धान के बीज लगा रहे हैं।

(v) कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए:

कथन: धान की रोपनी हो रही है, वातावरण ख़ुशनुमा है।
कारण: आषाढ़ की रिमझिम है।
विकल्प:

(A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।
(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(C) कथन के लिए कारण सही व्याख्या है।
(D) कथन के लिए कारण सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(A)** कथन सही है, किंतु कारण गलत है।

गद्यांश 4 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेती-बारी भी थी, एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था। किंतु, खेती-बारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे - साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता! - कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते - जो उनके घर से चार कोस दूरी पर था -- एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(i)

(i) लेखक के अनुसार बालगोबिन भगत 'बिलकुल गृहस्थ' कैसे थे ?

I. उनके पास खेती-बारी थी।
II. उनका एक अच्छा और साफ़-सुथरा मकान था।
III. उनके परिवार में बेटे और बहू के साथ-साथ उनकी गृहिणी भी मौजूद थी।
IV. वे एक पारिवारिक व्यक्ति थे।

विकल्प :

(A) I, II और III
(B) II, III और IV
(C) III, IV और I
(D) I, II और IV

उत्तर **(D)** I, II और IV

(ii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन: गृहस्थ होते हुए भी बालगोबिन भगत साधु थे।
कारण: क्योंकि वे अपनी पारिवारिक भूमिका नहीं निभाते थे।
विकल्प:

(A) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर **(A)** कथन सही है, परंतु कारण गलत है।

(iii) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे - पंक्ति का आशय है:

(A) बालगोबिन भगत कबीर को बड़ा संत मानते थे।
(B) बालगोबिन भगत कबीर को ईश्वर-तुल्य मानते थे।
(C) बालगोबिन भगत कबीर को पिता-तुल्य मानते थे।
(D) बालगोबिन भगत कबीर को समाज-सुधारक मानते थे।

उत्तर **(B)** बालगोबिन भगत कबीर को ईश्वर-तुल्य मानते थे।

(iv) गद्यांश में वर्णित उदाहरणों में से किस उदाहरण को हम सबसे बड़ा प्रमाण बता सकते हैं, जिससे यह साबित हो कि बालगोबिन भगत कबीर को सबसे अधिक मानते थे?

(A) सुबह-शाम, खेती-किसानी के समय भी कबीर के पदों को गाते रहना।
(B) कभी झूठ न बोलना और सबसे खरा व्यवहार करना।
(C) दूसरे के खेत में निवृत्त होने के लिए भी न जाना और सबसे दो-टूक व्यवहार करना।
(D) अपनी पूरी फ़सल को कबीर-दरबार में चढ़ाना और प्रसाद स्वरूप जो मिले उसे स्वयं के लिए लाना।

उत्तर **(D)** अपनी पूरी फ़सल को कबीर-दरबार में चढ़ाना और प्रसाद स्वरूप जो मिले उसे स्वयं के लिए लाना।

(v)

(v) अनुच्छेद में भगत के विषय में जो जानकारियाँ हैं, उस आधार पर वे हैं :

I. सत्यवादी
II. स्पष्टतावादी
III. सच्चे भक्त

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों
(B) केवल III
(C) केवल I और III
(D) केवल II और III

उत्तर **(A)** I, II और III तीनों

गद्यांश 5

2025 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आषाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही। ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है - यह कौन है! यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं।

उनकी अँगुली एक-एक धान के पौधे को, पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है। उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाने लगती हैं; हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं; रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है या जादू!

(i) धान की रोपाई करने वाले हलवाहों पर बालगोबिन के गीत का क्या प्रभाव पड़ता था?

(A) वे रोपनी छोड़कर उस गीत को गाने लगते थे।
(B) उनकी रोपनी उसके लय-ताल में एकसार हो जाती थी।
(C) वे गीत की लय पर मगन होकर नाचने लगते थे।
(D) गीत उनके रोपाई के काम में बाधक सिद्ध होता था।

उत्तर **(B)** उनकी रोपनी उसके लय-ताल में एकसार हो जाती थी।

(ii) गद्यांश में किस ऋतु का उल्लेख है?

(A) ग्रीष्म ऋतु
(B) शरद ऋतु
(C) वर्षा ऋतु
(D) शीत ऋतु

उत्तर **(C)** वर्षा ऋतु

(iii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन: बालगोबिन भगत का गीत धान की रोपाई को एक उत्सव में बदल देता था।
कारण: संगीत का मानव के मन-मस्तिष्क पर बहुत गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।
(C) कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है।

(iv) औरतें कलेवा लेकर मेड़ पर क्यों बैठी थीं?

(A) रोपाई के समय ऐसा करना रिवाज़ था।
(B) रोपनी करने पर कलेवा बाँधना होता था।
(C) उनके घरों में पानी भर गया था।
(D) थके-हारे आत्मीयों की क्षुधा शांत करवाना चाहती थी।

उत्तर **(D)** थके-हारे आत्मीयों की क्षुधा शांत करवाना चाहती थी।

(v) 'उनका कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने में चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है' का आशय नहीं है -

(A) गीतों में ईश्वर के प्रति प्रार्थना भाव
(B) गीतों में ईश्वर के प्रति समर्पण भाव
(C) गीतों में भक्ति-भाव की परिपूर्णता
(D) गीतों में लोकतत्त्व की अनुभूति

उत्तर **(D)** गीतों में लोकतत्त्व की अनुभूति

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 2023 (3/1/1)

अपने पुत्र की मृत्यु पर बालगोबिन भगत ने क्या किया?

(A) फूल और तुलसीदल बिखरा दिया, कबीर के पद गाए, सबके गले लगकर रोए।

(B) फूट-फूट कर रोए, कबीर के पद गाए, दीप जलाया।

(C) फूल और तुलसीदल नोचकर फेंक दिए, कबीर के पदों को पढ़ना छोड़ दिया, लोगों के साथ गले मिल रोए।

(D) फूल और तुलसीदल बिखरा दिया, शव के सिरहाने दीप जलाया, कबीर के पद गाए।

उत्तर **(D)** फूल और तुलसीदल बिखरा दिया, शव के सिरहाने दीप जलाया, कबीर के पद गाए।

प्रश्न 2 2023 (3/1/2)

(i) बालगोबिन भगत द्वारा अपने बेटे को अधिक मानने के कारणों को पढ़कर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनकर लिखिए – 1

(क) वह कुछ-सुस्त और बोदा-सा था ।

(ख) भगत का मानना था ऐसे लोगों को ज्यादा प्यार की जरूरत होती है ।

(ग) क्योंकि वह उनका इकलौता बेटा था ।

(a) केवल (ग) (b) (क) और (ग)

(c) (ख) और (ग) (d) (क), (ख) और (ग)

उत्तर **(D)** (क), (ख) और (ग)।

प्रश्न 3 2023 (3/1/3)

बालगोबिन भगत के विषय में कौन-सी बात सबसे उचित है?

(A) भगत को सुबह-सुबह उठकर कबीर के पदों को गाने का शौक था।

(B) भगत अपने बेटे को बोझ मानते थे इसलिए उसकी मृत्यु पर दुखी नहीं हुए।

(C) उनको गृहस्थी से मुक्ति चाहिए थी इसलिए पतोहू को भाई के साथ भिजवा दिया।

(D) भगत गृहस्थ जीवन में भी एक संन्यासी की तरह थे।

उत्तर **(D)** भगत गृहस्थ जीवन में भी एक संन्यासी की तरह थे।

प्रश्न 4 2023 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

किस घटना के आधार पर कहा जा सकता है कि बालगोबिन भगत प्रचलित सामाजिक मान्यताओं को नहीं मानते थे?

(A) जवान बेटे की मृत्यु पर पद गा रहे थे

(B) हर वर्ष गंगा स्नान के लिए जाते

(C) अपनी खेती-बाड़ी स्वयं करते

(D) बेटे का क्रिया-कर्म बहू से करवाया

उत्तर **(D)** बेटे का क्रिया-कर्म बहू से करवाया

प्रश्न 5 **2023** (3/6/3)

निम्नलिखित में बालगोबिन भगत के विषय में कौन-सी बात सही है?

(A) कार्तिक माह में वे अकसर शाम को पद गाते थे।

(B) वे दूसरों के काम में दखल देते थे।

(C) बारिश की आधी रात में अकसर वे खेतों में चले जाते।

(D) अपने खेत की पूरी फसल वे कबीर मठ में चढ़ाने ले जाते थे।

उत्तर **(D)** अपने खेत की पूरी फसल वे कबीर मठ में चढ़ाने ले जाते थे।

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 6 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

बालगोबिन भगत के प्रति लेखक क्यों आकृष्ट था? - पाठ के आधार पर किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक बालगोबिन भगत के मधुर गान के कारण उनके प्रति आकृष्ट था। उनका व्यक्तित्व भी सबसे अलग था – वे कबीरपंथी थे और गृहस्थ होते हुए भी साधु जैसा आचरण करते थे। उनकी कथनी और करनी एक थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- उनके मधुर गान के कारण
- उनके अलग व्यक्तित्व के कारण (कबीरपंथी, साहब की शिक्षाओं पर चलना)
- उनकी दिनचर्या के कारण
- गृहस्थ होते हुए साधु समान आचरण के कारण
- कथनी-करनी एक होने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 7 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

लेखक की आँखों से देखा गया बालगोबिन भगत की 'प्रभाती' का दृश्य कैसा था? अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

भगत कार्तिक से फागुन तक बहुत सवेरे नदी-स्नान के बाद पोखरे के ऊँचे भिंडे पर बैठकर कबीर के पद गाते थे। माघ की कोहरे भरी सुबह में भी वे कुश की चटाई पर पूरब की ओर मुँह किए, काला कंबल ओढ़े खँजड़ी बजाते थे। गाने की उत्तेजना से उनके माथे पर पसीने की बूँदें झलकने लगती थीं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कार्तिक से फागुन तक बहुत सवेरे स्नान के बाद तालाब के किनारे मिट्टी के ऊँचे टीले पर कबीर के पद गाना
- माघ महीने की सुबह कोहरा छाए होने पर भी कुश की चटाई पर पूरब की ओर मुँह करके, काला कंबल आढे हुए खंजड़ी बजाकर गाना
- गाने की उत्तेजना से माथे पर पसीने की बूँदें झलकना।

प्रश्न 8 2023 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'बालगोबिन भगत' शीर्षक पाठ में किन सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार किया गया है? अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में दो सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार किया गया है। पहली यह कि अंतिम संस्कार का अधिकार केवल पुरुषों को है; भगत ने बेटे को आग पतोहू से दिलवाई। दूसरी यह कि विधवा का पुनर्विवाह नहीं होता; भगत ने पतोहू के भाई को उसकी दूसरी शादी करने का आदेश दिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- अंतिम संस्कार का अधिकार केवल पुरुषों को ही होना
- विधवा पुनर्विवाह का न होना

प्रश्न 9 2023 (3/6/1)

बालगोबिन भगत की 'गर्मियों की संझा' के दृश्य का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

आदर्श उत्तर

गर्मियों की संझा में भगत अपने घर के आँगन में आसन जमाते और गाँव के प्रेमी जुट जाते। खँजड़ियों और करतालों के साथ कबीर के पद गाए जाते; भगत एक पंक्ति गाते और मंडली उसे दुहराती। गाते-गाते भगत नाचने लगते और सब उनका अनुकरण करते; इस नृत्य-संगीत से उमस भरी शाम भी शीतल हो जाती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- घर के आँगन में आसन जमाना, अन्य लोगों का जुटना, खंजडियों और करतालों के साथ कबीर के पद गाना, बालगोबिन द्वारा एक पंक्ति गाने पर बाकी

  मंडली द्वारा दुहराना; गाते-गाते बालगोबिन का नाचने लगना व अन्य उपस्थित लोगों द्वारा उनका अनुकरण करना, आँगन का नृत्य-संगीत से ओत-प्रोत होने के कारण गर्मी की उमस भरी शाम का शीतल होना।

प्रश्न 10 2023 (3/6/2)

बालगोबिन भगत गृहस्थी के भीतर भी संन्यासी किस तरह थे?

आदर्श उत्तर

बालगोबिन भगत परिवार से प्रेम करते थे, पर मोह नहीं रखते थे। उनका व्यवहार खरा था; कथनी और करनी में अंतर नहीं था। वे सारी फसल कबीरपंथी मठ में चढ़ा देते और प्रसाद में मिले अंश से गुज़ारा करते। गंगा-स्नान की लंबी यात्रा में भी वे किसी से भिक्षा नहीं माँगते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- निर्लिप्त - परिवार से प्रेम परंतु मोह नहीं करना।
- खरा व्यवहार - कथनी और करनी में अंतर नहीं होना।
- निस्वार्थी - सारी फसल को मठ में ले जाना और दरबार से प्राप्त 'प्रसाद' से गुजारा करना
- भिक्षा न माँगना - गंगा स्नान के लिए जाते समय साधु की तरह कुछ साथ न ले जाना और गृहस्थ की तरह किसी से कुछ न माँगना। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 11 2023 (3/6/3)

भगत की पुत्र-वधू भी उनकी उतनी ही चिंता करती थी जितनी भगत उसकी करते थे। - 'बालगोबिन भगत' पाठ से उदाहरण देते हुए इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

भगत को पुत्रवधू के भविष्य की चिंता थी, इसलिए बेटे के श्राद्ध के बाद उन्होंने उसके भाई को बुलाकर उसका पुनर्विवाह कराने का आदेश दिया। पुत्रवधू को भगत की चिंता थी; वह बुढ़ापे में उनकी सेवा और देखभाल के लिए उन्हीं के पास रहने की ज़िद करती रही।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

पुत्रवधू के प्रति चिंता

- पुनर्विवाह का प्रयास भगत के प्रति चिंता
- सेवा और देखभाल के लिए उनके साथ ही रहने की जिद।

प्रश्न 12 2024 (3/1/1)

'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर लिखिए कि अपनी पतोहू के प्रति बालगोबिन भगत का व्यवहार उनके किन गुणों को उजागर करता है?

आदर्श उत्तर

पतोहू के प्रति भगत का व्यवहार उनके प्रगतिशील विचारों को उजागर करता है। उन्होंने समाज में प्रचलित रूढ़ियों का विरोध करते हुए उसके पुनर्विवाह का निर्णय लिया। अपने बुढ़ापे के सहारे की चिंता न करना उनकी निःस्वार्थ भावना और वात्सल्य भाव को दिखाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में बालगोबिन भगत दो उपयुक्त गुणों को लिखेंगे, जैसे –

- समाज में प्रचलित रूढ़ियों का विरोध
- प्रगतिशील विचार या सोच
- निःस्वार्थ भावना
- वात्सल्य भाव
- अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 13 2024 (3/1/2)

गंगा-स्नान के लिए आने -जाने के दौरान चार-पाँच दिनों तक बालगोबिन भगत उपवास क्यों रखते थे?

आदर्श उत्तर

भगत की आस्था थी कि साधु को किसी संबल की आवश्यकता नहीं होती और गृहस्थ को किसी से माँगना नहीं चाहिए। वे नियमों के पक्के, संयमी और स्वाभिमानी थे, इसलिए घर से खाकर निकलते और लौटने तक चार-पाँच दिन उपवास में ही रहते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- अपनी आस्था और आदर्शों के कारण बालगोबिन भगत का मानना था कि गृहस्थ को दूसरों से माँगना नहीं चाहिए
- साधु को संबल की आवश्यकता नहीं
- संयमपूर्ण जीवनशैली का पालन

- नियमों का पक्का होना
- स्वाभिमानी होना

प्रश्न 14 2024 (3/1/3)

'बालगोबिन भगत के स्वरों में एक विशेष प्रकार का आकर्षण था'। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

भगत का गायन सुनकर खेलते हुए बच्चे झूम उठते थे और मेड़ पर खड़ी औरतें गुनगुनाने लगती थीं। हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते और रोपनी करने वालों की अँगुलियाँ एक क्रम से चलने लगतीं। लेखक भी मंत्रमुग्ध होकर सुबह-सवेरे पोखर तक चला जाता था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- बालगोबिन का गायन सुनकर बच्चों का खेलते हुए झूम उठना
- औरतों का गुनगुनाना
- हलवाहों के पैरों का ताल से उठना
- रोपनी करने वालों की अँगुलियों का एक क्रम से चलने लगना
- लेखक का मंत्रमुग्ध होकर सुबह-सवेरे पोखर तक चले जाना
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 15 2024 (3/2/1)

'बालगोबिन' 'साहब' के भक्त थे। पंक्ति में वर्णित साहब कौन थे और उनके प्रति उनकी भक्ति के क्या कारण रहे होंगे?

आदर्श उत्तर

पंक्ति में वर्णित 'साहब' संत कबीर हैं। भगत कबीर की सीधी-सच्ची शिक्षाओं, उनके आडंबरहीन जीवन, खरे व्यवहार और निर्गुण भक्ति से प्रभावित रहे होंगे। इसी कारण वे कबीर को अपना आराध्य मानते, उन्हीं के पद गाते और उन्हीं के आदेशों पर चलते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- कबीर;

प्रश्न 16 2024 (3/2/2)

कैसे कह सकते हैं कि 'बालगोबिन भगत का जीवनचरित सामाजिक रूढ़ियों की उपेक्षा करता है।' - पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

भगत ने बेटे की मृत्यु पर उसका अंतिम संस्कार पतोहू के हाथों करवाया, जबकि समाज में यह अधिकार पुरुषों का माना जाता है। इसके बाद उन्होंने विधवा पतोहू को पुनर्विवाह का आदेश दिया। इस प्रकार उनका जीवनचरित सामाजिक रूढ़ियों की उपेक्षा करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दा उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- पतोहू से अंतिम संस्कार करवाना

- पतोहू को पुनर्विवाह का आदेश देना

प्रश्न 17 2024 (3/2/3)

बालगोबिन भगत अपने खेत की सारी फसल साहब को भेंट चढ़ा देते और प्रसाद में जो कुछ मिलता उसी से गुजारा करते थे। उनके ऐसा करने के पीछे क्या कारण रहे होंगे?

आदर्श उत्तर

भगत के मन में कबीर के प्रति सच्ची श्रद्धा और पूर्ण समर्पण था। वे स्वयं को साहब का सेवक मानते थे और अपनी प्रत्येक वस्तु पर साहब का ही हक समझते थे। इसी कारण वे सारी फसल भेंट चढ़ा देते और प्रसाद से गुजारा करते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में निम्नलिखित में से कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- कबीर के प्रति सच्ची श्रद्धा
- स्वयं को उनका सेवक मानना
- कबीर के प्रति पूर्ण समर्पण
- अपनी प्रत्येक वस्तु पर साहब का हक मानना

प्रश्न 18 2025 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

बालगोबिन भगत ने अपनी पतोहू की चिंता किस प्रकार की? इससे उनके व्यक्तित्व के किस गुण का पता चलता है?

आदर्श उत्तर

बेटे की मृत्यु के बाद भगत ने पतोहू के भाई को बुलवाया और हठपूर्वक उसे पुनर्विवाह के लिए उसके साथ भेज दिया। इससे उनके वात्सल्य, प्रगतिशीलता, कर्त्तव्यनिष्ठा और त्याग का पता चलता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- बेटे की मृत्यु के बाद पतोहू को उसके भाई के साथ हठपूर्वक पुनर्विवाह के लिए भेजकर; व्यक्तित्व के गुण:
- वात्सल्य
- प्रगतिशीलता
- कर्तव्यनिष्ठा
- त्याग

(कोई एक बिंदु अपेक्षित; अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 19 2025 (3/3/1)

बालगोबिन भगत पाठ से सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि भगत, कबीर की शिक्षा को सिर्फ कथनी में ही नहीं करनी में भी उतारते थे।

आदर्श उत्तर

भगत कभी झूठ नहीं बोलते थे, सबसे खरा व्यवहार करते थे और बिना पूछे किसी की वस्तु को हाथ नहीं लगाते थे। बेटे की मृत्यु पर भी उन्होंने धैर्य और संयम रखा और उसे आत्मा-परमात्मा का मिलन मानकर उत्सव मनाया। इस प्रकार वे कबीर की शिक्षा को करनी में उतारते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में एक उपयुक्त उदाहरण देते हुए उत्तर लिखेंगे-

- बेटे की मृत्यु के समय धैर्य, संयम का परिचय देते हुए आत्मा-परमात्मा के मिलन पर उत्सव मनाना
- झूठ न बोलना और खरा व्यवहार करना
- बिना पूछे दूसरे की वस्तु को हाथ न लगाना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)

प्रश्न 20 2025 (3/3/2)

बेटे की मृत्यु के समय बालगोबिन भगत का आचरण उनके विचारों के विषय में क्या संकेत देता है? 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

बेटे की मृत्यु पर भगत ने विलाप नहीं किया, बल्कि इसे आत्मा-परमात्मा का मिलन मानकर कबीर के पद गाते रहे। इससे संकेत मिलता है कि उनकी कथनी और करनी में अंतर नहीं था; उन्होंने कबीर की शिक्षाओं को जीवन में उतार लिया था और उनका विश्वास भीतरी तथा वास्तविक था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त दो बिंदु लिखेंगे-

- कथनी-करनी में अंतर नहीं
- कबीर की शिक्षाओं को वास्तविक जीवन में उतार लेना
- मोक्ष, आत्मा-परमात्मा के मिलन में अटूट आस्था
- विश्वास का भीतरी और वास्तविक होना

प्रश्न 21 2025 (3/3/3)

'बालगोबिन भगत' को कबीर का 'सच्चा अनुयायी' किन बातों के आधार पर कहा जा सकता है? पाठ के संदर्भ में सोदाहरण लिखिए।

आदर्श उत्तर

भगत की कथनी और करनी में अंतर नहीं था; उन्होंने कबीर की शिक्षाओं को जीवन में उतार लिया था। वे सारी उपज कबीरपंथी मठ में अर्पित कर प्रसाद से गुजारा करते, कबीर के पद गाते और बिना पूछे किसी की वस्तु नहीं छूते थे। बेटे की मृत्यु को भी उन्होंने आत्मा-परमात्मा का मिलन माना।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर एक उपयुक्त कारण उदाहरण सहित लिखेंगे-

- कथनी - करनी में अंतर नहीं
- कबीर की शिक्षाओं को वास्तविक जीवन में उतार लेना
- मोक्ष, आत्मा-परमात्मा के मिलन में अटूट आस्था
- विश्वास का भीतरी और वास्तविक होना;

उदाहरण:

- कबीरपंथी मठ में सर्वस्व समर्पण के पश्चात स्वयं के लिए प्रसाद स्वरूप लाना
- कबीर के पदों को गाते हुए भक्ति भावना में डूबे रहना
- गृहस्थी में रहते हुए भी निर्गुण भक्ति परंपरा के संतों की तरह रहना

- बेटे की मृत्यु के समय उनका आचरण
- बिना पूछे दूसरे की वस्तु को हाथ न लगाना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)

प्रश्न 22 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

पुत्र की मृत्यु पर बालगोबिन भगत के शोक मनाने का तरीका सामान्य लोगों के तरीके से सर्वथा अलग कैसे था? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

सामान्य लोग मृत्यु पर रोते-बिलखते हैं, पर भगत ने बेटे की मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानकर उत्सव की तरह लिया। वे शव के पास बैठकर तल्लीनता से कबीर के पद गाते रहे और रोती हुई पुत्रवधू से भी शोक के स्थान पर आनंद मनाने को कहते रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर किसी एक बिंदु को स्पष्ट करते हुए उत्तर लिखेंगे-

- बेटे की मृत्यु पर शोक न मना कर आत्मा-परमात्मा के मिलन का उत्सव मनाना
- बेटे के शव के पास बैठकर विलाप करने की जगह तल्लीनता से कबीर के पद गाना
- अपनी पुत्रवधू को भी शोक की जगह परमात्मा से मिलन का आनंदोत्सव मनाने के लिए कहना

प्रश्न 23 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'बालगोबिन भगत एक सच्चे गृहस्थ भी थे।' स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

बालगोबिन भगत साधु होते हुए भी सच्चे गृहस्थ थे। वे खेतीबारी करते थे, उनका बेटे-पतोहू वाला परिवार था और वे साफ़-सुथरे मकान में रहते थे। गंगा-स्नान की यात्रा में भी वे गृहस्थ-धर्म निभाते हुए किसी से भिक्षा नहीं लेते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- खेतीबाड़ी करना
- बहू-बेटे वाला परिवार
- साफ-सुथरे मकान में निवास
- गंगा स्नान जाते समय किसी से भिक्षा न लेना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 24 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

बालगोबिन भगत का बेटा सामान्य बच्चों से अलग कैसे था? वे उसके साथ किस प्रकार का बर्ताव करते थे?

आदर्श उत्तर

बालगोबिन भगत का बेटा सामान्य बच्चों की तुलना में सुस्त और बोदा था। इसलिए भगत उसे और भी अधिक प्रेम करते थे; उनका मानना था कि ऐसे लोगों पर ज़्यादा नज़र रखनी चाहिए और उन्हें ज़्यादा स्नेह तथा देखभाल मिलनी चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कैसे: सुस्त और बोदा;
बर्ताव: अधिक प्रेम/ मुहब्बत/ स्नेह/ देखभाल/ परवाह/ निगरानी का

प्रश्न 25 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

क्या आप बालगोबिन भगत की इस मान्यता से सहमत हैं कि सुस्त और बोदे लोग निगरानी और मुहब्बत के ज़्यादा हकदार होते हैं? उचित तर्कों के साथ उत्तर लिखिए।

आदर्श उत्तर

हाँ, मैं भगत की इस मान्यता से सहमत हूँ। सुस्त और बोदे लोग स्वयं अपनी देखभाल ठीक से नहीं कर पाते, इसलिए उन्हें भावात्मक सहारे की अधिक ज़रूरत होती है। अधिक स्नेह और सहानुभूति पाकर वे सुरक्षित महसूस करते हैं और जीवन की मुख्यधारा से जुड़ पाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

सहमत:

- भावात्मक सहारा, जिससे वे सुरक्षित महसूस करें और उन्हें जीवन की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।
- भेदभाव कम करने और समानता सुनिश्चित करने के लिए इन्हें अधिक स्नेह और सहानुभूति मिलनी चाहिए।

असहमत:

- सिर्फ़ उन्हीं को नहीं; सभी को देखभाल, निगरानी और मुहब्बत की ज़रूरत होती है।
- समावेशन की दृष्टि से उपयुक्त नहीं, उन लोगों को अलग और भिन्न महसूस होगा।

प्रश्न 26 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के स्वरूप पर टिप्पणी लिखिए।

आदर्श उत्तर

बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे-चिट्टे व्यक्ति थे; उनके बाल पक गए थे। वे लँगोटी और कनफटी टोपी पहनते, सर्दियों में काली कमली ओढ़ते, रामानंदी चंदन लगाते और तुलसी की माला धारण करते थे। वे कबीरपंथी, खरे व्यवहार वाले, नेम-व्रत के पक्के और मधुर गायक थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी बालगोबिन भगत पाठ के आधार पर चार उपयुक्त बिंदुओं में टिप्पणी लिखेंगे-

- मँझोला कद
- गोरे-चिट्टे
- पके बाल, लंगोटी, कनफटी टोपी, काली कमली, रामानंदी चंदन, तुलसी की माला
- कबीरपंथी
- खरा व्यवहार
- प्रगतिशील
- मधुर गायन
- नेम-व्रत के पक्के
- संवेदनशील
- शांत स्वभाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 27 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर लिखिए कि हर वर्ष गंगा-स्नान जाते समय भगत किस नेम-व्रत का पालन करते थे?

आदर्श उत्तर

भगत हर वर्ष लगभग तीस कोस दूर गंगा-स्नान के लिए पैदल जाते थे। वे घर से खाकर निकलते और लौटने तक रास्ते में केवल पानी पीते थे। वे किसी से भिक्षा नहीं माँगते थे और वहाँ संत-समागम का आनंद लेते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- घर से खाकर निकलना और रास्ते में केवल पानी ही पीना
- भिक्षा नहीं माँगना
- तीस कोस तक पैदल ही यात्रा करना
- संत समागम (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 28 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर लिखिए कि संगीत के कार्यक्रम में भगत और उनकी मंडली किन-किन वाद्य यंत्रों को बजाया करती थी और उनके वादन-गायन की गति कैसी होती थी?

आदर्श उत्तर

भगत और उनकी मंडली खँजड़ी और करताल बजाया करती थी। उनके गायन का स्वर एक निश्चित ताल के साथ धीरे-धीरे ऊपर चढ़ता जाता था। गति बढ़ने पर भगत नाचने लगते और सबके तन-मन नृत्यशील हो उठते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

वाद्य-यंत्रों के नाम: खँजड़ी और करताल;
गति:

- एक निश्चित ताल से स्वर का ऊपर होते जाना
- सबके तन और मन का नृत्यशील हो उठना

क्षितिज • गद्य खंड

लखनवी अंदाज़ — यशपाल

पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

गद्यांश 1 2026 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

गाड़ी छूट रही थी। सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे-चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे। डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे-जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों। नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। हमने भी उनके सामने की बर्थ पर बैठकर आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं। ठाली बैठे, कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है। नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारण का अनुमान करने लगे। संभव है, नवाब साहब ने बिलकुल अकेले यात्रा कर सकने के अनुमान में किफ़ायत के विचार से सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया हो और अब गवारा न हो कि शहर का कोई सफ़ेदपोश उन्हें मँझले दर्ज में सफ़र करता देखे।

(i) (i) लेखक के अनुसार नवाब साहब की आँखों में असंतोष का भाव क्यों दिखाई दे रहा था ? इस प्रश्न के उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :

I. एकांत चिंतन में विघ्न पड़ने के कारण
II. कहानी के लिए उपयुक्त कथानक नहीं मिलने के कारण
III. खीरे जैसी साधारण वस्तु के साथ देखे जाने के कारण

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों सही हैं।
(B) I, II और III तीनों ग़लत हैं।
(C) I और II दोनों सही हैं।
(D) I और III दोनों सही हैं।

उत्तर **(D)** I और III दोनों सही हैं।

(ii) नवाब साहब के व्यवहार से उनकी किस प्रवृत्ति का परिचय मिलता है?

(A) सादगी और सहजता
(B) मित्रवत व्यवहार और अपनापन
(C) अपरिचितों पर संदेह
(D) दिखावा और संकोच

उत्तर **(D)** दिखावा और संकोच

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषताएँ दिखाई देती हैं?

(A) आक्रामक और क्रोधी
(B) उदासीन और तटस्थ
(C) निराश और क्षुब्ध
(D) आलोचनात्मक और कल्पनाशील

उत्तर **(D)** आलोचनात्मक और कल्पनाशील

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए:

कथन: लेखक ने नवाब साहब से अपनी नज़रें चुरा लीं और दूसरी ओर देखने लगा।
कारण: नवाब साहब के व्यवहार के कारण अपने आत्मसम्मान को निबाहने के लिए उसने ऐसा किया।
विकल्प:

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।

(v) 'आत्मसम्मान में आँखें चुराना' से क्या अभिप्राय है?

(A) स्वाभिमान का निर्वाह करने के लिए आँखें हटाना
(B) स्वयं के संतोष के लिए दृष्टि हटाना
(C) आत्मा के सम्मान के लिए आँखें झुकाना
(D) सामने वाले के सम्मान के लिए आँखें झुकाना

उत्तर **(A)** स्वाभिमान का निर्वाह करने के लिए आँखें हटाना

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 2023 (3/1/1)

(i) 'लखनवी अंदाज' पाठ के नवाब साहब द्वारा लेखक की तरफ उत्सुकता नहीं दिखाई जाने के कारणों को पढ़कर सबसे उचित विकल्प चुनकर लिखिए – 1

कारण :
(क) दूसरे दर्जे में सफर करते देखे जाने की हिचक रही होगी
(ख) खीरे जैसी साधारण वस्तु के साथ देखे जाने का संकोच
(ग) संभवतः वे भी नई कहानी के विषय में सोचने के लिए एकांत चाहते हों ।

विकल्प :
(a) इनमें से कोई भी नहीं । (b) केवल (क) और (ख)
(c) (क), (ख) और (ग) तीनों । (d) केवल (ग)

उत्तर **(C)** (क), (ख) और (ग) तीनों

प्रश्न 2 2023 (3/6/2)

नवाब साहब ने खीरे का आनंद किस प्रकार उठाया?

(A) खूब तैयारी से साफ किया, काटा, नमक-मिर्च बुरक दिया और खा लिया।
(B) साबुत खीरा ही धोकर खा लिया।
(C) खीरों को धोया, छीलकर काटा, जीरा मिला नमक-मिर्च छिड़का, होठों तक ले गए, सूँघकर फेंक दिया।
(D) खीरों को धोया, छीला, कड़वाहट निकाली, चखा, कड़वा होने के कारण फेंक दिया।

उत्तर **(C)** खीरों को धोया, छीलकर काटा, जीरा मिला नमक-मिर्च छिड़का, होठों तक ले गए, सूँघकर फेंक दिया।

प्रश्न 3 2023 (3/6/3)

नवाब साहब द्वारा बार-बार खीरा खाने का आग्रह किया जा रहा था, इसे लेखक ने कैसे टाला?

(A) साफ साफ मना करके
(B) उपेक्षापूर्वक दूसरी ओर देखकर
(C) पेट कमज़ोर होने का बहाना बनाकर
(D) पेट भरे होने का बहाना बनाकर

उत्तर **(C)** पेट कमज़ोर होने का बहाना बनाकर

प्रश्न 4 2024 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक को नवाब साहब 'नयी कहानी' के लेखक कब लगे?

(A) उन्हें पहली बार रेलगाड़ी के डिब्बे में देखकर।
(B) उन्हें खीरा खाने की तैयारी करते हुए देखकर।
(C) उन्हें खीरा सूंघधर उसका रसास्वादन करते देखकर।
(D) उनके बिना खीरा खाए ही ऊँची डकार को सुनकर। खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

उत्तर **(D)** उनके बिना खीरा खाए ही ऊँची डकार को सुनकर

प्रश्न 5 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'लखनवी अंदाज़' के लेखक ने यात्रा के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों लिया?

(A) लंबा सफ़र तय करना था
(B) पैसे अपेक्षाकृत कम लगते
(C) नई कहानी के बारे में सोच सकने के लिए
(D) नवाब साहब से दोस्ती करने के लिए

उत्तर **(C)** नई कहानी के बारे में सोच सकने के लिए

प्रश्न 6 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'लखनवी अंदाज़' पाठ के अनुसार कौन-सा कथन सही है?

(A) गाड़ी के सेकंड क्लास के डिब्बे में कुछेक लोग थे।
(B) नवाब साहब ने संगति के लिए तुरंत हाथ बढ़ाया।
(C) नवाब साहब ने लेखक को ककड़ी के लिए पूछा।
(D) नवाब साहब ने एक-एक फाँक खिड़की से बाहर फेंक दी।

उत्तर **(D)** नवाब साहब ने एक-एक फाँक खिड़की से बाहर फेंक दी।

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 7 2022 टर्म-II (3/1/1)

'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

आदर्श उत्तर

लेखक भीड़ से दूर एकांत में अपनी नई कहानी के विषय में सोचना चाहता था और खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद भी लेना चाहता था। यात्रा अधिक दूर की नहीं थी, इसलिए टिकट महँगा नहीं लगा और उसने सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- भीड़ से दूर एकांत में नई कहानी के विषय में सोचने के लिए
- खिड़की से बाहर प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए
- अधिक दूरी का सफ़र न होने के कारण, टिकट ज्यादा महँगा नहीं लग रहा था। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 2022 टर्म-II (3/1/1)

यदि लेखक ने खीरा खा लिया होता तो क्या नवाब साहब भी खीरा खा लेते? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

संभवतः हाँ। नवाब साहब ने खीरे खाने के लिए ही खरीदे थे और वे लेखक से भी बार-बार खाने का आग्रह कर रहे थे। उन्हें लेखक के सामने खीरे जैसी साधारण वस्तु खाने में संकोच हो रहा था; यदि लेखक खा लेता तो उनका संकोच मिट जाता और वे भी खा लेते।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(संदर्भगत स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

उदाहरणार्थ – संभवतः हाँ!

- नवाब साहब को लेखक के सामने खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाने में संकोच हो रहा था, यदि लेखक खीरा खाते तो नवाब साहब को भी संकोच न होता।
- खीरे खाने के लिए ही खरीदे होंगे, फेंकने के लिए नहीं।
- वे लेखक से भी बार-बार खीरा खाने का आग्रह कर रहे थे।

अथवा

संभवतः नहीं!

- लेखक के खीरा खाने के उपरांत भी वे नवाबी शान का प्रदर्शन करते और नहीं खाते।
- श्रेष्ठता दिखाने के लिए खीरा नहीं खाते।
- उन्हें यह दिखाना था कि खीरे को सूँघने से ही तृप्ति मिल सकती है।

प्रश्न 9 2022 टर्म-II (3/1/2)

खीरा खाने की चाहत होते हुए भी केवल सूँघकर स्वाद का आनंद लेकर नवाब साहब ने खीरा क्यों नहीं खाया? खीरा खिड़की से बाहर फेंक देने के बाद उनकी भाव-भंगिमा कैसी थी? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

नवाब साहब ने अपने झूठे नवाबी अहं और ठाठ-बाट के दिखावे के कारण खीरा नहीं खाया; उन्हें लेखक के सामने खीरे जैसी साधारण वस्तु खाने में संकोच था। खीरा खिड़की से बाहर फेंकने के बाद उनके चेहरे पर नवाबी गर्व और संतोष का भाव झलक रहा था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- नवाबी ठाठ-बाट के दिखावे के कारण /
- अपने झूठे नवाबी अहं के कारण /
- लेखक के सामने खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाने में संकोच के कारण;
- नवाबी गर्व का भाव झलक रहा था।

प्रश्न 10 2022 टर्म-II (3/1/2)

'लखनवी अंदाज़' पाठ में पाठकों के लिए क्या संदेश निहित है?

आदर्श उत्तर

'लखनवी अंदाज़' पाठ का संदेश है कि हमें दिखावे और बनावटीपन से दूर रहकर व्यावहारिक जीवन जीना चाहिए। समय के साथ आए परिवर्तन को स्वीकार करना चाहिए और कथनी-करनी में समानता रखनी चाहिए। किसी को जाने बिना उसके बारे में धारणा नहीं बनानी चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- दिखावे, बनावटीपन से दूर रहना
- व्यावहारिकता को अपनाना
- समयानुरूप हर परिवर्तन और परिस्थिति को स्वीकार करना
- कथनी-करनी में समानता
- किसी को जाने बिना उसके विषय में धारणा नहीं बनाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 11 2022 टर्म-II (3/1/3)

खीरा खाने की चाहत होते हुए भी लेखक ने नवाब साहब के आग्रह पर खीरा क्यों नहीं खाया? उसने खीरा खाने की अपनी अरुचि का क्या कारण बताया? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

पहली बार लेखक को नवाब साहब का अचानक बदला हुआ भाव अच्छा नहीं लगा, इसलिए उसने औपचारिकता में मना कर दिया। दूसरी बार वह पहले इनकार कर चुका था, अतः आत्मसम्मान की रक्षा के लिए फिर मना किया। अरुचि का कारण उसने इच्छा न होना और मेदा कमज़ोर होना बताया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- पहली बार – नवाह साहब का भाव परिवर्तन अच्छा नहीं लगा, इसलिए औपचारिकता का निर्वाह करते हुए मना कर दिया। /
- दूसरी बार – पहले मना कर चुके थे इसलिए आत्मसम्मान की रक्षा हेतु मना कर दिया।;

अरुचि का कारण –

- इच्छा न होना
- मेदा (पाचन) कमज़ोर होना

प्रश्न 12 2022 टर्म-II (3/1/3)

'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए कि गाड़ी के किस डिब्बे में लेखक चढ़ गए और कौन-सा अनुमान प्रतिकूल निकला? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक दौड़कर सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे में चढ़ गया। उसका अनुमान था कि वह डिब्बा बिलकुल खाली होगा, पर यह अनुमान प्रतिकूल निकला; वहाँ एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन पालथी मारे बैठे थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- सेकंड क्लास के डिब्बे में;
- सेकंड क्लास का डिब्बा खाली होगा।

प्रश्न 13 2022 टर्म-II (3/2/1)

नवाब साहब ने खीरा न खाने का जो कारण बताया, क्या वह सही था? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर कारण सहित लिखिए।

आदर्श उत्तर

नहीं, नवाब साहब का बताया कारण सही नहीं था। उन्होंने कहा कि खीरा मेदे पर बोझ डाल देता है। वास्तविक कारण उनकी झूठी नवाबी शान थी; लेखक की उपस्थिति में उन्हें खीरे जैसी साधारण वस्तु खाने में संकोच हो रहा था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

नहीं, वह सही कारण नहीं था;

- बताया गया कारण – खीरा मेदे पर बोझ डाल देता है।

वास्तविक कारण –

- अपनी झूठी नवाबी शान के कारण
- लेखक की उपस्थिति में खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाने में संकोच के कारण

प्रश्न 14 2022 टर्म-II (3/2/1)

'लेखक की तुलना में नवाब साहब अधिक शिष्ट और सभ्य थे।' 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर सोदाहरण बताइए।

आदर्श उत्तर

शुरुआती असहजता के बाद नवाब साहब ने ही बातचीत की पहल की और लेखक से दो बार खीरा खाने का आग्रह किया। इसके विपरीत लेखक ने बातचीत में कोई उत्साह नहीं दिखाया और आरंभ से ही नवाब साहब के प्रति पूर्वग्रह रखा। इस दृष्टि से नवाब साहब अधिक शिष्ट थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- शुरुआती असहजता के बाद नवाब साहब द्वारा बातचीत की पहल
- लेखक से दो बार खीरा खाने का आग्रह परंतु –
- लेखक द्वारा नवाब साहब से बातचीत के प्रति कोई उत्साह ना दिखाना।
- आरंभ से ही नवाब साहब के प्रति लेखक का व्यवहार पूर्वग्रह से युक्त (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 15 2022 टर्म-II (3/2/2)

'लखनवी अंदाज़' पाठ के लेखक ने सेकंड क्लास के डिब्बे का टिकट क्यों लिया?

आदर्श उत्तर

लेखक ने सेकंड क्लास का टिकट इसलिए लिया कि वह भीड़ से बचकर एकांत में अपनी नई कहानी के बारे में सोच सके और खिड़की से बाहर के प्राकृतिक दृश्यों का आनंद ले सके।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- भीड़ से बचकर एकांत में नयी कहानी के बारे में सोचने के लिए
- खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए

प्रश्न 16 2022 टर्म-II (3/2/2)

इच्छा होते हुए भी लेखक और नवाब साहब दोनों के खीरा न खाने का कारण 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए।

आदर्श उत्तर

लेखक ने पहली बार नवाब साहब का भाव-परिवर्तन अच्छा न लगने से औपचारिकतावश और दूसरी बार अपने आत्मसम्मान की खातिर खीरा नहीं खाया। नवाब साहब ने अपने झूठे नवाबी अहं और ठाठ-बाट के दिखावे के कारण खीरा नहीं खाया; उन्हें लेखक के सामने साधारण वस्तु खाने में संकोच था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

लेखक का खीरा न खाने का कारण –

- पहली बार नवाब साहब का भाव परिवर्तन अच्छा नहीं लगा इसलिए औपचारिकता का निर्वाह करते हुए मना कर दिया। /
- दूसरी बार अपने आत्मसम्मान की खातिर

नवाब साहब द्वारा खीरा न खाने का कारण –

- नवाबी ठाठ-बाट के दिखावे के कारण /
- लेखक की उपस्थिति में खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाने में संकोच के कारण /
- अपने झूठे नवाबी अहं के कारण

प्रश्न 17 2022 टर्म-II (3/2/3)

'नवाबी नस्ल' से आप क्या समझते हैं? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

आदर्श उत्तर

'नवाबी नस्ल' से तात्पर्य उन लोगों से है जो अपने ही अहं में डूबे रहते हैं और स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ तथा अधिक सभ्य समझते हैं। उनकी शिष्टता बनावटी होती है और वे झूठी शान के दिखावे में जीते हैं, जैसे पाठ के नवाब साहब।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- अपने ही अहं में डूबे रहने वाले
- बनावटी शिष्टता
- स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ एवं अधिक सभ्य समझने वाला (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (अन्य संदर्भगत उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 18 2022 टर्म-II (3/2/3)

लेखक को देखकर नवाब साहब असहज क्यों हो गए? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

नवाब साहब को सेकंड क्लास में यात्रा करते और खीरे जैसी सामान्य वस्तु के साथ देखे जाने का संकोच हुआ; इससे उनकी झूठी शान को चोट पहुँची। लेखक के आ जाने से उनके एकांत में बाधा पड़ने की आशंका भी थी, इसलिए वे असहज हो गए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- द्वितीय श्रेणी में यात्रा करते देखे जाने का संकोच (झूठी शान पर चोट)
- खीरे जैसी सामान्य वस्तु के साथ देखे जाने का संकोच
- एकांत चिंतन में बाधा पड़ने की आशंका (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 19 2022 टर्म-II (3/3/1)

लेखक को नवाब साहब का मौन रहना और बातें करना दोनों ही अच्छा नहीं लग रहा था, क्यों? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

नवाब साहब के मौन रहने से लेखक को उनका अहंकार और उपेक्षापूर्ण व्यवहार झलकता था। जब वे बातें करने लगे तो लेखक को उसमें औपचारिकता का दिखावा और शराफ़त का ढोंग प्रतीत हुआ। इसलिए उसे दोनों ही बातें अच्छी नहीं लगीं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

नवाब साहब के मौन से लेखक को प्रतीत हो रहा था:

- अहंकार
- उपेक्षापूर्ण व्यवहार

नवाब साहब की बातों से लेखक को प्रतीत हो रहा था:

- औपचारिकता का दिखावा
- शराफ़त का ढोंग

प्रश्न 20 2022 टर्म-II (3/3/1)

'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब ने लेखक को खीरे की क्या विशेषता बताई और क्या वह सही थी?

आदर्श उत्तर

नवाब साहब ने बताया कि लखनऊ का बालम खीरा बहुत लज़ीज़ अर्थात स्वादिष्ट होता है, पर आसानी से पचता नहीं और मेदे पर बोझ डाल देता है। पाठ के अनुसार खीरे की ये विशेषताएँ सही थीं, यद्यपि इन्हें न खाने का बहाना बनाया गया था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

विशेषताएँ –

- लखनऊ का बालम खीरा
- स्वादिष्ट होता है। /
- आसानी से नहीं पचता। /

– पाठ के अनुसार खीरे की विशेषताएँ सही थीं।

प्रश्न 21 2022 टर्म-II (3/3/2)

बड़े जतन से खीरा खाने की तैयारी के बावजूद भी नवाब साहब ने खीरा क्यों नहीं खाया? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

लेखक ने खीरा खाने से इनकार कर दिया था और नवाब साहब को उसके सामने खीरे जैसी साधारण वस्तु खाने में संकोच हो रहा था। अपने अहं को बचाने और झूठी नवाबी शान का प्रदर्शन करने के लिए उन्होंने खीरे की फाँकें सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक दीं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- लेखक द्वारा खीरा खाने से इंकार
- लेखक की उपस्थिति में खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाने में संकोच
- झूठी नवाबी शान का प्रदर्शन
- अपने अहं को बचाने के लिए (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 22 2022 टर्म-II (3/3/2)

नवाब साहब द्वारा किया गया सहसा अभिवादन लेखक को अच्छा नहीं लगने के क्या कारण रहे होंगे? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

अभिवादन मिलते ही किया जाता है; नवाब साहब ने पहले अरुचि दिखाई और बाद में अचानक अभिवादन किया, जिसका कोई औचित्य नहीं था। लेखक को उनके इस भाव-परिवर्तन में दिखावा और औपचारिकता लगी। साथ ही नवाब साहब के प्रति उसका पूर्वग्रह भी था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- अभिवादन सदैव मिलते ही होता है, अरुचि के प्रदर्शन के पश्चात अभिवादन का कोई औचित्य नहीं
- भाव-परिवर्तन में दिखावा और औपचारिकता
- नवाब साहब के प्रति लेखक का पूर्वग्रह (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 23 2022 टर्म-II (3/3/3)

क्या सेकंड क्लास में बैठकर लेखक अपनी नई कहानी के बारे में सोच पाया? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

लेखक डिब्बे में एकांत नहीं पा सका; वह नवाब साहब के क्रियाकलापों और बातों में उलझा रहा, इसलिए पहले से सोची कहानी पर विचार नहीं कर पाया। फिर भी नवाब साहब के साथ के अनुभवों ने ही उसे 'नई कहानी' का विषय दे दिया; इस दृष्टि से वह सफल रहा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ –

संभवतः हाँ, सोच पाने में सफल

- नवाब साहब के साथ के अनुभवों एवं घटनाओं को कहानी का रूप देना संभवतः नहीं।
- नवाब साहब के क्रियाकलापों और बातों में उलझ गए

प्रश्न 24 2022 टर्म-II (3/3/3)

'लखनवी अंदाज़' पाठ में लेखक की जगह यदि आप होते तो नवाब साहब के साथ कैसा व्यवहार करते? तर्कपूर्ण उत्तर लिखिए।

आदर्श उत्तर

लेखक की जगह यदि मैं होता तो सहयात्री के नाते स्वयं अभिवादन की पहल करता और उनसे बातचीत का प्रयास करता। खीरा खाने का आग्रह विनम्रता से स्वीकार कर लेता, क्योंकि सहज और मैत्रीपूर्ण व्यवहार से ही दूसरे का संकोच दूर होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ –

- अभिवादन की पहल करते। / उपेक्षा कर देते।
- संगति के प्रति उत्साह दिखाते। / अपने काम से काम रखते।
- सहयात्री के साथ बातचीत का प्रयास करते। / नयी कहानी के कथानक पर ध्यान देते।

प्रश्न 25 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'लखनवी अंदाज़' पाठ में लेखक ने नवाब साहब की किस प्रकार की सनक का परिचय दिया है? ऐसी सनक के क्या-क्या परिणाम हो सकते हैं? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक ने नवाब साहब की झूठी नवाबी शान की सनक का परिचय दिया है – उन्होंने खीरे खरीदे, खाने की पूरी तैयारी की और केवल सूँघकर फेंक दिए। ऐसी सनक से खाने की बर्बादी होती है, व्यक्ति स्वयं भूखा रहकर अपना ही नुकसान करता है और दूसरों की नज़र में हास्यास्पद बनता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- झूठी नवाबी शान की सनक; (खीरा खरीदना, खाने की पूरी तैयारी करना और सूँघकर फेंक देना) (प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)

उदाहरणार्थ - खाने की बर्बादी, ऐसी सनक से अपना नुकसान

प्रश्न 26 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए कि नवाब साहब को खीरे खाने की तैयारी करते देख लेखक ने क्या सोचा? उसके मन में कौन-सी इच्छा जगी और नवाब साहब के पूछने पर उसने खाने से क्यों मना कर दिया?

आदर्श उत्तर

लेखक ने सोचा कि वैसे तो ये नवाब बनते हैं, पर खीरे जैसी साधारण वस्तु खा रहे हैं। नमक-मिर्च लगी फाँकों की खुशबू से उसके मुँह में पानी आ गया और खाने की इच्छा जगी। फिर भी वह पहले मना कर चुका था, इसलिए आत्मसम्मान निभाने के लिए उसने इनकार कर दिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- वैसे तो नवाब बनते हैं लेकिन खीरे जैसी साधारण वस्तु को खा रहे हैं;
- लेखक को खीरे की खुशबू से खाने की इच्छा जगी;
- आत्मसम्मान निभाने के लिए मना कर दिया।

प्रश्न 27 2023 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'नवाब साहब ने खीरे बाहर फेंक दिए-' आपकी दृष्टि में उनका यह व्यवहार कहाँ तक उचित है?

आदर्श उत्तर

मेरी दृष्टि में नवाब साहब का यह व्यवहार उचित नहीं है। भोज्य पदार्थ को केवल झूठी शान के दिखावे के लिए व्यर्थ कर देना अनुचित है। खीरा खाने योग्य था; उसे फेंकने से उनकी शान नहीं बढ़ी, बल्कि उनका बनावटीपन ही प्रकट हुआ।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य उदाहरणार्थ;

- भोज्य पदार्थ को व्यर्थ करना अनुचित

अथवा

- शानोशौकत का दिखावा अभिजात्य संस्कृति का अभिन्न अंग

प्रश्न 28 2023 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'झूठी शान और दिखावे से अपना व्यक्तित्व ही धूमिल पड़ता है।' इस कथन को 'लखनवी अंदाज़' कहानी के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

नवाब साहब की झूठी शान के कारण लेखक के मन में उनके प्रति सम्मान कम हो गया; उसने उनसे दूरी बना ली और खीरा खाने का आग्रह स्वीकार नहीं किया। दिखावे के कारण नवाब साहब स्वाभाविक व्यवहार न कर सके और इच्छा होते हुए भी स्वयं खीरा नहीं खा पाए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- सम्मान में कमी आना - जैसे नवाब साहब के प्रति लेखक के व्यवहार में आई।
- दूसरों द्वारा दूरी बना लेना - जैसे यात्रा के दौरान लेखक द्वारा खीरे खाने का आग्रह स्वीकार न करना।
- पूर्वग्रह आधारित धारणाएँ बना लेना - जैसे लेखक ने नवाब साहब के प्रति बहुत सारे पूर्वग्रह बना लिए।
- स्वाभाविक व्यवहार न कर कर सकना - नवाब साहब झूठी शान में स्वयं भी खीरे न खा सके। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 29 2023 (3/6/1)

नवाब साहब की झूठी शानों-शौकत और घमंड भरे व्यवहार को देखकर लेखक ने उनके साथ किस प्रकार का व्यवहार किया? 'लखनवी-अंदाज़' पाठ के आधार पर इसे साबित कीजिए।

आदर्श उत्तर

नवाब साहब के घमंड भरे व्यवहार को देखकर लेखक ने उनसे बातचीत की कोई उत्सुकता नहीं दिखाई और आँखें चुराकर खिड़की से बाहर देखता रहा। उसने खीरा खाने की उनकी पेशकश भी ठुकरा दी और शिष्टाचार की औपचारिकता तक नहीं निभाई।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- बातचीत की उत्सुकता नहीं दिखाई
- खीरा खाने की पेशकश ठुकरा दी
- शिष्टाचार की औपचारिकता नहीं निभाई (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 30 2024 (3/2/1)

'लखनवी अंदाज' पाठ के लेखक को ऐसा क्यों लगा कि उनकी उपस्थिति ने नवाब साहब को असहज कर दिया?

आदर्श उत्तर

लेखक के डिब्बे में आते ही नवाब साहब की आँखों में असंतोष और चेहरे पर विघ्न तथा अप्रसन्नता का भाव दिखाई दिया। उन्होंने संगति के लिए कोई उत्साह नहीं दिखाया। इसी से लेखक को लगा कि उसकी उपस्थिति ने उन्हें असहज कर दिया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- नवाब साहब की आँखों में असंतोष दिखना
- नवाब साहब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना
- लेखक का खिड़की के बाहर देखने लगना
- उनके चेहरे पर विघ्न और अप्रसन्नता दिखना

प्रश्न 31 2024 (3/2/2)

नवाब साहब और लेखक दोनों की इच्छा खीरा खाने की थी फिर भी उन्होंने खीरा क्यों नहीं खाया?

आदर्श उत्तर

नवाब साहब को खीरे जैसी साधारण वस्तु खाते देखे जाने का संकोच था और लेखक ने उनका निमंत्रण अस्वीकार कर दिया था, इसलिए उन्होंने नहीं खाया। लेखक आत्मसम्मान निबाहना चाहता था; एक बार मना करके फिर स्वीकार करने में उसे संकोच था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी नवाब साहब और लेखक, दोनों के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

नवाब साहब

- खीरे जैसी साधारण वस्तु को खाते देखे जाने का संकोच
- खीरे को खाने के निमंत्रण को लेखक द्वारा अस्वीकार करना लेखक के संदर्भ
- आत्मसम्मान निबाहने का प्रयास
- एक बार मना करके स्वीकार करने का संकोच

प्रश्न 32 2024 (3/2/3)

क्या आप 'लखनवी अंदाज' के लेखक के इस बात से सहमत हैं कि बिना विचार, घटना और पात्रों के सिर्फ़ इच्छा मात्र से कहानी की रचना संभव है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

मैं इससे सहमत नहीं हूँ। किसी भी कहानी के लिए कोई-न-कोई विचार, घटना और पात्र आवश्यक होते हैं; इनके बिना कहानी खड़ी नहीं हो सकती। लेखक ने यह बात नई कहानी के लेखकों पर व्यंग्य करते हुए कही है, जैसे नवाब साहब खीरे को सूँघकर ही पेट भरने का दिखावा करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर देते हुए लिखेंगे कि वे सहमत है या असहमत, जैसे –

- संभव है: क्योंकि अनेक कहानियों को पढ़कर लगता है कि वे बिना विचार आदि के लिखी गई है।
- संभव नहीं है: क्योंकि किसी भी कहानी के लिए विचार, घटना, पात्र आदि की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 33 2024 (3/3/1)

'लखनवी अंदाज़' पाठ में 'लेखक नवाब साहब के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रसित थे।' - इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक नवाब साहब से पूरी तरह अपरिचित था, फिर भी उसने उन्हें देखते ही धारणा बना ली कि वे खीरे जैसी साधारण वस्तु के साथ और सेकंड क्लास में सफ़र करते देखे जाने के संकोच में होंगे। बिना जाने किसी के बारे में ऐसी धारणा बना लेना ही पूर्वग्रह है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में एक उपयुक्त बिंदु लिखकर भाव स्पष्ट करेंगे जैसे –

- अपरिचित होने के बावजूद लेखक द्वारा मात्र देखकर नवाब साहब के प्रति निम्नलिखित धारणाएँ बना लेना उनका पूर्वग्रह
- वे खीरे के साथ देखे जाने के संकोच में होंगे।
- वे मध्यम दर्जे में सफ़र करता देखे जाने के संकोच में होंगे।

प्रश्न 34 2024 (3/3/2)

'लखनवी अंदाज़' पाठ का लेखक, डिब्बे में नवाब साहब की उपस्थिति से असहज क्यों हो गया?

आदर्श उत्तर

लेखक का अनुमान था कि डिब्बा खाली होगा, पर वहाँ नवाब साहब बैठे थे, जिससे उसके एकांत-चिंतन और कहानी के बारे में सोचने की योजना में बाधा पड़ी। नवाब साहब की आँखों में असंतोष था और उन्होंने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया; इससे लेखक असहज हो गया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दो उपयुक्त कारण लिखेंगे, जैसे –

- नवाब साहब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना
- नवाब साहब की आँखों में असंतोष दिखाई देना
- अनुमान के विपरीत डिब्बे में नवाब साहब की उपस्थिति
- लेखक की पूर्व निर्धारित योजनाओं (एकांत चिंतन, कहानी के बारे में विचार आदि) में बाधा

प्रश्न 35 2024 (3/3/3)

'लखनवी अंदाज़' पाठ में लेखक किन विशेष कारणों से सेकेंड क्लास में यात्रा करने का निर्णय लेता है? क्या वह अपने उद्देश्य में सफल हो पाता है? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक भीड़भाड़ से बचकर एकांत में नई कहानी के बारे में सोचना और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखना चाहता था; यात्रा भी कम दूरी की थी। वह अपने उद्देश्य में सफल नहीं हो पाया, क्योंकि डिब्बे में नवाब साहब पहले से थे और लेखक का ध्यान उन्हीं के व्यवहार में उलझा रहा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दा उपयुक्त कारण लिखेंगे, जैसे–

- एकांत में नई कहानी के बारे में सोचना
- प्राकृतिक दृश्य देखने की इच्छा
- भीड़भाड़ से बचना
- कम दूरी की यात्रा

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 36 **2025** (3/1/2)

'लखनवी अंदाज़' के दोनों पात्र नवाबी संस्कृति के ही प्रतिनिधि हैं - उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

आदर्श उत्तर

नवाब साहब और लेखक दोनों संभ्रांत वर्ग के हैं; दोनों औपचारिकतापूर्ण व्यवहार करते हैं। दोनों में झूठा आत्मसम्मान है – नवाब संगति का उत्साह नहीं दिखाते तो लेखक भी आँखें चुरा लेता है। दोनों दिखावे में विश्वास रखते हैं – लेखक इच्छा होते हुए भी पेशकश ठुकराता है और नवाब शान के लिए खीरा सूँघकर फेंक देते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं उत्तर लिखेंगे-

- झूठा आत्मसम्मान: नवाब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना और लेखक का भी आत्मसम्मान में आँखें चुरा लेना
- संभ्रांत वर्ग से होना: औपचारिकतापूर्ण व्यवहार और परिष्कृत लखनवी भाषा का प्रयोग
- शिष्टाचार का पालन करना: नवाब साहब द्वारा खीरा खाने के बारे में पूछना और लेखक का विनम्रता से मना करना
- दिखावे में विश्वास रखना: लेखक द्वारा नवाब साहब की पेशकश को ठुकरा देना, नवाब साहब द्वारा अपनी शान बनाए रखने के लिए खीरा खाने की बजाय सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक देना (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 37 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'लखनवी अंदाज़'? के दोनों पात्र - नवाब साहब और लेखक मूलत: एक समान सफ़ेदपोश सज्जन हैं। - इस कथन को उदाहरण सहित सत्य सिद्ध कीजिए।

आदर्श उत्तर

दोनों पात्र संभ्रांत वर्ग के हैं और परिष्कृत भाषा तथा औपचारिक शिष्टाचार का पालन करते हैं। दोनों में झूठा आत्मसम्मान और दिखावा है – नवाब साहब शान बनाए रखने के लिए खीरा सूँघकर फेंक देते हैं और लेखक मुँह में पानी आने पर भी उनकी पेशकश ठुकरा देता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- संभ्रांत वर्ग से होना: औपचारिकतापूर्ण व्यवहार और परिष्कृत लखनवी भाषा का प्रयोग
- शिष्टाचार का पालन करना: नवाब साहब द्वारा खीरा खाने के बारे में पूछना और लेखक का विनम्रता से मना करना
- झूठा आत्मसम्मान: नवाब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना और लेखक का भी आत्मसम्मान में आँखें चुरा लेना
- दिखावे में विश्वास रखना: लेखक द्वारा नवाब साहब की पेशकश को ठुकरा देना, नवाब साहब द्वारा अपनी शान बनाए रखने के लिए खीरा खाने के बजाय सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक देना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 38 **2025** (3/3/1)

. 'लखनवी अंदाज़' पाठ नवाबी संस्कृति की परतों को खोलकर रख देता है, कैसे? सोदाहरण समझाइए।

आदर्श उत्तर

पाठ दिखाता है कि नवाबी संस्कृति बनावटी जीवन-शैली और दिखावे पर टिकी है। दोनों पात्र एक-दूसरे से स्वयं को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं; खीरे को तुच्छ मानकर उसे खाने से हिचकते हैं। नवाब साहब तो खीरे की सुगंध और स्वाद की कल्पना मात्र से तृप्त होने का नाटक करके उसे फेंक देते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में नवाबी संस्कृति को स्पष्ट करते हुए कोई एक उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे-

नवाबी संस्कृति: बनावटी जीवनशैली और दिखावा;
उदाहरण:

- दोनों पात्रों द्वारा किया जा रहा दिखावे भरा व्यवहार जैसे - खीरे को तुच्छ मानना, खीरा खाने से हिचकना, खीरे को फेंकना
- एक - दूसरे से स्वयं को बढ़ा - चढ़ा कर दिखाना
- नवाब साहब द्वारा खीरे की सुगंध और कल्पना मात्र से तृप्ति का अनुभव करना

प्रश्न 39 **2025** (3/3/3)

'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लखनऊ की नवाबी संस्कृति की कोई दो विशेषताएँ सोदाहरण लिखिए।

आदर्श उत्तर

नवाबी संस्कृति की पहली विशेषता झूठे आत्मसम्मान का दंभ है – नवाब साहब लेखक को अनदेखा करते हैं और लेखक भी नज़रें चुरा लेता है। दूसरी विशेषता बनावटी जीवन-शैली और दिखावा है – खीरे को तुच्छ मानना, खाने से हिचकना और केवल सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक देना।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई दो उपयुक्त विशेषताएँ लिखेंगे-

- स्वयं को श्रेष्ठ मानने की प्रवृत्ति – लेखक और नवाब साहब दोनों का स्वयं को श्रेष्ठ दिखाना
- झूठे आत्मसम्मान का दंभ – नवाब साहब द्वारा लेखक को अनदेखा किया जाना और लेखक द्वारा भी नज़रें चुराना
- बनावटी जीवनशैली और दिखावा – दोनों पात्रों द्वारा किया जा रहा दिखावे भरा व्यवहार जैसे- खीरे को तुच्छ मानना, खीरा खाने से हिचकना, खीरे को

  केवल सूँघकर फेंकना

प्रश्न 40 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक का नवाब साहब के प्रति आरंभ से अंत तक व्यवहार अकड़ से भरा क्यों रहा?

आदर्श उत्तर

लेखक के डिब्बे में आने पर नवाब साहब ने उसे अनदेखा किया और बातचीत की कोई उत्सुकता नहीं दिखाई। उनके इस उपेक्षापूर्ण व्यवहार से लेखक के आत्मसम्मान को ठेस पहुँची। अपने आत्मसम्मान की रक्षा के प्रयास में ही उसका व्यवहार अंत तक अकड़ से भरा रहा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- लेखक के डिब्बे में आने पर नवाब साहब द्वारा अनदेखा किया जाना
- लेखक से बातचीत की उत्सुकता न दिखाना

- लेखक के प्रति नवाब साहब का उपेक्षापूर्ण व्यवहार
- लेखक द्वारा आत्मसम्मान की रक्षा का प्रयास

प्रश्न 41 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'ताजे खीरे की फाँकों को देखकर लेखक के मुँह में पानी आ रहा था, फिर भी उन्होंने नवाब साहब के खीरा खाने के आग्रह को ठुकरा दिया।' लेखक के ऐसे व्यवहार का कारण लिखिए।

आदर्श उत्तर

नवाब साहब के पहली बार आग्रह करने पर लेखक इनकार कर चुका था। अब दोबारा आग्रह स्वीकार कर लेने से उसका आत्मसम्मान घटता, इसलिए अपने इनकार पर अंत तक कायम रहकर उसने आत्मसम्मान बचाए रखने की कोशिश की।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई एक उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- पहली बार नवाब साहब द्वारा खीरा खाने का आग्रह किए जाने पर इंकार कर देने के कारण
- अपने इंकार की बात पर अंत तक कायम रहकर अपने आत्मसम्मान को बचाए रखने की कोशिश के कारण (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 42 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

किस आधार पर यह कहा जा सकता है कि 'लखनवी अंदाज़' पाठ में नवाब साहब खीरे के साथ देखे जाने पर ही असहज हो गए थे?

आदर्श उत्तर

नवाब साहब ने लेखक को देखकर संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया और उसे अनदेखा किया। बाद में उन्होंने बार-बार खीरा खाने का आग्रह किया और लेखक के इनकार करने पर तीव्र इच्छा होते हुए भी फाँकों को सूँघकर फेंक दिया। इससे स्पष्ट है कि वे खीरे के साथ देखे जाने पर असहज थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- लेखक से बार-बार खीरा खाने का आग्रह करना, लेखक द्वारा इनकार कर देने पर खाने की तीव्र इच्छा होते हुए भी खीरे की फाँकों को सूँघकर फेंक देना
- संगति के लिए उत्साह न दिखाना
- लेखक को अनदेखा करना
- एकांत-चिंतन में विघ्न का असंतोष

प्रश्न 43 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

आदर्श उत्तर

लेखक भीड़ से बचकर एकांत में अपनी नई कहानी के बारे में सोचना चाहता था और खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेना चाहता था। यात्रा अधिक दूरी की नहीं थी, इसलिए उसने सेकंड क्लास का टिकट खरीद लिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- भीड़ से बचने के लिए
- एकांत में नई कहानी के बारे में सोचने के लिए
- खिड़की से प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए
- अधिक दूरी की यात्रा न होने के कारण

प्रश्न 44 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'लखनवी अंदाज़' कहानी के पात्र नवाब साहब के व्यवहार पर आप अपने विचार लिखिए।

आदर्श उत्तर

मेरे विचार से नवाब साहब दिखावा करने वाले व्यक्ति हैं। वे सामंती समाज के प्रतीक हैं और नवाबी अकड़ से भरे हुए हैं। नज़ाकत और नफ़ासत उन्हें पसंद है, पर उनकी जीवन-शैली कृत्रिम है; झूठी शान के लिए वे खीरा तक नहीं खा पाते।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- दिखावा करने वाले
- सामंती समाज के प्रतीक
- नवाबी अकड़ से भरे हुए
- जीवन-शैली की कृत्रिमता
- नज़ाकत-नफ़ासत पसंद (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

क्षितिज • गद्य खंड

मानवीय करुणा की दिव्य चमक — सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

वर्तमान पाठ्यक्रम में नहीं

यह पाठ CBSE के 2026-27 के पाठ्यक्रम में सम्मिलित नहीं है। इसके प्रश्न 2022 (टर्म-II) के प्रश्न-पत्रों से हैं और केवल संदर्भ के लिए रखे गए हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के शीर्षक की सार्थकता तर्क सहित सिद्ध कीजिए।

आदर्श उत्तर

यह शीर्षक संक्षिप्त और सटीक है तथा पाठ की विषय-वस्तु का संकेत देता है। फ़ादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व में करुणा, मानवीयता, परोपकार और वात्सल्य की दिव्य आभा थी। शीर्षक उनकी इन्हीं विशेषताओं को सामने लाता है, इसलिए सार्थक है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- संक्षिप्त, सटीक और पाठ की विषय-वस्तु का संकेत
- फ़ादर कामिल बुल्के की विशेषताओं-करुणा, दिव्यता, मानवीयता, परोपकार, वात्सल्य आदि को सामने लाने वाला

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/1/1) हटाया गया अंश

फ़ादर कामिल बुल्के जैसे संन्यासी भी किस बात पर झुँझला जाया करते थे और क्यों? 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर कामिल बुल्के हिंदी भाषियों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा किए जाने पर झुँझला जाते थे। उन्हें हिंदी भाषा से अत्यधिक प्रेम था और वे उसे राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित देखना चाहते थे, इसलिए यह उपेक्षा उन्हें दुखी करती थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- हिंदी भाषियों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर;
- हिंदी भाषा के प्रति अत्यधिक प्रेम और सम्मान के कारण / हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की इच्छा के कारण

प्रश्न 3 2022 टर्म-II (3/1/2) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ में आई पंक्ति – 'फ़ादर धरती में जा रहे हैं। इस धरती से ऐस रत्न और पैदा हों।' का आशय स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

यह वाक्य फ़ादर बुल्के को कब्र में उतारते समय कहा गया था। इसका आशय है कि फ़ादर एक अनमोल रत्न थे। कामना की गई है कि उनके जैसे मानवीय करुणा से परिपूर्ण, परोपकारी और निःस्वार्थ कल्याण-भावना वाले व्यक्ति इस धरती पर बार-बार जन्म लें।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- फ़ादर बुल्के को कब्र में उतारते समय (फ़ादर पास्कल द्वारा) यह कहा गया।

- फ़ादर बुल्के जैसे मानवीय करुणा से परिपूर्ण, परोपकारी, निस्वार्थ कल्याण-भावना से युक्त व्यक्ति इस धरती पर बार-बार पैदा हों।

प्रश्न 4 **2022 टर्म-II** (3/1/2) हटाया गया अंश

फ़ादर कामिल बुल्के ने संन्यास लेते समय क्या शर्त रखी और क्यों?

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर बताइए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर कामिल बुल्के ने संन्यास लेते समय भारत जाने की शर्त रखी थी। उनके मन में भारत आने की तीव्र इच्छा थी और संन्यास ग्रहण करने वाले को शर्त रखने का अधिकार था, इसलिए उनकी यह शर्त मान ली गई।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- भारत जाने की शर्त रखी;
- उनके मन में भारत जाने की तीव्र इच्छा थी। /
- संन्यास ग्रहण करने वाले को शर्त रखने का अधिकार था।

प्रश्न 5 **2022 टर्म-II** (3/1/3) हटाया गया अंश

लेखक को फ़ादर कामिल बुल्के अपने बड़े भाई और पुरोहित दोनों ही प्रतीत होते थे, क्यों? 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर का लेखक और उसके परिवार के प्रति गहरा वात्सल्य था। वे मिलने पर सुख-दुख के बारे में आत्मीयता से पूछते, हँसी-मज़ाक में शामिल होते और रचनाओं पर बेबाक राय देते थे; इसलिए बड़े भाई जैसे लगते थे। लेखक के बेटे के मुख में पहली बार अन्न डालने और आशीष देने के कारण वे पुरोहित जैसे थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- लेखक और उसके परिवार के प्रति फ़ादर का वात्सल्य भाव
- मिलने पर निजी सुख-दुख के विषय में आत्मीयता से पूछना
- हँसी-मज़ाक में शामिल होना
- लेखक व 'परिमल' के अन्य लेखकों की रचनाओं पर बेबाक राय देना
- लेखक के बेटे के मुख में उनके द्वारा पहली बार अन्न डालना
- सबके प्रति कल्याण-भाव, आशीष देना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 6 **2022 टर्म-II** (3/1/3) हटाया गया अंश

फ़ादर कामिल बुल्के की जन्मभूमि कहाँ थी और उसकी क्या विशेषता थी?

आदर्श उत्तर

फ़ादर कामिल बुल्के की जन्मभूमि बेल्जियम का रेम्सचैपल शहर थी। उसकी विशेषता यह थी कि वह बहुत सुंदर थी; वहाँ गिरजों, पादरियों, धर्मगुरुओं और संतों की भरमार थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- रेम्सचैपल (बेल्ज़ियम में);
- बहुत सुंदर थी।

प्रश्न 7 **2022 टर्म-II** (3/2/1) हटाया गया अंश

फ़ादर कामिल बुल्के द्वारा भारत को ही अपनी कर्मभूमि चुनने का कारण 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर बुल्के के मन में भारत आने की गहरी चाह थी। भारतीय संस्कृति के प्रति उनके मन में सहज आकर्षण और जिज्ञासा का भाव था तथा हिंदी भाषा और साहित्य से उन्हें गहरा लगाव था। इसी कारण उन्होंने भारत को अपनी कर्मभूमि चुना।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- मन में चाह
- भारतीय संस्कृति के प्रति सहज आकर्षण एवं जिज्ञासा का भाव
- हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति गहरा लगाव (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 **2022 टर्म-II** (3/2/1) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर लिखिए कि फ़ादर कामिल बुल्के की मृत्यु से बहुत बड़ी संख्या में लोग शोक-संतप्त क्यों हुए?

आदर्श उत्तर

फ़ादर में करुणा, वात्सल्य, सहानुभूति और संवेदनशीलता जैसे मानवीय गुण थे। वे सबके सुख-दुख में शामिल होते और जिससे संबंध बनाते, उसे आजीवन निभाते थे। संकीर्णताओं से ऊपर उठकर सबका कल्याण चाहने के कारण उनकी मृत्यु पर बहुत बड़ी संख्या में लोग शोक-संतप्त हुए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- फ़ादर में दूसरों के प्रति संवेदनशीलता, करुणा, वात्सल्य, सहानुभूति आदि मानवीय गुणों के कारण
- दूसरों के सुख-दुख में हमेशा शामिल होने, संबंध बनाने और आजीवन निर्वाह करने के उनके स्वभाव के कारण
- संकीर्णताओं से ऊपर उठकर सबके प्रति कल्याणभाव एवं सहृदयता के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 9 **2022 टर्म-II** (3/2/2) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर फ़ादर कामिल बुल्के का अपने शब्दों में रेखाचित्र प्रस्तुत कीजिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर कामिल बुल्के का कद लंबा और रंग गोरा था। उनकी भूरी दाढ़ी में हल्की सफ़ेदी थी और नीली आँखें वात्सल्य से भरी रहती थीं। वे पादरी का सफ़ेद चोगा पहनते थे। उनका व्यक्तित्व ममता, अपनत्व, मानवीय करुणा और परोपकार से ओतप्रोत था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- लंबा कद, गोरा रंग, हल्की सफ़ेदी लिए भूरी दाढ़ी, वात्सल्य से भरी नीली आँखें
- पादरी के सफ़ेद चोगे से ढका शरीर
- ममता और अपनत्व से भरा व्यक्तित्व

- मानवीय करुणा, संवेदनशीलता, परोपकार आदि गुणों से ओतप्रोत (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 10 **2022 टर्म-II** (3/2/2) हटाया गया अंश

'फ़ादर कामिल बुल्के को ज़हरबाद से नहीं मरना चाहिए था' –

लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक के अनुसार फ़ादर के हृदय में दूसरों के लिए स्नेह और अपनत्व की असीम मिठास भरी थी; ऐसे व्यक्ति की ज़हरबाद जैसे कष्टदायक रोग से मृत्यु उचित नहीं थी। ईश्वर में अटूट आस्था रखने वाले और सबको अमृत-सा प्रेम बाँटने वाले व्यक्ति की इतनी यातनापूर्ण मृत्यु न्यायसंगत नहीं लगती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- जिसके हृदय में दूसरों के प्रति स्नेह और अपनत्व की असीम मिठास भरी हो, उसकी ज़हरबाद जैसे कष्टदायक रोग से मृत्यु उचित नहीं
- ईश्वर में आस्था और विश्वास रखने वाले व्यक्ति की इतनी यातनापूर्ण मृत्यु न्यायसंगत नहीं

प्रश्न 11 **2022 टर्म-II** (3/2/3) हटाया गया अंश

'फ़ादर कामिल बुल्के का सान्निध्य लेखक के लिए सुखद अनुभूति थी।' कथन का आशय 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर लेखक को बड़े भाई और पुरोहित की भाँति लगते थे; वे हर सुख-दुख में साथ खड़े होते और आशीष देते थे। पत्नी और पुत्र की मृत्यु जैसे दुख में उनके सांत्वना भरे शब्दों से लेखक को शांति मिली। उनकी उपस्थिति उसे नया उत्साह, आत्मविश्वास और ऊर्जा देती थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- फ़ादर लेखक को बड़े भाई और पुरोहित की भाँति लगते थे जो हर सुख-दुख में उनके साथ खड़े होते, उनका संबल बनते, उन्हें आशीष देते थे।
- दुख में फ़ादर के सांत्वना भरे शब्दों से लेखक को शांति मिलती थी। (जैसे पत्नी और पुत्र की मृत्यु पर)
- फ़ादर की उपस्थिति से लेखक को नया उत्साह, आत्मविश्वास और ऊर्जा मिलती थी।

प्रश्न 12 **2022 टर्म-II** (3/2/3) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ से क्या संदेश मिलता है?

अपने शब्दों में समझाइए।

आदर्श उत्तर

यह पाठ कर्मठता और कर्त्तव्यों के प्रति अटूट निष्ठा का संदेश देता है। यह सिखाता है कि हम करुणा, प्रेम और ममता जैसे मानवीय गुणों को अपनाएँ, संकीर्णताओं से ऊपर उठकर सबके प्रति कल्याणपूर्ण आचरण करें तथा अपनी भाषा, साहित्य और संस्कृति से प्रेम करें।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कर्मठता / कर्त्तव्यों के प्रति अटूट निष्ठा का संदेश

- करुणा, प्रेम, ममता आदि मानवीय गुणों के प्रसार का संदेश
- संकीर्णताओं से ऊपर उठकर सबके प्रति कल्याणपूर्ण एवं सहानुभूतिपूर्ण आचरण का संदेश
- भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति प्रेम का संदेश (अन्य संदर्भगत उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य। कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 13 **2022 टर्म-II** (3/3/1) हटाया गया अंश

'फ़ादर कामिल बुल्के जन्म से तो नहीं पर मन से भारतीय थे।' 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर बुल्के बेल्जियम में जन्मे थे, पर उन्होंने भारत को अपनी कर्मभूमि बनाया और यहाँ के जनजीवन में पूरी तरह रच-बस गए। उन्होंने हिंदी और संस्कृत पढ़ी, रामकथा पर शोध किया और हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया। इस प्रकार वे मन से भारतीय थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- विदेशी होते हुए भी भारत को कर्मभूमि बनाना
- भारतीय जनजीवन में रच बस जाना
- हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 14 **2022 टर्म-II** (3/3/1) हटाया गया अंश

फ़ादर कामिल बुल्के ने हिन्दी साहित्य को कैसे समृद्ध किया?

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित लिखिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर बुल्के ने 'रामकथा : उत्पत्ति और विकास' पर शोध-प्रबंध लिखा और प्रसिद्ध 'अंग्रेज़ी-हिंदी कोश' तैयार किया। उन्होंने 'ब्लू बर्ड' का 'नील पंछी' नाम से तथा बाइबिल का हिंदी अनुवाद किया। वे 'परिमल' के सक्रिय सदस्य और राँची के सेंट जेवियर्स कॉलेज में हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- हिंदी भाषा में अध्ययन एवं शोध-कार्य
- शोध प्रबंध - 'राम कथा: उत्पत्ति और विकास'
- इलाहाबाद में हिंदी-साहित्यिकों के समूह 'परिमल' के सक्रिय सदस्य
- बहुत सारी पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद जैसे, 'ब्लू बर्ड' का 'नील पंछी' के नाम से हिंदी अनुवाद, 'बाइबिल' का अनुवाद।
- सेंट जेवियर्स कॉलेज, राँची में हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष।
- 'अंग्रेज़ी हिंदी कोश' का निर्माण
- हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हरसंभव प्रयास। (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 15 **2022 टर्म-II** (3/3/2) हटाया गया अंश

'फ़ादर कामिल बुल्के को हिंदी भाषा से लगाव था।' 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर ने हिंदी में अध्ययन करके 'रामकथा : उत्पत्ति और विकास' पर शोध किया, 'अंग्रेज़ी-हिंदी कोश' बनाया और 'ब्लू बर्ड' तथा बाइबिल का हिंदी अनुवाद किया। वे 'परिमल' के सक्रिय सदस्य थे और हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हर संभव प्रयास करते रहे। इससे उनका हिंदी-प्रेम

स्पष्ट है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- हिंदी भाषा में अध्ययन एवं शोध-कार्य
- शोध प्रबंध 'राम कथा: उत्पत्ति और विकास'
- इलाहाबाद में हिंदी-साहित्यिकों के समूह 'परिमल' के सक्रिय सदस्य।
- बहुत सारी पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद जैसे, 'ब्लू बर्ड' का 'नील पंछी' के नाम से हिंदी अनुवाद, 'बाइबिल' का अनुवाद
- सेंट जेवियर्स कॉलेज, राँची में हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष
- 'अंग्रेज़ी-हिंदी कोश' का निर्माण
- हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हरसंभव प्रयास (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 16 2022 टर्म-II (3/3/2) हटाया गया अंश

लेखक को ऐसा क्यों लगता था कि फ़ादर कामिल बुल्के के शब्द लोगों को कर्म के संकल्प से भर देते थे? 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर बुल्के स्वयं अपने कर्म के प्रति अत्यंत सजग थे। उनसे बात करने पर लोगों को काम करने की नई ऊर्जा मिलती थी और अपने कर्म के प्रति और अधिक दृढ़ता का भाव जागता था। इसीलिए लेखक को लगता था कि उनके शब्द कर्म के संकल्प से भर देते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- कर्म के प्रति फ़ादर बुल्के की सजगता
- उनसे बात करने पर काम करने की नई ऊर्जा
- कर्म के प्रति और अधिक दृढ़ता का भाव

प्रश्न 17 2022 टर्म-II (3/3/3) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर बताइए कि फ़ादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व की कौन-कौन-सी विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया।

आदर्श उत्तर

मुझे फ़ादर बुल्के के वात्सल्य और करुणा भरे स्वभाव ने प्रभावित किया; वे सबके सुख-दुख में सम्मिलित होते और संबंधों को आजीवन निभाते थे। विदेशी होते हुए भी हिंदी भाषा और साहित्य से उनका गहरा प्रेम भी अत्यंत प्रेरणादायक है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- हिंदी भाषा और साहित्य से प्रेम
- वात्सल्य
- संबंध बनाना व निर्वाह करना
- मानवीयता
- करुणा
- निःस्वार्थ भावना
- संवेदनशीलता

- सहृदयता
- दूसरों के सुख-दुख में सम्मिलित होना (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)

प्रश्न 18 **2022 टर्म-II** (3/3/3) हटाया गया अंश

'माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था कि लड़का हाथ से गया।' माँ ने ऐसा क्यों कहा होगा और उनकी बात किस रूप में सत्य हुई?

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

बचपन से ही दर्शन और अध्यात्म के प्रति बुल्के की गहरी रुचि देखकर माँ ने कहा होगा कि लड़का हाथ से गया। उनकी बात तब सत्य हुई जब बुल्के ने इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में पढ़ाई छोड़कर संन्यास लेने का निर्णय किया और भारत चले आए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- दर्शन और अध्यात्म के प्रति फ़ादर बुल्के की रुचि को देखते हुए माँ ने कहा होगा;
- इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में पढ़ाई छोड़ संन्यास लेने का निर्णय।

प्रश्न 19 **2022 टर्म-II** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर फ़ादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व के किन्हीं दो पहलुओं का उल्लेख कीजिए, जिनसे आप प्रभावित हैं। इस प्रभाव के उपयुक्त कारण भी स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

मैं फ़ादर बुल्के के हिंदी-प्रेम से प्रभावित हूँ, क्योंकि विदेशी होकर भी उन्होंने हिंदी को अपनाया और समृद्ध किया। उनका दूसरा पहलू वात्सल्य और करुणा है; वे सबके सुख-दुख में शामिल होते थे। ऐसी निःस्वार्थ सहृदयता आज के समय में दुर्लभ है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- हिंदी भाषा और साहित्य से प्रेम
- वात्सल्य
- संबंध बनाना व निर्वाह करना
- मानवीयता
- करुणा
- निःस्वार्थ भावना
- संवेदनशीलता
- सहृदयता
- दूसरों के सुख-दुख में शामिल (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

प्रश्न 20 **2022 टर्म-II** (3/4/1) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के लेखक और फ़ादर बुल्के के संबंध, आपकी दृष्टि में कैसे थे? इससे फ़ादर के स्वभाव के विषय में क्या कहा जा सकता है?

आदर्श उत्तर

मेरी दृष्टि में लेखक और फ़ादर बुल्के के संबंध प्रगाढ़, आत्मीय और पारिवारिक थे। इससे पता चलता है कि फ़ादर के स्वभाव में अपनत्व का भाव था; संन्यासी होते हुए भी वे लोगों से पारिवारिक संबंध जोड़ते और उन्हें आजीवन निभाते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- प्रगाढ़, आत्मीय, पारिवारिक, मैत्रीपूर्ण;
- अपनत्व का भाव, संन्यासी होते हुए भी न केवल पारिवारिक संबंध जोड़ते थे अपितु आजीवन निर्वाह भी करते थे।

प्रश्न 21 2022 टर्म-II (3/4/2) हटाया गया अंश

संन्यास लेने के बाद भी फ़ादर बुल्के अपने परिवार से किस प्रकार जुड़े हुए थे? इससे फ़ादर के स्वभाव के विषय में क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

आदर्श उत्तर

संन्यास के बाद भी फ़ादर को अपनी माँ और बहन की चिंता रहती थी। वे माँ से चिट्ठियों के माध्यम से जुड़े रहे और भारत आने के बाद दो-तीन बार घर भी गए। इससे निष्कर्ष निकलता है कि उन्हें परिवार से गहरा लगाव था; वे संकल्प से संन्यासी थे, मन से नहीं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- माता व बहन की चिंता करना / माँ के साथ चिट्ठियों के माध्यम से संपर्क में रहना / भारत आने के बाद दो-तीन बार अपने घर जाना; निष्कर्ष –
- परिवार से लगाव था / माता से स्नेह था। / वे संकल्प से संन्यासी थे मन से नहीं।

प्रश्न 22 2022 टर्म-II (3/4/3) हटाया गया अंश

'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक को ऐसा क्यों लगता है कि फ़ादर कामिल बुल्के मन से संन्यासी नहीं थे। क्या आप उससे सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में उचित तर्क दीजिए।

आदर्श उत्तर

फ़ादर का अपने परिवार और मित्रों से प्रगाढ़ संबंध था; वे माँ और बहन से संपर्क रखते और स्नेहपूर्ण संबंध बनाकर निभाते थे। इसीलिए लेखक को वे मन से संन्यासी नहीं लगते थे। मैं इससे सहमत हूँ, क्योंकि संबंधों में इस तरह बँधना परंपरागत संन्यासी के आचरण से भिन्न है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- फ़ादर का परिवार और मित्रों से प्रगाढ़ संबंध था।
- स्नेहपूर्ण संबंध बनाते और निभाते थे।
- अपनी माँ और बहन से संपर्क रखते थे। (प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) उदाहरणार्थ – सहमति –
- संबंध बनाना और निर्वाह करना संन्यासी का कार्य नहीं
- परिवार और मित्रों से पारिवारिक संबंध रखना संन्यासी के आचरण से भिन्न असहमति –
- संबंधों के निर्वाह के बावजूद निर्लिप्तता और दूरी जो कि संन्यासी का भाव
- सबके लिए एक समान करुणा-भाव, राग-द्वेष से परे

क्षितिज • गद्य खंड

एक कहानी यह भी — मन्नू भंडारी

पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

गद्यांश 1 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

चलते ही मैं दो-एक बार उनके कोप से बच गई थी। एक बार कॉलिज से प्रिंसिपल का पत्र आया कि पिता जी आकर मिलें और बताएँ कि मेरी गतिविधियों के कारण मेरे खिलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए? पत्र पढ़ते ही पिता जी आग-बबूला। 'यह लड़की' मुझे कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रखेगी... पता नहीं क्या-क्या सुनना पड़ेगा वहाँ जाकर! चार 'बच्चे पहले भी पढ़े, किसी ने ये दिन नहीं दिखाया।' गुस्से से भन्नाते हुए ही वे गए थे। लौटकर क्या कहर बरपा होगा, इसका अनुमान था, सो मैं पड़ोस की एक मित्र के यहाँ जाकर बैठ गई। माँ को कह दिया कि लौटकर बहुत कुछ गुबार निकल जाए, तब बुलाना। लेकिन जब माँ ने आकर कहा कि वे तो खुश ही हैं, चली चल, तो विश्वास नहीं हुआ। गई तो सही, लेकिन डरते-डरते। 'सारे कॉलिज की लड़कियों पर इतना रौब है तेरा... सारा कॉलिज तुम तीन लड़कियों के इशारे पर चल रहा है? प्रिंसिपल बहुत परेशान थी और बार-बार आग्रह कर रही थी कि मैं तुझे घर बिठा लूँ, क्योंकि वे लोग किसी तरह डरा-धमकाकर, डाँट-डपटकर लड़कियों को क्लासों में भेजते हैं और अगर तुम लोग एक इशारा कर दो कि क्लास छोड़कर बाहर आ जाओ तो सारी लड़कियाँ निकलकर मैदान में जमा होकर नारे लगाने लगती हैं। 'तुम लोगों के मारे कॉलिज चलाना मुश्किल हो गया है उन लोगों के लिए।' कहाँ तो जाते समय पिता जी मुँह दिखाने से घबरा रहे थे और कहाँ बड़े गर्व से कहकर आए कि यह तो पूरे देश की पुकार है... इस पर कोई कैसे रोक लगा सकता है भला?

(i) कॉलिज से प्रिंसिपल का पत्र आने पर लेखिका के पिता के क्रोध का कारण था:

(A) प्रिंसिपल के सम्मुख जाना और उनकी बातें सुनना
(B) लेखिका के कारण प्रिंसिपल के सामने लज्जित होने की आशंका
(C) लेखिका को कॉलिज से निष्कासित किए जाने की आशंका
(D) लेखिका के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की आशंका

उत्तर **(B)** लेखिका के कारण प्रिंसिपल के सामने लज्जित होने की आशंका

(ii) लेखिका पड़ोस की मित्र के यहाँ जाकर क्यों बैठ गई?

(A) मित्र के साथ गपशप करने के लिए
(B) परीक्षा की तैयारी करने के लिए
(C) कॉलिज का कार्य पूरा करने के लिए
(D) पिता के कोप से बचने के लिए

उत्तर **(D)** पिता के कोप से बचने के लिए

(iii) 'गुबार निकल जाए, तब बुलाना' -- पंक्ति का अर्थ है:

(A) हवा शांत होने पर बुलाना
(B) पिता जी के चले जाने पर बुलाना
(C) क्रोध शांत होने पर बुलाना
(D) मन प्रसन्न होने पर बुलाना

उत्तर **(C)** क्रोध शांत होने पर बुलाना

(iv) कॉलिज से लौटने पर लेखिका के पिता की प्रसन्नता का कारण था:

(A) कॉलिज की लड़कियों पर पुत्री का बढ़ता प्रभाव
(B) कॉलिज में पुत्री का किसी के नियंत्रण में न होना
(C) कॉलिज की प्रिंसिपल द्वारा पुत्री को क्षमा कर दिया जाना
(D) कॉलिज में पुत्री द्वारा नए कीर्तिमान स्थापित करना

उत्तर **(A)** कॉलिज की लड़कियों पर पुत्री का बढ़ता प्रभाव

(v) यह तो पूरे देश की पुकार है... इस पर कोई कैसे रोक लगा सकता है भला? -- गद्यांश की यह पंक्ति संकेत करती है:

(A) देश की तत्कालीन आर्थिक परिस्थितियों को
(B) देश की तत्कालीन सांस्कृतिक परिस्थितियों को
(C) देश की तत्कालीन राजनैतिक परिस्थितियों को
(D) देश की तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों को

उत्तर **(C)** देश की तत्कालीन राजनैतिक परिस्थितियों को

गद्यांश 2 **2023** (3/6/1) • **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

उस ज़माने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी ज़िंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ़्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पड़ोस-कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है। मेरी कम-से-कम एक दर्जन आरंभिक कहानियों के पात्र इसी मोहल्ले के हैं जहाँ मैंने अपनी किशोरावस्था गुज़ार अपनी युवावस्था का आरंभ किया था। एक-दो को छोड़कर उनमें से कोई भी पात्र मेरे परिवार का नहीं है। बस इनको देखते-सुनते, इनके बीच ही मैं बड़ी हुई थी लेकिन इनकी छाप मेरे मन पर कितनी गहरी थी, इस बात का अहसास तो मुझे कहानियाँ लिखते समय हुआ। इतने वर्षों के अंतराल ने भी उनकी भाव-भंगिमा, भाषा, किसी को भी धुँधला नहीं किया था और बिना किसी विशेष प्रयास के बड़े सहज भाव से वे उतरते चले गए थे। उसी समय के दा साहब अपने व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ पाते ही 'महाभोज' में इतने वर्षों बाद कैसे एकाएक जीवित हो उठे, यह मेरे अपने लिए भी आश्चर्य का विषय था... एक सुखद आश्चर्य का।

(i) भाइयों की गतिविधियों का दायरा घर के बाहर रहने और बहनों की सीमा घर होने का क्या अभिप्राय है?

(A) लड़कियों एवं लड़कों में आत्मीयता और बंधुत्व नहीं था।
(B) बाई-बहन एक साथ ज्यादा समय नहीं बिताते थे।
(C) लड़कों को पूरे संसार की आजादी थी पर लड़कियाँ घरों के दायरे में सीमित।
(D) लड़के अधिकतर मोहल्ले में भटकते थे जबकि लड़कियाँ घर में रहती थीं।

उत्तर **(C)** लड़कों को पूरे संसार की आजादी थी पर लड़कियाँ घरों के दायरे में सीमित।

(ii) 'धर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती' - से आप क्या समझते हैं?

(A) घर में आज की तरह दीवारें नहीं होती थीं।
(B) टोले-मोहल्ले को घर का हिस्सा माना जाता था।
(C) पुराने समय में घर बड़े होते थे, न कि माचिस की डिब्बियाँ।
(D) लोग खुले दिल के थे इसलिए अपने घर में अजनबियों को भी जगह देते थे।

उत्तर **(B)** टोले-मोहल्ले को घर का हिस्सा माना जाता था।

(iii) लेखिका ने अपने पात्रों के विषय में जो बताया है उसके अनुसार असत्य कथन है -

(A) उनकी आरंभिक कहानियों के पात्र बाद के जीवन से आए हैं।
(B) उनके एक-दो पात्रों को छोड़ दें तो कोई उनके परिवार से नहीं।
(C) जिस मोहल्ले में उनकी किशोरावस्था बीती वहीं से लगभग दर्जन भर पात्र लिए।
(D) आरंभिक कहानियों के पात्रों को देखते-सुनते उनके बीच ही लेखिका बड़ी हुईं।

उत्तर **(A)** उनकी आरंभिक कहानियों के पात्र बाद के जीवन से आए हैं।

(iv) 'पड़ोस कल्चर' से अलग होकर हम कैसे होते जा रहे हैं?

(A) संकुचित, असहाय और सुरक्षित
(B) संकुचित, शंकालु और असुरक्षित
(C) संकुचित, असहाय और संरक्षित
(D) संकुचित, असहाय और असुरक्षित

उत्तर **(D)** संकुचित, असहाय और असुरक्षित

(v) कहानियाँ लिखते हुए लेखिका को क्या अहसास हुआ?

(A) समय बीतने के कारण उनकी स्मृति अब क्षीण पड़ रही है।
(B) इतना समय बीतने के बाद भी उन्हें वे लोग अपने हावभाव के साथ याद थे।
(C) अपने परिचित व्यक्ति के बारे में लिखना आसान तो नहीं है।
(D) समय के अंतराल ने उनकी भाव-भंगिमा, भाषा आदि को धुँधला कर दिया था।

उत्तर **(B)** इतना समय बीतने के बाद भी उन्हें वे लोग अपने हावभाव के साथ याद थे।

(vi)

(i) वर्तमान समय में पड़ोस कल्चर के समाप्त होने का/के क्या कारण है/हैं ? इस प्रश्न के उत्तर में उचित विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए :

I. फ्लैट संस्कृति का जन्म लेना
II. अपनी ज़िंदगी खुद जीने का दबाव
III. संयुक्त परिवारों का विघटित होना
IV. पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ता प्रभाव

विकल्प :

(A) केवल I सही है
(B) केवल IV सही है
(C) I और II दोनों सही हैं
(D) II और III दोनों सही हैं

उत्तर **(C)** I और II दोनों सही हैं।

(vii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए:

कथन: परंपरागत 'पड़ोस-कल्चर' से अलग होकर हम संकुचित, असहाय और असुरक्षित बन गए हैं।
कारण: स्वायत्तता पूर्ण ज़िंदगी जीने के महानगरीय दबाव ने मनुष्य को स्वार्थी और आत्मकेन्द्रित बना दिया है।
विकल्प:

(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, परंतु कारण सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है।

(viii) (iii) लेखिका की कहानियों के पात्रों के बारे में कहा जा सकता है :

I. उनकी आरंभिक कहानियों के पात्र उनके मोहल्ले के ही थे।

II. अधिकांशत: पात्र उनके परिवार से ही आते हैं।

III. शुरू के पात्र उनकी किशोरावस्था और युवावस्था की स्मृतियों से आते हैं।

विकल्प :

(A) केवल I सही है

(B) I और II सही हैं

(C) I और III सही हैं

(D) II और III सही हैं

उत्तर **(C)** I और III सही हैं

(ix) 'घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं होने' का आशय क्या है?

(A) आस-पड़ोस के घरों से अपने घर जैसे आत्मीय संबंध।
(B) आस-पड़ोस के घरों की दीवारों का आपस में मिला-जुला होना।
(C) मोहल्ले के हर घर में आने-जाने पर पाबंदी लग जाना।
(D) मोहल्ले के अन्य घरों से निश्चित और सीमित संबंध रखना।

उत्तर **(A)** आस-पड़ोस के घरों से अपने घर जैसे आत्मीय संबंध।

(x) लेखिका के लिए भी सुखद आश्चर्य का विषय क्या था?

(A) उनके पात्र एकदम जीवंत कैसे बनते रहे।
(B) उनके समय में सब एक-दूसरे से खुलकर मिल पाते थे।
(C) आज के फ़्लैट कल्चर ने हमें किस प्रकार असहाय बना दिया है।
(D) अतीत के पात्रों का भाव-भंगिमा सहित कहानी में जीवंत हो उठना।

उत्तर **(D)** अतीत के पात्रों का भाव-भंगिमा सहित कहानी में जीवंत हो उठना।

गद्यांश 3 **2023** (3/6/2, 3/6/3) • **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

यों खेलने को हमने भाइयों के साथ गिल्ली-डंडा भी खेला और पतंग उड़ाने, काँच पीसकर माँजा सूतने का काम भी किया, लेकिन उनकी गतिविधियों का दायरा घर के बाहर ही अधिक रहता था और हमारी सीमा थी घर। हाँ, इतना ज़रूर था कि उस ज़माने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं, बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं इसलिए मोहल्ले के किसी भी घर में जाने पर कोई पाबंदी नहीं थी, बल्कि कुछ घर तो परिवार का हिस्सा ही थे। आज तो मुझे बड़ी शिद्दत के साथ यह महसूस होता है कि अपनी ज़िंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत 'पड़ोस कल्चर' से विच्छिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है। मेरी कम-से-कम एक दर्जन आरंभिक कहानियों के पात्र इसी मोहल्ले के हैं जहाँ मैंने अपनी किशोरावस्था गुजार अपनी युवावस्था का आरंभ किया था। एक-दो को छोड़कर उनमें से कोई भी पात्र मेरे परिवार का नहीं है। बस इनको देखते-सुनते, इनके बीच ही मैं बड़ी हुई थी लेकिन इनकी छाप मेरे मन

पर कितनी गहरी थी, इस बात का अहसास तो मुझे कहानियाँ लिखते समय हुआ। इतने वर्षों के अंतराल ने भी उनकी भाव-भंगिमा, भाषा, किसी को भी धुँधला नहीं किया था और बिना किसी विशेष प्रयास के बड़े सहज भाव से वे उतरते चले गए थे।

(i) भाइयों की गतिविधियों का दायरा घर के बाहर रहने और बहनों की सीमा घर होने का क्या अभिप्राय है?

(A) लड़कियों एवं लड़कों में आत्मीयता और बंधुत्व नहीं था।
(B) बाई-बहन एक साथ ज्यादा समय नहीं बिताते थे।
(C) लड़कों को पूरे संसार की आज़ादी थी पर लड़कियाँ घरों के दायरे में सीमित।
(D) लड़के अधिकतर मोहल्ले में भटकते थे जबकि लड़कियाँ घर में रहती थीं।

उत्तर **(C)** लड़कों को पूरे संसार की आज़ादी थी पर लड़कियाँ घरों के दायरे में सीमित।

(ii) 'धर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती' - से आप क्या समझते हैं?

(A) घर में आज की तरह दीवारें नहीं होती थीं।
(B) टोले-मोहल्ले को घर का हिस्सा माना जाता था।
(C) पुराने समय में घर बड़े होते थे, न कि माचिस की डिब्बियाँ।
(D) लोग खुले दिल के थे इसलिए अपने घर में अजनबियों को भी जगह देते थे।

उत्तर **(B)** टोले-मोहल्ले को घर का हिस्सा माना जाता था।

(iii) लेखिका ने अपने पात्रों के विषय में जो बताया है उसके अनुसार असत्य कथन है -

(A) उनकी आरंभिक कहानियों के पात्र बाद के जीवन से आए हैं।
(B) उनके एक-दो पात्रों को छोड़ दें तो कोई उनके परिवार से नहीं।
(C) जिस मोहल्ले में उनकी किशोरावस्था बीती वहीं से लगभग दर्जन भर पात्र लिए।
(D) आरंभिक कहानियों के पात्रों को देखते-सुनते उनके बीच ही लेखिका बड़ी हुईं।

उत्तर **(A)** उनकी आरंभिक कहानियों के पात्र बाद के जीवन से आए हैं।

(iv) 'पड़ोस कल्चर' से अलग होकर हम कैसे होते जा रहे हैं?

(A) संकुचित, असहाय और सुरक्षित
(B) संकुचित, शंकालु और असुरक्षित
(C) संकुचित, असहाय और संरक्षित
(D) संकुचित, असहाय और असुरक्षित

उत्तर **(D)** संकुचित, असहाय और असुरक्षित

(v) कहानियाँ लिखते हुए लेखिका को क्या अहसास हुआ?

(A) समय बीतने के कारण उनकी स्मृति अब क्षीण पड़ रही है।
(B) इतना समय बीतने के बाद भी उन्हें वे लोग अपने हावभाव के साथ याद थे।
(C) अपने परिचित व्यक्ति के बारे में लिखना आसान तो नहीं है।
(D) समय के अंतराल ने उनकी भाव-भंगिमा, भाषा आदि को धुँधला कर दिया था।

उत्तर **(B)** इतना समय बीतने के बाद भी उन्हें वे लोग अपने हावभाव के साथ याद थे।

(vi) लेखिका के भाइयों की गतिविधियों का दायरा घर के बाहर था, क्योंकि -

(A) उनकी गतिविधियाँ घर में संपन्न नहीं हो सकती थीं।
(B) पतंग और गिल्ली-डंडा का खेल घर से बाहर का था।
(C) घर से बाहर उनकी गतिविधियों पर कोई नियंत्रण नहीं था।

(D) पारिवारिक परंपरा के अनुसार लड़कों को बाहर खेलने की स्वतंत्रता थी।

उत्तर **(D)** पारिवारिक परंपरा के अनुसार लड़कों को बाहर खेलने की स्वतंत्रता थी।

(vii) लेखिका की गतिविधियों की सीमा घर तक ही क्यों थी?

(A) वे डरपोक स्वभाव के कारण घर की सीमा में ही रहती थीं।

(B) घर से बाहर के खेल उन्हें पसंद नहीं थे।

(C) पिताजी को लड़कियों का घर से बाहर निकलना नापसंद था।

(D) लड़कियों के लिए उस समय घर के बाहर की दुनिया सीमित थी।

उत्तर **(D)** लड़कियों के लिए उस समय घर के बाहर की दुनिया सीमित थी।

(viii)

(iii) 'पड़ोस कल्चर' के न पनपने का कारण है – इस कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए –

(I) अपनी ज़िंदगी खुद जीने का आधुनिक दबाव

(II) फ़्लैटों में रहने की विवशता

(III) स्वार्थी मनोवृत्ति का प्रभुत्व

(IV) बौद्धिकता की प्रबलता

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(B) कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।

(C) कथन (I), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) केवल कथन (IV) सही है ।

*3/5/2** *9 * Page* *P.T.O.*

उत्तर **(A)** कथन (I) और (II) सही हैं।

(ix) परंपरागत 'पड़ोस कल्चर' के विच्छिन्न होने के दुष्परिणाम हैं -

(A) स्वार्थ भाव प्रबल हो गया है।

(B) हम संकुचित और असहाय हो गए हैं।

(C) पारस्परिक प्रेमभाव कमज़ोर पड़ रहा है।

(D) हम फ़्लैटों में रहने लगे हैं।

उत्तर **(B)** हम संकुचित और असहाय हो गए हैं।

(x) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन करके लिखिए:

कथन: उस जमाने में घर की दीवारें घर तक ही समाप्त नहीं हो जाती थीं, बल्कि पूरे मोहल्ले तक फैली रहती थीं।
कारण: आपसी प्रेमभाव के कारण पूरे मोहल्ले में पारिवारिक संबंध थे।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

गद्यांश 4 2024 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आज़ाद हिंद फ़ौज के मुकदमे का सिलसिला था। सभी कॉलेजों, स्कूलों, दुकानों के लिए हड़ताल का आह्वान था। जो-जो नहीं कर रहे थे, छात्रों का एक बहुत बड़ा समूह वहाँ जा-जाकर हड़ताल करवा रहा था। शाम को अजमेर का पूरा विद्यार्थी-वर्ग चौपड़ (मुख्य बाज़ार का चौराहा) पर इकट्ठा हुआ और फिर हुई भाषणबाज़ी। इस बीच पिताजी के एक निहायत दकिसानूसी मित्र ने घर आकर अच्छी तरह पिताजी की लू उतारी, '' 'अरे' उस मन्नू की तो मत मारी गई है पर भंडारी जी आपको क्या हुआ? ठीक है, आपने लड़कियों को आज़ादी दी, पर देखते आप, जाने कैसे-कैसे उलटे-सीधे लड़कों के साथ हड़तालें करवाती, हुड़दंग मचाती फिर रही है वह। हमारे-आपके घरों की लड़कियों को शोभा देता है यह सब? कोई मान-मर्यादा, इज़्ज़त-आबरू का खयाल भी रह गया 'है आपको या नहीं'? वे तो आग लगाकर चले गए और पिताजी सारे दिन भभकते रहे, 'बस, अब' यही रह गया है कि लोग घर आकर थू-थू करके चले जाएँ। बंद करो अब इस मन्नू का घर से बाहर 'निकलना'। इस सबसे बेखबर मैं रात होने पर घर लौटी तो पिताजी के एक बेहद अंतरंग और अभिन्न मित्र ही नहीं, अजमेर के सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित डॉ. अंबालाल जी बैठे थे। मुझे देखते ही उन्होंने बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया।

(i) 'बंद करो अब इस मन्नू का घर से निकलना'। गद्यांश में यह निर्देश किसे दिया गया है?

(A) माँ को
(B) मन्नू को
(C) पिताजी को
(D) बहन को

उत्तर (A) माँ को

(ii) पिताजी के भभकने का क्या कारण था?

(A) मन्नू का हड़तालादि में भाग लेना।
(B) मन्नू की गतिविधियों पर माँ की असहमति।
(C) पिताजी के मित्र द्वारा मन्नू की शिकायत
(D) पिताजी की स्वयं ही मन्नू से नाराज़गी।

उत्तर (C) पिताजी के मित्र द्वारा मन्नू की शिकायत

(iii) उपर्युक्त गद्यांश की भाषा है -

(A) ओजपूर्ण भाषा
(B) सूक्तिप्रधान भाषा
(C) मुहावरेदार भाषा
(D) संस्कृतनिष्ठ भाषा

उत्तर (C) मुहावरेदार भाषा

(iv) हड़ताल का आह्वान क्यों किया जा रहा था?

(A) आज़ाद हिंद फौज के खिलाफ़ मुकदमे के विरोध में।
(B) भारत के लिए पूर्ण स्वराज की माँग के लिए।
(C) छात्रों के लिए बेहतर अधिकार और सुविधाओं के लिए।
(D) कॉलेज प्रशासन द्वारा छात्रों के खिलाफ़ कार्यवाही के विरोध में।

उत्तर **(A)** आज़ाद हिंद फौज के खिलाफ़ मुकदमे के विरोध में।

(v) पूरा छात्र-वर्ग चौपड़ पर क्यों एकत्रित हुआ?

(A) आयोजित हड़ताल के समर्थन के लिए।
(B) यातायात बंद करवाने के लिए।
(C) समारोह के आयोजन के लिए।
(D) दुकानें पुनः बंद करवाने के लिए।

उत्तर **(A)** आयोजित हड़ताल के समर्थन के लिए।

गद्यांश 5 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

उन्होंने अपने अकेले के बल-बूते और हौसले से अंग्रेज़ी-हिंदी शब्दकोश (विषयवार) के अधूरे काम को आगे बढ़ाना शुरू किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था। इसने उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्त्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती-थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

(i)

(i) मन्नू भंडारी के पिता की गिरती आर्थिक स्थिति का उन पर क्या प्रभाव पड़ा ? इस प्रश्न के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :

I. अधिक क्रोधी हो गए।
II. व्यक्तित्व के सकारात्मक पहलू बढ़ गए।
III. अहंकार में वृद्धि हो गई।

विकल्प :

(A) केवल I और II सही हैं।
(B) केवल I और III सही हैं।
(C) केवल I सही है।
(D) I, II और III तीनों सही हैं।

उत्तर **(B)** केवल I और III सही हैं।

(ii) गद्यांश के आधार पर पहले पिता की आर्थिक स्थिति कैसी थी?

(A) प्रतिष्ठित किंतु संकुचित आर्थिक स्थिति।
(B) अस्थिर और अनिश्चितता से भरी हुई।
(C) भविष्य के लिए उम्मीदों से भरी।
(D) सम्पन्न और सम्मानजनक स्थिति।

उत्तर **(D)** सम्पन्न और सम्मानजनक स्थिति।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए:

कथन: विषयवार अंग्रेज़ी-हिंदी के शब्दकोश-निर्माण में पिता को प्रतिष्ठा बहुत मिली पर अर्थ प्राप्ति नहीं हुई।
कारण: वे शब्दकोश का काम भली-भाँति नहीं कर पा रहे थे।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर (C) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(iv) मन्नू भंडारी के पिता शक्की स्वभाव के क्यों हो गए?

(A) गिरती हुई आर्थिक स्थिति के कारण
(B) मन्नू भंडारी के कॉलेज से शिकायत आने के कारण
(C) अपने विश्वासपात्रों से मिले विश्वासघात को झेलने के कारण
(D) हाशिए पर चले जाने के अपमान-बोध के कारण

उत्तर (C) अपने विश्वासपात्रों से मिले विश्वासघात को झेलने के कारण

(v)

(v) उपर्युक्त गद्यांश में मन्नू भंडारी ने अपने पिताजी के विषय में कौन-कौन सी बातें साझा की हैं ? इस प्रश्न के उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :

I. पिता अपने बच्चों को आर्थिक संकट के बारे में बताते थे।
II. पिताजी आँख मूँदकर सब पर विश्वास कर लेते थे।
III. पिता के भीतर नवाबी आदतें थीं और वे सदा शीर्ष पर रहना पसंद करते थे।
IV. पिता के संदेही स्वभाव का प्रभाव बच्चों पर भी पड़ता था।

विकल्प :

(A) I, II और III सही हैं।
(B) I, III और IV सही हैं।
(C) I, II और IV सही हैं।
(D) II, III और IV सही हैं।

उत्तर (D) II, III और IV सही हैं।

गद्यांश 6

2026 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

उस समय तक हमारे परिवार में लड़की के विवाह के लिए अनिवार्य योग्यता थी - उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक। सन् 44 में सुशीला ने यह योग्यता प्राप्त की और शादी करके कोलकाता चली गई। दोनों बड़े भाई भी आगे पढ़ाई के लिए बाहर चले गए। इन लोगों की छत्र- छाया के हटते ही पहली बार मुझे नए सिरे से अपने बजूद का एहसास हुआ। लड़कियों को जिस उम्र में स्कूली शिक्षा के साथ-साथ सुघड़ गृहिणी और कुशल पाक-शास्त्री बनने के नुस्खे जुटाए जाते थे, पिताजी का आग्रह रहता था कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ। रसोई को वे भटियारखाना कहते थे और उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था।

(i) लड़की की वैवाहिक योग्यता से सिद्ध होता है, उस परिवार की -

(A) स्वतंत्र विचारधारा
(B) परंपरावादी मान्यता

(C) पाश्चात्य विचारधारा
(D) अत्याधुनिक सोच

उत्तर **(B)** परंपरावादी मान्यता

(ii) उस समय लेखिका के परिवार में लड़की के विवाह के लिए अनिवार्य योग्यता क्या थी?

(A) उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक
(B) उम्र में बारह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक
(C) उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में बारहवीं
(D) उम्र में अठारह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक

उत्तर **(A)** उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक

(iii) लेखिका को रसोई से दूर रखने के पीछे, लेखिका के पिता का क्या उद्देश्य था?

(A) उसे घरेलू कामों से दूर रखना
(B) उसकी क्षमता और प्रतिभा को विकसित करना
(C) अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखना
(D) स्वयं पाक-कला के महत्त्व से अपरिचित रहना

उत्तर **(B)** उसकी क्षमता और प्रतिभा को विकसित करना

(iv)

(iv) बड़े बहन–भाई के परिवार से जाने के बाद क्या हुआ ? इस प्रश्न के उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :

(I) परिवार में लेखिका का महत्त्व बढ़ गया ।
(II) पिताजी का ध्यान पहली बार लेखिका पर केंद्रित हुआ ।
(III) लेखिका को अपने अस्तित्व का बोध हुआ ।
(IV) लेखिका को पाक–शास्त्र पढ़ाया जाने लगा ।

विकल्प :

(A) विकल्प (I) और (II) सही हैं ।
(B) विकल्प (I), (II) और (III) सही हैं ।
(C) विकल्प (II) और (III) सही हैं ।
(D) केवल विकल्प (IV) सही है ।

उत्तर **(C)** विकल्प (II) और (III) सही हैं।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन करके लिखिए:

कथन: लेखिका के पिता रसोई को भटियारखाना कहते थे।
कारण: उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 **2023** (3/1/2)

'एक कहानी यह भी' की लेखिका अपनी माँ से लगाव के बावजूद उनकी तरह क्यों नहीं बनना चाहती थीं?

(A) माँ जितना धैर्य, त्याग और सहनशीलता लेखिका के पास नहीं था।

(B) माँ के पास आर्थिक संबल नहीं था।

(C) माँ धरती की तरह विशाल हृदय की थी पर उसे सब सहना भी पड़ता था।

(D) माँ की समाज में कोई विशिष्ट पहचान नहीं थी।

उत्तर **(C)** माँ धरती की तरह विशाल हृदय की थी पर उसे सब सहना भी पड़ता था।

प्रश्न 2 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'एक कहानी यह भी' पाठ में लेखिका की दृष्टि में उनकी माँ का व्यक्तित्व आदर्श रूप नहीं था क्योंकि

(A) उनकी माँ अपने बच्चों से भेदभाव करती थीं।

(B) उनकी माँ बहुत अधिक पढ़ी-लिखी नहीं थीं।

(C) उन्हें उनका व्यक्तित्व काफ़ी दबा-दबा सा लगता था।

(D) उनकी माँ बहुत ही आक्रामक स्वभाव की थीं।

उत्तर **(C)** उन्हें उनका व्यक्तित्व काफ़ी दबा-दबा सा लगता था।

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 3 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'एक कहानी यह भी' के आधार पर स्वतंत्रता आंदोलन के आखिरी चरण के परिदृश्य का वर्णन कीजिए जिनमें कोई दो बिंदु अवश्य शामिल हों।

आदर्श उत्तर

स्वतंत्रता आंदोलन के आखिरी चरण में देश में चारों ओर प्रभात-फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस और भाषण हो रहे थे। स्कूल-कॉलेज बंद करवाए जा रहे थे और आंदोलनकारियों की गिरफ़्तारियाँ हो रही थीं। युवा वर्ग सहित सभी लोग आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- देश में चारों तरफ प्रभात-फेरियाँ, हड़तालें, जुलूस, भाषण, प्रदर्शन आदि का आयोजन होना
- आंदोलनकर्ताओं की गिरफ्तारियाँ होना
- आंदोलन में सबका बढ़चढ़ कर भाग लेना
- शैक्षणिक संस्थानों को बंद करवाया जाना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 4 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

हम कैसे कह सकते हैं कि मन्नू भण्डारी के पिता बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे?

आदर्श उत्तर

मन्नू भंडारी के पिता समाज-सुधार के कार्यों से जुड़े थे। वे दरियादिल थे और आठ-आठ, दस-दस विद्यार्थियों को अपने घर में रखकर पढ़ाते थे, जिनमें से कई आगे चलकर ऊँचे पदों पर पहुँचे। इससे पता चलता है कि वे भीतर से बेहद कोमल और संवेदनशील थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- समाज सुधार के कार्य करना
- विद्यार्थियों को घर में रखकर पढ़ाना
- दरियादिल होना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 5 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'एक कहानी यह भी' के संदर्भ में लिखिए कि वर्तमान पड़ोस-कल्चर में किन बातों का अभाव दृष्टिगोचर होता है।

आदर्श उत्तर

वर्तमान पड़ोस-कल्चर में आपसी प्रेम, सहयोग और मेलजोल का अभाव दिखाई देता है। लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में भागीदार नहीं बनते। संवेदनशीलता, व्यापक सोच और सुरक्षा की भावना घट गई है तथा बच्चों की गतिविधियों का दायरा भी घर तक सिमट गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- आपसी प्रेम एवं सहयोग
- व्यापक सोच एवं सुरक्षा की भावना
- संवदेनशीलता
- मेलजोल / सुख-दुख में भागीदारी
- बच्चों की गतिविधियों का व्यापक दायरा (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 6 **2024** (3/2/1)

'एक कहानी यह भी' के आधार पर लिखिए कि मन्नू भंडारी को नए सिरे से अपने अस्तित्व का बोध कब हुआ?

आदर्श उत्तर

जब बड़ी बहनों की शादी हो गई और भाई पढ़ाई के लिए बाहर चले गए, तब उनकी छत्र-छाया हट गई। उसी समय पिता का ध्यान पहली बार लेखिका पर गया और मन्नू भंडारी को नए सिरे से अपने अस्तित्व का बोध हुआ।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- बड़े भाई-बहनों की छत्र-छाया के हटने के बाद

प्रश्न 7 **2024** (3/2/2)

'एक कहानी यह भी' की लेखिका के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

आदर्श उत्तर

लेखिका के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि हमें बाहरी रंग-रूप की चिंता छोड़कर अपने गुणों को विकसित करना चाहिए। अपनी बात साहस के

साथ कहनी चाहिए और मुश्किल परिस्थितियों से हार नहीं माननी चाहिए। उनसे अच्छा साहित्य पढ़ने और लिखने की प्रेरणा भी मिलती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र तर्कपूर्ण और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- बाहरी रंग-रूप से परे अपने गुणों को विकसित करना
- अपनी बात को साहस के साथ कह पाना
- जीवन की परिस्थितियों, अवस्थाओं का तटस्थ मूल्यांकन करना
- लेखन की प्रेरणा
- मुश्किल परिस्थितियों से हार न मानना
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 8 **2024** (3/2/3)

'एक कहानी यह भी' पाठ में कॉलेज के दिनों में लेखिका हड़ताल तथा आंदोलन में भी भाग लेती रहती थीं। क्या लड़कियों को ऐसी गतिविधियों में भाग लेना उचित था? पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

मेरे विचार से लड़कियों का इन गतिविधियों में भाग लेना उचित था। लड़कियाँ भी देश की समान नागरिक हैं और देश की आज़ादी के लिए संघर्ष करने का अधिकार लड़के-लड़कियों दोनों को बराबर है। लेखिका ने भी इसी भावना से आंदोलन में सक्रिय भाग लिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे –

उचित:

- लड़कियाँ भी देश की समान नागरिक है
- लड़के-लड़कियों का समान अधिकार

अथवा

अनुचित:

- माता-पिता की प्रतिष्ठा पर आघात
- हिंसक प्रदर्शनों में भाग लेना किसी के लिए भी अनुचित

प्रश्न 9 **2024** (3/3/1)

'जीवन में सफल होने के लिए बाहरी रंग-रूप ही महत्वपूर्ण नहीं हैं।' 'एक कहानी यह भी' के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

मन्नू भंडारी साधारण रूप-रंग की, काली और दुबली थीं, फिर भी अपने गुणों के बल पर असाधारण व्यक्तित्व वाली प्रसिद्ध लेखिका बनीं। पिता द्वारा रूप-रंग के आधार पर किए गए भेदभाव से उबरकर उन्होंने स्वयं निर्णय लिए और कार्य किए। अतः सफलता गुणों से मिलती है, रंग-रूप से नहीं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के निम्नलिखित संदर्भों में से किसी एक का उल्लेख करते हुए स्वतंत्र और तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- साधारण रूप-रंग की होने पर भी असाधारण व्यक्तित्व की प्रसिद्ध लेखिका बनना
- पिता द्वारा रूप-रंग के आधार पर किए गए भेदभाव से उबरकर स्वयं निर्णय लेना और कार्य करना

प्रश्न 10 **2024** (3/3/2)

'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका मन्नू भंडारी के अपने क्षेत्र में सफलता की ऊँचाइयों को छूने के बावजूद हीन-भाव से न उबर पाने का क्या कारण था?

आदर्श उत्तर

बचपन में पिता गोरी बहन सुशीला से तुलना करके लेखिका के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार करते थे, जिससे उनमें हीन-भावना पैदा हो गई। बचपन की ऐसी ग्रंथियाँ जल्दी दूर नहीं होतीं; अचेतन मन में दबी हीन-भावना सफलता मिलने पर भी बनी रही।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- बचपन में पिता द्वारा किया गया भेदभावपूर्ण व्यवहार हीन-भावना का कारण था और बचपन की ग्रंथियाँ जल्द दूर नहीं होतीं
- अचेतन मन में दबी हीन भावना सदा के लिए रह जाती है।

प्रश्न 11 **2024** (3/3/3)

'एक कहानी यह भी' पाठ पाठकों को क्या संदेश देता है?

आदर्श उत्तर

यह पाठ संदेश देता है कि जीवन में सफल होने के लिए सुंदर रूप-रंग नहीं, गुण आवश्यक हैं। माता-पिता को सभी बच्चों से समान व्यवहार करना चाहिए और लड़कियों को बराबरी का दर्जा मिलना चाहिए। युवाओं में देश-प्रेम और कर्त्तव्य की भावना हो तथा वे उत्कृष्ट साहित्य पढ़ें।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में व्यक्तिगत दृष्टिकोण से एक स्वतंत्र और उपयुक्त संदेश लिखेंगे, जैसे –

- जीवन में सफल होने के लिए सुंदर रूप रंग की आवश्यकता नहीं
- माता-पिता द्वारा बच्चों के प्रति समान व्यवहार रखना
- युवा देश के प्रति प्रेम और कर्तव्य की भावना
- उत्कृष्ट साहित्य का चयन करना और पढ़ना
- गुणों को विकसित करना
- लड़कियों और स्त्रियों के साथ बराबरी का व्यवहार
- अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य

प्रश्न 12 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'एक कहानी यह भी' से लिया गया 'निहायत असहाय मज़बूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका।' -- यह कथन किसके लिए कहा गया है और क्यों?

आदर्श उत्तर

यह कथन लेखिका की माँ के लिए कहा गया है। माँ का अपना कोई व्यक्तित्व नहीं था; वे पिता की हर आज्ञा और बच्चों की हर ज़िद को अपना फ़र्ज़ समझकर मान लेती थीं। अधिकारों के प्रति जागरूकता के बिना मजबूरी में किया गया यह त्याग लेखिका का आदर्श नहीं बन सका।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर लिखेंगे कि यह कथन –

लेखिका की माँ के लिए कहा गया है।

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई तीन कारण लिखेंगे, जैसे –

- माँ का अपना कोई व्यक्तित्व नहीं
- पिता की हर आज्ञा तथा बच्चों की हर ज़िद को अपना फर्ज समझकर स्वीकार करना
- असीमित सहिष्णुता एवं त्याग की प्रवृत्ति
- अधिकारों के प्रति जागरूकता का अभाव

प्रश्न 13 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'एक कहानी यह भी' पाठ में 'धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें' - यह कथन किसके लिए कहा गया है और क्यों?

आदर्श उत्तर

यह कथन लेखिका की माँ के लिए कहा गया है। वे पिता की हर ज़्यादती को चुपचाप सह लेती थीं और बच्चों की हर उचित-अनुचित फ़रमाइश को अपना फ़र्ज़ समझकर पूरा करती थीं। उनकी असीमित सहिष्णुता और त्याग के कारण उन्हें धरती से भी अधिक सहनशील कहा गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर लिखेंगे कि यह कथन लेखिका की माँ के लिए कहा गया है।
परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई तीन कारण लिखेंगे, जैसे -

- माँ द्वारा पिता की हर ज़्यादती को चुपचाप सहना
- बच्चों की हर जायज/नाजायज इच्छा/फरमाइश को फर्ज समझकर पूरा करना
- असीमित सहिष्णुता
- त्याग
- धरती की तरह सहनशील

प्रश्न 14 **2025** (3/1/1)

'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका के जीवन के प्रसंगों के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण में उसके बचपन की घटनाओं की बड़ी भूमिका होती है।

आदर्श उत्तर

पिता द्वारा गोरी बहन से की गई तुलना ने लेखिका में हीन-भावना भर दी। माँ के दब्बू और असहाय रूप को देखकर उन्होंने वैसा न बनने का निर्णय किया। पिता ने उन्हें रसोई से दूर रखकर देश की स्थितियों पर चर्चा में शामिल किया, जिससे उनमें जागरूकता आई। ये प्रसंग बचपन की भूमिका सिद्ध करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- पिता द्वारा बहन के साथ की गई तुलना के प्रभाव स्वरूप लेखिका में हीन भावना
- माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय
- पिता का व्यक्तित्व अधिक प्रभावी होने के कारण न चाहते हुए भी लेखिका में पिता के स्वभाव की झलक

- पिता द्वारा देश की तत्कालीन स्थितियों पर चर्चा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और रसोईघर से दूर रहकर पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 15 2025 (3/1/2)

'माता-पिता के व्यक्तित्व और व्यवहार दोनों से बच्चों का बचपन प्रभावित होता है।' - 'एक कहानी यह भी'? पाठ के आधार पर दो उदाहरणों से इस कथन को सिद्ध कीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखिका ने माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय किया। पिता ने बहन से तुलना करके उनमें हीन-भावना भर दी, पर साथ ही उन्हें रसोई से दूर रखकर पढ़ाई-लिखाई और देश की स्थितियों पर चर्चा के लिए प्रेरित भी किया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई दो उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे-

- माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय
- पिता द्वारा बहन के साथ की गई तुलना के प्रभाव स्वरूप लेखिका में हीन भावना
- पिता का व्यक्तित्व अधिक प्रभावी होने के कारण न चाहते हुए भी लेखिका में पिता के स्वभाव की झलक
- पिता द्वारा देश की तत्कालीन स्थितियों पर चर्चा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और रसोईघर से दूर रहकर पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 16 2025 (3/1/3)

'एक कहानी यह भी'? पाठ के किन्हीं दो ऐसे व्यक्तित्व का उल्लेख कीजिए जिसने लेखिका के जीवन में सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों को जन्म दिया।

आदर्श उत्तर

प्राध्यापिका शीला अग्रवाल ने लेखिका को साहित्य, लेखन और देश की गतिविधियों से जोड़कर सकारात्मक प्रभाव डाला। पिता ने जहाँ उन्हें पढ़ाई और देश की चर्चाओं के लिए प्रोत्साहित किया, वहीं बहन से तुलना करके उनमें हीन-भावना भी भर दी, जो नकारात्मक प्रभाव था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

सकारात्मक:

- शीला अग्रवाल द्वारा साहित्य, लेखन और देश की गतिविधियों से जोड़ना
- पिता द्वारा देश की तत्कालीन स्थितियों पर चर्चा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और रसोईघर से दूर रहकर पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करना

नकारात्मक:

- माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय
- पिता द्वारा बहन के साथ की गई तुलना के प्रभाव स्वरूप लेखिका में हीन भावना
- पिता का व्यक्तित्व अधिक प्रभावी होने के कारण न चाहते हुए भी लेखिका में पिता के स्वभाव की झलक

प्रश्न 17 2025 (3/3/1)

'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर आज़ादी के आंदोलन के भीतर विद्यार्थियों की भूमिका के कोई दो पहलू स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

आज़ादी के आंदोलन में छात्र-छात्राओं ने आंदोलनकर्मी के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई। वे प्रभात-फेरियों, हड़तालों और भाषणों में भाग लेते थे तथा स्कूल-कॉलेज से निकलकर सड़कों पर प्रदर्शन करते और नारे लगाते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में विद्यार्थियों की भूमिका के किन्हीं दो पहलुओं का वर्णन करेंगे-

- छात्र - छात्राओं की आंदोलनकर्मी के रूप में सक्रिय भूमिका
- प्रभात फेरियों, हड़तालों, भाषणों आदि में सहभागिता
- कॉलेज / स्कूल से निकलकर सड़कों पर प्रदर्शन (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 18 **2025** (3/3/2)

'एक कहानी यह भी' पाठ के आरंभ में लेखिका के पिता के व्यवहार में आए किन मूल-भूत परिवर्तनों का उल्लेख हुआ है? उन परिवर्तनों का कारण क्या था?

आदर्श उत्तर

लेखिका के पिता पहले दयालु, समाजसेवी और दूसरों की मदद करने वाले व्यक्ति थे, पर बाद में वे शक्की और क्रोधी बन गए। इसका कारण आत्मीय स्वजनों द्वारा किया गया छल और उनकी सिकुड़ती हुई आर्थिक स्थिति थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

परिवर्तन

- दयालु, समाजसेवी और मददगार से शक्की और क्रोधी बन जाना कारण
- आत्मीय स्वजनों द्वारा किए छल के कारण, सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण

प्रश्न 19 **2025** (3/3/3)

'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर लिखिए कि एक अच्छे अध्यापक में क्या गुण होने चाहिए? पाठ के संदर्भ में दो बिंदु लिखिए।

आदर्श उत्तर

एक अच्छा अध्यापक विद्यार्थियों को पढ़ने-लिखने की दिशा में उचित मार्गदर्शन देता है, जैसे शीला अग्रवाल ने लेखिका को चुनकर अच्छा साहित्य पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। वह उन्हें देश और समाज के प्रति सजग भी बनाता है, जैसे उन्होंने लेखिका को आज़ादी के आंदोलन में भाग लेने को प्रेरित किया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- देश और समाज के प्रति सजग सचेत करना – जैसे शीला अग्रवाल ने लेखिका को देश में चल रहे आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया
- पढ़ने - लिखने की दिशा में उचित मार्गदर्शन करना – जैसे लेखिका को उचित साहित्यिक अध्ययन के प्रति प्रोत्साहित किया। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 20 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'अपनी जिंदगी खुद जीने के इस आधुनिक दबाव ने महानगरों के फ्लैट में रहने वालों को हमारे इस परंपरागत पड़ोस कल्चर से विभिन्न करके हमें कितना संकुचित, असहाय और असुरक्षित बना दिया है।' - 'एक कहानी यह भी' से उद्धृत इस कथन में लेखिका ने किस 'पड़ोस कल्चर' का उल्लेख किया है?

आदर्श उत्तर

लेखिका ने उस परंपरागत पड़ोस-कल्चर का उल्लेख किया है जिसमें घर की सीमा पूरे मोहल्ले तक फैली होती थी। पूरा मोहल्ला एक-दूसरे के सुख-दुख में भागीदार होता था। पड़ोसियों के बीच परस्पर प्रेम, पारिवारिक संबंध, स्नेह और विश्वास होता था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी लेखिका के बचपन के परंपरागत पड़ोस कल्चर के बारे में दो उपयुक्त बिंदुओं में लिखेंगे -

- घर की सीमा का विस्तार मोहल्ले तक
- पूरा मोहल्ला एक दूसरे के सुख-दुख में भागीदार
- पड़ोसियों के बीच परस्पर प्रेम और पारिवारिक संबंध
- संबंधों में स्नेह और विश्वास (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 21 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'एक कहानी यह भी' की लेखिका के जीवन पर उनकी प्राध्यापिका शीला अग्रवाल का क्या प्रभाव पड़ा?

आदर्श उत्तर

शीला अग्रवाल ने लेखिका की समझ और साहित्यिक रुचि का विस्तार किया तथा उन्हें चयन करके अच्छी पुस्तकें पढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने लेखिका की देश-प्रेम की भावना को एक दिशा दी और आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- समझ और साहित्यिक रुचि का विस्तार
- चयन करके पढ़ने की प्रेरणा
- देशप्रेम की भावना को एक दिशा देना
- आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 22 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'एक कहानी यह भी' पाठ में मन्नू भंडारी ने स्वयं पर अपने पिता के प्रभाव को स्वीकारा है। उनके व्यक्तित्व के किन्हीं दो पहलुओं का उल्लेख कीजिए जो पिता के प्रभाव को दर्शाते हों।

आदर्श उत्तर

मन्नू भंडारी में पिता की तरह देश और समाज के प्रति जागरूकता तथा आज़ादी के लिए सजगता थी, चाहे वह देश की हो या व्यक्तिगत। साथ ही पिता का शक्की स्वभाव भी उनमें उतर आया; यश और सम्मान पाने के बाद भी वे हीन-भावना से ग्रस्त रहीं और अपनी उपलब्धियों पर विश्वास नहीं कर पाती थीं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- आज़ादी के लिए सजगता – देश की हो या व्यक्तिगत
- देश और समाज के प्रति जागरूकता
- शक्की/संदेही स्वभाव
- यश, सम्मान प्राप्त करने के बाद भी हीन-भावना से ग्रस्त होना
- लेखकीय उपलब्धियों के बाद भी संकोच
- सहज विश्वास न कर पाना
- अध्ययनशीलता और लेखन की प्रवृत्ति
- विशिष्ट बन जाना

प्रश्न 23 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'एक कहानी यह भी'? पाठ से उद्धृत कथन 'पिताजी को इस बात का बिलकुल भी अहसास नहीं था कि इन दोनों का तो रास्ता ही टकराहट का है' - में किन 'दो रास्तों' के बीच टकराहट की बात की जा रही है?

आदर्श उत्तर

पिताजी में समाज में स्वयं को और अपने बच्चों को विशिष्ट बनाने की प्रबल इच्छा थी; दूसरी ओर वे अपनी सामाजिक छवि के प्रति भी बहुत सजग थे। विशिष्ट बनने के लिए लीक से हटना पड़ता है, जिससे सामाजिक छवि पर आँच आती है। इन्हीं दो रास्तों के बीच टकराहट की बात कही गई है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- समाज में स्वयं और बच्चों को विशिष्ट बनने-बनाने की प्रबल इच्छा
- सामाजिक छवि के प्रति सजगता

क्षितिज • गद्य खंड

नौबतखाने में इबादत — यतींद्र मिश्र

पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

गद्यांश 1 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

सचमुच हैरान करती है काशी - पक्का महाल से जैसे मलाई बरफ़ गया, संगीत, साहित्य और अदब की बहुत सारी परंपराएँ लुप्त हो गईं। एक सच्चे सुर साधक और सामाजिक की भाँति बिस्मिल्ला खाँ साहब को इन सबकी कमी खलती है। काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पूरक रहे हैं, उसी तरह मुहर्रम-ताजिया और होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। अभी जल्दी ही बहुत कुछ इतिहास बन चुका है। अभी आगे बहुत कुछ इतिहास बन जाएगा। फिर भी कुछ बचा है जो सिर्फ़ काशी में है। काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है। काशी में मरण भी मंगल माना गया है। काशी आनंदकानन है। सबसे बड़ी बात है कि काशी के पास उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ जैसा लय और सुर की तमीज सिखाने वाला नायाब हीरा रहा है जो हमेशा से दो कौमों को एक होने व आपस में भाईचारे के साथ रहने की प्रेरणा देता रहा।

(i) गद्यांश के अनुसार काशी में कौन एक-दूसरे के पूरक रहे हैं?

(A) गंगा और बाबा विश्वनाथ
(B) बाबा विश्वनाथ और त्रिशूल
(C) बिस्मिल्ला खाँ और गंगा
(D) बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ

उत्तर **(D)** बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ

(ii) 'काशी में मरण भी मंगल माना गया है' - का आशय है -

(A) काशी में मृत्यु का उत्सव मनाया जाता है।
(B) पुराणों के अनुसार काशी मृत्यु नगरी है।
(C) मान्यता है कि काशी में मृत्यु मोक्ष-दायिनी है।
(D) काशी में मृत्यु के अवसर पर मंगलगीत गाए जाते हैं।

उत्तर **(C)** मान्यता है कि काशी में मृत्यु मोक्ष-दायिनी है।

(iii) निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन:
(क) बिस्मिल्ला खाँ धार्मिक सौहार्द्र के प्रतीक थे।
(ख) काशी में गंगा-जमुनी संस्कृति के दर्शन होते हैं।
(ग) काशी में खान-पान की सारी परंपराएँ लुप्त हो गई हैं।
विकल्प:

(A) कथन (क) सही है।
(B) कथन (ख) और (ग) सही हैं।
(C) कथन (क) और (ख) सही हैं।
(D) कथन (क) और (ग) सही हैं।

उत्तर **(C)** कथन (क) और (ख) सही हैं।

(iv) 'गंगा-जमुनी' 'संस्कृति' से आप क्या समझते हैं?

(A) मुहर्रम - ताजिया, होली-दीवाली जैसे अवसरों पर सामूहिकता
(B) विभिन्न धार्मिक समुदायों का आपसी सामंजस्य

(C) अलग-अलग संप्रदायों की उत्सवधर्मिता
(D) संगीत, कलाओं एवं साहित्य का ताना-बाना

उत्तर **(B)** विभिन्न धार्मिक समुदायों का आपसी सामंजस्य

(v) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर काशी के विषय में कौन-सा कथन असत्य है?

(A) वहाँ की साहित्य, संगीत, संस्कृति की हर परंपरा अब लुप्त हो चुकी है।
(B) काशी की आत्मा संगीत में बसती है।
(C) वहाँ के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सदा से भाईचारे की भावना रही है।
(D) बिस्मिल्ला खाँ को काशी से अगाध प्रेम था, उन्होंने उसकी शान बढ़ाई।

उत्तर **(A)** वहाँ की साहित्य, संगीत, संस्कृति की हर परंपरा अब लुप्त हो चुकी है।

गद्यांश 2 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3, 3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित। काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य-विश्वनाथ हैं। काशी में बिस्मिल्ला खाँ हैं। काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, विद्याधरी हैं, बड़े रामदास जी हैं, मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहज़ीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं, अपना गम। अपना सेहरा-बनना और अपना नौहा। आप यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकार से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विशालाक्षी से, बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते। अकसर समारोहों एवं उत्सवों में दुनिया कहती है ये बिस्मिल्ला खाँ हैं। बिस्मिल्ला खाँ का मतलब - बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। शहनाई का तात्पर्य - बिस्मिल्ला खाँ का हाथ। हाथ से आशय इतना भर कि बिस्मिल्ला खाँ की फूँक और शहनाई की जादुई आवाज़ का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है। शहनाई में सरगम भरा है। खाँ साहब को ताल मालूम है, राग मालूम है। ऐसा नहीं कि बेताले जाएँगे। शहनाई में सात सुर लेकर निकल पड़े। शहनाई में परवरदिगार, गंगा मइया, उस्ताद की नसीहत लेकर उतर पड़े। दुनिया कहती - सुबहान अल्लाह, तिस पर बिस्मिल्ला खाँ कहते हैं -

(i)

(i) काशी के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ? उचित विकल्प छाँटकर लिखिए।

I. इसे शास्त्रों में आनंदकानन कहा गया है।
II. यहाँ संगीत और भक्ति एक-दूसरे में रचे-बसे हैं।
III. यहाँ पर संस्कृति शिक्षण के लिए एक पाठशाला का निर्माण हुआ है।

विकल्प :

(A) केवल I और II सही हैं।
(B) केवल I और III सही हैं।
(C) केवल III सही है।
(D) केवल II और III सही हैं।

उत्तर **(A)** केवल I और II सही हैं।

(ii) काशी को 'संस्कृति की पाठशाला' क्यों कहा गया है?

(A) अत्यंत प्राचीन होने के कारण
(B) संस्कृत पठन-पाठन की सुविधा के कारण
(C) सांप्रदायिक सद्भाव की विशिष्टता के कारण
(D) कला, साहित्य और अध्यात्म का समन्वित रूप होने के कारण

उत्तर **(D)** कला, साहित्य और अध्यात्म का समन्वित रूप होने के कारण

(iii) 'बिस्मिल्ला खाँ का मतलब उनकी शहनाई है,' ऐसा क्यों?

(A) बिस्मिल्ला खाँ का वजूद शहनाई के बिना कुछ भी नहीं।
(B) बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई ने उनको पूरी दुनिया में पहचान दिलाई।
(C) बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई सबसे अलग और अनोखी है।
(D) बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई एक-दूसरे के पूरक और पर्याय हैं।

उत्तर **(D)** बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई एक-दूसरे के पूरक और पर्याय हैं।

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए दि

कथन: बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई की जादुई आवाज़ का असर सभी के ऊपर खूब होता है।
कारण: उनकी शहनाई तालों, रागों और सरगम के सुरों से भरी हुई है।
विकल्प:

(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कथन की उचित व्याख्या कारण के द्वारा हो रही है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कथन की उचित व्याख्या कारण के द्वारा हो रही है।

(v)

(v) गद्यांश में बिस्मिल्ला खाँ के साथ ही निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण संस्कृति-कर्मियों का उल्लेख काशी के संदर्भ में हुआ है :

I. पंडित कंठे महाराज
II. विद्याधरी
III. विशालाक्षी देवी
IV. बड़े रामदास जी

विकल्प :

(A) I, II और III
(B) I, II और IV
(C) I, III और IV
(D) II, III और IV

उत्तर **(B)** I, II और IV

(vi) (i) काशी के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ? उचित विकल्प छाँटकर लिखिए।

I. इसे शास्त्रों में आनंदकानन कहा गया है।

II. यहाँ संगीत और भक्ति एक-दूसरे में रचे-बसे हैं।

III. यहाँ पर संस्कृति शिक्षण के लिए एक पाठशाला का निर्माण हुआ है।

विकल्प :

(A) केवल I और II सही हैं।

(B) केवल I और III सही हैं।

(C) केवल III सही है।

(D) केवल II और III सही हैं।

उत्तर **(A)** केवल I और II सही हैं।

(vii) काशी में हनुमान की उपासना किस रूप में होती है?

(A) कलाओं के स्वामी के रूप में
(B) नृत्य के जनक के रूप में
(C) शिव के अवतार के रूप में
(D) एक अच्छे कलाकार के रूप में

उत्तर **(A)** कलाओं के स्वामी के रूप में

(viii) गद्यांश के अंतिम वाक्य में काशी की किस विशेषता का उल्लेख किया गया है?

(A) समन्वयात्मकता
(B) संगीतात्मकता
(C) भव्यता
(D) सहृदयता

उत्तर **(A)** समन्वयात्मकता

(ix) इस गद्यांश का उद्देश्य है:

(A) काशी के संगीतकारों का परिचय देना
(B) विभिन्न राग-रागिनियों का परिचय देना
(C) काशी की सांस्कृतिक परंपरा का परिचय देना
(D) बिस्मिल्ला खाँ के धार्मिक-सौहार्द का परिचय देना

उत्तर **(C)** काशी की सांस्कृतिक परंपरा का परिचय देना

(x) काशी को 'संस्कृति की पाठशाला' क्यों कहा गया है?

(A) यहाँ के शिक्षण संस्थान शास्त्रीय गायन को बहुत प्रोत्साहित करते हैं।
(B) यहाँ के प्रत्येक शिक्षण संस्थान में 'संस्कृति', विषय के रूप में पढ़ाया जाता है।
(C) यहाँ के प्रत्येक शिक्षण संस्थान में 'संस्कृत' अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ाया जाता है।
(D) यहाँ सर्वत्र भारतीय संस्कृति की छाप देखी जा सकती है।

उत्तर **(D)** यहाँ सर्वत्र भारतीय संस्कृति की छाप देखी जा सकती है।

(xi) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन: संगीत और संगीत-प्रेम काशी की पहचान है।
कारण: काशी को उसकी ऐसी पहचान देने में सिर्फ बिस्मिल्ला खाँ का ही योगदान है।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों सही हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(D)** कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

गद्यांश 3 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

किसी दिन एक शिष्या ने डरते-डरते खाँ साहब को टोका, 'बाबा' आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी। अब तो आपको भारतरत्न भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं। खाँ साहब मुस्कराए। लाड़ से भरकर बोले, ' 'धत्' पगली ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं। तुम लोगों की तरह बनाव सिंगार देखते रहते, तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई। तब क्या खाक रियाज़ हो पाता। ठीक है बिटिया, आगे से नहीं पहनेंगे, मगर इतना बताई देते हैं कि मालिक से यही दुआ है फटा सुर न बख्शें। लुंगिया का क्या है, आज फटी है, तो कल सी जाएगी।

(i)

(i) शिष्या द्वारा बिस्मिल्ला खाँ को टोकने के पीछे कौन–से कारण थे?
उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. शिष्या को फटी तहमद के कारण शर्म आ रही थी।
II. शिष्या खाँ साहब की प्रतिष्ठा के लिए चिंतित थी।
III. खाँ साहब बनाव–शृंगार को विशेष महत्त्व नहीं देते थे।
IV. शिष्या खाँ साहब के प्रति आत्मीयता का भाव रखती थी।

विकल्प :

(A) कथन I और III सही हैं।
(B) कथन I और IV सही हैं।
(C) कथन II और IV सही हैं।
(D) कथन II और III सही हैं।

उत्तर **(C)** कथन II और IV सही हैं।

(ii) बिस्मिल्ला खाँ द्वारा अपनी शिष्या को 'धत्! पगली' कहकर संबोधित करने में कौन-सा भाव प्रकट होता है?

(A) हास का
(B) स्नेह का
(C) क्रोध का
(D) उपहास का

उत्तर **(B)** स्नेह का

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

कथन: बिस्मिल्ला खाँ ईश्वर से सच्चे सुरों की प्रार्थना करते थे।
कारण: भारतरत्न पुरस्कार से सम्मानित होने के कारण वे अधिक विनम्र हो गए थे।

(A) कथन सही है परंतु कारण गलत है।
(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(A)** कथन सही है परंतु कारण गलत है।

(iv)

(iv) इस गद्यांश के आधार पर खाँ साहब की विशेषताएँ हैं।
उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :
I. परिश्रमी
II. प्रतिभावान
III. सरल

विकल्प :
(A) I, II और III तीनों
(B) I और II दोनों
(C) II और III दोनों
(D) I और III दोनों

3/1/1* 9 * Page P.T.O.

उत्तर **(A)** I, II और III तीनों

(v) 'मालिक फटा सुर न बख्शें' का क्या आशय है?

(A) ईश्वर उनके वादन में सुरीलापन सदैव बनाए रखे।
(B) ईश्वर उनके गायन में सुरीलापन सदैव बनाए रखे।
(C) ईश्वर की अनुकंपा सदैव बनी रही।
(D) ईश्वर किसी को बेसुरा न बनाए।

उत्तर **(A)** ईश्वर उनके वादन में सुरीलापन सदैव बनाए रखे।

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी क्यों हैं?

(A) डुमराँव में उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ का जन्म हुआ
(B) इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खाँ डुमराँव निवासी थे
(C) रीड की नरकट डुमराँव में सोन नदी-किनारे पाई जाती है

(D) बिहार के संगीत प्रेमी परिवार डुमराँव में रहते थे

उत्तर (C) रीड की नरकट डुमराँव में सोन नदी-किनारे पाई जाती है

प्रश्न 2 2023 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

बिस्मिल्ला खाँ को कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी वाली दुकान पर जाना क्यों पसंद था?

(A) उसकी कचौड़ियाँ बेहद स्वादिष्ट खस्ता होती थीं।
(B) उसका कचौड़ी बनाने का अनूठा अंदाज़ था।
(C) उसकी कचौड़ी का दाम बहुत वाज़िब था।
(D) कचौड़ी तलते समय छन्न की आवाज़ में आरोह-अवरोह दिखता था।

उत्तर (D) कचौड़ी तलते समय छन्न की आवाज़ में आरोह-अवरोह दिखता था।

प्रश्न 3 2023 (3/6/1)

'भारत रत्न' जैसे पुरस्कार से सम्मानित किए जाने का कारण बिस्मिल्ला खाँ की दृष्टि में था –

(A) शहनाई वादन के साथ-साथ पहनावा ओढ़ावा
(B) शहनाई के कारण नहीं देश विदेश में उनकी पहचान और प्रसिद्धि
(C) शहनाई-वादन है न कि कपड़े और बाहरी दिखावा।
(D) शहनाई वादन के साथ उनके आचार-विचार।

उत्तर (C) शहनाई-वादन है न कि कपड़े और बाहरी दिखावा।

प्रश्न 4 2023 (3/6/2)

शहनाई के विषय में 'नौबत खाने में इबादत' पाठ के आधार पर निम्नलिखित में कौन-सी बात असत्य है?

(A) वैदिक इतिहास में शहनाई का उल्लेख मिलता है।
(B) शहनाई सुषिर-वाद्यों में शामिल है।
(C) अवधी पारंपरिक लोकगीतों में शहनाई का उल्लेख है।
(D) शहनाई को मांगलिक विधि-विधानों में शामिल किया जाता है।

उत्तर (A) वैदिक इतिहास में शहनाई का उल्लेख मिलता है।

प्रश्न 5 2024 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

बिस्मिल्ला खाँ काशी छोड़कर क्यों नहीं जाना चाहते थे? अनुपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

(A) उनकी जन्मभूमि और कर्मभूमि होने के कारण उन्हें काशी से विशेष लगाव था।
(B) अपने पुरखों के समान वे भी काशी के बालाजी से जुड़े रहना चाहते थे।
(C) काशी से दूर जाने पर उन्हें स्वयं पर विश्वास कम प्रतीत होने लगता था।
(D) बाबा विश्वनाथ और गंगा मइया के कारण, दोनों ही काशी में, जिनसे उनका लगाव था।

उत्तर (C) काशी से दूर जाने पर उन्हें स्वयं पर विश्वास कम प्रतीत होने लगता था।

प्रश्न 6 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

बिस्मिल्ला खाँ अपनी दुआओं में क्या माँगा करते थे?

(A) अपने सुरों की सलामती
(B) जन्मभूमि काशी का सौहार्द
(C) विविध संप्रदायों में भाईचारा.
(D) पूरे देश की सलामती

उत्तर **(A)** अपने सुरों की सलामती

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 7 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

बिस्मिल्ला खाँ की एक संगीत साधक के रूप में क्या विशेषताएँ थीं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ संगीत के सच्चे साधक थे। वे पाँचों वक्त की नमाज़ में खुदा से सच्चा सुर माँगते थे। विश्व-प्रसिद्ध होने और अस्सी बरस की उम्र हो जाने पर भी वे रोज़ शहनाई का रियाज़ करते थे और स्वयं को अधूरा ही मानते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- पाँचों समय की नमाज में सच्चा सुर माँगना।
- अस्सी बरस की उम्र में भी शहनाई का रोजाना रियाज़।

प्रश्न 8 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

भारत रत्न बिस्मिल्ला खाँ पर 'सादा जीवन उच्च विचार' वाली कहावत चरितार्थ होती है, कैसे?

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ का पहनावा और व्यवहार अत्यंत सादगीपूर्ण था; भारत रत्न पाकर भी वे फटी तहमद पहन लेते थे। सिद्धहस्त शहनाईवादक होकर भी वे खुदा से सच्चे सुर की दुआ माँगते थे और अपनी जन्मभूमि तथा काशी से गहरा जुड़ाव रखते थे। इस प्रकार उन पर यह कहावत चरितार्थ होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- सादगीपूर्ण पहनावा और व्यवहार
- सिद्धहस्त शहनाईवादक होने पर भी सच्चे सुरों के लिए दुआ
- जन्मस्थान से गहरा जुड़ाव (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 9 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

बिस्मिल्ला खाँ शहनाई के लिए सर्वोच्च सम्मान पाकर भी नमाज के बाद सजदे में गिड़गिड़ाते - 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे।' --- इससे उनकी कौन-सी दो विशेषताएँ उभरकर आती हैं?

आदर्श उत्तर

इससे पता चलता है कि बिस्मिल्ला खाँ सच्चे संगीत-साधक और कला के अनन्य उपासक थे, जिनमें सीखने की ललक अंत तक बनी रही। साथ ही वे अत्यंत विनम्र और निरभिमानी थे; सर्वोच्च सम्मान पाकर भी घमंड उनसे कोसों दूर था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- सच्चे संगीत साधक / कला के अनन्य उपासक

- विनम्रता / सरलता / सादगीपूर्ण जीवन
- आस्थावान / ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का भाव
- निरभिमानी / घमंड से कोसों दूर
- सीखने की ललक (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 10 2023 (3/6/1)

बिस्मिल्ला खाँ 'मालिक' से कौन-सी दुआ माँगते थे? इससे उनके व्यक्तित्व का कौन-सा पहलू सामने उभरता है।

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ 'मालिक' से सच्चे सुर की दुआ माँगते थे। इससे उनके व्यक्तित्व का वह पहलू सामने आता है कि वे कला के सच्चे साधक थे और इतनी प्रसिद्धि पाकर भी विनम्र, सरल तथा ईश्वर में गहरी आस्था रखने वाले बने रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- दुआ - सच्चे सुर की; व्यक्तित्व का पहलू
- कला की सच्ची साधना
- आस्था,
- विनम्रता
- सरलता (कोई एक बिंदु स्वीकार्य)

प्रश्न 11 2023 (3/6/2)

बिस्मिल्ला खाँ को लेखक 'मंगल ध्वनि का नायक' क्यों कहता है?

आदर्श उत्तर

शहनाई मंगल ध्वनि का वाद्य है, जो शुभ अवसरों पर बजाया जाता है। बिस्मिल्ला खाँ सर्वश्रेष्ठ शहनाई-वादक थे और उन्होंने अपना पूरा जीवन शहनाई की सुर-साधना को समर्पित कर दिया। इसीलिए लेखक उन्हें 'मंगल ध्वनि का नायक' कहता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- शहनाई मंगल ध्वनि का वाद्य;
- बिस्मिल्ला खाँ सर्वश्रेष्ठ शहनाई-वादक / शहनाई की सुर साधना में पूरा जीवन समर्पित

प्रश्न 12 2023 (3/6/3)

काशी में किस प्रकार के परिवर्तन हो रहे थे और उन परिवर्तनों पर बिस्मिल्ला खाँ क्या सोचते थे?

आदर्श उत्तर

काशी में खान-पान की पुरानी परंपराएँ बदल रही थीं; पक्का महाल से मलाई-बरफ़ वाले जा चुके थे। संगीत, साहित्य और अदब की परंपराएँ भी लुप्त हो रही थीं – रियाज़ कम हो गया था और संगतियों के लिए आदर नहीं रहा था। बिस्मिल्ला खाँ इन परिवर्तनों से दुखी होते थे; उन्हें इनकी कमी खलती थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- खानपान की परंपरा में परिवर्तन जैसे - पक्का महाल से मलाई बर्फ का जाना

- संगीत, साहित्य और अदब की बहुत सारी परंपराओं में परिवर्तन जैसे - रियाजु का कम होना, संगतियों के लिए आदर न होना;
- इन परिवर्तनों पर बिस्मिल्ला खाँ हैरान, दुखी होते थे।
- उन्हें इनकी कमी खलती थी। (प्रश्न के प्रत्येक भाग के लिए एक-एक बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 13 2024 (3/1/1)

बिस्मिल्ला खाँ का जीवन वर्तमान और भावी पीढ़ी को क्या संदेश देता है?

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ का जीवन संदेश देता है कि कला के प्रति पूर्ण समर्पण और निरंतर अभ्यास से ही ऊँचाई मिलती है। सफलता पाकर भी सहज, विनम्र और सादगीपूर्ण बने रहना चाहिए। उनसे गंगा-जमुनी संस्कृति में आस्था और जन्मभूमि से प्रेम की सीख भी मिलती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई एक उपयुक्त संदेश लिखेंगे, जैसे -

- सहजता और विनम्रता
- निरंतर अभ्यास
- गंगा-जमुनी संस्कृति में आस्था
- जन्मभूमि के प्रति प्रेम
- सादगीपूर्ण जीवन
- कला के प्रति पूर्ण समर्पण
- अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 14 2024 (3/1/2)

'नौबतखाने में इबादत' पाठ का लेखक 'बिस्मिल्ला खाँ का मतलब- बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। शहनाई का तात्पर्य बिस्मिल्ला खाँ का हाथ'। ऐसा क्यों मानता है?

आदर्श उत्तर

लेखक ऐसा इसलिए मानता है कि शहनाई और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। शहनाईवादक के रूप में उनकी अद्वितीय पहचान है। शहनाई को उनके कारण और उन्हें शहनाई के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि मिली।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- शहनाई और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पर्याय
- शहनाईवादक के रूप में अद्वितीय पहचान
- शहनाई और बिस्मिल्ला खाँ, दोनों को एक-दूसरे के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली प्रसिद्धि

प्रश्न 15 2024 (3/1/3)

बिस्मिल्ला खाँ ने सम पर आना कैसे और कब सीखा?

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ ने सम पर आना बचपन में ही सीख लिया था। वे संगीतमय परिवेश में पले-बढ़े थे। जब उनके मामू अलीबख्श खाँ शहनाई बजाते हुए सम पर आते तो बालक अमीरुद्दीन धड़ से पत्थर ज़मीन पर मारकर दाद देता था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- बचपन में सीखा;
- संगीतमय परिवेश में पले-बड़े होने के कारण
- मामू के शहनाई वादन को सुनकर

प्रश्न 16 **2024** (3/2/1)

'शहनाई' क्या है? भारतीय संगीत में इसका क्या महत्त्व है?

आदर्श उत्तर

शहनाई फूँककर बजाया जाने वाला एक सुषिर वाद्य है। अवधी के पारंपरिक लोकगीतों और चैती में इसका बार-बार उल्लेख मिलता है। भारतीय संगीत में इसे मंगल का परिवेश प्रतिष्ठित करने वाला वाद्य माना जाता है और यह शुभ अवसरों पर बजाई जाती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- एक सुषिर वाद्य
- फूँककर बजाया जाने वाला वाद्य

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- अवधी पारंपरिक लोकगीतों और चैती में बार-बार उल्लेख मिलना
- मंगल का परिवेश प्रतिष्ठित करने वाले वाद्य के रूप में मान्यता
- संगीत रागकल्पद्रुम में उपयोग का उल्लेख

प्रश्न 17 **2024** (3/2/2)

'नौबतखाने में इबादत' पाठ में काशी के प्राचीन और पारंपरिक संगीत का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

आदर्श उत्तर

काशी की गलियों-मोहल्लों में ठुमरी, टप्पे और दादरा जैसे पारंपरिक संगीत का प्रचलन था। संकटमोचन मंदिर में शास्त्रीय और उपशास्त्रीय संगीत-सभा की प्राचीन और अद्भुत परंपरा रही है। उत्सवों में सेहरा-बन्ना और नौहा गाए जाते थे तथा कंठे महाराज और विद्याधरी जैसे कलाकार यहीं हुए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ मं उपयुक्त विवरण लिखेंगे, जैसे –

- गलियों-मोहल्लों में ठुमरी, टप्पे, दादरा आदि पारंपरिक संगीत का प्रचलन
- संकटमोचन मंदिर में शास्त्रीय और उपशास्त्रीय संगीत आयोजन की प्राचीन और अद्भुत परंपरा
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों, उत्सवों, त्योहारों में सेहरा, बन्ना, नोहा आदि

- कंठे महाराज, विद्याधरी, बड़े रामदास, मौजुद्दीन खाँ, बिस्मिल्ला खाँ जैसे संगीतज्ञों का निवास

प्रश्न 18 2024 (3/2/3)

किसी भी क्षेत्र और कला में सफल होने के लिए किन-किन गुणों की आवश्यकता होती है? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

किसी भी क्षेत्र में सफल होने के लिए अपने कार्य के प्रति प्रेम, लगन और पूर्ण समर्पण आवश्यक है। निरंतर अभ्यास या रियाज़ से ही विशेषज्ञता आती है। साथ ही व्यक्ति को बिस्मिल्ला खाँ की तरह सहज, सरल और विनम्र बने रहना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर निम्नलिखित में से कोई दो बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- विनम्रता / सरलता
- सहजता
- निरंतर अभ्यास (रियाज़)
- कार्य के प्रति प्रेम व लगन
- समर्पण
- विशेषज्ञता

प्रश्न 19 2024 (3/3/1)

'नौबतखाने में इबादत' पाठ में काशी को संस्कृति की पाठशाला क्यों कहा गया है?

आदर्श उत्तर

काशी अत्यंत प्राचीन नगरी है, जो शास्त्रों में 'आनंद-कानन' के नाम से प्रतिष्ठित है। यहाँ गंगा-जमुनी संस्कृति तथा संगीत, साहित्य और अदब की समृद्ध परंपरा रही है। कंठे महाराज, विद्याधरी और बिस्मिल्ला खाँ जैसे कलाकार यहीं हुए। इसलिए इसे संस्कृति की पाठशाला कहा गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में निम्नलिखित में से कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- प्राचीन नगरी, शास्त्रों में आनंद-कानन के नाम से प्रतिष्ठित
- गंगा-जमुनी संस्कृति
- संगीत, साहित्य और अदब की समृद्ध परंपरा
- पं. कंठे महाराज, विद्याधरी और बिस्मिल्ला खाँ जैसे विशिष्ट व्यक्तियों का निवास

प्रश्न 20 2024 (3/3/2)

'तुम लोगों की तरह बनाव-सिंगार देखते रहते तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई। तब क्या खाक रियाज़ हो पाता?' 'नौबतखाने में इबादत' पाठ की इस पंक्ति में युवाओं के लिए क्या संदेश छिपा है?

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति में युवाओं के लिए संदेश है कि बाहरी बनाव-शृंगार के बजाय आंतरिक गुणों को महत्त्व देना चाहिए। जीवन सादगीपूर्ण हो और समय दिखावे में नष्ट करने के स्थान पर परिश्रम तथा निरंतर अभ्यास में लगाया जाए; तभी कुछ सीखा और पाया जा सकता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- सादगीपूर्ण जीवन / विनम्रता
- परिश्रम व रियाज़ (अभ्यास)
- सीखने की ललक
- बाहरी रंग-रूप के बजाय आंतरिक गुणों का महत्त्व
- अन्य उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य

प्रश्न 21 **2024** (3/3/3)

बिस्मिल्ला खाँ के काशी से विशेष लगाव के क्या कारण थे?

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ की गंगा मैया, बालाजी और बाबा विश्वनाथ के प्रति गहरी आस्था थी। उनका बचपन काशी में बीता और यहीं उन्होंने संगीत-साधना की। यहाँ की संस्कृति उनमें रची-बसी थी; उनके लिए काशी जन्नत के समान थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दो उपयुक्त कारण लिखेंगे, जैसे –

- गंगा, बालाजी और बाबा विश्वनाथ के प्रति गहरी आस्था
- काशी में बीता बचपन और संगीत साधना
- संस्कृति
- काशी स्वर्ग / जन्नत तुल्य

प्रश्न 22 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

बिस्मिल्ला खाँ के जीवन में रसूलबबाई और बतूलनबाई का क्या महत्त्व है?

आदर्श उत्तर

बचपन में बिस्मिल्ला खाँ बालाजी मंदिर जाते समय रसूलनबाई और बतूलनबाई के घर के रास्ते से गुजरते थे। उनकी ठुमरी, टप्पे और दादरा सुनकर उन्हें संगीत की प्रेरणा मिली और बचपन से ही संगीत के प्रति समझ तथा आसक्ति पैदा हुई।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- ठुमरी, दादरा, टप्पे आदि सुनकर संगीत की प्रेरणा मिलना
- बचपन से ही संगीत की समझ बनना
- अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य

प्रश्न 23 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'शहनाई' के बारे में आप क्या जानते हैं? उसका वर्णन 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर कीजिए।

आदर्श उत्तर

शहनाई फूँककर बजाया जाने वाला सुषिर वाद्य है। अरबी में इसे 'शाहेनय' अर्थात सुषिर वाद्यों में शाह कहा जाता है। यह मांगलिक अवसरों और प्रभाती में बजाई जाती है। बिस्मिल्ला खाँ ने इस वाद्य को दुनिया भर में प्रतिष्ठा दिलाई।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर शहनाई के बारे में कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- सुषिर वाद्य या फूँक कर बजाया जाने वाल वाद्य
- अरबी भाषा में 'शाहेनय' अर्थात सुषिर वाद्यों में सर्वश्रेष्ठ
- मांगलिक कार्यों में बजाया जाने वाला
- प्रभाती में बजाया जाने वाला
- बिस्मिल्ला खाँ द्वारा दुनिया भर में प्रतिष्ठित कराया गया वाद्य
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य (1+1=2)

प्रश्न 24 2025 (3/1/1)

'बिस्मिल्ला खाँ का जीवन, प्रतिभा और परिश्रम का अनूठा सम्मिश्रण है, कैसे?' 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के संदर्भ में उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ विशिष्ट प्रतिभा से संपन्न थे; बचपन से ही उन्हें सुरों की समझ थी और वे बालाजी के मंदिर में नियमित शहनाई बजाते थे। शहनाई-वादन में विश्व-प्रसिद्धि पाने के बाद भी उन्होंने अस्सी बरस की उम्र तक नियमित रियाज़ जारी रखा। इस प्रकार उनका जीवन प्रतिभा और परिश्रम का सम्मिश्रण है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- विशिष्ट प्रतिभा से संपन्न होने के कारण बचपन से ही सुरों की समझ और बालाजी के मंदिर में नियमित शहनाई वादन
- शहनाई बजाने में विश्वप्रसिद्धि के बावजूद अस्सी बरस की उम्र तक नियमित रियाज़ किया जाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 25 2025 (3/1/2)

'भारत रत्न' से सम्मानित बिस्मिल्ला खाँ की उपलब्धियों के पीछे कौन-से कारण हैं?

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ की उपलब्धियों के पीछे शहनाई-वादन की उनकी विशिष्ट प्रतिभा और संगीत के प्रति संपूर्ण समर्पण है। उन्होंने अथक परिश्रम और नियमित रियाज़ किया तथा निरंतर सीखने की लगन बनाए रखी। संगीतमय पारिवारिक और सामाजिक परिवेश ने भी उन्हें सहारा दिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- संगीत के प्रति संपूर्ण समर्पण
- शहनाई वादन में विशिष्ट प्रतिभा
- अथक परिश्रम और नियमित रियाज़
- निरंतर सीखने की लगन

- पारिवारिक और सामाजिक परिवेश (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 26 2025 (3/1/3)

'बिस्मिल्ला खाँ के जीवन से सबसे बड़ी प्रेरणा परिश्रम और अभ्यास की मिलती है।' पाठ के आधार पर कथन को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ बचपन से ही बालाजी के मंदिर में नियमित शहनाई-वादन करते थे। शहनाई बजाने में विश्व-प्रसिद्धि मिल जाने के बाद भी उन्होंने अस्सी बरस की उम्र तक लगातार रियाज़ किया। इससे परिश्रम और अभ्यास की सबसे बड़ी प्रेरणा मिलती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- बालाजी के मंदिर में नियमित शहनाई वादन
- शहनाई बजाने में विश्वप्रसिद्धि के बावजूद अस्सी बरस की उम्र तक लगातार और नियमित रियाज़ (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 27 2025 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

संगतियों के प्रति गायकों के किस व्यवहार से बिस्मिल्ला खाँ दुखी थे?

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ इस बात से दुखी थे कि गायकों के मन में अब संगतियों के प्रति कोई आदर-भाव नहीं रह गया था। गायकों की नज़र में संगतियों का कोई महत्त्व नहीं था और वे उनकी योग्यता तथा गुणों को कम आँकते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर एक बिंदु में उत्तर लिखेंगे-

- गायकों के मन में संगतियों के प्रति कोई आदर भाव न रह जाना
- गायकों की नज़रों में संगतियों का कोई महत्त्व नहीं होना
- संगतियों की योग्यता और गुणों को कम आँकना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 28 2025 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'ई काशी छोड़कर कहाँ जाएँ' बिस्मिल्ला खाँ के मन में काशी के प्रति विशेष अनुराग के क्या कारण थे?

आदर्श उत्तर

काशी से बिस्मिल्ला खाँ के पूर्वजों का संबंध था और उनका बचपन भी यहीं बीता। काशी में रहकर ही उन्होंने सुर-साधना की और शहनाई-वादन में विश्व-प्रसिद्धि पाई। यहाँ की परंपराओं, खान-पान, गंगा मैया, बालाजी और बाबा विश्वनाथ से उनका गहरा जुड़ाव था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त कारण लिखेंगे-

- काशी से उनके पूर्वजों का संबंध
- बचपन का जुड़ाव
- काशी में रहकर ही सुर साधना करना और शहनाई-वादन में विश्व में प्रसिद्धि पाना

- काशी की समृद्ध परंपराओं, खानपान, रहन-सहन, गंगा मइया, बालाजी, बाबा विश्वनाथ आदि से जुड़ाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 29 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व के गुणों का उल्लेख करते हुए लिखिए कि आप उनके किस गुण को अपनाना चाहेंगे और क्यों?

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ प्रतिभाशाली, परिश्रमी, विनम्र और सादगीपूर्ण व्यक्ति थे; वे साझा संस्कृति के प्रतीक और सच्चे सुरों के साधक थे। मैं उनकी लगनशीलता को अपनाना चाहूँगा, क्योंकि निरंतर लगन और अभ्यास से ही मैं भी अपने क्षेत्र में ऊँचाई पा सकता हूँ।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

गुण:

- प्रतिभाशाली
- परिश्रमी
- लगनशील
- विनम्र
- सादगीपूर्ण
- साझा संस्कृति के प्रतीक
- सद्भावनापूर्ण
- जन्मभूमि के प्रति लगाव
- सच्चे सुरों के साधक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

मुझे बिस्मिल्ला खाँ की लगनशीलता पसंद है और अपने जीवन में उसे उतारकर मैं भी किसी क्षेत्र में निपुणता हासिल कर सकती/सकता हूँ।

प्रश्न 30 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर लिखिए कि एक सच्चे कलाकार को किन बातों पर ध्यान देना चाहिए और किन पर नहीं?

आदर्श उत्तर

एक सच्चे कलाकार को नियमित अभ्यास, अनुशासन, सीखने की ललक और विनम्रता पर ध्यान देना चाहिए; उसमें ईश्वर के प्रति कृतज्ञता और अपनी संस्कृति से प्रेम हो। उसे बाहरी बनाव-शृंगार, दिखावे, धन-यश के लोभ और अहंकार पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो-दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

ध्यान देने योग्य बिंदु:

- नियमित अभ्यास
- अनुशासन
- ईश्वर के प्रति कृतज्ञता
- सीखने की ललक
- विनम्रता
- सद्भावना

- संस्कृति के प्रति प्रेम
- सादगी और सरलता

ध्यान न देने वाले बिंदु:

- अहंकार
- दिखावा
- कला के प्रति बेअदबी
- कट्टरता
- बाहरी रंग-रूप

प्रश्न 31 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

बिस्मिल्ला खाँ काशी छोड़कर अन्यत्र क्यों नहीं जाना चाहते थे? 'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

बिस्मिल्ला खाँ को काशी से असीम लगाव था। वे बालाजी मंदिर के प्रांगण में नियमित रियाज़ करते थे और गंगा मैया तथा बाबा विश्वनाथ से उनका गहरा जुड़ाव था। उनके खानदान की कई पुश्तों ने काशी में रहकर शहनाई बजाई थी, इसलिए वे काशी छोड़ना नहीं चाहते थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- काशी से असीम लगाव
- बालाजी मंदिर के प्रांगण में नियमित रियाज़
- गंगा मैया और बाबा विश्वनाथ से उनका गहरा जुड़ाव
- उनके खानदान की अनेक पुश्तों द्वारा काशी में रहकर शहनाई वादन (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 32 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'नौबतखाने में इबादत' पाठ में बिस्मिलला खाँ की तुलना कस्तूरी मृग से क्यों की गई है?

आदर्श उत्तर

कस्तूरी मृग अपनी ही नाभि में बसी सुगंध से अनजान रहकर उसे जंगल भर में खोजता फिरता है। उसी प्रकार बिस्मिल्ला खाँ सुरों के श्रेष्ठ ज्ञाता होते हुए भी जीवन भर सच्चे सुर की तलाश करते रहे और खुदा से उसी की दुआ माँगते रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- कस्तूरी मृग: अपनी सुगंध के स्रोत से अनभिज्ञ होते हुए उसकी तलाश में रहते हैं;
- बिस्मिल्ला खाँ: सुरों और संगीत के श्रेष्ठ ज्ञाता होते हुए भी आजीवन सच्चे सुरों की तलाश

क्षितिज • गद्य खंड

संस्कृति — भदंत आनंद कौसल्यायन

बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए कि जो मनुष्य के लिए कल्याणकारी नहीं है, वह:

(A) न सभ्यता है और न संस्कृति।
(B) न परंपरा है और न रीति-रिवाज।
(C) न आविष्कार है और न अनुसंधान।
(D) न खोज है और न प्रयोग।

उत्तर **(A)** न सभ्यता है और न संस्कृति।

प्रश्न 2 2023 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

(i) मानव की जो योग्यता उसे आत्म-विनाश की ओर ले जाती है वह है :
(a) संस्कृति
(b) असंस्कृति
(c) सभ्यता

उत्तर **(B)** असंस्कृति

प्रश्न 3 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'संस्कृति' पाठ में सुसंस्कृत व्यक्ति में किस भाव की प्रधानता मानी गई है?

(A) लोककल्याण की भावना
(B) स्वकल्याण की भावना
(C) बंधुकल्याण की भावना
(D) भाषाकल्याण की भावना

उत्तर **(A)** लोककल्याण की भावना

लघु उत्तरीय प्रश्न (लगभग 25–30 शब्द)

प्रश्न 4 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'संस्कृति' पाठ के आधार पर बताइए कि 'संस्कृत व्यक्ति' कौन होता है? उसकी खूबियों पर टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक के अनुसार संस्कृत व्यक्ति वह है जो अपनी बुद्धि और विवेक से किसी नए तथ्य की खोज या आविष्कार करता है। वह मनीषी, ज्ञान का जिज्ञासु, कल्याणकारी और त्यागी होता है तथा पूर्वजों की उपलब्धियों को आगे बढ़ाता है, जैसे आग या सुई-धागे का आविष्कर्ता और न्यूटन।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

संस्कृत व्यक्ति

- खोज / आविष्कार करने वाला; खूबियां - विद्वान / विदुषी / मनीषी, आविष्कारक, कल्याणकारी, त्यागी, ज्ञानेप्सा-युक्त, पूर्वजों की उपलब्धियों को आगे

बढ़ाने वाला, बुद्धि और विवेक से नवीन तथ्यों का विश्लेषण करने की योग्यता वाला (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 5 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए कि आज के विज्ञान के विद्यार्थियों को लेखक न्यूटन के मुकाबले कहाँ देखता है। उसकी बातों से अपनी सहमति/असहमति तर्कों द्वारा साबित कीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक के अनुसार आज का विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन से अधिक सभ्य हो सकता है, क्योंकि उसे अनेक नई बातों का ज्ञान है; पर वह न्यूटन जितना संस्कृत नहीं है। मैं इससे सहमत हूँ, क्योंकि विद्यार्थी के पास पाया हुआ ज्ञान है, जबकि न्यूटन ने अपनी बुद्धि से नया सिद्धांत खोजा था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

आज विद्यार्थी के न्यूटन के मुकाबले

- अधिक सभ्य
- अनेक नई बातों का ज्ञान; (प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य॥/।

प्रश्न 6 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार 'संस्कृति' से क्या अभिप्राय है?

आदर्श उत्तर

भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार संस्कृति मनुष्य की वह योग्यता, प्रवृत्ति और प्रेरणा है जिसके बल पर वह जन-कल्याण के लिए नए आविष्कार करता है। ज्ञान प्राप्त करने की सहज इच्छा और दूसरों के लिए सर्वस्व त्याग करने की भावना भी संस्कृति ही है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- जन-कल्याण हेतु आविष्कार करने की योग्यता, प्रवृत्ति और प्रेरणा
- ज्ञान प्राप्ति की सहज इच्छा
- सर्वस्व त्याग करने की भावना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 7 **2023** (3/6/2)

लोग संस्कृति और सभ्यता को ठीक-ठीक समझने में अभी भी भूल क्यों करते हैं?

आदर्श उत्तर

संस्कृति और सभ्यता में बहुत सूक्ष्म अंतर है; सभ्यता संस्कृति का ही परिणाम है। इन शब्दों के साथ भौतिक, आध्यात्मिक जैसे कई विशेषण जोड़ दिए जाते हैं, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति बन जाती है और वे इन्हें ठीक-ठीक समझ नहीं पाते।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- दोनों में सूक्ष्म अंतर
- सभ्यता संस्कृति का ही परिणाम
- कई विशेषण लगा दिए जाने के कारण लोगों में भ्रम की स्थिति (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 2023 (3/6/3)

'संस्कृति' पाठ के लेखक किन तर्कों के आधार पर न्यूटन को 'संस्कृत मानव' कहते हैं? क्या आप भी उनसे सहमत हैं?

आदर्श उत्तर

लेखक के अनुसार जो व्यक्ति अपनी बुद्धि और विवेक से किसी नए तथ्य की खोज करता है, वही संस्कृत मानव है। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज की, इसलिए वह संस्कृत मानव था। मैं इससे सहमत हूँ, क्योंकि मौलिक खोज करने की योग्यता ही सच्ची संस्कृति है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- बुद्धि-विवेक के प्रयाग से किसी नए तथ्य की खोज / अन्वेषण और आविष्कार, जैसे न्यूटन द्वारा गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)।

प्रश्न 9 2024 (3/1/1)

'संस्कृति' पाठ से ली गई पंक्ति 'संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है',....। 'में कूड़े-करकट' से क्या अभिप्राय है?

आदर्श उत्तर

यहाँ 'कूड़े-करकट' से अभिप्राय उन वस्तुओं, परंपराओं, रूढ़ियों, ज्ञान और विचारों से है जो बदलते समय के साथ अप्रासंगिक और अकल्याणकारी हो चुके हैं, फिर भी लोग संस्कृति के नाम पर उनसे चिपके रहते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में दी गई पंक्ति का उपयुक्त अभिप्राय लिखेंगे, जैसे -

कोई वस्तु, परंपरा, ज्ञान और विचार जो बदलते समय के साथ अप्रासंगिक और अकल्याणकारी हो

प्रश्न 10 2024 (3/1/2)

संस्कृति और सभ्यता अलग-अलग कैसे हैं? पठित पाठ 'संस्कृति' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर नवीन वस्तुओं का आविष्कार होता है, वह संस्कृति है और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ, वह सभ्यता है। संस्कृति विचार है और अमूर्त है, जबकि सभ्यता उसका परिणाम है और मूर्त रूप में दिखाई देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर संस्कृति और सभ्यता में अंतर लिखेंगे, जैसे –

- जिस योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा के बल पर नवीन वस्तुओं का आविष्कार हुआ वह संस्कृति और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार हुआ वह सभ्यता
- संस्कृति विचार; सभ्यता उसका परिणाम
- संस्कृति अमूर्त; सभ्यता मूर्त

प्रश्न 11 2024 (3/1/3)

सुसंस्कृत व्यक्ति किसे कहा जा सकता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

सुसंस्कृत व्यक्ति वह है जो अपनी प्रवृत्ति, योग्यता और प्रेरणा के बल पर किसी नई वस्तु का आविष्कार करता है। उसमें निःस्वार्थ त्याग और लोक-कल्याण की भावना होती है; वह अपने ज्ञान का उपयोग मानवता के हित में करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई एक बिंदु विस्तार से लिखेंगे, जैसे –

- अपनी प्रवृत्ति, योग्यता और प्रेरणा के बल पर किसी भी नई वस्तु का आविष्कार करने वाला व्यक्ति
- निःस्वार्थ त्याग की भावनायुक्त व्यक्ति
- लोककल्याण की भावनायुक्त व्यक्ति

प्रश्न 12 2024 (3/3/1)

मानव की आरंभिक खोजों यथा आग, पहिया आदि की खोज के पीछे क्या प्रेरणा रही होगी? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

मानव की आरंभिक खोजों के पीछे मुख्य प्रेरणा अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति रही होगी। आग की खोज पेट की ज्वाला शांत करने और आत्मरक्षा के लिए हुई होगी। जीवन को आरामदायक बनाने की इच्छा और सबके कल्याण की भावना ने भी इन खोजों को प्रेरित किया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई दा उपयुक्त प्रेरणा लिखेंगे, जैसे –

- आत्मरक्षण
- आरामदायक जीवन
- लोक कल्याण

प्रश्न 13 2024 (3/3/2)

'संस्कृति' पाठ के आधार पर सभ्यता और संस्कृति के बीच के अंतर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा जिसके बल पर किसी नई वस्तु की खोज होती है, संस्कृति कहलाती है और उससे जो आविष्कार हुआ, वह सभ्यता है। उदाहरण के लिए आग का आविष्कार करने की शक्ति संस्कृति है, जबकि आग का आविष्कार और उसका उपभोग सभ्यता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में सभ्यता और संस्कृति में अंतर बताते हुए कोई एक उदाहरण लिखेंगे, जैसे –

- वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा जिसके बल पर किसी नई वस्तु या तत्व की खोज होती है, संस्कृति कहलाती है और उस संस्कृति द्वारा जो आविष्कार

  हुआ वह सभ्यता।

उदाहरण: आग का आविष्कार करने की शक्ति - संस्कृति आग का आविष्कार और उपभोग - सभ्यता

प्रश्न 14 2024 (3/3/3)

क्या संस्कृति के समान असंस्कृति भी होती है? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

हाँ, असंस्कृति भी होती है। मानव की जो योग्यता लोक-कल्याण के साधनों का आविष्कार कराती है, वह संस्कृति है और जो आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, वह असंस्कृति है। संस्कृति कल्याणकारी और त्याग-भावना से युक्त होती है, असंस्कृति अकल्याणकारी होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- मानव की वह योग्यता जो उससे आत्मविनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, असंस्कृति कहलाती है तथा जो योग्यता 'लोककल्याण' के साधनों का आविष्कार कराती है संस्कृति है।
- संस्कृति कल्याणकारी होती है, असंस्कृति अकल्याणकारी होती है।
- संस्कृति में त्याग की भावना असंस्कृति में त्याग की भावना नहीं
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 15 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

कौसल्यायन जी ने 'संस्कृति' किसे कहा है?

आदर्श उत्तर

कौसल्यायन जी ने नए आविष्कार करने अथवा नए तथ्यों को खोजने की प्रवृत्ति, योग्यता और प्रेरणा को संस्कृति कहा है। नए ज्ञान को पाने की जिज्ञासु प्रवृत्ति तथा मानवता के कल्याण के लिए त्याग की भावना भी संस्कृति है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई दा उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे -

- नए आविष्कार अथवा तथ्यों को खोजने की प्रवृत्ति, योग्यता या प्रेरणा
- नए ज्ञान को खोजने की इच्छा या जिज्ञासु प्रवृत्ति
- मानवता के लिए कल्याण या त्याग की प्रवृत्ति
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 16 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'संस्कृति' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराने वाली मानव की योग्यता को संस्कृति कहा जाना चाहिए या असंस्कृति।

आदर्श उत्तर

ऐसी योग्यता को संस्कृति नहीं, असंस्कृति कहा जाना चाहिए। संस्कृति का संबंध मानव-कल्याण की भावना से है; कल्याण से नाता टूटते ही वह असंस्कृति बन जाती है। आत्म-विनाश के साधन मानवता के लिए घातक हैं और ऐसी असंस्कृति का परिणाम असभ्यता ही होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- ऐसी योग्यता को संस्कृति नहीं, असंस्कृति कहा जाएगा।
- संस्कृति का संबंध मानव-कल्याण की भावना से है; कल्याण से नाता टूटते ही वह असंस्कृति बन जाती है।
- आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार मानवता के लिए घातक है; ऐसी असंस्कृति का परिणाम असभ्यता ही होगा।

(इस प्रश्न की अंक-योजना स्कैन से स्पष्ट नहीं पढ़ी जा सकी; उत्तर-बिंदु पाठ के आधार पर Competishun द्वारा)

प्रश्न 17 2025 (3/1/1)

'सभ्यता' और 'संस्कृति' के बीच के अंतर को 'संस्कृति' पाठ के आधार पर समझाइए।

आदर्श उत्तर

संस्कृति व्यक्ति की वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा है जिसके बल पर वह कुछ नया आविष्कार, त्याग और परोपकार करता है। सभ्यता उस संस्कृति का परिणाम है, अर्थात संस्कृति द्वारा किए गए आविष्कार और हमारे रहन-सहन के तौर-तरीके सभ्यता कहलाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- संस्कृति: व्यक्ति विशेष की वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा जिसके बल पर वह कुछ नया आविष्कार, त्याग और परोपकार करता है।
- सभ्यता: संस्कृति का परिणाम, संस्कृति द्वारा किए गए आविष्कार

प्रश्न 18 2025 (3/1/3)

आज का वैज्ञानिक किस आधार पर न्यूटन की तुलना में अधिक सभ्य कहलाएगा? क्या आप 'संस्कृति' पाठ के लेखक की इस अवधारणा से सहमत हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

आज के वैज्ञानिक को न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के साथ-साथ उससे आगे के अनुसंधानों और नियमों का भी ज्ञान है, इसलिए वह अधिक सभ्य कहलाएगा। मैं इससे सहमत हूँ, क्योंकि समय के साथ खोज की दुनिया ने बहुत प्रगति की है; पर मूल खोज करने के कारण न्यूटन अधिक संस्कृत था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- आज के वैज्ञानिकों को भौतिकी में न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के साथ-साथ उससे भी आगे के अनुसंधानों, नियमों आदि का ज्ञान;

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- सहमत
- समय के साथ शोध और खोज की दुनिया ने द्रुत प्रगति की है और न्यूटन के बाद पता चलने वाली ज्ञान-विज्ञान की हज़ारों बातों की जानकारी आज के वैज्ञानिक को होगी तो वह अधिक सभ्य कहलाएगा।

प्रश्न 19 2025 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'संस्कृति' पाठ के संदर्भ में असंस्कृति और असभ्यता किसे कहेंगे? सोदाहरण लिखिए।

आदर्श उत्तर

जब मानव की योग्यता और प्रवृत्ति का कल्याण की भावना से नाता टूट जाता है और वह विनाशकारी साधनों का आविष्कार करने लगती है, तो वह असंस्कृति कहलाती है। इस असंस्कृति का परिणाम असभ्यता है, जैसे आत्मविनाश के साधन – घातक हथियार और बम।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

असंस्कृति:

- कल्याण की भावना से नाता टूटना

उदाहरण: मानव की योग्यता, भावना, प्रेरणा, और प्रवृत्ति से विनाशकारी साधनों का आविष्कार
असभ्यता:

- असंस्कृति का परिणाम

उदाहरण: आत्मविनाश के साधन

प्रश्न 20 **2025** (3/3/2)

'सभ्यता' और 'संस्कृति' शब्दों का अर्थ 'संस्कृति' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

संस्कृति व्यक्ति की वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा है जिसके बल पर वह नया आविष्कार, त्याग और परोपकार करता है; सभ्यता उस संस्कृति का परिणाम है। उदाहरण के लिए आग और सुई-धागे का आविष्कार करने की योग्यता संस्कृति है तथा ये आविष्कार और उनका प्रयोग सभ्यता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर सभ्यता और संस्कृति शब्दों का अर्थ बताते हुए उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे-

संस्कृति:
व्यक्ति विशेष की वह योग्यता, प्रवृत्ति अथवा प्रेरणा जिसके बल पर वह कुछ नया आविष्कार, त्याग और परोपकार करता है।
सभ्यता:
सभ्यता उस संस्कृति का परिणाम है।

उदाहरण: आग व सुई-धागे का आविष्कार और प्रयोग (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)

प्रश्न 21 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'संस्कृति' पाठ के आधार पर संस्कृति और सभ्यता के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

संस्कृति और सभ्यता में कारण और परिणाम का संबंध है; सभ्यता संस्कृति का ही परिणाम है। जैसे आग और सुई-धागे के आविष्कार की योग्यता संस्कृति है और इसके परिणामस्वरूप हुआ आग तथा सुई-धागे का आविष्कार सभ्यता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

सभ्यता संस्कृति का परिणाम है जैसे, आग और सुई-धागे के आविष्कार की योग्यता संस्कृति है और इसके परिणामस्वरूप सुई-धागे का आविष्कार सभ्यता।

प्रश्न 22 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'संस्कृति' पाठ के आधार पर संस्कृति और असंस्कृति में अंतर बताइए।

आदर्श उत्तर

संस्कृति मानव की वह योग्यता है जो उससे लोक-कल्याण के साधनों का आविष्कार कराती है; इसलिए वह कल्याणकारी है। इसके विपरीत असंस्कृति अकल्याणकारी, विध्वंसात्मक और आत्म-विनाशक होती है, क्योंकि वह विनाश के साधन तैयार कराती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त अंतर लिखेंगे-

- संस्कृति – कल्याणकारी
- असंस्कृति – अकल्याणकारी, विध्वंसात्मक, आत्म-विनाशक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 23 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

वास्तविक अर्थों में एक संस्कृत मनुष्य कौन कहलाएगा? 'संस्कृति' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

आदर्श उत्तर

वास्तविक अर्थों में संस्कृत मनुष्य वह है जिसमें अपनी बुद्धि से नया आविष्कार करने की योग्यता और मौलिकता हो। उसमें ज्ञान पाने की इच्छा, त्याग की भावना और समाज-कल्याण की भावना होती है; वह अपनी खोज का उपयोग मानवता के हित में करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

संस्कृत मनुष्य: जिसमें निम्नलिखित विशेषताएँ हों-

- आविष्कार की योग्यता
- त्याग की भावना
- ज्ञान की इच्छा
- मौलिकता
- समाज कल्याण की भावना

भाग 2

पूरक पाठ्यपुस्तक ‘कृतिका भाग-2’ : अध्यायवार प्रश्नोत्तर

कृतिका • पूरक पाठ्यपुस्तक

माता का अँचल — शिवपूजन सहाय

वर्णनात्मक प्रश्न (लगभग 50–60 शब्द)

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

‘माता का अँचल’ पाठ में वर्णित खेल-खिलौनों की दुनिया वर्तमान खिलौनों की दुनिया से बेहतर थी, क्यों? कारण सहित उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में वर्णित खेल-खिलौने बच्चों में सामाजिक मेल-मिलाप, परस्पर सहयोग, आत्मीयता और समूह-भावना बढ़ाते थे। खेल-सामग्री आस-पास की सहज उपलब्ध वस्तुओं – मिट्टी, पत्तों, तिनकों, ठीकरों – से बच्चे स्वयं बना लेते थे; वह प्राकृतिक, स्वास्थ्यकर और बिना खर्च की होती थी। इन खेलों से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता था तथा उनकी कल्पनाशीलता बढ़ती थी। आज के महँगे, मशीनी खिलौने और मोबाइल के खेल बच्चों को अकेला कर देते हैं, इसलिए वह दुनिया बेहतर थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

वर्तमान खेल-खिलौनों की अपेक्षा पाठ में वर्णित खेल-खिलौने:–

- सामाजिक मेल-मिलाप, परस्पर सहयोग, आत्मीयता, समूह भावना को बढ़ावा देने वाले थे।
- खिलौने या खेल सामग्री आसपास की सहज उपलब्ध वस्तुएँ, स्वनिर्मित, प्राकृतिक और स्वास्थ्यकर होती थीं।
- शारीरिक-मानसिक विकास में उपयोगी थे।
- जीवन की सहज व्यावहारिक शिक्षा देने वाले थे। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

पिता द्वारा भोलानाथ को खाना खिलाने के बाद भी उसकी माँ उसे खाना खिलाती थी, क्यों? ‘माता का अँचल’ पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

माँ का बच्चे के प्रति ममत्व अगाध और निश्छल होता है; उसका मन तब तक नहीं भरता जब तक वह स्वयं अपने हाथ से बच्चे को न खिला ले। भोलानाथ की माँ का मानना था कि पुरुष बच्चों को भरपेट खिलाना नहीं जानते; पिता के हाथ से छोटे-छोटे कौर खाने पर बच्चा थोड़े में ही पेट भरा समझ लेता है। इसलिए वह तोता, मैना, कबूतर आदि के नाम के बनावटी कौर बनाकर उसे और खिलाती थी, क्योंकि माँ के हाथ से खाने पर ही बच्चे का पेट भरता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- ममत्व की भावना – माँ का बच्चे के प्रति अगाध एवं निश्छल प्रेम माँ के विचार से –
- पुरुष बच्चों को भरपेट खाना खिलाना नहीं जानते।
- पिता के हाथों छोटे-छोटे कौर खाकर ही बच्चे में पेट भर जाने का भाव / अधिक खा लेने का भाव आ जाता है।
- माँ के हाथों का खाना खाकर ही बच्चों का पेट भरता है, उनका मन तृप्त हो जाता है। (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 3 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बालक भोलानाथ के भयभीत हो जाने वाली घटना का उल्लेख कीजिए। भयभीत भोलानाथ पिता के पास न जाकर माँ के पास ही क्यों गया?

आदर्श उत्तर

भोलानाथ और उसके साथी टीले पर चूहों के बिल में पानी उलीच रहे थे कि बिल से साँप निकल आया। सब बच्चे रोते-चिल्लाते, गिरते-पड़ते भागे; भोलानाथ लहूलुहान और बुरी तरह भयभीत हो गया। घर पहुँचकर वह बैठक में बैठे पिता के पास न जाकर सीधे माँ के अँचल में छिप गया। इसका कारण यह था कि संकट की घड़ी में बच्चे को पिता की अपेक्षा माँ पर अधिक विश्वास होता है और माँ की गोद में ही उसे सुरक्षा, ममता और शांति का अनुभव होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

घटना: टीले पर चूहों के बिल में पानी उलीचना, साँप का निकलना, भोलानाथ का भयभीत होना
कारण:

- पिता की अपेक्षा माँ पर अधिक विश्वास
- माँ की गोद में सुरक्षा का भाव (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

प्रश्न 4 **2022 टर्म-II** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

वात्सल्य और ममता की आधार-भूमि एक रहने पर भी माता-पिता और बच्चों के संबंधों में तब से अब तक बहुत बदलाव हुए हैं। –'माता का अँचल' पाठ के आधार पर इसे सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

वात्सल्य और ममता आज भी वही है, पर संबंधों का रूप बदल गया है। भोलानाथ के पिता उसके साथ समय बिताते थे – उसे नहलाते, पूजा में बिठाते, कंधे पर घुमाते, कुश्ती लड़ते और बच्चों के खेल में शामिल होते थे। आधुनिक युग में समय का अभाव और तकनीक का प्रभाव है; माता-पिता नौकरी और मोबाइल जैसे उपकरणों में व्यस्त रहते हैं और बच्चे भी स्क्रीन में खोए रहते हैं। अब माता-पिता बच्चों के खेल-खिलौनों में सम्मिलित नहीं हो पाते, जिससे आपसी निकटता घटी है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ –

- आधुनिक युग में समय का अभाव और तकनीक का प्रभाव
- बच्चों के साथ खेल-खिलौनों में माता-पिता का सम्मिलित न होना
- अब माता-पिता और बच्चे नवीन तकनीकों और उपकरणों में व्यस्त
- भोलानाथ के पिता की तरह अब माता-पिता के पास खेलों में शामिल होने का वक्त नहीं

प्रश्न 5 2023 (3/1/1)

'बच्चों के सुख-दुख, झगड़े-खेल क्षणिक होते हैं।' - इस कथन का आशय स्पष्ट करते हुए 'माता का आँचल' पाठ के किन्हीं दो उदाहरणों के संदर्भ से इस कथन की सत्यता सिद्ध कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस कथन का आशय है कि बच्चे स्वभाव से निश्छल होते हैं; वे अच्छी-बुरी बातें कुछ ही पलों में भूल जाते हैं और उनके मन में कोई बात देर तक नहीं टिकती। पाठ में माँ जब भोलानाथ के सिर में ज़बरदस्ती तेल लगाती है तो वह रोने लगता है, पर बाहर साथियों के मिलते ही सब भूलकर हँसने-खेलने लगता है। इसी प्रकार गुरु जी की पिटाई पर वह रोता है, पर पिता की गोद में आकर और रास्ते में साथियों को देखकर तुरंत रोना भूल जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

आशय - बच्चे स्वभाव से निश्छल होते हैं। वे अच्छी-बुरी बातें कुछ ही पलों में भूल जाते हैं।
उदाहरश

- माँ के द्वारा जबरन तेल लगाने पर रोना, बाहर आते ही साथियों के मिल जाने पर हँसना-खेलना
- अध्यापक द्वारा पिटाई होने पर रोना, पिता द्वारा ले जाने पर साथियों के साथ मिलकर हँसना-खेलना

प्रश्न 6 2023 (3/1/2)

'भोलानाथ का बचपन सरल, सहज और सामाजिक था जबकि हमारा बचपन जटिल, उलझाऊ और एकांतिक बन चुका है।' - इस कथन के आलोक में 'माता का आँचल' पाठ से दो उदाहरण लेते हुए अपने जीवन के दो उदाहरणों के साथ तुलनात्मक टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ के माता-पिता उसे पर्याप्त समय देते थे; पिता उसके खेलों में शामिल होते थे। वह मित्र-मंडली के साथ आस-पास की वस्तुओं को खिलौना बनाकर पारंपरिक खेल खेलता और बड़ों के कामों – खेती, बरात, दुकान – का अभिनय करता था। इसके विपरीत हमारा बचपन पढ़ाई और कोचिंग के दबाव में बीतता है तथा माता-पिता की व्यस्तता के कारण उनका साथ कम मिलता है। हम प्रायः अकेले बंद कमरे में मोबाइल और वीडियो गेम खेलते हैं। इसलिए हमारा बचपन जटिल और एकांतिक हो गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- माता-पिता द्वारा बच्चों को पर्याप्त समय देना
- आसपास उपलब्ध वस्तुओं को खिलौनों के रूप में उपयोग करना
- पारंपरिक खेल खेलना और बड़ों के क्रियाकलापों का अभिनय करना
- मित्रों के साथ मिल-जुलकर समय बिताना

जीवन से

- माता-पिता के पास समयाभाव
- वर्चुअल (आभासी) दुनिया में अधिक रहना
- इलेक्ट्रॉनिक और प्लास्टिक के खिलौनों का उपयोग करना
- सामूहिकता का अभाव
- तकनीक का अधिक प्रयोग (उपयुक्त तुलनात्मक दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 7 2023 (3/1/3)

'माता का अँचल' पाठ में बच्चों का जीवन अधिक प्राकृतिक और सामाजिक था, आज की तुलना में - इस कथन को 'माता का अँचल' से उदाहरण लेकर स्पष्ट करें।

आदर्श उत्तर

'माता का अँचल' में बच्चों का जीवन प्रकृति के सान्निध्य में बीतता था; वे खेतों, बाग-बगीचों और गलियों में खेलते थे। उनके खेलों में मिट्टी, पत्ते, तिनके और ठीकरे जैसी प्राकृतिक सामग्री काम आती थी। खेलों के विषय भी सामाजिक थे – खेती करना, बरात निकालना, दुकान लगाना – जिन्हें सब मिलकर खेलते थे। आज बच्चों का परिवेश सीमित है; वे बंद घरों में मोबाइल और टी.वी. तक सिमट गए हैं, सामाजिक संबंधों में दूरी है और वातावरण भी उतना सुरक्षित नहीं रहा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

बच्चों का जीवन

- प्रकृति के सानिध्य में, नदियों-बाग-बगीचों से जुड़ाव
- खेलों में प्राकृतिक / पारंपरिक सामग्री का प्रयोग
- बच्चों के खेलों में सामाजिकता की छाप
- कृषि, बरात, दुकान आदि खेलों के विषय

आज का जीवन

- सामाजिक संबंधों में दूरी
- सीमित परिवेश
- असुरक्षित वातावरण
- खेलों में तकनीक की प्रधानता (प्रश्न के दोनों भागों से कोई दो-दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 2023 (3/2/1)

आज हमारा जीवन तकनीक और वस्तुओं पर निर्भर हो चला है जबकि भोलानाथ और उसके साथी इन सबसे परे होकर भी अत्यंत प्रसन्न और समृद्ध बचपन को जी रहे थे। आज के बच्चों को एक भरा-पूरा और अनुभव-सम्पन्न बचपन देने के लिए आप क्या सुझाव देंगे? पाठ के अनुभव के आधार पर उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

आज के बच्चों को भरा-पूरा बचपन देने के लिए मेरा सुझाव है कि तकनीक का समुचित और सीमित उपयोग हो तथा बच्चों को स्क्रीन से दूर रखा जाए। उन्हें भोलानाथ की तरह खुले मैदानों और प्राकृतिक परिवेश में साथियों के साथ खेलने के अवसर मिलें। माता-पिता बच्चों को पर्याप्त समय दें और उनके खेलों में शामिल हों। महँगे खिलौनों के स्थान पर उन्हें आस-पास की वस्तुओं से स्वयं खिलौने बनाने और पारंपरिक सामूहिक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(अनुभव आधारित उपयुक्त सुझाव अपेक्षित)
उदाहरणार्थ

- तकनीक का समुचित उपयोग
- स्क्रीन से दूरी
- प्राकृतिक परिवेश का आनंद उठाने के लिए अवसर देना
- माता-पिता द्वारा पर्याप्त समय दिया जाना

- प्राकृतिक खिलौने
- सामाजिकता (कोई चार बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 9 2023 (3/2/2)

'माता का अँचल' पाठ के भोलानाथ के जीवन के प्रसंग आपको अपने बचपन की याद दिलाते होंगे। ऐसे दो प्रसंगों का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ की माँ उसे नहलाती, सिर में तेल लगाकर चोटी गूँथती और सजा-सँवारकर तैयार करती थी; बचपन में मेरी माँ भी मुझे इसी तरह तैयार करके स्कूल भेजती थी। दूसरा प्रसंग पिता का है – भोलानाथ के पिता उसके खेलों में शामिल होते, उसे कंधे पर घुमाते और कुश्ती लड़ते थे। मेरे पिता भी मुझसे उतना ही स्नेह करते हैं, पर नौकरी की व्यस्तता के कारण उनके पास मेरे साथ खेलने का समय कम होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(संदर्भगत उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ

- बचपन में भोलानाथ की माँ द्वारा उसे नहलाना, तेल लगाकर चोटी बनाना; बचपन में मेरी माँ भी मुझे तैयार करती थी।
- भोलानाथ के खेलों में पिता का शामिल होना; मेरे पिता के पास समय का अभाव है।

प्रश्न 10 2023 (3/2/3)

'माता का अँचल' पाठ के आधार पर ग्रामीण संस्कृति की मुख्य विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए। यह भी बताइए कि आज के समय में उनमें कौन-से बदलाव आए हैं।

आदर्श उत्तर

पाठ में वर्णित ग्रामीण संस्कृति में लोग मिल-जुलकर रहते और एक-दूसरे का सहयोग करते थे। जीवन खेती पर निर्भर था और परिवेश प्राकृतिक था। बच्चे पारंपरिक खेल खेलते, खेलगीत और तुकबंदियाँ गाते थे तथा पूरा समुदाय उनकी निगरानी करता था। आज गाँवों में भी वैयक्तिकता बढ़ गई है; सामाजिकता और मेल-जोल घटा है, पारंपरिक खेलों की जगह मोबाइल ने ले ली है और लोग खेती छोड़कर शहरों की ओर जा रहे हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

विशेषताएँ;

- मिलजुल कर रहना
- खेती आदि पर निर्भरता
- एक-दूसरे का सहयोग
- खेलगीत / तुकबंदी
- प्राकृतिक परिवेश
- बालकों की समुदाय द्वारा निगरानी
- पारंपरिक खेल

आज के बदलाव - (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ

- गाँवों में भी वैयक्तिकता का बढ़ना
- सामाजिकता में परिवर्तन, मेलजोल में कमी, तकनीकी खेल।

प्रश्न 11 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'माता का अँचल' पाठ में बच्चों की दिनचर्या आजकल के बच्चों की दिनचर्या से भिन्न है, कैसे? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में माता-पिता बच्चों को पर्याप्त समय देते थे; भोलानाथ सुबह पिता के साथ नहाकर पूजा में बैठता और दिन भर साथियों के साथ खेलता था। बच्चे आस-पास की वस्तुओं को खिलौना बनाकर पारंपरिक खेल खेलते और बड़ों के कामों का अभिनय करते थे। आजकल माता-पिता के पास समय का अभाव है। बच्चों की दिनचर्या स्कूल, होमवर्क और ट्यूशन में बँधी है तथा वे इलेक्ट्रॉनिक और प्लास्टिक के खिलौनों या मोबाइल से अकेले खेलते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

पाठ में

- माता-पिता द्वारा बच्चों को पर्याप्त समय देना
- आसपास उपलब्ध वस्तुओं को खिलौनों के रूप में उपयोग करना
- पारंपरिक खेल खेलना और बड़ों के क्रियाकलापों का अभिनय करना आजकल
- माता-पिता के पास समयाभाव
- इलेक्ट्रॉनिक और प्लास्टिक के खिलौनों का उपयोग करना
- वर्चुअल (आभासी) दुनिया में अधिक रहना
- सामूहिकता का अभाव
- तकनीक का अधिक प्रयोग (कोई दो उपयुक्त अंतर बताने पर पूरे अंक दिए जाएँ)

प्रश्न 12 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'माता के अँचल में जो सुकून मिलता है और कहीं नहीं।' कथन के संदर्भ में उदाहरण सहित अपने विचार लिखिए।

आदर्श उत्तर

यह कथन पूर्णतः सत्य है। भोलानाथ का अधिक समय पिता के साथ बीतता था और उनसे उसे गहरा लगाव था। फिर भी जब वह साँप से डरकर भागा तो बैठक में बैठे पिता के पास न जाकर सीधे माँ की गोद में जा छिपा और पिता के बुलाने पर भी माँ का अँचल छोड़ने को तैयार नहीं हुआ। मेरे विचार से संकट और पीड़ा के समय बच्चे को जो सुरक्षा, ममता और शांति माँ के अँचल में मिलती है, वह और कहीं नहीं मिलती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
(कोई दो बिंदु अपेक्षित)

उदाहरणार्थ;

- साँप से भयभीत होकर भोलानाथ का घर जाकर अपनी माँ की गोद मे छिप जाना
- पिता से गहरे लगाव के बावजूद माँ का आँचल छोड़ने को तैयार नहीं होना

प्रश्न 13 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

यह स्वाभाविक है कि बच्चा माता या पिता किसी एक से अधिक नजदीकी का अनुभव करता हो - 'माता का आँचल' के भोलानाथ के संदर्भ से इस कथन पर प्रकाश डालें। इसके साथ ही अपने जीवन के अनुभव से इसके पक्ष या विपक्ष में टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ सामान्य परिस्थितियों में अपने पिता के अधिक निकट था; नहाना, खाना, पूजा करना और खेलना सब पिता के साथ होता था। पर साँप से डरने जैसी विशेष परिस्थिति में उसे माँ के अँचल में ही सुरक्षा मिली। मेरा अनुभव भी इस कथन के पक्ष में है – मैं अपनी रोज़ की बातें पिता से करता हूँ, पर बीमार या दुखी होने पर मुझे माँ का ही सहारा सबसे अच्छा लगता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- भोलानाथ सामान्य परिस्थितियों में अपने पिता के अधिक नजदीक, किंतु विशेष परिस्थितियों में माता के अँचल में सुरक्षा का भाव / नहाने, खाने, पूजा करने, खेल-तमाशे में पिता के नजदीक पर साँप से डरने पर माँ का आश्रय (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए निजी अनुभव पर आधारित स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

प्रश्न 14 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'माता का अँचल' पाठ में जिस ग्राम्य जीवन और संस्कृति का उल्लेख है, उसमें वर्तमान में क्या अंतर आया है? क्या उस अंतर को आप सकारात्मक मानते हैं?

आदर्श उत्तर

पाठ में वर्णित गाँव का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आत्मीयता से भरा था; जीवन सरल और सादगीपूर्ण था तथा लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ रहते थे। आज गाँवों में सड़क, बिजली, स्कूल, अस्पताल और मोबाइल जैसी सुविधाएँ पहुँच गई हैं, जिसे मैं सकारात्मक मानता हूँ। पर इसके साथ आपसी मेल-जोल और अपनापन घटा है तथा प्राकृतिक वातावरण भी कम हुआ है; यह अंतर मुझे सकारात्मक नहीं लगता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ से प्राप्त समझ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से ग्राम्य जीवन और संस्कृति में अंतर दो बिंदुओं में लिखेंगे, जैसे –

पाठ में वर्णित गाँव

- शांत, प्राकृतिक एवं आत्मीयता से परिपूर्ण वातावरण
- सरल एवं सादगीपूर्ण जीवनशैली
- प्रकृति से निकटता
- खेती-बाड़ी से जुड़ाव
- खेल-मनोरंजन के सरल और सुलभ साधन

वर्तमान गाँव

- आधुनिक तकनीकी साधनों से युक्त
- कृत्रिमता का बढ़ता प्रभाव
- प्रकृति से निरंतर बढ़ती दूरी
- रहन-सहन, खान-पान, खेल-कूद और मनोरंजन के साधनों पर शहरी चकाचौंध का बढ़ता प्रभाव
- अन्य उपयुक्त स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 15 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेल आज के बच्चों के खेलों से किस रूप में भिन्न है? आपको दोनों में से कौन से खेल अधिक पसंद हैं और क्यों?

आदर्श उत्तर

भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेलों में सामूहिकता थी; सब मिलकर खेलते थे और खेल-सामग्री मिट्टी, पत्तों जैसी पारंपरिक और प्राकृतिक होती थी। आज के खेल प्रायः व्यक्ति-केंद्रित हैं; बच्चे मोबाइल और कंप्यूटर की स्क्रीन पर अकेले खेलते हैं और सामग्री तकनीक आधारित तथा

महँगी होती है। मुझे भोलानाथ वाले खेल अधिक पसंद हैं, क्योंकि उनसे शरीर स्वस्थ रहता है, मित्रता बढ़ती है और कल्पनाशीलता का विकास होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से कोई एक उपयुक्त अंतर लिखेंगे, जैसे –

- पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था आज बच्चे मोबाइल, कम्प्यूटर की स्क्रीन पर)
- पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीकी आधारित, कृत्रिम संसाधनों और प्लास्टिक आदि की
- परिवेश में उपलब्ध चीज़ों से ही खेलना; बाज़ार से महँगी सामग्री खरीदना
- अन्य स्वतंत्र उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण से उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 16 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'माता का अँचल' पाठ जैसा वात्सल्य क्या वर्तमान की भागती-सी व्यस्त जिंदगी में भी देखने को मिलता है? इस प्रश्न के उत्तर में उपयुक्त तर्क भी दीजिए।

आदर्श उत्तर

हाँ, मेरे विचार से आज भी वैसा वात्सल्य देखने को मिलता है, क्योंकि माता-पिता का वात्सल्य कभी कम नहीं होता। आज भी माँ बच्चे को अपने हाथ से खिलाती है और उसके दुख में व्याकुल हो उठती है। अंतर केवल इतना है कि व्यस्त जीवन और समय के अभाव के कारण माता-पिता बच्चों के साथ भोलानाथ के पिता जितना समय नहीं बिता पाते; पर उनकी मेहनत और चिंता के केंद्र में बच्चे ही होते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र तर्कपूर्ण तथा उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- हाँ; माता-पिता का वात्सल्य कभी कम नहीं होता
- नहीं; आजकल माता-पिता के पास समय का अभाव, व्यस्त जीवन

प्रश्न 17 **2024** (3/4/1)

'माता का अँचल' पाठ में वर्णित बच्चों के खेल अलग थे और वर्तमान काल में अलग हैं। दोनों में भिन्नता का विवरण देते हुए अपने विचार भी लिखिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना थी; भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था और खेल-सामग्री पारंपरिक तथा प्राकृतिक होती थी। आज के खेल व्यक्ति-केंद्रित हैं; बच्चे अपनी-अपनी स्क्रीन पर खेलते हैं और सामग्री तकनीक आधारित है। मेरे विचार से आज के खेल ज्ञान और कौशल तो बढ़ाते हैं, पर पुराने खेल शारीरिक विकास, मित्रता और सहयोग की भावना के लिए अधिक उपयोगी थे; दोनों में संतुलन होना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से दो अंतर लिखेंगे, जैसे –

- पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था, आज बच्चे मोबाइल, कम्प्यूटर की अपनी स्क्रीन पर)

- पाठ में वर्णित खेल-सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक, कृत्रिम संसाधनों और प्लास्टिक आदि की
- परिवेश में उपलब्ध चीज़ों से ही खेलना; बाज़ार से महँगी सामग्री खरीदना
- अन्य स्वतंत्र उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 18 2024 (3/4/2)

'माता का अँचल' पाठ में वह कौन-सा प्रसंग है जिसमें भोलानाथ माँ की गोद में छिप जाता है? उस समय माँ की स्थिति, प्रतिक्रिया और मनोभाव का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

जब भोलानाथ मित्रों के साथ चूहों के बिल में पानी उलीच रहा था, तब बिल से साँप निकल आया। वह गिरता-पड़ता, लहूलुहान होकर घर भागा और माँ की गोद में छिप गया। उसे काँपता देख माँ घबरा गई और ज़ोर से रो पड़ी। वह उसे अपने आँचल से बार-बार पोंछती और चूमती रही तथा झटपट हल्दी पीसकर उसके घावों पर लगाई। उस समय वह अत्यंत चिंतित और ममता से व्याकुल थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- मित्रों के साथ चूहों के बिल में पानी उलीचते समय, साँप के निकल आने का प्रसंग

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- माँ का घबरा जाना और ज़ोर से रो पड़ना
- बच्चे को आँचल से बार-बार पोंछना और चूमना
- हल्दी पीसकर घाव पर लगाना
- चिंतित होकर बार-बार रोने का कारण पूछना

प्रश्न 19 2024 (3/4/3)

'माता का अँचल' पाठ में हमजोलियों के दल में मिलकर तारकेश्वरनाथ द्वारा किए गए किसी एक तमाशा का उल्लेख कीजिए। इनसे उन्हें किन जीवन-मूल्यों की शिक्षा मिलती है?

आदर्श उत्तर

तारकेश्वरनाथ हमजोलियों के साथ बरात का जुलूस निकालते थे। कनस्तर का तंबूरा और आम के पौधे की शहनाई बजती, टूटी चूहेदानी की पालकी बनती और बच्चे समधी बनकर बकरे पर चढ़ लेते; फिर दुलहिन को लिवा लाते। ऐसे खेलों से बच्चों को मिल-जुलकर रहने, परस्पर सहयोग करने और नेतृत्व की शिक्षा मिलती है। वे सामाजिक रीति-रिवाज सीखते हैं और उपलब्ध साधनों से काम चलाने की रचनात्मकता विकसित करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर किसी एक तमाशे का वर्णन करेंगे, जैसे–

- रगमंच बनाकर नाटक करना
- मिठाइयों की दुकान लगाना
- बारात का जुलूस निकालना
- खेती करना
- घरौंदा बनाना आदि

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में व्यक्तिगत दृष्टिकोण के आधार पर किन्हीं दो जीवन मूल्यों का उल्लेख करेंगे, जैसे –

- सामाजिक सहयोग
- प्रकृति से जुड़ाव
- संस्कृति से परिचय
- रचनात्मकता का आनंद।
- अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य।

प्रश्न 20 **2024** (3/5/1)

'माता का अँचल' पाठ में वर्णित बच्चों के खेल और खेल-सामग्री तथा आज के खेल और खेल-सामग्री पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में बच्चे झूला झूलते और तरह-तरह के तमाशे करते थे – मिठाइयों की दुकान लगाना, खेती करना, घरौंदा बनाना, बरात का जुलूस निकालना। खेल-सामग्री मिट्टी, पत्ते, तिनके और ठीकरे जैसी सहज उपलब्ध वस्तुएँ थीं। आज के खेल क्रिकेट, वीडियो गेम और मोबाइल गेम हैं तथा सामग्री महँगी और बाज़ार से खरीदी हुई होती है। मेरे विचार से आज के साधन आकर्षक हैं, पर पुराने खेलों जैसी सामूहिकता और रचनात्मकता उनमें कम है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पहले हिस्से में पाठ में वर्णित खेलों और खेल सामग्रियों के बारे में दो बिंदु लिखेंगे तथा दूसरे हिस्से में व्यक्तिगत दृष्टिकोण से दो बिंदु आज के खेलों और खेल सामग्रियों पर लिखेंगे, जैसे –

पाठ में वर्णित खेल और खेल-सामग्री:

- झूला झूलना, तरह-तरह के तमाशे जैसे - मिठाइयों की दुकान लगाना, खेती करना, घरौंदा बनाना, बारात का जुलूस निकालना आदि
- प्रकृति से जुड़ी और परिवेश में सलु भता से उपलब्ध खेल-सामग्री जैसे - मिट्टी के बर्तन, फूल-पत्तियाँ आदि
- खेलों में सामूहिकता का भाव, प्रकृति से जुड़ाव

आज के खेल और खेल-सामग्री –

- क्रिकेट, फुटबाल, टेनिस जैसे आधुनिक खेल
- ऑनलाइन तकनीक आधारित खेल
- खर्चीली खेल सामग्रियाँ
- सामूहिकता और प्रकृति से जुड़ाव में कमी
- अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 21 **2024** (3/5/2)

आपके माता-पिता का आपके प्रति प्यार-दुलार किन रूपों में प्रकट होता है? 'माता का अँचल' पाठ के संदर्भ में अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ के माता-पिता की तरह मेरे माता-पिता भी मुझ पर भरपूर प्यार लुटाते हैं। माँ सुबह मुझे जगाकर तैयार करती हैं, मेरी पसंद का भोजन बनाकर आग्रह से खिलाती हैं और बीमार पड़ने पर रात भर जागती हैं। पिताजी मेरी पढ़ाई में मदद करते हैं, मेरी ज़रूरतें पूरी करते हैं और छुट्टी के दिन मेरे साथ खेलते या घुमाने ले जाते हैं। मेरी गलती पर वे डाँटते भी हैं, पर उसमें भी उनकी चिंता और स्नेह छिपा होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ द्वारा प्राप्त समझ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से पूर्णत स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे,

प्रश्न 22 2024 (3/5/3)

'माता का अँचल' पाठ में तारकेश्वरनाथ की अपने पिता के साथ बचपन में घटित किसी घटना का उल्लेख करते हुए आप स्वयं के बाल्य जीवन के वृत्तांत की किसी घटना का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

तारकेश्वरनाथ के पिता जब पूजा करते, तब वह भभूत का तिलक लगाए उनके बगल में बैठकर आईने में अपना मुँह निहारता था; पिता के देखते ही लजाकर आईना रख देता था। पिता उसे कंधे पर बिठाकर गंगा जी ले जाते और कुश्ती में जान-बूझकर हार जाते थे। मेरे बचपन में भी पिताजी मुझे साइकिल पर बिठाकर बाज़ार ले जाते थे और खेल में जान-बूझकर हारकर मुझे जिता देते थे; उनकी वह हँसी मुझे आज भी याद है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर किसी एक घटना का उल्लेख करेंगे, जैसे –

- पिता द्वारा पूजा करते समय बगल में बैठकर शीशे में अपना मुँह देखना
- पिता के कंधे पर बैठकर गंगा जी जाना
- पिता के साथ कुश्ती लड़ना
- साथियों के साथ किए जा रहे भोज के तमाशे में पिता का चुपके से आकर बैठ जाना;

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी अपने जीवन अनुभव के आधार पर स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 23 2025 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'माता का अँचल' पाठ में बच्चों का पशु-पक्षियों के प्रति कैसा व्यवहार दिखता है? उदाहरण सहित लिखिए। पशु-पक्षियों के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए? अपने विचारों के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में बच्चे पशु-पक्षियों को खेल का सामान समझते हैं और अनजाने में उनके प्रति निर्दयी व्यवहार करते हैं। वे खेत में चिड़ियों के झुंड को पकड़ने के लिए दौड़ते हैं और चूहों के बिल में पानी उलीचते हैं। मेरे विचार से पशु-पक्षियों के प्रति हमारा व्यवहार दया, प्रेम और संवेदनशीलता का होना चाहिए। हमें उन्हें तंग नहीं करना चाहिए, बल्कि उनके लिए दाना-पानी रखना और उनकी रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि उनमें भी हमारी तरह प्राण हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

व्यवहार:

- अनजाने में निर्दयी व्यवहार
- खेल का सामान समझना

उदाहरण:

- खेत में चिड़ियों-तितलियों के पीछे भागना और उन्हें पकड़ने की कोशिश करना
- चूहों के बिल में पानी डालना;

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र और तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- करुणा और सहानुभूति से भरा व्यवहार रखना
- पशु-पक्षियों को न सताना

प्रश्न 24 2025 (3/2/1)

'माता का अँचल' में भोलानाथ के पिता उसके जीवन से किस प्रकार जुड़े थे? सोदाहरण लिखिए। भोलानाथ के पिता जैसा व्यवहार बच्चों के जीवन में क्यों आवश्यक होता है? अपने विचारों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ के पिता उसकी पूरी दिनचर्या से जुड़े थे। वे उसे अपने साथ नहलाते, पूजा में बिठाते और तिलक लगाते थे। वे उसे कंधे पर बिठाकर गंगा जी ले जाते, उसके साथ कुश्ती लड़ते और बच्चों के खेल-तमाशों में शामिल होकर उन्हें आनंदपूर्ण बना देते थे। मेरे विचार से ऐसा व्यवहार बच्चों के लिए आवश्यक है, क्योंकि इससे उन्हें सुरक्षा और आत्मविश्वास मिलता है, वे अच्छे संस्कार सीखते हैं और पिता से उनका आत्मीय संबंध बनता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

भोलानाथ के पिता का जुड़ाव:

- पिता-पुत्र की दिनचर्या का जुड़ाव (पूजा पर बैठना, तिलक लगाना आदि)
- पुत्र की छोटी-छोटी खुशियों में पिता का साथ (कंधे पर बैठाकर गंगा किनारे ले जाना, डालियों पर झूला झुलाना आदि)
- स्नेह और पोषण के माध्यम से पिता का संरक्षण (अपने हाथों से उसे गोरस और भात खिलाना)
- पुत्र के खेल-कूद में पिता की सहभागिता और देखरेख (साथियों के साथ मिलकर नाटक करने या मिठाइयों की दुकान लगाने पर दर्शक या ग्राहक बनना)

ऐसा व्यवहार बच्चों के जीवन में क्यों आवश्यक:

परीक्षार्थी प्रश्न के इस हिस्से के लिए अपने विचारों से उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- आत्मीयता और सुरक्षा का भाव विकसित करने के लिए
- बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए
- भावनात्मक रूप से अधिक मजबूत बनाने के लिए
- नैतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए

प्रश्न 25 2025 (3/2/2)

'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ के खेलों की सबसे उल्लेखनीय विशेषताएँ क्या थीं? किन्हीं दो का वर्णन कीजिए। क्या आज के बच्चे वैसे खेलों से खेल सकते हैं? तर्क पूर्ण तरीके से 'हाँ' अथवा 'नहीं'? का समर्थन कीजिए

आदर्श उत्तर

भोलानाथ के खेलों की पहली विशेषता प्रकृति से जुड़ाव थी; खेल-सामग्री मिट्टी, पत्तों और ठीकरों जैसे प्राकृतिक परिवेश से ही जुटाई जाती थी। दूसरी विशेषता सामूहिकता और कल्पनाशीलता थी; सब बच्चे मिलकर दुकान, खेती और बरात के खेल रचते थे। हाँ, आज के बच्चे भी ऐसे खेल खेल सकते हैं, क्योंकि इनमें कोई खर्च नहीं लगता; केवल खुली जगह, साथियों और थोड़े समय की ज़रूरत है, जो माता-पिता के प्रोत्साहन से संभव है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त विशेषताएँ लिखेंगे -

- प्रकृति से जुड़ाव
- प्राकृतिक परिवेश से ही खेल-सामग्री
- सामूहिकता की भावना

- पारंपरिकता
- कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता
- स्वाभाविकता (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे भाग के लिए स्वतंत्र तर्कपूर्ण और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे-

हाँ:

- बच्चों का सोसायटी/ कॉलोनी/ मोहल्ले/विद्यालय आदि स्थानों पर सामूहिकता में खेलना
- माता-पिता और शिक्षकों द्वारा प्रोत्साहन मिलने पर फिर से शारीरिक खेलों से जुड़ाव संभव

नहीं:

- सुरक्षा कारणों से बच्चों का घर के बाहर जाना कम
- आज के बच्चे डिजिटल युग में मोबाइल, वीडियो गेम और इंटरनेट में अधिक व्यस्त

प्रश्न 26 **2025** (3/2/3)

भोलानाथ के खेल के साथियों में बालिकाओं का न होना उस समाज के किस चित्र को उपस्थित कर रहा है। पाठ में वर्णित घटनाओं, स्थितियों के उदाहरण देते हुए अपने विचार लिखिए। किन्हीं दो का विस्तृत वर्णन आवश्यक है।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ के साथियों में बालिकाओं का न होना बताता है कि उस समय के समाज में लड़के और लड़कियों के खेलने की जगहों और दायरों में अंतर था। लड़के खेतों, गलियों और बगीचों में खुले घूमते और खेलते थे, जबकि लड़कियों की जगह संभवतः घर के भीतर मानी जाती थी; वे घरेलू कामों में माँ का हाथ बँटाती थीं। बरात के खेल में भी दुलहिन की भूमिका कोई लड़का ही निभाता होगा। यह तत्कालीन समाज में लड़कियों पर लगी पाबंदियों और भेदभाव को दिखाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उदाहरण सहित किन्हीं दो बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- समाज में लड़के और लड़कियों के बीच उनके खेलने की जगहों और दायरों में अंतर
- संभवत: बालिकाओं की जगह घर के भीतर
- तत्कालीन समाज में लैंगिक भेदभाव का होना
- लड़कियों का बचपन सीमाओं में बँधा
- लड़कियों के लिए शिक्षा के अवसर कम

उदाहरण:

- विद्यालय और बगीचे के प्रसंगों में किसी लड़की का न होना, जबकि अन्य बालकों के नामों का उल्लेख होना
- पाठ में वर्णित खेलों (जैसे बारात का खेल) में लड़कियों की भूमिका होने के बावजूद लड़कियों का उल्लेख न होना

प्रश्न 27 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ और उसके साथियों का प्रकृति से जुड़ाव दिखता है। पाठ के संदर्भ में उस जुड़ाव को सोदाहरण लिखते हुए बताइए कि आज के बच्चे प्रकृति के साथ कैसा संबंध रखते हैं।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ और उसके साथियों की खेल-सामग्री प्राकृतिक परिवेश से आती थी – पत्ते, मिट्टी के ढेले, तिनके और ठीकरे। वे मैदानों, बगीचों और खेतों में खेलते थे तथा उनके खेलों के विषय भी खेती-बारी, आँधी-पानी और चिड़ियों जैसे प्रकृति से जुड़े थे। आज के अधिकांश बच्चे बंद घरों में

मोबाइल और टी.वी. के साथ समय बिताते हैं। प्रकृति से उनका संबंध पार्क या छुट्टियों की सैर तक सीमित रह गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त उदाहरणों के साथ उत्तर लिखेंगे–

- खेल सामग्री- अपने प्राकृतिक परिवेश से जैसे पत्ते, मिट्टी के ढेले, ठीकरे आदि
- खेलने के स्थान- मैदान, बगीचे, खेत आदि
- खेल के विषय- प्रकृति से जुड़े जैसे खेती आदि
- खेल-गीत- बच्चों के खेल-गीतों का विषय प्रकृति (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी व्यक्तिगत अनुभव से उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 28 **2025** (3/4/1)

भोलानाथ और उसके साथियों द्वारा खेले जाने वाले खेलों से, वर्तमान में सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स की गिरफ्त में फँसे बच्चे क्या प्रेरणा ले सकते हैं? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

ऑनलाइन गेम्स में फँसे बच्चे भोलानाथ के खेलों से प्रेरणा ले सकते हैं कि वे स्क्रीन छोड़कर घर से बाहर बाग-बगीचों और मैदानों में शारीरिक गतिविधियों तथा परंपरागत खेल-कूद में भाग लें। सोशल मीडिया के आभासी मित्रों के स्थान पर परिवार और असली दोस्तों के साथ समय बिताएँ। इससे उनका शरीर स्वस्थ रहेगा, आँखों और मन पर दबाव घटेगा तथा सहयोग, मित्रता और रचनात्मकता जैसे गुण विकसित होंगे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ से खेलों के दो उपयुक्त उदाहरण लेकर स्वतंत्र और तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- ऑनलाइन खेलों को छोड़कर भोलानाथ और उसके दोस्तों की तरह घर से बाहर बाग-बगीचों, खेतों और मैदानों में शारीरिक गतिविधियों और परंपरागत खेल-कूद में भाग लेना
- सोशल मीडिया के स्थान पर परिवार तथा दोस्तों के साथ सामूहिक खेल खेलना एवं समय व्यतीत करना

प्रश्न 29 **2025** (3/4/2)

आजकल के बच्चों के खेल भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेलों से किस रूप में भिन्न हैं? आपको दोनों में से ज्यादा रुचिकर क्या लगता है? 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ और उसके दोस्तों के खेलों में सामूहिकता थी; वे मिलकर खुले में खेलते थे और सामग्री प्राकृतिक तथा स्वनिर्मित होती थी। आजकल के खेल व्यक्ति-केंद्रित हैं; बच्चे मोबाइल या कंप्यूटर की स्क्रीन पर अकेले खेलते हैं और सामग्री तकनीक आधारित है। मुझे भोलानाथ के खेल ज़्यादा रुचिकर लगते हैं, क्योंकि उनमें साथियों का संग, खुली हवा, भाग-दौड़ और अपनी कल्पना से कुछ रचने का आनंद है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ में वर्णित खेलों और वर्तमान खेलों के बीच कोई एक अंतर लिखेंगे-

- पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ का साथियों के साथ मिलकर खेलना थ; आज के बच्चे मोबाइल/कंप्यूटर की अपनी स्क्रीन पर)
- पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक, कृत्रिम संसाधनों और प्लास्टिक आदि से निर्मित
- परिवेश में उपलब्ध चीज़ों से ही खेलना; बाज़ार से महँगी सामग्री खरीदना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण से उपयुक्त स्वतंत्र और तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 30 **2025** (3/4/3)

भोलानाथ और उसके साथी खेल-खेल में चिड़ियों-चूहों आदि को तंग किया करते थे। क्या उनका ऐसा करना उचित था? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

जीव-जंतुओं को तंग करना सर्वथा अनुचित है, क्योंकि इससे उन्हें कष्ट होता है। परंतु भोलानाथ और उसके साथियों ने यह सब भोलेपन, जिज्ञासा और अज्ञानतावश केवल आनंद के लिए किया था; उनका उद्देश्य किसी को हानि पहुँचाना नहीं था। वे अपने व्यवहार से पशु-पक्षियों को होने वाली तकलीफ़ से अनजान थे। फिर भी बड़ों का कर्त्तव्य है कि बच्चों को जीवों के प्रति दया और संवेदनशीलता सिखाएँ; साँप वाली घटना ने उन्हें इसका सबक भी दिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ को लेकर अपने व्यक्तिगत विचारों से दो बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- जीव-जंतुओं को तंग करना सर्वथा अनुचित परंतु भोलानाथ और उनके साथियों द्वारा भोलेपन, सरलता, जिज्ञासा और अज्ञानतावश आनंद प्राप्ति के लिए किया गया व्यवहार
- अपने व्यवहार से पशु-पक्षियों को मिलने वाली तकलीफ से सर्वथा अनभिज्ञ
- परिवार, समाज और विद्यालय द्वारा बच्चों को पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील और जागरूक बनाना आवश्यक

प्रश्न 31 **2025** (3/5/1)

भोलानाथ के खेलों, विशेषकर उसके नाटकों में अकसर उसके बाबूजी भी शामिल होकर उसके उन नाटकों को और अधिक आनंदपूर्ण और जीवंत बना देते थे। क्या वर्तमान में भी बच्चे और पिता के बीच ऐसी आत्मीयता और खेल देखने को मिलते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

हाँ, वर्तमान में भी पिता अपनी सुविधा और सामर्थ्य के अनुसार बच्चों के खेलों में शामिल होते हैं; वे पार्क में उनके साथ खेलते, घुमाने ले जाते या घर में उनके साथ खेल खेलते हैं। आज के पिता बच्चों के मित्र जैसे बन गए हैं। फिर भी नौकरी की व्यस्तता और मोबाइल के कारण उनके पास भोलानाथ के बाबूजी जितना समय नहीं होता, इसलिए ऐसी आत्मीयता पहले की तुलना में कुछ कम दिखाई देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी अपने अनुभवों एवं विचारों से दो बिंदुओं में उपयुक्त और स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- अपनी सुविधा-सामर्थ्यानुसार आज भी पिता बच्चों के साथ उनके खेलों में शामिल, जैसे पार्क में साथ खेलने या घूमने जाना आदि
- पिता का संतान के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शाश्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर
- भोलानाथ के पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण पिता के पास समयाभाव
- वर्तमान में बच्चों के खेल भोलानाथ के नाटकों आदि वाले खेलों से भिन्न, मशीनी खिलौनों और ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते प्रचलन के कारण ऐसे खेल और अवसरों का अभाव

प्रश्न 32 **2025** (3/5/2)

आजकल के बच्चों का बचपन भोलानाथ के बचपन से कितना भिन्न है? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ के बचपन के खेलों में सामूहिकता थी; वह साथियों के साथ मिलकर खुले में खेलता था और खेल-सामग्री पारंपरिक तथा प्राकृतिक होती थी। आज के अधिकांश खेल व्यक्ति-केंद्रित हैं; बच्चे कंप्यूटर और मोबाइल की स्क्रीन पर खेलते हैं और सामग्री तकनीक आधारित तथा कृत्रिम है। भोलानाथ को माता-पिता का भरपूर समय मिलता था, जबकि आज के बच्चों पर पढ़ाई का दबाव अधिक है और माता-पिता व्यस्त रहते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से दो बिंदुओं में उपयुक्त तर्कसंगत भिन्नता लिखेंगे, जैसे -

- पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के अधिकांश खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था आज बच्चे

  कंप्यूटर/मोबाइल स्क्रीन पर)
- पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक आधारित,कृत्रिम संसाधनों से निर्मित
- माता-पिता का भोलानाथ के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शाश्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर
- भोलानाथ के माता-पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल होने के कारण पर्याप्त समय परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण

  उनके पास समयाभाव
- भोलानाथ के बचपन में पढ़ाई का दबाव नहीं, आज बहुत अधिक

प्रश्न 33 **2025** (3/5/3)

'माता का अँचल' में जिस ग्राम्य संस्कृति का उल्लेख है, उससे वर्तमान ग्राम्य संस्कृति किस रूप में भिन्न है? क्या इस भिन्नता को सकारात्मक परिवर्तन कहा जा सकता है?

आदर्श उत्तर

पाठ में वर्णित ग्राम्य संस्कृति में वातावरण शांत, प्राकृतिक और आत्मीयता से भरा था; जीवन-शैली सरल थी और लोग खेती-बाड़ी तथा प्रकृति से जुड़े थे। आज गाँवों में आधुनिक सुविधाएँ, शिक्षा और तकनीक पहुँच गई हैं, जो सकारात्मक परिवर्तन है। पर आपसी मेल-जोल, सादगी और प्रकृति से निकटता घट गई है; इस हानि को सकारात्मक नहीं कहा जा सकता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ में वर्णित ग्राम्य संस्कृति से वर्तमान का अंतर बताते हुए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे-

पाठ में वर्णित ग्राम्य संस्कृति:

- शांत, प्राकृतिक एवं आत्मीयता से परिपूर्ण वातावरण
- सरल एवं सादगीपूर्ण जीवनशैली
- प्रकृति से निकटता
- खेती-बाड़ी से जुड़ाव
- खेल-मनोरंजन के सरल और सुलभ साधन वर्तमान ग्राम्य संस्कृति:
- आधुनिक तकनीकी साधनों से युक्त
- कृत्रिमता का बढ़ता प्रभाव
- प्रकृति से निरंतर बढ़ती दूरी
- रहन-सहन, खान-पान, खेल-कूद और मनोरंजन के साधनों पर शहरी चकाचौंध का बढ़ता प्रभाव

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए अपने विचारों से उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- समय के साथ परिवर्तन स्वाभाविक, तकनीक के साथ आगे बढ़ना सकारात्मक
- आज के समय में लोगों के बीच आत्मीयता और जुड़ाव में कमी जो सकारात्मक नहीं

प्रश्न 34 **2025** (3/6/1)

'माता का अँचल' पाठ में बाबूजी माताजी से कब और क्यों नाराज़ हो जाते थे? संतान के प्रति इस प्रकार का व्यवहार क्या आपको अपने घर या घर के आसपास भी दिखाई देता है, संक्षेप में वर्णन कीजिए।

आदर्श उत्तर

जब माताजी भोलानाथ को उसकी इच्छा के विरुद्ध पकड़कर सिर में कड़वा तेल लगातीं और चोटी गूँथतीं, तब वह ज़ोर-ज़ोर से रोने लगता था। उसका रोना सुनकर बाबूजी माताजी पर बिगड़ खड़े होते थे, क्योंकि वात्सल्य के कारण वे बच्चे को रोता नहीं देख सकते थे। ऐसा व्यवहार मेरे घर में भी दिखता है; जब माँ मुझे डाँटती हैं तो दादी या पिताजी मेरा पक्ष लेकर उन्हें टोक देते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कब:
माताजी द्वारा भोलानाथ की इच्छा के विरुद्ध पकड़ कर कड़वा तेल लगाकर चोटी गूँथते समय भोलानाथ के जोर-जोर से रोने पर क्यों:
वात्सल्यवश पिताजी से भोलानाथ का रोना बर्दाश्त न होने पर;

प्रश्न के तीसरे भाग के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 35 **2025** (3/6/2)

भोलानाथ और उसके साथियों के नाटकों के खेल में बाबूजी अकसर शामिल हो जाते थे परंतु उनके शामिल होते ही बच्चे उस नाटकीय खेल को समाप्त कर भाग खड़े होते थे। आपके विचार में बाबूजी का ऐसा करना कहाँ तक उचित था? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

मेरे विचार में बाबूजी का ऐसा करना सर्वथा उचित था। वे बच्चों का खेल बिगाड़ने के लिए नहीं, बल्कि उनका साथ देने और उनके साथ मित्र की तरह खेलने के लिए शामिल होते थे; इससे बच्चों का आनंद बढ़ता था। बच्चों का हँसते हुए भाग खड़ा होना भी खेल का ही हिस्सा था। पिता के इस व्यवहार से बच्चों को अपनापन मिलता था और पिता-पुत्र का संबंध गहरा होता था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में अपने व्यक्तिगत विचारों से पक्ष अथवा विपक्ष में उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- सर्वथा उचित; बाबूजी का ऐसा व्यवहार बच्चों के खेलों को बिगाड़ने के लिए नहीं बल्कि उनका साथ देने, उनके साथ मित्रवत खेलने के लिए

अथवा

- अनुचित; बच्चे अपने मित्रों के साथ अधिक सहज रहते हैं, बड़ों के आने से उनमें संकोच का भाव

प्रश्न 36 **2025** (3/6/3)

'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ के प्रति उसके माता-पिता के वात्सल्य का उल्लेख है। क्या वर्तमान में भी बच्चों को अपने माता-पिता से ऐसा ही प्रेम मिल पाता है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

माता-पिता का संतान के प्रति निश्छल प्रेम और वात्सल्य शाश्वत है; वह आज भी उतना ही है, केवल समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति बदल गई है। भोलानाथ के समय जीवन सरल था और माता-पिता के पास पर्याप्त समय था, इसलिए वे हर पल बच्चे के साथ रहते थे। आज की व्यस्त और

जटिल जीवन-शैली में माता-पिता समय कम दे पाते हैं, पर बच्चों की शिक्षा, सुविधा और भविष्य के लिए उनका परिश्रम उसी प्रेम का रूप है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी अपने अनुभवों एवं विचारों से दो बिंदुओं में उपयुक्त और स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- माता-पिता का संतान के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शाश्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर
- भोलानाथ के माता-पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल और पर्याप्त समय परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण पिता के पास समयाभाव (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 37 **2026** (3/1/1)

'प्रयास करने पर पुरुष भी बच्चों का पालन-पोषण भली-भाँति कर सकते हैं।' 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित भोलानाथ और उसके पिता के जीवन-प्रसंगों से दो उदाहरण लेते हुए इस कथन के पक्ष में उचित तर्क प्रस्तुत कीजिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ के पिता उसकी पूरी दिनचर्या में साथ रहते थे; वे उसे अपने साथ सुलाते, सुबह उठाकर नहलाते-धुलाते और पूजा में बिठाते थे। वे उसे गोरस-भात सानकर अपने हाथ से खिलाते, कंधे पर बिठाकर घुमाते और उसके साथ कुश्ती तथा खेल खेलते थे। इससे सिद्ध होता है कि यदि पुरुष प्रयास करें और समय दें तो वे भी बच्चों का पालन-पोषण उतनी ही ममता और कुशलता से कर सकते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ से कोई दो उदाहरण लेकर उचित तर्क के साथ लिखेंगे-

उदाहरण:

- भोलानाथ की दिनचर्या में पिता का साथ बने रहना; जैसे उसे अपने साथ सुलाना आदि
- भोलानाथ के साथ खेलना; जैसे कुश्ती आदि
- भोलानाथ और उसके साथियों के खेलने के समय उपस्थित रहना
- खेलों में हार जाने का नाटक करके भोलानाथ को प्रसन्न करना
- अपनी दिनचर्या में भोलानाथ को सम्मिलित करना; जैसे मछलियों को चारा खिलाना
- भोलानाथ के डरने पर व्याकुल हो जाना और उसकी सुरक्षा करना

तर्क:

- बच्चों का लालन-पालन कोई जेंडर-आधारित कर्त्तव्य नहीं है।
- माता या पिता में से जो भी धैर्यपूर्वक पर्याप्त समय देगा, वह बच्चे के पालन-पोषण का दायित्व निभा सकता है।

प्रश्न 38 **2026** (3/1/2)

'माता का अँचल' पाठ के आधार पर भोलानाथ और उसके पिता के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए लिखिए कि बच्चों के स्वस्थ विकास में पिता की भूमिका कैसी होनी चाहिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ और उसके पिता के बीच स्नेह और वात्सल्य का गहरा संबंध था; पिता उसकी दिनचर्या में हर समय साथ रहते थे। दोनों में मित्रता का भाव भी था; पिता उसके साथ कुश्ती लड़ते और खेलों में शामिल होते थे। मेरे विचार से बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए पिता को उन्हें पर्याप्त समय देना चाहिए, उनका मार्गदर्शक और मित्र बनना चाहिए तथा अच्छे संस्कार और सुरक्षा का भाव देना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए दो उपयुक्त बिंदुओं में भोलानाथ और उसके पिता के संबंध पर प्रकाश डालेंगे-

- स्नेह/ममता/वात्सल्य का गहरा संबंध (भोलानाथ की दिनचर्या में पिता का साथ बने रहना, जैसे उसे अपने साथ सुलाना, नहलाना, खाना खिलाना, घुमाना आदि)
- आत्मीय और भावनात्मक जुड़ाव (भोलानाथ के डरने पर व्याकुल हो जाना, उसके पास दौड़कर जाना और उसकी सुरक्षा करना)
- मित्रतापूर्ण (भोलानाथ के साथ खेलना, जैसे कुश्ती आदि)
- सहज/ स्वाभाविक/ धैर्यपूर्ण (खेलों में हार जाने का नाटक करके भोलानाथ को प्रसन्न करना)
- नैतिक, आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक विकास का ध्यान रखना (दैनिक पूजा आदि में साथ रखना)
- पर्याप्त समय और ध्यान देना (भोलानाथ और उसके साथियों के खेलने के समय उपस्थित रहना)
- आत्मीय/ सहयोगात्मक (अपनी दिनचर्या में भोलानाथ को सम्मिलित करना, जैसे मछलियों को चारा खिलाना)

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए पिता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए दो उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे-

- बच्चों के खेलों/ पढ़ाई/ कार्यकलापों से जुड़ना
- बच्चों के दैनिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाना
- स्नेह/ वात्सल्य/ ममतापूर्ण व्यवहार करना
- मित्रवत /सहयोगी/ धैर्यवान मार्गदर्शक बनना
- कार्यों/ विचारों की स्वतंत्रता देना
- पर्याप्त समय और ध्यान देना
- भय/ दबाव / तनाव रहित व्यवहार रखना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 39 **2026** (3/1/3)

'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ के पिता का आचरण आम भारतीय पिताओं से भिन्न किस प्रकार है? उनके आचरण को समाज में अधिक से अधिक अपनाया जाना चाहिए। इसके पक्ष में उचित तर्क का उल्लेख कीजिए

आदर्श उत्तर

भोलानाथ के पिता उसे अपने साथ सुलाते, उठाते, नहलाते, खिलाते और घुमाते थे, जबकि आम भारतीय पिता की छवि ऐसी नहीं है; ये काम प्रायः माँ के माने जाते हैं और पिता बच्चों से कुछ दूरी तथा कठोरता बनाए रखते हैं। उनके आचरण को अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि इससे पालन-पोषण की ज़िम्मेदारी दोनों में बँटती है, बच्चे को पिता का स्नेह और सुरक्षा मिलती है तथा उसका भावनात्मक विकास बेहतर होता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी भिन्नता के दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

आम भारतीय पिताओं से अंतर:

- भोलानाथ के पिता उसे अपने साथ सुलाते/ उठाते/ नहलाते/ खिलाते/घुमाते; आम भारतीय पिता की सामान्य छवि ऐसी नहीं
- भोलानाथ के पिता का व्यवहार मित्रवत; आम भारतीय पिता की सख्त छवि
- भोलानाथ के पिता का भोलानाथ के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव सहज व्यक्त; आम भारतीय पिता का अव्यक्त
- भोलानाथ के पिता की बच्चे के पालन-पोषण में प्रत्यक्ष भूमिका; आम भारतीय पिता की प्रत्यक्ष भूमिका बहुत कम;

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे-

तर्क -

- आत्मीयता और सुरक्षा का भाव विकसित करने के लिए
- भावनात्मक रूप से अधिक मजबूत बनाने के लिए

- नैतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए
- दैनिक कार्यों में सहभागिता सिखाने के लिए
- पिता और बच्चे के बीच संबंध प्रगाढ़ करने के लिए
- संतान का पालन-पोषण पिता का भी दायित्व
- जिन पिताओं का आचरण भोलानाथ के पिता जैसा नहीं, वहाँ बच्चों का जीवन अधिक चुनौतीपूर्ण
- वर्तमान में माता-पिता दोनों कार्यरत होते हैं, ऐसे में भोलानाथ के पिता जैसा आचरण पूरे परिवार में सामंजस्य और संतुलन के लिए आवश्यक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 40 **2026** (3/2/1)

'आज लगभग एक सदी बाद 'माता का अँचल' की घटनाएँ काल्पनिक प्रतीत होती हैं। - पाठ की घटनाओं का वर्तमान संदर्भों से तुलनात्मक वर्णन करते हुए कथन के पक्ष में लिखिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में पिता भोलानाथ के हर खेल में नियमित रूप से शामिल होते हैं; आज के व्यस्त समय में यह संभव होना कठिन है। बच्चे मिट्टी और पत्तों से सामग्री बनाकर अपने परिवेश से जुड़े खेल खेलते हैं; आज के खेल-खिलौने बाज़ार से खरीदे हुए और तकनीक आधारित हैं। पूरे दिन मित्र-मंडली के साथ खुले में घूमना भी आज पढ़ाई के दबाव और सुरक्षा की चिंता के कारण दुर्लभ है। इसलिए ये घटनाएँ आज काल्पनिक प्रतीत होती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ की घटनाओं से जोड़कर वर्तमान संदर्भों की तुलना के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- पिता का भोलानाथ के हर खेल में नियमित रूप से शामिल होना; आज के व्यस्त समय में यह संभव होना कठिन
- बच्चों का मिट्टी, पत्तों आदि से सामग्री बनाकर परिवेश से जुड़े खेल खेलना; आज के खेल-खिलौने अधिकतर तकनीक आधारित
- बारिश और बगीचे के दृश्य; बाग-बगीचों के स्वरूप में बदलाव
- मास्टर द्वारा विद्यार्थियों को ढूँढ़कर बुलवाना और अनुशासित करना; वर्तमान समय में शिक्षा, विद्यालय और सामाजिक ताने-बाने में परिवर्तन
- बच्चों का सोसायटी/ मोहल्ला/ विद्यालय आदि स्थानों पर सामूहिकता और बिना किसी फिक्र के खेलना; सुरक्षा कारणों से आज बच्चों का बाहर जाना कम (अन्य उपयुक्त घटनाओं का तुलनात्मक वर्णन भी स्वीकार्य)

प्रश्न 41 **2026** (3/2/2)

'माता का अँचल' पाठ में गाँव के जिस स्वरूप का वर्णन है वह वर्तमान समय में पूरी तरह बदल चुका है। - पाठ से उदाहरण लेकर वर्तमान परिस्थितियों से तुलना करते हुए इस कथन को सत्यापित कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में वर्णित गाँव का स्वरूप शांत, प्राकृतिक और आत्मीयता से भरा था। बच्चे खेतों और बगीचों में खेलते थे तथा लोग खेती-बाड़ी पर निर्भर थे; रामनामी बही और पूजा-पाठ जैसी परंपराएँ जीवन का हिस्सा थीं। आज गाँवों में पक्के मकान, सड़कें, बिजली, मोबाइल और टी.वी. पहुँच गए हैं। खेती में मशीनें आ गई हैं, लोग रोज़गार के लिए शहर जा रहे हैं और बच्चे पारंपरिक खेलों के स्थान पर मोबाइल से खेलते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ में वर्णित ग्राम्य स्वरूप से वर्तमान की तुलना करते हुए दो बिंदुओं में सोदाहरण उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

पाठ में वर्णित ग्राम्य स्वरूप:

- शांत, प्राकृतिक एवं आत्मीयता से परिपूर्ण वातावरण
- सरल एवं सादगीपूर्ण जीवनशैली

- प्रकृति से निकटता
- खेती-बाड़ी से जुड़ाव
- खेल-मनोरंजन के सरल और सुलभ साधन

वर्तमान परिस्थितियाँ:

- समय के साथ आधुनिक जीवन-शैली का आगमन
- कृत्रिमता का बढ़ता प्रभाव
- प्रकृति से निरंतर बढ़ती दूरी
- कृषि का आधुनिकीकरण
- आजीविका के नए विकल्प
- तकनीक आधारित व महँगे खेल-खिलौने
- लड़के-लड़कियों का एक साथ खेलना
- बच्चों का घर के बाहर खुले वातावरण में खेलना कम
- लोगों के बीच आत्मीयता और जुड़ाव में कमी
- आवागमन के आधुनिक साधनों तक पहुँच बढ़ना
- घरों और सड़कों का पक्का होना
- रहन-सहन, खान-पान, खेल-कूद और मनोरंजन के साधनों पर शहरी चकाचौंध का बढ़ता प्रभाव

प्रश्न 42 **2026** (3/2/3)

'माता का अँचल' पाठ एक सदी पहले के अतीत की सुखद यात्रा है परंतु वर्तमान उससे पूरी तरह परिवर्तित है 1 - कथन के संदर्भ में पाठ से उदाहरण लेते हुए वर्तमान समय के साथ तुलनात्मक टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में वर्णित समय में जीवन अत्यंत सरल और सहज था तथा माता-पिता के पास बच्चों के लिए पर्याप्त समय था; पिता भोलानाथ के खेलों में शामिल होते थे। वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण यह कठिन हो गया है। तब बच्चे प्रकृति के बीच मित्रों के साथ स्वनिर्मित खिलौनों से खेलते थे; आज वे बंद कमरों में मोबाइल और महँगे खिलौनों से अकेले खेलते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त तुलनात्मक टिप्पणी सोदाहरण लिखेंगे-

- वर्तमान जीवन-शैली में बदलाव: पाठ में वर्णित समय में जीवन अत्यंत सरल,सहज और माता-पिता के पास पर्याप्त समय; परंतु वर्तमान जीवन-शैली की

  जटिलता और व्यस्तता के कारण समयाभाव
- बच्चों के खेलों की प्रकृति और प्रवृत्ति में बदलाव: पाठ में वर्णित खेल-सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक आधारित, कृत्रिम संसाधनों से निर्मित सामूहिक खेलों का अधिक प्रचलन; आज सुरक्षा कारणों से घर के बाहर जाकर खेलना सीमित
- प्रकृति से जुड़ाव: पाठ में वर्णित समय में गाँव में हरियाली, खुले खेत, स्वच्छ वातावरण; आज गाँवों में भी व्यक्ति कंक्रीट के घरों में सीमित
- सामाजिकता: पाठ में वर्णित समय में बच्चों के प्रति सामुदायिक उत्तरदायित्व का बोध; आज इसका इस बोध में कमी (जैसे पाठ में एक बुजुर्ग को चिढ़ाने पर अध्यापक द्वारा बच्चे को घर से बुलवा कर अनुशासनात्मक कदम उठाना,आज ऐसा संभव नहीं)
- शिक्षा का दबाव: पाठ में वर्णित समय में पढ़ाई का कम दबाव; आज बहुत छोटी उम्र में ही बच्चों पर औपचारिक शिक्षा का बोझ
- परिवेश: पाठ में वर्णित परिवेश सादगी, आत्मीयता और निश्चिंतता से भरा हुआ; आज के तकनीकी और प्रतिस्पर्धी युग में कृत्रिमता और दुश्चिंताओं का

आधिक्य

प्रश्न 43 2026 (3/3/1)

' बच्चों के खेलों में सामाजिक परिवेश का प्रभाव दिखाई देता है' - 'माता का अँचल' पाठ के संदर्भ में इस कथन की उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए

आदर्श उत्तर

बच्चे अपने खेलों में वही करते हैं जो आस-पास के समाज में देखते हैं। भोलानाथ और उसके साथी खेती-बाड़ी का खेल खेलते थे – चबूतरे को खेत बनाते, कंकड़ के बीज बोते और लड़के बैल बनते थे। वे दुकानदारी का खेल भी खेलते; गीली मिट्टी की जलेबियाँ और फूटे घड़े के टुकड़ों के बताशे बनाकर मिठाई की दुकान लगाते थे। बरात का जुलूस निकालना भी सामाजिक परिवेश का ही प्रभाव था।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर सामाजिक परिवेश के प्रभाव के चार उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे-

खेलों पर सामाजिक परिवेश का प्रभाव:

- खेती-बाड़ी से जुड़े खेल (चबूतरे को खेत बनाना, कंकड़ के बीज, लड़कों का बैल बनना)
- दुकानदारी से जुड़े खेल (प्राकृतिक साधनों से मिठाई की दुकान लगाना जैसे - गीली मिट्टी की जलेबी, फूटे घड़े के बताशे)
- भोज/दावत से जुड़े खेल (पानी का घी, धूल का पिसान, बालू का चीनी के रूप में प्रयोग)
- बरात से जुड़े खेल (कनस्तर का तंबूरा, टूटी चूहेदानी से पालकी बनाना)
- खेलगीत: खेलते समय प्रचलित खेलगीतों को गाना
- ग्रामीण परिवेश: खेलों की सामग्री घरेलू और प्राकृतिक वस्तुओं से निर्मित

प्रश्न 44 2026 (3/3/2)

'माता का अँचल' पाठ से बच्चों के किन्हीं दो खेलों और उनके परिवेश का अंत:संबंध स्पष्ट करते हुए टिप्पणी लिखिए।

आदर्श उत्तर

पहला खेल खेती-बाड़ी का था; बच्चे चबूतरे को खेत बनाते, कंकड़ के बीज बोते और लड़के ही बैल बन जाते थे। यह उनके कृषि-प्रधान ग्रामीण परिवेश से जुड़ा था। दूसरा खेल दुकानदारी का था; वे गीली मिट्टी की जलेबियाँ और ठीकरों के बताशे बनाकर मिठाई की दुकान लगाते थे, जो गाँव के बाज़ार-हाट की नकल थी। इस प्रकार बच्चों के खेल उनके परिवेश की ही उपज थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो खेलों और उनके परिवेश के अंत:संबंध को लिखेंगे-

- खेती-बाड़ी से जुड़े खेल (चबूतरे को खेत बनाना, कंकड़ के बीज, लड़कों का बैल बनना)
- दुकानदारी से जुड़े खेल (प्राकृतिक साधनों से मिठाई की दुकान लगाना जैसे- गीली मिट्टी की जलेबी, फूटे घड़े के बताशे)
- भोज/ दावत से जुड़े खेल (पानी का घी, धूल का पिसान, बालू का चीनी के रूप में प्रयोग
- बरात से जुड़े खेल (कनस्तर का तंबूरा, टूटी चूहेदानी से पालकी बनाना)
- खेलगीत: खेलते समय प्रचलित खेलगीतों को गाना
- ग्रामीण परिवेश: खेलों की सामग्री घरेलू और प्राकृतिक वस्तुओं से निर्मित

प्रश्न 45 2026 (3/3/3)

' बच्चे बड़ों की गतिविधियों की नकल अपने खेलों में करते हैं।' 'माता का अँचल' पाठ से बच्चों की गतिविधियों के दो उदाहरण लेकर इस कथन की सहमति में अपने विचार लिखिए।

आदर्श उत्तर

मैं इस कथन से सहमत हूँ। भोलानाथ और उसके साथी खेती-बाड़ी की नकल करते थे – चबूतरे को खेत बनाते, कंकड़ के बीज बोते, ठेंगे को हल-जुआठा बनाते और कसोरे के सूप से फसल ओसाते थे। वे बाज़ार की नकल में मिठाई की दुकान लगाते और बड़ों की तरह बरात भी निकालते थे। बच्चे देखकर सीखते हैं, इसलिए बड़ों के काम ही उनके खेलों में उतर आते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त उदाहरण अपने विचारों सहित लिखेंगे, जैसे-

उदाहरण:

- खेती-बाड़ी की नकल: चबूतरे को खेत बनाना, कंकड़ के बीज बनाना, ठेंगे को हल-जुआठा बनाना, कसोरे का सूप बनाकर फसल को ओसाना आदि
- बाज़ार संबंधी गतिविधियों की नकल: दुकानदारी के खेल, मिठाइयों की दुकान लगाना, सरकंडे के खंभे पर कागज़ का चँदोवा तानना, ढेले के लड्डू, पत्तों की पूरी-कचौरियाँ आदि
- भोज संबंधी गतिविधियों की नकल: दीये की कड़ाही, आचमनी की कलछी, घड़े के मुँहड़े की चूल्हा-चक्की, बालू की चीनी, धूल के पिसान, पंगत में बैठकर खाना आदि
- बरात की नकल: अमोले की शहनाई, समधी बनकर बकरे पर चढ़ जाना, दरवाजे पर बरात लगाना, खटोली पर दुल्हन को चढ़ाना आदि

विचार:

- स्वाभाविक रूप से बच्चे अपने से बड़ों की नकल करके सीखते हैं।
- वास्तविक जीवन से उदाहरण लेकर अपनी कल्पना को विस्तार देते हैं।
- यह बच्चों के विकास का एक महत्त्वपूर्ण अंग है।
- बच्चों को बड़ों की तरह काम करने में आनंद आता है।
- बच्चों को बड़ों की दुनिया आकर्षक लगती है।
- बच्चों के अधिकतर खेलों में बड़ों के कार्यों की झलक दिखाई देती है। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 46 **2026** (3/4/1)

'माता का अँचल' पाठ में तीस के दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस तरह के परिवर्तन दिखाई देते हैं?

आदर्श उत्तर

आज की ग्रामीण संस्कृति में आधुनिक जीवन-शैली आ गई है। कृषि का आधुनिकीकरण हुआ है और आजीविका के नए विकल्प खुले हैं। बच्चों के खेल-खिलौने तकनीक आधारित और महँगे हो गए हैं तथा वे घर के बाहर कम खेलते हैं। एक अच्छा परिवर्तन यह है कि अब लड़के-लड़कियाँ साथ-साथ पढ़ते और खेलते हैं; पर आपसी मेल-जोल और सामूहिकता पहले से घटी है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी चार बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

आज की ग्रामीण संस्कृति में परिवर्तन:

- समय के साथ आधुनिक जीवन-शैली का आगमन
- कृषि का आधुनिकीकरण
- आजीविका के नए विकल्प
- खेल-खिलौने तकनीक आधारित और महँगे होना

- लड़के-लड़कियों का साथ-साथ खेलना
- बच्चों का घर के बाहर खुले वातावरण में खेलना कम
- लोगों के बीच आत्मीयता और जुड़ाव में कमी
- आवागमन के आधुनिक साधनों तक पहुँच बढ़ना

प्रश्न 47 **2026** (3/4/2)

'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लिखिए कि भोलानाथ को उनके पिताजी अपने साथ पूजा में क्यों बैठाते थे? यह भी स्पष्ट कीजिए की वह उसे नदी में मछलियों को दाना डालने के लिए क्यों ले जाते थे?

आदर्श उत्तर

पिताजी भोलानाथ को पूजा में इसलिए बैठाते थे कि वह उनकी नियमित दिनचर्या का हिस्सा बना रहे और उसमें बचपन से ही धार्मिक संस्कार तथा अच्छी आदतें पड़ें; साथ ही उन्हें बेटे का साथ प्रिय था। वे उसे नदी में मछलियों को आटे की गोलियाँ खिलाने इसलिए ले जाते थे कि उसमें जीवों के प्रति दया और परोपकार की भावना जागे तथा वह प्रकृति से जुड़े।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो-दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

भोलानाथ को अपने साथ पूजा में बैठाने का कारण:

- अपनी नियमित दिनचर्या में बच्चे को सहज रूप से शामिल करना
- धार्मिक संस्कार और आस्था विकसित करना
- ईश्वर के प्रति श्रद्धा की भावना विकसित करना
- धैर्य, शांति, एकाग्रता और अनुकरण से सीखने का अवसर देना
- नियमित पूजा-पाठ उनकी दिनचर्या का हिस्सा होना

नदी में मछलियों को दाना डालने के लिए ले जाने का कारण:

- मछलियों को दाना डालना उनकी दिनचर्या का हिस्सा होना
- भोलानाथ में दयालुता और करुणा की भावना विकसित करना
- प्रकृति और जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम, संवेदनशीलता के भाव विकसित करना
- परोपकार और सह-अस्तित्व का महत्त्व समझाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 48 **2026** (3/4/3)

मूसन तिवारी को बैजू ने चिढ़ाया था, पर उसकी सजा भोलानाथ को क्यों भुगतनी पड़ी? क्या ऐसा आपके साथ भी हुआ है? अपने अनुभव को 'माता का अँचल' पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

बैजू ने बूढ़े मूसन तिवारी को चिढ़ाया था, पर इस शरारत में भोलानाथ और उसके साथी भी सुर मिलाकर शामिल थे। जब तिवारी ने पाठशाला में शिकायत की तो बैजू भाग गया और भोलानाथ पकड़ा गया; इसलिए गुरु जी से सज़ा उसी को मिली। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है; एक बार कक्षा में शोर मेरे मित्र ने मचाया था, पर उसके पास बैठे होने के कारण डाँट मुझे भी खानी पड़ी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कारण:

- बैजू द्वारा मूसन तिवारी को चिढ़ाने में भोलानाथ की भी भागीदारी
- भोलानाथ का पकड़े जाना जबकि बैजू का भाग जाना;

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी अपने अनुभव के आधार पर उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 49 **2026** (3/5/1)

'माता का अँचल' नामक पाठ में आपको बच्चों का कौन सा खेल पसंद नहीं आया और क्यों?

आदर्श उत्तर

मुझे बच्चों का बूढ़े मूसन तिवारी को चिढ़ाने वाला खेल पसंद नहीं आया। इसी तरह चूहों के बिल में पानी भर देना और चिड़ियों को पकड़ने दौड़ना भी अच्छा नहीं लगा। इन खेलों में बच्चों की मनमानी और अशिष्टता दिखाई देती है; बुजुर्गों का मज़ाक उड़ाना उनका अपमान है और निर्दोष जीवों को सताना उन्हें हानि पहुँचाना है, जो किसी भी तरह उचित नहीं है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर तर्कपूर्ण स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे -

खेल:

- विवाह की पालकी को देखकर जोर-जोर से चिल्लाना
- बूढ़े मूसन तिवारी का मज़ाक उड़ाना
- चूहों के बिल में पानी भर देना
- मकई के खेत में चिड़ियों को पकड़ने के लिए दौड़ना

कारण:

- बच्चों की मनमानी और अशिष्ट व्यवहार
- बूढ़ों और बुजुर्गों का अपमान करने की भावना
- जीवों को हानि पहुँचाना, ऐसे खेल से कोई दुर्घटना होने की संभावना

प्रश्न 50 **2026** (3/5/2)

'माता का आँचल' पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस तरह भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में बच्चों के खेलों में सामूहिकता थी; भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खुले में खेलता था और खेल-सामग्री पारंपरिक तथा प्राकृतिक होती थी। मेरे बचपन के अधिकांश खेल व्यक्ति-केंद्रित रहे हैं; मैं मोबाइल, टी.वी. या बाज़ार के खिलौनों से घर के भीतर खेलता रहा हूँ। भोलानाथ पर पढ़ाई का बोझ नहीं था, जबकि मेरा बचपन स्कूल और होमवर्क की समय-सारणी में बँधा रहा है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- पाठ में वर्णित खेलों में सामूहिकता की भावना; आज के अधिकांश खेल व्यक्ति केंद्रित (जैसे भोलानाथ साथियों के साथ मिलकर खेलता था, आज बच्चे

  कंप्यूटर/मोबाइल स्क्रीन पर)
- पाठ में वर्णित खेल सामग्री पारंपरिक और प्राकृतिक; आज की खेल सामग्री तकनीक आधारित, कृत्रिम संसाधनों से निर्मित
- माता-पिता का भोलानाथ के प्रति सहज निश्छल प्रेम व वात्सल्य शाश्वत परंतु बदलते समय के साथ उसकी अभिव्यक्ति में अंतर

- भोलानाथ के माता-पिता के समय में जीवन अत्यंत सरल होने के कारण पर्याप्त समय परंतु वर्तमान जीवन-शैली की जटिलता और व्यस्तता के कारण

  उनके पास समयाभाव
- भोलानाथ के बचपन में पढ़ाई का दबाव नहीं, आज बहुत अधिक

प्रश्न 51 **2026** (3/5/3)

साँप को देखने के बाद भयभीत भोलानाथ का अपनी माँ के आँचल में छिपने का क्या कारण रहा होगा? 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर लिखिए। संकट के समय आप किसके पास जाते हैं और क्यों? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

भोलानाथ का माँ से गहरा ममता भरा और भावनात्मक जुड़ाव था; उसे माँ के आँचल में ही सबसे अधिक सुरक्षा का अनुभव होता था, इसलिए साँप से डरकर वह वहीं जा छिपा। संकट के समय मैं भी सबसे पहले अपनी माँ के पास जाता हूँ, क्योंकि वे बिना डाँटे मेरी बात धैर्य से सुनती हैं, मुझे ढाढ़स बँधाती हैं और उनके पास पहुँचते ही मेरा आधा डर अपने-आप दूर हो जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

भोलानाथ का अपनी माँ के आँचल में छिपने का कारण:

- ममता और भावनात्मक जुड़ाव
- सुरक्षा की भावना
- माँ से निकटता और आत्मीयता;

प्रश्न के दूसरे और तीसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी अपने अनुभवों के आधार पर कारण सहित उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

किसके पास: निकट और आत्मीय व्यक्ति जैसे- माता,पिता,दादा,दादी,नाना,नानी,भाई,बहन इत्यादि
क्यों:

- भावनात्मक लगाव
- सुरक्षा का भाव

कृतिका • पूरक पाठ्यपुस्तक

जॉर्ज पंचम की नाक — कमलेश्वर

वर्तमान पाठ्यक्रम में नहीं

यह पाठ CBSE के 2026-27 के पाठ्यक्रम में सम्मिलित नहीं है। इसके प्रश्न 2022 (टर्म-II) के प्रश्न-पत्रों से हैं और केवल संदर्भ के लिए रखे गए हैं।

वर्णनात्मक प्रश्न (लगभग 50–60 शब्द)

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3) हटाया गया अंश

'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर 'नाक' शब्द की प्रतीकात्मकता स्पष्ट करते हुए बताइए कि जॉर्ज पंचम की लाट पर लगाई जाने वाली नाक के समाधान ही मूर्तिकार की परेशानी के कारण कैसे बन गए।

आदर्श उत्तर

'नाक' प्रतिष्ठा और सम्मान का प्रतीक है। मूर्तिकार ने पहले वैसा ही पत्थर खोजने का समाधान दिया, पर देश भर की खानों में वह पत्थर नहीं मिला। फिर उसने देश के नेताओं की मूर्तियों की नाक लगाने का सुझाव दिया, पर सबकी नाक जॉर्ज पंचम से बड़ी निकली; बिहार के शहीद बच्चों की नाक भी बड़ी थी। इस प्रकार उसके हर समाधान ने उसकी परेशानी बढ़ाई और अंत में ज़िंदा नाक लगानी पड़ी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

नाक की प्रतीकात्मकता –

- प्रतिष्ठा का प्रतीक (अनेक मुहावरों में इसी अर्थ में प्रयुक्त);

मूर्तिकार द्वारा दिए गए समाधान और उनसे उत्पन्न होने वाली परेशानी –

- मूर्ति के पत्थर की जानकारी माँगी परंतु फ़ाइलें नहीं मिलीं।
- पूरे देश के पहाड़ों का भ्रमण कर पत्थर ढूँढ़ना पड़ा, परंतु समान पत्थर नहीं मिला।
- देश के स्वतंत्रता सेनानियों और बाल शहीदों की मूर्तियों की नाक की भी नापतौल की परंतु वे भी जॉर्ज पंचम की नाक से बड़ी निकलीं।
- ज़िंदा नाक लगाने का सुझाव दिया।
- आर्थिक हानि का भय (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3) हटाया गया अंश

'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि रानी एलिजाबेथ द्वितीय के भारत आगमन से पूर्व अधिकारियों को क्या चिंता हुई।

देश की नाक बचाने के लिए कौन-सी जी-तोड़ कोशिशें की गईं?

आदर्श उत्तर

रानी के आगमन से पूर्व अधिकारियों को चिंता हुई कि इंडिया गेट के सामने जॉर्ज पंचम की लाट की नाक गायब है; रानी के सामने यह देश के अपमान की बात होगी। नाक बचाने के लिए बड़े अधिकारियों की बैठकें हुईं और मूर्तिकार को बुलाया गया। उसने पत्थर की खोज में देश भर की खानें छान मारीं और नेताओं की मूर्तियों की नाकें नापीं; अंत में एक ज़िंदा नाक काटकर लगाई गई।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

अधिकारियों की चिंता –

- जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर नाक का न होने के कारण रानी के सामने देश के अपमान की चिंता देश की नाक बचाने के लिए कोशिशें –

- बड़े अधिकारियों की बैठक, मूर्तिकार बुलाकर नई नाक लगाने का आदेश
- नाक का विवरण ढूँढ़ने के लिए पुरानी फ़ाइलों की छानबीन
- मूर्तिकार द्वारा देश के सभी पहाड़-पत्थर की खानों का दौरा
- महापुरुषों / स्वतंत्रता सेनानियों और बाल-शहीदों की मूर्तियों से नाक उतार कर लगाने की योजना और इसके लिए मूर्तिकार द्वारा पूरे देश का दौरा
- अंततः किसी जीवित व्यक्ति की नाक लगाने का निश्चय (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 3 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3) हटाया गया अंश

'जॉर्ज पंचम की नाक' के आधार पर बताइए कि रानी एलिजाबेथ के भारत आगमन के समय जो पत्रकार उनसे जुड़ी छोटी-छोटी ख़बरें छाप रहे थे, उनके आगमन पर एकदम चुप क्यों थे।

आदर्श उत्तर

जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर जीवित व्यक्ति की नाक लगाया जाना पूरे देश के लिए अपमान और शर्म की बात थी। इससे आहत होकर पत्रकारों ने प्रतीकात्मक मौन विरोध किया और रानी के आगमन को कोई महत्त्व नहीं दिया। उनमें खुलकर विरोध करने का साहस नहीं था, इसलिए उस दिन अख़बारों में किसी उद्घाटन या स्वागत-समारोह की कोई ख़बर नहीं छपी; वे चुप रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर जीवित व्यक्ति की नाक लगाए जाने पर देश के अपमान से आहत होने के कारण प्रतीकात्मक मौन विरोध
- महारानी के आगमन को महत्व न देना
- मुखर विरोध का साहस न होना
- मानसिक गुलामी से मुक्त होने का संकेत (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 4 **2022 टर्म-II** (3/4/1) हटाया गया अंश

'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि रानी के आगमन पर राजधानी में क्या-क्या तैयारियाँ हो रही थीं? इस तैयारी और बदलाव के पीछे भारतीय प्रशासन की कौन-सी मानसिकता थी? इसे देख आपको क्या अनुभव होता है?

आदर्श उत्तर

रानी के आगमन पर राजधानी में दीवारों पर रंग-रोगन कराया जा रहा था तथा सड़कों और इमारतों की साफ़-सफ़ाई और सजावट हो रही थी; पूरी दिल्ली का कायापलट किया जा रहा था। इसके पीछे भारतीय प्रशासन की औपनिवेशिक और गुलाम मानसिकता थी, जो आज़ादी के बाद भी अंग्रेज़ों को खुश करने में लगी थी। यह देखकर मुझे दुख और क्षोभ होता है कि स्वतंत्र देश अपना स्वाभिमान भूल गया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

तैयारी –

- दीवारों पर रंग-रोगन कराना
- दिल्ली की सड़कों, इमारतों की साफ़-सफाई और सजावट

मानसिकता –

- औपनिवेशिक मानसिकता दिखाई देती है।

अनुभव –

- इसे देखकर ऐसा लगता है कि हम आज भी गुलाम हैं। (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 5 **2022 टर्म-II** (3/4/2) हटाया गया अंश

'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ में रानी एलिजाबेथ के भारत आगमन के समय भारतीय प्रशासनिक अधिकारियों और मीडिया का व्यवहार कैसा था? सोदाहरण स्पष्ट करते हुए उसके पीछे के कारणों और मानसिकता पर टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रशासनिक अधिकारी रानी के स्वागत की तैयारी में बदहवास थे और किसी भी तरह जॉर्ज पंचम की मूर्ति पर नाक लगा देना चाहते थे। मीडिया गैर-ज़िम्मेदार थी; अख़बार रानी के सूट, दर्जी और नौकरों तक की ख़बरें छाप रहे थे। इस व्यवहार के पीछे चाटुकारिता और गुलामी की वह मानसिकता थी जो आज़ादी के बाद भी अंग्रेज़ों को श्रेष्ठ मानकर उन्हें प्रसन्न करना अपना कर्त्तव्य समझती थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

अधिकारी –

- तैयारी में व्यस्त थे। /
- किसी भी तरह से जॉर्ज पंचम की मूर्ति की नाक लगा देना चाहते थे।

मीडिया –

- गैर ज़िम्मेदार थी। /
- चाटुकारिता व गुलामी की मानसिकता से भरी हुई थी।

कारण –

- राजकीय बाध्यता /
- अतिथि का स्वागत /
- मीडिया का व्यावसायिक दृष्टिकोण (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 6 **2022 टर्म-II** (3/4/3) हटाया गया अंश

'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि जॉर्ज पंचम की लाट की नाक की तलाश में मूर्तिकार किन-किन जगहों पर गया। किसी भी भारतीय स्वतंत्रता सेनानी की नाक मूर्ति की नाक से बड़ी होने का तात्पर्य क्या है? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

नाक के लिए पत्थर की तलाश में मूर्तिकार हिंदुस्तान के हर पहाड़ और खान पर गया। फिर नाक की खोज में उसने दिल्ली, बंबई, गुजरात, बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में नेताओं की मूर्तियाँ देखीं। स्वतंत्रता सेनानियों की नाक मूर्ति की नाक से बड़ी होने का तात्पर्य है कि भारत के देशभक्तों और शहीदों का सम्मान जॉर्ज पंचम से कहीं ऊँचा है; उनकी नाक काटना उनका अपमान होता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- हिंदुस्तान के हर पहाड़ पर
- दिल्ली, बंबई, गुजरात, बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश आदि अनेक राज्यों में; तात्पर्य – भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों की प्रतिष्ठा जॉर्ज पंचम की

  प्रतिष्ठा से कहीं अधिक थी।

कृतिका • पूरक पाठ्यपुस्तक

साना-साना हाथ जोड़ि — मधु कांकरिया

वर्णनात्मक प्रश्न (लगभग 50–60 शब्द)

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि .....' पाठ में पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ती मानवीय गतिविधियों के किन दुष्प्रभावों का उल्लेख किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में बताया गया है कि पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यटकों की बढ़ती भीड़ और वाहनों के कारण प्रदूषण बढ़ रहा है और लोग जगह-जगह गंदगी फैला रहे हैं। इसका दुष्प्रभाव यह हुआ है कि बर्फ़बारी (स्नो-फॉल) लगातार कम होती जा रही है; लेखिका को यूमथांग में बर्फ़ नहीं मिली। इस प्रकार पहाड़ों का प्राकृतिक स्वरूप और सौंदर्य नष्ट हो रहा है तथा प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

दुष्प्रभाव:–

- प्रदूषण में वृद्धि
- गंदगी
- बर्फ़बारी (स्नो फॉल) में कमी
- प्राकृतिक स्वरूप में हानि (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'हम सभी नदियों और पर्वतों के ऋणी हैं' – कैसे? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

पर्वत और नदियाँ हमारे लिए जल-आपूर्ति के महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं; पर्वत सर्दियों में बर्फ़ के रूप में जल जमा करते हैं और गर्मियों में नदियों के रूप में हमारी प्यास बुझाते हैं। ये मौसम-चक्र और मानसून के लिए आवश्यक हैं तथा अनेक आर्थिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के केंद्र हैं। ये प्राकृतिक सौंदर्य, वनस्पतियों और फूलों के भंडार तथा पशु-पक्षियों के आवास हैं, इसलिए हम इनके ऋणी हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- पर्वत और नदियाँ दोनों ही जल-आपूर्ति के महत्त्वपूर्ण स्रोत
- अनेक आर्थिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का केंद्र बिंदु
- मौसम चक्र एवं मानसून के लिए महत्त्वपूर्ण
- प्राकृतिक सौंदर्य, वनस्पतियों एवं फूलों के भंडार
- पशु-पक्षियों के लिए प्राकृतिक आवास

प्रश्न 3 2022 टर्म-II (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि .....' पाठ में सैनिकों की किन कठिनाइयों का उल्लेख है? क्या वर्तमान में उनकी स्थिति में सुधार आया है? पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में बताया गया है कि सैनिक कड़कड़ाती ठंड और बर्फ़ जैसी प्रतिकूल प्राकृतिक परिस्थितियों में सीमा पर पहरा देते हैं। वे दुर्गम पहाड़ों को काटकर रास्ता बनाने जैसे दुःसाध्य कार्य करते हुए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। वर्तमान में उनकी स्थिति में सुधार आया है; तकनीक के विकास से उन्हें गर्म कपड़े, आधुनिक उपकरण, बेहतर सड़कें और संचार-सुविधाएँ मिली हैं, यद्यपि प्राकृतिक चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- प्रतिकूल प्राकृतिक परिस्थितियों / चुनौतियों का सामना
- दुर्गम पहाड़ों पर रास्ता बनाने जैसे दुःसाध्य कार्य करते हुए जान जोखिम में डालना (प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

उदाहरणार्थ –

वर्तमान में सुधार –

- तकनीक के विकास के कारण प्राकृतिक प्रतिकूलता से लड़ने की सुविधाओं में वृद्धि हुई है।

वर्तमान में सुधार नहीं –

- प्राकृतिक प्रतिकूलता पहले से बढ़ी है इसलिए परिस्थितियाँ ज्यों की त्यों हैं।
- और अधिक दुर्गम स्थानों तक सैनिक जा रहे हैं तो चुनौतियाँ और बढ़ गई हैं।

प्रश्न 4 **2022 टर्म-II** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर बताइए कि पहाड़ के सौंदर्य पर मंत्रमुग्ध लेखिका पहाड़ों पर किस दृश्य को देख क्षुब्ध और परेशान हो उठती हैं? क्या आपने भ्रमण या पर्यटन के दौरान ऐसे दृश्य देखे हैं? ऐसे दृश्यों और अपने मन पर पड़े उनके प्रभाव को अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

पहाड़ों के सौंदर्य में खोई लेखिका तब क्षुब्ध हो उठती हैं जब वे कोमल काया वाली पहाड़ी औरतों को पीठ पर बच्चे बाँधे, कुदाल-हथौड़ों से पत्थर तोड़ते देखती हैं। मैंने भी यात्रा के दौरान ढाबों पर छोटे बच्चों को बरतन माँजते और मज़दूरों को कड़ी धूप में सड़क बनाते देखा है। ऐसे दृश्य देखकर मन दुखी हो जाता है और लगता है कि हमारे आराम के पीछे कितने लोगों का कठोर श्रम छिपा है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- महिलाओं द्वारा पत्थर तोड़ने का दृश्य (प्रश्न के दूसरे और तीसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) उदाहरणार्थ – अन्य दृश्य –
- ढ़ाबों पर बच्चों को काम करते देखना
- स्त्रियों, वृद्धों और बच्चों को भवन-निर्माण जैसे कठोर कार्य करते देखना;
- मन को परेशान करते हैं, सवाल उठते हैं।

प्रश्न 5 **2023** (3/1/1)

'साना-साना हाथ जोड़ि' में प्रकृति की किस अखंडित संपूर्णता से लेखिका का साक्षात्कार होता है? वह संपूर्णता आवश्यक क्यों है? उसे नुकसान पहुँचाकर मनुष्य क्या गलत कर रहा है?

आदर्श उत्तर

लेखिका का साक्षात्कार उस अखंडित संपूर्णता से होता है जिसमें पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, मनुष्य, नदी और पर्वत सब अपनी-अपनी लय, ताल और गति में चल रहे हैं। यह संपूर्णता इसलिए आवश्यक है कि इसी से धरती का संतुलन बना रहता है। मनुष्य पेड़ काटकर, प्रदूषण और गंदगी फैलाकर इस लय को तोड़ रहा है; धरती के संतुलन को बिगाड़कर वह अपने ही भविष्य को संकट में डाल रहा है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

अखंडित संपूर्णता - पेड़-पौधे, पशु-मानव, नदी-पर्वत आदि सबका अपनी लय-ताल और गति में होना आवश्यकता - प्रकृति की इस संपूर्ण से ही धरती / संसार का संतुलन है।

मनुष्य की गलती (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

उदाहरणार्थ - धरती के लिए खतरा उत्पन्न होना, जीवन के विनाश का खतरा उत्पन्न होना

प्रश्न 6 **2023** (3/1/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर पर्वतीय जीवन की दुरूहता को पाठ के किन्हीं दो प्रसंगों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

पर्वतीय जीवन में रोज़मर्रा की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी कठिन संघर्ष करना पड़ता है। वहाँ के बच्चे पहाड़ों की कठिन चढ़ाई चढ़कर तीन-साढ़े तीन किलोमीटर दूर स्कूल जाते हैं और लौटकर मवेशी चराने, पानी भरने तथा लकड़ियाँ ढोने में हाथ बँटाते हैं। स्त्रियाँ बच्चों को पीठ पर बाँधकर पत्थर तोड़ती और जान जोखिम में डालकर सड़कें बनाती हैं। ये प्रसंग वहाँ के जीवन की दुरूहता दिखाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- जीवन-यापन में रोजमर्रा की आवश्यकता पूर्ति के लिए भी कठिन संघर्ष करना
- पहाड़ों की कठिन चढ़ाई चढ़कर बच्चों द्वारा स्कूल जाना और लौटकर घर के कार्यों में हाथ बाँटाना
- स्त्रियों का बच्चों को पीठ पर बाँधकर पत्थर तोड़ना, सड़क बनाना आदि कठिन काम करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

(ख) उत्तर

प्रश्न 7 **2023** (3/1/3)

'यूमथांग' और 'कटाओ' के अंतर को 'साना साना हाथ जोड़ि' के आधार पर स्पष्ट करते हुए बताइए कि आप किस स्थल से ज्यादा प्रभावित हुए हैं। आप इनमें से किसकी यात्रा करना चाहेंगे?

आदर्श उत्तर

यूमथांग अधिक लोकप्रिय पर्यटक-स्थल है, जहाँ पर्यटकों के लिए सुविधाएँ और व्यावसायिक गतिविधियाँ हैं; पर वहाँ बर्फ़ नहीं थी। कटाओ प्राकृतिक रूप से उससे कहीं अधिक सुंदर है; वहाँ चारों ओर ताज़ा बर्फ़ थी और दुकानें न होने से वह अनछुआ बचा हुआ है। मैं कटाओ से अधिक प्रभावित हुआ हूँ और उसी की यात्रा करना चाहूँगा, क्योंकि वहाँ प्रकृति अपने शुद्ध और निर्मल रूप में दिखाई देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

यूमथांग - ज़्यादा लोकप्रिय पर्यटक स्थल, पर्यटकों के लिए सुविधायुक्त, प्राकृतिक रूप से कटाओ से कम सुंदर, बर्फ का न होना, व्यावसायिक गतिविधियाँ कटाओ - प्राकृतिक रूप से यूमथांग से अपेक्षाकृत अधिक सुंदर, चारों तरफ बर्फ, व्यावसायिक गतिविधियों का अभाव, भारत का स्विट्जरलैंड (प्रश्न के दूसरे व तीसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

प्रश्न 8 **2023** (3/2/1)

'साना-साना हाथ जोड़ि' में मनोरम प्राकृतिक दृश्यों के चित्रण के साथ-साथ लेखिका की आंतरिक यात्रा का अंकन भी है। -- पाठ के आधार पर इन दोनों पक्षों पर प्रकाश डालिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में चाय के बागानों, रंग-बिरंगे फूलों से घिरी घाटियों, धुंध और बर्फ़ से ढके पहाड़ों, झरनों तथा तिस्ता नदी के मनोरम दृश्य हैं; हिमालय पल-पल रूप बदलता दिखता है। इसके साथ लेखिका की आंतरिक यात्रा भी चलती है। इस सौंदर्य के बीच वे स्वयं को ऋषि-सी शांत अनुभव करती

हैं, जीवन की अनंतता को महसूस करती हैं और श्रम करती स्त्रियों तथा सैनिकों को देखकर उनके प्रति संवेदना और कृतज्ञता से भर उठती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्राकृतिक चित्रण

- चाय के बागान, पहाड़ों के दृश्य, रंग-बिरंगे फूलों से घिरी घाटियाँ, धुंध और बर्फ से ढके पहाड़, झरने और नदियों का सौंदर्य
- बादलों से ढका आसमान
- पल-पल परिवर्तित हिमालय (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

आंतरिक यात्रा

- बार-बार खुद में डूब जाना
- तामसिकताओं, इंद्रियों से मुक्ति
- पूरे देश में आस्थाओं, मान्यताओं, रीतियों आदि में एकरूपता का विचार
- प्रकृति के साथ मनुष्य के संबंधों पर विचार
- प्रकृति की विराटता के सम्मुख मनुष्य का क्षीण अस्तित्व (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 9 **2023** (3/2/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि' की लेखिका महानगरों को 'डार्करूम' क्यों कहती है? महानगरीय डार्करूम से भागने के लिए लोग क्या प्रयास करते हैं? महानगरों को इस डार्करूम से बचाने के लिए हम क्या प्रयास कर सकते हैं?

आदर्श उत्तर

लेखिका महानगरों को 'डार्करूम' इसलिए कहती हैं कि वहाँ जीवन आपाधापी, दबाव और तनाव से भरा है; लोग प्रकृति से दूर छोटे-छोटे घरों में सिमटे रहते हैं। इससे भागने के लिए लोग पहाड़ों और प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण करते हैं तथा बागवानी और बाग-बगीचों की सैर से प्रकृति के निकट जाते हैं। महानगरों को बचाने के लिए हम अधिक पेड़ लगा सकते हैं, पार्क और खुले स्थान बचा सकते हैं तथा प्रदूषण घटा सकते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

'डार्करूम'

- आपाधापी से भरा जीवन
- प्रकृति से दूर
- महानगरीय जीवन का दबाव और तनाव
- छोटे-छोटे घरों में सिमटा जीवन (कोई एक बिंदु अपेक्षित) प्रयास
- प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण
- प्राकृतिक परिवेश की स्मृतियों को संजोना
- बागवानी द्वारा प्रकृति का सामीप्य
- बाग-बगीचों की सैर (कोई एक बिंदु अपेक्षित)

(प्रश्न के अंतिम भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)
उदाहरणार्थ

- महानगरों में हरित क्षेत्र की वृद्धि एवं संरक्षण
- सुनियोजित विकास (कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 10 **2023** (3/2/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में एशिया के 'जल स्तंभ' किन्हें बताया गया है? प्रकृति के जल संचय की प्रक्रिया को अद्भुत क्यों कहा गया है? हम प्रकृति के इस ऋण का किस प्रकार प्रतिदान दे सकते हैं?

आदर्श उत्तर

पाठ में हिमालय के ग्लेशियरों और बर्फ़ से ढके पहाड़ों को एशिया के 'जल स्तंभ' बताया गया है। प्रकृति सर्दियों में बर्फ़ के रूप में जल का संग्रह कर लेती है और गर्मियों में जब लोग प्यास से व्याकुल होते हैं, तब वही बर्फ़ पिघलकर नदियों के रूप में जल देती है; इसलिए यह व्यवस्था अद्भुत है। हम पेड़ लगाकर, प्रदूषण रोककर और जल का सदुपयोग करके इस ऋण का प्रतिदान दे सकते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- हिमालय के ग्लेशियर, बर्फ से ढ़के पहाड़ों को;
- सर्दियों में बर्फ के रूप में जल-संग्रह करना
- गर्मियों में पिघली हुई बर्फ से जल देना
- आवश्यकतानुसार स्वयं को बदलना प्रकृति की अनूठी व्यवस्था है। (कोई एक बिंदु अपेक्षित)
- (प्रश्न के तीसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर

(क)। उत्तर - स्वीकार्य

उदाहरणार्थ - प्रतिदान

- प्रकृति की सुरक्षा, संरक्षण
- प्रदूषण न फैलाना

प्रश्न 11 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि प्राकृतिक जल संचय की व्यवस्था को कैसे सुधारा जा सकता है? इस दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

प्राकृतिक जल-संचय की व्यवस्था को सुधारने के लिए वर्षा-जल के संग्रह को बढ़ावा देना चाहिए और भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन रोकना चाहिए। पानी को प्रदूषण से बचाना, पुराने तालाबों-कुओं का जीर्णोद्धार करना और नए जलाशय बनवाना भी आवश्यक है। सरकार ने जल-संरक्षण के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाए हैं, भूमिगत जल-दोहन पर कानूनी प्रतिबंध लगाए हैं और वर्षा-जल संचयन को प्रोत्साहित किया है; ये कदम सराहनीय हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य

उदाहरणार्थ - सुधार

- वर्षा-जल के संग्रह को बढ़ावा देकर
- भूमिगत जल का दोहन न करके
- पानी को प्रदूषण से बचाकर
- तालाब, कुएँ आदि का जीर्णोद्धार करके
- नए तालाब, कुएँ आदि बनवाकर सरकार के कदम
- जल-संरक्षण हेतु जन-जागरूकता अभियान
- भूमिगत जल दोहन पर कानूनी प्रतिबंध

- वर्षा-जल संग्रहण को प्रोत्साहन
- जल संग्रह के लिए तालाब आदि बनवाना
- नदियों, तालाब, कुओं आदि का संरक्षण
- जल-निकायों को अतिक्रमण से मुक्ति (प्रत्येक भाग के लिए दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 12 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका को लोंग स्टॉक में धर्म चक्र को देख कर संपूर्ण भारत की सोच एक जैसी क्यों प्रतीत हुई? आपके विचार से अन्य कौन-सी बातों में भारत की आत्मा एक-सी प्रतीत होती है?

आदर्श उत्तर

धर्म-चक्र को घुमाने से सारे पाप धुल जाने की मान्यता सुनकर लेखिका को लगा कि मैदान हो या पहाड़, लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास और पाप-पुण्य की अवधारणाएँ पूरे भारत में एक जैसी हैं; वैज्ञानिक उन्नति के बावजूद धार्मिक स्तर पर सब समान हैं। मेरे विचार से अतिथि-सत्कार, बड़ों का आदर, त्योहारों का उल्लास, परिवार से लगाव और आम जन के संघर्ष में भी भारत की आत्मा एक-सी दिखाई देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप-पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी; चाहे वह मैदानी इलाका हो या पहाड़
- वैज्ञानिक उन्नति के बावजूद धार्मिक-आध्यात्मिक स्तर पर सब एक समान (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

उदाहरणार्थ:-

- आम जनजीवन की कहानी
- देश के सभी भागों में लोगों का पाप-पुण्य, धर्म-अधर्म में विश्वास

प्रश्न 13 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' - की लेखिका अपनी यात्रा में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते चलती हैं। पाठ के किन्हीं दो प्रसंगों के उल्लेख के साथ लिखिए कि अगर आप उस स्थान पर होते तो क्या करते?

आदर्श उत्तर

गंतोक में रात के समय आसमान और शहर पर रोशनी की झालर देखकर लेखिका के भीतर एक उजास फूटता है और वे सुबह नेपाली युवती से सीखी प्रार्थना 'साना-साना हाथ जोड़ि' करती हैं। यूमथांग के रास्ते में झरने और हिमशिखर देखकर वे प्रकृति के आगे नतमस्तक हो जाती हैं। अगर मैं वहाँ होता तो मैं भी उस सौंदर्य को आँखों में भरकर प्रकृति को धन्यवाद देता और वहाँ गंदगी न फैलाने का संकल्प लेता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के प्रसंग

- गंतोक / गैंगटॉक के आसमान और शहर पर रोशनी की झालर देख भीतर-बाहर शून्य, एक उजास फूटना और ईश्वर से प्रार्थना करना
- यूमथांग की ओर जाते हुए पर्वत शिखर, जल-प्रपात आदि के सौंदर्य की पराकाष्ठा देखकर नतमस्तक होना
- हिमालय के कहीं हरे, कहीं पीलापन लिए, कहीं पलस्तर उखड़ी दीवार जैसे तो कभी सारे परिदृश्य का बादलमय हो जाने के दृश्य को देखकर ऐसा अनुभव होना मानो प्रकृति जीवन रहस्यों का उद्घाटन कर रही हो
- धुंध की चादर हटने पर प्रकृति की संपूर्णा को देखकर, जिसमें सभी प्राकृतिक उपादान एक लय-गीत-ताल से चलायमान थे, लेखिका का ईश्वर से निकटता का अनुभव करना
- तिस्ता नदी के किनारे अद्भुत शांति में लेखिका द्वारा भीतर के सारे हलाहल, सारी तामसिकताएँ बह जाने की प्रार्थना करना (किन्हीं दो प्रसंगों का उल्लेख अपेक्षित) (अन्य उपयुक्त प्रसंग भी स्वीकार्य) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) उदाहरणार्थ

- में होती तो प्रकृति की उस सुंदरता में खो जाती
- ईश्वर और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता महसूस करती

प्रश्न 14 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका को कब और क्यों लगा कि तमाम भौगोलिक विविधता और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद भारत की आत्मा एक ही है?

आदर्श उत्तर

जब लेखिका ने लोंग स्टॉक में एक कुटिया के भीतर घूमता हुआ धर्म-चक्र देखा और जाना कि उसे घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं, तब उन्हें ऐसा लगा। उन्हें मैदानी क्षेत्रों की गंगा-स्नान और तीर्थयात्रा जैसी मान्यताएँ याद आईं। धार्मिक मान्यताओं, आस्थाओं, अंधविश्वासों और पाप-पुण्य की अवधारणाओं में यह समानता देखकर उन्हें लगा कि तमाम विविधता और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद भारत की आत्मा एक ही है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

कब

- एक कुटिया के भीतर घूमता चक्र देखकर
- उस चक्र को घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं, इस मान्यता के बारे में जानकर

क्यों –

- धार्मिक मान्यताओं, आस्थाओं, विश्वास में समानता (तीर्थयात्रा, गंगास्नान आदि मान्यताएँ)
- पाप-पुण्य, स्वर्ग-नरक आदि की समान धारणाएँ

प्रश्न 15 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए कि 'खेदुम' क्या है? इसके बारे में गैंगटोकवासियों का क्या विश्वास है? क्या उन्हें सही माना जा सकता है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

खेदुम सिक्किम में गंतोक के पास लगभग एक किलोमीटर का क्षेत्र है। वहाँ के लोगों का विश्वास है कि यहाँ देवी-देवताओं का निवास है और जो यहाँ गंदगी फैलाएगा, वह मर जाएगा। वैज्ञानिक दृष्टि से यह अंधविश्वास है, फिर भी इसका परिणाम अच्छा है; इसी विश्वास के कारण लोग उस क्षेत्र को स्वच्छ रखते हैं और प्रकृति की रक्षा होती है। इसलिए उनकी भावना को सही माना जा सकता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- खेदुम सिक्किम (गैंगटोक) में लगभग एक किलोमीटर का क्षेत्र है

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे–

- यहाँ देवी-देवताओं का निवास
- यहाँ जो गंदगी फैलाएगा वह मर जाएगा

परीक्षार्थी प्रश्न के तीसरे हिस्से के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र, तर्कपूर्ण और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 16 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

बार्डर एरिया में छावनी पर 'बी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो' को पढ़कर लेखिका का मन उदास क्यों हो गया? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

छावनी पर लिखे इस वाक्य का अर्थ है कि सैनिक हमारे आने वाले कल के लिए अपना आज न्योछावर कर रहे हैं। इसे पढ़कर लेखिका को ध्यान आया कि ये फ़ौजी माइनस पंद्रह डिग्री जैसी कड़कड़ाती ठंड और विषम परिस्थितियों में, अपने परिवार से दूर रहकर कर्त्तव्य निभाते हैं। उनके इस त्याग और कष्ट को सोचकर और यह जानकर कि हम चैन से सोते हैं, उनका मन उदास हो गया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में दो उपयुक्त बिंदु विस्तार से लिखेंगे, जैसे –

- कठिन और विषम परिस्थितियों में कर्तव्य-पालन
- प्रतिकूल प्राकृतिक परिस्थितियाँ (माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तापमान)
- परिवार से दूरी
- अन्य स्वतंत्र उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 17 2024 (3/4/1)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में जितेन ने पहाड़ी स्कूली बच्चों के बारे में क्या-क्या बताया? आपकी दिनचर्या इन बच्चों से कितनी भिन्न है? संक्षेप में लिखिए।

आदर्श उत्तर

जितेन ने बताया कि पहाड़ी बच्चों का जीवन कठोर है। वे रोज़ तीन-साढ़े तीन किलोमीटर की पहाड़ी चढ़ाई चढ़कर स्कूल जाते हैं। शाम को वे अपनी माँओं के साथ मवेशी चराते हैं, पानी भरते हैं और जंगल से लकड़ियों के भारी गट्ठर ढोते हैं। मेरी दिनचर्या इनसे बहुत भिन्न है; मैं बस या वाहन से स्कूल जाता हूँ, घर लौटकर पढ़ाई और खेल में समय बिताता हूँ तथा मुझे ऐसा कठिन श्रम नहीं करना पड़ता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर पहाड़ी स्कूली बच्चों के बारे में दो बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- कठोर जीवन - स्कूल के लिए दूर-दूर तक चलना
- शाम के समय अपनी माँओं के साथ पशुओं को चराना
- पानी भरना
- जंगल से लकड़ियों के भारी गट्ठर ढोना

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी व्यक्तिगत दृष्टिकोण से दो बिंदुओं में स्वतंत्र एवं उपयुक्त उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 18 2024 (3/4/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में आई पंक्ति - 'इन पत्थरों को तोड़ती पहाड़िनों के हाथों में पड़े ठाठे, एक ही कहानी कह रहे थे' -- के माध्यम से लेखिका क्या कहना चाहती है? उन श्रम-सुंदरियों के जीवन के बारे में अपने विचार भी लिखिए।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति से लेखिका कहना चाहती हैं कि पत्थर तोड़ती इन स्त्रियों के हाथों के ठाठे (गाँठें) उनके कठिन और अभावग्रस्त जीवन की कहानी कहते हैं; देश के हर क्षेत्र में श्रमिक वर्ग की दशा एक समान है। मेरे विचार से ये श्रम-सुंदरियाँ दूसरों का जीवन सुखपूर्ण बनाने के लिए अपना

जीवन खपा देती हैं, पर स्वयं बहुत कम पाती हैं। समाज को उनके श्रम का सम्मान करना चाहिए और उन्हें उचित सुविधाएँ देनी चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर वाक्य का आशय लिखेंगे, जैसे –

- मजदूर स्त्रियों के कठिन जीवन की ओर संकेत
- देश के सभी क्षेत्रों में श्रमिक वर्ग की दशा एक समान
- दूसरों के जीवन को सुखपूर्ण बनाने वाले मजदूरों का जीवन सुख-सुविधाओं से वंचित

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र एवं उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- कठिनाई, अभावों और विवशता से भरा जीवन
- मातृत्व एवं श्रम साधना
- जीवन को संकट में डालकर ऊँचे पहाड़ों पर जोखिमपूर्ण कार्य
- अभावग्रस्त जीवन पर जीवंतता से परिपूर्ण
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 19 **2024** (3/4/3)

प्रदूषण के कारण प्रकृति का रूठना किन रूपों में दिखाई पड़ रहा है, और प्रदूषण से बचने के लिए आपकी क्या भूमिका हो सकती है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के संदर्भ में उत्तर लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के कारण पहाड़ों पर बर्फ़ गिरना कम हो गया है; नदियों में पानी घट रहा है और मौसम-चक्र बदल रहा है, जिससे बाढ़ तथा भूस्खलन जैसी आपदाएँ बढ़ी हैं। प्रदूषण से बचने के लिए मैं पर्यटन-स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाऊँगा और प्लास्टिक का प्रयोग कम करूँगा। मैं अधिक पेड़ लगाऊँगा, पानी और बिजली की बचत करूँगा तथा दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करूँगा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र एवं उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

प्रकृति का रूठना

- पहाड़ों पर प्रदूषण और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण बर्फ गिरने में कमी
- नदियों में पानी कम होना
- मौसम चक्र का बदलना, बाढ़ और भूकंप
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

भूमिका

- पर्यटन स्थलों पर गंदगी न फैलाना
- पेड़-पौधे लगाना और उन्हें कटने से बचाना
- नदियों नहरों में कूड़ा-कचरा न डालना
- प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों का प्रयोग न करना
- अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 20 **2024** (3/5/1)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए कि श्वेत और रंगीन पताकाओं के बारे में जितेन नार्गे ने क्या जानकारी दी।

आदर्श उत्तर

जितेन नार्गे ने बताया कि जब किसी बुद्धिस्ट की मृत्यु होती है तो उसकी आत्मा की शांति के लिए शहर से दूर किसी पवित्र स्थान पर एक सौ आठ श्वेत पताकाएँ फहराई जाती हैं। इन पर मंत्र लिखे होते हैं और इन्हें उतारा नहीं जाता; ये स्वयं नष्ट हो जाती हैं। रंगीन पताकाएँ किसी नए कार्य के शुभारंभ पर लगाई जाती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार कोई चार उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- किसी बुद्धिस्ट (बौद्ध) की मृत्यु होने पर उसकी आत्मा की शांति के लिए 108 श्वेत-पताकाओं का लगाया जाना
- श्वेत पताकाओं पर मंत्रों का लिखा जाना
- लगाने के बाद उनको न उतारना
- पताकाओं का स्वयं नष्ट हो जाना
- किसी कार्य के शुभारंभ के लिए रंगीन पताकाओं का लगाया जाना
- शांति और अहिंसा का प्रतीक

प्रश्न 21 **2024** (3/5/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में आए - 'मैडम यह धर्म चक्र है। प्रेयर व्हील। इसको घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं। जितेन के इस कथन पर लेखिका के दिल और दिमाग का कौन-सा चक्र घूम गया? लेखिका के विचारों पर टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

जितेन की बात सुनकर लेखिका के मन में यह विचार घूम गया कि चाहे मैदान हो या पहाड़, तमाम वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद इस देश की आत्मा एक-सी है। लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास और पाप-पुण्य की अवधारणाएँ हर जगह एक जैसी हैं। मेरे विचार से लेखिका का यह चिंतन उचित है; धार्मिक आस्था भारत को जोड़ती है, पर हमें अंधविश्वास के स्थान पर विवेक को भी महत्त्व देना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- चाहे मैदान हो या पहाड़, तमाम वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद इस देश की आत्मा एक सी
- लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास, पाप-पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र एवं उपयुक्त टिप्पणी लिखेंगे।

प्रश्न 22 **2024** (3/5/3)

तिस्ता नदी और 'सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल' के प्राकृतिक सौंदर्य को लेखिका ने किस प्रकार चित्रित किया है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' - पाठ के संदर्भ में लिखिए।

आदर्श उत्तर

लेखिका ने तिस्ता नदी को चिकने गुलाबी पत्थरों के बीच इठलाकर बहती, चाँदी की तरह चमकती धारा के रूप में चित्रित किया है; उसकी कल-कल ध्वनि मन को शांति देती है। 'सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल' खूब ऊँचाई से पूरे वेग के साथ गिरता और फेन उगलता हुआ झरना है। उसका संगीत सुनकर और उसकी धारा में हाथ डालकर लेखिका को लगा कि उनके भीतर की सारी तामसिकताएँ बह गई हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर चार उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

तिस्ता नदी

- चिकने गुलाबी पत्थरों के बीच इठला कर बहना
- चाँदी की तरह चमकना
- सुसज्जित धारा
- कलकल बहती शांत धारा

सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल

- खूब ऊँचाई के साथ पूरे वेग के साथ गिरना
- फेन उगलना
- संगीतमय
- जीवन की अनंतता का प्रतीक

प्रश्न 23 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'पत्थर तोड़ती मज़दूर पहाड़ी महिलाओं के भीतर जीवन का उल्लास मौजूद था' - यह कथन किस आधार पर कहा जा सकता है? उन स्त्रियों और उनकी जीवन स्थितियों का वर्णन करते हुए बताइए कि आप उनसे क्या सीख सकते हैं।

आदर्श उत्तर

यह कथन इस आधार पर कहा जा सकता है कि कठोर श्रम के बीच भी वे स्त्रियाँ किसी बात पर ठहाका लगाकर हँस पड़ीं। उनकी जीवन-स्थितियाँ अत्यंत कठिन थीं; वे पीठ पर बच्चे बाँधे पत्थर तोड़ती थीं और मातृत्व तथा श्रम-साधना दोनों को साथ निभाती थीं। उनसे हम सीख सकते हैं कि विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कराते रहना चाहिए, परिश्रम से घबराना नहीं चाहिए और अपने कर्त्तव्य पूरी निष्ठा से निभाने चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

आधार:

- वे अचानक किसी बात पर ठहाका लगाकर हँस पड़ीं;

जीवन स्थितियाँ:

- अथक परिश्रम, मातृत्व और श्रम-साधना का संतुलन (पत्थर तोड़ने का कार्य करते हुए छोटे बच्चे साथ)
- प्रतिकूल परिस्थितियाँ- गरीबी, अभावों, वंचनाओं की शिकार, कठोर एवं विषम प्राकृतिक स्थितियाँ;

सीख: प्रश्न के इस हिस्से के लिए परीक्षार्थी दो बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- परिश्रमी होना
- जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी आनंद और उल्लास का होना
- समाज से कम लेना और अधिक लौटाना

प्रश्न 24 **2025** (3/2/1)

'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका जितना ही बाहर के सौंदर्य से अभिभूत हो रही थीं उतना ही अपने भीतर डूब जा रही थीं। पाठ से दो उदाहरण लेकर लेखिका की दोनों अवस्थाओं का चित्रण कीजिए।

आदर्श उत्तर

'सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल' का सौंदर्य देखकर लेखिका अभिभूत हो गईं; साथ ही उन्हें जीवन की शक्ति का अहसास हुआ और लगा कि उनके भीतर की तामसिकताएँ और बुराइयाँ बह गई हैं। लायुंग की शांत सुबह में हिमालय और तिस्ता का अनंत सौंदर्य देखकर वे मंत्रमुग्ध हुईं और

भीतर से इतनी शांत हो गईं कि स्वयं को ऋषि-सा अनुभव करने लगीं। इस प्रकार बाहर का सौंदर्य उन्हें भीतर की यात्रा पर ले गया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त और विस्तृत उत्तर लिखेंगे-

- 'सेवेन सिस्टर्स वॉटरफॉल' के सौंदर्य से लेखिका को जीवन की शक्ति का अहसास होना, उसके भीतर की तामसिकताओं और बुराइयों का दूर होना
- केलांग के रास्ते में लायुंग की शाम में लेखिका का तिस्ता के किनारे बैठ आध्यात्मिकता और दर्शन में डूब जाना (अन्य उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)

प्रश्न 25 **2025** (3/2/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका ने महानगरों को 'डार्क रूम' की संज्ञा क्यों दी है? महानगरीय जीवन की विसंगतियों का उल्लेख करते हुए लिखिए कि हम उसे कैसे बेहतर बना सकते हैं।

आदर्श उत्तर

लेखिका ने महानगरों को 'डार्करूम' इसलिए कहा है कि वहाँ भाग-दौड़ भरी व्यस्तता है और लोग प्रकृति से दूर हो गए हैं। महानगरीय जीवन की विसंगतियाँ हैं – प्रदूषण, भीड़, तनाव, छोटे घरों में सिमटा जीवन और आपसी संबंधों में दूरी। हम अधिक पेड़ लगाकर, पार्कों और जलाशयों को बचाकर, प्रदूषण घटाकर तथा पड़ोसियों से मेल-जोल बढ़ाकर और प्रकृति के लिए समय निकालकर इस जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले दो हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर एक-एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

डार्करूम क्यों:

- भाग-दौड़ भरी व्यस्तता के कारण
- प्रकृति से दूर होने के कारण
- प्रदूषण के कारण;

विसंगतियाँ:

- कृत्रिम जीवनशैली
- मानसिक तनाव और घुटन
- लोगों में आपसी जुड़ाव और आत्मीयता की कमी
- भीड़ में भी अकेलापन;

समाधान:

परीक्षार्थी प्रश्न के इस हिस्से के लिए अपने विचारों से उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- सुनियोजित विकास करना
- सामुदायिक जीवन को बढ़ावा देना
- प्रकृति से जुड़ाव और मानसिक शांति हेतु उपाय अपनाना
- परिवार और समाज के साथ संतुलन बनाए रखना
- प्रदूषण कम करने के लिए योजनाएँ बनाना
- सामाजिक और आर्थिक संतुलन बनाए रखना
- जीवन की गुणवत्ता में सुधार
- प्रकृति का ध्यान रखना

- अपने परिवेश की पूरी देखभाल करना

प्रश्न 26 **2025** (3/2/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में जितेन लेखिका को नेपाली भाषा बोलते देख अत्यंत उत्साह से भर उठा। इस बात से आप किन निष्कर्षों तक पहुँचते हैं? किन्हीं दो का उल्लेख करते हुए बताइए कि जितेन की जगह आप होते तो आप क्या महसूस करते और क्यों?

आदर्श उत्तर

जितेन का उत्साह बताता है कि हर व्यक्ति को अपनी मातृभाषा से प्रेम और गर्व होता है; मातृभाषा हृदय के सबसे निकट होती है। दूसरा निष्कर्ष यह है कि किसी की भाषा में बात करने से अपनापन और आत्मीय संबंध तुरंत बन जाता है। जितेन की जगह यदि मैं होता तो किसी पर्यटक को मेरी भाषा बोलते देख मुझे भी बहुत खुशी और सम्मान का अनुभव होता, क्योंकि इससे लगता कि वह हमारी संस्कृति का आदर करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त निष्कर्ष लिखेंगे-

- मातृभाषा से प्रेम और गर्व का भाव
- मातृभाषा का व्यक्ति के हृदय के सबसे निकट होना
- किसी और को अपनी मातृभाषा का प्रयोग करते देख आनंद महसूस करना
- भाषा संवाद, आत्मीयता और जुड़ाव का माध्यम
- बहुभाषिकता द्वारा सामाजिक सौहार्द और मेलजोल को बढ़ावा मिलना
- भाषा सांस्कृतिक पहचान की प्रतीक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र तर्कपूर्ण और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- अपनी भाषा सुनकर खुशी और गर्व
- आत्मीयता और जुड़ाव
- संवादों और व्यवहार में सहजता

प्रश्न 27 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका के पर्यटन-अनुभवों में आपको सबसे विशेष कौन-सी बातें लगीं? किन्हीं दो बातों का उल्लेख करते हुए अपनी किसी पर्यटन यात्रा के अनुभव का उल्लेख कीजिए

आदर्श उत्तर

लेखिका के अनुभवों में मुझे दो बातें विशेष लगीं – श्वेत और रंगीन पताकाओं तथा धर्म-चक्र से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं की जानकारी, और पत्थर तोड़ती पहाड़ी स्त्रियों तथा सीमा पर तैनात फ़ौजियों के कठिन जीवन के प्रति उनकी संवेदना। मैं एक बार परिवार के साथ पहाड़ी स्थल घूमने गया था; वहाँ बादलों से घिरी चोटियाँ देखकर मन प्रसन्न हुआ, पर जगह-जगह पड़े प्लास्टिक के कचरे ने दुखी भी किया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर लेखिका के पर्यटन अनुभवों में से किन्हीं दो का उल्लेख अपने चयन के अनुसार करेंगे, जैसे -

- धार्मिक (पताकाओं और प्रार्थना चक्र को देख), आध्यात्मिक (संकल्प और तामसिकताओं का उल्लेख) चिंतन करना
- प्राकृतिक सुंदरता देखने के साथ-साथ सामाजिक चिंतन (पहाड़िनों, स्कूली बच्चों, सैनिकों को देख)
- बर्फ के प्रति उनकी उत्सुकता (लायुंग और कटाओ जाना, कटाओ में बर्फ को देखना)
- दर्शनीय स्थलों पर सबसे अलग हटकर उन दृश्यों को मन में भर लेना ('सेवेन सिस्टर्स' झरने के पास, तीस्ता नदी के किनारे)

- प्राकृतिक दृश्यों के साथ एकात्म होना (देश और काल की सरहदों से दूर नदी की धारा की तरह स्वयं को महसूस करना, अभिशप्त राजकुमारी सी)
- प्रकृति के दृश्यों को एक नई दृष्टि से देखना (चाय के बागान के रंग, मेघों और हिमालय का वर्णन)
- अपने पूर्व अनुभवों और नगरीय जीवन से जोड़कर देखना (झारखंड की यात्रा और महानगरों का उल्लेख)

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी अपने व्यक्तिगत अनुभव से अपनी किसी यात्रा के बारे में स्वतंत्र रूप से लिखेंगे।

प्रश्न 28 **2025** (3/4/1)

यद्यपि पर्वतीय क्षेत्रों के विकास में पर्यटन उद्योग का महत्त्वपूर्ण स्थान है तथापि यही पर्यटन इन क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण हेतु भी उत्तरदायी है। 'साना-साना हाथ जोड़ि'... के आधार पर लिखिए कि इसे कैसे संतुलित किया जा सकता है?

आदर्श उत्तर

पर्यटन और पर्यावरण में संतुलन के लिए पर्वतीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों को नियंत्रित और सीमित करना चाहिए। गंदगी फैलाने और प्लास्टिक के प्रयोग पर कठोर दंड का प्रावधान हो। पर्यटकों और वाहनों की संख्या तय की जाए तथा पर्यावरण-हितैषी पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। स्थानीय लोगों और पर्यटकों को जागरूक किया जाए, जैसे 'कटाओ' दुकानें न होने के कारण आज भी स्वच्छ और सुंदर बना हुआ है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर चार उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- व्यावसायिक गतिविधियों को नियंत्रित और सीमित करके
- गंदगी फैलाने पर कठोर दंड का प्रावधान करके
- पर्यावरण हितैषी नियमों का कठोरता से पालन करके
- पर्यटकों की संख्या सीमित करके
- वनों की कटाई पर रोक-थाम और वृक्षारोपण करके
- निजी की जगह पर सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग को बढ़ावा देकर
- स्वच्छ ईंधन के वाहनों को बढ़ावा देकर
- प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाकर

प्रश्न 29 **2025** (3/4/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि..' में लेखिका को कब और क्यों यह अनुभव हुआ कि तमाम भौगोलिक विविधता और वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद भारत की आत्मा एक ही है?

आदर्श उत्तर

लेखिका को यह अनुभव सिक्किम में कवी-लोंग स्टॉक के पास एक कुटिया के भीतर घूमता धर्म-चक्र देखकर हुआ, जब जितेन ने बताया कि इसे घुमाने से सारे पाप धुल जाते हैं। उन्हें लगा कि पहाड़ हो या मैदान, लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास और पाप-पुण्य की अवधारणाएँ एक समान हैं। इसी समानता के कारण उन्हें भारत की आत्मा एक ही प्रतीत हुई।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कब - सिक्किम के कवी-लोंग स्टॉक के पास एक कुटिया के भीतर घूमता धर्म चक्र देखकर;
क्यों - लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास एक समान पाप-पुण्य की अवधारणाएँ और कल्पनाएँ एक जैसी

प्रश्न 30 2025 (3/4/3)

गंगटॉक के वर्तमान सुंदर स्वरूप में वहाँ के निवासियों का क्या योगदान है? 'साना-साना हाथ जोड़ि'... के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

गंतोक के सुंदर स्वरूप में वहाँ के मेहनतकश निवासियों का बड़ा योगदान है। चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने पहाड़ काटकर रास्ते बनाए और शहर का विकास किया; इसीलिए लेखिका उसे 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' कहती हैं। वे अपने प्राकृतिक परिवेश और शहर को स्वच्छ रखते हैं तथा प्रकृति के प्रति पवित्र भाव रखते हुए उसका संरक्षण करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखेंगे-

- चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद वहाँ के मेहनतकश निवासियों द्वारा उसका विकास
- प्राकृतिक परिवेश और शहर को स्वच्छ रखना
- प्रकृति के प्रति पवित्र भाव रखते हुए उसका संरक्षण करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 31 2025 (3/5/1)

वर्तमान में पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन की विभीषिका से ग्रस्त है। 'ऐसे में लाना साना हाथ जोड़ि'..., पाठ से हम क्या सीख ले सकते हैं?

आदर्श उत्तर

इस पाठ से हम सीख ले सकते हैं कि प्राकृतिक संपदाओं का उपभोग सतर्कता और संवेदना के साथ करना चाहिए, जैसे पहाड़ी स्त्रियाँ प्रकृति से कम लेकर अधिक लौटाती हैं। हमें हिम-शिखरों जैसे जल-स्रोतों और प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए तथा प्राकृतिक स्थलों को उनके वास्तविक रूप में बने रहने देना चाहिए। प्रदूषण और गंदगी रोककर ही हम जलवायु परिवर्तन की विभीषिका को कम कर सकते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में अपने व्यक्तिगत विचारों से चार उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- प्राकृतिक संपदाओं का सतर्कता और संवेदना के साथ उपभोग (पहाड़ी स्त्रियों द्वारा कम लेकर अधिक लौटाना)
- प्रकृति का संरक्षण (हिम शिखरों के उल्लेख द्वारा जल संरक्षण)
- विभिन्न प्राकृतिक घटकों को उनके वास्तविक रूप में बनाए रखना (कटाओ में दुकानों आदि का न होना)
- प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति अपनेपन और कृतज्ञता का भाव (पहाड़, नदी-झरने - हम इनकी पूजा करते हैं, इन्हें गंदा करेंगे तो मर जाएँगे)
- पर्यटकों द्वारा पहाड़ों में गंदगी न करने का सचेत अभ्यास (लेखिका और उनके साथियों द्वारा आदर्श व्यवहार)

प्रश्न 32 2025 (3/5/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ में बॉर्डर एरिया में फौजी छावनी पर 'बी गिव अवर टुडे फॉर योर टुमारो' को पढ़कर लेखिका का मन उदास क्यों हो गया? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस वाक्य का अर्थ है कि फ़ौजी हमारे कल के लिए अपना आज न्योछावर कर रहे हैं। आम लोगों के जीवन को सुखद और सुरक्षित बनाने के लिए उनका संघर्ष, त्याग और बलिदान देखकर लेखिका का मन भर आया। कड़कड़ाती ठंड जैसी दुस्साध्य प्राकृतिक परिस्थितियों और परिवार से दूर एकाकीपन में उनके कठिन जीवन की कल्पना करके वे उदास हो गईं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त तर्कसंगत उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- आम लोगों के जीवन को सुखद और सुरक्षित बनाने के लिए फौजियों का संघर्ष, त्याग और बलिदान देखकर
- दुस्साध्य प्राकृतिक परिस्थितियों और एकाकीपन के कारण फौजियों के जीवन में उत्पन्न समस्याओं एवं पीड़ा का अहसास
- एक फौजी की प्रतिक्रिया, 'आप चैन की नींद सो सकें इसलिए हम यहाँ पहरा दे रहे हैं' सुन कर

प्रश्न 33 2025 (3/5/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि ...' पाठ में वर्णित 'खेदुम' क्या है? गैंगटॉकवासियों की 'खेदुम' के प्रति आस्था के क्या कारण हैं? क्या आप उसे सही मानते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

खेदुम ऊँचे पहाड़ पर लगभग एक किलोमीटर में फैला पवित्र क्षेत्र है। वहाँ के लोगों की आस्था है कि यहाँ देवी-देवताओं का निवास है और जो यहाँ गंदगी फैलाएगा, वह मर जाएगा। धार्मिक आस्थाएँ तर्क से परे और विश्वास पर टिकी होती हैं। मैं इस आस्था को सही मानता हूँ, क्योंकि इसके कारण लोग उस क्षेत्र को स्वच्छ रखते हैं और प्रकृति का संरक्षण अपने-आप हो जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे -

- खेदुम ऊँचे पहाड़ पर लगभग एक किलोमीटर बड़ा पवित्र क्षेत्र;
- देवी-देवताओं का निवास;

परीक्षार्थी प्रश्न के तीसरे हिस्से के लिए अपने विचारों से उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- धार्मिक आस्थाएँ और मान्यताएँ तर्क से परे और विश्वास का विषय
- इस मान्यता का गैंगटॉक के उस क्षेत्र विशिष्ट पर अत्यंत सकारात्मक असर
- इसी कारण वहाँ के लोग पहाड़ों पर गंदगी नहीं फैलाते
- प्रदूषित होने से बचाए रखने में महत्त्वपूर्ण योगदान

प्रश्न 34 2025 (3/6/1)

'जितेन नागे जैसे गाइड के साथ किसी भी पर्यटन स्थल का भ्रमण अधिक आनंददायक और यादगार हो सकता है।' इस कथन के समर्थन में 'साना साना हाथ जोड़ि .....' पाठ के आधार पर तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

जितेन नार्गे एक कुशल गाइड था। उसे अपने क्षेत्र के इतिहास, भूगोल और हर पहलू की पूरी जानकारी थी; वह पताकाओं, धर्म-चक्र और खेदुम जैसी सांस्कृतिक मान्यताओं के बारे में बताता चलता था। वह पर्यटकों से अपनेपन से बात करता, उन्हें नाच-गाकर प्रसन्न रखता और समय का ध्यान रखता था। ऐसे जानकार, संवेदनशील और हँसमुख गाइड के साथ यात्रा केवल सैर नहीं रहती, बल्कि ज्ञानवर्धक और यादगार बन जाती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में चार उपयुक्त बिंदुओं में तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे-

- एक कुशल गाइड- अपने क्षेत्र और उससे जुड़े हर पहलू की जानकारी, समय प्रबंधन
- पर्यटकों से बातचीत में कुशल और अपनापन
- भाषा, सांस्कृतिक मान्यताओं और परंपराओं की जानकारी

- अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति उसकी संवेदनशीलता
- मानवीय दृष्टिकोण
- पर्यावरण के प्रति जागरूक
- खुशमिज़ाज (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 35 **2025** (3/6/2)

'साना साना हाथ जोड़ि' ..... पाठ में देश की सीमाओं पर तैनात उन फौजियों का उल्लेख है जो अत्यंत विषम प्राकृतिक परिस्थितियों में भी अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करते हैं। एक जागरूक नागरिक के रूप में आप अपने गाँव/शहर के लिए क्या कर सकते हैं? पाठ के आधार पर बताइए।

आदर्श उत्तर

फ़ौजियों से प्रेरणा लेकर एक जागरूक नागरिक के रूप में मैं अपने शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में योगदान दे सकता हूँ। मैं यातायात और अन्य नियमों का ईमानदारी से पालन करूँगा, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करूँगा और असामाजिक गतिविधियों की सूचना प्रशासन को दूँगा। पेड़ लगाना, पानी-बिजली बचाना और ज़रूरतमंदों की सहायता करना भी मेरा कर्त्तव्य है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर अपने व्यक्तिगत विचारों से चार बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- असामाजिक तत्वों से रक्षा का प्रयास
- नियमों का ईमानदारी से पालन
- स्वच्छ-सुंदर बनाए रखने में सहयोग
- क्षेत्र विशेष का भौगोलिक संरक्षण, ऐतिहासिक विरासतों के स्वरूप को बनाए रखने की कोशिश
- कचरा प्रबंधन के प्रति स्वयं जागरूक रहकर इसके प्रति जागरूकता फैलाने में सहयोग
- पर्यावरण की सुरक्षा

प्रश्न 36 **2025** (3/6/3)

'साना साना हाथ जोड़ि .....' के आधार पर सिक्किम जैसे पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाओं की स्थिति पर प्रकाश डालिए।

आदर्श उत्तर

सिक्किम जैसे पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाएँ अथक परिश्रम करती हैं और वहाँ के सामाजिक तथा आर्थिक जीवन में सक्रिय योगदान देती हैं। वे पीठ पर बच्चे बाँधकर पत्थर तोड़ती हैं, चाय की पत्तियाँ तोड़ती हैं और लकड़ी के गट्ठर ढोती हैं; इस प्रकार मातृत्व और श्रम-साधना दोनों निभाती हैं। वे गरीबी और अभावों की शिकार हैं, फिर भी जीवन के उल्लास और उमंग से भरपूर हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- अथक परिश्रम और महत्त्वपूर्ण योगदान
- गरीबी, अभावों, वंचनाओं की शिकार
- मातृत्व और श्रम-साधना का संतुलन (पत्थर तोड़ने का कार्य करते हुए छोटे बच्चे साथ)
- सामाजिक और आर्थिक जीवन में सक्रिय
- जीवन के उल्लास और उमंग से भरपूर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 37 2026 (3/1/1)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका को 'लायुंग' किन कारणों से अधिक पसंद आया? आपके विचार से किसी पर्यटन स्थल को प्रसिद्ध और दर्शनीय बनाने वाले बिंदु कौन-से होते हैं?

आदर्श उत्तर

लेखिका को लायुंग उसकी शांति, रमणीयता और प्राकृतिक सुंदरता के कारण अधिक पसंद आया। गगनचुंबी पहाड़ों से घिरी उस शांत घाटी में तिस्ता की कल-कल ध्वनि और मंद-मंद हवा थी; वहाँ पेड़-पौधे, पशु और मनुष्य अपनी लय में जी रहे थे। मेरे विचार से किसी पर्यटन-स्थल को प्राकृतिक सौंदर्य, स्वच्छता, शांति, सुरक्षा, आवागमन की सुविधा और वहाँ के लोगों का अच्छा व्यवहार प्रसिद्ध और दर्शनीय बनाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

कारण:

- शांति
- रमणीयता
- प्राकृतिक सुंदरता
- तिस्ता नदी की शांत धारा की कल-कल ध्वनि
- मंद-मंद हवा
- गगनचुंबी पहाड़ों से घिरी शांत घाटी
- पेड़-पौधों, पशुओं और मानवों की अपनी लय-ताल-गति

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए दो बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- प्राकृतिक सुंदरता
- ऐतिहासिकता
- धार्मिक-सांस्कृतिक महत्त्व
- भौगोलिक आकर्षण
- नयापन
- आवागमन, निवास, भोजन आदि की सुविधाएँ
- अपेक्षाकृत प्रदूषणरहित वातावरण
- लोगों का सद्व्यवहार

प्रश्न 38 2026 (3/1/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका को 'यूमथांग' जाने पर कैसा महसूस हुआ और क्यों? आप अगर उनकी जगह होते तो यूमथांग पहुँचकर क्या सोचते?

आदर्श उत्तर

लेखिका को यूमथांग पहुँचकर कुछ फीका लगा; उन्हें मंज़िल से अधिक रास्ता सुंदर लगा था, क्योंकि वहाँ बर्फ़ नहीं थी और पर्यटकों की भीड़ तथा व्यावसायिक गतिविधियाँ थीं। फिर भी फूलों की घाटियों का सौंदर्य उन्हें भाया। अगर मैं उनकी जगह होता तो मैं भी सोचता कि बढ़ते प्रदूषण के कारण बर्फ़ कम हो रही है और हमें ऐसे सुंदर स्थलों को बचाने के लिए सचेत होना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर एक-एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कैसा लगा:

- यूमथांग फीका लगा/कम प्रभावी लगा
- मंज़िल से अधिक रास्ता सुंदर लगा
- प्राकृतिक घाटियों का सौंदर्य आकर्षक लगा

क्यों:

- कटाओ की बर्फ़ से ढकी चोटियों के बाद यूमथांग में कम रौनक
- मंजिल से अधिक मंजिल तक पहुँचने का सफर रोमांचक
- यूमथांग के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद
- सैलानियों के बढ़ने से प्रकृति की हानि होते देखकर चिंता

परीक्षार्थी प्रश्न के तीसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- एक प्रसिद्ध स्थान जहाँ जाने के लिए दो दिन से यात्रा कर रहे हैं, वहाँ पहुँचकर अच्छा लगता
- तुलना नहीं करते, वहाँ की अलग सुंदरता को देखते
- बढ़ती सुविधाओं और पर्यटकों की बढ़ती संख्या के दुष्प्रभाव और समाधान सोचते

प्रश्न 39 **2026** (3/1/3)

'सेवेन सिस्टर्स वाटर फॉल' के पास लेखिका ने क्या देखा और महसूस किया? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए। अगर आप ऐसी जगह होते तो आपके भीतर किस प्रकार के भाव उमड़ते?

आदर्श उत्तर

'सेवन सिस्टर्स वॉटर फॉल' के पास लेखिका ने पूरे वेग से गिरता, दूध जैसे फेन वाला झरना देखा; सभी सैलानी इन पलों को कैमरे में कैद कर रहे थे। लेखिका ने उसका संगीत सुना और महसूस किया कि उनके भीतर की सारी तामसिकताएँ बह गई हैं तथा जीवन की शक्ति का अहसास हो रहा है। ऐसी जगह पर मेरे भीतर भी आनंद, शांति और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के भाव उमड़ते।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

देखा:

- पूरे वेग से गिरता दूध जैसे फेनवाला झरना और उसका सौंदर्य
- सभी सैलानी इन खूबसूरत पलों की रंगत को अपने कैमरे में कैद करने में मशगूल

महसूस किया:

- अभिशप्त राजकुमारी-सा
- जीवन का सत्य और सौंदर्य
- अपने अंतर्मन के साथ जुड़ाव
- मन में आनंद की अनुभूति
- स्वयं के भीतर जीवन-शक्ति का अहसास
- भीतर की तामसिकताओं/ दुष्ट वासनाओं से दूर होकर निर्मलता
- जीवन की अनंतता/ निरंतरता (कोई एक बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न के तीसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी दो बिंदुओं में स्वतंत्र उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- मेरे अंदर भी प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और जुड़ाव उत्पन्न होता।
- मुझे तस्वीरों का शौक है; तो मैं उस झरने को कैमरे में कैद करती/करता ताकि उसका एक अंश अपने साथ ले जाऊँ।

प्रश्न 40 **2026** (3/2/1)

'साना-साना हाथ जोड़ि ...' पाठ के आधार पर हिमालय के सौंदर्य और स्वरूप का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए

आदर्श उत्तर

हिमालय का स्वरूप विशाल और विराट है। उसके शिखर बर्फ़ की चादर से ढके रहते हैं, जो सुबह की धूप में चाँदी की तरह चमकते हैं। ऊँचाई की ओर बढ़ते हुए उसका रूप पल-पल बदलता है; कहीं धुंध और बादल हैं, कहीं फूलों से भरी घाटियाँ और कहीं दूध की धार जैसे झरने। उसकी गहरी घाटियों में तिस्ता नदी बहती है। यह सौंदर्य देखने वाले को मंत्रमुग्ध और नतमस्तक कर देता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर हिमालय के सौंदर्य और स्वरूप का वर्णन चार उपयुक्त बिंदुओं में लिखेंगे-

- हिमालय का विशालकाय/ विराट स्वरूप
- बर्फ़ की चादर/ हर तरफ बर्फ़ ही बर्फ़ बिखरी हुई/ सुबह की धूप में बर्फ़ से ढके चाँदी की तरह चमकते हिमालय के शिखर
- हिमालय का पल-पल परिवर्तित स्वरूप/ ऊँचाइयों पर जाने के दौरान जादुई रूप से बदलते प्राकृतिक दृश्य
- कहीं धुंध, कहीं बादल, तो कहीं फूलों से ढकी वादियाँ, पेड़
- तिस्ता नदी और पहाड़ों की शोभा में चार चाँद लगाते जलप्रपात
- छाया का खेल, बादल, धुंध और धूप के साथ बदलते पहाड़
- कल-कल बहती चाँदी की तरह चमकती नदियाँ (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 41 **2026** (3/2/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि ...' पाठ के आधार पर पहाड़ों के सौंदर्य का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

आदर्श उत्तर

पहाड़ों का स्वरूप विशाल और विराट है। हर तरफ़ बर्फ़ की चादर बिछी है और सुबह की धूप में बर्फ़ से ढके शिखर चाँदी की तरह चमकते हैं। ऊँचाइयों की ओर जाते हुए दृश्य जादुई रूप से बदलते जाते हैं – कहीं धुंध और बादलों से ढके पहाड़, कहीं रंग-बिरंगे फूलों की वादियाँ, कहीं गहरी हरी घाटियाँ और ऊँचाई से गिरते झरने। यह सौंदर्य मन को असीम शांति देता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर पहाड़ों के सौंदर्य व स्वरूप का वर्णन चार उपयुक्त बिंदुओं में लिखेंगे-

- पहाड़ों का विशालकाय/ विराट स्वरूप
- बर्फ की चादर/ हर तरफ बर्फ ही बर्फ बिखरी हुई/ सुबह की धूप में बर्फ से ढके चाँदी की तरह चमकते हिमालय के शिखर
- पहाड़ों का पल-पल परिवर्तित स्वरूप/ ऊँचाइयों पर जाने के दौरान जादुई रूप से बदलते प्राकृतिक दृश्य
- कहीं धुंध, कहीं बादल, तो कहीं फूलों से ढकी वादियाँ, पेड़
- तिस्ता नदी और पहाड़ों की शोभा में चार चाँद लगाते जलप्रपात
- छाया का खेल, बादल, धुंध और धूप के साथ बदलते पहाड़
- कल-कल बहती चाँदी की तरह चमकती नदियाँ (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 42 **2026** (3/2/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि ...' पाठ में वर्णित झरनों और नदी के सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में झरने खूब ऊँचाई से पूरे वेग के साथ गिरते हैं और फेन उगलते हुए दूध की धार जैसे लगते हैं। पत्थरों पर गिरकर वे आत्मा को छू लेने वाला संगीत पैदा करते हैं। तिस्ता नदी चिकने गुलाबी पत्थरों के बीच इठलाती हुई बहती है और चाँदी की तरह चमकती है। उसकी कल-कल ध्वनि मन को शांति और ताज़गी से भर देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर झरने और नदी के सौंदर्य को दो-दो उपयुक्त बिंदुओं में वर्णित करेंगे-

झरनों का सौंदर्य:

- ऊँचाई से वेग के साथ गिरना
- फेन उगलना
- दूध की धार की तरह झर-झर गिरना
- पत्थर पर गिरकर आत्मा को छूने वाला संगीत और जीवंतता उत्पन्न करना
- जीवन की अनंतता के प्रतीक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

नदी का सौंदर्य:

- चिकने-चिकने गुलाबी पत्थरों के बीच इठलाकर बहना
- चाँदी की तरह कौंध मारता सफ़ेद साफ पानी
- पानी का कल-कल बहना, गुनगुनाना
- मखमली हरियाली के बीच शांत और निर्मल धारा
- रोमांचित और पुलकित करने वाले दृश्य (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 43 **2026** (3/3/1)

'साना-साना हाथ जोड़ि ...' पाठ में वर्णित किन दो दृश्यों ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया है? उनसे प्रभावित होने का कारण भी लिखिए।

आदर्श उत्तर

मुझे गंतोक शहर की जगमगाती रात के दृश्य ने सबसे अधिक प्रभावित किया, जहाँ ढलान पर टिमटिमाती रोशनियाँ सितारों की झालर-सी लगती हैं। दूसरा दृश्य हिमालय का विराट स्वरूप है – बादलों से घिरी बर्फ़ीली चोटियाँ और दूध की धार जैसे जल-प्रपात। इन दृश्यों ने मुझे इसलिए प्रभावित किया कि इनमें प्रकृति की विशालता और अलौकिक सौंदर्य है, जो मन को शांति देता और मनुष्य को उसकी लघुता का बोध कराता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए पाठ में वर्णित किन्हीं दो दृश्यों को लिखेंगे-

दृश्य:

- गैंगटोक/गंतोक शहर की जगमगाती रात का दृश्य
- हिमालय का विराट स्वरूप- बादलों से घिरी बर्फीली चोटियाँ
- फूलों से भरी सुंदर, चौड़ी, गहरी घाटियाँ/वादियाँ
- दूध की धार की तरह गिरते जल-प्रपात
- कल-कल बहती चाँदी की तरह चमकती नदियाँ
- पहाड़ों को काटकर रास्ता बनाने वाली महिलाओं का दृश्य
- तिस्ता नदी का शांत, निर्मल और मखमली हरियाली के बीच कलकल बहना

- सेवेन सिस्टर्स वॉटर-फॉल का दृश्य
- यूमथांग के मार्ग पर धुंध, बादलों से घिरा रोमांचक दृश्य
- सीमा पर कड़कड़ाती ठंड में पहरा देते फौजियों का दृश्य
- विद्यालय जाते बच्चों का दृश्य (अन्य उपयुक्त दृश्यों का वर्णन भी स्वीकार्य)

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उल्लिखित दृश्यों से प्रभावित होने के उपयुक्त स्वतंत्र कारण देंगे; जैसे -

- तिस्ता नदी के किनारे बैठकर लेखिका ने जो देखा, उससे प्रकृति से एकात्मता महसूस करना
- स्त्रियों के कठोर श्रम और पहाड़ के जीवन की कठिनाइयों का मन पर प्रभाव
- विद्यालय जाते बच्चों की चुनौतियों का प्रेरणादायक प्रभाव

प्रश्न 44 **2026** (3/3/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि...' पाठ में प्रकृति की विराटता का दर्शन है। - पाठ के दृश्यों के आधार पर इसे स्पष्ट करते हुए लिखिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में हिमालय का विराट स्वरूप दिखाई देता है – बादलों से घिरी बर्फ़ीली चोटियाँ, दूध की धार की तरह गिरते जल-प्रपात और चाँदी-सी चमकती नदियाँ। लायुंग में लेखिका को प्रकृति की अखंडित संपूर्णता के दर्शन होते हैं, जहाँ झरने, नदी, बादल, हवा, पेड़-पौधे, पशु और मनुष्य एक ही लय में बँधे हैं। इस विराटता के सामने वे स्वयं को बहुत छोटा अनुभव करती हैं और नतमस्तक हो जाती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रकृति की विराटता से जुड़े चार उपयुक्त दृश्य लिखेंगे-

दृश्य:

- हिमालय का विराट स्वरूप: हिमालय की बादलों से घिरी बर्फीली चोटियाँ, दूध की धार की तरह गिरते जल-प्रपात, कल-कल बहती चाँदी की तरह चमकती नदियाँ
- अखंडित संपूर्णता: झरने, नदी, बादलों, चाँदनी, हवा और संगीत के साथ पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों और मानव की सम्मिलित लय, ताल, गति की उपस्थिति,

  प्रकृति का चलायमान सौंदर्य
- भीमकाय पर्वतों और घाटियों के बीच सँकरे कच्चे-पक्के रास्तों की असीम सुंदरता
- खूबसूरत पेड़ों और रंग-बिरंगे फूलों से भरी सुंदर, चौड़ी, गहरी घाटियाँ/वादियाँ,
- 'सेवेन सिस्टर्स वॉटर-फॉल' का अलौकिक सौंदर्य
- यूमथांग के मार्ग पर धुंध, बादलों की मोटी चादर से घिरा रोमांचक दृश्य
- गैंगटोक/गंतोक शहर की जगमगाती रात का दृश्य
- विराट-रंग संयोजन: चाय बागान में सघन हरियाली के बीच डूबते सूरज की सात्विक और स्वर्णिम आभा और नेपाली युवती के बोकु (सिक्कि मी परिधान) के लाल रंग की इंद्रधनुषी छटा

प्रश्न 45 **2026** (3/3/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि ...' पाठ के आधार पर प्रकृति और मनुष्य के अंत:संबंधों को विस्तार से समझाइए।

आदर्श उत्तर

पाठ के अनुसार मनुष्य का प्रकृति से आध्यात्मिक और भावनात्मक जुड़ाव है; उसकी विराटता और अलौकिक सौंदर्य के बीच लेखिका मंत्रमुग्ध होकर आत्म-साक्षात्कार करती हैं और आत्मिक शांति पाती हैं। दूसरा संबंध निर्भरता का है; पर्वत और नदियाँ हमें जल देते हैं तथा पहाड़ी लोगों

की आजीविका प्रकृति से ही चलती है। इसलिए मनुष्य का कर्त्तव्य है कि वह प्रकृति का संरक्षण करे; उसे नुकसान पहुँचाना स्वयं को नुकसान पहुँचाना है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रकृति और मनुष्य के अंत:संबंधों को दो बिंदुओं में विस्तारपूर्वक लिखेंगे-

आध्यात्मिक और भावनात्मक जुड़ाव:

- प्रकृति की विराटता और अलौकिक सौंदर्य से एकाकार हो जाना, आत्म-साक्षात्कार, मंत्रमुग्धता का भाव
- आत्मिक शांति का अनुभव
- प्रकृति के अनंत स्वरूप के समक्ष मन की सारी तामसिकताओं और दुर्भावनाओं से मुक्ति
- अखंडित संपूर्णता: झरने, नदी, बादलों, चाँदनी, हवा और संगीत के साथ पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों और मानव की सम्मिलित लय, ताल, गति की उपस्थिति

प्रकृति का संरक्षण और सहयोग:

- प्राकृतिक चुनौतियों में जीवन का संघर्ष
- साहचर्यपूर्ण जीवन
- मनुष्य द्वारा प्रकृति के दोहन के साथ-साथ उसके संरक्षण के प्रयास (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 46 **2026** (3/4/1)

सैलानियों को प्रकृति की अलौकिक छटा का अनुभव करवाने में किन-किन लोगों का योगदान होता है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

सैलानियों को प्रकृति की छटा का अनुभव करवाने में कई लोगों का योगदान होता है। गाइड विभिन्न जानकारियाँ देकर उनका मार्गदर्शन करते हैं; वाहन-चालक उन्हें मनोरम स्थानों तक सुरक्षित पहुँचाते हैं। सड़क बनाने और बोझा ढोने वाले मज़दूर दुर्गम स्थानों को सुगम बनाते हैं। सीमा पर तैनात फ़ौजी सुरक्षा देते हैं तथा स्थानीय लोग उन स्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर चार बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- गाइड, जो पर्यटकों को विभिन्न जानकारियाँ देकर मार्गदर्शन करते हैं
- वाहन चालक और परिचालक, जो पर्यटकों को मनोरम स्थान तक ले जाते हैं
- सड़क बनाने, बोझा ढोने में लगे मजदूर, जिनकी मदद से दुर्गम स्थान सुगम्य बन जाते हैं
- सुरक्षाकर्मी, जो भयमुक्त यात्रा सुनिश्चित करते हैं
- स्थानीय मेहनतकश निवासी, जो सैलानियों के प्रवास को सुंदर, स्मरणीय बनाते हैं
- यात्रा वृत्तांत लेखक, जो अपने लेखन द्वारा किसी स्थान विशेष का अनुभव करवाते हैं (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 47 **2026** (3/4/2)

लेखिका ने 'छाया' और 'माया' का अनूठा खेल किसे कहा है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

लेखिका ने प्रकृति में दिखाई देने वाले प्रकाश और छाया के पल-पल बदलते रूपों को 'छाया' और 'माया' का अनूठा खेल कहा है। पर्वतों पर बादलों के आने-जाने और सूर्य के छिपने-निकलने से कभी धूप तो कभी छाया हो जाती है; घाटियों और पहाड़ों पर अलग-अलग आकृतियाँ तथा

रंग दिखाई देते हैं। इन बदलते दृश्यों से प्रकृति रहस्यमयी और मायावी प्रतीत होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर किसी एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

छाया और माया:

- प्रकृति में दिखाई देने वाले प्रकाश और छाया के बदलते रूप
- पर्वतों, बादलों और सूर्य के कारण कभी धूप तो कभी छाया
- बादलों के आने-जाने से पहाड़ों और घाटियों पर दिखाई देती अलग-अलग आकृतियाँ और रंग
- बदलते दृश्यों से प्रकृति का रहस्यमयी, अलौकिक और आकर्षक रूप

प्रश्न 48 **2026** (3/4/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखिका ने किस चलायमान सौंदर्य को जीवन का आनंद कहा है। उनका ऐसा कहना कितना उचित है और क्यों?

आदर्श उत्तर

लेखिका ने प्रकृति के पल-पल बदलते गतिशील रूप को जीवन का आनंद कहा है – पहाड़ों पर बादलों का आना-जाना, धूप-छाँव का बदलना, घाटियों, झरनों और वेग से बहती तिस्ता का निरंतर प्रवाह। उनका ऐसा कहना पूरी तरह उचित है, क्योंकि गति और परिवर्तन ही जीवन है; ठहराव नीरसता लाता है। निरंतर चलते रहने में ही जीवन की सार्थकता और आनंद है; यही प्रकृति हमें सिखाती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो-दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

किसे-

- पल- पल बदलता प्रकृति का गतिशील रूप
- पहाड़ों पर बादलों का आना-जाना, धूप-छाँव का बदलना
- घाटियों, नदियों और आकाश में लगातार बदलते दृश्य
- निरंतर प्रवाहमान झरने, वेगवती तिस्ता नदी, उठती धुंध, ऊपर मँडराते आवारा बादल, हवा में हिलते प्रियुता और रूडोडेंड्रों के फूल; सभी लय और ताल में प्रवाहमान

कारण-

- प्रकृति के परिवर्तनशील रूप से ताजगी और आनंद की अनुभूति
- बदलते दृश्य से जीवन की एकरसता और थकान दूर
- प्रसन्नता, शांति और उत्साह का संचार
- प्रकृति द्वारा चरैवेति-चरैवेति का संदेश (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 49 **2026** (3/5/1)

पहाड़ के निवासियों का जीवन परिश्रमपूर्ण एवं कठोर होता है, 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

पहाड़ के निवासियों का जीवन कठोर परिश्रम से भरा होता है। वहाँ की महिलाएँ बच्चों को पीठ से बाँधकर सड़कों पर पत्थर तोड़ती हैं, गाएँ चराती हैं और लकड़ियों के भारी गट्ठर लादकर लाती हैं। खतरनाक पहाड़ी रास्ते बनाने में लोग अपना जीवन दाँव पर लगा देते हैं। बच्चे भी कई

किलोमीटर की चढ़ाई चढ़कर स्कूल जाते हैं और लौटकर घर के कामों में हाथ बँटाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

उदाहरण:

- पहाड़ी महिलाओं द्वारा अपने बच्चों को पीठ से बाँधकर सड़कों पर पत्थर तोड़ना, गाएँ चराना, लकड़ियों के भारी-भरकम गट्ठर लादकर लाना
- खतरनाक पहाड़ी रास्तों को बनाने के लिए अपने जीवन को दाँव पर लगाना
- बच्चों द्वारा पढ़ाई के साथ-साथ मवेशी चराने, पानी भरने और लकड़ियों के भारी गट्ठर ढोने जैसे काम करना
- बच्चों द्वारा विद्यालय जाने के लिए लंबे, दुर्गम, पहाड़ी रास्तों पर पैदल चलना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 50 2026 (3/5/2)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में कहा गया है कि 'कटाओं' पर किसी दुकान का न होना वरदान है, ऐसा क्यों? भारत के अन्य प्राकृतिक स्थानों को वरदान बनाने में युवा नागरिकों की क्या भूमिका हो सकती है?

आदर्श उत्तर

'कटाओ' में दुकान न होना वरदान है, क्योंकि इससे वह स्थान व्यावसायिक गतिविधियों, गंदगी और प्रदूषण से मुक्त है तथा उसकी शुद्ध प्राकृतिक सुंदरता और बर्फ़ बची हुई है। युवा नागरिक प्राकृतिक स्थानों पर गंदगी न फैलाकर, प्लास्टिक का बहिष्कार करके और दूसरों को जागरूक बनाकर उन्हें वरदान बना सकते हैं। वे स्वच्छता अभियानों और वृक्षारोपण में भाग लेकर ज़िम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा दे सकते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कारण:

- व्यावसायिक गतिविधियों, गंदगी और प्रदूषण से मुक्त
- शुद्ध, प्राकृतिक सुंदरता (बर्फबारी) को बचाए हुए
- पर्यटकों की भीड़, कूड़ा-करकट और पारिस्थितिक असंतुलन से मुक्त
- प्रकृति का सान्निध्य और शांति

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी दो उपयुक्त स्वतंत्र बिंदु लिखेंगे, जैसे-

युवाओं की भूमिका:

- जागरूकता-अभियान चलाना
- नदियों और समुद्री तटों पर सफाई-अभियान
- पहाड़ी पर्यटन स्थलों को प्रदूषण और गंदगी मुक्त रखकर वहाँ के सौंदर्य को बचाना
- स्थान विशेष के प्राकृतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश को संरक्षित रखना
- आजीविका के लिए युवाओं का पर्यटन के क्षेत्र में अधिक से अधिक शामिल होना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 51 2026 (3/5/3)

'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ की लेखिका को कुटिया के भीतर घूमते चक्र को देखकर किस प्रकार की अनुभूति हुई?

आदर्श उत्तर

कुटिया के भीतर घूमते धर्म-चक्र को देखकर लेखिका को अनुभूति हुई कि संपूर्ण भारत में लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास और पाप-पुण्य के बारे में सोच एक समान है। वैज्ञानिक विकास और प्रगति के बावजूद लोगों में ये अवधारणाएँ आज भी विद्यमान हैं। इससे उन्हें भारतीय

संस्कृति की शाश्वतता और अखंडता का बोध हुआ; उन्हें लगा कि पहाड़ हो या मैदान, इस देश की आत्मा एक ही है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- संपूर्ण भारत में लोगों की आस्थाएँ, विश्वास, अंधविश्वास और पाप-पुण्य के बारे में सोच एक समान
- वैज्ञानिक विकास एवं प्रगति के बावजूद लोगों में पाप-पुण्य की अवधारणाएँ विद्यमान
- भारतीय संस्कृति की शाश्वतता और अक्षुण्णता की अनुभूति

कृतिका • पूरक पाठ्यपुस्तक

मैं क्यों लिखता हूँ? — अज्ञेय

वर्णनात्मक प्रश्न (लगभग 50–60 शब्द)

प्रश्न 1 2023 (3/1/1)

हिरोशिमा जाने पर लेखक को क्या महसूस हुआ? हिरोशिमा की घटना पूरी मानव जाति के लिए एक सबक के समान क्यों है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

हिरोशिमा में एक जले हुए पत्थर पर मनुष्य की लंबी उजली छाया देखकर लेखक को विज्ञान द्वारा किए गए विनाश की भयावहता का अनुभव हुआ; उसे लगा मानो वह स्वयं उस विस्फोट का भोक्ता हो और पीड़ितों की पीड़ा उसकी अपनी हो गई। यह घटना मानव जाति के लिए सबक है, क्योंकि यह विज्ञान के दुरुपयोग के विनाशकारी परिणामों का प्रत्यक्ष प्रमाण है और बताती है कि युद्ध तथा परमाणु हथियार सदैव विनाश ही लाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

विज्ञान के द्वारा विनाश की भयावहता, हिरोशिमा विस्फोटक का भोक्ता, पीड़ितों की पीड़ा सबक के समान क्यों

- विज्ञान के दुरुपयोग के विनाशकारी परिणामों का प्रत्यक्ष प्रमाण
- युद्ध सदैव विनाशकारी
- परमाणु हथियारों की विनाश लीला (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

प्रश्न 2 2023 (3/1/2)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ से हम एक लेखक की रचना-प्रक्रिया से परिचित होते हैं और लेखन के गुर सीखते हैं? - पाठ के संदर्भ में कथन की व्याख्या कीजिए।

आदर्श उत्तर

पाठ से पता चलता है कि रचना के पीछे दो तरह के कारण होते हैं – भीतर की आंतरिक विवशता और संपादक-प्रकाशक या आर्थिक आवश्यकता जैसा बाहरी दबाव। लेखक बताता है कि सच्ची रचना प्रत्यक्ष अनुभव से नहीं, गहरी अनुभूति से जन्म लेती है। इससे हम लेखन के गुर सीखते हैं कि लिखने के लिए प्रेरित करने वाले तत्त्वों को पहचानना चाहिए और अपनी आंतरिक विवशता को ईमानदारी से रचनात्मक रूप देना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

रचना प्रक्रिया

- आंतरिक विवशता से मुक्ति
- बाह्य दबाव
- प्रत्यक्ष अनुभव
- प्रत्यक्ष अनुभूति

गुर

- लेखन के लिए प्रेरित करने वाले तत्वों से परिचित होना

- आंतरिक विवशता को रचनात्मक ताना-बाना पहनाना (संदर्भगत अन्य उपयुक्त उत्तर स्वीकार्य)

प्रश्न 3 2023 (3/1/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में अनुभव की तुलना में अज्ञेय ने अनुभूति को बड़ा क्यों बताया है? पाठ में उसे सही दिखाने के लिए किसका उदाहरण दिया गया है? क्या आप भी उसे ठीक मानते हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।

आदर्श उत्तर

अज्ञेय के अनुसार अनुभूति अनुभव से गहरी होती है। अनुभव स्वयं के साथ घटी घटना है, जबकि अनुभूति संवेदना और कल्पना के सहारे उस सत्य को भी आत्मसात कर लेती है जो हमारे साथ नहीं घटा। इसके लिए हिरोशिमा का उदाहरण दिया गया है; विस्फोट लेखक ने नहीं देखा था, पर जले पत्थर पर मनुष्य की छाया देखकर वह उसका भोक्ता बन गया। मैं भी इसे ठीक मानता हूँ, क्योंकि भीतर तक छू लेने वाला भाव ही सच्ची रचना कराता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

अनुभूति अनुभव से गहरी होती है।
स्वयं के साथ घटी घटना अनुभव है।
संवेदना और कल्पना से स्वयं के साथ न घटी घटना / सत्य को भी आत्मसात करना अनुभूति है।

उदाहरण - हिरोशिमा की त्रासदी, हिरोशिमा में जले हुए पत्थर पर एक लंबी-उजली छाया देखकर स्वयं को भोक्ता महसूस करना (प्रश्न के तीसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

प्रश्न 4 2023 (3/2/1)

किसी एक रचनाकार की रचना, प्रेरणा अथवा जीवन किसी दूसरे व्यक्ति को किसी रचना के लिए कैसे प्रेरित कर सकते हैं? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

किसी रचनाकार को जानकर, उसकी रचना पढ़कर और उसके जीवन की चुनौतियों से सीखकर दूसरा व्यक्ति रचना के लिए प्रेरित हो सकता है। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पढ़कर हम अज्ञेय की रचना-प्रक्रिया को समझते हैं कि सच्चा लेखन भीतरी विवशता और गहरी अनुभूति से जन्म लेता है। उनके जीवन के अनुभव और हिरोशिमा पर कविता लिखने की प्रक्रिया पाठक को भी अपने अनुभवों को संवेदना के साथ लिखने की प्रेरणा देती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रेरणा

- किसी दूसरे को जानकर, किसी की रचना पढ़कर
- किसी के व्यक्तित्व की चुनौतियों से सीखकर '*में क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में
- लेखक की रचना प्रक्रिया को समझकर
- जीवन के अनुभव, संघर्षों से प्रेरित होकर

प्रश्न 5 2023 (3/2/2)

'मैं क्यों लिखता हूँ' का लेखक लेखन के पीछे किसे जरूरी कारण मानता है? आपके जीवन में कुछ ऐसा घटा जिसने आपके अंतर्मन को प्रेरित या प्रभावित किया हो, लिखिए।

आदर्श उत्तर

लेखक लेखन के पीछे आंतरिक विवशता को ज़रूरी कारण मानता है; वह भीतर की तड़प से मुक्ति पाने और स्वयं को जानने के लिए लिखता है। मेरे जीवन में कोरोना काल ने मेरे अंतर्मन को गहराई से प्रभावित किया। चारों ओर बीमारी, अस्पतालों की भीड़ और लोगों की बेबसी देखकर मैं बहुत बेचैन रहा। उसी समय मैंने समझा कि स्वास्थ्य और अपनों का साथ सबसे बड़ी संपत्ति है और अपनी भावनाओं को डायरी में लिखना शुरू किया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- आंतरिक विवशता, भीतर की तड़प से मुक्ति पाने का प्रयास (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य) उदाहरणार्थ
- कोरोना के दुष्प्रभाव की घटना
- अन्य पारिवारिक / सामाजिक घटनाएँ

प्रश्न 6 **2023** (3/2/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के लेखक ने लेखन कार्य के पीछे छिपे उद्देश्यों का उल्लेख करना कठिन क्यों कहा है? हम किसी लेखक से इस प्रश्न का उत्तर जान कर क्या सीख सकते हैं?

आदर्श उत्तर

लेखक ने लेखन के उद्देश्यों का उल्लेख करना कठिन इसलिए कहा है कि हर व्यक्ति के लिखने के अनेक और अलग-अलग उद्देश्य हो सकते हैं। इसका संबंध लेखक के आंतरिक जीवन के कई स्तरों से होता है, जिन्हें संक्षेप में बाँधना कठिन है। किसी लेखक से इस प्रश्न का उत्तर जानकर हम उसकी लेखन-प्रक्रिया, रचनाशीलता और चिंताओं को समझ सकते हैं तथा स्वयं ईमानदारी से लिखने की प्रेरणा पा सकते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- लेखन के व्यक्ति आधारित अनेक उद्देश्य हो सकते हैं।
- जीवन के विभिन्न स्तरों से संबंधित उद्देश्यों को संक्षेप में बाँधना कठिन है।;
- लेखन प्रक्रिया, रचनाशीलता, उसकी चिंताएँ / दृष्टि, स्वयं के उद्देश्यों का निर्धारण (अन्य उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर भी स्वीकार्य)

प्रश्न 7 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में लिखिए कि आपके विचार से विज्ञान का दुरुपयोग कैसे हो रहा है और उससे कैसे बचा जा सकता है?

आदर्श उत्तर

मेरे विचार से आज विज्ञान का दुरुपयोग परमाणु बम जैसे विनाशकारी हथियार बनाने में हो रहा है, जैसा हिरोशिमा में हुआ। प्रकृति का संहार भी इसी का रूप है, जैसे नदी में बम फेंककर हज़ारों मछलियों को मार देना। इससे बचने के लिए विज्ञान का प्रयोग केवल मानवता की भलाई के लिए होना चाहिए। हमें प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए और संवेदनशील बनकर विज्ञान को विवेक तथा नैतिकता से जोड़ना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

(उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

उदाहरणार्थ - दुरुपयोग

- हिंसक प्रयोग - परमाणु बम आदि हथियार बनाकर
- प्रकृति का संहार - नदी में बम फेंककर हज़ारों मछलियों को मार कर

दुरुपयोग से बचाव

- मानवता की भलाई हेतु प्रयोग करके

- प्रकृति का संरक्षण करके
- संवेदनशील होकर (प्रत्येक भाग के लिए दो-दो उपयुक्त बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 8 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में वर्णित हिरोशिमा की घटना क्या थी? पूरे विश्व को ऐसी घटनाओं से कैसे बचाया जा सकता है?

आदर्श उत्तर

दूसरे विश्वयुद्ध में जापान के हिरोशिमा नगर पर परमाणु बम गिराया गया था। पल भर में पूरा शहर राख में बदल गया; रेडियोधर्मी तरंगों के कारण असंख्य लोगों की असमय मृत्यु हुई और इसका दुष्प्रभाव लंबे समय तक रहा। विश्व को ऐसी घटनाओं से बचाने के लिए परमाणु हथियारों पर रोक लगानी चाहिए, वैज्ञानिक साधनों का उपयोग केवल शांतिपूर्ण कार्यों में होना चाहिए और देशों को विवाद बातचीत से सुलझाने चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

हिरोशिमा की घटना:-

- जापान के 'हिरोशिमा' नामक नगर पर परमाणु बम गिराया जाना
- पूरे शहर का राख में बदल जाना
- रेडियोधर्मी तरंगों के कारण असंख्य लोगों की असमय मृत्यु तथा लंबे समय तक इसका दुष्प्रभाव

बचाव के उपाय:- (उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य)

उदाहरणार्थ;

- वैज्ञानिक उपकरणों के प्रयोग के प्रति संवेदनशीलता एवं जागरूकता
- सशक्त जनमत का निर्माण
- मानव-कल्याण के लिए विज्ञान का प्रयोग
- वैश्विक पटल पर शांति और सद्भाव

प्रश्न 9 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

कृतिकार की ईमानदारी से आप क्या समझते हैं? 'मैं क्यों लिखता हूँ' के लेखक ने इस ईमानदारी के समक्ष किस तरह की लेखकीय विवशताओं का उल्लेख किया है?

आदर्श उत्तर

कृतिकार की ईमानदारी से तात्पर्य है कि लेखक स्वयं यह भेद पहचाने और बनाए रखे कि उसकी कौन-सी कृति भीतरी प्रेरणा का परिणाम है और कौन-सी बाहरी दबाव का। लेखक ने इस ईमानदारी के सामने आने वाली विवशताओं का उल्लेख किया है – प्रकाशक की माँग, संपादक का आग्रह और अपनी आर्थिक आवश्यकता। कई बार लेखक इन बाहरी दबावों के कारण लिखता है, पर सच्चा कृतिकार उन्हें भी भीतरी प्रेरणा से जोड़ लेता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

- यह भेद बनाए रखना कि कृति भीतरी प्रेरणा का परिणाम अथवा बाहरी दबाव और आग्रह का परिणाम; लेखकीय विवशताएँ
- प्रकाशक की माँग
- संपादक का आग्रह
- आर्थिक आवश्यकता (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए कोई दो बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न 10 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए कि क्या एक रचनाकार और उसकी रचनाएँ बाहरी दबाव से भी प्रभावित हो सकती हैं? आपकी दृष्टि में वे कौन-से बाहरी दबाव हैं जो रचनाकार की रचना को प्रभावित करते हैं?

आदर्श उत्तर

हाँ, रचनाकार और उसकी रचनाएँ बाहरी दबाव से भी प्रभावित हो सकती हैं; अज्ञेय स्वयं यह स्वीकार करते हैं। मेरी दृष्टि में संपादकों का आग्रह, प्रकाशकों की माँग और रचनाकार की आर्थिक आवश्यकता प्रमुख बाहरी दबाव हैं। पाठकों की पसंद, समाज की घटनाएँ और प्रसिद्धि की चाह भी रचना को प्रभावित करती हैं। फिर भी श्रेष्ठ रचना वही होती है जिसमें बाहरी दबाव के साथ भीतरी अनुभूति जुड़ जाए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे –

हाँ, रचनाकार और उसकी रचनाएँ बाहरी दबाव से भी प्रभावित हो सकती हैं;
बाहरी दबाव

- सम्पादकों का आग्रह
- प्रकाशकों की माँग
- रचनाकारों की आर्थिक विवशता

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण से स्वतंत्र और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे।

प्रश्न 11 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3) • **2025** (3/5/3)

एक कृतिकार के लेखन और रचना के पीछे क्या-क्या कारण हो सकते हैं? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

कृतिकार के लेखन के पीछे दो प्रकार के कारण होते हैं। बाहरी कारणों में संपादकों का आग्रह, प्रकाशकों की माँग और अपनी आर्थिक विवशता आती है। आंतरिक कारणों में अनुभूति की सघनता है; लेखक यह जानने के लिए लिखता है कि वह क्यों लिखता है और लिखकर अपनी आंतरिक विवशता से मुक्ति पाता है। वह उस विवशता को तटस्थ होकर देखना और पहचानना चाहता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई चार उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

बाहरी दबाव:

- संपादकों का आग्रह
- प्रकाशकों की माँग
- रचनाकारों की अपनी आर्थिक विवशता

आंतरिक दबाव:

- आंतरिक अनुभूति की सघनता
- लेखक द्वारा लेखन के कारणों को जानने की इच्छा
- आंतरिक विवशता से मुक्ति पाना
- आंतरिक विवशता को तटस्थ होकर उसे देखना और पहचानना

प्रश्न 12 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर अनुभव और अनुभूति का अंतर स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक ने अपनी जापान यात्रा के दौरान हिरोशिमा में सब कुछ देखकर भी तत्काल क्यों नहीं लिखा? अणु-विस्फोट की अनुभूति लेखक को कब हुई?

आदर्श उत्तर

स्वयं के जीवन में घटित सत्य अनुभव है, जबकि अपने या दूसरों के जीवन में घटित सत्य को संवेदना और कल्पना के सहारे आत्मसात कर लेना अनुभूति है। हिरोशिमा में अस्पताल और पीड़ितों को देखकर लेखक को अनुभव तो हुआ, पर अनुभूति नहीं; इसलिए उसने तत्काल नहीं लिखा। अणु-विस्फोट की अनुभूति उसे तब हुई जब उसने सड़क पर एक जले पत्थर पर मनुष्य की उजली छाया देखी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में प्रश्न के तीनों हिस्सों के उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- स्वयं के जीवन में घटित सत्य अनुभव; अपने या दूसरों के जीवन में घटित सत्य को संवेदना और कल्पना के सहारे आत्मसात करना अनुभूति
- प्रत्यक्ष अनुभूति न हो पाने के कारण
- सड़क पर टहलते समय जले हुए पत्थर पर लंबी उजली छाया

प्रश्न 13 **2024** (3/4/1)

अज्ञेय जी ने किसी रचना के लेखन के कौन-कौन से कारण गिनवाए हैं? अपने लेखन के बारे में उन्होंने क्या कहा? -- स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

अज्ञेय जी के अनुसार कोई रचना आंतरिक विवशता से मुक्ति पाने के लिए लिखी जाती है; इसके अतिरिक्त प्रकाशकों के तकाज़े, संपादकों के आग्रह और आर्थिक विवशता जैसे बाहरी दबाव भी कारण होते हैं। अपने लेखन के बारे में उन्होंने कहा कि वे इसलिए लिखते हैं कि स्वयं जानना चाहते हैं कि क्यों लिखते हैं; लिखकर ही वे अपनी भीतरी विवशता को तटस्थ होकर पहचान पाते हैं और उससे मुक्त होते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर लेखन के कोई दो उपयुक्त कारण लिखेंगे, जैसे–

- आंतरिक विवशता से मुक्ति पाना
- बाहरी दबाव जैसे प्रकाशकों के तकाज़े, संपादकों के आग्रह
- आर्थिक विवशता

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे, जैसे –

- आंतरिक विवशता से मुक्ति
- अपने लेखन के कारण को तटस्थ होकर पहचाना

प्रश्न 14 **2024** (3/4/2)

मैं क्यों लिखता हूँ पाठ के संदर्भ में यदि आप चाहते हैं कि विज्ञान का केवल सदुपयोग ही हो, उसके लिए अपने सुझाव दीजिए।

आदर्श उत्तर

विज्ञान का केवल सदुपयोग सुनिश्चित करने के लिए मेरा सुझाव है कि लोगों में विज्ञान के दुरुपयोग के खतरों के प्रति जागरूकता फैलाई जाए। दुरुपयोग रोकने के लिए कड़े नियम बनाए और लागू किए जाएँ, जैसे परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध। वैज्ञानिक शोध को स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और पर्यावरण-संरक्षण जैसे कल्याणकारी कार्यों की ओर मोड़ा जाए तथा विद्यार्थियों को विज्ञान के साथ मानवीय मूल्यों की शिक्षा भी दी जाए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ से प्राप्त समझ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से विज्ञान के सदुपयोग सुनिश्चित के बारे में स्वतंत्र एवं उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- जागरूकता फैलाना
- दुरुपयोग रोकने के लिए नियम बनाना और लागू करना, जैसे - परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे - संयुक्त राष्ट्र आदि को मजबूत करना
- वैज्ञानिक समुदाय को मानव-कल्याण के लिए आविष्कारों के प्रति प्रेरित करना
- अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 15 **2024** (3/4/3)

अज्ञेय जी ने हिरोशिमा की घटना के बारे में सुना-पढ़ा था, लेकिन विस्फोट को उन्होंने कब और कैसे आत्मसात किया और उसका क्या परिणाम हुआ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

अज्ञेय जी ने विस्फोट को अपनी जापान-यात्रा के दौरान हिरोशिमा में आत्मसात किया। वहाँ घूमते हुए उन्होंने एक जले हुए पत्थर पर मनुष्य की लंबी उजली छाया देखी और भीतर तक आहत हो गए; उन्हें लगा मानो विस्फोट उनके सामने घटा हो। परिणाम यह हुआ कि उनका अनुभव संवेदना के स्तर पर अनुभूति में बदल गया और मन की यही पीड़ा भारत लौटकर 'हिरोशिमा' कविता के रूप में प्रकट हुई।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

कब और कैसे

- लेखक की जापान / हिरोशिमा यात्रा के दौरान
- जले हुए पत्थर पर लंबी उजली छाया को देखकर आहत होना

परिणाम

- अनुभव का संवेदना के स्तर पर अनुभूति को बदलना
- मन की पीड़ा का 'हिरोशिमा' कविता के रूप में सृजन

प्रश्न 16 **2024** (3/5/1)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर भीतरी विवशता का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। अज्ञेय जी ने 'भीतरी विवशता' को जिस उदाहरण से स्पष्ट किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

भीतरी विवशता का अभिप्राय उस आंतरिक अनुभूति से है जो लेखक को लिखने के लिए विवश कर दे; वह कल्पना और संवेदना के सहारे ऐसे सत्य का भी साक्षात्कार करा देती है जो स्वयं के साथ नहीं घटा। अज्ञेय ने इसे हिरोशिमा के उदाहरण से स्पष्ट किया है। वहाँ एक जले पत्थर पर मनुष्य की छाया देखकर वे विस्फोट के भोक्ता बन गए; यही आकुलता बाद में 'हिरोशिमा' कविता बनकर निकली।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर 'भीतरी विवशता' का अभिप्राय लिखेंगे और इसे समझाने के लिए लेखक द्वार दिया उदाहरण लिखेंगे, जैसे –

- आंतरिक अनुभूति, जो लेखन के लिए विवश कर दे
- कल्पना और संवेदना के सहारे उस सत्य का साक्षात्कार, जो स्वयं के साथ घटित नहीं;

उदाहरण –

- हिरोशिमा में पत्थर पर अंकित मानवाकृति

प्रश्न 17 2024 (3/5/2)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक को जापान जाने पर हिरोशिमा की घटना का प्रत्यक्ष अनुभव कैसे हुआ। इस अनुभव का लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा? अपने शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

जापान जाने पर लेखक ने हिरोशिमा का वह अस्पताल देखा जहाँ रेडियम-पदार्थ से आहत लोग वर्षों से कष्ट पा रहे थे। फिर एक दिन सड़क पर घूमते हुए उसने एक जले पत्थर पर मनुष्य की लंबी उजली छाया देखी। इस दृश्य ने उसे भीतर तक झकझोर दिया; उसे लगा मानो विस्फोट उसकी आँखों के सामने हुआ हो। वह स्वयं उस पीड़ा का भोक्ता बन गया और इसी अनुभूति से 'हिरोशिमा' कविता लिखी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर हिरोशिमा की किसी एक घटना का उल्लेख करेंगे, जैसे –

- वह अस्पताल देखकर, जहाँ रेडियम-पदार्थ से आहत लोग वर्षों से कष्ट पा रहे थे
- एक पत्थर पर मानवाकृति की छाया देखकर अनुभव का अनुभूति में रूपांतरण
- परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए कोई दो बिंदु लिखेंगे, जैसे –
- लेखक का हिरोशिमा विस्फोट का भोक्ता बन जाना
- लेखक का व्याकुल होना
- लेखक का इस अनुभूति को लिखने के लिए विवश होना
- अनुभूति-प्रत्यक्ष होना

प्रश्न 18 2024 (3/5/3)

'विज्ञान एक तरफ विकास है, तो दूसरी ओर विनाश।' विज्ञान को विकास की ओर कैसे उन्मुख किया जा सकता है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' - पाठ के संदर्भ में इस विषय पर अपने सुझाव लिखिए।

आदर्श उत्तर

विज्ञान को विकास की ओर उन्मुख करने के लिए मेरा सुझाव है कि उसके दुरुपयोग के विनाशकारी परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाई जाए। परमाणु हथियारों जैसे विनाशकारी प्रयोगों को रोकने के लिए कड़े अंतरराष्ट्रीय नियम बनाए और लागू किए जाएँ। विज्ञान का उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा और पर्यावरण-संरक्षण जैसे मानव-कल्याण के कार्यों में हो तथा वैज्ञानिकों और युवाओं में संवेदनशीलता और नैतिक दायित्व की भावना जगाई जाए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ से प्राप्त समझ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से विज्ञान के सदुपयोग सुनिश्चित करने के बारे में स्वतंत्र एवं उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- जागरूकता फैलाना
- दुरुपयोग रोकने के लिए नियम बनाना और उन्हें लागू करना, जैसे - हथियारों पर प्रतिबंध
- अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना
- वैज्ञानिक समुदाय को मानव-कल्याण के लिए आविष्कारों के प्रति प्रेरित करना
- अन्य स्वतंत्र बिंदु भी स्वीकार्य

प्रश्न 19 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ'? पाठ के आधार पर प्रत्यक्ष अनुभव और अनुभूति का अंतर स्पष्ट करते हुए बताइए कि अगर आप कभी लेखन के क्षेत्र में गए तो दोनों में से किसे महत्त्व देंगे और क्यों?

आदर्श उत्तर

प्रत्यक्ष अनुभव वह है जिसे हमने स्वयं घटित होते देखा या भोगा हो। अनुभूति वह है जिसमें घटना हमारे अनुभव की न होते हुए भी संवेदना और कल्पना के सहारे हम उसे भीतर से भोक्ता की तरह महसूस करते हैं। अगर मैं लेखन के क्षेत्र में गया तो अनुभूति को अधिक महत्त्व दूँगा, क्योंकि केवल देखी हुई बात को लिख देना पर्याप्त नहीं है; जो बात भीतर तक छू जाए, वही पाठक के हृदय को भी छूती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- प्रत्यक्ष अनुभव – जिसे हमने घटित होते हुए देखा हो
- अनुभूति – जो घटना हमारे अनुभव की न हो, पर आंतरिक स्तर पर उसे हमने भोक्ता की तरह महसूस किया हो।

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- अगर मैं लेखन के क्षेत्र में आया/आई तो अनुभव आधारित लेखन करूँगा/करूँगी क्योंकि वह प्रामाणिक होता है।

प्रश्न 20 **2025** (3/2/1)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि हिरोशिमा में लेखक ने क्या-क्या देखा और उसकी अनुभूति को किसने झकझोरा? हिरोशिमा की विभीषिका से मनुष्य-जगत क्या सीख सकता है?

आदर्श उत्तर

हिरोशिमा में लेखक ने वह अस्पताल देखा जहाँ रेडियोधर्मी पदार्थ से पीड़ित लोग वर्षों से कष्ट भोग रहे थे; फिर एक पत्थर पर परमाणु विस्फोट के समय बनी किसी व्यक्ति की छाया देखी। जले हुए पत्थर पर मनुष्य की इसी छाया ने उसकी अनुभूति को झकझोरा। इस विभीषिका से मनुष्य-जगत यह सीख सकता है कि विज्ञान का दुरुपयोग सर्वनाश लाता है; इसलिए युद्ध और परमाणु हथियारों से बचकर शांति का मार्ग अपनाना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त दृश्य और घटना के बारे में लिखेंगे-

दृश्य:

- हिरोशिमा के अस्पताल में रेडियोधर्मी पदार्थ से पीड़ित लोग
- एक पत्थर पर परमाणु विस्फोट के समय बनी किसी व्यक्ति की छाया

घटना:

- जले हुए पत्थर पर मनुष्य की छाया ने;

सीख:

परीक्षार्थी प्रश्न के इस हिस्से के लिए अपने विचारों से उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- विज्ञान का दुरुपयोग न करना
- युद्ध से बचना
- शांति स्थापित करना
- प्रकृति का सम्मान करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 21 **2025** (3/2/2)

कोई भी लेखक कृतिकार कब कहला सकता है? क्या वर्तमान लेखक भी 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के लेखक अज्ञेय की भाँति लेखन-प्रक्रिया पर ऐसा गहरा विचार ज़रूरी समझता है? अपने अनुभव और विचारों के आधार पर उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

कोई लेखक कृतिकार तब कहला सकता है जब वह आंतरिक प्रेरणा से रचना करे, उसकी रचना केवल प्रत्यक्ष अनुभव पर नहीं बल्कि गहरी अनुभूति पर आधारित हो और वह अपने लेखन में सच्चा तथा ईमानदार हो। मेरे विचार से आज के अनेक लेखक बाज़ार की माँग, प्रसिद्धि और जल्दी छपने के दबाव में लिखते हैं और लेखन-प्रक्रिया पर इतना गहरा विचार नहीं करते; फिर भी गंभीर लेखक आज भी इसे ज़रूरी समझते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- आंतरिक प्रेरणा से रचना करने पर
- प्रत्यक्ष अनुभवों की जगह अनुभूति आधारित रचना करने पर
- लेखन में सच्चाई और ईमानदारी बनाए रखने पर
- बाहरी दबाव और आर्थिक विवशता से मुक्त लेखन करने पर;

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए स्वतंत्र तर्कपूर्ण और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे-

हाँ:

- वर्तमान लेखकों द्वारा साहित्य को आत्म-अभिव्यक्ति और संवेदना का साधन मानना
- लेखन-प्रक्रिया पर गहरे विचार करने वाले लेखकों की भूमिका सदैव बने रहना

नहीं:

- वर्तमान लेखक रचना-प्रक्रिया पर ऐसा विशद चिंतन नहीं करते, उनके लिए पुस्तक एक उत्पाद
- सोशल मीडिया और डिजिटल युग के प्रभाव के कारण लेखन में त्वरित प्रतिक्रियाएँ और सतही अभिव्यक्ति

प्रश्न 22 **2025** (3/2/3)

मैं क्यों लिखता हूँ? पाठ पढ़ने के पश्चात लेखन की दुनिया और लेखकों के बारे में आपकी जो धारणाएँ बनती हैं उन्हें चार बिंदुओं में लिखिए।

आदर्श उत्तर

पाठ पढ़कर मेरी धारणा बनती है कि लेखन पर बाहरी और आंतरिक दोनों तरह के दबाव काम करते हैं। उत्कृष्ट लेखन आंतरिक विवशता का परिणाम होता है; केवल बाहरी कारणों से किया गया लेखन सच्ची कृति नहीं बनता। कृतिकार वही है जो अपने लेखन में गहरी अनुभूति और संवेदना को व्यक्त करे। सच्चे लेखन में आत्म-अनुशासन और अपने प्रति ईमानदारी आवश्यक होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर किन्हीं चार उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे, जैसे –

- लेखन पर बाहरी और आंतरिक दबाव
- उत्कृष्ट लेखन आंतरिक विवशता का परिणाम
- केवल बाहरी कारणों से किया गया लेखन कृति नहीं
- कृतिकार वही जो अपने लेखन में गहरी अनुभूति और संवेदना को व्यक्त करे
- सच्चे लेखन में आत्मानुशासन और ईमानदारी आवश्यक
- प्रत्यक्ष अनुभव से अधिक महत्वपूर्ण अनुभूति

- खुद को जानने की इच्छा लेखन के लिए प्रेरणा
- लिखे बिना लिखने के कारणों को जानना कठिन
- कुछ लोगों द्वारा आर्थिक आवश्यकता के कारण लेखन
- लेखन पर प्रकाशक और संपादक का आग्रह भी

प्रश्न 23 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि कोई भी लेखक क्यों लिखता है। लेखन के लिए अनिवार्य कारकों में आप किसे शामिल करेंगे और क्यों?

आदर्श उत्तर

कोई लेखक बाहरी और आंतरिक विवशता के कारण लिखता है। बाहरी विवशता में संपादकों का आग्रह, प्रकाशक की माँग और अपनी आर्थिक आवश्यकता आती है। आंतरिक विवशता में लेखक अपने भीतर की आकुलता को पहचानकर उससे मुक्ति पाना चाहता है। लेखन के अनिवार्य कारकों में मैं गहरी अनुभूति, संवेदनशीलता और ईमानदारी को शामिल करूँगा, क्योंकि इनके बिना रचना में सच्चाई नहीं आती और वह पाठक के मन को नहीं छू पाती।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर किन्हीं दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- बाहरी विवशता: संपादकों का आग्रह प्रकाशक की माँग लेखक की अपनी आर्थिक आवश्यकता
- आंतरिक विवशता: अपनी आंतरिक विवशता को पहचानना और उससे मुक्ति पाना लेखन के कारणों को स्वयं भी जानने की इच्छा

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र और तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- आतंरिक प्रेरणा; इसके अभाव में लिखना असंभव

प्रश्न 24 **2025** (3/4/1)

हिरोशिमा जैसी भयावह घटना/परिस्थिति को रोकने के लिए युवा पीढ़ी क्या कर सकती है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

आदर्श उत्तर

हिरोशिमा जैसी घटना को रोकने के लिए युवा पीढ़ी परमाणु ऊर्जा के सजग और शांतिपूर्ण प्रयोग के प्रति सबको सचेत कर सकती है। वह विश्व-शांति और सद्भाव की दिशा में प्रयास कर सकती है तथा युद्ध और हिंसा के विरुद्ध आवाज़ उठा सकती है। सोशल मीडिया, लेखन और कला के माध्यम से वह युद्ध की विभीषिका के प्रति जागरूकता फैला सकती है और विज्ञान को मानव-कल्याण से जोड़ने का संकल्प ले सकती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में अपने व्यक्तिगत विचारों से चार उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- परमाणु ऊर्जा के सजग प्रयोग के प्रति सबको सचेत करना
- विश्व-शांति और सद्भाव की दिशा में प्रयास करना
- जागरूकता फैलाना (सोशल मीडिया, नुक्कड़ नाटक,पोस्टर, रैली आदि के माध्यम से)
- अपने घर-परिवार और मित्र-समूह में चर्चा, वाद-विवाद आदि करना
- विज्ञान के सदुपयोग के प्रति समाज को प्रेरित करना
- स्वयं सकारात्मक वैज्ञानिक अनुसंधानों में संलग्न होना
- तकनीक का सदुपयोग करना

प्रश्न 25 2025 (3/4/2)

लिखकर स्वयं को कैसे जाना जा सकता है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

लेखक के अनुसार लिखे बिना वह स्वयं नहीं जान पाता कि वह क्यों लिखता है; लिखकर ही भीतर की आंतरिक विवशता की पहचान संभव होती है। लिखते समय व्यक्ति अपने अंतर्मन में झाँकता है और अपनी वास्तविक व्यथा, दुविधा तथा द्वंद्व को शब्द देकर उनसे मुक्त होता है। इस प्रकार लेखन आत्म-निरीक्षण का साधन है; अपने विचारों और भावनाओं को तटस्थ होकर देखने से हम अपने सच्चे स्वरूप को जान पाते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में और अपने व्यक्तिगत विचारों से दो उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- लिखकर ही आंतरिक विवशता की पहचान संभव
- लिखने से अंतर्मन की वास्तविक व्यथा, दुविधा, द्वंद्व से मुक्त होना अथवा उसके समाधान तक पहुँचना संभव
- लिखने से अपने आंतरिक जीवन के विभिन्न स्तरों, मन की विविध परतों को समझ पाना संभव

प्रश्न 26 2025 (3/4/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने विज्ञान के विनाशकारी रूप को विशेषकर उजागर किया है। क्या आप लेखक की दृष्टि से सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

हाँ, मैं लेखक की दृष्टि से सहमत हूँ। हिरोशिमा में किया गया आणविक विस्फोट विज्ञान के अत्यंत विनाशकारी रूप का उदाहरण है, जिसने पल भर में लाखों जीवन नष्ट कर दिए। विज्ञान स्वयं न अच्छा है न बुरा; उसका इस्तेमाल व्यक्ति, समुदाय और राष्ट्र के विवेक पर निर्भर है। मानव का वर्तमान जीवन विज्ञान की सुविधाओं पर टिका है, पर विवेक के बिना वही विज्ञान सर्वनाश का कारण बन सकता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण से दो उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र रूप से उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- हिरोशिमा में किया गया आणविक विस्फोट विज्ञान के अत्यंत विनाशकारी रूप का उदाहरण
- विज्ञान का इस्तेमाल व्यक्ति, समुदाय, राष्ट्र विशेष के विवेक पर निर्भर
- मानव का वर्तमान जीवन विज्ञान से प्रभावित
- मानव जीवन को सरल, सहज और सुविधासंपन्न बनाने में विज्ञान का सतत योगदान

प्रश्न 27 2025 (3/5/1)

'जागरूकता और संवेदनशीलता विज्ञान के दुरुपयोग को कम कर सकती है।' 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

आदर्श उत्तर

यह कथन पूर्णतः उचित है। यदि लोग जागरूक हों तो वे हिरोशिमा जैसी त्रासदी के लिए उत्तरदायी विनाशकारी अस्त्रों के निर्माण और प्रयोग का विरोध करके उन पर रोक लगवा सकते हैं। संवेदनशीलता से दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझने का भाव आता है, जैसा लेखक ने जले पत्थर पर छाया देखकर अनुभव किया। इसी संवेदना से विश्व-शांति और मानव-कल्याण की भावना विकसित होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के संदर्भ में अपने व्यक्तिगत विचारों से चार उपयुक्त बिंदुओं में स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- जागरूकता द्वारा हिरोशिमा जैसी त्रासदी के लिए उत्तरदायी विनाशकारी अस्त्रों के निर्माण और प्रयोग पर रोकथाम
- संवेदना से विश्व शांति और मानव कल्याण की भावना का विकसित होना
- वैज्ञानिक समुदाय का लोक कल्याणकारी आविष्कारों के लिए प्रेरित होना
- शांति की दिशा में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की मजबूती
- तकनीक का विवेकपूर्ण प्रयोग
- जागरूकता द्वारा शांति की दिशा में जनमत निर्माण

प्रश्न 28 **2025** (3/5/2)

रचनाकार की रचना बाहरी दबाव से भी प्रभावित होती है। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर बताइए कि वे कौन से बाहरी दबाव हैं जो किसी रचनाकार की रचना को प्रभावित करते हैं? क्या बाहरी दबाव अन्य क्षेत्रों से जुड़े कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

रचनाकार की रचना को संपादकों का आग्रह, प्रकाशकों का दबाव और रचनाकार की अपनी आर्थिक आवश्यकता जैसे बाहरी दबाव प्रभावित करते हैं। हाँ, ये दबाव अन्य क्षेत्रों के कलाकारों को भी प्रभावित करते हैं। गायक, चित्रकार, अभिनेता और फ़िल्मकार भी दर्शकों की पसंद, निर्माताओं की माँग, बाज़ार और आर्थिक ज़रूरतों को ध्यान में रखकर अपनी कला में बदलाव करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे -

- संपादकों का आग्रह
- प्रकाशकों का दबाव
- रचनाकारों की अपनी आर्थिक आवश्यकताएँ;

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- सभी क्षेत्रों के कलाकारों पर आर्थिक आवश्यकता जैसे बाह्य दबाव कार्य करते हैं।

प्रश्न 29 **2025** (3/6/1)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि कृतिकार के स्वभाव और आत्मानुशासन का लेखन में क्या महत्त्व है?

आदर्श उत्तर

कृतिकार का स्वभाव और आत्मानुशासन उसके लेखन की गुणवत्ता तय करते हैं। आत्मानुशासित लेखक बाहरी दबाव से आवश्यकता से अधिक प्रभावित नहीं होता और भीतरी प्रेरणा से लिखता है, इसलिए उसकी रचना अधिक श्रेष्ठ होती है। आत्मानुशासन नियमित और सुचारु लेखन में सहायक होता है तथा किसी लेखक को उच्च कोटि का साहित्यकार बनाने में अहम भूमिका निभाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर चार उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- बाहरी दबाव से अतिरिक्त रूप से प्रभावित नहीं होना
- आत्मानुशासन से प्रेरित लेखन की गुणवत्ता अधिक
- उच्च कोटि के लेखक, साहित्यकार, रचनाकार आदि बनने में इनकी अहम भूमिका
- नियमित और सुचारू लेखन के लिए सहायक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 30 **2025** (3/6/2)

'अज्ञेय' हिरोशिमा पर कविता लिखने के लिए क्यों विवश हुए? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

अज्ञेय ने हिरोशिमा में एक जले हुए पत्थर पर मनुष्य की उजली छाया देखी। उसे देखकर उन्हें लगा मानो विस्फोट उनके सामने घटा हो और वे स्वयं उसके भोक्ता हों। इस प्रत्यक्ष अनुभूति ने उनके भीतर गहरी आकुलता और आंतरिक विवशता पैदा कर दी। उसी विवशता से मुक्ति पाने के लिए वे भारत लौटकर रेलगाड़ी में बैठे-बैठे 'हिरोशिमा' कविता लिखने को विवश हुए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- प्रत्यक्ष अनुभूति (हिरोशिमा में पत्थर पर व्यक्ति की छाया देखने के पश्चात स्वयं को भोक्ता मानना) से प्राप्त आतंरिक विवशता से मुक्ति के लिए (अन्य

उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 31 **2025** (3/6/3)

गहन संवेदना की अनुभूति सृजन के लिए प्रेरित करती है। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

गहन संवेदनात्मक अनुभूति ही हृदय के भावों को प्रकट करने में सहायक होती है; इसके बिना सच्चा सृजनात्मक लेखन संभव नहीं है। ऐसी अनुभूति से भीतर एक विवशता पैदा होती है जो लिखने की प्रेरणा बनती है। लेखक ने हिरोशिमा के बारे में पढ़ा और अस्पताल भी देखा, पर कविता तब लिखी जब जले पत्थर पर मनुष्य की छाया देखकर उसे गहरी अनुभूति हुई।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- गहन संवेदनात्मक अनुभूति हृदय के भावों के प्रकटीकरण में सहायक
- इसके बिना किसी भी प्रकार का सृजनात्मक लेखन असंभव
- प्रत्यक्ष अनुभूति से आतंरिक विवशता की उत्पत्ति और लेखन की प्रेरणा जैसे लेखक का हिरोशिमा में पत्थर पर व्यक्ति की छाया देखने के पश्चात स्वयं को भोक्ता मानना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 32 **2026** (3/1/1)

क्या किसी एक लेखक के लिए जो बातें प्रेरणास्रोत हैं वे अन्य लेखक को भी प्रेरित कर सकती हैं? सहमति या असहमति को उचित तर्कों एवं उदाहरणों द्वारा 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

आदर्श उत्तर

मैं इससे सहमत हूँ। किसी रचनाकार के अनुभव, विचार और संघर्ष दूसरे लेखकों को भी प्रभावित कर सकते हैं; उनकी रचनाएँ पढ़कर नए लेखकों के मन में भी अनुभूति जागती है। हिरोशिमा की त्रासदी ने अज्ञेय को कविता लिखने के लिए प्रेरित किया और इसी घटना ने दुनिया के अनेक लेखकों तथा कलाकारों को भी झकझोरा। फिर भी हर लेखक उस प्रेरणा को अपनी अनुभूति के अनुसार अलग रूप देता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त तर्कों और उदाहरणों सहित दो बिंदुओं में स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

सहमति:

- किसी रचनाकार के अनुभव, विचार, संघर्ष आदि अन्य लेखकों को भी प्रभावित कर सकते हैं।
- उन रचनाओं से नए लेखकों के मन में अपने विचार, प्रेरणा, आंतरिक विवशता उत्पन्न हो सकती है।
- अनुभूति या भीतरी विवशता अज्ञेय के लिए ही नहीं, किसी भी लेखक के लिए प्रेरणा-स्रोत हो सकती है।

असहमति:

- रचना स्वयं की आंतरिक अनुभूति और विवशता से ही उत्पन्न होती है।
- अन्य रचनाकारों की रचनाएँ बाहरी दबाव का एक रूप हो सकती हैं।
- किसी एक लेखक के प्रेरणास्रोत अन्य लेखकों के प्रत्यक्ष अनुभव/अनुभूति का विषय नहीं हो सकते।

प्रश्न 33 **2026** (3/1/2)

किसी रचनाकार की रचना पर अन्य रचनात्मक/कलात्मक कृतियों का भी प्रभाव पड़ता है। इस कथन के पक्ष या विपक्ष में उपयुक्त तर्कों एवं उदाहरणों के साथ 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में अपनी टिप्पणी लिखिए।

आदर्श उत्तर

मैं इस कथन के पक्ष में हूँ। किसी एक रचना को पढ़, सुन या देखकर लोग अन्य रचनाएँ करते हैं, जैसे वाल्मीकि की 'रामायण' की मूल कथा के आधार पर तुलसीदास सहित अनेक कवियों ने अपनी रचनाएँ कीं। पाठ में अज्ञेय भी जले पत्थर पर बनी छाया रूपी दृश्य से प्रेरित होकर कविता लिखते हैं। चित्र, संगीत और फ़िल्में भी लेखकों की संवेदना को जगाकर उन्हें नई रचना की ओर ले जाती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी कथन के पक्ष या विपक्ष में दो उपयुक्त बिंदुओं में उदाहरण सहित स्वतंत्र तर्कपूर्ण टिप्पणी लिखेंगे, जैसे-

पक्ष:

- किसी एक रचना को पढ़/सुन/देखकर भी लोग अन्य रचनाएँ करते हैं; जैसे महर्षि वाल्मीकि की कृति 'रामायण' की मूल कथा पर आधारित अनेक रचनाएँ बाद में भी की गईं।
- किसी कृति को पढ़ और कलाकृति को देखकर समान या स्तरीय रचना की आकांक्षा होना संभव है।
- किसी रचना में वर्णित अनुभव, विचार, संघर्ष आदि अन्य लेखकों को भी गहराई से प्रभावित करते हैं। उनसे लेखकों के मन में विचार प्रेरणा, संवेदना, व्याकुलता या आंतरिक विवशता उत्पन्न हो सकती है।

विपक्ष:

- कई बार दूसरों की कृतियाँ नहीं पढ़ने वाला लेखक भी अच्छी रचनाएँ कर सकता है जबकि एक गहन पाठक सिर्फ पाठक बनकर रह जाता है, रचना नहीं कर पाता।
- रचनाकार अपने भीतर की व्याकुलता या विवशता से प्रेरित होकर रचना कर पाता है।
- अज्ञेय जी का भी मानना है कि अन्य रचनाएँ बाह्य प्रेरणा के रूप में कार्य कर सकती हैं, परंतु आंतरिक विवशता का साधन नहीं बनतीं।
- रचनाकार को रचना करने के लिए आवश्यक भीतरी व्याकुलता अनुभूति से आती है।

प्रश्न 34 **2026** (3/1/3)

एक रचनाकार सबसे अलग-थलग अपनी ही धुन में डूबा रहता है। इस कथन के पक्ष या विपक्ष में उपयुक्त तर्कों एवं उदाहरणों के साथ 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

आदर्श उत्तर

मैं इस कथन से आंशिक रूप से सहमत हूँ। लिखते समय रचनाकार अपनी रचनात्मक यात्रा में डूब जाता है; भीड़ में नहीं लिखा जा सकता, इसलिए वह एकांत चाहता है। पर वह समाज से कटा हुआ नहीं होता। अज्ञेय हिरोशिमा के पीड़ितों का दर्द अनुभव करके ही कविता लिख पाए।

रचना की सामग्री समाज से ही मिलती है; अतः रचनाकार समाज से जुड़ा रहकर एकांत में सृजन करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर पक्ष या विपक्ष में दो बिंदुओं में स्वतंत्र और तार्किक उत्तर सोदाहरण लिखेंगे, जैसे -

पक्ष में:

- रचनाकार रचनात्मक यात्रा में रहता है, वह लिखने या रचनात्मक सुख/शांति में डूब जाता है। भीड़ में नहीं लिखा जा सकता। (उदाहरण- बहुत से लेखक पहाड़ी क्षेत्रों में या लेखकों के लिए बनी रेजीडेंसी में जाकर लिखते हैं)
- रचनाकार के मन में निरंतर नए विचार और भावनाएँ उत्पन्न होती रहती हैं, अकसर वह अपने चिंतन में डूबा रहता है। (उदाहरण- अज्ञेय ने हिरोशिमा की विभीषिका के बारे में अनेक लेख और समाचार इत्यादि पढ़े, जिनके चिंतन से उनके मन में अनेक विचार उत्पन्न हुए)

विपक्ष में:

- लेखक अपने लेखन के लिए विषय-वस्तु समाज से ग्रहण करता है; ऐसे में उसका पूरी तरह अलग-थलग रहना असंभव है। (उदाहरण-'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के लेखक द्वारा हिरोशिमा कविता की रचना, सिक्किम के समाज का 'साना -साना हाथ जोड़ि...' में वर्णन)
- रचनाकार अपने लेखन के माध्यम से समाज की समस्याओं और भावनाओं को व्यक्त करता है। यदि रचनाकार समाज से कट जाए, तो उसकी रचना प्रभावशाली नहीं बन सकती। (उदाहरण – 'नेताजी का चश्मा' कहानी सामाजिक परिवेश से प्रभावित है)

प्रश्न 35 **2026** (3/2/1)

'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ में 'मनुष्य निर्मित विभीषिका का चित्र खींचा गया है' -- इस कथन की पुष्टि कीजिए। ऐसी विभीषिकाओं की रोकथाम के दो उपाय लिखिए।

आदर्श उत्तर

पाठ में हिरोशिमा पर गिराए गए मनुष्य-निर्मित परमाणु बम के विनाशकारी प्रभाव का चित्र है। विस्फोट के वर्षों बाद भी अस्पताल में रेडियोधर्मी पदार्थ से पीड़ित लोग कष्ट पा रहे थे और जले पत्थर पर मनुष्य की छाया अंकित थी। ऐसी विभीषिकाओं की रोकथाम के लिए परमाणु हथियारों के निर्माण और प्रयोग पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगना चाहिए तथा देशों को अपने विवाद युद्ध से नहीं, बातचीत और शांति से सुलझाने चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए विभीषिका से संबंधित दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

विभीषिका:

- मनुष्य निर्मित परमाणु बम के विनाशकारी प्रभाव
- मानवीय त्रासदी, मनुष्य का भाप बनकर उड़ जाना और उसकी झुलसी हुई छाया पत्थर पर अंकित हो जाना
- युद्ध से उपजी पीड़ा
- निर्दोष मानवों और अन्य जीव-जंतुओं की क्षति
- विस्फोट के वर्षों बाद भी उसके दुष्प्रभावों से पीड़ित रहना;

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए विभीषिका की रोकथाम के दो उपाय स्वतंत्र और उपयुक्त बिंदुओं में लिखेंगे, जैसे–

रोकथाम के उपाय:

- जागरूकता द्वारा विनाशकारी अस्त्रों के निर्माण और प्रयोग पर रोकथाम करना
- शांति की दिशा में जनमत निर्माण करना
- संवेदना से विश्व शांति और मानव कल्याण की भावना का विकास करना

- वैज्ञानिक समुदाय का लोक-कल्याणकारी आविष्कारों के लिए प्रेरित होना
- शांति की दिशा में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को सुदृढ़ करना
- तकनीक का विवेकपूर्ण प्रयोग करना
- विज्ञान का सदुपयोग मनुष्यता, पर्यावरण और शांति के लिए सुनिश्चित करना

प्रश्न 36 **2026** (3/2/2)

'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के द्वारा मनुष्य को विज्ञान के दुरुपयोग के प्रति चेतावनी भी मिलती है, कैसे? हम वर्तमान समय में विज्ञान का दुरुपयोग किस प्रकार रोक सकते हैं? अपने सुझाव दीजिए।

आदर्श उत्तर

हिरोशिमा की त्रासद अवस्था – राख हुआ शहर, वर्षों बाद भी कष्ट पाते पीड़ित और पत्थर पर अंकित मनुष्य की छाया – देखकर चेतावनी मिलती है कि विज्ञान का दुरुपयोग पूरी मानवता को नष्ट कर सकता है। दुरुपयोग रोकने के लिए विनाशकारी हथियारों पर कड़े अंतरराष्ट्रीय नियम बनें, विज्ञान की शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए और लोगों को जागरूक बनाकर विज्ञान का उपयोग केवल कल्याणकारी कार्यों में किया जाए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कैसे:

हिरोशिमा की त्रासद अवस्था देखकर;

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए विज्ञान के दुरुपयोग को रोकने के लिए तीन बिंदुओं में स्वतंत्र उपयुक्त सुझाव लिखेंगे, जैसे-

सुझाव:

- जन कल्याण और मनुष्यता की रक्षा में विज्ञान का उपयोग करना
- विज्ञान का इस्तेमाल व्यक्ति, समुदाय, राष्ट्र की प्रगति में करना
- मानव जीवन को सरल, सहज और सुविधासंपन्न बनाने में विज्ञान का इस्तेमाल करना
- हिरोशिमा जैसी त्रासदी के लिए उत्तरदायी विनाशकारी अस्त्रों के निर्माण और प्रयोग पर रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना
- संवेदना से विश्व शांति और मानव कल्याण की भावना का विकास करना
- वैज्ञानिक समुदाय को लोक कल्याणकारी आविष्कारों के लिए प्रेरित करना
- शांति की दिशा में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना
- जागरूकता द्वारा शांति की दिशा में जनमत निर्माण करना

प्रश्न 37 **2026** (3/2/3)

'मैं क्यों लिखता हूँ?' - पाठ के द्वारा विज्ञान की असीमित शक्ति के सामने विवश मनुष्यता नज़र आती है, कैसे? इस असीमित शक्ति के सदुपयोग के उपाय लिखिए।

आदर्श उत्तर

हिरोशिमा में परमाणु बम ने पल भर में पूरा शहर ध्वस्त कर दिया; विस्फोट के वर्षों बाद भी अस्पताल में लोग रेडियोधर्मी प्रभाव से पीड़ित थे। मनुष्य अपनी ही बनाई शक्ति के सामने असहाय था; यहाँ तक कि वह भाप बनकर पत्थर पर छाया मात्र रह गया। इस शक्ति के सदुपयोग के लिए परमाणु ऊर्जा का प्रयोग बिजली, चिकित्सा और कृषि जैसे कल्याणकारी कार्यों में हो तथा उस पर विवेक और कानून का नियंत्रण रहे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

विवशता:

- परमाणु बम द्वारा विध्वंस
- हिरोशिमा के अस्पताल में परमाणु बम विस्फोट के वर्षों बाद भी रेडियोधर्मी प्रभाव से पीड़ित लोग
- मनुष्य का विज्ञान की असीमित शक्ति के दुरुपयोग का शिकार बनना; जैसे विस्फोट के बाद चट्टान पर अंकित आदमी की छाया

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी दो बिंदुओं में स्वतंत्र उपयुक्त उपाय लिखेंगे, जैसे-

सदुपयोग के उपाय:

- विकास और मानव-कल्याण के लिए उपयोग करना, जैसे- इलाज और दवाओं की खोज, विद्युत निर्माण
- शांति की दिशा में उपयोग करना, जैसे- हथियारों की रोकथाम
- सकारात्मक कार्यों के लिए उपयोग करना, जैसे- पर्यावरण संरक्षण

प्रश्न 38 **2026** (3/3/1)

'अज्ञेय' के अनुसार प्रत्यक्ष अनुभव की अपेक्षा अनुभूति लेखन में कहीं अधिक मदद करती है। क्यों? आप लेखन में अनुभव और अनुभूति में से किसे अधिक महत्त्व देना चाहेंगे? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर तर्कपूर्ण उत्तर लिखिए।

आदर्श उत्तर

अज्ञेय के अनुसार अनुभव बाहरी होता है, जबकि अनुभूति आंतरिक; अनुभूति संवेदना और कल्पना के सहारे उस सत्य को भी आत्मसात कर लेती है जो रचनाकार के साथ घटा नहीं। यही गहराई लेखक को लिखने के लिए विवश करती है, इसलिए वह लेखन में अधिक मदद करती है। मैं भी अनुभूति को अधिक महत्त्व देना चाहूँगा, क्योंकि केवल देखी हुई घटना का वर्णन सूचना भर है; भीतर से महसूस की गई बात ही पाठक को छूती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त कारण लिखेंगे-

कारण:

- अनुभव बाह्य होता है जबकि अनुभूति आंतरिक
- अनुभूति से जागृत संवेदना के कारण लेखन की व्याकुलता
- अनुभूतिजन्य लेखन के द्वारा आभ्यंतरिक विवशता से मुक्ति
- श्रेष्ठ रचना या कृति अनुभूति से ही संभव (अन्य उपयुक्त कारण भी स्वीकार्य)

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- अगर मैं लेखन के क्षेत्र में आया/आई तो अनुभव आधारित लेखन करूँगा/करूँगी, क्योंकि वह प्रामाणिक होता है।

अथवा

- अगर मैं लेखन के क्षेत्र में आया/आई तो अनुभूति आधारित लेखन करूँगा/करूँगी क्योंकि अनुभूति की प्रबलता से अन्य लोगों के अनुभव भी स्व-अनुभूत

किए जा सकते हैं।

प्रश्न 39 **2026** (3/3/2)

'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर प्रत्यक्ष अनुभव और अनुभूति को स्पष्ट करते हुए लेखक पर पड़ने वाले इनके प्रभाव को लिखिए। आप दोनों में से किसे महत्त्व देते हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रत्यक्ष अनुभव वह है जो हमारे सामने घटित हुआ हो; अनुभूति वह है जिसमें संवेदना और कल्पना के सहारे हम किसी सत्य को भीतर से भोक्ता की तरह महसूस करते हैं। हिरोशिमा का अस्पताल देखकर लेखक को अनुभव हुआ, पर उससे वह लिख नहीं सका; जले पत्थर पर छाया देखकर हुई अनुभूति ने उसे कविता लिखने को विवश कर दिया। मैं अनुभूति को अधिक महत्त्व देता हूँ, क्योंकि वही भीतर तक बदलती और सृजन कराती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले और दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर अनुभव, अनुभूति और इनके प्रभाव का तर्कपूर्ण उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- प्रत्यक्ष अनुभव: जिसे हमने घटित होते हुए देखा हो/ जो स्वयं हमारे सामने घटित हो/ अनुभव का सच
- अनुभूति: जो घटना हमारे अनुभव की न हो, पर आंतरिक स्तर पर उसे हमने भोक्ता की तरह महसूस किया हो/ जिसे हमने अपने आंतरिक धरातल पर

  महसूस किया हो भले ही वह घटना हमने देखी हो या नहीं

लेखक पर प्रभाव:

- लेखक का स्वयं हिरोशिमा की विभीषिका का भोक्ता बन जाना
- हिरोशिमा के जले पत्थर पर बनी मनुष्य की छाया को देखकर युद्ध की विभीषिका की तीव्र अनुभूति और लिखने की व्याकुलता
- मन की व्याकुलता का बुद्धि के क्षेत्र से बढ़कर संवेदना के स्तर पर आना और लेखन के लिए विवश होना (कोई एक बिंदु अपेक्षित)

प्रश्न के तीसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

अनुभव आधारित लेखन अधिक महत्त्वपूर्ण क्योंकि

- वह प्रामाणिक होता है।
- इससे घटना स्वयं भोगी हुई होगी और ज्यादा स्पष्ट, वास्तविकता के नज़दीक हो सकेगी।

अनुभूति आधारित लेखन अधिक महत्त्वपूर्ण क्योंकि

- अनुभूति की प्रबलता से अन्य लोगों के अनुभव भी स्व-अनुभूत किए जा सकते हैं।
- अनुभव तो सभी करते हैं; लेखन के द्वारा प्रभावी संप्रेषण वही कर पाता है जो अनुभूति तक पहुँचता है।

प्रश्न 40 **2026** (3/3/3)

किसी लेखक के लिखने के पीछे कौन-से कारण होते हैं? अज्ञेय किन कारणों को महत्त्व देते थे और क्यों? 'मैं क्यों लिखता हूँ?' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

किसी लेखक के लिखने के पीछे बाहरी और आंतरिक कारण होते हैं। बाहरी विवशता में संपादकों का आग्रह, प्रकाशक की माँग और अपनी आर्थिक आवश्यकताएँ आती हैं। आंतरिक विवशता में लेखक अपने भीतर की आकुलता को पहचानकर उससे मुक्ति पाना चाहता है। अज्ञेय आंतरिक कारणों को महत्त्व देते थे, क्योंकि उनके अनुसार सच्ची कृति भीतरी अनुभूति से ही जन्म लेती है और लिखकर ही लेखक स्वयं को जान पाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के तीनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कारण:

- बाहरी विवशता: संपादकों का आग्रह, प्रकाशक की माँग, लेखक की अपनी आर्थिक आवश्यकताएँ
- आंतरिक विवशता: अपनी आंतरिक विवशता को पहचानना और उससे मुक्ति पाना, लेखन के कारणों को स्वयं भी जानने की इच्छा

अज्ञेय द्वारा महत्त्व:

- आंतरिक/ भीतरी विवशता
- अनुभूति

महत्त्व दिए जाने का कारण:

- अनुभूति और संवेदनात्मक दबाव ही लेखक को लिखने के लिए विवश करते हैं।
- अनुभूति ही सच्ची रचनात्मकता/ कृति को संभव बनाती है।

प्रश्न 41 2026 (3/4/1)

हिरोशिमा जाने पर लेखक को क्या प्रत्यक्ष अनुभव हुआ? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

हिरोशिमा जाने पर लेखक को विश्व-युद्ध के दौरान हुए अणु-बम विस्फोट की विभीषिका और विज्ञान के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष अनुभव हुआ। उसने वह अस्पताल देखा जहाँ रेडियोधर्मी पदार्थ से पीड़ित लोग वर्षों से कष्ट पा रहे थे। फिर उसने परमाणु विस्फोट के समय जले हुए एक पत्थर पर बनी मनुष्य की लंबी उजली छाया देखी, जिसने उसे भीतर तक हिला दिया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

प्रत्यक्ष अनुभव:

- विश्व युध्द के दौरान अणु-बम के विस्फोट की विभीषिका
- विज्ञान के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष अनुभव
- हिरोशिमा के अस्पताल में रेडियमधर्मी पदार्थ से पीड़ित लोग
- परमाणु विस्फोट के समय जले हुए पत्थर पर बनी किसी व्यक्ति की लंबी उजली छाया (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न 42 2026 (3/4/2)

कृतिकार की ईमानदारी से आप क्या समझते हैं? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि इस ईमानदारी के समक्ष किस तरह की लेखकीय विवशताएँ आ जाती हैं?

आदर्श उत्तर

कृतिकार की ईमानदारी का अर्थ है कि वह अपने सामने सदैव यह भेद बनाए रखे कि उसकी कौन-सी कृति भीतरी प्रेरणा का फल है और कौन-सा लेखन बाहरी दबाव का; वह मन के द्वंद्व को छिपाए नहीं। इस ईमानदारी के सामने संपादकों का आग्रह, प्रकाशकों के तकाज़े और आर्थिक आवश्यकता जैसी लेखकीय विवशताएँ आ जाती हैं, जिनके कारण लेखक को कई बार भीतरी प्रेरणा के बिना भी लिखना पड़ता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर एक बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कृतिकार की ईमानदारी का अर्थ:

- अपने सम्मुख सदैव यह भेद बनाए रखना कि कौन-सी कृति भीतरी प्रेरणा का फल है और कौन-सा लेखन बाहरी दबाव का
- मन के दबाव/ भीतरी विवशता से मुक्त होने के लिए लेखन

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर तीन बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

लेखकीय विवशताएँ:

- संपादक का आग्रह
- प्रकाशक का दबाव
- आर्थिक आवश्यकताएँ

प्रश्न 43 2026 (3/4/3)

लेखक ने हिरोशिमा में पत्थर पर लिखी कौन-सी त्रासदी (ट्रेजिडी) देखी? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

लेखक ने हिरोशिमा में एक जले हुए पत्थर पर अंकित मनुष्य की लंबी उजली छाया देखी। यह छाया उस व्यक्ति की थी जो परमाणु विस्फोट के समय वहाँ मौजूद था; रेडियोधर्मी किरणों से उसका शरीर भाप बनकर उड़ गया और पत्थर पर केवल उसकी छाया रह गई। परमाणु बम की भयावहता और विनाश से उत्पन्न मानव की यही समूची त्रासदी मानो उस पत्थर पर लिखी हुई थी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

परमाणु बम की भयावहता और विनाश से उत्पन्न त्रासदी:
हिरोशिमा में एक जले हुए पत्थर पर अंकित मनुष्य की लंबी उजली छाया; यह छाया परमाणु बम विस्फोट के समय वहाँ मौजूद व्यक्ति की थी जिसका शरीर विस्फोट के समय रेडियमधर्मी किरणों के प्रभाव से भाप बन उड़ गया।

प्रश्न 44 2026 (3/5/1)

लेखक अज्ञेयजी ने 'हिरोशिमा' कविता किस मानसिक स्थिति में लिखी? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए।

आदर्श उत्तर

अज्ञेय ने 'हिरोशिमा' कविता प्रत्यक्ष अनुभूति से उत्पन्न विवशता की स्थिति में लिखी। हिरोशिमा में पत्थर पर व्यक्ति की छाया देखकर उन्हें लगा कि वे स्वयं उस विस्फोट के भोक्ता हैं। वहाँ के भयावह दृश्यों से उनके भीतर गहरी व्याकुलता और संवेदना जाग उठी थी। इसी आंतरिक आकुलता से मुक्ति पाने के लिए उन्होंने भारत लौटकर रेल में बैठे-बैठे यह कविता लिखी।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर किन्हीं दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- प्रत्यक्ष अनुभूतिजन्य विवशता: हिरोशिमा में पत्थर पर व्यक्ति की छाया को देखकर उत्पन्न हुई प्रत्यक्ष अनुभूति से विवश होकर
- आंतरिक व्याकुलता और संवेदना: हिरोशिमा के भयावह दृश्यों को देखकर आंतरिक व्याकुलता और संवेदना की दशा के वशीभूत होकर
- मानवीय त्रासदी की अनुभूति: जले हुए पत्थर पर उभरी लंबी-उजली छाया को मानवीय त्रासदी की साखी (साक्ष्य) के रूप में स्वीकार करके

प्रश्न 45 2026 (3/5/2)

'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लेखक के दृष्टिकोण से 'कृति' का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखिए कि वे कौन सी विवशताएँ हैं जो किसी भी लेखक को लिखने के लिए विवश करती हैं?

आदर्श उत्तर

लेखक के दृष्टिकोण से 'कृति' वही रचना है जो आंतरिक अनुभूति और संवेदनाओं से युक्त हो तथा भीतरी प्रेरणा से जन्मी हो। लेखक को लिखने के लिए दो तरह की विवशताएँ विवश करती हैं। आंतरिक विवशता में वह लेखन के कारणों को जानना और भीतर की आकुलता से मुक्त होना चाहता है। बाहरी विवशता में संपादकों का आग्रह, प्रकाशकों की माँग और आर्थिक आवश्यकता आती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

कृति का अर्थ:

आंतरिक अनुभूति और संवेदनाओं से युक्त रचना;

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर आंतरिक और बाहरी विवशताओं के तीन उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

आंतरिक विवशता:

- लेखन के कारणों को स्वयं भी जानने की इच्छा
- अनुभूति का दबाव
- स्वयं को जानने की इच्छा

बाहरी विवशताएँ:

- संपादक का आग्रह
- प्रकाशक की माँग
- आर्थिक आवश्यकता

प्रश्न 46 **2026** (3/5/3)

लेखक की आशभ्यांतर विवशता क्या होती है? आंतरिक विवशता के अतिरिक्त लेखन कर्म करने के बाहरी कारकों का उल्लेख कीजिए। 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

आदर्श उत्तर

लेखक की आभ्यंतर विवशता उसके मन में उत्पन्न वह तीव्र संवेदनात्मक अनुभूति और व्याकुलता है जो उसे लिखे बिना चैन नहीं लेने देती; लिखकर ही वह उससे मुक्त होता है। इसके अतिरिक्त लेखन के बाहरी कारक भी होते हैं – संपादकों का आग्रह, प्रकाशक का दबाव या तकाज़ा और लेखक की अपनी आर्थिक विवशता। कुछ लेखक प्रसिद्धि पाने के लिए भी लिखते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

आभ्यंतर विवशता:

- मन में उत्पन्न तीव्र संवेदनात्मक आंतरिक अनुभूति और व्याकुलता

बाहरी कारक:

- संपादकों का आग्रह
- प्रकाशक का दबाव
- आर्थिक विवशता/दायित्व

भाग 3

व्यावहारिक व्याकरण : प्रकारवार प्रश्नोत्तर

रचना के आधार पर वाक्य-भेद

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2025–2026 का प्रारूप)

प्रश्न 1 2025 (3/1/1)

जब अधिक बारिश होती है तब सड़कों पर पानी भर जाता है। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर अधिक बारिश होने पर सड़कों पर पानी भर जाता है।

प्रश्न 2 2025 (3/1/1)

कल सोते समय मैंने एक सुंदर सपना देखा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर कल मैं सोई / सोया और मैंने एक सुंदर सपना देखा।

प्रश्न 3 2025 (3/1/1)

रेखा दीदी ने कहा कि शोर मत मचाओ। (आश्रित उपवाक्य पहचानिए और उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर शोर मत मचाओ - संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 4 2025 (3/1/1)

मुक्तेश्वर की यात्रा में हमने हिमालय की अभिराम छवि को देखा। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर जब हमने मुक्तेश्वर की यात्रा की तब हिमालय की अभिराम छवि को देखा।

प्रश्न 5 2025 (3/1/1)

श्री लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया था। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 6 2025 (3/1/2)

उनके मन में अपनी माँ और बड़ी बहन के लिए बहुत स्नेह था। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 7 2025 (3/1/2)

वे इलाहाबाद में रहते हुए बार-बार दिल्ली आते-जाते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर वे इलाहाबाद में रहते थे और बार-बार दिल्ली आते-जाते थे।

प्रश्न 8 2025 (3/1/2)

माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था कि लड़का हाथ से गया। (आश्रित उपवाक्य पहचानिए और उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर लड़का हाथ से गया - संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 9 2025 (3/1/2)

पत्र पढ़ते ही पिताजी खुशी से झूम उठे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर जैसे ही पत्र पढ़ा, पिताजी खुशी से झूम उठे।

प्रश्न 10 2025 (3/1/2)

हमारे बीच से वह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा था। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर हमारे बीच से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा वह चला गया।

अथवा

हममें से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा वह चला गया।

प्रश्न 11 2025 (3/1/3)

समृद्ध बचपन जीने वाले लोग सदा प्रसन्न रहते हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर जो लोग समृद्ध बचपन जीते हैं, वे सदा प्रसन्न रहते हैं।

अथवा

जो समृद्ध बचपन जीने वाले लोग हैं, वे सदा प्रसन्न रहते हैं।

प्रश्न 12 2025 (3/1/3)

तुम विद्यालय जाकर पढ़ाई करो। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर तुम विद्यालय जाओ और पढ़ाई करो।

प्रश्न 13 2025 (3/1/3)

हालदार साहब ने पान खाया और धीरे से पान वाले से पूछा। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर हालदार साहब ने पान खाकर धीरे से पान वाले से पूछा।

प्रश्न 14 2025 (3/1/3)

वे आगे-आगे बढ़ते चलते, भीड़ उनके पीछे लंबी होती जाती। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर संयुक्त वाक्य

प्रश्न 15 2025 (3/1/3)

जो लोग सुबह जगते हैं उन्हें सूर्योदय का दर्शन सहज ही होता है। (आश्रित उपवाक्य पहचानिए और उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जो लोग सुबह जगते हैं - विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 16 2025 (3/2/1)

वे भारत में बस जाने के बाद दो या तीन बार अपने परिवार से मिलने भारत से बेल्ज़ियम गए थे। (रचना के अनुसार वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 17 2025 (3/2/1)

जो शांति बरसती थी वह चेहरे पर थिर थी। (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर जो शांति बरसती थी - विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 18 2025 (3/2/1)

वेरिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर वे रिश्ता बनाकर तोड़ते नहीं थे।

प्रश्न 19 2025 (3/2/1)

अपने अभिन्न मित्र डॉ. रघुवंश को वे उन चिट्ठियों को दिखाते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर डॉ. रघुवंश उनके अभिन्न मित्र थे और वे उन्हें उन चिट्ठियों को दिखाते थे।

प्रश्न 20 2025 (3/2/1)

उनकी बहन सख़्त और ज़िद्दी थी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर उनकी जो बहन थी, वह सख्त और ज़िद्दी थी।

प्रश्न 21 2025 (3/2/2)

काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर काशी में संगीत आयोजन की एक परंपरा है जो प्राचीन एवं अद्भुत है।

प्रश्न 22 2025 (3/2/2)

अमीरुद्दीन दो पैसे मामू से, दो पैसे मौसी से और दो पैसे नानी से लेता था। (रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 23 2025 (3/2/2)

दसवीं कक्षा तक आलम यह था कि वे बिना चुनाव किए किताबें पढ़ती थी। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर भेद भी लिखिए)

उत्तर वे बिना चुनाव किए किताबें पढ़ती थी- संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 24 2025 (3/2/2)

हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ पिता के ठीक विपरीत थी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर हमारी माँ बेपढ़ी-लिखी थी और पिता के ठीक विपरीत थी।

प्रश्न 25 2025 (3/2/2)

इधर सुलोचना की फ़िल्म आई, उधर अमीरुद्दीन अपनी कमाई लेकर फ़िल्म देखने चल देता था। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर सुलोचना की फ़िल्म आते ही अमीरुद्दीन अपनी कमाई लेकर फ़िल्म देखने चल देता था।

प्रश्न 26 2025 (3/2/3)

अपनी पितृ-गाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव-गान करना है। (रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर मिश्र / मिश्रित वाक्य

प्रश्न 27 2025 (3/2/3)

विद्यार्थी को अपना निश्चित अध्ययन पूरा करने के बाद जो समय बचे उसमें पत्र-पत्रिकाएँ पढ़नी चाहिए। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर विद्यार्थी को निश्चित अध्ययन पूरा करने के बाद बचे समय में पत्र-पत्रिकाएँ पढ़नी चाहिए।

प्रश्न 28 2025 (3/2/3)

हम भाई-बहिनों का सारा लगाव माँ के साथ था लेकिन उनका त्याग मेरा आदर्श नहीं बन पाया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर यद्यपि हम भाई-बहिनों का सारा लगाव माँ के साथ था फिर भी उनका त्याग मेरा आदर्श नहीं बन पाया।

प्रश्न 29 2025 (3/2/3)

अपनों के हाथों लगी विश्वासघात की गहरी चोटों ने पिता को शक्की बना दिया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर अपनों के हाथों विश्वासघात की गहरी चोटें लगी इसलिए पिता शक्की बन गए।

प्रश्न 30 2025 (3/2/3)

जब अन्य लड़कियाँ सुघड़ गृहिणी बनने के नुस्खे सीखतीं, मैं राजनीतिक बहसों में शामिल रहती। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर भेद भी लिखिए)

उत्तर जब अन्य लड़कियाँ सुघड़ गृहिणी बनने के नुस्खे सीखतीं- क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 31 2025 (3/3/1)

हमने सुना कि बालगोबिन भगत का बेटा नहीं रहा। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर बालगोबिन भगत का बेटा नहीं रहा - संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 32 2025 (3/3/1)

नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए थे। (रचना के अनुसार वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)।

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 33 2025 (3/3/1)

उनकी अंगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं, उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर जब उनकी अँगुलियाँ खंजड़ी पर लगातार चल रही थीं तब उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था।

प्रश्न 34 2025 (3/3/1)

कुतूहलवश जब मैं उनके घर गया तो देखकर दंग रह गया (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर मैं कुतूहलवश उनके घर गया और देखकर दंग रह गया।

प्रश्न 35 2025 (3/3/1)

बालगोबिन भगत एक-एक पद गाते और उनकी मंडली उसे दुहराती-तिहराती थी। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर बालगोबिन भगत की मंडली उनके गाए एक-एक पद को दुहराती-तिहराती थी।

अथवा

बालगोबिन भगत के एक-एक पद गाने पर उनकी मंडली दुहराती-तिहराती थी।

प्रश्न 36 2025 (3/3/2)

वे बचपन से ही अन्याय सहन नहीं कर पाती थीं। (रचना के अनुसार वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 37 2025 (3/3/2)

जो काम अपना उद्देश्य आप होते हैं उन्हें खेल कहते हैं। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर अपना उद्देश्य आप होने वाले कामों को खेल कहते हैं।

प्रश्न 38 2025 (3/3/2)

उनके उपदेशों को उनके शिष्यों ने याद कर लिया था। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर उनके जो उपदेश थे उन्हें उनके शिष्यों ने याद कर लिया था।

प्रश्न 39 2025 (3/3/2)

रमा बाई ने पलटकर पूछा कि स्त्रियाँ ऐसे कानूनों को सहन क्यों करती हैं? (आश्रित उपवाक्य पहचानकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर स्त्रियाँ ऐसे कानूनों को सहन क्यों करती हैं? - संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 40 2025 (3/3/2)

खचाखच भरे हॉल में एक युवती अधिवेशन को संबोधित करने के लिए उठी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर हॉल खचाखच भरा हुआ था और एक युवती अधिवेशन को संबोधित करने के लिए उठी।

अथवा

खचाखच भरे हॉल में एक युवती को अधिवेशन को संबोधित करना था इसलिए वह उठी।

प्रश्न 41 2025 (3/3/3)

संगीत और साहित्य की अनेक परंपराएँ लुप्त हो गईं। (रचना के अनुसार वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 42 2025 (3/3/3)

प्रसाद जी के मित्रों ने आग्रह किया कि वे भी आत्मकथा लिखें। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर वे भी आत्मकथा लिखें - संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 43 2025 (3/3/3)

काशी की सांस्कृतिक नगरी के रूप में जो प्रसिद्धि है, वह सर्वविदित है। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर सांस्कृतिक नगरी के रूप में काशी की प्रसिद्धि सर्वविदित है।

प्रश्न 44 2025 (3/3/3)

बालाजी मंदिर तक जाने का एक रास्ता यह भी है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर यह भी एक रास्ता है जो बालाजी मंदिर तक जाता है।

प्रश्न 45 2025 (3/3/3)

शहनाई की मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस में भी सच्चा सुर माँग रहे हैं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर शहनाई की मंगल ध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब हैं और वे अस्सी बरस में भी सच्चा सुर माँग रहे हैं।

प्रश्न 46 2025 (3/4/1)

एक बड़ी बात यह थी कि काशी के पास बिस्मिल्ला खाँ जैसा नायाब हीरा था। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

उत्तर काशी के पास बिस्मिल्ला खाँ जैसा नायाब हीरा था और यह एक बड़ी बात थी।

प्रश्न 47 2025 (3/4/1)

परंपरा को ज्यों का त्यों स्वीकार नहीं करना इस लेख की विशेषता है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर इस लेख की विशेषता है कि यह परंपरा को ज्यों का त्यों स्वीकार नहीं करता।

प्रश्न 48 2025 (3/4/1)

जहाँ तुम्हारा घर है वहीं पास में मेरा भी घर है। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जहाँ तुम्हारा घर है - क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 49 2025 (3/4/1)

वह असहयोग आंदोलन से प्रभावित हुए और उन्होंने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर असहयोग आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने सरकारी नौकरी से त्याग-पत्र दे दिया।

प्रश्न 50 2025 (3/4/1)

आज से ढाई हज़ार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने गृह त्याग दिया था। (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद का नाम लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 51 2025 (3/4/2)

वह स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 52 2025 (3/4/2)

शहनाई की जादुई आवाज़ का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

उत्तर शहनाई की आवाज़ जादुई होती है और उसका असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है।

प्रश्न 53 2025 (3/4/2)

जब मैं घर पहुँची तब रात हो चुकी थी। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जब मैं घर पहुँची- क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 54 2025 (3/4/2)

माना जा सकता है कि वे संस्कृत बोल सकती थीं। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर उनके संस्कृत बोल सकने की बात मानी जा सकती है।

प्रश्न 55 2025 (3/4/2)

'पानी बचाओ' विषय से जुड़े विज्ञापनों को एकत्रित कीजिए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर ऐसे विज्ञापनों को एकत्रित कीजिए जो 'पानी बचाओ' विषय से जुड़े हों।

अथवा

जो विज्ञापन 'पानी बचाओ' विषय से जुड़े हैं उन्हें एकत्रित कीजिए।

प्रश्न 56 2025 (3/4/3)

काशी में संगीत आयोजन की एक परंपरा है जो प्राचीन और अद्भुत है। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन और अद्भुत परंपरा है।

प्रश्न 57 2025 (3/4/3)

बिस्मिल्ला खाँ की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने 80 वर्ष की अवस्था तक संगीत सीखने की जिजीविषा को बनाए रखा। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

उत्तर बिस्मिल्ला खाँ ने 80 वर्ष की अवस्था तक संगीत सीखने की जिजीविषा को बनाए रखा और यह उनकी सबसे बड़ी विशेषता थी।

प्रश्न 58 2025 (3/4/3)

यही वह विवेकपूर्ण दृष्टि है जो संपूर्ण नवजागरण काल की विशेषता है। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर यह विवेकपूर्ण दृष्टि ही संपूर्ण नवजागरण काल की विशेषता है।

प्रश्न 59 2025 (3/4/3)

जब मैं विद्यालय पहुँची, छुट्टी हो चुकी थी। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जब मैं विद्यालय पहुँची- क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 60 2025 (3/4/3)

कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुःख में बिता दिया। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 61 2025 (3/5/1)

भदंत कौसल्यायन जी के देश-विदेश के भ्रमण ने उन्हें अनुभव और व्यापकता प्रदान की। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर भदंत कौसल्यायन जी ने देश-विदेश का भ्रमण किया जिसने उन्हें अनुभव और व्यापकता प्रदान की।

प्रश्न 62 2025 (3/5/1)

एक बड़ी बात यह थी कि काशी के पास बिस्मिल्ला खाँ जैसा नायाब हीरा था। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर काशी के पास बिस्मिल्ला खाँ जैसे नायाब हीरे का होना एक बड़ी बात थी।

अथवा

काशी के पास बिस्मिल्लाह खाँ जैसा नायब हीरा होना एक बड़ी बात थी।

प्रश्न 63 2025 (3/5/1)

जो शब्द सबसे कम समझ आते हैं वे हैं सभ्यता और संस्कृति। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर मिश्र वाक्य

प्रश्न 64 2025 (3/5/1)

क्रांतिकारी आंदोलन में भाग लेने के कारण अज्ञेय जी को जेल जाना पड़ा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर अज्ञेय जी ने क्रांतिकारी आंदोलन में भाग लिया इसलिए / अतः उन्हें जेल जाना पड़ा।

प्रश्न 65 2025 (3/5/1)

पिताजी चाहते थे कि वह एक सफल चिकित्सक बने। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर वह एक सफल चिकित्सक बने - संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 66 2025 (3/5/2)

सरल बोलचाल की भाषा में लिखे उनके निबंध, संस्मरण और यात्रा-वृत्तांत काफी चर्चित रहे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर उनके निबंध, संस्मरण और यात्रा वृत्तांत काफी चर्चित रहे जो कि सरल बोलचाल की भाषा में लिखे गए थे।

प्रश्न 67 2025 (3/5/2)

कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हो जातीं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर कार्तिक आता और बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हो जातीं थी।

प्रश्न 68 2025 (3/5/2)

जिसने सुई-धागे का आविष्कार किया उसमें कुछ खास ही योग्यता रही होगी। (स्चना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर मिश्र वाक्य

प्रश्न 69 2025 (3/5/2)

उसने बताया कि कॉलेज के गेट पर ताला लगा था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर कॉलेज के गेट पर ताला लगा था - संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 70 2025 (3/5/2)

मान लीजिए कि पुराने ज़माने में भारतीय स्त्रियाँ पढ़ी-लिखी थीं। (सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए)

उत्तर पुराने ज़माने में भारतीय स्त्रियों का पढ़ा लिखा होना मान लीजिए।

प्रश्न 71 2025 (3/5/3)

जिसने आग का आविष्कार किया वह कोई महान ही रहा होगा। (रचना की दृष्टि से वाक्य- भेद का नाम लिखिए)

उत्तर मिश्र वाक्य

प्रश्न 72 2025 (3/5/3)

मैंने देखा कि कुछ लोग नारे लगा रहे थे। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर कुछ लोग नारे लगा रहे थे - संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 73 2025 (3/5/3)

बिस्मिल्ला खाँ की सबसे बड़ी बात यही है कि उन्होंने 80 बरस तक संगीत सीखने की जिजीविषा को बनाए रखा। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर बिस्मिल्ला खाँ साहब की सबसे बड़ी बात 80 बरस तक संगीत सीखने की जिजीविषा को बनाए रखना है।

प्रश्न 74 2025 (3/5/3)

यह पीली टाँगों वाला हरे रंग का कबूतर की जाति का पक्षी है। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर यह पीली टाँगों वाला हरे रंग का पक्षी है और यह कबूतर की जाति का है।

प्रश्न 75 2025 (3/5/3)

भदंत कौसल्यायन जी के अनेक अनुदित ग्रंथों में जातक कथाओं का अनुवाद उल्लेखनीय है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर भदंत कौसल्यायन जी के अनेक अनूदित ग्रंथ हैं जिनमें जातक कथाओं का अनुवाद उल्लेखनीय है।

प्रश्न 76 2025 (3/6/1)

यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाए तो वह संस्कृति नहीं रह जाएगी। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर मिश्र वाक्य

प्रश्न 77 2025 (3/6/1)

जो ये बातें बता रहे हैं, वे पिताजी के मित्र हैं। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जो ये बातें बता रहे हैं- विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 78 2025 (3/6/1)

शहनाई की जादुई आवाज़ का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर शहनाई की जो जादुई आवाज़ है उसका असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है।

प्रश्न 79 2025 (3/6/1)

काशी में कलाधर-हनुमान हैं और नृत्य-विश्वनाथ हैं। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर काशी में कलाधर हनुमान और नृत्य-विश्वनाथ हैं।

प्रश्न 80 2025 (3/6/1)

खतरनाक रास्ते होने के कारण हम मौन हो गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर रास्ते खतरनाक थे इसलिए हम मौन हो गए।

प्रश्न 81 2025 (3/6/2)

काशी संस्कृति की पाठशाला है और शास्त्रों का आनंदकानन है। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर काशी संस्कृति की पाठशाला और शास्त्रों का आनंदकानन है।

प्रश्न 82 2025 (3/6/2)

यह वही महिला हैं जो पुस्तकालय में मिली थीं। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जो पुस्तकालय में मिली थीं।- विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 83 2025 (3/6/2)

पूजा-पाठ करके पिताजी राम-राम लिखते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर पिताजी पूजा-पाठ करते थे और राम-राम लिखते थे।

प्रश्न 84 2025 (3/6/2)

यदि कार्ल मार्क्स ने ऐसा जीवन न जिया होता तो हम उन्हें याद नहीं करते। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर मिश्र वाक्य

प्रश्न 85 2025 (3/6/2)

शकुंतला द्वारा रचे गए श्लोक की भाषा संस्कृत थी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर शकुंतला द्वारा जो श्लोक रचा गया उसकी भाषा संस्कृत थी।

अथवा

जो श्लोक शंकुतला द्वारा रचा गया उसकी भाषा संस्कृत थी।

अथवा

जिस श्लोक की रचना शकुंतला द्वारा की गई उसकी भाषा संस्कृत थी।

प्रश्न 86 2025 (3/6/3)

यह वही लड़का है, जो कल यहाँ आया था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जो कल यहाँ आया था। - विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 87 2025 (3/6/3)

काशी आज भी संगीत के स्वर पर जागती है और उसी के स्वरों पर सोती है। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर काशी आज भी संगीत के स्वर/स्वरों पर जागती और सोती है।

प्रश्न 88 2025 (3/6/3)

द्विवेदी जी ने लेखकों की सुविधा के लिए व्याकरण और वर्तनी के नियम स्थिर किए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर द्विवेदी जी ने व्याकरण और वर्तनी के जो नियम स्थिर किए वे लेखकों की सुविधा के लिए थे

अथवा

जिन व्याकरण और वर्तनी के नियमों को द्विवेदी जी ने स्थिर किया वे लेखकों की सुविधा के लिए थे

प्रश्न 89 2025 (3/6/3)

यदि सिद्धार्थ ने भी यही किया होता तो वह गौतम बुद्ध नहीं बन पाते। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर मिश्र वाक्य

प्रश्न 90 2025 (3/6/3)

सुबह की प्रार्थना के ये बोल मैंने एक नेपाली युवक से सीखे थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर ये बोल सुबह की प्रार्थना के थे और इन्हें मैंने एक नेपाली युवक से सीखा था।

अथवा

सुबह की प्रार्थना के ये बोल मैंने एक युवक से सीखे और वह नेपाली था।

प्रश्न 91 2026 (3/1/1)

जब उत्साह कविता लिखी गई तब देश आज़ाद नहीं था। (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद पहचान कर लिखिए)

उत्तर जब उत्साह कविता लिखी गई; क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 92 2026 (3/1/1)

वे जब उनका ज़िक्र करते हैं तब उसी नैसर्गिक आनंद में आँखें चमक उठती हैं। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर मिश्र/मिश्रित वाक्य

प्रश्न 93 2026 (3/1/1)

पान वाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित करने वाली। (सरल वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर पानवाले के लिए मज़ेदार बात हालदार साहब के लिए चकित करने वाली थी।

प्रश्न 94 2026 (3/1/1)

आषाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा। (संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर आषाढ़ की रिमझिम है और समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा।/ आषाढ़ की रिमझिम है इसलिए समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा।

प्रश्न 95 2026 (3/1/1)

पान वाले के खुद के मुँह में पान ठूँसा हुआ था। (मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर जो पानवाला था उसके खुद के मुँह में पान ठूँसा हुआ था।

प्रश्न 96 2026 (3/1/2)

ये नयी कहानी के लेखक है। (रचना के अनुसार वाक्य भेद लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 97 2026 (3/1/2)

हमारे बीच से वह चला गया जो सबसे अधिक छायादार वृक्ष समान था। (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद पहचान कर लिखिए)

उत्तर जो सबसे अधिक छायादार वृक्ष समान था; विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 98 2026 (3/1/2)

मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का बना छोटा-सा चश्मा रखा था। (संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर मूर्ति की आँखों पर छोटा-सा चश्मा रखा था और वह सरकंडे का बना था।/ मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का बना चश्मा रखा था और वह छोटा-सा था।

प्रश्न 99 2026 (3/1/2)

नवाब साहब ने होंठ पोंछ लिए और गर्व से हमारी ओर देखा। (सरल वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर नवाब साहब ने होंठ पोंछकर गर्व से हमारी ओर देखा।

प्रश्न 100 2026 (3/1/2)

बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी हैं। (मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर वे बालगोबिन भगत हैं, जो मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी हैं।/ वे जो मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी हैं, बालगोबिन भगत हैं।/ जो बालगोबिन भगत हैं, वे मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी हैं।

प्रश्न 101 2026 (3/1/3)

'स्टेशन पर जो खीरा बेचने वाले हैं वो खीरे के इस्तेमाल का तरीका जानते हैं।' (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद पहचान कर लिखिए)

उत्तर स्टेशन पर जो खीरा बेचने वाले हैं; विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 102 2026 (3/1/3)

'एक चश्मे वाला है जिसका नाम कैप्टन है।' (रचना की दृष्टि से वाक्य भेद लिखिए)

उत्तर मिश्रित/मिश्र वाक्य

प्रश्न 103 2026 (3/1/3)

शास्त्रों में आनंदकानन नाम से प्रतिष्ठित काशी संस्कृति की पाठशाला है। (संयुक्त वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर काशी संस्कृति की पाठशाला है और वह शास्त्रों में आनंदकानन नाम से प्रतिष्ठित है।/ काशी शास्त्रों में आनंदकानन नाम से प्रतिष्ठित है और वह संस्कृति की पाठशाला है।

प्रश्न 104 2026 (3/1/3)

पेट भरने और तन ढाँकने की इच्छा संस्कृति की जननी नहीं है। (मिश्र वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर जो पेट भरने और तन ढाँकने की इच्छा है, वह संस्कृति की जननी नहीं है।/ वह इच्छा संस्कृति की जननी नहीं है, जो पेट भरने और तन ढाँकने की है।/ जो इच्छा पेट भरने और तन ढाँकने की है, वह संस्कृति की जननी नहीं है।

प्रश्न 105 2026 (3/1/3)

यह सारी बातें मिथ्या हैं जिनको मैंने कहीं सुना है। (सरल वाक्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर मेरे द्वारा कहीं सुनी गईं यह/ ये सारी बातें मिथ्या हैं।/ इन सारी मिथ्या बातों को मैंने कहीं सुना है।

प्रश्न 106 2026 (3/2/1)

उनकी अँगुली धान के एक-एक पौधे को, पंक्तिबद्ध खेत में बिठा रही थी। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 107 2026 (3/2/1)

कभी-कभी लगता है कि वे हमारे बीच मौजूद हैं। (आश्रित उपवाक्य पहचानिए और उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर वे हमारे बीच मौजूद हैं; संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 108 2026 (3/2/1)

नाटकों में स्त्रियों का प्राकृत बोलना उनके ग्रामीण होने का प्रमाण नहीं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर नाटकों में स्त्रियाँ प्राकृत बोलती थीं और/परंतु यह उनके ग्रामीण होने का प्रमाण नहीं।

प्रश्न 109 2026 (3/2/1)

उन्होंने एक शर्त रखी कि मैं भारत जाऊँगा। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर उन्होंने भारत जाने की एक शर्त रखी।

प्रश्न 110 2026 (3/2/1)

एक बच्चा रेलवे प्लेटफ़ॉर्म पर सहमा हुआ बैठा था। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर एक बच्चा रेलवे प्लेटफार्म पर बैठा हुआ था जो सहमा हुआ था। / जो बच्चा रेलवे प्लेटफॉर्म पर बैठा था वह सहमा हुआ था। / जब एक बच्चा रेलवे प्लेटफार्म पर बैठा था तब सहमा हुआ था।

प्रश्न 111 2026 (3/2/2)

जो आँख के सामने नहीं आया वह घटित नहीं माना जाएगा। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर आँख के सामने नहीं आने वाला घटित नहीं माना जाएगा।

प्रश्न 112 2026 (3/2/2)

उसने बताया कि कैप्टन चश्मे बदलता है। (आश्रित उपवाक्य पहचानिए और उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर कैप्टन चश्मे बदलता है; संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 113 2026 (3/2/2)

हम कटाओ के करीब आ रहे थे इसलिए दूर से ही बर्फ़ ढके पहाड़ दिखने लगे थे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर ज्यों-ज्यों हम कटाओ के करीब आ रहे थे त्यों-त्यों हमें बर्फ़ ढके पहाड़ दिखने लगे थे।/ जब हम कटाओ के करीब आ रहे थे तब हमें बर्फ़ ढके पहाड़ दिखने लगे थे।/ जैसे-जैसे हम कटाओ के करीब आ रहे थे, हमें बर्फ़ ढके पहाड़ दिखने लगे थे।

प्रश्न 114 2026 (3/2/2)

अपनी भाषा के गर्व से उसकी आँखें चमक उठीं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर अपनी भाषा का उसे गर्व था इसलिए उसकी आँखें चमक उठीं।

प्रश्न 115 2026 (3/2/2)

जब हम खाकर अफर जाते तब मइयाँ थोड़ा और खिलाने के लिए हठ करती थी। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर मिश्र/मिश्रित वाक्य

प्रश्न 116 2026 (3/2/3)

मैं जीप की खिड़की से सिर निकाल कर दूर-दूर तक देख रही थी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर मैं जीप की खिड़की से सिर निकाल रही थी क्योंकि मुझे दूर-दूर तक देखना था।/ मैं जीप की खिड़की से सिर इसलिए निकाल रही थी क्योंकि मुझे दूर-दूर तक देखना था।/ चूँकि मुझे दूर-दूर तक देखना था इसलिए मैं जीप की खिड़की से सिर निकाल रही थी।

प्रश्न 117 2026 (3/2/3)

यह प्रभाव पड़ा कि सभी सैलानी झूम-झूम कर गाने लगे। (आश्रित उपवाक्य पहचानिए और उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर सभी सैलानी झूम-झूम कर गाने लगे; संज्ञा आश्रित उपवाक्य।

प्रश्न 118 2026 (3/2/3)

वह थाली में दही-भात सानकर हमें खिलातीं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर वह थाली में दही-भात सानतीं और हमें खिलातीं।

प्रश्न 119 2026 (3/2/3)

सभापति का हुक्म हुआ और दरवाज़े बंद कर दिए गए। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर संयुक्त वाक्य

प्रश्न 120 2026 (3/2/3)

सुबह आँख खुली और मैं बालकनी की तरफ़ भागी। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर सुबह आँख खुलते ही मैं बालकनी की तरफ़ भागी।

प्रश्न 121 2026 (3/3/1)

कहानी यह कहती है कि बड़े ही नहीं बच्चे भी इसमें शामिल हैं। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर मिश्र/मिश्रित वाक्य

प्रश्न 122 2026 (3/3/1)

एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद भी पहचानकर लिखिए)

उत्तर जिसका नाम कैप्टन है; विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 123 2026 (3/3/1)

शिक्षक के आते ही पूरी कक्षा कविता का सस्वर पाठ करने लगी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर जैसे ही शिक्षक आए, वैसे ही पूरी कक्षा कविता का सस्वर पाठ करने लगी।/ ज्यों ही शिक्षक आए, त्यों ही पूरी कक्षा कविता का सस्वर पाठ करने लगी।

प्रश्न 124 2026 (3/3/1)

जब बच्चे समय पर घर नहीं पहुँचे तब अभिभावक चिंतित हो उठे। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर बच्चों के समय पर घर नहीं पहुँचने से अभिभावक चिंतित हो उठे।

प्रश्न 125 2026 (3/3/1)

झरी के दोनों बैलों को गया के घर मजबूरन जाना पड़ा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर झूरी के दो बैल थे और उन्हें मजबूरन गया के घर जाना पड़ा।/ झूरी के दोनों बैल मजबूर थे इसलिए उन्हें गया के घर जाना पड़ा।

प्रश्न 126 2026 (3/3/2)

भारतीय सैनिक संकट के बादलों के समक्ष निराश नहीं हुए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर भारतीय सैनिकों के समक्ष संकट के बादल थे लेकिन/ किंतु/ परंतु वे निराश नहीं हुए।/ संकट के बादल समक्ष थे लेकिन/ किंतु/ परंतु भारतीय सैनिक निराश नहीं हुए।/ संकट के बादल भारतीय सैनिकों के समक्ष थे लेकिन/ किंतु/ परंतु वे निराश नहीं हुए।

प्रश्न 127 2026 (3/3/2)

बिस्मिल्ला खाँ काशी में होने वाले परिवर्तनों को देखकर दुखी थे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर काशी में जो परिवर्तन हो रहे थे, उन्हें देखकर बिस्मिल्ला खाँ दुखी थे।/ काशी में परिवर्तन हो रहे थे, जिन्हें देखकर बिस्मिल्ला खाँ दुखी थे।/ बिस्मिल्ला खाँ उन परिवर्तनों को देखकर दुखी थे, जो काशी में हो रहे थे।

प्रश्न 128 2026 (3/3/2)

यह वही मंच है जहाँ कल सम्मान समारोह हुआ। (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जहाँ कल सम्मान समारोह हुआ; क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 129 2026 (3/3/2)

बोलचाल की भाषा में जो आसानी रहती है वही लिखित भाषा में भी होनी चाहिए। (रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर मिश्र/ मिश्रित वाक्य

प्रश्न 130 2026 (3/3/2)

हम कटाओ के करीब आए और बर्फ़ से ढके पहाड़ दिखने लगे। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर कटाओ के करीब आने पर हमें बर्फ़ से ढके पहाड़ दिखने लगे। / कटाओ के करीब आते ही हमें बर्फ़ से ढके पहाड़ दिखने लगे।

प्रश्न 131 2026 (3/3/3)

_ मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर मूर्ति कपड़े नहीं बदलने पर भी चश्मा तो बदल ही सकती है।

प्रश्न 132 2026 (3/3/3)

थोड़ी खेती-बारी भी थी, एक अच्छा साफ-सुथरा मकान भी था। (रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानिए)

उत्तर संयुक्त वाक्य

प्रश्न 133 2026 (3/3/3)

मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर मूर्ति की आँखों पर जो छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, वह सरकंडे से बना था।/ जो छोटा-सा चश्मा सरकंडे से बना था, वह मूर्ति की ऑखों पर रखा हुआ था।/ मूर्ति की आँखों पर छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जो सरकंडे से बना था।/ मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना चश्मा रखा हुआ था, जो छोटा-सा था।

प्रश्न 134 2026 (3/3/3)

जब हम कटाओ के करीब आए तब सबमें प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। (आश्रित उपवाक्य और उसका भेद भी लिखिए)

उत्तर जब हम कटाओ के करीब आए; क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 135 2026 (3/3/3)

जीप रुकते ही हालदार साहब कूदकर बाहर निकले (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर जीप रुकी और हालदार साहब कूदकर बाहर निकले।

प्रश्न 136 2026 (3/4/1)

वसंत आया और वृक्ष हरे-भरे होने लगे। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर वसंत आने पर वृक्ष हरे-भरे होने लगे।/वसंत आते ही वृक्ष हरे-भरे होने लगे।

प्रश्न 137 2026 (3/4/1)

जो गुणी होते हैं, उन्हें सभी चाहते हैं। (वाक्य-भेद लिखिए)

उत्तर मिश्र/ मिश्रित वाक्य

प्रश्न 138 2026 (3/4/1)

शाम होते ही तारे चमकने लगे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर शाम हुई और तारे चमकने लगे।

प्रश्न 139 2026 (3/4/1)

सबसे कुशल कारीगर से ही काम करवाना। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर उस कारीगर से ही काम करवाना, जो सबसे कुशल हो।/ जो सबसे कुशल कारीगर हो, उससे ही काम करवाना।

प्रश्न 140 2026 (3/4/1)

(v) यदि मैंने पूर्ण प्रयास किया होता तो अवश्य सफ़लता मिल जाती । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 141 2026 (3/4/2)

प्रधानाचार्य की बातें सुनकर छात्र जोश से भर उठे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर छात्रों ने प्रधानाचार्य की बातें सुनीं और जोश से भर उठे।/ प्रधानाचार्य की बातें सुनीं और छात्र जोश से भर उठे।

प्रश्न 142 2026 (3/4/2)

निरालाजी द्वारा रचित कविता सभी को पसंद आई। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 6ए) आप नाटक देखने जाएँगे या सिनेमा। (वाक्य-भेद लिखिए)

उत्तर वह कविता सभी को पसंद आई, जो निरालाजी द्वारा रचित थी।/ निरालाजी द्वारा जो कविता रची गई, वह सभी को पसंद आई।/ जो कविता सभी को पसंद आई, वह निरालाजी द्वारा रचित थी।

प्रश्न 143 2026 (3/4/2)

जब कुत्ते भौंकने लगे तब चोर भाग गए। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर कुत्तों के भौंकने पर चोर भाग गए।

प्रश्न 144 2026 (3/4/2)

(v) माली ने बच्चों को समझाया कि फूल तोड़ना ग़लत है । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर संयुक्त वाक्य

प्रश्न 145 2026 (3/4/3)

जहाँ-जहाँ सिंचाई की व्यवस्था है, वहाँ-वहाँ फसलें खूब पैदा होती हैं। (वाक्य-भेद लिखिए)

उत्तर मिश्र/ मिश्रित वाक्य

प्रश्न 146 2026 (3/4/3)

आज तुम घर पर रहकर जानवरों की देख-रेख का काम करो। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर आज तुम घर पर रहो और जानवरों की देख-रेख का काम करो।

प्रश्न 147 2026 (3/4/3)

लोगों ने जोकर की बातें सुनीं और हँस पड़े। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर लोग जोकर की बातें सुनकर हँस पड़े।

प्रश्न 148 2026 (3/4/3)

छत पर दाना देखते ही कबूतर आ गए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर जैसे ही कबूतरों ने दाना देखा, वे छत पर आ गए।/ जैसे ही छत पर दाना देखा, वैसे ही कबूतर आ गए।/ ज्यों ही कबूतरों ने दाना देखा, वे छत पर आ गए।

प्रश्न 149 2026 (3/4/3)

(v) वे छात्र, जो कल नहीं आए थे खड़े हो जाएँ । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 150 2026 (3/5/1)

माताजी ने मुझे एक और पुस्तक दी। (वाक्य-भेद लिखिए)

उत्तर सरल वाक्य

प्रश्न 151 2026 (3/5/1)

जब असफ़ल हो गए, तो शोक करना व्यर्थ है। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर असफ़ल होने पर शोक करना व्यर्थ है।

प्रश्न 152 2026 (3/5/1)

सूर्योदय होने पर कुहासा जाता रहा। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर सूर्योदय हुआ और कुहासा जाता रहा।/ सूर्योदय हुआ इसलिए कुहासा जाता रहा।

प्रश्न 153 2026 (3/5/1)

गार्ड ने हरी झंडी दिखाई और ट्रेन चल पड़ी। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर जब गार्ड ने हरी झंडी दिखाई, तब ट्रेन चल पड़ी।/ जैसे ही गार्ड ने हरी झंडी दिखाई, वैसे ही ट्रेन चल पड़ी।/ ज्यों ही गार्ड ने हरी झंडी दिखाई, त्यों ही ट्रेन चल पड़ी।

प्रश्न 154 2026 (3/5/1)

(v) जैसा आपने बताया था, वैसा मैंने किया । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 155 2026 (3/5/2)

अमृत को बस नहीं मिली इसलिए वह समय पर घर न आ सका। (वाक्य-भेद लिखिए)

उत्तर संयुक्त वाक्य

प्रश्न 156 2026 (3/5/2)

बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और भारत मैच जीत गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर बल्लेबाजों के द्वारा अच्छा प्रदर्शन करने पर भारत मैच जीत गया।/ बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन से भारत मैच जीत गया।

प्रश्न 157 2026 (3/5/2)

वसंत आते ही चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिल उठे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

उत्तर जैसे ही वसंत आया, वैसे ही चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिल उठे।/ ज्यों ही वसंत आया, त्यों ही चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिल उठे।/ जब वसंत आया, तब चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिल उठे।

प्रश्न 158 2026 (3/5/2)

जादूगर का खेल देखकर लोगों ने तालियाँ बजाईं। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर जादूगर का खेल देखा और लोगों ने तालियाँ बजाईं।/ लोगों ने जादूगर का खेल देखा और तालियाँ बजाईं।

प्रश्न 159 2026 (3/5/2)

(v) कृष्ण ने दुर्योधन से कहा कि पांडवों को आधा राज्य दे दे । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 160 2026 (3/5/3)

दो दिन लगातार वर्षा हुई और सर्वत्र पानी भर गया। (सरल वाक्य में बदलिए)

उत्तर दो दिन लगातार वर्षा होने से सर्वत्र पानी भर गया।/ दो दिन लगातार वर्षा होने पर सर्वत्र पानी भर गया।

प्रश्न 161 2026 (3/5/3)

बच्चों के शोर मचाने पर पक्षी उड़ गए। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

उत्तर बच्चों ने शोर मचाया और पक्षी उड़ गए।/ बच्चों ने शोर मचाया इसलिए पक्षी उड़ गए।

प्रश्न 162 2026 (3/5/3)

महात्माजी का प्रभावपूर्ण प्रवचन सुनकर लोग नतमस्तक हो गए। (मिश्र वाक्य में बदलिए) 6ए) जो अपने आस-पास सफ़ाई रखते हैं, वे सदा स्वस्थ रहते हैं। (वाक्य-भेद लिखिए)

उत्तर जब लोगों ने महात्माजी का प्रभावपूर्ण प्रवचन सुना, तब वे नतमस्तक हो गए।/ महात्माजी का प्रवचन इतना प्रभावपूर्ण था कि सुनकर लोग नतमस्तक हो गए।/ लोग नतमस्तक हो गए क्योंकि उन्होंने महात्माजी का प्रभावपूर्ण प्रवचन सुना।

प्रश्न 163 2026 (3/5/3)

(v) जिस छात्र ने सबसे अधिक परिश्रम किया था, वही प्रथम आया है । (रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर मिश्र/मिश्रित वाक्य

बहुविकल्पी प्रश्न (2023–2024 का प्रारूप)

प्रश्न 164 2023 (3/1/1)

सड़क पर धक्का लगने से वह गिर पड़ा। प्रस्तुत वाक्य का मिश्र वाक्य होगा -

(A) वह सड़क पर जा रहा था इसलिए धक्का लगने से गिर पड़ा।

(B) वह गिर पड़ा क्योंकि उसे धक्का लगा।

(C) जैसे ही उसे सड़क पर धक्का लगा वैसे ही वह गिर पड़ा।

(D) उसने सड़क पर धक्का खाया और गिर पड़ा।

उत्तर **(C)** जैसे ही उसे सड़क पर धक्का लगा वैसे ही वह गिर पड़ा।

प्रश्न 165 2023 (3/1/1)

'नतो तुमने फिल्म ही देखी, न ही नाटक देख सके।' - इस वाक्य का सरल वाक्य होगा -

(A) तुमने फिल्म भी नहीं देखी, नाटक भी नहीं देख सके।

(B) तुमने फिल्म देखना और नाटक देखना दोनों ही काम नहीं किया।

(C) तुम फिल्म और नाटक दोनों ही नहीं देख सके।

(D) यद्यपि तुम फिल्म और नाटक दोनों देख सकते फिर भी तुमने नहीं देखे।

उत्तर **(C)** तुम फिल्म और नाटक दोनों ही नहीं देख सके।

प्रश्न 166 2023 (3/1/1)

'जब सोहम सोकर उठा तब सुबह हो गई थी।' प्रस्तुत वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा -

(A) सोहम के सोकर उठने पर सुबह हो चुकी थी।

(B) सुबह होने पर सोहम सोकर उठा।

(C) सुबह हो गई थी इसलिए सोहम सोकर उठा।

(D) सुबह होने की देर थी, सोहम उठ गया।

उत्तर **(C)** सुबह हो गई थी इसलिए सोहम सोकर उठा।

प्रश्न 167 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए सबसे सही विकल्प को चुनकर लिखिए-

(क) पक्का महल से मलाई बरफ़ बेचने वाले जा चुके हैं।
(ख) मालिक से यही दुआ है कि फटा सुर न बख्शे।
(ग) बिस्मिल्ला खाँ का संसार सुरीला होना शुरू हुआ।
(घ) रसूलन और बतूलन के गाने पर अमीरुद्दीन को खुशी मिलती थी।
विकल्प:

(A) केवल कथन (ख) सरल वाक्य है।

(B) कथन (क) और (घ) सरल वाक्य हैं।

(C) कथन (क) और (ग) सरल वाक्य हैं।

(D) कथन (क), (ग) और (घ) सरल वाक्य हैं।

उत्तर **(D)** कथन (क), (ग) और (घ) सरल वाक्य हैं।

प्रश्न 168 2023 (3/1/1)

(iv) स्तंभ I और स्तंभ II को सुमेलित करके सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1

	स्तंभ – I		स्तंभ - II
(I)	सरल वाक्य	(अ)	जो कराएगा वही खाएगा।

उत्तर **(D)**

प्रश्न 169 2023 (3/1/2)

निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा सरल वाक्य है?

(A) उसने कल आने को कहा था, आया नहीं।

(B) रानी दिल्ली आई पर मैं तब मुम्बई में थी।

(C) उसने मुझसे फिल्म देखने का अनुरोध किया तो था।

(D) जब उसने मुझसे कहा, मैं सोच में पड़ गई।

उत्तर **(C)** उसने मुझसे फिल्म देखने का अनुरोध किया तो था।

प्रश्न 170 2023 (3/1/2)

'विदेश जाने पर बच्चे अच्छी जगहों पर पढ़ सके।' - प्रस्तुत वाक्य का मिश्र वाक्य होगा -

(A) बच्चे विदेश जाकर अच्छी जगहों पर रह और पढ़ सके।

(B) जब बच्चे विदेश जाएँ तब अच्छी जगहों पर पढ़ सके।

(C) बच्चों को विदेश जाना है इसलिए वे अच्छी जगहों पर पढ़ें।

(D) बच्चे अच्छी जगह पर पढ़ते हैं क्योंकि उन्हें विदेश जाना है।

उत्तर **(B)** जब बच्चे विदेश जाएँ तब अच्छी जगहों पर पढ़ सके।

प्रश्न 171 2023 (3/1/2)

'जब देश आज़ाद हुआ तब संविधान बनाया गया।' - इसे संयुक्त वाक्य में बदला जाए तो होगा -

(A) जैसे ही देश आज़ाद हुआ वैसे संविधान बनाया गया।

(B) क्योंकि देश आज़ाद हुआ इसलिए संविधान बनाया गया।

(C) देश के आज़ाद होने पर संविधान बनाया गया।

(D) देश आज़ाद हुआ और संविधान बनाया गया।

उत्तर **(D)** देश आज़ाद हुआ और संविधान बनाया गया।

प्रश्न 172 2023 (3/1/2)

(iv) स्तंभ I और स्तंभ II को सुमेलित करके सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1

	स्तंभ – I		स्तंभ - II

उत्तर **(D)**

प्रश्न 173 2023 (3/1/3)

निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सा वाक्य सरल वाक्य नहीं है?

(A) पिता ने रात भर बच्चे की बुखार में देखभाल की।

(B) गायक का गीत सुना और सब खुश हो गए।

(C) उस गायक का गीत सुनकर सब लोग खुश हो गए।

(D) आप रिक्शा या ऑटो से चले जाइए।

उत्तर **(B)** गायक का गीत सुना और सब खुश हो गए।

प्रश्न 174 2023 (3/1/3)

'ठीक से काम करने में दिक्कत होने पर नौकरी छोड़ दो' - प्रस्तुत वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण होगा -

(A) जब ठीक से काम करने में दिक्कत हो तब नौकरी छोड़ दो।

(B) ठीक से काम करने में दिक्कत हो तो नौकरी छोड़ दो।

(C) जिस दिन से ठीक से काम करने में दिक्कत हो उस दिन से नौकरी छोड़ दो।

(D) ठीक से काम करो अथवा नौकरी छोड़ दो।

उत्तर **(D)** ठीक से काम करो अथवा नौकरी छोड़ दो।

प्रश्न 175 2023 (3/1/3)

'वह बहुत बीमार था अतः परीक्षा न दे सका।' - प्रस्तुत वाक्य का मिश्र वाक्य होगा -

(A) क्योंकि वह बहुत बीमार था अतः परीक्षा न दे सका।

(B) वह बहुत बीमार था इसलिए परीक्षा न दे सका।

(C) बहुत बीमार होने के कारण वह परीक्षा न दे सका।

(D) वह बीमार पड़ गया इसलिए उसने परीक्षा नहीं दी।

उत्तर **(A)** क्योंकि वह बहुत बीमार था अतः परीक्षा न दे सका।

प्रश्न 176 2023 (3/1/3)

(iv) स्तंभ I और स्तंभ II को सुमेलित करके सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1

	स्तंभ – I		स्तंभ - II

उत्तर **(D)**

प्रश्न 177 2023 (3/2/1)

'बे दिल्ली में बीमार रहे और मुझे पता नहीं चला' --- इसका सरल वाक्य होगा:

(A) वे दिल्ली में जब बीमार थे तब मुझे पता नहीं चला।

(B) वे दिल्ली में आकर बीमार हो गए और मुझे पता ही नहीं चला।

(C) यूँ तो दिल्ली में बीमार होने पर भी किसी को पता नहीं चलता है।

(D) उनके दिल्ली में बीमार रहने का पता नहीं चला।

उत्तर **(D)** उनके दिल्ली में बीमार रहने का पता नहीं चला।

प्रश्न 178 2023 (3/2/1)

'बहुत सुंदर है मेरी जन्मभूमि - रेम्सचैपल' --- इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा:

(A) मेरी जन्मभूमि रेम्सचैपल है और वह बहुत सुंदर है।

(B) रेम्सचैपल बहुत सुंदर है जो कि मेरी जन्मभूमि है।

(C) बहुत सुंदर रेम्सचैपल मेरी जन्मभूमि है।

(D) मेरी जन्मभूमि रेम्सचैपल है जो बहुत सुंदर है।

उत्तर **(A)** मेरी जन्मभूमि रेम्सचैपल है और वह बहुत सुंदर है।

प्रश्न 179 2023 (3/2/1)

वे अपने अभिन्न मित्र को उन चिट्टियों को दिखाते थे -- इसका मिश्र वाक्य होगा:

(A) जो उनके अभिन्न मित्र थे उन्हें वे उन चिट्ठियों को दिखाते थे।

(B) उनके अभिन्न मित्र को वे चिट्ठियाँ दिखाते थे।

(C) अपने अभिन्न मित्र को वे चिट्डियाँ दिखाया करते थे।

(D) अपने अभिन्न मित्र को वे उन चिट्ठियों को दिखाना जरूरी समझते थे।

उत्तर **(A)** जो उनके अभिन्न मित्र थे उन्हें वे उन चिट्रियों को दिखाते थे।

प्रश्न 180 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनिए:

(क) कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं।
(ख) बालगोबिन भगत मँझोले कद के आदमी थे जो बहुत कम कपड़े पहनते थे।
(ग) ज्यों ही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया।
(घ) अब बुढ़ापा आ गया था, किंतु टेक वही जवानी वाली थी।
विकल्प:

(A) केवल कथन (क) सही है।
(B) कथन (ख) और (ग) सही हैं।
(C) कथन (ग) और (घ) सही हैं।
(D) कथन (क), (ख) और (ग) सही हैं।

उत्तर **(D)** कथन (क), (ख) और (ग) सही हैं।

प्रश्न 181 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

(i) स्तंभ I और स्तंभ II को सुमेलित कर सही विकल्प चुनकर लिखिए :

	स्तंभ I		*स्तंभ II*
(अ)	अमीरुद्दीन का जन्म एक संगीत प्रेमी परिवार में हुआ था ।	(I)	मिश्र वाक्य
(ब)	अमीरुद्दीन सिर्फ छह साल का है और बड़ा भाई शम्सुद्दीन नौ साल का ।	(II)	सरल वाक्य
(स)	बालाजी का जो मंदिर है, वहीं से दिन की शुरुआत होती है ।	(III)	संयुक्त वाक्य

विकल्प :

	(अ)	(ब)	(स)
(a)	(III)	(II)	(I)
(b)	(I)	(II)	(III)

उत्तर **(C)**

प्रश्न 182 **2023** (3/2/2)

'मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं।' --- इसका सरल वाक्य होगा:

(A) मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का छोटा-सा चश्मा था, जिसे बच्चों ने बनाया होगा।
(B) बच्चों के बनाने जैसा एक सरकंडे का चश्मा था और वह मूर्ति की आँखों पर था।
(C) मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का एक चश्मा था, वैसा बच्चे बना लेते हैं।
(D) बच्चों द्वारा बना लिया जाने वाला सरकंडे का छोटा-सा चश्मा मूर्ति की आँखों पर था।

उत्तर **(D)** बच्चों द्वारा बना लिया जाने वाला सरकंडे का छोटा-सा चश्मा मूर्ति की आँखों पर था।

प्रश्न 183 2023 (3/2/2)

'थोड़ी देर में हम लोग समुद्र तट पर घूमने जाएँगे।' --- इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा:

(A) क्योंकि हमें घूमने जाना है इसलिए हम थोड़ी देर में समुद्र तट पर जाएँगे।
(B) थोड़ी शाम बीत जाएगी इसलिए हम लोग समुद्र तट पर घूमने जाएँगे।
(C) थोड़ी देर में घूमने जाना है अतः हम समुद्र तट पर जाएँगे।
(D) थोड़ी देर में घूमने जाना है पर समुद्र तट पर ही जाएँगे।

उत्तर **(A)** क्योंकि हमें घूमने जाना है इसलिए हम थोड़ी देर में समुद्र तट पर जाएँगे।

प्रश्न 184 2023 (3/2/2)

'आजकल लोग पापड़ बनाकर मशीन से सुखा देते हैं।' -- इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा:

(A) आजकल लोग ऐसा पापड़ बनाते हैं जिसे मशीन से सुखा देते हैं।
(B) आजकल लोग पापड़ बनाते हैं और मशीन से सुखाते हैं।
(C) आजकल लोग जो पापड़ बनाते हैं उसे मशीन से सुखा देते हैं।
(D) आजकल लोग मशीन से सूखने वाले पापड़ बनाते हैं।

उत्तर **(B)** आजकल लोग पापड़ बनाते हैं और मशीन से सुखाते हैं।

प्रश्न 185 2023 (3/2/3)

'जब कालिदास लिख रहे थे तब मुख्य भाषा संस्कृत थी।' --- इस वाक्य का सरल वाक्य होगा:

(A) कालिदास के समय को देखने पर पता चलता है कि मुख्य भाषा संस्कृत थी।
(B) कालिदास लिख रहे थे और उनकी मुख्य भाषा संस्कृत थी।
(C) मुख्य भाषा संस्कृत थी और कालिदास उसी में लिख रहे थे।
(D) कालिदास के लिखते समय मुख्य भाषा संस्कृत थी।

उत्तर **(D)** कालिदास के लिखते समय मुख्य भाषा संस्कृत थी।

प्रश्न 186 2023 (3/2/3)

निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य संयुक्त वाक्य है?

(A) मुझे अपने बच्चे के मुँह में फादर का पहली बार अन्न डालना याद आता है।
(B) इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उसकी मृत्यु पर कोई रोएगा?
(C) सत्यप्रकाश जी ने उनको अंतिम प्रणाम किया और उनकी देह कब्र में उतार दी गई।
(D) मेरी पत्नी और पुत्र की मृत्यु पर उनके कहे सांत्वना शब्दों ने मुझे दिलासा दिया था।

उत्तर **(C)** सत्यप्रकाश जी ने उनको अंतिम प्रणाम किया और उनकी देह कब्र में उतार दी गई।

प्रश्न 187 2023 (3/2/3)

'खीरा लज़ीज़ होता है लेकिन होता है सकील' --- इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा:

(A) खीरा लज़ीज़ होने के साथ-साथ सकील भी होता है।

(B) खीर लज़ीज़ होता है परंतु सकील भी होता है।
(C) वैसे तो खीरा लज़ीज़ होता है पर साथ ही सकील भी।
(D) खीरा लज़ीज़ और सकील दोनों होता है।

उत्तर (C) वैसे तो खीरा लज़ीज़ होता है पर साथ ही सकील भी।

प्रश्न 188 2023 (3/4/1)

निम्नलिखित में मिश्र वाक्य कौन-सा है?

(A) हालदार साहब जब कस्बे से गुजरते तब नेताजी की मूर्ति पर बदले हुए चश्मों को देखते।
(B) ज्ञान-चन्षु खुल गए।
(C) नवाब साहब ने खीरे की तैयारी की और थककर लेट गए।
(D) क्या ऐसे तरीके से उदर की तृप्ति भी हो सकती है?

उत्तर (A) हालदार साहब जब कस्बे से गुजरते तब नेताजी की मूर्ति पर बदले हुए चश्मों को देखते।

प्रश्न 189 2023 (3/4/1)

निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य कौन-सा है?

(A) उन्होंने हमें देखकर भी अनदेखा किया।
(B) उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।
(C) दूर तो जाना नहीं था।
(D) बर्थ पर एक सफ़ेदपोश सज्जन बैठे थे जिन्होंने हमारी संगति के लिए कोई उत्साह नहीं दिखाया।

उत्तर (B) उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।

प्रश्न 190 2023 (3/4/1)

निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य होगा: पानी मुँह में भर आया और उसका घूँट गले से उतर गया।

(A) जब पानी मुँह में भर आया तब उसका घूँट गले से उतर गया।
(B) जैसे ही मुँह में पानी भर आया वैसे ही उसका घूँट गले से उतर गया।
(C) मुँह में पानी भर आया इसलिए पानी का घूँट गले से उतर गया।
(D) मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया।

उत्तर (D) मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया।

प्रश्न 191 2023 (3/4/1)

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए –
उनकी भाव-भंगिमा से स्पष्ट हो रहा था <u>कि उस प्रक्रिया में वे खीरे का रसास्वादन कर रहे हैं।</u>
(a) प्रधान उपवाक्य
(b) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(c) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य
(d) विशेषण आश्रित उपवाक्य

उत्तर **(B)** संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 192 2023 (3/4/1)

(iv) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए –
जब भी वे काशी से बाहर रहते, तब विश्वनाथ व बालाजी मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते।
(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) क्रिया विशेषण आश्रित उपवाक्य
(c) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(d) प्रधान उपवाक्य

उत्तर **(A)** संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 193 2023 (3/4/2)

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण कौन-सा है?

(A) वेशभूषा या बाह्य अनुष्ठानों से कोई संन्यासी नहीं होता।
(B) इस रेखाचित्र की एक विशेषता यह है कि बालगोबिन भगत के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सजीव झाँकी देखने को मिलती है।
(C) वह विशिष्ट शैलीकार हैं इसलिए उन्हें 'कलम का मज़दूर' कहा जाता है।
(D) बालगोबिन लंबी दाढ़ी नहीं रखते थे परंतु हमेशा उनका चेहरा सफ़ेद बालों से जगमग रहता।

उत्तर **(B)** इस रेखाचित्र की एक विशेषता यह है कि बालगोबिन भगत के माध्यम से ग्रामीण जीवन की सजीव झाँकी देखने को मिलती है।

प्रश्न 194 2023 (3/4/2)

निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य का उदाहरण कौन-सा है?

(A) कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन की प्रभातियाँ शुरू हुईं
(B) अभी थोड़ी देर पहले मूसलाधार वर्षा खत्म हुई है।
(C) जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते।
(D) थोड़ी खेतीबाड़ी भी थी और एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था।

उत्तर **(D)** थोड़ी खेतीबाड़ी भी थी और एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था।

प्रश्न 195 2023 (3/4/2)

निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य क्या होगा? 'समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है और रोपनी कर रहा है।'

(A) जो समूचा गाँव है वह खेतों में उतरकर रोपनी कर रहा है।
(B) समूचा गाँव खेतों में उतरकर रोपनी कर रहा है।
(C) जहाँ समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है वहाँ रोपनी हो रही है।
(D) समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है अत: रोपनी कर रहा है।

उत्तर **(B)** समूचा गाँव खेतों में उतरकर रोपनी कर रहा है।

प्रश्न 196 2023 (3/4/2)

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए –
कभी झूठ नहीं बोलते और खरा व्यवहार रखते।
(a) प्रथम समानाधिकरण उपवाक्य
(b) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(c) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य
(d) विशेषण आश्रित उपवाक्य

उत्तर **(A)** प्रथम समानाधिकरण उपवाक्य

प्रश्न 197 2023 (3/4/2)

(iv) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए –
कबीर के जो सीधे-सादे पद थे, वे उनके कंठ से निकलकर सजीव हो उठते ।
(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(c) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य
(d) प्रधान उपवाक्य

उत्तर **(B)** विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 198 2023 (3/4/3)

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का कौन-सा उदाहरण है?

(A) रसोई को वे भटियार खाना कहते थे।
(B) घर में आए दिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के जमावड़े होते थे और जमकर बहसें होती थीं।
(C) यह पितृगाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव गान करना है।
(D) मैं संकोच से सिमट जाती हूँ और गड़ने-गड़ने को हो आती हूँ।

उत्तर **(C)** यह पितृगाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव गान करना है।

प्रश्न 199 2023 (3/4/3)

निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य का कौन-सा उदाहरण है?

(A) एक-दो को छोड़कर कोई भी मेरे परिवार का नहीं है।
(B) दोनों बड़े भाई आगे पढ़ने बाहर चले गए तब मुझे अपने वजूद का एहसास हुआ।
(C) पिता का आग्रह रहता कि मैं रसोई से दूर रहूँ।
(D) घर में आए दिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के जमावड़े होते थे और जमकर बहसें होती थीं।

उत्तर **(D)** घर में आए दिन विभिन्न राजनैतिक पार्टियों के जमावड़े होते थे और जमकर बहसें होती थीं।

प्रश्न 200 2023 (3/4/3)

निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य कौन-सा होगा? 'शीला अग्रवाल की जो जोशीली बातें थीं उन्होंने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।'

(A) जो शीला अग्रवाल थीं उनकी जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।

(B) शीला अग्रवाल जोशीली बातें करती थीं और वे बातें रगों में बहते खून को लावे में बदल देती थीं।

(C) शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।

(D) शीला अग्रवाल जोशीली बातें करती थीं अत: वे बातें रगों में बहते खून को लावे में बदल देती थीं।

उत्तर **(C)** शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।

प्रश्न 201 2023 (3/4/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए –
'वे प्रधानाचार्या को बड़े गर्व से कहकर आए कि यह तो पूरे देश की पुकार है।'

(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(c) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य
(d) प्रधान उपवाक्य

उत्तर **(A)** संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 202 2023 (3/4/3)

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए–
'मन्नू भंडारी का जन्म मध्यप्रदेश में हुआ था किंतु उनकी इंटर तक की शिक्षा-दीक्षा राजस्थान में हुई।'

(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(c) प्रथम समानाधिकरण उपवाक्य
(d) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य

उत्तर **(A)** संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 203 2023 (3/5/1)

निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य का कौन-सा उदाहरण है?

(A) कविता यह भी रेखांकित करती है कि प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से ही सृजन संभव है।

(B) नागार्जुन ने छंदों में काव्य-रचना की और मुक्तक में भी की।

(C) वे वास्तविक अर्थों में जनकवि हैं।

(D) वे व्यंग्य में माहिर हैं इसलिए उन्हें आधुनिक कबीर भी कहा जाता है।

उत्तर **(A)** कविता यह भी रेखांकित करती है कि प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से ही सृजन संभव है।

प्रश्न 204 2023 (3/5/1)

निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य है:

(A) नागार्जुन का जन्म बिहार में हुआ।

(B) अध्ययन के लिए वे बनारस और कलकत्ता गए।

(C) 936 में वे श्रीलंका गए और वहीं बौद्ध धर्म में दीक्षित हुए।

(D) नागार्जुन ने अनेक बार संपूर्ण भारत की यात्रा की।

उत्तर **(C)** 936 में वे श्रीलंका गए और वहीं बौद्ध धर्म में दीक्षित हुए।

प्रश्न 205 2023 (3/5/1)

निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य क्या होगा? 'जो नागार्जुन थे उन्होंने कविता के साथ-साथ अन्य गद्य विधाओं में भी लेखन किया।'

(A) नागार्जुन ने कविता के साथ-साथ अन्य गद्य विधाओं में भी लेखन किया।

(B) नागार्जुन कविता लिखते थे और उसके साथ-साथ अन्य गद्य विधाओं में भी लेखन करते थे।

(C) नागार्जुन कविता तो लिखते ही थे लेकिन उसके साथ-साथ अन्य गद्य विधाओं में भी लेखन करते थे।

(D) नागार्जुन ऐसे लेखक थे जो कविता के साथ-साथ अन्य गद्य विधाओं में भी लेखन करते थे।

उत्तर **(A)** नागार्जुन ने कविता के साथ-साथ अन्य गद्य विधाओं में भी लेखन किया।

प्रश्न 206 2023 (3/5/1)

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद है :
इस सुंदरता की व्याप्ति ऐसी है कि कठोर से कठोर मन भी पिघल जाए ।

(a) प्रधान उपवाक्य

(b) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य

(c) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(d) विशेषण आश्रित उपवाक्य

उत्तर **(C)** संज्ञा आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 207 2023 (3/5/1)

(iv) निम्नलिखित वाक्य में से रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए :

वे लंबी दाढ़ी तो नहीं रखते थे किंतु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से जगमग किए रहता ।

(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य
(c) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(d) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य

उत्तर **(B)** द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य

प्रश्न 208 2023 (3/5/2)

निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य कौन-सा है?

(A) यशपाल सामंती वर्ग पर कटाक्ष करते हैं जो वास्तविकता से बेखबर एक बनावटी जीवन-शैली का आदी है।
(B) यशपाल की रचनाओं में आम आदमी के सरोकारों की उपस्थिति है।
(C) सामाजिक विषमता, राजनैतिक पाखंड और रूढ़ियों के खिलाफ़ उनकी रचनाएँ मुखर हैं।
(D) काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती है और उसी की थापों पर सोती है।

उत्तर **(D)** काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती है और उसी की थापों पर सोती है।

प्रश्न 209 2023 (3/5/2)

निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य कौन-सा होगा? 'जो हमारे नाना थे वे तो वहीं बालाजी के मंदिर में बड़े प्रतिष्ठित शहनाईवाज़ रह चुके हैं।'

(A) हमारे नाना जो थे वे तो वहीं बालाजी के मंदिर में बड़े प्रतिष्ठित शहनाईवाज़ रह चुके हैं।
(B) हमारे नाना तो वहीं बालाजी के मंदिर में बड़े प्रतिष्ठित शहनाईवाज़ रह चुके हैं।
(C) वे हमारे नाना ही तो हैं जो बालाजी के मंदिर में बड़े प्रतिष्ठित शहनाईवाज़ रह चुके हैं।
(D) जो बालाजी का मंदिर है उसमें रह चुके प्रतिष्ठित शहनाईवाज़ हमारे नाना ही तो हैं।

उत्तर **(B)** हमारे नाना तो वहीं बालाजी के मंदिर में बड़े प्रतिष्ठित शहनाईवाज़ रह चुके हैं।

प्रश्न 210 2023 (3/5/2)

(iv) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए :

"वे जब उन यादों का जिक्र करते हैं तब उसी नैसर्गिक आनंद में आँखें चमक उठती हैं ।"

(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) प्रधान उपवाक्य
(c) विशेषण उपवाक्य
(d) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य

उत्तर **(B)** प्रधान उपवाक्य

प्रश्न 211 2023 (3/5/2)

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद बताइए :
"रोज़नामचे में बालाजी का मंदिर सबसे ऊपर आता है इसलिए हर दिन की शुरुआत वहीं ड्योढ़ी पर होती है ।"

(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य
(c) प्रथम समानाधिकरण उपवाक्य
(d) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य

उत्तर **(C)** प्रथम समानाधिकरण उपवाक्य

प्रश्न 212 2023 (3/5/3)

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का कौन-सा उदाहरण है?

(A) काशी में संगीत आयोजन की एक प्राचीन एवं अद्भुत परंपरा है।
(B) वे जब भी काशी से बाहर रहते तब विश्वनाथ व बालाजी के मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते।
(C) यह आयोजन कई बरसों से होता आया है।
(D) सम पर आने की तमीज़ उन्हें बचपन में ही आ गई थी, मगर बच्चे को दाद देनी नहीं आती थी।

उत्तर **(B)** वे जब भी काशी से बाहर रहते तब विश्वनाथ व बालाजी के मंदिर की दिशा की ओर मुँह करके बैठते।

प्रश्न 213 2023 (3/5/3)

निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य का कौन-सा उदाहरण है?

(A) एक बड़े कलाकार का सहज मानवीय रूप ऐसे अवसर पर आसानी से दिख जाता है।
(B) काशी में बाबा विश्वनाथ और बिस्मिल्ला खाँ एक-दूसरे के पूरक रहे हैं।
(C) अब आपको भारत रत्न मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें।
(D) यतींद्र मिश्र संगीत की शास्त्रीय परंपरा के गहरे जानकार हैं।

उत्तर **(C)** अब आपको भारत रत्न मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें।

प्रश्न 214 2023 (3/5/3)

निम्नलिखित वाक्य का सरल वाक्य कौन-सा वाक्य होगा? 'बे सभ्यता को संस्कृति का परिणाम मानते हुए कहते हैं कि मानव संस्कृति अविभाज्य वस्तु है।'

(A) जो सभ्यता है उसे संस्कृति का परिणाम मानते हुए वे मानव संस्कृति को अविभाज्य वस्तु मानते हैं।
(B) वे जिस सभ्यता को संस्कृति का परिणाम मानते हैं वह मानव संस्कृति अविभाज्य वस्तु है।
(C) वे सभ्यता को संस्कृति का परिणाम मानते हैं और मानव संस्कृति को अविभाज्य वस्तु मानते हैं।
(D) वे सभ्यता को संस्कृति का परिणाम मानते हुए उसे मानव संस्कृति का अविभाज्य वस्तु मानते हैं।

उत्तर **(D)** वे सभ्यता को संस्कृति का परिणाम मानते हुए उसे मानव संस्कृति का अविभाज्य वस्तु मानते हैं।

प्रश्न 215 2023 (3/5/3)

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए :

'जो शब्द सबसे कम समझ में आते हैं ऐसे शब्द हैं सभ्यता और संस्कृति ।'

(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(c) क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य

(d) प्रधान उपवाक्य

उत्तर **(B)** विशेषण आश्रित उपवाक्य

प्रश्न 216 2023 (3/5/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए :

"देश-विदेश के भ्रमण ने भदंत जी को अनुभव की व्यापकता प्रदान की और उनकी सृजनात्मकता को समृद्ध किया ।"

(a) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(b) विशेषण आश्रित उपवाक्य

(c) प्रथम समानाधिकरण उपवाक्य

(d) द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य

उत्तर **(D)** द्वितीय समानाधिकरण उपवाक्य। हु।

प्रश्न 217 2023 (3/6/1, 3/6/2)

निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनकर लिखिए

(क) रास्ते और भी सँकरे होते जा रहे थे।
(ख) हवा बह रही थी और पेड़-पौधे झूम रहे थे।
(ग) सिक्किमी नवयुवक ने मुझे बताया कि प्रदूषण के चलते स्नो-फॉल कम होती जा रही है।
(घ) मीठी झिड़कियाँ देकर उसने गाय को भगा दिया।
विकल्प:

(A) कथन (क) और (घ) सही हैं।
(B) केवल कथन (क) सही है।
(C) केवल कथन (घ) सही है।
(D) कथन (क), (ग) और (घ) सही हैं।

उत्तर **(A)** कथन (क) और (घ) सही हैं।

प्रश्न 218 2023 (3/6/1)

'केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी।' - वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण होगा -

(A) केवल एक चीज़ की कसर थी और वह देखते ही खटकती थी।

(B) देखते ही खटकने वाली एक चीज़ की ही कसर थी।

(C) यूँ तो कसर कोई नहीं थी पर एक चीज देखते ही खटकने वाली भी थी।

(D) केवल एक चीज़ की कसर थी जिसे देखते ही खटका होता था।

उत्तर **(A)** केवल एक चीज़ की कसर थी और वह देखते ही खटकती थी।

प्रश्न 219 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'पिताजी थककर सोए हैं' - इसका मिश्र वाक्य बनेगा -

(A) पिताजी थक गए हैं इसलिए सोए हैं।

(B) पिताजी सोए हैं और थके हुए हैं।

(C) क्योंकि पिताजी थक गए हैं इसलिए सोए हैं।

(D) पिताजी थकने पर सो गए हैं।

उत्तर **(C)** क्योंकि पिताजी थक गए हैं इसलिए सोए हैं।

प्रश्न 220 2023 (3/6/1)

(i) "जैसा कि बताया जा चुका है, मूर्ति संगमरमर की थी ।" – वाक्य का सरल वाक्य में रूपांतरण होगा – 1

(a) मूर्ति संगमरमर की थी, इसके बारे में बताया जा चुका है ।

(b) मूर्ति संगमरमर की थी जिसके बारे में बताया जा चुका है ।

उत्तर **(C)** मूर्ति के संगमरमर के होने के विषय में बताया जा चुका है।

प्रश्न 221 2023 (3/6/1, 3/6/3)

(v) स्तंभ-I और स्तंभ-II को सुमेलित करके उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 1

स्तंभ-I	स्तंभ-II

उत्तर **(B)**

प्रश्न 222 2023 (3/6/2)

'जो झूठ बोलते हैं उनका कोई सम्मान नहीं करता।' इसे सरल वाक्य में रूपांतरित करने पर वाक्य बनेगा -

(A) वे झूठ बोलते हैं इसलिए उनका कोई सम्मान नहीं करता।

(B) झूठ बोलने के कारण सम्मान नष्ट हो जाता है।

(C) झूठ बोलने वालों का कोई सम्मान नहीं करता।

(D) जिसकी झूठ बोलने की आदत है उसका कोई सम्मान नहीं करता।

उत्तर **(C)** झूठ बोलने वालों का कोई सम्मान नहीं करता।

प्रश्न 223 2023 (3/6/2)

'थैला उठाकर बच्चा विद्यालय की ओर निकल पड़ा।'- इसे संयुक्त वाक्य में बदलने पर होगा-_

(A) बचे ने थैला उठाया और विद्यालय की ओर निकल पड़ा।

(B) जब बच्चे ने थैला उठाया तब विद्यालय की ओर निकला।

(C) जैसे ही बच्चे ने थैला उठाया वैसे ही विद्यालय की ओर निकला।

(D) विद्यालय की ओर निकलने के लिए बच्चे ने थैला उठाया।

उत्तर **(A)** बचे ने थैला उठाया और विद्यालय की ओर निकल पड़ा।

प्रश्न 224 2023 (3/6/2)

(v) स्तंभ-I और स्तंभ-II को सुमेलित करके उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 1

	स्तंभ-I		स्तंभ-II
(I)	सरल वाक्य	(अ)	या तो पढ़ाई कर लो या टीवी ही देख लो
(II)	मिश्र वाक्य	(ब)	नौकरी करने पर तनख्वाह तो लेगी ही ।
(III)	संयुक्त वाक्य	(स)	वह किताब खो गई जो आपने दी थी

	(I)	(II)	(III)
(a)	(अ)	(ब)	(स)
(b)	(ब)	(स)	(अ)
(c)	(स)	(ब)	(अ)
(d)	(ब)	(अ)	(स)

उत्तर **(B)** (ब)(स)(अ)

प्रश्न 225 2023 (3/6/3)

'परशुराम के आने पर सब डर गए।' - वाक्य का संयुक्त वाक्य बनेगा -

(A) परशुराम आए और सब डर गए।

(B) परशुराम आकर सबको डरा दिए।

(C) परशुराम से सब डरते थे इसलिए आने पर भी डर गए।

(D) क्योंकि परशुराम आए इसलिए सब डर गए।

उत्तर **(A)** परशुराम आए और सब डर गए।

प्रश्न 226 2023 (3/6/3)

(i) 'बोलचाल की जो भाषा है वही कविता को प्रभावशाली बनाती है' – प्रस्तुत वाक्य को सरल वाक्य में रूपांतरित करने पर होगा – 1

(a) कविता में बोलचाल की भाषा है और वह उसे प्रभावशाली बनाती है ।

उत्तर **(B)** बोलचाल की भाषा कविता को प्रभावशाली बनाती है।

प्रश्न 227 2023 (3/6/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए सबसे सही विकल्प को चुनकर लिखिए : 1

उत्तर कथन (क) और (घ) सही हैं।

प्रश्न 228 2024 (3/1/1)

'जब बाबू जी रामायण का पाठ करते तब हम उनकी बगल में बैठे रहते'। - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा:

(A) बाबू जी रामायण का पाठ करते और हम उनकी बगल में बैठे रहते।
(B) जिस समय बाबूजी रामायण का पाठ करते उस समय हम उनकी बगल में बैठे रहते।
(C) बाबूजी के रामायण का पाठ करते समय हम उनकी बगल में बैठे रहते।
(D) जब बाबूजी द्वारा रामायण का पाठ किया जाता तब हम भी साथ ही बैठे रहते।

उत्तर **(A)** बाबू जी रामायण का पाठ करते और हम उनकी बगल में बैठे रहते।

प्रश्न 229 2024 (3/1/1)

निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य का उदाहरण है:

(A) उसने बंडल निकाला और उसे पकड़ा दिया।
(B) वहाँ जल-संचय का उचित प्रबंध है।
(C) तुम जाओ, मैं कल ही लौट जाऊँगा।
(D) जब बर्फ़ गिरती है तब मुश्किल होती है।

उत्तर **(B)** वहाँ जल-संचय का उचित प्रबंध है।

प्रश्न 230 2024 (3/1/1)

'माँ थाली में दही-भात सानती और बनावटी नाम से कौर बनाकर खिलाती जाती।' - इसे सरल वाक्य में बदला जाए तो वाक्य होगा:

(A) माँ जब भी थाली में दही-भात सानती तब बनावटी नाम से कौर बनाकर खिलाती जाती।
(B) माँ थाली में दाल-भात सानती और छोटे-छोटे कौर बनाकर मुझे खिलाती जाती।
(C) माँ थाली में दही-भात सानकर बनावटी नाम से कौर बनाकर खिलाती जाती।

(D) माँ थाली में अपने लिए दही-भात सानती पर कौर बनाकर मुझे खिला देती।

उत्तर **(C)** माँ थाली में दही-भात सानकर बनावटी नाम से कौर बनाकर खिलाती जाती।

प्रश्न 231 2024 (3/1/1)

निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य पहचान कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. जब दुलारी ने केश बाँध लिए तब उसने खिड़की खोल दी।
2. उसने सिर का पसीना सुखाया और वहीं खड़ी हो गई।
3. टुन्नू जब दरवाज़े पर खड़ा था तब उसके पास एक पोटली थी। 4, उसकी गृहस्थी बड़ी कठिनाई से चल रही थी फिर भी उसे चिंता नहीं थी।

विकल्प:

(A) , 2 और 3
(B) 2, 3 और 4
(C) 234 और
(D) । और 3

उत्तर **(D)** 1 और 3

प्रश्न 232 2024 (3/1/1)

(v) **स्तंभ 1** को **स्तंभ 2** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

स्तंभ 1	स्तंभ 2

उत्तर **(B)** 1-(III) 2-(II) 3-(I)

प्रश्न 233 2024 (3/1/2)

'यद्यपि जीप कस्बे से आगे बढ़ गई परंतु हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे'। इस वाक्य का सरल वाक्य होगा:

(A) जीप के कस्बे से आगे बढ़ जाने पर भी हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे।
(B) जीप कस्बे से आगे बढ़ गई और हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे।
(C) हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे और जीप कस्बे से आगे बढ़ गई।
(D) जब जीप कस्बे से आगे बढ़ गई तब हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचने लगे।

उत्तर **(A)** जीप के कस्बे से आगे बढ़ जाने पर भी हालदार साहब मूर्ति के बारे में सोचते रहे।

प्रश्न 234 2024 (3/1/2)

'वे स्वयं पढ़ना-लिखना न जानते हुए भी दूसरों में दोष निकाला करते हैं'। - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य है:

(A) वे स्वयं पढ़ना-लिखना नहीं जानते हैं परंतु दूसरों में दोष निकाला करते हैं।
(B) हालाँकि वे स्वयं पढ़ना-लिखना नहीं जानते परंतु दूसरों में दोष निकाला करते हैं।
(C) जो स्वयं पढ़ना-लिखना नहीं जानते वे भी दूसरों में दोष निकाला करते हैं।
(D) स्वयं पढ़ना-लिखना न जानने वाले भी अक्सर दूसरों में दोष निकाला करते हैं।

उत्तर **(A)** वे स्वयं पढ़ना-लिखना नहीं जानते हैं परंतु दूसरों में दोष निकाला करते हैं।

प्रश्न 235 2024 (3/1/2)

निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य का उदाहरण नहीं है:

(A) मुख्य गायक की सफलता में उसका भी सम्मान छिपा है।
(B) संगतकार गायन के स्थायी का स्वर हमेशा पकड़कर रखता है।
(C) संगतकार के बिना मुख्य गायक की सफलता संदिग्ध बनी रहती है।
(D) जो मुख्य गायक है उसके बिना संगतकार का अस्तित्व नहीं है।

उत्तर **(D)** जो मुख्य गायक है उसके बिना संगतकार का अस्तित्व नहीं है।

प्रश्न 236 2024 (3/1/2)

निम्नलिखित वाक्यों में से मिश्र वाक्य पहचान कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. बहुत-से उच्च शिक्षा प्राप्त लोग भी इस बात का खंडन ही करते हैं।
2. बौद्धों का त्रिपिटक प्राकृत में रचा गया और यह महाभारत से भी बड़ा है।
3. लेखक ने खेतों के प्राकृत बोलने को उनके अनपढ़ होने का प्रमाण नहीं माना।
4. यदि कोई शिक्षा-प्रणाली खत्री-शिक्षा को अनर्थकारी बताए तो उसमें संशोधन होना चाहिए।

विकल्प:

(A) केवल 2 सही
(B) केवल 4 सही
(C) 2 और 48 सही
(D) 1 और 3 सही

उत्तर **(B)** केवल 4 सही

प्रश्न 237 2024 (3/1/2)

(v) **स्तंभ 1** को **स्तंभ 2** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

स्तंभ 1	**स्तंभ 2**
1. जो बात तथ्य आधारित है उसे तो बेझिझक मान लेनी चाहिए।	I. संयुक्त वाक्य
2. बरसात में बच्चे बाहर जाते हैं और माता-पिता डर जाते हैं।	II. सरल वाक्य
3. आजकल माता-पिता अपने बच्चों का बहुत अधिक ध्यान रखते हैं।	III. मिश्र वाक्य

विकल्प :

(A)	1	III	2	I	3 II
(B)	1	I	2	II	3 III
(C)	1	III	2	II	3 I
(D)	1	II	2	III	3 I

उत्तर **(A)** 1- (III) 2- (I) 3-(II)

प्रश्न 238 2024 (3/1/3)

'यद्यपि वह उनसे आग्रह करती रही लेकिन भगत का निर्णय अटल था।' इस वाक्य का संयुक्त वाक्य है:

(A) वह उसके आग्रह को न मानकर अपने निर्णय पर अटल रहे।
(B) हालाँकि उसने उनसे आग्रह किया परंतु भगत अपने निर्णय पर अटल रहे।
(C) उसके उनसे आग्रह करते रहने पर भी भगत का निर्णय अटल ही रहा।

(D) वह उनसे आग्रह करती रही लेकिन भगत का निर्णय अटल था।

उत्तर **(D)** वह उनसे आग्रह करती रही लेकिन भगत का निर्णय अटल था।

प्रश्न 239 2024 (3/1/3)

'जब एक रीड गीली हो जाती थी तब वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।' इसका सरल वाक्य होगा:

(A) एक रीड के गीली हो जाने पर वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।
(B) एक रीड गीली हो जाती थी इसलिए वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।
(C) वे एक नहीं, दो रीड का इस्तेमाल करते थे क्योंकि एक गीली हो जाती थी।
(D) चूँकि एक रीड गीली हो जाती थी इसलिए वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।

उत्तर **(A)** एक रीड के गीली हो जाने पर वे दूसरी रीड का इस्तेमाल करते थे।

प्रश्न 240 2024 (3/1/3)

'उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला'। इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा:

(A) जब उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे तब उन्हें गोदकर झाग निकाला।
(B) उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटने के बाद उन्हें गोदकर झाग निकाला।
(C) उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे और उन्हें गोदकर झाग निकाला।
(D) दोनों खीरों को गोदकर झाग निकालने के लिए उन्होंने उनके सिर काटे।

उत्तर **(A)** जब उन्होंने दोनों खीरों के सिर काटे तब उन्हें गोदकर झाग निकाला।

प्रश्न 241 2024 (3/1/3)

निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य पहचान कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. कोई भगत के संगीत को अपने कोलाहल में नहीं डुबो सकता।
2. उस समय मेरे कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी।
3. वे कबीर को मानते थे और उन्हीं के आदेशों पर चलते थे।
4. वे किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते थे।

विकल्प:

(A) 1 और 2
(B) 334 और
(C) केवल 3 सही
(D) केवल 4 सही

उत्तर **(C)** केवल 3 सही

प्रश्न 242 2024 (3/1/3)

(v) **स्तंभ 1** को **स्तंभ 2** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

स्तंभ 1	स्तंभ 2
1. अब उनका बुढ़ापा आ गया था किंतु टेक वही जवानी वाली थी।	I. मिश्र वाक्य

उत्तर **(B)** 1- (II) 2- (III) 3-(I)

प्रश्न 243 2024 (3/2/1)

'कस्बे में लड़कों और लड़कियों का एक स्कूल था।' - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा -

(A) कस्बे में एक लड़कों का स्कूल था और एक लड़कियों का स्कूल था।

(B) कस्बे में लड़कों का तो स्कूल था ही साथ में एक लड़कियों का भी स्कूल था।

(C) कस्बे में दो स्कूल थे जिसमें एक लड़कों का और दूसरा लड़कियों का था।

(D) कस्बे में लड़के और लड़कियों दोनों के लिए एक-एक स्कूल था।

उत्तर चारों विकल्प अनुपयुक्त होने के कारण किसी भी विकल्प के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ।

प्रश्न 244 2024 (3/2/1)

'यदि संस्कृति का कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति बन जाएगी।' - इस वाक्य का सरल वाक्य में उपयुक्त रूपांतरण है -

(A) संस्कृति में कल्याण की भावना होनी चाहिए नहीं तो वह असंस्कृति बन जाती है।

(B) संस्कृति में जब कल्याण की भावना नहीं रहती तो वह असंस्कृति बन जाती है।

(C) कल्याण की भावना से नाता टूटने पर संस्कृति असंस्कृति बन जाएगी।

(D) संस्कृति कल्याणकारी होती है, उसमें यह भावना खत्म होने पर वह असंस्कृति बन जाती है। जि 4

उत्तर **(C)** कल्याण की भावना से नाता टूटने पर संस्कृति असंस्कृति बन जाएगी।

प्रश्न 245 2024 (3/2/1)

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण है:

(A) वह अपना खाना स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था।

(B) उस युवा लड़की ने आज़ादी की लड़ाई में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

(C) मनुष्य की आज की व्यथा को उन्होंने बखूबी समझा और व्यक्त किया है।

(D) रूद्र जी जितने निष्ठावान काशी के प्रति थे उतने ही साहित्य के प्रति भी निष्ठावान थे।

उत्तर **(D)** रूद्र जी जितने निष्ठावान काशी के प्रति थे उतने ही साहित्य के प्रति भी निष्ठावान थे।

प्रश्न 246 2024 (3/2/1)

निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. यह एक सफल और अत्यंत सराहनीय प्रयास था।
2. मूर्ति पर चश्मा तो था लेकिन वह संगमरमर का नहीं था।
3. उस चश्मे को देखकर उनके चेहरे पर कौतुक भरी मुसकान फैल गई।
4. जो योग्यता किसी से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है।

(A) । और 3

(B) ।

(C) 4 और 2

(D) 431 और

उत्तर **(A)** 1 और 3

प्रश्न 247 2024 (3/2/1)

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

	स्तंभ-1		स्तंभ-2

उत्तर **(D)** 1- (II); 2- (III); 3-(I)

प्रश्न 248 2024 (3/2/2)

'हम सबके मन में उनकी स्मृति आजीवन रहेगी।' - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य है -

(A) हम सबके मन में उनकी स्मृति है और आजीवन बनी रहेगी।
(B) आजीवन उनकी स्मृति हम सबके मन में बनी रहेगी।
(C) उनकी जो स्मृति हम सबके मन में है, बह आजीवन बनी रहेगी।
(D) हम सबके मन में जो उनकी स्मृति है वह आजीवन बनी रहेगी।

उत्तर **(A)** हम सबके मन में उनकी स्मृति है और आजीवन बनी रहेगी।

प्रश्न 249 2024 (3/2/2)

'सर्वेश्वर जी के लिखे स्तंभ में बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा -

(A) सर्वेश्वर जी स्तंभ लिखते थे और उसमें बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।
(B) सर्वेश्वर जी द्वारा लिखे स्तंभ में बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।
(C) सर्वेश्वर जी जो स्तंभ लिखते थे और उसमें बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।
(D) बेबाक सच कहने का साहस सिर्फ़ सर्वेश्वर जी के लिखे स्तंभ में दिखता है।

उत्तर **(C)** सर्वेश्वर जी जो स्तंभ लिखते थे और उसमें बेबाक सच कहने का साहस दिखता है।

प्रश्न 250 2024 (3/2/2)

'उस स्थान पर ऊपर से करील की घनी छाँह थी और चारों ओर तेज़ धूप के वृत्त।' इस वाक्य का सरल वाक्य होगा -

(A) उस स्थान पर ऊपर से करील की घनी छाँह भी थी और उसके साथ धूप भी थी।
(B) वहाँ जो स्थान था वह ऊपर से करील की घनी छाँह और धूप के वृत्त से युक्त था।
(C) उस स्थान पर ऊपर से करील की घनी छाँह के साथ चारों ओर से तेज़ धूप के वृत्त भी थे।
(D) वहाँ चारों ओर तेज़ धूप के वृत्त थे और ऊपर से करील की घनी छाँह भी थी।

उत्तर **(C)** उस स्थान पर ऊपर से करील की घनी छाँह के साथ चारों ओर से तेज़ धूप के वृत्त भी थे।

प्रश्न 251 2024 (3/2/2)

निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. इलाहाबाद की सड़कों पर फ़ादर की साइकिल चलती दीख रही है।
2. मैंने यह पढ़ लिया है और मैं कुछ बताना चाहता हूँ।

3. उनमें अपने हर एक प्रियजन के लिए स्नेह उमड़ता रहता था।
4. .फ़ादर बुल्के एक संन्यासी थे परंतु पारंपरिक अर्थ में नहीं।

(A) 2 और 8
(B) 1 और 3
(C) 4 और 3
(D) 2 और 4

उत्तर **(B)** 1 और 3

प्रश्न 252 **2024** (3/2/2)

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

	स्तंभ-1		र

उत्तर **(D)** 1-(II) 2-(I) 3-(III)

प्रश्न 253 **2024** (3/2/3)

'वे जब भी दिल्ली आते मुझसे ज़रूर मिलते।' इस वाक्य का सरल वाक्य है -

(A) दिल्ली आने पर वह मुझसे ज़रूर मिलते।
(B) वे दिल्ली आते और मुझसे भी ज़रूर मिलते।
(C) वे मुझसे मिलते तथा दिल्ली अवश्य ही आते।
(D) जब कभी वह दिल्ली आते, मुझसे अवश्य मिलते।

उत्तर **(A)** दिल्ली आने पर वह मुझसे ज़रूर मिलते।

प्रश्न 254 **2024** (3/2/3)

'कस्बे में एक बड़ा बाज़ार और एक नगरपालिका भी थी।' इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा -_

(A) कस्बे में एक बड़े बाज़ार के साथ एक नगरपालिका भी थी।
(B) क्योंकि कस्बे में एक बड़ा बाज़ार तो था नहीं इसलिए साथ में एक नगरपालिका थी।
(C) कस्बे में एक बड़ा बाज़ार और एक नगरपालिका दोनों साथ-साथ थे।
(D) कस्बे में एक बड़ा बाज़ार था और एक नगरपालिका भी थी।

उत्तर **(D)** कस्बे में एक बड़ा बाज़ार था और एक नगरपालिका भी थी।

प्रश्न 255 **2024** (3/2/3)

'आग व सुई-धागे का आविष्कार कराने वाली योग्यता संस्कृति है।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य है -

(A) संस्कृति योग्यता भी है और आग व सुई-धागे का आविष्कार भी कराती है।
(B) योग्यता ही आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है और यह संस्कृति है।
(C) जो योग्यता आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है वह संस्कृति है।
(D) आग व सुई-धागे का आविष्कार करने वाली योग्यता ही संस्कृति है।

उत्तर **(C)** जो योग्यता आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है वह संस्कृति है।

प्रश्न 256 2024 (3/2/3)

निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य पहचान कर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है।
2. वे प्रतिकार में शोर-शराबा नहीं करते बल्कि प्रतिपक्ष की रक्षा करते हैं।
3. हम समाज और इतिहास में भी ऐसे अनेक प्रसंगों को देख सकते हैं।
4. उन्होंने इलाहाबाद और लखनऊ से प्रकाशित 'अमृत प्रभात' में भी नौकरी की।

(A) केवल 2 सही
(B) केवल 3 सही
(C) 2 और 8 सही
(D) । और 4 सही

उत्तर **(A)** केवल 2 सही

प्रश्न 257 2024 (3/2/3)

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

	स्तंभ-1		स्तंभ-2
	[illegible]		[illegible]

उत्तर **(C)** 1-(III) 2-(I) 3-(II)

प्रश्न 258 2024 (3/3/1)

'जो शब्द सबसे कम समझ आते हैं, वे दो शब्द हैं सभ्यता और संस्कृति।' इस वाक्य का रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद होगा -

(A) संयुक्त वाक्य
(B) साधारण वाक्य
(C) सरल वाक्य
(D) मिश्र वाक्य

उत्तर **(D)** मिश्र वाक्य

प्रश्न 259 2024 (3/3/1)

'आग का आविष्कार जिस आदमी ने किया होगा, वह महान आविष्कर्ता होगा।' इस वाक्य का सरल वाक्य होगा -

(A) जिसने आग का आविष्कार किया वह महान आविष्कर्ता होगा।
(B) आग का आविष्कार करने वाला व्यक्ति महान आविष्कर्ता रहा होगा।
(C) वह महान आविष्कर्ता होगा जिसने आग का आविष्कार किया होगा।
(D) आग का आविष्कार करने वाला जो भी हो कोई महान व्यक्ति था।

उत्तर **(B)** आग का आविष्कार करने वाला व्यक्ति महान आविष्कर्ता रहा होगा।

प्रश्न 260 2024 (3/3/1)

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण है:

(A) असहयोग आंदोलन के प्रभाव से शिवपूजन सहाय ने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।
(B) उनकी रचनाओं में लोकजीवन और लोकसंस्कृति के प्रसंग सहज ही मिल जाते हैं।

(C) उन्होंने दसवीं की परीक्षा पास की और बनारस में नकलनवीस की नौकरी की।

(D) शिवपूजन सहाय का जन्म जिस गाँव में हुआ था, वह बिहार में है।

उत्तर **(D)** शिवपूजन सहाय का जन्म जिस गाँव में हुआ था, वह बिहार में है।

प्रश्न 261 **2024** (3/3/1)

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

(1) लेखक को संस्कृति का बँटवारा करने वाले लोगों पर आश्चर्य होता है ।

(2) जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा उस कस्बे में एक ही बाज़ार था ।

(3) मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती है लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है ।

(4) उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी काली-लाल बत्तीसी दिखाकर बोला ।

(A) (1) और (2) सही हैं । (B) (2) और (3) सही हैं ।

(C) (3) और (4) सही हैं । (D) (1) और (4) सही हैं ।

उत्तर **(C)** (3) और (4) सही हैं।

प्रश्न 262 **2024** (3/3/1)

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

	स्तंभ – 1		स्तंभ – 2

उत्तर **(D)** 1-(III) 2- (I) 3-(II)

प्रश्न 263 **2024** (3/3/2)

'मानव की योग्यता उससे लोक-कल्याण के साधनों का आविष्कार कराती है।' इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा -

(A) मानव की योग्यता लोक-कल्याण में है इसलिए वह इन साधनों का आविष्कार करता है।

(B) मानव में जो योग्यता है वह उससे लोक-कल्याण के साधनों का आविष्कार कराती है।

(C) लोक-कल्याण के सभी साधनों का आविष्कार मानव की योग्यता से ही होता है।

(D) लोक-कल्याण मानव की योग्यता है और उससे साधनों का आविष्कार करवाती है।

उत्तर **(B)** मानव में जो योग्यता है वह उससे लोक-कल्याण के साधनों का आविष्कार कराती है।

प्रश्न 264 **2024** (3/3/2)

'जब शब्दों के साथ विशेषण लग जाते हैं तब तो अर्थ और गलत हो जाता है।' इस वाक्य का सरल वाक्य होगा -

(A) शब्दों के साथ विशेषण लग जाने पर अर्थ और गलत हो जाता है।

(B) शब्दों के साथ विशेषण लग जाता है और इनका अर्थ और गलत हो जाता है।

(C) यदि शब्दों के साथ विशेषण लगा दिया जाए तो इनका अर्थ और गलत हो जाता है।

(D) जैसे ही शब्दों में विशेषण लगता है, इनका अर्थ और गलत हो जाता है।

उत्तर **(A)** शब्दों के साथ विशेषण लग जाने पर अर्थ और गलत हो जाता है।

प्रश्न 265 2024 (3/3/2)

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण है:

(A) उसका ज़िक्र आने पर उनकी आँखें किसी नैसर्गिक आनंद से चमक उठती हैं।

(B) क्या तो उस समय मेरी उम्र थी और क्या मेरा भाषण रहा होगा।

(C) यह तो डॉक्टर साहब का स्नेह था जो प्रशंसा बनकर बह रहा था।

(D) कवि अपने संघर्ष भरे जीवन को जीकर पूरी तरह तृप्त हो चुका है।

उत्तर **(C)** यह तो डॉक्टर साहब का स्नेह था जो प्रशंसा बनकर बह रहा था।

प्रश्न 266 2024 (3/3/2)

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

(1) हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें संस्कृत व्यक्तियों से मिला है ।

(2) अंतरिक्ष–अध्ययन मानव जाति की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है ।

(3) अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं था ।

(4) इसी तरह समय गुजरता रहा और वह मूर्ति के चश्मे बदलता रहा ।

(A) (1) और (2) सही हैं । (B) (3) और (4) सही हैं ।

(C) सिर्फ (3) सही है । (D) सिर्फ (4) सही है ।

उत्तर **(D)** सिर्फ (4) सही है।

प्रश्न 267 2024 (3/3/2)

(v) स्तंभ–1 को स्तंभ–2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

	स्तंभ – 1		स्तंभ – 2
(1)	मेरे पिताजी क्रोधी और शक्की स्वभाव के थे ।	(I)	मिश्र वाक्य
(2)	क्योंकि वह संस्कृत बोलता है इसलिए चुना गया ।	(II)	सरल वाक्य
(3)	माँ सहनशील हैं और अधिकतर मौन रहती हैं ।	(III)	संयुक्त वाक्य

(A) (1) – (I); (2) – (II); (3) – (III)
(B) (1) – (II); (2) – (III); (3) – (I)
(C) (1) – (III); (2) – (II); (3) – (I)
(D) (1) – (II); (2) – (I); (3) – (III)

उत्तर **(D)** 1-(II) 2-(I) 3-(III)

प्रश्न 268 2024 (3/3/3)

'जब जापान जाने का अवसर मिला तब मैंने वहाँ वह अस्पताल भी देखा।' - इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा -

(A) जापान जाने के बाद अवसर मिलने पर मैंने वह अस्पताल भी देखा।
(B) जब मैं जापान गया था तब अवसर मिलने पर मैंने वह अस्पताल भी देखा था।
(C) जापान में अवसर मिलने पर मैं उस अस्पताल को देखने भी गया।
(D) अवसर मिलने पर मैं जापान गया और वहाँ वह अस्पताल भी देखा।

उत्तर **(D)** अवसर मिलने पर मैं जापान गया और वहाँ वह अस्पताल भी देखा।

प्रश्न 269 2024 (3/3/3)

'मौसम साफ़ होने पर यहाँ की बालकनी से भी कंचनजंघा दिखाई देती है।' - इस वाक्य का मिश्र वाक्य होगा -

(A) मौसम साफ़ होता है और यहाँ की बालकनी से कंचनजंघा दिखाई देने लगती है।
(B) मौसम साफ़ था और यहाँ की बालकनी से कंचनजंघा दिखाई दे रही थी।
(C) जब मौसम साफ़ होता है तब यहाँ की बालकनी से भी कंचनजंघा दिखाई देने लगती है।
(D) मौसम साफ़ हुआ और यहाँ की बालकनी से भी कंचनजंघा दिखाई देने लगी।

उत्तर **(C)** जब मौसम साफ़ होता है तब यहाँ की बालकनी से भी कंचनजंघा दिखाई देने लगती है।

प्रश्न 270 2024 (3/3/3)

निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य का उदाहरण है:

(A) देखते-देखते रास्ते वीरान, सँकरे और जलेबी की तरह घुमावदार होने लगे थे।
(B) मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना एक छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था।
(C) किसी स्थानीय कलाकार को ही यह अवसर देने का निर्णय लिया गया।
(D) हालदार साहब पान के पैसे चुकाकर जीप में बैठे और चले गए।

उत्तर **(D)** हालदार साहब पान के पैसे चुकाकर जीप में बैठे और चले गए।

प्रश्न 271 2024 (3/3/3)

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

(1) आसमान जैसे उलटा पड़ा था और सारे तारे नीचे टिमटिमा रहे थे ।
(2) मौसम अच्छा होने के बावजूद आकाश हलके-हलके बादलों से ढँका था ।
(3) नार्गे बोलता जा रहा था और मेरी नज़र उस तसवीर पर टिकी थी ।
(4) जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ मकान भी वहाँ थे ।

(A) (1) और (3) सही हैं । (B) सिर्फ (2) सही है ।
(C) सिर्फ (4) सही है । (D) (1) और (4) सही हैं ।

उत्तर **(B)** सिर्फ (2) सही है।

प्रश्न 272 2024 (3/3/3)

(v) स्तंभ–1 को स्तंभ–2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

	स्तंभ – 1		स्तंभ – 2
(1)	यह प्रश्न जितना सरल जान पड़ता है, उतना है नहीं ।	(I)	सरल वाक्य
(2)	मैं एक विद्यार्थी हूँ और भौतिकी मेरा पसंदीदा विषय है ।	(II)	मिश्र वाक्य
(3)	विज्ञान का विद्यार्थी होने के नाते मैं यह जानता हूँ ।	(III)	संयुक्त वाक्य

(A) (1) – (II); (2) – (III); (3) – (I)
(B) (1) – (I); (2) – (II); (3) – (III)
(C) (1) – (III); (2) – (II); (3) – (I)
(D) (1) – (III); (2) – (I); (3) – (II)

उत्तर **(A)** (1)- (II) (2)- (III) (3)-(I)

प्रश्न 273 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

महावीर प्रसाद द्विवेदी केवल एक व्यक्ति नहीं थे वे एक संस्था थे -- इस वाक्य का सरल वाक्य होगा:

(A) जो महावीर प्रसाद द्विवेदी थे वे केवल एक व्यक्ति नहीं संस्था थे।
(B) महावीर प्रसाद द्विवेदी केवल एक व्यक्ति नहीं थे बल्कि वे एक संस्था थे।
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी केवल एक व्यक्ति नहीं थे परंतु वे एक संस्था थे।
(D) महावीर प्रसाद द्विवेदी केवल एक व्यक्ति न होकर संस्था थे।

उत्तर **(D)** महावीर प्रसाद द्विवेदी केवल एक व्यक्ति न होकर संस्था थे।

प्रश्न 274 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

जिस टोली के अधिक बच्चे खिंच जाते हैं उस टोली की हार होती है। -- इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा:

(A) अधिक बच्चे खिंच जाने पर टोली की हार होती है।
(B) टोली के अधिक बच्चे खिंच जाते हैं इसलिए टोली की हार होती है।
(C) जब टोली के अधिक बच्चे खिंच जाते हैं तो टोली की हार होती है।
(D) वह टोली हार जाती है जिसके अधिक बच्चे खिंच जाते हैं।

उत्तर **(B)** टोली के अधिक बच्चे खिंच जाते हैं इसलिए टोली की हार होती है।

प्रश्न 275 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है:

(A) आज सुबह पापा ने जल्दी से मुझे उठाया और ओले दिखाए।

(B) आज सुबह पापा ने मुझे जल्दी उठाकर ओले दिखाए।

(C) अभी तक कोई बच्चा खेलने नहीं निकला।

(D) हमने देखा कि सामने वाले मैदान में हरी-हरी घास पर ओले गिर रहे थे।

उत्तर **(D)** हमने देखा कि सामने वाले मैदान में हरी-हरी घास पर ओले गिर रहे थे।

प्रश्न 276 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

I. पापा ने दीदी को भी उठाया ।

II. चिड़िया भाग रही थी और कौए परेशान थे ।

III. दोपहर को जब धूप निकली तब हम खेलने निकले ।

IV. बारिश हो रही थी लेकिन ओले गिरने बंद हो गए थे ।

विकल्प :

(A) I और II

(B) II और III

(C) II और IV

(D) I और IV

उत्तर **(C)** II और IV

प्रश्न 277 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

(i) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	आज मेरा नया पेंसिल बॉक्स आया है ।	(I)	मिश्र वाक्य
2.	उसने बताया कि चिड़िया उड़ गई ।	(II)	संयुक्त वाक्य
3.	पेड़ काँप रहे थे और बिजली चमक रही थी ।	(III)	सरल वाक्य

विकल्प :

(A) 1-(I), 2-(II), 3-(III)

(B) 1-(III), 2-(I), 3-(II)

(C) 1-(II), 2-(III), 3-(I)

उत्तर **(B)** 1- (III), 2-(I), 3-(II)

प्रश्न 278 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'खीरों को खिड़की से बाहर धोया और तौलिए से पोंछ लिया।' इस वाक्य का सरल वाक्य होगा:

(A) जब खीरों को खिड़की से बाहर धोया तब तौलिए से पोंछ लिया।
(B) खीरों को खिड़की से बाहर धोया तब तौलिए से पोंछ लिया।
(C) खीरों को खिड़की से बाहर धोकर तौलिए से पोंछ लिया।
(D) जैसे ही खीरों को खिड़की से बाहर धोया वैसे ही तौलिए से पोंछ लिया।

उत्तर **(C)** खीरों को खिड़की से बाहर धोकर तौलिए से पोंछ लिया।

प्रश्न 279 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'हमने भी उनके सामने की बर्थ पर बैठकर आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।' इस वाक्य का संयुक्त वाक्य होगा:

(A) जब हम भी उनके सामने की बर्थ पर बैठे तब आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।
(B) हम भी उनके सामने की बर्थ पर बैठे लेकिन आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।
(C) ज्यों ही हम उनके सामने की बर्थ पर बैठे त्यों ही आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।
(D) उनके सामने की बर्थ पर बैठकर भी हमने आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।

उत्तर **(B)** हम भी उनके सामने की बर्थ पर बैठे लेकिन आत्मसम्मान में आँखें चुरा लीं।

प्रश्न 280 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

निम्नलिखित वाक्यों में मिश्र वाक्य का उदाहरण है:

(A) यदि समय मिले तो सभी समाजों में विद्वानों के व्याख्यान भी सुनें।

(B) वह अपने विवेक और सूझबूझ से बच्चों के मन की बात समझ लेता है।

(C) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद वे भोपाल में रहते हैं और 'वसुधा' पत्रिका के संपादन से जुड़े हैं।

(D) रोचक किस्सागोई शैली में लिखी गई उनकी कहानियाँ हिन्दी की वाचिक परंपरा को समृद्ध करती हैं।

उत्तर **(A)** यदि समय मिले तो सभी समाजों में विद्वानों के व्याख्यान भी सुनें।

प्रश्न 281 **2024** (3/5/1)

(v) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	पानवाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित करने वाली ।	(I)	मिश्र वाक्य
2.	एक बार ऐसा हुआ कि मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं था ।	(II)	सरल वाक्य
3.	हालदार साहब चक्कर में पड़ गए ।	(III)	संयुक्त वाक्य

विकल्प :

(A) 1-(I), 2-(II), 3-(III)

(B) 1-(II), 2-(III), 3-(I)

(C) 1-(III), 2-(I), 3-(II)

(D) 1-(I), 2-(III), 3-(II)

उत्तर **(C)** 1- (III), 2-(I), 3-(II)

प्रश्न 282 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

I. कहानी यह कहती है कि बड़े ही नहीं बच्चे भी इसमें शामिल हैं ।

II. उसने पान नीचे थूका और अपनी लाल-लाल बत्तीसी दिखाकर बोला ।

III. अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई ।

IV. हालदार साहब ने पान खाया लेकिन उससे कुछ पूछा नहीं ।

विकल्प :

(A) I और III

(B) II और III

(C) I और IV

(D) II और IV

उत्तर **(D)** (II) और (IV)

प्रश्न 283 **2024** (3/5/2, 3/5/3)

(i) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	पानवाले के लिए यह एक मज़ेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित करने वाली ।	(I)	मिश्र वाक्य
2.	एक बार ऐसा हुआ कि मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं था ।	(II)	सरल वाक्य
3.	हालदार साहब चक्कर में पड़ गए ।	(III)	संयुक्त वाक्य

विकल्प :

(A) 1-(I), 2-(II), 3-(III)

(B) 1-(II), 2-(III), 3-(I)

(C) 1-(III), 2-(I), 3-(II)

(D) 1-(I), 2-(III), 3-(II)

उत्तर **(C)** 1- (III) 2-(I) 3-(II)

वाच्य

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2025–2026 का प्रारूप)

प्रश्न 1 2025 (3/1/1)

वे कबीर के आदेशों पर चलते। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर उनसे / उनके द्वारा कबीर के आदेशों पर चला जाता।

प्रश्न 2 2025 (3/1/1)

नवाब साहब द्वारा दृढ़ निश्चय कर खीरों को उठाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर नवाब साहब ने दृढ़ निश्चय कर खीरों को उठाया।

प्रश्न 3 2025 (3/1/1, 3/2/3)

कर्मवाच्य और भाववाच्य में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर कर्मवाच्य में सकर्मक क्रिया का प्रयोग अनिवार्य है जबकि भाववाच्य में अकर्मक क्रिया का।

प्रश्न 4 2025 (3/1/1)

ड्राइवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर ड्राइवर द्वारा ज़ोर से ब्रेक मारे गए।

प्रश्न 5 2025 (3/1/1)

लेखक ने आत्मसम्मान निबाहना ही उचित समझा। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 6 2025 (3/1/2)

मुझसे सुबह जल्दी उठा नहीं जाता है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर मैं सुबह जल्दी नहीं उठ पाता/ सकता (पाती/ सकती)

प्रश्न 7 2025 (3/1/2)

वह हर वर्ष गंगा-स्नान के लिए जाते थे। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 8 2025 (3/1/2)

मैं अपने-आप नहीं जा सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर मुझसे अपने आप नहीं जाया जा सकता।

प्रश्न 9 2025 (3/1/2)

नवाब साहब ने एक पल खिड़की से बाहर देखकर गौर किया (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर नवाब साहब द्वारा एक पल खिड़की से बाहर देखकर गौर किया गया।

प्रश्न 10 2025 (3/1/2) • 2026 (3/1/2)

मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 11 2025 (3/1/3)

उसने दौड़ लगाई। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर उसके द्वारा दौड़ लगाई गई।

प्रश्न 12 2025 (3/1/3)

नवाब साहब द्वारा खीरों को तौलिए पर सुखाया गया (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर नवाब साहब ने खीरों को तौलिए पर सुखाया।

प्रश्न 13 2025 (3/1/3)

नेताजी ने 'दिल्ली चलो' का प्रसिद्ध नारा दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर नेताजी द्वारा 'दिल्ली चलो' का प्रसिद्ध नारा दिया गया।

प्रश्न 14 2025 (3/1/3)

चलो, एक फिल्म देखें। (वाक्य में प्रयुक्त वाच्य का भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 15 2025 (3/1/3)

माँ को चिट्ठी लिखी गई। (वाक्य में प्रयुक्त वाच्य का भेद लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 16 2025 (3/2/1)

मैंने राहत की साँस ली। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर मेरे द्वारा राहत की साँस ली गई।

प्रश्न 17 2025 (3/2/1)

चलो, सोया जाए। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 18 2025 (3/2/1)

बीमारी के कारण वे ज्यादा देर बैठ न सकी। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर बीमारी के कारण उनसे ज्यादा देर बैठा न जा सका।

प्रश्न 19 2025 (3/2/1)

गार्गी द्वारा बड़े-बड़े विद्वानों को शास्त्रार्थ में हराया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर गार्गी ने बड़े-बड़े विद्वानों को शास्त्रार्थ में हराया।

प्रश्न 20 2025 (3/2/1)

पंडिता रमाबाई ने भारत में स्त्री-मुक्ति की नींव डाली। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 21 2025 (3/2/2)

हालदार साहब द्वारा एक पान खाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर हालदार साहब ने एक पान खाया।

प्रश्न 22 2025 (3/2/2)

किस वाच्य में क्रिया का सकर्मक होना अनिवार्य है?

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 23 2025 (3/2/2)

यह सब तो मैंने केवल सुना। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 24 2025 (3/2/2)

पिताजी मुझे वहीं बैठने को कहते। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर पिताजी द्वारा मुझे वहीं बैठने के लिए कहा जाता।

प्रश्न 25 **2025** (3/2/2)

सभी लोग निस्तब्धता में सोए हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर सभी लोगों से निस्तब्धता में सोया गया है।

प्रश्न 26 **2025** (3/2/3)

उनसे कुछ दूर तक चला गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर वे कुछ दूर तक चले।

प्रश्न 27 **2025** (3/2/3)

आचार्यों ने नाट्यशास्त्र-संबंधी नियम बनाए थे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर आचार्यों द्वारा नाट्यशास्त्र-संबंधी नियम बनाए गए थे।

प्रश्न 28 **2025** (3/2/3)

हमतेज़ धूप में चल नहीं पाते। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर हमसे तेज़ धूप में चला नहीं जाता।

प्रश्न 29 **2025** (3/2/3)

स्त्रियों को पढ़ाने की ज़रूरत समझी गई। (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 30 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

लड़कियाँ मैदान में खेल रही थीं। (इस वाक्य में वाच्य पहचानकर लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 31 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा लगाता था। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर कैप्टन द्वारा नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा लगाया जाता था।

प्रश्न 32 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

दादाजी से अब चला नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर दादाजी अब चल नहीं पाते / सकते।

प्रश्न 33 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

वह चलकर आया था। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर उससे चलकर आया गया था।

प्रश्न 34 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

बालक से दूध पीया जाता है। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 35 **2025** (3/4/1)

डॉक्टर साहब द्वारा मन्नू की प्रशंसा की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर डॉक्टर साहब ने मन्नू की प्रशंसा की।

प्रश्न 36 **2025** (3/4/1)

कविता प्रकृति की सुंदरता को प्रकट करती है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर कविता द्वारा प्रकृति की सुंदरता को प्रकट किया जाता है।

प्रश्न 37 **2025** (3/4/1, 3/5/2)

जिस वाक्य में क्रिया का केंद्र बिंदु भाव हो, उसमें कौन-सा वाच्य होता है?

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 38 **2025** (3/4/1)

चलो, अब चला जाय। (वाच्य पहचानकर वाच्य भेद का नाम लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 39 **2025** (3/4/1)

लेखिका शाम होने पर घर लौटीं। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर लेखिका द्वारा शाम होने पर घर लौटा गया।

प्रश्न 40 **2025** (3/4/2)

पिताजी ने मन्नू भंडारी को बधाई दी। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर पिताजी द्वारा मन्नू भंडारी को बधाई दी गई।

प्रश्न 41 2025 (3/4/2)

तुमसे ठीक से कूदा नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 42 2025 (3/4/2)

कहानी कवि की सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त करती है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर कहानी द्वारा कवि की सामाजिक चेतना को अभिव्यक्त किया जाता है।

प्रश्न 43 2025 (3/4/2)

उनके दकिसानूसी मित्र द्वारा मेरी खूब बुराई की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर उनके दकिसानूसी मित्र ने मेरी खूब बुराई की।

प्रश्न 44 2025 (3/4/2)

किस वाच्य में प्राय: असमर्थता प्रकट करने वाली क्रियाओं का प्रयोग होता है?

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 45 2025 (3/4/3)

माताजी द्वारा मेरी प्रशंसा सुनी गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर माताजी ने मेरी प्रशंसा सुनी।

प्रश्न 46 2025 (3/4/3, 3/6/3)

किस वाच्य में सिर्फ अकर्मक क्रिया का प्रयोग किया जाता है?

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 47 2025 (3/4/3, 3/6/1)

मुझसे चला नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 48 2025 (3/4/3)

निराला जी विवेकानंद के विचारों से प्रभावित हुए। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 49 2025 (3/4/3)

पिताजी के मित्र ने मेरा भाषण सुना। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर पिताजी के मित्र द्वारा मेरा भाषण सुना गया।

प्रश्न 50 2025 (3/5/1, 3/6/2)

भाव की प्रधानता वाले वाक्य में कौन सा वाच्य होता है?

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 51 2025 (3/5/1)

उन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से एम.ए. किया। (वाच्य पहचानकर वाच्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 52 2025 (3/5/1, 3/5/3)

चलो, अब टहला जाए। (वाच्य पहचानकर वाच्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 53 2025 (3/5/1)

मैंने कुछ कविताओं का संकलन किया है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर मेरे द्वारा कुछ कविताओं का संकलन किया गया है।

प्रश्न 54 2025 (3/5/1)

प्रधान सचिव द्वारा आपातकालीन सभा बुलाई गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर प्रधान सचिव ने आपातकालीन सभा बुलाई।

प्रश्न 55 2025 (3/5/2, 3/6/1)

उनके द्वारा मुझे सच्चाई का अहसास कराया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर उन्होंने मुझे सच्चाई का अहसास कराया।

प्रश्न 56 2025 (3/5/2)

भोर में लोगों ने गीत नहीं सुना। (वाच्य पहचानकर वाच्य भेद का नाम लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 57 2025 (3/5/2)

उठो, अब सोया जाए। (वाच्य पहचानकर वाच्य भेद का नाम लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 58 2025 (3/5/2)

लेखिका ने बचपन में गिल्ली-डंडा भी खेला। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर लेखिका द्वारा बचपन में गिल्ली-डंडा भी खेला गया।

प्रश्न 59 2025 (3/5/3)

प्रधानाचार्य द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

प्रश्न 60 2025 (3/5/3)

कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किया है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर कवि द्वारा प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किया गया है।

प्रश्न 61 2025 (3/5/3)

किस वाच्य में सकर्मक और अकर्मक दोनों क्रिया होती हैं?

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 62 2025 (3/5/3)

लेखिका ने अपने दैनिक अनुभवों को डायरी में लिखा। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर लेखिका द्वारा अपने दैनिक अनुभवों को डायरी में लिखा गया।

प्रश्न 63 2025 (3/6/1)

किस वाच्य में क्रिया सदैव सकर्मक होती है?

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 64 2025 (3/6/1)

वह उन आटे की गोलियों को लेकर गंगा जी की ओर चल पड़ते। (वाच्य पहचानकर वाच्य-भेद का नाम लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 65 2025 (3/6/1)

पंतने प्रकृतिपरक कविताएँ लिखी हैं। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर पंत द्वारा प्रकृतिपरक कविताएँ लिखी गई हैं।

प्रश्न 66 2025 (3/6/2)

उन्होंने सामाजिक छवि को उजागर किया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर उनके द्वारा सामाजिक छवि को उजागर किया गया।

प्रश्न 67 2025 (3/6/2)

उनसे बैठा नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 68 2025 (3/6/2)

निराला द्वारा अनेक गीतों की रचना की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर निराला ने अनेक गीतों की रचना की।

प्रश्न 69 2025 (3/6/2)

स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं द्वारा सक्रियता से भाग लिया गया। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 70 2025 (3/6/3)

मुझसे अब दौड़ा नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 71 2025 (3/6/3)

निराला ने अपनी रचनाओं के माध्यम से परिवर्तन का आह्वान किया है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर निराला द्वारा अपनी रचनाओं के माध्यम से परिवर्तन का आह्वान किया गया है।

प्रश्न 72 2025 (3/6/3)

बालगोबिन द्वारा पतोहू को मायके भेज दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर बालगोबिन ने पतोहू को मायके भेज दिया।

प्रश्न 73 **2025** (3/6/3)

बादल गर्जन-तर्जन के साथ बरस रहे हैं। (वाच्य पहचानकर भेद का नाम लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 74 **2026** (3/1/1)

आपके द्वारा अपनी सफलता का उल्लेख नहीं किया गया। (वाच्य का भेद पहचान कर लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 75 **2026** (3/1/1)

नागार्जुन ने बच्चे की मुस्कान पर कविता लिखी। (वाच्य का भेद पहचान कर लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 76 **2026** (3/1/1)

तुम जा नहीं सकते। (भाववाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर तुमसे जाया नहीं जा सकता।

प्रश्न 77 **2026** (3/1/1)

वृद्धा से चला नहीं जा रहा था। (कर्तृवाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर वृद्धा चल नहीं पा रही थी।

प्रश्न 78 **2026** (3/1/1)

सभी बच्चों ने पाठ पढ़ा। (कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर सभी बच्चों द्वारा/ के द्वारा पाठ पढ़ा गया।

प्रश्न 79 **2026** (3/1/2)

राम से गिलास टूट गया। (वाच्य का भेद पहचान कर लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 80 **2026** (3/1/2)

मन्नू भंडारी ने देश की आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। (कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर मन्नू भंडारी द्वारा/ के द्वारा देश की आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई गई।

प्रश्न 81 2026 (3/1/2)

उनके द्वारा स्वदेशी चिंतन को व्यापक बनाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर उन्होंने स्वदेशी चिंतन को व्यापक बनाया।

प्रश्न 82 2026 (3/1/2)

राजेश बहुत तेज़ दौड़ा। (भाववाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर राजेश से बहुत तेज़ दौड़ा गया।

प्रश्न 83 2026 (3/1/3)

शीला अग्रवाल ने साहित्य का दायरा बढ़ाया। (वाच्य का भेद पहचान कर लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 84 2026 (3/1/3)

नवाब साहब द्वारा खीरों को धो-पोंछ कर सुखाया गया। (वाच्य का भेद पहचान कर लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 85 2026 (3/1/3)

पान वाले द्वारा हालदार साहब की ओर पान बढ़ाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर पान वाले ने हालदार साहब की ओर पान बढ़ाया।

प्रश्न 86 2026 (3/1/3)

बालगोबिन भगत एक पद गाते। (कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर बालगोबिन भगत द्वारा/ के द्वारा एक पद गाया जाता।

प्रश्न 87 2026 (3/1/3)

नन्हा शिशु गहरी नींद में सोता है। (भाववाच्य में बदलकर लिखिए)

उत्तर नन्हे शिशु से गहरी नींद में सोया जाता है।

प्रश्न 88 2026 (3/2/1)

इतनी गर्मी में कौन सो सकता है? (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर इतनी गर्मी में किससे सोया जा सकता है?

प्रश्न 89 **2026** (3/2/1)

राधिका से दौड़ा नहीं गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर राधिका दौड़ नहीं सकी।

प्रश्न 90 **2026** (3/2/1)

रातभर कैसे जागा जाएगा? (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 91 **2026** (3/2/1)

तुमने दर्पण गिरा दिया। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 92 **2026** (3/2/1)

पिताजी ने स्वादिष्ट दाल बनाई (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर पिताजी द्वारा/के द्वारा स्वादिष्ट दाल बनाई गई।

प्रश्न 93 **2026** (3/2/2)

रोहन अब उठ-बैठ सकता है। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर रोहन से अब उठा-बैठा जा सकता है।

प्रश्न 94 **2026** (3/2/2)

पक्षियों से उड़ा जाता है। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 95 **2026** (3/2/2)

महिलाओं ने बाज़ार से कई किताबें खरीदीं। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर महिलाओं द्वारा/ के द्वारा बाज़ार से कई किताबें खरीदी गईं।

प्रश्न 96 **2026** (3/2/2)

प्रबंधक द्वारा सभागार में अगले कार्यक्रम की घोषणा की गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर प्रबंधक ने सभागार में अगले कार्यक्रम की घोषणा की।

प्रश्न 97 **2026** (3/2/2)

मैंने हिमालय को सलामी देनी चाही। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 98 **2026** (3/2/3)

अब चलें। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 99 **2026** (3/2/3)

वह चल नहीं पा रहा था। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर उससे चला नहीं जा रहा था।

प्रश्न 100 **2026** (3/2/3)

हुक्कामों ने एक-दूसरे की तरफ़ देखा। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 101 **2026** (3/2/3)

बच्चों ने खूब शोर मचाया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर बच्चों द्वारा/ के द्वारा खूब शोर मचाया गया।

प्रश्न 102 **2026** (3/2/3)

अख़बारों द्वारा खबरें छापी गईं। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर अख़बारों ने खबरें छापीं।

प्रश्न 103 **2026** (3/3/1)

मुझसे अच्छी तरह सोया नहीं गया। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 104 **2026** (3/3/1)

वह सुंदर चित्र बनाता है। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 105 2026 (3/3/1)

मुझसे उसका हाल सुना नहीं गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर मैं उसका हाल सुन नहीं पाया/पाई।

प्रश्न 106 2026 (3/3/1)

नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर नवाब साहब द्वारा/के द्वारा संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया गया।

प्रश्न 107 2026 (3/3/1)

तुम क्यों नहीं उठे? (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर तुमसे उठा क्यों नहीं गया?/ तुमसे उठा क्यों नहीं जा सका?

प्रश्न 108 2026 (3/3/2)

नेताजी ने भाषण दिया था। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर नेताजी द्वारा/ के द्वारा भाषण दिया गया था।

प्रश्न 109 2026 (3/3/2)

बीमार व्यक्ति चल नहीं सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर बीमार व्यक्ति से चला नहीं जाता।

प्रश्न 110 2026 (3/3/2)

उन्होंने किसान जीवन को अपनी रचनाओं का केन्द्र बनाया। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 111 2026 (3/3/2)

मुझसे लड़ा नहीं जा सकता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर मैं लड़ नहीं सकता/ सकती।

प्रश्न 112 2026 (3/3/2)

अधिकारी द्वारा मामले की जाँच-पड़ताल की गई। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 113 2026 (3/3/3)

पतोहू द्वारा खाना दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर पतोहू ने खाना दिया।

प्रश्न 114 2026 (3/3/3)

उससे धूप में नहीं चला जाता। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 115 2026 (3/3/3)

सभापति ने कलाकार को पुरस्कार दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर सभापति द्वारा/ के द्वारा कलाकार को पुरस्कार दिया गया।

प्रश्न 116 2026 (3/3/3)

शाहजहाँ द्वारा ताजमहल बनवाया गया। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 117 2026 (3/3/3)

दादी माँ प्रतिदिन स्टेडियम में टहलती हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर दादी माँ से प्रतिदिन स्टेडियम में टहला जाता है।

प्रश्न 118 2026 (3/4/1)

इस सर्दी में तो रहा नहीं जाएगा। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर इस सर्दी में तो रह नहीं सकेंगे।

प्रश्न 119 2026 (3/4/1)

विद्यार्थी परीक्षा के दिनों में खूब पढ़ाई करते हैं। (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 120 2026 (3/4/1)

मज़दूरों ने एक साल में यह पुल तैयार किया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर मज़दूरों द्वारा/ के द्वारा एक साल में यह पुल तैयार किया गया।

प्रश्न 121 2026 (3/4/1)

वह नहीं दौड़ा। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर उससे दौड़ा नहीं गया।

प्रश्न 122 2026 (3/4/1)

मैं अगले महीने ताजमहल देखने जाऊँगी। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर मेरे द्वारा अगले महीने ताजमहल देखने जाया जाएगा।

प्रश्न 123 2026 (3/4/2, 3/5/3)

वह खड़ा नहीं हो सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर उससे खड़ा नहीं हुआ जाता।

प्रश्न 124 2026 (3/4/2)

छात्रों द्वारा परीक्षा दी जा रही है। (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 125 2026 (3/4/2)

लड़कियों ने देश-प्रेम का एक गीत सुनाया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर लड़कियों द्वारा/ के द्वारा देश-प्रेम का एक गीत सुनाया गया।

प्रश्न 126 2026 (3/4/2)

सभी दर्शकों ने नाटक की प्रशंसा की। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर सभी दर्शकों द्वारा/ के द्वारा नाटक की प्रशंसा की गई।

प्रश्न 127 2026 (3/4/2)

किसी के द्वारा दरवाजा खटखटाया जा रहा है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर कोई दरवाजा खटखटा रहा है।

प्रश्न 128 2026 (3/4/3)

उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर उन्होंने कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया।

प्रश्न 129 2026 (3/4/3)

बालगोबिन भगत कबीर के भजन गा रहे थे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर बालगोबिन भगत द्वारा/ के द्वारा कबीर के भजन गाए जा रहे थे।

प्रश्न 130 2026 (3/4/3)

क्या तुमसे इतनी देर बैठा जायेगा? (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 131 2026 (3/4/3)

घायल होने के कारण वह उड़ नहीं पाया। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर घायल होने के कारण उससे उड़ा नहीं गया।

प्रश्न 132 2026 (3/4/3)

पुलिस ने अपराधी को पकड़ा। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर पुलिस द्वारा/ के द्वारा अपराधी को पकड़ा गया।

प्रश्न 133 2026 (3/5/1)

आज घूमने चला जाए। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर आज घूमने चलें।

प्रश्न 134 2026 (3/5/1)

पहाड़ी रास्ते पर घोड़ा तेज़ न चल सका। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर पहाड़ी रास्ते पर घोड़े से तेज़ न चला जा सका।

प्रश्न 135 2026 (3/5/1)

क्या यह उपन्यास मन्नू भंडारी ने लिखा है? (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर क्या यह उपन्यास मन्नू भंडारी द्वारा/ के द्वारा लिखा गया है?

प्रश्न 136 2026 (3/5/1)

कल आपके द्वारा दावत दी जाएगी। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर दिया गया वाक्य स्वयं कर्मवाच्य है और इसे कर्मवाच्य में ही बदलने के लिए निर्देश दिया गया है।
उन सभी परीक्षार्थियों को इस प्रश्न के लिए पूरे अंक (एक अंक) दिए जाएँ जिन्होंने इसे करने का प्रयास किया है।

प्रश्न 137 **2026** (3/5/1)

अवनि ने पुस्तकें खरीदी। (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)

उत्तर कर्तृवाच्य

प्रश्न 138 **2026** (3/5/2)

बच्चों द्वारा अच्छा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर बच्चों ने अच्छा कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

प्रश्न 139 **2026** (3/5/2)

सारिका क्षणभर के लिए भी शांत नहीं बैठती है। (भाववाच्य में बदलिए)

उत्तर सारिका से क्षणभर भी शांत नहीं बैठा जाता है।

प्रश्न 140 **2026** (3/5/2)

प्रधानमंत्री जी ने इस भवन का उद्घाटन किया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर प्रधानमंत्री जी द्वारा/ के द्वारा इस भवन का उद्घाटन किया गया।

प्रश्न 141 **2026** (3/5/2)

व्यापारियों द्वारा दुकानें बंद रखी गई हैं। (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)

उत्तर कर्मवाच्य

प्रश्न 142 **2026** (3/5/2)

चुनावों की घोषणा हुई। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर चुनावों की घोषणा की गई।

प्रश्न 143 **2026** (3/5/3)

माता-पिता ने उसको अच्छे संस्कार देने का प्रयास किया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर माता-पिता द्वारा/ के द्वारा उसको अच्छे संस्कार देने का प्रयास किया गया।

प्रश्न 144 **2026** (3/5/3)

सुमन ने अच्छी कविता लिखी है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

उत्तर सुमन द्वारा/ के द्वारा अच्छी कविता लिखी गई है।

प्रश्न 145 2026 (3/5/3)

उस बेचारी से तो बैठा भी नहीं जाता। (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)

उत्तर भाववाच्य

प्रश्न 146 2026 (3/5/3)

किसके द्वारा घड़ी चुराई गई थी? (कर्तृवाच्य में बदलिए)

उत्तर किसने घड़ी चुराई थी?

बहुविकल्पी प्रश्न (2023–2024 का प्रारूप)

प्रश्न 147 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'हम सभी सैलानी आगे चलने में असमर्थ थे।' प्रस्तुत वाक्य का वाच्य पहचानिए

(A) कर्मवाच्य
(B) कर्तृवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) अकर्तृवाच्य

उत्तर **(B)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 148 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाच्य का उदाहरण नहीं है: -

(A) उससे तो दौड़ा भी नहीं जाता।
(B) बूढ़ी काकी से उठा भी नहीं जाता।
(C) बूढ़े दादू से रोटी भी नहीं खाई जाती।
(D) रमेश से सोया भी नहीं जाता।

उत्तर **(C)** बूढ़े दादू से रोटी भी नहीं खाई जाती।

प्रश्न 149 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य कर्तृवाच्य का उदाहरण है?

(A) मूर्तिकार द्वारा सबको सूचना दी गई।
(B) अफसरों से कुछ-का-कुछ बहाना बनाया गया।
(C) चेयरमैन द्वारा आदेश पारित किया गया।
(D) मूर्तिकार पहाड़ों के दौरे पर निकल पड़ा।

उत्तर **(D)** मूर्तिकार पहाड़ों के दौरे पर निकल पड़ा।

प्रश्न 150 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'उसने नेपाली बोली सीखी' - वाक्य का कर्मवाच्य होगा -

(A) उसके द्वारा नेपाली बोली सीखी गई।
(B) उसने नेपाली बोली सीख ली।
(C) उससे नेपाली बोली सीख ली जाएगी।
(D) उससे नेपाली नहीं सीखी जाती है।

उत्तर **(A)** उसके द्वारा नेपाली बोली सीखी गई।

प्रश्न 151 2023 (3/1/1)

(v) स्तंभ-I और स्तंभ-II को सुमेलित कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए – 1

	स्तंभ – I		स्तंभ - II
(अ)	गेंदबाज द्वारा फुलटॉस गेंद फेंकी गई ।	(I)	कर्तृवाच्य
(ब)	भारतीय महिला क्रिकेटरों का प्रदर्शन सराहनीय था ।	(II)	कर्मवाच्य
(स)	चोटिल बल्लेबाज से दौड़ा नहीं जा सका ।	(III)	भाववाच्य

(a) (अ) – (I); (ब) – (III); (स) – (II) (b) (अ) – (I); (ब) – (II); (स) – (III)
(c) (अ) – (II); (ब) – (I); (स) – (III) (d) (अ) – (III); (ब) – (II); (स) – (I)

उत्तर **(C)**

प्रश्न 152 2023 (3/1/2)

(v) स्तंभ-I और स्तंभ-II को सुमेलित कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए – 1

	स्तंभ – I		स्तंभ - II
(अ)	गेंदबाज द्वारा फुलटॉस गेंद फेंकी गई ।	(I)	कर्तृवाच्य
(ब)	भारतीय महिला क्रिकेटरों का प्रदर्शन सराहनीय था ।	(II)	कर्मवाच्य
(स)	चोटिल बल्लेबाज से दौड़ा नहीं जा सका ।	(III)	भाववाच्य

(a) (अ) – (I); (ब) – (III); (स) – (II)
(b) (अ) – (I); (ब) – (II); (स) – (III)
(c) (अ) – (II); (ब) – (I); (स) – (III)
(d) (अ) – (III); (ब) – (II); (स) – (I)

उत्तर **(C)**

प्रश्न 153 2023 (3/1/3)

(v) स्तंभ-I और स्तंभ-II को सुमेलित कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए 1

	स्तंभ – I		स्तंभ - II

उत्तर **(C)**

प्रश्न 154 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य कर्तृवाच्य का उदाहरण नहीं है?

(A) बालगोबिन भगत अपने खेत में रोपनी कर रहे थे।
(B) बालगोबिन भगत अपने खेत में रोपनी करवा रहा था।
(C) बालगोबिन भगत ने अपने खेत में रोपनी की।
(D) बालगोबिन भगत द्वारा अपने खेत में रोपनी की गई।

उत्तर **(D)** बालगोबिन भगत द्वारा अपने खेत में रोपनी की गई।

प्रश्न 155 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण नहीं है?

(A) बच्चों से किताब पढ़ी गई।
(B) राधिका से नहीं दौड़ा गया।
(C) मुझसे चला नहीं जाता।
(D) लड़कों से खूब सोया गया।

उत्तर **(A)** बच्चों से किताब पढ़ी गई।

प्रश्न 156 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'चलो, चला जाए।' -- वाक्य का कर्तृवाच्य होगा:

(A) चलो, चलें।
(B) चलो, चला गया।
(C) चलते हैं।
(D) चलो, जाऊँ।

उत्तर **(A)** चलो, चलें।

प्रश्न 157 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटकर लिखिए:

(A) तुम वहाँ क्यों जाते हो?
(B) उनसे गीत गाया न गया।
(C) विपत्ति पड़ने पर उससे रोया नहीं जाता।
(D) विद्यार्थियों से दौड़ा नहीं जाता।

उत्तर **(A)** तुम वहाँ क्यों जाते हो?

प्रश्न 158 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

ऋतुराज ने स्त्री-जीवन को अपनी कविताओं का केंद्र बनाया है। --- इसका कर्मवाच्य में रूप होगा:

(A) ऋतुराज से स्त्री-जीवन की कविताएँ लिखी गईं।
(B) कऋतुराज द्वारा स्त्री-जीवन को अपनी कविताओं का केंद्र बनाया गया।
(C) कऋतुराज ने स्त्री-जीवन को अपनी कविताओं का केंद्र बनवाया।
(D) कऋतुराज स्त्री-जीवन के केंद्र में अपनी कविताओं की रचना करते थे।

उत्तर **(B)** कऋतुराज द्वारा स्त्री-जीवन को अपनी कविताओं का केंद्र बनाया गया।

प्रश्न 159 **2023** (3/4/1)

'उनसे बर्थ पर सुविधा से बैठा नहीं जा रहा था'। वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्मवाच्य
(B) भाववाच्य
(C) कर्तृवाच्य
(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(B)** भाववाच्य

प्रश्न 160 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उन्होंने खीरे खरीदे होंगे।' इस वाक्य का कर्मवाच्य में परिवर्तित रूप होगा-

(A) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनके द्वारा खीरे खरीदे गए होंगे।

(B) उन्होंने खीरे सफ़र का वक्त काटने के लिए ही खरीदे होंगे।

(C) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनसे खीरे खरीदे जा रहे थे।

(D) सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनके द्वारा खीरे खरीदे जाएँगे।

उत्तर **(A)** सफ़र का वक्त काटने के लिए ही उनके द्वारा खीरे खरीदे गए होंगे।

प्रश्न 161 **2023** (3/4/1)

निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है?

(A) टिकट सेकंड क्लास का लिया गया।

(B) फाँक को सूँघा गया।

(C) जेब से चाकू निकाला गया।

(D) ऊपर की बर्थ पर चढ़ा नहीं जाता।

उत्तर **(D)** ऊपर की बर्थ पर चढ़ा नहीं जाता।

प्रश्न 162 **2023** (3/4/1)

'नवाब साहब द्वारा खीरे पर मसाला छिड़का गया'। वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य

(B) भाववाच्य

(C) कर्मवाच्य

(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(C)** कर्मवाच्य

प्रश्न 163 **2023** (3/4/1)

'वे हमें भी मामूली लोगों की हरकत में लथेड़ लेना चाहते हैं'। वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य

(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(A)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 164 **2023** (3/4/2)

'उनके द्वारा कहानियाँ रोचक किस्सागोई शैली में लिखी गई हैं'। यह वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य

(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(B)** कर्मवाच्य

प्रश्न 165 **2023** (3/4/2)

निम्नलिखित में कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है?

(A) गोपियों ने भ्रमर के बहाने उद्धव पर व्यंग्य-बाण छोड़े।
(B) उद्धव द्वारा गोपियों को ज्ञान मार्ग का संदेश दिया गया।
(C) उससे कहाँ चढ़ा जाएगा।
(D) गोपियाँ प्रेम-मार्ग पर चलती हैं।

उत्तर (C) उससे कहाँ चढ़ा जाएगा।

प्रश्न 166 2023 (3/4/2)

'माँ से रोया भी नहीं जाता'। वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य
(B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) मुख्यवाच्य

उत्तर (C) भाववाच्य

प्रश्न 167 2023 (3/4/2)

'स्वयंप्रकाश ने अपना बचपन राजस्थान में बिताया'। वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य
(B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) मुख्यवाच्य

उत्तर (A) कर्तृवाच्य

प्रश्न 168 2023 (3/4/3, 3/5/2)

'अब खेला जाए।' वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य
(B) कर्मवाच्य
(C) 'भाववाच्य'
(D) मुख्यवाच्य

उत्तर (C) 'भाववाच्य'

प्रश्न 169 2023 (3/4/3)

निम्नलिखित वाक्यों में कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है?

(A) गोपियों ने योग-साधना को कड़वी ककड़ी बताया।
(B) परशुराम ने सभा में क्रोध किया।
(C) लक्ष्मण द्वारा परशुराम पर व्यंग्य-बाण छोड़े गए।
(D) चोट के कारण उनसे चला नहीं जाता।

उत्तर (D) चोट के कारण उनसे चला नहीं जाता।

प्रश्न 170 2023 (3/4/3)

'हम कनखियों से उन्हें देख रहे थे'। यह वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्मवाच्य
(B) कर्तृवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(B)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 171 2023 (3/4/3)

'लेखिका द्वारा यहाँ बहुत ही खूबसूरती से साधारण लड़की के असाधारण बनने के प्रारंभिक पड़ावों को प्रकट किया गया है'। यह वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य
(B) भाववाच्य
(C) कर्मवाच्य
(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(C)** कर्मवाच्य

प्रश्न 172 2023 (3/5/1)

निम्नलिखित वाक्य का कौन-सा वाच्य-भेद है? 'अब उससे चला भी नहीं जाता।'

(A) कर्मवाच्य
(B) कर्तृवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(C)** भाववाच्य

प्रश्न 173 2023 (3/5/1)

निम्नलिखित वाक्य में कौन-सा वाक्य भाववाच्य में है?

(A) उन पर विशेष प्रभाव डाला गया।
(B) अंग्रेज़ी का ज्ञान भी अर्जित किया गया।
(C) निराला रचनावली में संपूर्ण साहित्य प्रकाशित किया गया है।
(D) उनसे और नहीं सहा जाता।

उत्तर **(D)** उनसे और नहीं सहा जाता।

प्रश्न 174 2023 (3/5/1)

निम्नलिखित वाक्य का वाच्य-भेद कौन-सा है? 'यह कविता हमें कृषि-संस्कृति के निकट ले जाती है।'

(A) कर्मवाच्य
(B) कर्तृवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(B)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 175 2023 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया था।' इस वाक्य का कर्मवाच्य में परिवर्तित रूप होगा:

(A) शीला अग्रवाल की जोशीली बातों से रगों में बहता खून लावे में बदल रहा है।
(B) शीला अग्रवाल की जोशीली बातों से रगों में बहता खून लावे में बदला जाएगा।
(C) शीला अग्रवाल ने जोशीली बातें की और रगों में बहता खून लावे में बदल गया।
(D) शीला अग्रवाल की जोशीली बातों द्वारा रगों में बहता खून लावे में बदल दिया गया।

उत्तर **(D)** शीला अग्रवाल की जोशीली बातों द्वारा रगों में बहता खून लावे में बदल दिया गया।

प्रश्न 176 2023 (3/5/1)

(ii) "नागार्जुन द्वारा छंदों और मुक्त छंद में रचना की गई ।" इस वाक्य में वाच्य-भेद है :

(a) कर्तृवाच्य

(b) भाववाच्य

(c) मुख्यवाच्य

(d) कर्मवाच्य

उत्तर **(D)** कर्मवाच्य

प्रश्न 177 2023 (3/5/2)

निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है?

(A) उससे कैसे दौड़ा जाएगा?

(B) कवि ने कविता में अनेक बिंब प्रस्तुत किए।

(C) उनके द्वारा बाल मनोविज्ञान को बिंबों में उतारा गया।

(D) फ़सल कविता में सहयोग की भावना को चित्रित किया गया है।

उत्तर **(A)** उससे कैसे दौड़ा जाएगा?

प्रश्न 178 2023 (3/5/2)

'जमदग्नि ने अपनी कामधेनु गाय देने से मना कर दिया।' वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) भाववाच्य

(B) मुख्यवाच्य

(C) कर्तृवाच्य

(D) कर्मवाच्य

उत्तर **(C)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 179 2023 (3/5/2)

'सहसबाहु द्वारा कामधेनु गाय का बलपूर्वक अपहरण कर लिया गया।' यह वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य

(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(B)** कर्मवाच्य

प्रश्न 180 2023 (3/5/3)

'अब सोया जाए।' इस वाक्य में वाच्य-भेद है:

(A) कर्तृवाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य

(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(C)** भाववाच्य

प्रश्न 181 2023 (3/5/3)

निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा वाक्य भाववाच्य का उदाहरण है?

(A) वे मानव-मूल्यों के उपासक कवि थे।

(B) समा द्वारा कैसे जागा जाएगा?

(C) यह अंश रामचरितमानस के बालकांड से लिया गया है।

(D) उन्होंने शोषक वर्ग को ललकारा।

उत्तर **(B)** समा द्वारा कैसे जागा जाएगा?

प्रश्न 182 2023 (3/5/3)

'अमीरुद्दीन द्वारा अपनी कमाई से फिल्म देखी जाती है।' --- वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य

(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(B)** कर्मवाच्य

प्रश्न 183 2023 (3/5/3)

'वे सुलोचना की कोई फिल्म नहीं छोड़ते।' यह वाक्य किस वाच्य-भेद का उदाहरण है?

(A) कर्तृवाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य

(D) मुख्यवाच्य

उत्तर **(A)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 184 2023 (3/6/1)

निम्नलिखित में कर्मवाच्य का उदाहरण है -

(A) अब तो उससे रोया नहीं जाता।

(B) अब तो वह नहीं रोती।

(C) माँद्वारा खाना बनाया जाता है।

(D) माँ से सोया नहीं जाता।

उत्तर **(C)** माँद्वारा खाना बनाया जाता है।

प्रश्न 185 2023 (3/6/1)

निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य का उदाहरण है -

(A) चलो, चला जाए।

(B) चलो, कहीं चला जाए।

(C) चलो, घूमने चलते हैं।

(D) नहीं, मुझसे नहीं चला जाएगा।

उत्तर **(C)** चलो, घूमने चलते हैं।

प्रश्न 186 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का वाक्य है -

(A) बच्चा बैठता है।
(B) राम से आया नहीं जाता।
(C) रमेश आता है।
(D) आपसे पत्र लिखा नहीं गया।

उत्तर **(B)** राम से आया नहीं जाता।

प्रश्न 187 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'मैं यह भाषा नहीं पढ़ सकूँगा' - वाक्य को कर्मवाच्य में बदलने पर होगा -

(A) मुझसे यह भाषा नहीं पढ़ी जा सकेगी।
(B) मैंने यह भाषा पहले नहीं पढ़ी है।
(C) मैं यह भाषा पढ़ने का प्रयास कर सकता हूँ।
(D) मेरे द्वारा यह भाषा पढ़ी जा सकेगी।

उत्तर **(A)** मुझसे यह भाषा नहीं पढ़ी जा सकेगी।

प्रश्न 188 **2023** (3/6/1)

(v) स्तंभ-I और स्तंभ-II को सुमेलित करके सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

	स्तंभ-I		**स्तंभ-II**
(I)	कर्तृवाच्य	(अ)	पक्षियों से उड़ा जाता है ।
(II)	कर्मवाच्य	(ब)	पुलिस द्वारा चोर पकड़ा गया ।
(III)	भाववाच्य	(स)	चलो, यहाँ से चलें

	(I)	**(II)**	**(III)**
(a)	(अ)	(ब)	(स)
(b)	(ब)	(स)	(अ)
(c)	(स)	(अ)	(ब)
(d)	(स)	(ब)	(अ)

उत्तर **(D)** (स)(ब)(अ)।

प्रश्न 189 **2023** (3/6/2)

निम्नलिखित में कर्मवाच्य का उदाहरण है -

(A) रवि ने नाटक में भाग लिया।
(B) रवि नाटक से भाग गया।
(C) रवि द्वारा नाटक में भाग लिया गया।
(D) रवि नाटक में भाग लेना चाहता था।

उत्तर **(C)** रवि द्वारा नाटक में भाग लिया गया।

प्रश्न 190 **2023** (3/6/2, 3/6/3)

(v) स्तंभ-I और स्तंभ-II को सुमेलित करके सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1

स्तंभ-I	**स्तंभ-II**

उत्तर **(D)**

प्रश्न 191 **2023** (3/6/2)

(ii) 'मोहम्मद रफी द्वारा यह गीत गाया गया' – इसे कर्तृवाच्य में बदलने पर होगा – 1

(a) मोहम्मद रफी से यह गीत गाया गया ।

(b) मोहम्मद रफी ने यह गीत गाया ।

उत्तर **(B)** मोहम्मद रफी ने यह गीत गाया।

प्रश्न 192 **2023** (3/6/3)

निम्नलिखित में से कर्मवाच्य के उदाहरण में किसे नहीं माना जाएगा?

(A) उसके द्वारा कहानी सुनाई गई।
(B) उससे कुछ भी कहा नहीं गया।
(C) बूढ़ी-दादी से चला नहीं गया।
(D) माँ से अब खाना बनाया नहीं जाता।

उत्तर **(C)** बूढ़ी-दादी से चला नहीं गया।

प्रश्न 193 **2023** (3/6/3)

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य का उदाहरण है – 1

(a) लड़के से तैरा जाता है ।

(b) लड़के ने तैराकी सीखी ।

उत्तर **(C)** चलो, घूमने चलते हैं।

प्रश्न 194 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'संगतकार द्वारा मुख्य गायक का उत्साह बढ़ाया गया'। _ प्रस्तुत वाक्य का वाच्य पहचानिए:

(A) कर्तृवाच्य
(B) अकर्मवाच्य
(C) कर्मवाच्य
(D) भाववाच्य

उत्तर **(C)** कर्मवाच्य

प्रश्न 195 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'कवि ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन किया है'। इसका कर्मवाच्य होगा:

(A) कवी श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन करते हैं।
(B) कवि द्वारा श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन किया गया है।
(C) कवी श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन कर पाते हैं।
(D) कवि ने श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन किया था।

उत्तर **(B)** कवि द्वारा श्रीकृष्ण के रूप-सौंदर्य का वर्णन किया गया है।

प्रश्न 196 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'लेखक ने अपने तर्कों से उनकी दलीलों का खंडन किया'। - वाक्य में वाच्य है:

(A) कर्मवाच्य
(B) भाववाच्य
(C) कर्तृवाच्य
(D) क्रियावाच्य

उत्तर **(C)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 197 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का उदाहरण है/हैं :

1. प्रधानाचार्य द्वारा निर्देश जारी किया गया।
2. उसकी दादी से खड़ा नहीं रहा जाता।
3. सज्जन अपने से बड़ों की सेवा करते हैं।
4. खिलाड़ी से अब दौड़ा नहीं जाता।

विकल्प :

(A) 1, 3 और 4
(B) 2 और 4
(C) 1 और 3
(D) 3 और 4

उत्तर **(B)** 2 और 4

प्रश्न 198 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

(v) **स्तंभ 1** को **स्तंभ 2** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

स्तंभ 1	स्तंभ 2

उत्तर **(C)** 1- III 2- I 3- II

प्रश्न 199 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'लेखक ने सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया।' इस वाक्य का वाच्य पहचानकर लिखिए:

(A) कर्तावाच्य
(B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) कर्तृवाच्य पा [24

उत्तर **(D)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 200 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का उदाहरण वाक्य नहीं है:

(A) इस मोर से उड़ा नहीं जाता।
(B) मोहित बहुत सुरीला गा पाता है।

(C) दादाजी से पैदल चला नहीं जाता।
(D) चलो, अब यहाँ से चला जाए।

उत्तर **(B)** मोहित बहुत सुरीला गा पाता है।

प्रश्न 201 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'द्विवेदी जी द्वारा स्त्रियों को शिक्षा देने की वकालत की गई।' - यह वाक्य किस वाच्य का उदाहरण है?

(A) कर्मवाच्य
(B) क्रियावाच्य
(C) भाववाच्य
(D) कर्तृवाच्य

उत्तर **(A)** कर्मवाच्य

प्रश्न 202 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

निम्नलिखित वाक्यों में 'कर्मवाच्य/' पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए:

1. कमलेश्वर ने आत्मकथा, यात्रा-वृत्तांत और संस्मरण भी लिखे हैं।
2. मधु कांकरिया ने कोलकाता विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया।
3. उनके द्वारा युवावर्ग की समस्याओं को केंद्र में रखा गया।
4. रुद्र जी द्वारा अध्यापन और संपादन दोनों कार्य किया गया।

(A) और 132
(B) 2 और 3
(C) 3 और 4
(D) , 3 और 4

उत्तर **(C)** 3 और 4

प्रश्न 203 2024 (3/2/1)

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

	स्तंभ-1		स्तंभ-2

उत्तर **(A)** 1- (II); 2- (III); 3-(I)

प्रश्न 204 2024 (3/2/2, 3/2/3)

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए :

	स्तंभ-1		स्तंभ-2

उत्तर **(A)** 1- (II) 2- (III) 3-(I)

प्रश्न 205 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'निराला ने फागुन के प्रभाव को अभिव्यक्त किया है।' वाक्य में वाच्य है -

(A) कर्मवाच्य
(B) भाववाच्य
(C) कर्तृवाच्य
(D) कर्मवाच्य और कर्तृवाच्य दोनों

उत्तर **(C)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 206 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'माँ द्वारा बेटी को परंपरा से हटकर सीख दी गई। उदाहरण है -

(A) कर्तावाच्य का
(B) कर्मवाच्य का
(C) कर्तृवाच्य का
(D) 'भाववाच्य का'

उत्तर **(B)** कर्मवाच्य का

प्रश्न 207 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'पिताजी हम सबकी बात ध्यान से सुन रहे थे। इसका कर्मवाच्य होगा -

(A) पिताजी ने हम सबकी बात ध्यान से सुनी।
(B) पिताजी हम सबकी बात ध्यान से सुनते थे।
(C) पिताजी हम सबकी बात ध्यान से सुन पाते थे।
(D) पिताजी द्वारा हम सबकी बात ध्यान से सुनी जा रही थी।

उत्तर **(D)** पिताजी द्वारा हम सबकी बात ध्यान से सुनी जा रही थी।

प्रश्न 208 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य का उदाहरण नहीं है :

(1) मुझसे इतने ऊँचे से कैसे कूदा जाएगा ?
(2) वह फुटबॉल नहीं खेलता ।
(3) तुमसे अब खेला नहीं जाता ।
(4) वह रोज पढ़ने जाती है ।

(A) (1) और (2)
(B) (3) और (4)
(C) (2) और (4)
(D) (1) और (3)

उत्तर **(C)** (2) और (4)

प्रश्न 209 **2024** (3/3/1, 3/3/3)

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

	स्तंभ – 1		स्तंभ – 2
(1)	अब उनसे टहला नहीं जाता ।	(I)	कर्तृवाच्य
(2)	उससे गीत नहीं गाया गया ।	(II)	भाववाच्य
(3)	मैंने एक लंबी कविता लिखी ।	(III)	कर्मवाच्य

(A) (1) – (II); (2) – (III); (3) – (I)
(B) (1) – (I); (2) – (II); (3) – (III)
(C) (1) – (III); (2) – (II); (3) – (I)
(D) (1) – (I); (2) – (III); (3) – (II)

उत्तर **(A)** 1- II 2- III 3- I

प्रश्न 210 **2024** (3/3/2)

(v) स्तंभ-1 को स्तंभ-2 से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

	स्तंभ – 1		स्तंभ – 2

उत्तर **(A)** 1-(II) 2- (III) 3-(I)

प्रश्न 211 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'उससे वहाँ बैठा नहीं गया।' वाक्य का वाच्य है:

(A) कर्तृवाच्य
(B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) कर्तृवाच्य और भाववाच्य दोनों

उत्तर **(C)** भाववाच्य

प्रश्न 212 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'एक चिड़िया हमारी खिड़की पर डरी-डरी बैठी थी। यह वाक्य उदाहरण है:

(A) भाववाच्य का
(B) कर्तृवाच्य का
(C) कर्मवाच्य का
(D) विचारवाच्य का

उत्तर **(B)** कर्तृवाच्य का

प्रश्न 213 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'अध्यापक ने बराबर के फासले पर दो पंक्तियाँ खींची। इसका शुद्ध कर्मवाच्य होगा:

(A) अध्यापक द्वारा बराबर के फ़ासले पर दो पंक्तियाँ खींची गईं।
(B) अध्यापक बराबर के फासले पर दो पंक्तियाँ खींचेंगे।
(C) अध्यापक से बराबर के फासले पर दो पंक्तियाँ खींची जाएँगी।
(D) अध्यापक बराबर के फासले पर दो पंक्तियाँ खींच रहे हैं।

उत्तर **(A)** अध्यापक द्वारा बराबर के फ़ासले पर दो पंक्तियाँ खींची गईं।

प्रश्न 214 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य के उदाहरण पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

I. हम मिट्टी के गोले बनाकर सुखा देते हैं ।

II. हम उन पर पेंटिंग करते हैं ।

III. मुझसे अब चला जाता है ।

IV. चिड़िया से उड़ा जाता है ।

विकल्प :

(A) I और II

(B) II और III

(C) III और IV

(D) I और IV

उत्तर **(C)** III और IV

प्रश्न 215 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

(v) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	नागार्जुन को सम्मानित किया गया ।	(I)	भाववाच्य
2.	माँ से खड़ा नहीं हुआ जाता ।	(II)	कर्तृवाच्य
3.	नागार्जुन 'यात्री' नाम से प्रतिष्ठित हैं ।	(III)	कर्मवाच्य

विकल्प :

(A) 1-(I), 2-(II), 3-(III)

(B) 1-(III), 2-(II), 3-(I)

(C) 1-(II), 2-(I), 3-(III)

(D) 1-(III), 2-(I), 3-(II)

उत्तर **(D)** 1- (III), 2- (I), 3-(II)

प्रश्न 216 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'हालदार साहब नेताजी की मूर्ति के बदलते चश्मों को देखते।' (कर्मवाच्य में बदलिए)

(A) हालदार साहब नेताजी की मूर्ति के चश्मों को बदलते देखते हैं।

(B) हालदार साहब द्वारा नेताजी की मूर्ति के बदलते चश्मों को देखा जाता।

(C) नेताजी की मूर्ति के बदलते चश्मों को हालदार साहब देखते रहते हैं।

(D) जो हालदार साहब हैं बे नेताजी की मूर्ति के बदलते चश्मे देखते।

उत्तर **(B)** हालदार साहब द्वारा नेताजी की मूर्ति के बदलते चश्मों को देखा जाता।

प्रश्न 217 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'उनके द्वारा खीरे पर नमक-मिर्च छिड़का गया।' इस वाक्य का वाच्य है:

(A) कर्तृवाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) 'भाववाच्य'

(D) विचारवाच्य

उत्तर **(B)** कर्मवाच्य

प्रश्न 218 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'लाहौर के नेशनल कॉलेज से उन्होंने बी.ए. किया।' यह वाक्य उदाहरण है:

(A) कर्तृवाच्य

(B) कर्मवाच्य

(C) भाववाच्य

(D) विचारवाच्य

उत्तर **(A)** कर्तृवाच्य

प्रश्न 219 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

(v) स्तंभ-I को स्तंभ-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन करके लिखिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	अम्मा पैदल चल नहीं सकतीं ।	(I)	कर्मवाच्य
2.	यशपाल द्वारा सामंती वर्ग पर कटाक्ष किया गया ।	(II)	भाववाच्य
3.	उससे इतनी देर कैसे बैठा जाएगा ?	(III)	कर्तृवाच्य

विकल्प :

(A) 1-(I), 2-(II), 3-(III)

(B) 1-(II), 2-(III), 3-(I)

उत्तर **(C)** 1- (III), 2-(I), 3-(II)

प्रश्न 220 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में भाववाच्य के उदाहरण पहचानकर नीचे दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाला विकल्प चुनकर लिखिए :

I. आओ, अब छत पर चला जाए ।

II. लेखक ने अपने दृष्टिकोण से संस्कृति की परिभाषा दी ।

III. वे यथार्थवादी शैली के विशिष्ट रचनाकार हैं ।

IV. हमसे रातभर कैसे जागा जाएगा ?

विकल्प :

(A) I और II

(B) II और III

(C) III और IV

(D) I और IV

उत्तर **(D)** I और IV

पद-परिचय

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2025–2026 का प्रारूप)

प्रश्न 1 2023 (3/4/1)

''नमक-मिर्च छिड़क दिए जाने से ताज़े खीरे की पनियाती फाँकें देखकर मुँह में पानी खूब आ रहा था लेकिन वे इनकार कर चुके थे।''

(i) खीरे

(a) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
(b) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
(c) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
(d) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक

(ii) पनियाती

(a) गुणवाचक विशेषण, 'फाँकें' विशेष्य, स्त्रीलिंग, बहुवचन
(b) गुणवाचक विशेषण, 'खीरे' विशेष्य, स्त्रीलिंग, बहुवचन
(c) गुणवाचक विशेषण, 'फाँकें' विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन
(d) गुणवाचक विशेषण, 'खीरे' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन

(iii) खूब

(a) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'देखकर' क्रिया का विशेषण
(b) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, 'आ रहा था' क्रिया का विशेषण
(c) स्थानवाचक क्रिया - विशेषण, 'देखकर' क्रिया का विशेषण
(d) रीतिवाचक क्रिया - विशेषण, 'आ रहा था' क्रिया का विशेषण

(iv) लेकिन

(a) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्य जोड़ रहा है
(b) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है
(c) व्यधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्यों को जोड़ रहा है
(d) व्यधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है

(v) वे

(a) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्ताकारक
(b) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक
(c) निश्चयवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक
(d) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक

उत्तर **(i)** (C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।
(ii) (A) गुणवाचक विशेषण, 'फाँके' विशेष्य, स्त्रीलिंग, बहुवचन
(iii) (B) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, 'आ रहा था' क्रिया का विशेषण
(iv) (A) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्य जोड़ रहा है।
(v) (A) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्तकारक। 6 'धान के खेतों में छोट बच्चे उछल रहे हैं। वहाँ धूप का नाम नहीं लेकिन सब मस्ती कर रहे हैं।'

प्रश्न 2 **2023** (3/4/2)

''धान के खेतों में छोटे बच्चे उछल रहे हैं। वहाँ धूप का नाम नहीं लेकिन सब मस्ती कर रहे हैं।''

(i) धान
(a) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
(b) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
(c) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक
(d) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक

(ii) छोटे
(a) परिमाणवाचक विशेषण, 'बच्चे' विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग
(b) संख्यावाचक विशेषण, 'बच्चे' विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग
(c) गुणवाचक विशेषण, 'बच्चे' विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग
(d) परिमाणवाचक विशेषण, 'बच्चे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग

(iii) उछल
(a) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य
(b) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्मवाच्य
(c) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्मवाच्य
(d) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य

(iv) वहाँ
(a) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'कर रहे हैं' क्रिया का विशेषण
(b) कालवाचक क्रिया-विशेषण, 'कर रहे हैं' क्रिया का विशेषण
(c) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'कर रहे हैं' क्रिया का विशेषण
(d) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, 'उछल रहे हैं' क्रिया का विशेषण

(v) लेकिन
(a) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्यों को जोड़ रहा है
(b) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है
(c) व्यधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्यों को जोड़ रहा है
(d) व्यधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है

उत्तर **(i)** (B) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक
(ii) (C) गुणवाचक विशेषण, 'बच्चे' विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग
(iii) (D) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य।
(iv) (C) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'कर रहे हैं' क्रिया का विशेषण
(v) (A) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, दो वाक्य जोड़ रहा है।

प्रश्न 3 **2023** (3/4/3)

'उन्हें गवारा न था कि शहर का कोई सफ़ेदपोश उन्हें मँझले दर्जे में सफ़र करता देखे।'

(i) कोई
(a) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक
(b) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्त्ताकारक
(c) सार्वनामिक विशेषण, 'सफ़ेदपोश' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
(d) सार्वनामिक विशेषण, 'सफ़ेदपोश' विशेष्य, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(ii) सफ़ेदपोश
(a) गुणवाचक विशेषण, 'उन्हें' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
(b) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ताकारक
(c) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक
(d) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ताकारक

(iii) उन्हें
(a) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
(b) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक
(c) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन (आदरार्थ), पुल्लिंग, कर्मकारक
(d) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ताकारक

(iv) मँझले
(a) गुणवाचक विशेषण, 'दर्जे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
(b) संख्यावाचक विशेषण, 'दर्जे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
(c) परिमाणवाचक विशेषण, 'दर्जे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
(d) सार्वनामिक विशेषण, 'दर्जे' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग

(v) करता देखे
(a) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल
(b) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल
(c) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल
(d) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल

उत्तर **(i)** (C) सार्वनामिक विशेषण, 'सफेदपोश' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग।
(ii) (B) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ताकारक।
(iii) (C) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन (आदरार्थ), पुल्लिंग, कर्मकारक।
(iv) (A) गुणवाचक विशेषण, 'दर्ज' विशेष्य, एकवचन, पुल्लिंग
(v) (D) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल।

प्रश्न 4 2023 (3/5/1)

वे कुछ फूल तो हमेशा ही रोपते रहते हैं ।

(i) वे
(a) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(b) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(c) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन (आदरार्थ), पुल्लिंग, कर्ता कारक
(d) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ii) कुछ
(a) परिमाणवाचक विशेषण, फूल विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन
(b) अनि. संख्यावाचक विशेषण, फूल विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन
(c) गुणवाचक विशेषण, फूल विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन
(d) गुणवाचक विशेषण, फूल विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन

(iii) हमेशा
(a) कालवाचक क्रिया-विशेषण, 'रोपते' क्रिया का विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन
(b) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'रोपते' क्रिया का विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन
(c) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'रहते' क्रिया का विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन
(d) कालवाचक क्रिया-विशेषण, 'रहते' क्रिया का विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन

(iv) ही
(a) निपात, 'हमेशा' पर बल दे रहा है
(b) निपात, 'रहने' पर बल दे रहा है
(c) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, 'बल दे' क्रिया का विशेषण
(d) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'बल दे' क्रिया का विशेषण

(v) रोपते
(a) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य
(b) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य
(c) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्मवाच्य
(d) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य

उत्तर **(i)** (C) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन (आदरार्थ), पुल्लिंग, कर्ताकारक
(ii) (B) अनि. संख्यावाचक विशेषण, फूल विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन
(iii) (A) कालवाचक क्रिया-विशेषण, 'रोपते' क्रिया का विशेषण पुल्लिंग, एकवचन।
(iv) (A) निपात, 'हमेशा' पर बल दे रहा हे
(v) (D) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य। 6 अपने उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब हैं। उनका जन्म-स्थान भी डुमराँव ही है। यहाँ नरकट पाई जाती है।

प्रश्न 5 **2023** (3/5/2)

अपने उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब हैं । उनका जन्म-स्थान भी डुमराँव ही है । यहाँ नरकट पाई जाती है ।

(i) अपने
(a) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(b) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(c) सार्वनामिक विशेषण, 'उस्ताद' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन
(d) सार्वनामिक विशेषण, 'उस्ताद' विशेष्य, स्त्रीलिंग, बहुवचन

(ii) बिस्मिल्ला खाँ

(a) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(b) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(c) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(d) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(iii) हैं

(a) अकर्मक क्रिया, आदरार्थ बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल

(b) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मवाच्य, वर्तमान काल

(c) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल

(d) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मवाच्य, वर्तमान काल

(iv) भी

(a) अव्यय, समुच्चयबोधक, जन्म-स्थान पर बल दे रहा है

(b) अव्यय, संबंधबोधक, जन्म-स्थान पर बल दे रहा है

(c) निपात, 'डुमराँव' पर बल दे रहा है

(d) निपात, जन्म-स्थान पर बल दे रहा है

(v) यहाँ

(a) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'है' क्रिया का विशेषण

(b) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'पाई जाती है' क्रिया का विशेषण

(c) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'है' क्रिया का विशेषण

(d) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'पाई जाती है' क्रिया का विशेषण

उत्तर **(i)** (C) सार्वनामिक विशेषण, 'उस्ताद' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन
(ii) (D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
(iii) (A) अकर्मक क्रिया, आदरार्थ बहुवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल
(iv) (D) निपात, जन्म-स्थान पर बल दे रहा हे
(v) (B) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'पाई जाती है' क्रिया का विशेषण 1 4।['पारंपरिक लोकगीतों एवं चैती में शहनाई का उल्लेख बार-बार मिलता है।'

प्रश्न 6 **2023** (3/5/3)

"पारंपरिक लोकगीतों एवं चैती में शहनाई का उल्लेख बार-बार मिलता है ।"

(i) पारंपरिक
- (a) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
- (b) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
- (c) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'लोकगीतों' – विशेष्य
- (d) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'लोकगीतों' – विशेष्य

(ii) लोकगीतों
- (a) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक
- (b) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, अधिकरण कारक
- (c) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, संप्रदान कारक
- (d) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

(iii) एवं
- (a) समुच्चयबोधक, समानाधिकरण योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है
- (b) समुच्चयबोधक, समानाधिकरण योजक, दो वाक्यों को जोड़ रहा है
- (c) समुच्चयबोधक, व्यधिकरण योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है
- (d) समुच्चयबोधक, व्यधिकरण योजक, दो वाक्यों को जोड़ रहा है

(iv) बार-बार
- (a) कालवाचक क्रिया-विशेषण, 'मिलता' क्रिया की विशेषता
- (b) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, 'मिलता' क्रिया की विशेषता
- (c) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, 'मिलता' क्रिया की विशेषता
- (d) परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण, 'मिलता' क्रिया की विशेषता

(v) मिलता
- (a) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, भूतकाल
- (b) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मवाच्य, वर्तमान काल
- (c) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल
- (d) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मवाच्य, वर्तमान काल

उत्तर **(i)** (C) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, 'लोकगीतों' - विशेष्य
(ii) (D) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक
(iii) (A) समुच्चयबोधक, समानाधिकरण योजक, दो शब्दों को जोड रहा है
(iv) (A) कालवाचक क्रिया-विशेषण, 'मिलता' क्रिया की विशेषता
(v) (C) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल

प्रश्न 7 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

मैथिलीशरण गुप्त को साहित्यिक योगदान के लिए अनेक पुरस्कार मिले और उन्हें सराहा भी गया ।

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(B) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(C) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ii) अनेक

(A) परिमाणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, पुरस्कार विशेष्य

(B) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, पुरस्कार विशेष्य

(C) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, पुरस्कार विशेष्य

(D) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, पुरस्कार विशेष्य

(iii) मिले

(A) अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल

(B) अकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, भूतकाल

(C) सकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिंग, भूतकाल

(D) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, भूतकाल

(iv) उन्हें

(A) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(B) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, आदरार्थक बहुवचन, कर्म कारक

(C) उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(D) उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(v) भी

(A) निपात, 'सराहा' पर बल दे रहा है

(B) निपात, 'पुरस्कार' पर बल दे रहा है

(C) समानाधिकरण योजक, दो वाक्यों को जोड़ रहा है

(D) व्यधिकरण योजक, दो शब्दों को जोड़ रहा है

उत्तर **(i)** (D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
(ii) (C) संख्यावाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिंग, पुरस्कार - विशेष्य
(iii) (D) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, पुल्लिंग, भूतकाल
(iv) (B) अन्यपुरुष वाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, आदरार्थक बहुवचन, कर्मकारक।
(v) (A) निपात, 'सराहा' - पर बल दे रहा है।

प्रश्न 8 **2024** (3/5/1, 3/5/2)

उनके राम मानवीय मर्यादाओं और आदर्शों के प्रतीक हैं जिनके माध्यम से तुलसी ने उदात्त आदर्शों को प्रतिष्ठित किया ।

(i) उनके
(A) अन्यपुरुष सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(B) अन्यपुरुष सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(C) उत्तमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

(ii) मानवीय
(A) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'मर्यादाओं' विशेष्य
(B) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'मर्यादाओं और आदर्शों' विशेष्य
(C) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'मर्यादाओं' विशेष्य
(D) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'आदर्शों' विशेष्य

(iii) और
(A) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, मर्यादाओं और आदर्शों को जोड़ रहा है
(B) व्यधिकरण योजक, एकवचन, स्त्रीलिंग
(C) व्यधिकरण समुच्चयबोधक योजक, मर्यादाओं और आदर्शों को जोड़ रहा है
(D) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, स्त्रीलिंग, एकवचन, राम और तुलसी को जोड़ रहा है

(iv) जिनके
(A) उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंध कारक
(B) मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंध कारक
(C) उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक
(D) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, आदरार्थक बहुवचन, संबंध कारक

(v) तुलसी

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(B) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(C) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(i)** (B) अन्यपुरुष सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(ii) (A) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'मर्यादाओं' विशेष्य
(iii) (A) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, मर्यादाओं और आदर्शों को जोड़ रहा है।
(iv) (D) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, आदरार्थक बहुवचन, संबंध कारक
(v) (D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

प्रश्न 9 **2024** (3/5/3)

उनके राम मानवीय मर्यादाओं और आदर्शों के प्रतीक हैं जिनके माध्यम से तुलसी ने उदात्त आदर्शों को प्रतिष्ठित किया ।

(i) उनके

(A) अन्यपुरुष सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(B) अन्यपुरुष सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

(C) उत्तमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

(ii) मानवीय

(A) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'मर्यादाओं' विशेष्य

(B) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'मर्यादाओं और आदर्शों' विशेष्य

(C) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'मर्यादाओं' विशेष्य

(D) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'आदर्शों' विशेष्य

(iii) और

(A) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, मर्यादाओं और आदर्शों को जोड़ रहा है

(B) व्यधिकरण योजक, एकवचन, स्त्रीलिंग

(C) व्यधिकरण समुच्चयबोधक योजक, मर्यादाओं और आदर्शों को जोड़ रहा है

(D) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, स्त्रीलिंग, एकवचन, राम और तुलसी को जोड़ रहा है

(iv) जिनके

(A) उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंध कारक

(B) मध्यमपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंध कारक

(C) उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

(D) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, आदरार्थक बहुवचन, संबंध कारक

(v) तुलसी

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(B) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(C) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(i)** (B) अन्यपुरुष सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(ii) (A) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'मर्यादाओं' विशेष्य
(iii) (A) समानाधिकरण समुच्चयबोधक योजक, मर्यादाओं और आदर्शों को जोड़ रहा है।
(iv) (D) अन्यपुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, आदरार्थक बहुवचन, संबंध कारक
(v) (D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

प्रश्न 10 **2025** (3/1/1)

वह बी.ए. के अंतिम वर्ष का छात्र है।

उत्तर अंतिम- विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'वर्ष' विशेष्य

प्रश्न 11 2025 (3/1/1)

उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उत्तर उन्हें - सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

प्रश्न 12 2025 (3/1/1)

अध्यापक ने बताया कि कल अवकाश है।

उत्तर कि- अव्यय, समुच्चयबोधक, व्यधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ने वाला

प्रश्न 13 2025 (3/1/1)

मैं अक्सर बाग में घूमता हूँ।

उत्तर अक्सर- अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'घूमता हूँ' - क्रिया की विशेषता

प्रश्न 14 2025 (3/1/1)

संन्यासी को भोजन दो।

उत्तर संन्यासी- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, संप्रदान कारक

प्रश्न 15 2025 (3/1/2)

पूरब में लोही लग गई थी।

उत्तर पूरब- संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

प्रश्न 16 2025 (3/1/2)

हालदार साहब भावुक हैं।

उत्तर भावुक- विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'हालदार साहब' विशेष्य

प्रश्न 17 2025 (3/1/2) • 2026 (3/3/3)

उसे नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति बुरी लगती है।

उत्तर उसे- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक

प्रश्न 18 2025 (3/1/2)

उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुस्कान फैल गई।

उत्तर फैल गई- क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 19 2025 (3/1/2)

वह एक काला, मोटा और खुशमिज़ाज आदमी था।

उत्तर और- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'मोटा' और 'खुशमिज़ाज' पदों को जोड़ रहा है।

प्रश्न 20 2025 (3/1/3)

उन्होंने इस कार्य को पूरी लगन से किया।

उत्तर उन्होंने- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 21 2025 (3/1/3)

मास्टर ने चौराहे पर लगी मूर्ति को बनाया।

उत्तर बनाया- क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 22 2025 (3/1/3)

युगनिर्माता महावीर प्रसाद द्विवेदी जी ने 'सरस्वती' पत्रिका का प्रकाशन किया।

उत्तर युगनिर्माता- विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'महावीर प्रसाद द्विवेदी' विशेष्य

प्रश्न 23 2025 (3/1/3)

धीरे-धीरे चलो।

उत्तर धीरे-धीरे- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'चलो' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 24 2025 (3/1/3)

स्वाधीनता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

उत्तर स्वाधीनता- संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

प्रश्न 25 2025 (3/2/1)

मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ।

उत्तर मैं- सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक, 'हूँ' क्रिया का कर्ता

प्रश्न 26 2025 (3/2/1)

उसने प्राणांतक परिश्रम किया किंतु सफल नहीं हो सका।

उत्तर किंतु- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ने वाला

प्रश्न 27 2025 (3/2/1)

एक दिन वह घूमने नहीं आया।

उत्तर एक- विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'दिन' विशेष्य

प्रश्न 28 2025 (3/2/1)

तुम कब जाओगे?

उत्तर कब- अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'जाओगे' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 29 2025 (3/2/1)

(ङ) हमारी जीप थोड़ी और आगे बढ़ी।

उत्तर बढ़ी- क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 30 2025 (3/2/2)

शाम को सभी अजमेर के चौराहे पर खड़े थे।

उत्तर अजमेर - संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक

प्रश्न 31 2025 (3/2/2)

जीत की खुशी में वह झूम रहा था।

उत्तर वह - सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक

प्रश्न 32 2025 (3/2/2)

नेताजी की मूर्ति मुख्य बाज़ार के पार्क में लगी थी।

उत्तर मुख्य - विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'बाज़ार' विशेष्य

प्रश्न 33 2025 (3/2/2)

बालक जोर-जोर से चिल्ला रहा था।

उत्तर जोर-जोर - अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'चिल्ला रहा था' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 34 2025 (3/2/2)

(ङ) पानवाले के मुँह में पान ठूँसा हुआ था।

उत्तर ठूँसा - क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 35 2025 (3/2/3)

वह कठोर परिश्रम करती है।

उत्तर वह- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 36 2025 (3/2/3)

साहसी युवक ने अंत तक हार नहीं मानी।

उत्तर साहसी- विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'युवक' विशेष्य

प्रश्न 37 2025 (3/2/3)

सितम्बर बीत गया पर गर्मी कम नहीं हुई।

उत्तर पर- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ने वाला

प्रश्न 38 2025 (3/2/3)

बालक मंच से पहली बार बोल रहा है।

उत्तर पहली बार- अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'बोल रहा है' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 39 2025 (3/2/3)

(ङ) खिलाड़ी दौड़ रहा है।

उत्तर दौड़ रहा है- क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 40 2025 (3/3/1)

वह ठीक ही सोच रहे थे।

उत्तर वह - सर्वनाम, अन्यपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक ('आदरार्थ' बहुवचन लिखने पर भी अंक दिए जाएँ)

प्रश्न 41 2025 (3/3/1)

पानवाला मजाकिया स्वभाव का व्यक्ति था।

उत्तर पानवाला - संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक (यहाँ वाक्य प्रयोग के आधार पर 'पानवाला' शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में है)

प्रश्न 42 2025 (3/3/1)

मैं देर तक उसकी प्रतीक्षा करता रहा लेकिन वह नहीं आया।

उत्तर लेकिन - अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण

प्रश्न 43 2025 (3/3/1)

उन्होंने मानवीय क्रियाओं को छोटे-छोटे भागों में बाँटा।

उत्तर बाँटा - क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 44 2025 (3/3/1)

(ख) उसके लिए यह एक मज़ेदार बात थी।

उत्तर मज़ेदार - विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'बात' विशेष्य,

प्रश्न 45 2025 (3/3/2)

भवभूति करुण रस के प्रमुख कवि माने जाते हैं।

उत्तर प्रमुख - विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'कवि' विशेष्य

प्रश्न 46 2025 (3/3/2)

मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित कई ग्रंथ हिंदी साहित्य की शोभा बढ़ाते हैं।

उत्तर मैथिलीशरण गुप्त - संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन,

प्रश्न 47 2025 (3/3/2)

अभिमन्यु की वीरता का बखान किया जाता है।

उत्तर बखान किया- क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्मवाच्य

प्रश्न 48 2025 (3/3/2)

अस्वस्थता के कारण उसे आज चिकित्सालय जाना पड़ा।

उत्तर आज - अव्यय, क्रिया विशेषण, कालवाचक, 'जाना पड़ा' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 49 2025 (3/3/2)

हम उनका स्मरण करते हैं, जिनकी आज पुण्यतिथि है।

उत्तर हम- सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक

प्रश्न 50 2025 (3/3/3)

विपत्ति के समय धैर्य रखना चाहिए।

उत्तर रखना चाहिए- क्रिया, सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 51 2025 (3/3/3)

तुम लोग अपने मनचाहे पाठ को ही हमेशा पढ़ना चाहते हो।

उत्तर मनचाहे- विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'पाठ' विशेष्य

प्रश्न 52 2025 (3/3/3)

सज्जनों के मार्ग का हमें अनुसरण करना चाहिए।

उत्तर सज्जनों - संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंध कारक

प्रश्न 53 2025 (3/3/3)

सभा में उन्हें पुरस्कृत किया गया।

उत्तर उन्हें-सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

प्रश्न 54 2025 (3/3/3)

आह! इन फूलों से कैसी मदमाती सुगंध आ रही है।

उत्तर आह- अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षसूचक

प्रश्न 55 2025 (3/4/1)

मध्य सप्तक से नीचे की ध्वनि को मंद सप्तक कहते हैं।

उत्तर मंद- विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'सप्तक' विशेष्य

प्रश्न 56 2025 (3/4/1)

सामाजिक विषमता, राजनैतिक पाखंड और रूढ़ियों के खिलाफ़ उनकी रचनाएँ मुखर हैं।

उत्तर और- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'पाखंड' और 'रूढ़ियों' पदों को जोड़ने वाला

प्रश्न 57 2025 (3/4/1, 3/5/3)

वे आजकल स्वतंत्र लेखन कर रहे हैं।

उत्तर वे- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक

प्रश्न 58 2025 (3/4/1)

हालदार साहब पान के पैसे चुकाकर वहाँ आ बैठे।

उत्तर वहाँ- अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक 'आ बैठे' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 59 2025 (3/4/1)

साहसी युवती अभी बहुत कुछ कहना चाहती थी।

उत्तर युवती- संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक

प्रश्न 60 2025 (3/4/2)

वे बेहद कोमल और संवेदनशील थे।

उत्तर और – अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, कोमल और संवेदनशील पदों को जोड़ना

प्रश्न 61 2025 (3/4/2)

'नेताजी का चश्मा' नामक कहानी स्वयं प्रकाश जी ने लिखी है।

उत्तर नेताजी का चश्मा – संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 62 2025 (3/4/2)

उन्होंने बताया कि संगीत एक आराधना है।

उत्तर उन्होंने - सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक,

प्रश्न 63 2025 (3/4/2)

पान वाले ने पीछे की तरफ मुड़कर मुह का पान नीचे थूका।

उत्तर पीछे की तरफ – 'अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक,'मुड़कर क्रिया की विशेषता

प्रश्न 64 2025 (3/4/2)

रामवृक्ष बेनीपुरी की भाषा सहज, प्रवाहमयी तथा प्रसंगों से भरी हुई है।

उत्तर सहज – विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'भाषा' विशेष्य

प्रश्न 65 2025 (3/4/3)

उनकी संगठन क्षमता और विरोध का तरीका देखने योग्य था।

उत्तर और – अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'क्षमता और विरोध' पदों को जोड़ने वाला

प्रश्न 66 2025 (3/4/3)

अपनी दादी से उस समय की परिस्थितियों का पता लगाइए।

उत्तर अपनी – विशेषण, सार्वनामिक/संकेतवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'दादी' विशेष्य

प्रश्न 67 2025 (3/4/3)

हालदार साहब कुछ पल चुपचुप-से सामने देखते रहे।

उत्तर सामने - अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'देखते रहे' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 68 2025 (3/4/3)

वे एक मूक प्रतिनिधि नहीं बन सकती थीं।

उत्तर वे – सर्वनाम, पुरुषवाचक,अन्यपुरुष, स्त्रीलिंग, आदरार्थ बहुवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 69 2025 (3/4/3)

प्राकृत का एक प्रसिद्ध ग्रंथ 'गाथा सप्तशती' है।

उत्तर ग्रंथ – संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 70 2025 (3/5/1)

हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में वहाँ से गुजरते रहे।

उत्तर वहाँ - अव्यय, क्रिया विशेषण, स्थानवाचक, 'गुजरते रहे' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 71 2025 (3/5/1)

उन्होंने लाहौर नेशनल कॉलिज से बी.ए. किया।

उत्तर उन्होंने - सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 72 2025 (3/5/1)

उनकी तो मति मारी गई है परंतु आपको क्या हुआ?

उत्तर परंतु - अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ रहा है।

प्रश्न 73 2025 (3/5/1)

भवभूति करुण रस के प्रमुख लेखक थे।

उत्तर प्रमुख - विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'लेखक' विशेष्य

प्रश्न 74 2025 (3/5/1)

(क) आप फ़िल्में तो देखते होंगे ।

उत्तर फ़िल्में - संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मकारक

प्रश्न 75 2025 (3/5/2)

हालदार साहब जीप में बैठकर वहाँ से चले गए।

उत्तर वहाँ से- अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'चले गए' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 76 2025 (3/5/2)

वह सफल अवश्य है किंतु एक लंबे संघर्ष के बाद ही यह संभव हो पाया।

उत्तर किंतु- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ रहा है।

प्रश्न 77 2025 (3/5/2)

गांधी जी के व्यक्तित्व और कृतित्व ने उन्हें प्रभावित किया।

उत्तर उन्हें- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग/स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्म कारक

प्रश्न 78 2025 (3/5/2)

संगीत एक आराधना है जिसका विधि-विधान है।

उत्तर संगीत- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 79 2025 (3/5/2)

'कुमारपाल चरित' एक ऐतिहासिक ग्रंथ है।

उत्तर ऐतिहासिक- विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'ग्रंथ' विशेष्य

प्रश्न 80 2025 (3/5/3)

कालिदास संस्कृत के महान कवियों में से एक हैं।

उत्तर महान - विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'कवियों' विशेष्य

प्रश्न 81 2025 (3/5/3)

संगीतज्ञों ने संगीत के लिए सात स्वर तय किए हैं।

उत्तर स्वर - संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक

प्रश्न 82 2025 (3/5/3)

हालदार साहब ने प्रफुल्लता से मूर्ति को निहारा।

उत्तर प्रफुल्लता से - अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'निहारा' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 83 2025 (3/5/3)

वे तो चले गए परंतु पिताजी दिनभर नाराज़ ही रहे।

उत्तर परंतु - अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ रहा है।

प्रश्न 84 2025 (3/6/1)

उन्होंने बौद्ध धर्म का प्रचार अपने पूरे जीवन भर खूब किया।

उत्तर उन्होंने – सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 85 2025 (3/6/1)

काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है।

उत्तर काशी- संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

प्रश्न 86 2025 (3/6/1)

चिंतकों ने समाज में लोकतांत्रिक और वैज्ञानिक चेतना का विकास किया।

उत्तर और – अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'लोकतांत्रिक' और 'वैज्ञानिक' पदों को जोड़ना

प्रश्न 87 2025 (3/6/1)

भवभूति संस्कृत साहित्य के प्रधान नाटककार हैं।

उत्तर प्रधान – विशेषण, गुणवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, 'नाटककार' विशेष्य

प्रश्न 88 2025 (3/6/1)

हम लोग रोते-चिल्लाते भाग चले।

उत्तर रोते-चिल्लाते – अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'भागना' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 89 2025 (3/6/2)

एक आदमी लंगड़ाता हुआ चला आ रहा था।

उत्तर लंगड़ाता हुआ- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'आ रहा था' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 90 2025 (3/6/2)

उन्होंने देश-विदेश की काफी यात्राएँ कीं।

उत्तर उन्होंने– सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 91 2025 (3/6/2)

द्विवेदी जी के निबंध उनकी दूरगामी और खुली सोच के परिचायक हैं।

उत्तर खुली– विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'सोच' विशेष्य

प्रश्न 92 2025 (3/6/2)

हिरण अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में घूमता है।

उत्तर हिरण– संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 93 2025 (3/6/2)

नीति, न्याय, सदाचार और धर्म की आप प्रत्यक्ष मूर्ति हैं।

उत्तर और– अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'सदाचार' और 'धर्म' पदों को जोड़ने वाला

प्रश्न 94 2025 (3/6/3)

उनकी यह सफलता उनकी विद्या और शिक्षा का ही परिणाम है।

उत्तर और – समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'विद्या' और 'शिक्षा' पदों को जोड़ने वाला

प्रश्न 95 2025 (3/6/3)

हालदार साहब मूर्ति के सामने देर तक सावधान की मुद्रा में खड़े रहे।

उत्तर देर तक – अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'खड़े रहे' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 96 2025 (3/6/3)

वे हमें अनेक जटिल प्रश्नों से टकराने की प्रेरणा देते हैं।

उत्तर वे – सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग / स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 97 2025 (3/6/3)

संगीतज्ञ साधारण ध्वनि को मध्य सप्तक कहते हैं।

उत्तर ध्वनि - संज्ञा, जातिवाचक,स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

प्रश्न 98 2025 (3/6/3)

ऋग्वेद के पाँचवें मंडल में इसका उल्लेख है।

उत्तर पाँचवें – विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, पुल्लिंग, 'मंडल' विशेष्य, क्रमसूचक

प्रश्न 99 2026 (3/1/1)

मेरी गणित की किताब उधर रखी है।

उत्तर उधर- अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'रखी है' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 100 2026 (3/1/1)

वह आँखों-ही-आँखों में हँसा।

उत्तर वह- सर्वनाम, अन्य पुरुषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 101 2026 (3/1/1)

हे भगवान! यह कैसी खबर आई?

उत्तर हे भगवान!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, शोकसूचक/ विस्मयसूचक

प्रश्न 102 2026 (3/1/1)

बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में धान रोप रहे थे।

उत्तर अपने- विशेषण, सार्वनामिक/संकेतवाचक, 'खेत' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 103 2026 (3/1/1)

उत्तराखंड में आए दिन भूस्खलन की घटनाएँ हो रही हैं।

उत्तर घटनाएँ- संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, बहुवचन

प्रश्न 104 2026 (3/1/2)

कुछ लोग चौराहे पर खड़े थे।

उत्तर कुछ- विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक, 'लोग' विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन

प्रश्न 105 2026 (3/1/2)

विद्यार्थी ये काम अपने-आप करें।

उत्तर अपने-आप- सर्वनाम, निजवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन

प्रश्न 106 2026 (3/1/2)

आसमान में बादल घिर गए थे और बिजली चमक रही थी।

उत्तर और- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण

प्रश्न 107 2026 (3/1/2)

महावीर प्रसाद द्विवेदी अपनी लेखनी से स्वाधीनता की चेतना जगा रहे थे।

उत्तर स्वाधीनता- संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक

प्रश्न 108 2026 (3/1/2)

छी:! ऐसा सोचते हुए तुम्हें शर्म नहीं आती।

उत्तर छी:! - अव्यय, विस्मयादिबोधक, घृणासूचक

प्रश्न 109 2026 (3/1/3)

विद्यार्थियों में मेहनत की इच्छा होनी चाहिए।

उत्तर मेहनत- संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक

प्रश्न 110 2026 (3/1/3)

वह कल मेरे घर आया था।

उत्तर वह- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 111 2026 (3/1/3)

तुमने हाल में कोई किताब पढ़ी?

उत्तर हाल- अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'पढ़ी' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 112 2026 (3/1/3)

शाबाश! तुमने देश का नाम रोशन किया।

उत्तर शाबाश!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, प्रशंसासूचक/प्रसन्नतासूचक

प्रश्न 113 2026 (3/1/3)

देखो बंदर कितने केले खा गया।

उत्तर कितने- विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक, 'केले' विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन

प्रश्न 114 2026 (3/2/1)

बालगोबिन भगत कबीर के आदर्शों पर चलते थे।

उत्तर कबीर- संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक

प्रश्न 115 2026 (3/2/1)

तुमने कल जाते वक्त मेरी घड़ी ली थी।

उत्तर मेरी- विशेषण, सार्वनामिक/ संकेतवाचक, 'घड़ी' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन

प्रश्न 116 2026 (3/2/1)

उफ़! बहुत ज़ोर की चोट लग गई।

उत्तर उफ!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, पीड़ासूचक

प्रश्न 117 2026 (3/2/1)

रमेश के साथ तुम भी चले जाओ।

उत्तर के साथ- अव्यय, संबंधबोधक

प्रश्न 118 2026 (3/2/1)

आम के पेड़ पर ढेरों बंदर कूद रहे थे।

उत्तर कूद रहे थे- क्रिया, अकर्मक, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन

प्रश्न 119 2026 (3/2/2)

मैं तिस्ता नदी के तीर पर पत्थरों पर बैठी थी।

उत्तर नदी- संज्ञा, जातिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक

प्रश्न 120 2026 (3/2/2)

इसी समय बाबूजी जल्दी से दौड़कर आए।

उत्तर जल्दी से- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'दौड़कर' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 121 2026 (3/2/2)

उसी कमरे में हम सब ठहरे थे।

उत्तर उसी- विशेषण, सार्वनामिक/ संकेतवाचक, 'कमरे' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 122 2026 (3/2/2)

सभापति की आँखों में चमक आई पर बुझ गई।

उत्तर पर- अव्यय, समुच्चय बोधक, समानाधिकरण, दो वाक्यों को जोड़ने वाला

प्रश्न 123 2026 (3/2/2)

सबने सबकी तरफ देखा।

उत्तर देखा- क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, बहुवचन, भूतकाल

प्रश्न 124 2026 (3/2/3)

मैं इसलिए लिखता हूँ कि स्वयं जानना चाहता हूँ।

उत्तर स्वयं- सर्वनाम, निजवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 125 2026 (3/2/3)

वह प्रतिदिन टहलता है इसीलिए स्वस्थ है।

उत्तर प्रतिदिन- अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'टहलता है' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 126 2026 (3/2/3)

सभी हताशा से चुप हो गए।

उत्तर हताशा- संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

प्रश्न 127 2026 (3/2/3)

(i) छात्रों ने पुस्तक पढ़ी।

उत्तर पढ़ी- क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल

प्रश्न 128 2026 (3/2/3)

(iii) अरे ! वहाँ क्यों खलबली मची हुई है ?

उत्तर अरे!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, आश्चर्यसूचक

प्रश्न 129 2026 (3/3/1)

तुम्हारी ईमानदारी प्रशंसा के योग्य है।

उत्तर तुम्हारी- विशेषण, सार्वनामिक/ संकेतवाचक, 'ईमानदारी' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन

प्रश्न 130 2026 (3/3/1)

मन्नू भंडारी अपने माता-पिता की पाँचवीं संतान थी।

उत्तर पाँचवीं- विशेषण, निश्चित संख्यावाचक, क्रमसूचक, 'संतान' विशेष्य, स्त्रीलिंग

प्रश्न 131 2026 (3/3/1)

शाबाश! तुमने अपना वादा पूरा कर दिखाया।

उत्तर शाबाश!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, प्रशंसासूचक

प्रश्न 132 2026 (3/3/1)

नवाब साहब खीरों को जतन से छीलकर सुखाकर रख रहे थे।

उत्तर खीरों- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक

प्रश्न 133 2026 (3/3/1)

(i) नैतिक बहुत तेज़ दौड़ता है।

उत्तर दौड़ता है- क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, वर्तमान काल

प्रश्न 134 2026 (3/3/2)

मुझे थोड़ी चाय और दो।

उत्तर और- अव्यय, क्रियाविशेषण, परिमाणवाचक, 'दो' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 135 2026 (3/3/2)

वे दूसरे लेखकों की रचनाएँ पढ़ते हैं।

उत्तर लेखकों- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन, संबंध कारक

प्रश्न 136 2026 (3/3/2)

मुझे अपने आस-पास की प्रकृति को सँभालना अच्छा लगता है।

उत्तर मुझे- सर्वनाम, पुरुषवाचक, उत्तम पुरुष, स्त्रीलिंग/पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 137 2026 (3/3/2)

परिश्रम के बिना सफलता प्राप्त नहीं होती।

उत्तर के बिना- अव्यय, संबंधबोधक

प्रश्न 138 2026 (3/3/2)

तुम्हारा कमरा बेहद सुंदर है।

उत्तर सुंदर- विशेषण, गुणवाचक, 'कमरा' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 139 2026 (3/3/3)

इस बारिश के बाद हर ओर हरियाली बढ़ने लगी है।

उत्तर हर ओर– अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'बढ़ने लगी है' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 140 2026 (3/3/3)

माँ बच्चे को गोद में लेकर आई।

उत्तर आई- क्रिया, अकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल

प्रश्न 141 2026 (3/3/3)

दादा की मीठी शहनाई उनके हाथ लग चुकी है।

उत्तर मीठी- विशेषण, गुणवाचक, 'शहनाई' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन

प्रश्न 142 2026 (3/3/3)

उस बाग में ढेर सारे पौधे हैं।

उत्तर उस- विशेषण, सार्वनामिक/संकेतवाचक, 'बाग' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 143 2026 (3/4/1)

इस विद्यार्थी ने विद्यालय का नाम रोशन किया है।

उत्तर इस- विशेषण, सार्वनामिक/ संकेतवाचक, 'विद्यार्थी' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 144 2026 (3/4/1)

प्रधानाचार्या जी ने आपको बुलाया है।

उत्तर आपको- सर्वनाम, मध्यम पुरुषवाचक, पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग, एकवचन/ बहुवचन, कर्मकारक

प्रश्न 145 2026 (3/4/1)

अजी! जरा फल तो काट दीजिए।

उत्तर अजी!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, संबोधनसूचक

प्रश्न 146 2026 (3/4/1)

आह! उपवन में सुंदर फूल खिले हैं।

उत्तर खिले हैं- क्रिया, अकर्मक, पुल्लिंग, बहुवचन, वर्तमान काल

प्रश्न 147 2026 (3/4/1)

(iv) उसने अपने गुम हुए मोबाइल फ़ोन को हर जगह खोजा ।

उत्तर हर जगह- अव्यय, क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'खोजा' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 148 2026 (3/4/2)

अरे! आप आ गए।

उत्तर अरे!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, विस्मय/ हर्षसूचक

प्रश्न 149 2026 (3/4/2)

बाग में कुछ लोग बैठे थे।

उत्तर बैठे थे- क्रिया, अकर्मक, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन

प्रश्न 150 2026 (3/4/2)

रामचरितमानस की रचना तुलसीदास के द्वारा की गई।

उत्तर रामचरितमानस- संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

प्रश्न 151 2026 (3/4/2)

खरगोश धीरे-धीरे झाड़ी के निकट आ गया।

उत्तर धीरे-धीरे- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'आ गया' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 152 2026 (3/4/2)

मैं अपनी लिखावट पर ध्यान दूँगा।

उत्तर अपनी- विशेषण, सार्वनामिक/ संकेतवाचक, 'लिखावट' विशेष्य, स्त्रीलिंग, एकवचन

प्रश्न 153 2026 (3/4/3)

बच्चे खुशी से खेल रहे हैं।

उत्तर खेल रहे हैं- क्रिया, सकर्मक, वर्तमान काल, पुल्लिंग, बहुवचन

प्रश्न 154 2026 (3/4/3)

अरे वाह! तुम भी पुस्तक पढ़ सकते हो।

उत्तर अरे वाह!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, विस्मय/ हर्षसूचक/ प्रशंसासूचक

प्रश्न 155 2026 (3/4/3)

क्या तुमने काम पूरा किया?

उत्तर तुमने- सर्वनाम, मध्यम पुरुषवाचक, पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 156 2026 (3/4/3)

सुरभि विद्यालय से अभी-अभी आई है।

उत्तर विद्यालय- संज्ञा, जातिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, अपादान कारक

प्रश्न 157 2026 (3/4/3)

गांधीजी आजीवन मानवता की सेवा करते रहे।

उत्तर आजीवन- अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'करते रहे' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 158 2026 (3/5/1)

वह कक्षा में सो जाता है।

उत्तर वह- सर्वनाम, अन्य पुरुषवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 159 2026 (3/5/1)

हम इस परियोजना पर बाद में चर्चा कर सकते हैं।

उत्तर बाद में- अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'कर सकते हैं' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 160 2026 (3/5/1)

वाह! तुमने तो कमाल कर दिया।

उत्तर वाह!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षसूचक/ आश्चर्यसूचक

प्रश्न 161 2026 (3/5/1)

इस कबूतर को पिंजरे से निकालो।

उत्तर इस- विशेषण, सार्वनामिक/संकेतवाचक, 'कबूतर' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 162 2026 (3/5/1)

(ii) अध्यापिका हिन्दी पढ़ा रही हैं ।

उत्तर पढ़ा रही हैं- क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन/ बहुवचन (आदरार्थक), वर्तमान काल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 163 2026 (3/5/2)

मुझे प्रधानाचार्य से पुरस्कार मिला था।

उत्तर मिला था- क्रिया, सकर्मक, भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 164 2026 (3/5/2)

राजू निबंध धीरे-धीरे लिख रहा है।

उत्तर धीरे-धीरे- अव्यय, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'लिख रहा है' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 165 2026 (3/5/2)

यह लड़का बहुत होशियार है।

उत्तर यह- विशेषण, सार्वनामिक/संकेतवाचक, 'लड़का' विशेष्य, पुल्लिंग, एकवचन

प्रश्न 166 2026 (3/5/2)

सीता ने कक्षा में प्रथम स्थान पाया।

उत्तर सीता- संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 167 2026 (3/5/2)

वाह! भारत तो मैच जीत गया। का नल गण नागिन बह वि गण

उत्तर वाह!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्ष/ आश्चर्य/ प्रशंसासूचक

प्रश्न 168 2026 (3/5/3)

भारतीय सैनिक रणक्षेत्र में वीरता दिखाते हैं।

उत्तर भारतीय- विशेषण, गुणवाचक, 'सैनिक' विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन

प्रश्न 169 2026 (3/5/3)

गंगा का पानी प्रदूषित हो रहा है।

उत्तर गंगा- संज्ञा, व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक

प्रश्न 170 2026 (3/5/3)

लड़के सवेरे व्यायाम करने चले गए।

उत्तर सवेरे- अव्यय, क्रियाविशेषण, कालवाचक, 'चले गए' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 171 2026 (3/5/3)

वाह! तुमने 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।

उत्तर वाह!- अव्यय, विस्मयादिबोधक, प्रशंसा/ हर्षसूचक

प्रश्न 172 2026 (3/5/3)

(iii) शुक्ल पक्ष में चाँद निरंतर बढ़ता है ।

उत्तर बढ़ता है- क्रिया, अकर्मक, वर्तमान काल, पुल्लिंग, एकवचन

बहुविकल्पी प्रश्न (2023–2024 का प्रारूप)

प्रश्न 173 2023 (3/1/1)

(iii) निम्नलिखित में किस वाक्य में सार्वनामिक विशेषण का प्रयोग हुआ है ? 1

(a) कौन-कौन घूमने जाएगा ? (b) बाहर कौन आया है ?

(c) कौन-सी पुस्तक ले आऊँ ? (d) कौन शोर मचा रहा है ?

उत्तर **(C)** कौन-सी पुस्तक ले आऊँ?

प्रश्न 174 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

(v) आज के समय में कम लोगों को ही नौकरी मिलती है पर वे भी इस विषय में कम बोलते हैं । दोनों वाक्यों के कम का सामान्य पद-परिचय होगा –

(a) पहला कम – सार्वनामिक विशेषण, दूसरा कम – अनिश्चित संख्यावचाक विशेषण

(b) पहला कम – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा कम – अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(c) पहला कम – अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण, दूसरा कम – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(d) पहला कम – अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा कम – अनिश्चित परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण

उत्तर **(D)** पहला कम - अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण, दूसरा कम - अनिश्चित परिमाणवाचक क्रियाविशेषण

प्रश्न 175 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

(iv) 'जाड़े में चारों ओर कुहरा छा जाता है ।' रेखांकित शब्द का पद-परिचय है – 1

(a) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(b) भाववाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(c) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(d) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

उत्तर **(A)** जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन।

प्रश्न 176 2023 (3/1/1)

(ii) उसी ज़माने में यह घटना घटी । – रेखांकित अंश का पद परिचय होगा – 1

(a) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल ।
(b) अकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल ।
(c) सकर्मक क्रिया, बहुवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल ।
(d) सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, वर्तमानकाल ।

उत्तर **(A)** सकर्मक क्रिया, एकवचन, स्त्रीलिंग, भूतकाल।

प्रश्न 177 2023 (3/1/1)

(i) 'रानी का दर्जी परेशान था कि वे हिंदुस्तान के दौरे पर क्या पहनेंगी' – वाक्य में रेखांकित अंश का पद-परिचय है – 1

(a) संबंधबोधक अव्यय (b) विस्मयादिबोधक अव्यय
(c) क्रियाविशेषण अव्यय (d) समुच्चयबोधक अव्यय

उत्तर **(D)** समुच्चयबोधक अव्यय

प्रश्न 178 2023 (3/1/2)

(iii) निम्नलिखित में से किस वाक्य में रीतिवाचक क्रिया-विशेषण का प्रयोग नहीं है ? 1

(a) मैं इस किताब से भली-भाँति परिचित हूँ ।
(b) पहाड़ों से पत्थर गेंद की तरह लुढ़ककर नीचे आ रहे थे ।
(c) छात्र धीरे-धीरे बातें कर रहे थे ।
(d) थोड़ा बोलो, अधिक सुनो ।

उत्तर **(D)** थोड़ा बोलो, अधिक सुनो।

प्रश्न 179 2023 (3/1/2)

(i) 'जब वे कक्षा में पहुँचे, सभी बच्चे शोर मचा रहे थे ।' रेखांकित पद का परिचय होगा – 1

(a) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्ताकारक
(b) पुरुषवाचक सर्वनाम, प्रथम पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्ताकारक
(c) पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मकारक
(d) निश्चयवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्ताकारक

उत्तर **(A)** पुरुषवाचक सर्वनाम, अन्य पुरुष, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्त्तृकारक

प्रश्न 180 2023 (3/1/2)

(ii) बालक हँस रहा है । – रेखांकित पद का परिचय होगा – 1

(a) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य
(b) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य
(c) अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य
(d) सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्मवाच्य

उत्तर **(C)** अकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एकवचन, वर्तमानकाल, कर्तृवाच्य

प्रश्न 181 2023 (3/1/3)

(iii) निम्नलिखित में किस वाक्य में सार्वनामिक विशेषण का प्रयोग नहीं है ? 1

(a) वह व्यक्ति बहुत विद्वान है ।
(b) मेरी बहन पढ़ने के लिए अमेरिका जा रही है ।
(c) आपकी यह कमीज बहुत शानदार है ।
(d) भाई ने यह भेज दिया है ।

उत्तर **(D)** भाई ने यह भेज दिया है।

प्रश्न 182 2023 (3/1/3)

(ii) किसी ज़माने में शिवानी यहाँ रहती थी । – रेखांकित पद का परिचय है – 1

(a) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य
(b) अकर्मक क्रिया, भविष्यतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य
(c) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य
(d) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मवाच्य

उत्तर **(A)** अकर्मक क्रिया, भूतकाल, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य

प्रश्न 183 2023 (3/1/3)

(i) अहा ! देखो हिमालय की चोटी कैसी चमक रही है । – इसमें रेखांकित पद का परिचय है – 1

(a) विस्मयादिबोधक, चेतावनी सूचक
(b) विस्मयादिबोधक, स्वीकृति सूचक
(c) विस्मयादिबोधक, उल्लास सूचक
(d) विस्मयादिबोधक, अचरज सूचक

उत्तर **(C)** विस्मयादिबोधक, उल्लास सूचक

प्रश्न 184 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

(i) 'वह खिड़की से ऊपर की ओर देख रही थी ।' — रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा :

(a) रीतिवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – देखना

(b) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – खिड़की

(c) कालवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – देखना

(d) स्थानवाचक क्रिया-विशेषण, विशेष्य क्रिया – देखना

उत्तर **(D)** स्थानवाचक क्रियाविशेषण, विशेष्य क्रिया-देखना

प्रश्न 185 2023 (3/2/1)

(v) सावधान ! तेज़ बारिश और आँधी की संभावना है । — रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा :

(a) विस्मयादिबोधक अव्यय, विस्मयसूचक

(b) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षसूचक

(c) विस्मयादिबोधक अव्यय, चेतावनीसूचक

(d) विस्मयादिबोधक अव्यय, संवेदनासूचक

उत्तर **(C)** विस्मयादिबोधक अव्यय, चेतावनीसूचक

प्रश्न 186 2023 (3/2/1)

(iii) 'दो-तीन बार वे अपने परिवार से मिलने बेल्जियम गए थे ।' — रेखांकित अंश का पद-परिचय होगा :

(a) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य, 'वे' कर्ता का क्रिया ।

(b) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, कर्मवाच्य, 'वे' कर्ता का क्रिया ।

(c) सकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य 'वे' कर्ता का क्रिया ।

(d) सकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, 'वे' कर्ता का क्रिया ।

उत्तर **(A)** अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, कर्तृवाच्य, 'वे' कर्ता की क्रिया।

प्रश्न 187 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

(ii) थोड़ा दूध ले आओ । थोड़ा बोलो । — दोनों वाक्यों के थोड़ा का सामान्य पद-परिचय होगा :

(a) पहला थोड़ा – संख्यावाची विशेषण
दूसरा थोड़ा – रीतिवाचक क्रिया-विशेषण

(b) पहला थोड़ा – अनिश्चित संख्यावाची विशेषण
दूसरा थोड़ा – परिमाणवाची क्रिया-विशेषण

(c) पहला थोड़ा – निश्चित परिमाणवाची विशेषण
दूसरा थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाची क्रिया-विशेषण

(d) पहला थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाची विशेषण
दूसरा थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाची क्रिया-विशेषण

उत्तर **(D)** पहला थोड़ा - अनिश्चित परिमाणवाची विशेषण। दूसरा थाड़ा - अनिश्चित परिमाणवाची क्रियाविशेषण

प्रश्न 188 **2023** (3/2/1)

(iv) कलकत्ता शहर बेहद सुंदर है । — रेखांकित शब्द का पद-परिचय होगा :

(a) कलकत्ता – जातिवाचक संज्ञा; बहुवचन, स्त्रीलिंग, करण कारक ।

(b) कलकत्ता – व्यक्तिवाचक संज्ञा; एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक ।

(c) कलकत्ता – व्यक्तिवाचक संज्ञा; बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक, सुंदर है क्रिया का कर्म ।

(d) कलकत्ता – व्यक्तिवाचक संज्ञा; एकवचन, नपुंसकलिंग, कर्ता कारक, सुंदर क्रिया का कर्ता ।

उत्तर **(B)** कलकत्ता - व्यक्तिवाचक संज्ञा; एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

प्रश्न 189 **2023** (3/2/2)

(iv) निम्नलिखित में से किस वाक्य में विशेषण के सभी भेद हैं ?

(a) सुंदर, प्राकृतिक, विद्वान, पाँच किलो, दो मीटर

(b) कुछ, किसी, अच्छा, मोटा, बेहद, यह, कौन

(c) सुंदर, नमकीन, किसी, पाँच किलो, दो दर्ज़न

(d) पाँच किलो, पंद्रह ग्राम, छह सौ, किसी, कुछ, यह

उत्तर **(C)** सुंदर, नमकीन, किसी, पाँच किलो, दो दर्जन

प्रश्न 190 2023 (3/2/2)

(v) वाह ! तुमने क्या खबर सुनाई है । — रेखांकित अंश का पद-परिचय है :
(a) विस्मयादिबोधक अव्यय, विस्मयसूचक
(b) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षसूचक
(c) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोकसूचक
(d) विस्मयादिबोधक अव्यय, संवेदनासूचक

उत्तर **(B)** विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षसूचक।

प्रश्न 191 2023 (3/2/2)

(iii) 'बच्चे स्कूल से लौटते हुए हमसे लिफ्ट माँग रहे थे ।' — रेखांकित पद का परिचय है :
(a) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य
(b) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य
(c) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, भाववाच्य
(d) सकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मवाच्य

उत्तर **(A)** सकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य

प्रश्न 192 2023 (3/2/3)

(iii) वहीं बीमार पड़े और फिर पटना आए । — रेखांकित पद का पद-परिचय है :
(a) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन (आदरार्थ), कर्तृवाच्य ।
(b) सकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन (आदरार्थ), कर्तृवाच्य ।
(c) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य ।
(d) अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन (आदरार्थ), कर्मवाच्य ।

उत्तर **(A)** अकर्मक क्रिया, सामान्य भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन (आदरार्थ), कर्तृवाच्य

प्रश्न 193 2023 (3/2/3)

(iv) निम्नलिखित में से किस विकल्प में संज्ञा के तीनों भेद हैं ?
(a) घड़ी, हिमालय, स्वर्गीय, मैं, संसार, विष
(b) आसमान, गाय, हिमालय, उदासी, तिस्ता, नदी
(c) नदी, मणि, सिक्किम, पहाड़, जीप, जीतेन
(d) चिकनाई, सिक्किम, डर, लायूँन, यूमथांग, खुशी

उत्तर **(B)** आसमान, गाय, हिमालय, उदासी, तिस्ता, नदी।

प्रश्न 194 2023 (3/2/3)

(v) ओह ! कैसा पहाड़ टूट गया उस दुखिया पर । — रेखांकित अंश का पद-परिचय है :
(a) विस्मयादिबोधक अव्यय, शोकसूचक
(b) विस्मयादिबोधक अव्यय, विस्मयसूचक
(c) विस्मयादिबोधक अव्यय, घृणासूचक
(d) विस्मयादिबोधक अव्यय, आनंदसूचक

उत्तर **(A)** विस्मयादिबोधक अव्यय, शोकसूचक

प्रश्न 195 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

(i) 'जल्दी से जाकर दुकान से दूध ले आओ ।' 1
– वाक्य में रेखांकित शब्द का पद परिचय है :
(a) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, आपादान कारक
(b) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, करण कारक
(c) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, आपादान कारक
(d) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, बहुवचन, आपादान कारक

उत्तर **(C)** जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, अपादान कारक

प्रश्न 196 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

(iii) 'किस व्यक्ति से मिलना है ?' वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है – 1
(a) प्रश्नवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्त्ताकारक
(b) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, बहुवचन, व्यक्ति विशेष्य
(c) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, व्यक्ति विशेष्य
(d) सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, व्यक्ति विशेष्य

उत्तर **(D)** सार्वनामिक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, व्यक्ति विशेष्य

प्रश्न 197 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

(iv) 'लड़की के साथ दो और लोग आने वाले हैं ।' वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है – 1
(a) समुच्चयबोधक अव्यय, लड़की का संबंध बाकी वाक्य से जोड़ने वाला
(b) संबंधबोधक अव्यय, लड़की (संज्ञा) का संबंध वाक्य के दूसरे हिस्से से जोड़ने वाला
(c) क्रियाविशेषण, आना क्रिया की विशेषता
(d) संबंधबोधक अव्यय, लोगों का संबंध लड़की से बताने वाला ।

उत्तर **(D)** संबंधबोधक अव्यय, लोगों का संबंध लड़की से बताने वाला।

प्रश्न 198 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

(v) स्तंभ-I और स्तंभ-II को ठीक क्रम में सुमेलित कीजिए : **1**

	स्तंभ-I		**स्तंभ-II**
(अ)	अरे! तुम कब आए ?	(I)	अचरज सूचक विस्मयादिबोधक
(ब)	सावधान! आगे सड़क पर गड्ढ़ा है ।	(II)	घृणा सूचक विस्मयादिबोधक
(स)	छि:! कैसी बदबू है ।	(III)	चेतावनी सूचक विस्मयादिबोधक

	(अ)	**(ब)**	**(स)**
(a)	(III)	(I)	(II)
(b)	(I)	(II)	(III)
(c)	(II)	(I)	(III)
(d)	(I)	(III)	(II)

उत्तर **(D)**

प्रश्न 199 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

(ii) 'शाम को हम चलेंगे ।' वाक्य में रेखांकित पद का परिचय होगा – **1**

(a) अकर्मक क्रिया, भविष्यत काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य
(b) सकर्मक क्रिया, भविष्यत काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य
(c) अकर्मक क्रिया, भविष्यत काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्मवाच्य
(d) अकर्मक क्रिया, भूतकाल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य

उत्तर **(A)** अकर्मक क्रिया, भविष्यत काल, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य।

प्रश्न 200 **2024** (3/1/1)

(i) 'शीला जी ने साहित्य का दायरा ही बढ़ा दिया।' – वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है :

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्म' कारक
(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक
(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'करण' कारक

उत्तर **(A)** व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

प्रश्न 201 2024 (3/1/1)

(ii) 'लेखक ने <u>उस</u> घटना को पूरी ईमानदारी से लिखा।' रेखांकित पद का परिचय होगा :

(A) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्म' कारक

(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य – 'घटना'

(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य – 'घटना'

(D) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, 'कर्म' कारक

उत्तर **(B)** सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, विशेष्य-'घटना'

प्रश्न 202 2024 (3/1/1)

(iii) निम्नलिखित में से किस वाक्य में स्थानवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है?

(A) एक चिड़िया हमारी खिड़की पर डरी-डरी बैठी थी।

(B) पापा की आवाज़ सुनकर मैं बाहर निकल गया।

(C) यह खेल तो खुले में ही खेला जा सकता है।

(D) उस ड्राइवर ने अचानक ज़ोर से ब्रेक लगाई।

उत्तर **(A)** एक चिड़िया हमारी खिड़की पर डरी-डरी बैठी थी।

(D) उस ड्राइवर ने अचानक ज़ोर से ब्रेक लगाई।
(दोनों विकल्पों में से किसी एक के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ।)

प्रश्न 203 2024 (3/1/1)

(iv) 'कस्बे की नगरपालिका <u>प्रतिवर्ष</u> कुछ नया करती थी।' रेखांकित पद का परिचय है :

(A) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'नया करना' क्रिया की विशेषता।

(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'करना' क्रिया की विशेषता।

(C) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

उत्तर **(B)** कालवाचक क्रियाविशेषण, 'करना' क्रिया की विशेषता।

प्रश्न 204 2024 (3/1/1)

(v) 'बचपन में <u>मैं</u> दुबली-पतली और साँवली थी।' रेखांकित पद का परिचय है :

(A) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

(B) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, 'दुबली-पतली' विशेष्य।

(D) उत्तम पुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

उत्तर **(D)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक।

प्रश्न 205 2024 (3/1/2)

(i) 'संपादक महोदय बधाई देने के लिए सीधे घर चले आए।' – वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है :

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक
(D) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संप्रदान कारक

उत्तर **(C)** जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

प्रश्न 206 2024 (3/1/2)

(ii) 'अपनी माँ को याद करके वे भावुक हो जाते थे।'– रेखांकित पद का परिचय है :

(A) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(B) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक
(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(D) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(C)** सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

प्रश्न 207 2024 (3/1/2)

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में स्थानवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है?

(A) नागार्जुन की आरंभिक शिक्षा संस्कृत पाठशाला में हुई।
(B) वे बौद्ध धर्म में दीक्षित होने के लिए श्रीलंका गए थे।
(C) दो साल के प्रवास के बाद ही वे स्वदेश लौट आए।
(D) अर्धकथानक हिंदी की पहली आत्मकथा मानी जाती है।

उत्तर चारों विकल्प अनुपयुक्त होने के कारण किसी भी विकल्प के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ।

प्रश्न 208 2024 (3/1/2)

(iv) 'मैं बचपन में पिताजी से बहुत डरती थी।' रेखांकित पद का परिचय है :

(A) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'बचपन' विशेष्य
(C) उत्तमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(D) अन्य पुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

उत्तर **(C)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

प्रश्न 209 2024 (3/1/2)

(v) 'वे हमारे हँसी-मज़ाक में निर्लिप्त भाव से शामिल रहते।' रेखांकित का पद-परिचय है :

(A) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता

(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता

(C) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता

(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता

उत्तर **(C)** रीतिवाचक क्रिया विशेषण, 'शामिल रहते' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 210 2024 (3/1/3)

(i) 'उसकी दुकान हड़ताल के आह्वान के कारण बंद थी।' इस वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है :

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(B) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

उत्तर **(C)** जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

प्रश्न 211 2024 (3/1/3)

(ii) 'उस गाँव में उनकी दरियादिली के चर्चे भी कम नहीं थे।' में रेखांकित पद का परिचय होगा :

(A) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, अधिकरण कारक

(B) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक

(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'गाँव' विशेष्य

(D) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गाँव' विशेष्य

उत्तर **(D)** सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'गाँव' विशेष्य

प्रश्न 212 2024 (3/1/3)

(iii) निम्नलिखित में से किस वाक्य में रीतिवाचक क्रिया-विशेषण का प्रयोग हुआ है?

(A) वे अपने परिवार से मिलने भारत से बेल्ज़ियम गए।

(B) साहित्यिक मोर्चे पर भी उन्होंने बहुत संघर्ष किया।

(C) सावन में बादल उमड़-घुमड़कर बारिश करते हैं।

(D) नागार्जुन ने अनेक बार संपूर्ण भारत की यात्रा की।

उत्तर **(C)** सावन में बादल उमड़-घुमड़कर बारिश करते हैं।

प्रश्न 213 2024 (3/1/3)

(iv) 'जोश और उत्साह से मैं भी उन सबमें भाग ले रही थी।' –वाक्य में रेखांकित का सही पद-परिचय है :

(A) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(B) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(C) निश्चयवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(D) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

उत्तर **(D)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 214 2024 (3/1/3)

(v) 'बच्चे ने मुसकराकर अपनी माँ की ओर देखा।' रेखांकित पद का परिचय है :

(A) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'देखा' क्रिया की विशेषता

(B) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'देखा' क्रिया की विशेषता

(C) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(D) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, 'देखा' क्रिया की विशेषता

उत्तर **(B)** रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'देखा' क्रिया की विशेषता।

प्रश्न 215 2024 (3/2/1)

(i) 'लेखिका के व्यक्तित्व पर उनकी बहनों का बड़ा असर पड़ा ।' वाक्य में रेखांकित पद का परिचय है –

(A) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

उत्तर **(C)** जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

प्रश्न 216 2024 (3/2/1)

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में परिमाणवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है ?

(A) हम यहाँ पहरा देंगे ताकि आप चैन की नींद सो सकें ।

(B) कम बोलना चाहिए और ध्यान से सुनना चाहिए ।

(C) ये पहाड़ी कुत्ते हैं, सिर्फ़ चाँदनी रात में ही भौंकते हैं ।

(D) इन बर्फ़ीले इलाकों में बैसाख के महीने में भी हम ठिठुरने लगे ।

उत्तर **(B)** कम बोलना चाहिए और ध्यान से सुनना चाहिए।

प्रश्न 217 2024 (3/2/1)

(iii) 'माताजी ने अपनी बीमारी का अहसास हमें नहीं होने दिया ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'बीमारी' विशेष्य
(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'बीमारी' विशेष्य
(C) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(D) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(A)** सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'बीमारी' विशेष्य

प्रश्न 218 2024 (3/2/1)

(iv) 'हालदार साहब अपने काम के सिलसिले में कस्बे से गुजरते थे ।' में रेखांकित पद का परिचय होगा –
(A) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'गुजरना' क्रिया की विशेषता
(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'गुजरना' क्रिया की विशेषता
(C) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'गुजरना' क्रिया की विशेषता
(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'गुजरना' क्रिया की विशेषता

उत्तर चारों विकल्प अनुपयुक्त होने के कारण किसी भी विकल्प के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ।

प्रश्न 219 2024 (3/2/1)

(v) 'आगे की पढ़ाई के लिए मैं भी बाहर जाना चाहती थी ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक
(B) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक
(C) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक
(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

उत्तर **(B)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 220 2024 (3/2/2)

(i) 'नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थक कर लेट गए ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'कर्ता' कारक
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'संबंध' कारक
(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'संबंध' कारक
(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, 'कर्ता' कारक

उत्तर **(A)** जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

प्रश्न 221 2024 (3/2/2)

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में स्थानवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है ?
(A) पानवाला खुशी से पान बनाने लगा ।
(B) कैप्टन बाज़ार में फेरी लगाता था ।
(C) वे लोग प्रतिवर्ष कुछ नया करते थे ।
(D) उसकी कार अचानक झटके से रुक गई ।

उत्तर चारों विकल्प अनुपयुक्त होने के कारण किसी भी विकल्प के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ।

प्रश्न 222 2024 (3/2/2)

(iii) 'मेरी माँ पाँच भाई-बहनों में सबसे छोटी थी ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'छोटी' विशेष्य
(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, माँ विशेष्य
(C) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(D) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(B)** सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, माँ विशेष्य

प्रश्न 223 2024 (3/2/2)

(iv) 'पापा तो आज सुबह-सुबह टहलने चले गए ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता
(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता
(C) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता
(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता

उत्तर **(B)** कालवाचक क्रियाविशेषण, 'टहलने चले गए' की विशेषता

प्रश्न 224 2024 (3/2/2)

(v) 'मैं इनको देखते-सुनते ही बड़ी हुई ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक
(B) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक
(C) सार्वनामिक विशेषण एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक
(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

उत्तर **(B)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 225 2024 (3/2/3)

(i) 'दुलारी अपने कठोर स्वभाव के लिए जानी जाती है ।' – में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संप्रदान कारक
(B) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संप्रदान कारक
(C) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(D) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(C)** व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

प्रश्न 226 2024 (3/2/3)

(ii) 'उन्होंने कम से कम अपनी बेटी को तो अच्छी शिक्षा दी ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, बेटी विशेष्य
(B) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, बेटी विशेषण
(C) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(D) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(A)** सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'बेटी' विशेष्य

प्रश्न 227 2024 (3/2/3)

(iii) 'अगस्त में हमारे विद्यालय का नया सत्र प्रारंभ हो गया ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'प्रारंभ हो गया' क्रिया की विशेषता
(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'प्रारंभ हो गया' क्रिया की विशेषता
(C) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'प्रारंभ हो गया' क्रिया की विशेषता
(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'प्रारंभ हो गया' क्रिया की विशेषता

उत्तर चारों विकल्प अनुपयुक्त होने के कारण किसी भी विकल्प के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ।

प्रश्न 228 2024 (3/2/3)

(iv) 'खाली समय का उपयोग मैं पुस्तकें पढ़ने में करती हूँ ।' में रेखांकित पद का परिचय है –
(A) अन्यपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(B) उत्तमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कराक
(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारण

उत्तर **(B)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

प्रश्न 229 2024 (3/2/3)

(v) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में रीतिवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है ?
(A) दुनिया सब कुछ होम कर देने वालों पर भी हँसती है ।
(B) वे उसके ठीक सामने जाकर सावधान की मुद्रा में खड़े हो गए ।
(C) वह सिर झुकाकर धोती के सिरे से आँखें पोंछने लगा ।
(D) हालदार साहब तेज़-तेज़ कदमों से मूर्ति की तरफ लपके ।

उत्तर **(A)** दुनिया सब कुछ होम कर देने वालों पर भी हँसती है।

प्रश्न 230 2024 (3/3/1)

(i) 'शर्माजी उसकी बातें सुनकर ठहाके मारकर हँसने लगे ।' रेखांकित पद का परिचय होगा –
(A) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता
(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता
(C) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता
(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता

उत्तर **(A)** रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'हँसने लगे' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 231 2024 (3/3/1)

(ii) 'मनुष्य के जीवन में आस-पड़ोस का बहुत महत्त्व होता है ।' रेखांकित पद का परिचय है –
(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक
(B) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक
(C) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक
(D) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

उत्तर **(D)** जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंध कारक

प्रश्न 232 2024 (3/3/1)

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में किस वाक्य में कालवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है ?
(A) महावीर प्रसाद आज सुबह-सुबह गाँव चले गए ।
(B) उसका संतोष धीरे-धीरे गर्व में बदल गया ।
(C) थके होने के कारण बच्चे जल्दी सो गए ।
(D) यह गलत परंपरा तत्काल खत्म होनी चाहिए ।

उत्तर **(B)** उसका संतोष धीरे-धीरे गर्व में बदल गया।

प्रश्न 233 2024 (3/3/1)

(iv) 'भानपुरा से मेरी यादों का सिलसिला शुरू होता है ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(A) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(B) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'यादों' विशेष्य

(D) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'यादों' विशेष्य

उत्तर **(D)** सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'यादों' विशेष्य

प्रश्न 234 2024 (3/3/1)

(v) 'मैं भी वहाँ रुककर उन्हें सुनना चाहती थी ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(A) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(B) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(C) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(D) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(C)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

प्रश्न 235 2024 (3/3/2)

(i) 'बड़े-बड़े ओले मैदान में घास पर गिर रहे थे ।' रेखांकित पद का परिचय होगा –

(A) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'गिर रहे थे' का विशेषण

(B) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'गिर रहे थे' का विशेषण

(C) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'गिर रहे थे' का विशेषण

(D) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'गिर रहे थे' का विशेषण

उत्तर चारों विकल्प अनुपयुक्त होने के कारण किसी भी विकल्प के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ।

प्रश्न 236 2024 (3/3/2)

(ii) 'माँ ने दोपहर के गुस्से वाली बात बताई ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(B) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(C) जातिवाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

(D) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

उत्तर **(B)** जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

प्रश्न 237 2024 (3/3/2)

(iii) निम्नलिखित में से किस वाक्य में रीतिवाचक क्रियाविशेषण का उपयोग नहीं हुआ है ?

(A) मैं इनको देखते-सुनते ही बड़ी हुई ।
(B) मन्नू लोगों की भीड़ में धुआँधार बोलती जा रही थी ।
(C) अपने घर के आस-पास देखिए ।
(D) पानवाला हँसते हुए कहने लगा ।

उत्तर **(C)** अपने घर के आस-पास देखिए।

प्रश्न 238 2024 (3/3/2)

(iv) 'उस दुर्घटना की भयावहता सामने प्रत्यक्ष थी ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(A) पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक
(B) पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक
(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'घटना' विशेष्य
(D) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'घटना' विशेष्य

उत्तर **(C)** सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'घटना' विशेष्य

प्रश्न 239 2024 (3/3/2)

(v) 'मैं माताजी को सब बताना चाहती थी ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(A) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक
(B) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक
(C) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक
(D) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कर्ता' कारक

उत्तर **(C)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'कर्ता' कारक

प्रश्न 240 2024 (3/3/3)

(i) 'पानवाला हँसते हुए कहने लगा ।' रेखांकित पद का परिचय होगा –

(A) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण, 'कहने लगा' क्रिया की विशेषता
(B) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, 'कहने लगा' क्रिया की विशेषता
(C) कालवाचक क्रियाविशेषण, 'कहने लगा' क्रिया की विशेषता
(D) रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'कहने लगा' क्रिया की विशेषता

उत्तर **(D)** रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'कहने लगा' क्रिया की विशेषता

प्रश्न 241 2024 (3/3/3)

(ii) 'शीला अग्रवाल को कॉलेज वालों ने नोटिस थमा दिया ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(A) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(B) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(C) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक
(D) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

उत्तर **(B)** व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक

प्रश्न 242 2024 (3/3/3)

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में कालवाचक क्रियाविशेषण का प्रयोग हुआ है ?

(A) वे दो साल तक वहाँ आते रहे ।
(B) मैं तो तुम्हें बधाई देने चला गया ।
(C) लेखिका कॉलेज चली गई ।
(D) पिताजी खुशी से सबको सुनाते रहे ।

उत्तर **(A)** वे दो साल तक वहाँ आते रहे।

प्रश्न 243 2024 (3/3/3)

(iv) 'इस कविता से हिमालय का सौंदर्य हमारी आँखों के सामने साकार हो जाता है ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(A) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
(B) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, करण कारक
(C) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कविता' विशेष्य
(D) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, स्त्रीलिंग, 'कविता' विशेष्य

उत्तर **(C)** सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, 'कविता' विशेष्य

प्रश्न 244 2024 (3/3/3)

(v) 'मैं वहाँ से जल्द से जल्द भाग जाना चाहती थी ।' रेखांकित पद का परिचय है –

(A) सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(B) उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(C) अन्यपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक
(D) मध्यमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, करण कारक

उत्तर **(B)** उत्तमपुरुष सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

अलंकार

अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2025–2026 का प्रारूप)

प्रश्न 1 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3) • **2026** (3/4/1)

चरण-कमल बंदौ हरि राई। - (पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार की पहचान कीजिए)

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 2 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3) • **2026** (3/5/1)

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के। - (पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार की पहचान कीजिए)

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 3 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3, 3/3/1, 3/4/1, 3/4/3) • **2026** (3/1/2, 3/2/2, 3/3/1, 3/3/2)

अतिशयोक्ति अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण लिखिए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार के उदाहरण (कोई एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित) –

- एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल। पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।

प्रश्न 4 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3, 3/3/2) • **2026** (3/1/1, 3/2/3, 3/3/3)

उत्प्रेक्षा अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण लिखिए

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार के उदाहरण (कोई एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित) –

- मानो हँसी हिमालय की है, फूट चली करती कल गान
- आँखें चमक उठीं उसकी मानो सितारे झिलमिला रहे
- उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उसका लगा, मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा
- पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के

प्रश्न 5 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

(क) कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।
व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ॥ — (रेखांकित में कौन-सा अलंकार है ?)

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 6 **2025** (3/2/1, 3/2/3) • **2026** (3/1/1, 3/1/3, 3/2/2, 3/3/1, 3/3/2)

उपमा अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण दीजिए।

उत्तर उपमा अलंकार के उदाहरण (कोई एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित) –

- पीपर पात सरिस मन डोला
- कोटि कुलिस सम वचन तुम्हारा

प्रश्न 7 **2025** (3/2/1, 3/2/3, 3/3/2) • **2026** (3/1/3, 3/2/1, 3/2/3)

मानवीकरण अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण लिखिए।

उत्तर मानवीकरण अलंकार के उदाहरण (कोई एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित) –

- मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के
- बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
- फूल हँसे कलियाँ मुसकाईं

प्रश्न 8 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/3/3)

निम्नलिखित काव्य-पंक्ति से अलंकार पहचानकर लिखिए: 'मणिक समान नयन प्रभु के हैं दिख रहे'

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 9 **2025** (3/2/1, 3/3/1, 3/4/2, 3/4/3) • **2026** (3/5/2)

'उस काल मरे क्रोध के तन काँपने उसका लगा। मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।' - पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 10 **2025** (3/2/1)

'एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल। पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।' - काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानिए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 11 **2025** (3/2/2)

अतिशयोक्ति अलंकार के प्रयोग वाली कोई काव्य-पंक्ति अपनी स्मृति से लिखिए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ -
उदाहरणार्थ - एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल।
पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।

प्रश्न 12 **2025** (3/2/2, 3/3/1, 3/3/3) • **2026** (3/1/2, 3/2/1, 3/3/3)

रूपक अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण लिखिए।

उत्तर रूपक अलंकार के उदाहरण (कोई एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित) –

- शशि मुख पर घूँघट डाले, आँचल में दीप छिपाए
- चरण-कमल बंदौं हरिराई

प्रश्न 13 2025 (3/2/2)

'मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।' - प्रस्तुत पंक्तियों में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार / मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 14 2025 (3/2/2)

'पेड़ झुक झाँकने लगे गर्दन उचकाय। आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाय।' - काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार पहचानिए।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 15 2025 (3/2/3)

'तुम्हारी ये मधुर मुस्कान मृतक में भी फूँक देगी जान।' - पंक्तियों में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 16 2025 (3/2/3, 3/4/1, 3/6/1)

सोहत ओढ़े पीत पट, स्याम सलोने गात। मनहु नील मनि सैल पर, आतप परयौ प्रभात।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 17 2025 (3/2/3)

'निम्नलिखित काव्य पंक्ति से अलंकार पहचानकर लिखिए: नीरज नयन नेह जल बाढ़ै।'

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 18 2025 (3/3/1)

'लो यह लतिका भी भर लाई। मधु मुकुल नवल रस गागरी।' - पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानकर लिखिए।

उत्तर मानवीकरण अलंकार/ रूपक अलंकार

प्रश्न 19 2025 (3/3/1)

'नभमंडल छाया मरुस्थल-सा दल बाँध के अंधड़ आबै चला।' - पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार पहचानिए।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 20 2025 (3/3/2)

निम्नलिखित कविता-पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है? 'तब बहता समय शिला-सा जम जाएगा।'

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 21 2025 (3/3/2) • 2026 (3/5/3)

'पंखुरी लगे गुलाब की परि है गात खरौंट' --पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 22 2025 (3/3/2)

'बंदौ' गुरुपद-पदुम परागा! 'सुरुचि सुवास सरस अनुरागा।' की प्रथम पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 23 2025 (3/3/3)

निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार का उल्लेख कीजिए: 'मुख बाल रवि सम उदित हुआ'

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 24 2025 (3/3/3)

अपनी स्मृति के आधार पर अतिशयोक्ति अलंकार की किसी कविता का उदाहरण लिखिए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ -
उदाहरणार्थ: एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल।
पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।

प्रश्न 25 2025 (3/3/3)

'धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत-रजनी' इस पंक्ति में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 26 2025 (3/4/1)

तिनकों के हरे तन पर हित हरित रुधिर है रहा झलक

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 27 2025 (3/4/1)

अस मन गुनइ राउ नहिं बोला पीपर पात सरिस मन डोला

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 28 2025 (3/4/1)

चरण कमल बंदौं हरि राई। जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 29 2025 (3/4/2)

धँस गए धरा में सभय शाल

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 30 2025 (3/4/2, 3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

उदाहरण देकर अतिशयोक्ति अलंकार को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ -
उदाहरणार्थ: एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल।
पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।

प्रश्न 31 2025 (3/4/2) • 2026 (3/4/1)

सागर-सा गंभीर हृदय हो, गिरि-सा ऊँचा हो जिसका मन।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 32 2025 (3/4/2)

गुरु चरणकमल बलिहारी रे। मेरे मन की दुविधा टारी रे।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 33 2025 (3/4/3) • 2026 (3/1/2)

'मुख बाल-रवि सम लाल हो, ज्वाला-सा बोधित हुआ।' - काव्य-पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 34 2025 (3/4/3)

मेघ आए बन-ठन के सँवर के आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 35 2025 (3/4/3)

पायो जी मैंने राम रतन धन पायो, वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु, किरपा कर अपनायो।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 36 2025 (3/5/1)

पड़ी अचानक नदी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार। राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 37 2025 (3/5/1)

दिल हलका कर लेने को तटिनी उपलों से कुछ कहती जाती है।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 38 2025 (3/5/1)

मेखलाकार पर्वत अपार अपने सहस्र दृग-सुमन फाड़

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 39 2025 (3/5/1)

सादर कहहिं सुनहिं बुध ताही मधुकर सरिस संत गुन ग्राही

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 40 2025 (3/5/1)

लागति अवध भयाविन भारी। मानहु काल राति अंधियारी।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 41 2025 (3/5/2) • 2026 (3/4/2)

हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग लंका सिगरी जल गई, गए निसाचर भाग।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 42 2025 (3/5/2)

परहित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं अधमाई।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 43 2025 (3/5/2)

गाकर गीत विरह के तरिनी वेगवती बहती जाती है।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 44 2025 (3/5/2)

यों जलद-यान में विचर-विचर, था इंद्र खेलता इंद्रजाल।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 45 2025 (3/5/2)

जटित नीलमनि जगमगति, सींक सुहाई नाँक। मनौ अली चंपक-कली, बसि रसु हेतु निसाँक।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 46 2025 (3/5/3)

आगे नदिया पड़ी अपार घोड़ा कैसे उतरे पार। राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 47 2025 (3/5/3)

जल कन्याएँ भोली अनजान सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 48 2025 (3/5/3) • 2026 (3/4/3)

कहती हुई यों उत्तरा के नेत्र जल से भर गए। हिम के कणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 49 2025 (3/5/3)

जिसके चरणों में पला ताल, दर्पण-सा फैला है विशाल

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 50 2025 (3/5/3)

कमलनैन को छाँड़ि महातम और देव को ध्यावै?

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 51 2025 (3/6/1)

अभिमन्यु-धन के निधन से कारण हुआ जो मूल है इससे हमारे हत हृदय को, हो रहा जो शूल है।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 52 2025 (3/6/1)

मगर उनकी लाई चिद्रनियाँ पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 53 2025 (3/6/1)

अंग-अंग नग जगमगत दीप-सिखा सी देह।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 54 2025 (3/6/2)

कुसुमावलि-सी पुलकित महान सागर के उर पर नाच-नाच, करती हैं लहरें मधुर गान।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 55 2025 (3/6/2)

सोने का कलस लिए उषा चली आ रही माथे पर दमक रही आभा सिंदूर की

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 56 2025 (3/6/2) • 2026 (3/3/2, 3/4/1)

अति कटु बचन कहति कैकेई मानहु लोन जरे पर देई -- काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 57 2025 (3/6/2)

देख्यौ चाहति कमलनैन को, निसिदिन रहति उदासी।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 58 2025 (3/6/3) • 2026 (3/4/2)

अंबर पनघट में डुबो रही, तारा घट उषा नागरी।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 59 2025 (3/6/3)

हरि मुख मानो मधुर मयंक

उत्तर उप्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 60 2025 (3/6/3)

पूछे बिन कोऊ काहू सों न करे बात देवता से बैठे सब, साधि-साधि मौन हैं।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 61 2025 (3/6/3)

कुछ ऐसे भोर की बयार गुनगुना उठी, अलसाए कुहरे की बाँह सिमटने लगी।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 62 2026 (3/1/1)

तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान मृतक में भी डाल देगी जान उपरोक्त पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 63 2026 (3/1/1)

आँधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए - पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 64 2026 (3/1/1)

(i) गोपी पद–पंकज पावन कि रज जामे सिर भीजे – पंक्ति में रेखांकित अंश के अलंकार का भेद लिखिए।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 65 2026 (3/1/2)

'मानो हँसी हिमालय की है, फूट चली करती कल गान।' - काव्य-पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 66 2026 (3/1/2)

'बीच में खड़ी अलसी हठीली, देह की पतली कमर की है लचीली'। - काव्य-पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है, लिखिए।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 67 2026 (3/1/3)

'पानी परात को हाथ छुयो नहिं, नैनन के जल से पगु धोए।' - अलंकार पहचान कर लिखिए

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 68 2026 (3/1/3)

'मन-सागर मनसा-लहरि बूढ़े-बहे अनेक' - पंक्ति में अलंकार पहचान कर लिखिए।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 69 2026 (3/1/3)

(ii) 'धाये धाम काम सब त्यागी। मनहु रंक निधि लुटन लागी।' – रेखांकित अंश में अलंकार पहचान कर लिखिए।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 70 2026 (3/2/1)

'खिला हो ज्यों बिजली का फूल मेघवन बीच गुलाबी रंग' -- काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर लिखिए।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 71 2026 (3/2/1)

'मधुकर सरिस संत गुन ग्राहीः - काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए।'

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 72 2026 (3/2/1)

'गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर'- काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 73 2026 (3/2/2)

'शशि मुख पर घूँघट डाले, आँचल में दीप छिपाए' - काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 74 2026 (3/2/2)

'आँखें चमक उठी उसकी मानो सितारे झिलमिला रहे' - काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर लिखिए।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 75 2026 (3/2/2)

'बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की'- काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 76 2026 (3/2/3)

'उर विहग-सा उड़ रहा नील गगन के बीच' - काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर लिखिए।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 77 2026 (3/2/3)

वह शर इधर गांडीव-गुण से भिन्न जैसे ही हुआ। धड़ से जयद्रथ का उधर सिर छिन्न वैसे ही हुआ। - काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 78 2026 (3/2/3)

मुनिपद कमल बंदि दोउ भ्राता। - काव्य पंक्ति में अलंकार पहचानकर लिखिए।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 79 2026 (3/3/1)

'सागर के ऊपर नाच-नाच करती हैं लहरें मधुर गान' - काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 80 2026 (3/3/1)

'उदित उदयगिरि मंच पर, रघुवर बाल पतंग' - काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 81 2026 (3/3/1)

'राम कृपा बल पाई कपिंदा भए पच्छजुत मनहूँ गिरिंदा?' - काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 82 2026 (3/3/2)

हृदय-गगन में रूप-चंद्रिका बनकर उतरो मेरे - काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 83 2026 (3/3/2)

'खड़-खड़ खड़ताल बजा रही विसुध हवा' - काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 84 2026 (3/3/3)

छुअत टूट रघुपति न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू। - काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 85 **2026** (3/3/3)

चुपचाप खड़ी थी वृक्ष-पाँत। सुनती जैसे कुछ निज बात। - काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 86 **2026** (3/3/3)

मखमल के झूल परे, हाथी-सा टीला। - काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 87 **2026** (3/4/1)

हरषाया ताल लाया पानी परात भरके।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 88 **2026** (3/4/1)

कढ़त साथ ही म्यान तें, असि रिपु तन से प्राण।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 89 **2026** (3/4/2)

निर्मल तेरा नीर अमृत-सम उत्तम है।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 90 **2026** (3/4/2)

ले चला साथ मैं तुझे कनक। ज्यों भिक्षुक लेकर स्वर्ण झनक।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 91 **2026** (3/4/2)

जगीं वनस्पतियाँ अलसाई, मुख धोती शीतल जल से।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 92 **2026** (3/4/3)

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 93 2026 (3/4/3)

देखि सुदामा की दीन दशा करुणा करके करुणानिधि रोए। पानी परात को हाथ छुऔ नहीं, नैनन के जल सौं पग धोए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 94 2026 (3/4/3)

वन शारदी चंद्रिका-चादर ओढ़े।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 95 2026 (3/4/3)

आज सिंधु ने विष उगला है, लहरों का यौवन मचला है।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 96 2026 (3/5/1)

तब तो बहता समय शिला-सा जम जाएगा।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 97 2026 (3/5/1)

पानी परात को हाथ छुऔ नहि, नैनन के जल सौं पग धोए।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 98 2026 (3/5/1)

पायो जी मैंने राम-रतन धन पायो।

उत्तर रूपक अलंकार

प्रश्न 99 2026 (3/5/1)

देखि रूप लोचन ललचाने। हरषु जनु निज निधि पहिचाने।

उत्तर उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 100 2026 (3/5/2)

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान मृतक में भी डाल देगी जान।

उत्तर अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 101 **2026** (3/5/2)

हिमकर निराश कर चला रात भी काली।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 102 **2026** (3/5/2)

पीपर पात सरिस मन डोला।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 103 **2026** (3/5/2)

आए महंत वसंत।

उत्तर रूपक अलंकार/ मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 104 **2026** (3/5/3)

मानों झूम रहे हैं तरु भी मंद पवन के झोकों से।

उत्तर मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 105 **2026** (3/5/3)

जो नत हुआ, वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झरकर कुसुम।

उत्तर उपमा अलंकार

(टिप्पणी: पंक्ति में 'ज्यों' का प्रयोग 'जैसे' के अर्थ में हुआ है, संभावना नहीं व्यक्त की गई है।)

प्रश्न 106 **2026** (3/5/3)

हाय! फूल-सी कोमल बच्ची हुई राख की ढेरी।

उत्तर उपमा अलंकार

प्रश्न 107 **2026** (3/5/3)

एक राम घनस्याम हित चातक तुलसीदास।

उत्तर रूपक अलंकार

बहुविकल्पी प्रश्न (2023–2024 का प्रारूप)

प्रश्न 108 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से कौन-सी काव्य-पंक्ति मानवीकरण अलंकार का उदाहरण है?

(A) चरणकमल बंदौ हरि राई।
(B) कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।
(C) दुख है जीवन-तरु के फूल
(D) मेघ आए बड़े बन ठन के, सँवर के।

उत्तर **(D)** मेघ आए बड़े बन ठन के, सँवर के।

प्रश्न 109 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'पानी गए न ऊबरै, मोती, मानुष, चून।' काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) श्लेष अलंकार
(B) उत्प्रेक्षा अलंकार
(C) मानवीकरण अलंकार
(D) अतिशयोक्ति अलंकार

उत्तर **(A)** श्लेष अलंकार

प्रश्न 110 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'अंबर में तारे मानो मोती अनगिनत।' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) मानवीकरण अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) अतिशयोक्ति अलंकार

उत्तर **(A)** उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 111 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'चंचला स्नान कर आए, चंद्रिका पर्व में जैसे। उस पावन तन की शोभा, आलोक मधुर थी ऐसे।' इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) श्लेष अलंकार
(B) उत्प्रेक्षा अलंकार
(C) मानवीकरण अलंकार
(D) अतिशयोक्ति अलंकार

उत्तर **(B)** उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 112 **2023** (3/1/1)

(i) स्तंभ–I और स्तंभ–II का मिलान करते हुए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1

	स्तंभ – I		**स्तंभ - II**
(I)	उपमेय में उपमान की संभावना	(अ)	श्लेष अलंकार
(II)	शब्द के एक से अधिक भिन्न अर्थ	(ब)	मानवीकरण अलंकार
(III)	निर्जीव पदार्थों पर मानवीय क्रियाओं और भावों का आरोपण	(स)	उत्प्रेक्षा अलंकार

(a) (I) – अ; (II) – ब; (III) – स
(b) (I) – स; (II) – अ; (III) – ब
(c) (I) – ब; (II) – स; (III) – अ
(d) (I) – अ; (II) – स; (III) – ब

उत्तर (B)

प्रश्न 113 2023 (3/1/2, 3/1/3)

(i) स्तंभ–I और स्तंभ–II का मिलान करते हुए सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1

	स्तंभ – I		स्तंभ - II
(I)	उपमेय में उपमान की संभावना	(अ)	श्लेष अलंकार
(II)	शब्द के एक से अधिक भिन्न अर्थ	(ब)	मानवीकरण अलंकार
(III)	निर्जीव पदार्थों पर मानवीय क्रियाओं और भावों का आरोपण	(स)	उत्प्रेक्षा अलंकार

(a) (I) – अ; (II) – ब; (III) – स (b) (I) – स; (II) – अ; (III) – ब
(c) (I) – ब; (II) – स; (III) – अ (d) (I) – अ; (II) – स; (III) – ब

उत्तर (B)

प्रश्न 114 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'निम्नलिखित में से किस काव्य-पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है?'

(A) जिन दिन देखे वे कुसुम, गई सुबीति बहार।
(B) कहीं साँस लेते हो, घर-घर भर देते हो।
(C) मानो झूम रहे हों तरु भी मंद पवन के झोंकों से।
(D) ऊँचे हैं, लेकिन खजूर से मुँह है इसलिए कहते हैं।

उत्तर (C) मानो झूम रहे हों तरु भी मंद पवन के झोंकों से।

प्रश्न 115 2023 (3/2/1)

'जो रहीम गति दीप की कुल कपूत की सोय। बारे उजियारो करै, बढ़े अंधियारों होय।' -- प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) श्लेष अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) उत्प्रेक्षा अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर (A) श्लेष अलंकार

प्रश्न 116 2023 (3/2/1)

. 'उठ रहा धुआँ, जल गया ताल। धँस गए धरा में, समय शाल।' -- प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) श्लेष अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) उत्प्रेक्षा अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर (D) मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 117 2023 (3/2/1)

'मानो माई घनघन अंतर दामिनी। घन दामिनी दामिनी घन अंतर सोभित हरि-ब्रज भामिनी।' -- प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) श्लेष अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) उत्प्रेक्षा अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(C)** उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 118 2023 (3/2/1)

'गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति धोरो -- इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) श्लेष अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) उत्प्रेक्षा अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(B)** अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 119 2023 (3/2/2)

'मेरी भवबाधा हरौ, राधा नागरि सोइ। जा तन की झांईं परे - श्याम हरित दुति होई A -- इन पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(C)** श्लेष अलंकार

प्रश्न 120 2023 (3/2/2)

'धनुष उठाया ज्यों ही उसने और चढ़ाया उस पर बाण। धरा-सिंधु नभ काँपे सहसा, विकल हुए जीवों के प्राण' -- प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(B)** अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 121 2023 (3/2/2)

'एक बित्ते के बराबर यह हरा ठिगना चना बाँधे मुरैठा शीश पर छोटे गुलाबी फूल का सजकर खड़ा है' -- प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(D)** मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 122 2023 (3/2/2)

'देखि रूप लोचन ललचाने। हरषे जनु निजनिधि पहिचाने।' -- प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(A)** उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 123 2023 (3/2/3)

'बहुत काली सिल जरा-से लाल केसर-से कि जैसे धुल गई हो' -- प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(A)** उत्प्रेक्षा अलंकार

प्रश्न 124 2023 (3/2/3)

'बाण नहीं पहुँचे शरीर तक शत्रु गिरे पहले ही भू पर'। -- इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(B)** अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 125 2023 (3/2/3)

'उषा सुनहले तीर बरसती जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।' -- इन पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है?

(A) श्लेष अलंकार
(B) मानवीकरण अलंकार
(C) उत्प्रेक्षा अलंकार
(D) अतिशयोक्ति अलंकार

उत्तर **(B)** मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 126 2023 (3/2/3)

'जो घनीभूत पीड़ा थी मस्तक में स्मृति सी छाई। दुर्दिन में आँसू बनकर आज बरसने आई।' -- प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) अतिशयोक्ति अलंकार
(C) श्लेष अलंकार
(D) मानवीकरण अलंकार

उत्तर **(C)** श्लेष अलंकार

प्रश्न 127 2023 (3/4/1)

'पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश'। इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) अतिशयोक्ति
(B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा
(D) मानवीकरण

उत्तर **(D)** मानवीकरण

प्रश्न 128 2023 (3/4/1)

'हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग लंका सिगरी जल गई गए निसाचर भाग' इस दोहे में निहित अलंकार है-

(A) श्लेष
(B) अतिशयोक्ति
(C) उत्प्रेक्षा
(D) मानवीकरण

उत्तर **(B)** अतिशयोक्ति

प्रश्न 129 2023 (3/4/1)

'मंगन को देखि पट देत बार-बार है'। इस पंक्ति में निहित अलंकार है-

(A) उत्प्रेक्षा
(B) अतिशयोक्ति
(C) मानवीकरण
(D) श्लेष

उत्तर **(D)** श्लेष

प्रश्न 130 2023 (3/4/1)

'जिसके अरुण - कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में। अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में'। इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

(A) श्लेष
(B) मानवीकरण
(C) उत्प्रेक्षा
(D) अतिशयोक्ति

उत्तर **(B)** मानवीकरण

प्रश्न 131 2023 (3/4/1)

(ii) ''सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।''
इस चौपाई में प्रयुक्त अलंकार है –
(a) उत्प्रेक्षा
(b) अतिशयोक्ति
(c) मानवीकरण
(d) श्लेष

उत्तर **(A)** उत्प्रेक्षा (#)। -। -। प्रश्न - 'जिसके अरूण - ..... प्रयुक्त अलंकार है - (b) मानवीकरण

प्रश्न 132 2023 (3/4/2)

'उषा सुनहले तीर बरसती जय लक्ष्मी-सी उदित हुई।' इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

(A) श्लेष
(B) अतिशयोक्ति
(C) उत्प्रेक्षा
(D) मानवीकरण

उत्तर **(D)** मानवीकरण

प्रश्न 133 2023 (3/4/2)

'हिमकणों से पूर्ण मानो हो गए पंकज नए।' इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है-

(A) उत्प्रेक्षा
(B) श्लेष
(C) अतिशयोक्ति
(D) मानवीकरण

उत्तर **(A)** उत्प्रेक्षा

प्रश्न 134 2023 (3/4/2)

'जो रहीम गति दीप की कुल कपूत की सोय। बारै उजियारो करै, बढ़े अँधेरो होय।' इस दोहे में प्रयुक्त अलंकार है-

(A) अतिशयोक्ति
(B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष
(D) मानवीकरण

उत्तर (C) श्लेष

प्रश्न 135 2023 (3/4/2)

'देखि सुदामा की दीन-दशा करुणा करके करुणानिधि रोए, पानी परात को हाथ छुओ नहिं नैनन के जल सौं पग धोए।' इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है-

(A) श्लेष
(B) उत्प्रेक्षा
(C) मानवीकरण
(D) अतिशयोक्ति

उत्तर (D) अतिशयोक्ति

प्रश्न 136 2023 (3/4/2)

'सोहत ओढ़े पीत-पट स्याम सलौने गात। मनो नीलमणि सैल पर आतप परयौ प्रभात।' इस दोहे में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) अतिशयोक्ति
(B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष
(D) मानवीकरण

उत्तर (B) उत्प्रेक्षा

प्रश्न 137 2023 (3/4/3)

निम्नलिखित में अलंकार है - 'मेघ आए बन-ठन के सँवर के।'

(A) उत्प्रेक्षा
(B) मानवीकरण
(C) अतिशयोक्ति
(D) श्लेष

उत्तर (B) मानवीकरण

प्रश्न 138 2023 (3/4/3)

'प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै'। इस काव्य-पंक्ति में अलंकार है-

(A) उत्प्रेक्षा
(B) अतिशयोक्ति
(C) श्लेष
(D) मानवीकरण

उत्तर (D) मानवीकरण

प्रश्न 139 2023 (3/4/3)

'जा तन की झाँई परै श्याम हरित दुति होय।' - इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है-

(A) उत्प्रेक्षा
(B) अतिशयोक्ति
(C) मानवीकरण
(D) श्लेष

उत्तर (D) श्लेष

प्रश्न 140 2023 (3/4/3)

'वह शर इधर गांडीव गुण से भिन्न जैसे ही हुआ, धड़ से जयद्रथ का उधर सिर छिन्न वैसे ही हुआ'। - काव्य-पंक्ति में अलंकार है -

(A) मानवीकरण
(B) अतिशयोक्ति

(C) उत्प्रेक्षा
(D) श्लेष

उत्तर (B) अतिशयोक्ति

प्रश्न 141 2023 (3/4/3)

निम्नलिखित में अलंकार है - 'मनहूँ रंक निधि लूटन लागी।'

(A) उत्प्रेक्षा
(B) अतिशयोक्ति
(C) मानवीकरण
(D) श्लेष

उत्तर (A) उत्प्रेक्षा

प्रश्न 142 2023 (3/5/1)

'आगे नदिया पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार। राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।' -- प्रस्तुत पंक्तियों में अलंकार है:

(A) मानवीकरण
(B) अतिशयोक्ति
(C) उत्प्रेक्षा
(D) श्लेष

उत्तर (B) अतिशयोक्ति

प्रश्न 143 2023 (3/5/1)

'सुबरन को ढूँढ़त फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर।' -- प्रस्तुत पंक्ति में अलंकार है:

(A) अतिशयोक्ति
(B) मानवीकरण
(C) उत्प्रेक्षा
(D) श्लेष

उत्तर (D) श्लेष

प्रश्न 144 2023 (3/5/1)

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से किसमें श्लेष अलंकार का प्रयोग हुआ है?

(A) मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं
(B) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं नभ तल में
(C) बीथिन में ब्रज में नबेलिन में बेलिन में बनन में बागन में नगरयौ बसंत है
(D) मदन महीप जू को बालक वसंत ताहि प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै

उत्तर (A) मानसरोवर सुभर जल, हंसा केलि कराहिं

प्रश्न 145 2023 (3/5/1)

'हसरसाया ताल लाया पानी परात भर के' -- प्रस्तुत पंक्ति में अलंकार है:

(A) अतिशयोक्ति
(B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष
(D) मानवीकरण

उत्तर **(D)** मानवीकरण

प्रश्न 146 2023 (3/5/1)

'तुम्ह तौ कालु हाँक जनु लावा। बार-बार मोहि लागि बुलावा।' -- प्रस्तुत पंक्तियों में अलंकार है:

(A) अतिशयोक्ति
(B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष
(D) मानवीकरण

उत्तर **(B)** उत्प्रेक्षा

प्रश्न 147 2023 (3/5/2)

'दिख लो साकेत नगरी है यही, स्वर्ग से मिलने गगन जा रही है।' इन काव्य-पंक्तियों में अलंकार बताइए:

(A) उत्प्रेक्षा
(B) उपमा
(C) अतिशयोक्ति
(D) श्लेष

उत्तर **(C)** अतिशयोक्ति

प्रश्न 148 2023 (3/5/2)

नीचे लिखी काव्य-पंक्तियों में अलंकार है: 'सिर फट गया उसका वहीं मानो अरुण रंग का घड़ा।'

(A) अतिशयोक्ति
(B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा
(D) मानवीकरण

उत्तर **(C)** उत्प्रेक्षा

प्रश्न 149 2023 (3/5/2)

'नीचे लिखी काव्य-पंक्ति में अलंकार है: 'प्रियतम बतला दे, लाल मेरा कहाँ है?'

(A) अतिशयोक्ति
(B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष
(D) मानवीकरण

उत्तर **(C)** श्लेष

प्रश्न 150 2023 (3/5/2)

'आगे आगे नाचती गाती बयार चली।' इस काव्य-पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(A) मानवीकरण
(B) अतिशयोक्ति
(C) श्लेष
(D) उत्प्रेक्षा

उत्तर **(A)** मानवीकरण

प्रश्न 151 2023 (3/5/2)

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में अलंकार है: 'चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही हैं जल-थल में'

(A) अतिशयोक्ति
(B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा
(D) मानवीकरण

उत्तर **(D)** मानवीकरण

प्रश्न 152 2023 (3/5/3)

'दिवसावसान का समय, मेघ आसमान से उतर रही।

(A) मानवीकरण
(B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा
(D) अतिशयोक्ति

उत्तर **(A)** मानवीकरण

प्रश्न 153 2023 (3/5/3)

'खड़-खड़ करताल बजा रही विशुद्ध हवा' -.. इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(A) अतिशयोक्ति
(B) मानवीकरण
(C) उत्प्रेक्षा
(D) श्लेष

उत्तर **(B)** मानवीकरण

प्रश्न 154 2023 (3/5/3)

'कढ़त साथ म्यान तें, असि रिपु तन ते प्रान' पंक्ति में अलंकार बताइए:

(A) उत्प्रेक्षा
(B) मानवीकरण
(C) अतिशयोक्ति
(D) श्लेष

उत्तर **(C)** अतिशयोक्ति

प्रश्न 155 2023 (3/5/3)

निम्नलिखित में कौन-सा अलंकार है? 'चाहनहार सुवर्ण के, कविजन और सुनार।'

(A) उत्प्रेक्षा
(B) मानवीकरण
(C) अतिशयोक्ति
(D) श्लेष

उत्तर **(D)** श्लेष

प्रश्न 156 2023 (3/5/3)

'चित्रकूट जनु अचल अहेरी।' --- इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा
(B) मानवीकरण
(C) अतिशयोक्ति
(D) श्लेष

उत्तर **(A)** उत्प्रेक्षा

प्रश्न 157 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'आगे नदियाँ पड़ी अपार, घोड़ा कैसे उतरे पार। राणा ने सोचा इस पार, तब तक चेतक था उस पार।' - प्रस्तुत पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार
(B) श्लेष अलंकार
(C) मानवीकरण अलंकार
(D) अतिशयोक्ति अलंकार

उत्तर **(D)** अतिशयोक्ति अलंकार

प्रश्न 158 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

निम्नलिखित में से किन पंक्तियों में उत्प्रेक्षा अलंकार है?

(A) कनक-कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय वो खाए बौराए जग, या पाए बौराय।

(B) नहिं पराग नहि मधुर मधु, नहिं विकास इहिं काल अली कली- ही सों बँध्यो, आगे कौन हवाल।

(C) चमचमात चंचल नयन, बिच घूँघट पट छीन। मनहु सुरसरिता विमल, जल उछरत जुग मीन

(D) कोटि कुलिस-सम-वचन तुम्हारा। व्यर्थ धरहु बान कुठारा।

उत्तर **(C)** चमचमात चंचल नयन, बिच घूँघट पट छीन। मनहु सुरसरिता विमल, जल उछरत जुग मीन

प्रश्न 159 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'माली आवत देख कर कलियाँ करें पुकार' - प्रस्तुत पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार

(B) अतिशयोक्ति अलंकार

(C) मानवीकरण अलंकार

(D) श्लेष अलंकार

उत्तर **(C)** मानवीकरण अलंकार

प्रश्न 160 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

'को घटि ये वृषभानुजा वे हलधर के वीर' - प्रस्तुत पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) उत्प्रेक्षा अलंकार

(B) श्लेष अलंकार

(C) मानवीकरण अलंकार

(D) अतिशयोक्ति अलंकार

उत्तर **(B)** श्लेष अलंकार

प्रश्न 161 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

(iv) स्तंभ-I और स्तंभ-II को उचित विकल्प से सुमेलित कीजिए : 1

स्तंभ-I		स्तंभ-II
(अ)	हेमकुंभ ले उषा सवेरे भरती ढुलकाती सुख मेरे ।	(I) श्लेष अलंकार
(ब)	हरिमुख मानो मधुर मयंक ।	(II) उत्प्रेक्षा अलंकार
(स)	पानी गए न ऊबरै, मोती मानुष चून ।	(III) मानवीकरण अलंकार

	(अ)	(ब)	(स)
(a)	(I)	(II)	(III)
(b)	(III)	(II)	(I)
(c)	(II)	(I)	(III)
(d)	(III)	(I)	(II)

उत्तर **(B)**

प्रश्न 162 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'पानी परात को हाथ छुयो नहीं, नैनन के जल सों पग धोए।' इस काव्य-पंक्ति में अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा
(B) श्लेष
(C) यमक
(D) अतिशयोक्ति

उत्तर **(D)** अतिशयोक्ति

प्रश्न 163 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से कौन-सी पंक्ति अतिशयोक्ति अलंकार का उदाहरण है?

(A) विश्व शलभ सिर धुन कहता मैं, हाय न जल पाया तुझमें मिल।
(B) अंबर के आनन को देखो, कितने इसके तारे टूटे।
(C) वह दौड़ रहा अरि मस्तक पर, वह आसमान का घोड़ा था।
(D) ज्यौं-ज्यौं बूड़े स्याम रंग, त्यौं-त्यौं उज्जलु होई।

उत्तर **(C)** वह दौड़ रहा अरि मस्तक पर, वह आसमान का घोड़ा था।

प्रश्न 164 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'मृदु मिट्टी के हैं बने हुए मधु घट फूटा ही करते हैं।' इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) मानवीकरण
(B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा
(D) यमक

उत्तर **(B)** श्लेष

प्रश्न 165 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'धीरे-धीरे उतर क्षितिज से आ बसंती रजनी' - इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है:

(A) मानवीकरण
(B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा
(D) अतिशयोक्ति

उत्तर **(A)** मानवीकरण

प्रश्न 166 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'विद्या धन उद्यम बिना कही जु पावै कौन। बिना डुलाए ना मिले ज्यों पंखा की पौन।' इन काव्य-पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?

(A) यमक
(B) श्लेष
(C) मानवीकरण
(D) उत्प्रेक्षा

उत्तर **(D)** उत्प्रेक्षा

प्रश्न 167 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'अंबर पनघट में डुबो रही, तारा घट उषा नागरी।' - इस पंक्ति में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(A) यमक
(B) मानवीकरण
(C) श्लेष
(D) उत्प्रेक्षा

उत्तर (B) मानवीकरण

प्रश्न 168 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से कौन सी काव्य-पंक्ति मानवीकरण अलंकार का उदाहरण है?

(A) है टूट पड़ा भू पर अंबर
(B) पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी
(C) कै पग में पनही न हती, कहँ लै गजराजहु ठाढ़े महावत।
(D) फूटे हैं आमों में बौर, भौंर वन-वन टूटे हैं।

उत्तर (A) है टूट पड़ा भू पर अंबर

प्रश्न 169 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'राणा की पुतली फिरी नहीं, तब तक चेतक मुड़ जाता था।' - इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) अतिशयोक्ति
(B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष
(D) मानवीकरण

उत्तर (A) अतिशयोक्ति

प्रश्न 170 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'जे रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोय। बारे उजियारो करै, बढ़े अंधेरो होय।' - इन काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) मानवीकरण
(B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष
(D) यमक

उत्तर (C) श्लेष

प्रश्न 171 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'सतसइया के दोहरे ज्यों नाविक के तीर। देखन में छोटे लगै, घाव करें गंभीर। - इस काव्य-पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) यमक
(B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा
(D) मानवीकरण दर 4

उत्तर (C) उत्प्रेक्षा

प्रश्न 172 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में से कौन सी काव्य-पंक्ति उत्प्रेक्षा अलंकार का उदाहरण है?

(A) धँस गए धरा में सभय शाल
(B) सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।
(C) पानी गए न उबरै मोती मानुष चून।
(D) पल-पल परिवर्तित प्रकृति वेश

उत्तर **(B)** सूरदास अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।

प्रश्न 173 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'मेरी भव-बाधा हरौ राधा नागरि सोइ। जा तन की झाई परै स्याम हरित दुति होइ। ' - इन काव्य पंक्तियों में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?

(A) मानवीकरण
(B) उत्प्रेक्षा
(C) श्लेष
(D) यमक

उत्तर **(C)** श्लेष

प्रश्न 174 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग। लंका सिगरी जल गई, गए निसाचर भाग।' इस पंक्ति में अलंकार है -

(A) उत्प्रेक्षा
(B) अतिशयोक्ति
(C) यमक
(D) श्लेष

उत्तर **(B)** अतिशयोक्ति

प्रश्न 175 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'जो नत हुआ वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झर कर कुसुम।' इस पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार है -

(A) अतिशयोक्ति
(B) यमक
(C) श्लेष
(D) उत्प्रेक्षा

उत्तर **(D)** उत्प्रेक्षा

प्रश्न 176 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'लेटी है श्रांत-क्लांत, निश्चल! तापस बाला गंगा निर्मल'। - इन पंक्तियों में कौन सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है?

(A) यमक
(B) श्लेष
(C) उत्प्रेक्षा
(D) मानवीकरण

उत्तर **(D)** मानवीकरण

प्रश्न 177 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'सुबरन को ढूँढत फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर।' --में अलंकार है:

(A) श्लेष
(B) उत्प्रेक्षा
(C) अतिशयोक्ति
(D) मानवीकरण

उत्तर **(A)** श्लेष

प्रश्न 178 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'.प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दे।' -- में कौन-सा अलंकार है?

(A) श्लेष
(B) उत्प्रेक्षा
(C) अतिशयोक्ति
(D) मानवीकरण

उत्तर **(D)** मानवीकरण

प्रश्न 179 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'मानो माई घनघन अंतर दामिनी।' -- में कौन-सा अलंकार है?

(A) श्लेष
(B) उत्प्रेक्षा
(C) अतिशयोक्ति
(D) मानवीकरण

उत्तर **(B)** उत्प्रेक्षा

प्रश्न 180 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

'जिस वीरता से शत्रुओं का सामना उसने किया। असमर्थ हो उसके कथन में मौन वाणी ने लिया।' -- में अलंकार निहित है:

(A) श्लेष
(B) उत्प्रेक्षा
(C) अतिशयोक्ति
(D) मानवीकरण

उत्तर **(C)** अतिशयोक्ति

प्रश्न 181 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

निम्नलिखित में मानवीकरण अलंकार का उदाहरण है:

(A) तीन बेर खाती थीं वे तीन बेर खाती हैं।
(B) विज्ञान यान पर चढ़ी सभ्यता डूबने जाती है।
(C) संसार की समरस्थली में धीरता धारण करो।
(D) कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल जब झुरमुट में मुस्काती हैं।

उत्तर **(D)** कलियाँ दरवाज़े खोल-खोल जब झुरमुट में मुस्काती हैं।

प्रश्न 182 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'सिर फट गया उसका वहीं मानो अरुण रंग का घड़ा' -- पंक्ति में अलंकार है:

(A) मानवीकरण
(B) उत्प्रेक्षा
(C) अतिशयोक्ति
(D) श्लेष

उत्तर **(B)** उत्प्रेक्षा

प्रश्न 183 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

दिख लो साकेत नगरी है यही, स्वर्ग से मिलने गगन जा रही है। --में अलंकार है:

(A) मानवीकरण
(B) उत्प्रेक्षा
(C) अतिशयोक्ति
(D) श्लेष

उत्तर **(C)** अतिशयोक्ति

प्रश्न 184 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'बहुत काली सिल जरा-से लाल केसर से कि जैसे धुल गई हो' -- में अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा
(B) मानवीकरण
(C) श्लेष
(D) अतिशयोक्ति

उत्तर (A) उत्प्रेक्षा

प्रश्न 185 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'वन शारदी चंद्रिका-चादर ओढ़े' -- में कौन-सा अलंकार है?

(A) मानवीकरण
(B) उत्प्रेक्षा
(C) अतिशयोक्ति
(D) श्लेष

उत्तर (A) मानवीकरण

प्रश्न 186 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

'रहिमन पानी रखिए, बिन पानी सब सून पानी गए न ऊबरै, मोती मानुस चून' -- में अलंकार है:

(A) उत्प्रेक्षा
(B) अतिशयोक्ति
(C) मानवीकरण
(D) श्लेष

उत्तर (D) श्लेष

भाग 4

अपठित बोध

अपठित गद्यांश

गद्यांश 1 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

काम या पेशा खुद बुरा या छोटा-बड़ा नहीं है। कोई भी काम हो जो ईमानदारी से किया जाए और उचित लाभ के अतिरिक्त यदि एक पैसा भी बेईमानी का उसमें नहीं आया तो बह सर्वथा प्रतिष्ठित और सराहना के योग्य है। छोटे से छोटा काम भी यदि ईमानदारी के साथ किया जाए तो कभी बुरा नहीं होता। किसी ऊँची बात को लक्ष्य कर किया गया मेहनत का काम जो अपनी ईमानदारी में बट्टा न लगाता हो बुरा नहीं है। जो लेन-देन में पवित्र और शुचि है, नीतिशास्त्रों ने उसी को पवित्र माना है। हाथ-पाँव आदि अंग जल से शुद्ध और साफ होते हैं पर मन केवल सत्य से शुद्ध होता है। मन जिसका दृढ़ है और डिगा नहीं वही अपनी गाढ़ी मेहनत की कौड़ी को अपनी करके मानेगा। बेईमानी से अनुचित लाभ का सोना भी है, तो वह मिट्टी का ढेला मानता है। गाढ़ी मेहनत, ईमानदारी और मुस्तैदी ये तीन बातें रोजगारी / सफलता के लिए बहुत आवश्यक हैं। बहुधा लोग अपनी बदकिस्मती के लिए रोते हैं और पछताते हैं, पर सच पूछो तो बदकिस्मती से उनका इतना नहीं बिगड़ा जितना उनके आलस्य, बेपरवाही और जी लगा के मेहनत न करने से। कहावत है - भूकता हुआ कुत्ता ज्यादा काम का है, सोते हुए सिंह की अपेक्षा। वास्तव में जो ईमानदार हैं वे अपने जितने काम हैं सबमें स्वच्छता और स्पष्टता रखने में नहीं चूकते और समाज में सभी के विश्वास-पात्र होते हैं।

(i) कोई भी रोजगार और पेशा कब प्रतिष्ठित और सराहना के योग्य हो जाता है?

(A) जब वह पूरी ईमानदारी के साथ किया जाए।
(B) जब वह पूरी मेहनत और लगन के साथ किया जाए।
(C) जब समाज का धनाढ्य वर्ग उससे जुड़ा हो।
(D) जब किसी रोजगार से आर्थिक लाभ अधिक हो।

उत्तर **(A)** जब वह पूरी ईमानदारी के साथ किया जाए।

(ii) 'काम या पेशा खुद बुरा नहीं है' - इसका क्या अभिप्राय है?

(A) काम अच्छा-बुरा नहीं होता, उसे करने वाले अच्छे-बुरे होते हैं।
(B) काम अच्छा-बुरा नहीं होता, लोग बेईमानी से उसे बुरा बना देते हैं।
(C) काम तब तक बुरा नहीं जब तक उसमें आर्थिक लाभ हो रहा हो।
(D) काम तब तक बुरा नहीं जब तक वह परिश्रम से किया जाए।

उत्तर **(B)** काम अच्छा-बुरा नहीं होता, लोग बेईमानी से उसे बुरा बना देते हैं।

(iii) हाथ-पाँव की पवित्रता का संबंध यदि जल से है तो मन की पवित्रता का संबंध है -

(A) ईमानदारी से
(B) गंगाजल से
(C) गाढ़ी मेहनत से
(D) सत्य से

उत्तर **(D)** सत्य से

(iv) कैसे व्यक्ति बेईमानी से प्राप्त मूल्यवान वस्तु को भी मिट्टी सदृश मानते हैं?

(A) दृढ़चित्त
(B) दृढ़ निश्चयी
(C) सत्यनिष्ठ
(D) पवित्र हृदय

उत्तर **(A)** दृढ़चित्त

(v) 'भूकता हुआ कुत्ता ज्यादा काम का है, सोते हुए सिंह की अपेक्षा' -कहावत का अर्थ है-_4

(A) सोते हुए शेर से जागा हुआ कुत्ता श्रेयस्कर है।
(B) सोते हुए शेर से भौंकने वाला कुत्ता श्रेयस्कर है।
(C) सोये हुए योग्य व्यक्ति से जागा हुआ अयोग्य व्यक्ति श्रेयस्कर है।
(D) सोये हुए योग्य व्यक्ति से धीमी गति से काम करने वाला व्यक्ति श्रेयस्कर है।

उत्तर **(D)** सोये हुए योग्य व्यक्ति से धीमी गति से काम करने वाला व्यक्ति श्रेयस्कर है।

गद्यांश 2 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

छठ इस संसार में अपनी तरह का ऐसा पर्व है, जो अपनी व्यंजना में बहुआयामी है। सूर्य इस त्योहार का केंद्र है। सूर्य जीव-जगत के आधार हैं। सूर्य के बिना कोई भी भोग-उपभोग संभव नहीं है। अतः सूर्य के प्रति आभार प्रदर्शन के लिए छठ या सूर्य षष्ठी व्रत मनाया जाता है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सूर्य उन क्षेत्रों के लिए सबसे उपयोगी है, जहाँ पानी की उपलब्धता ज्यादा है। पूर्वांचल में नदियों का जाल बिछा है, ऐसे में सूर्य का ताप लेना जीवन के लिए सबसे जरूरी हो जाता है। हमारी सूर्य-केंद्रित संस्कृति कहती है कि वही उगेगा, जो डूबेगा। अतः छठ में पहले दिन डूबते और फिर दूसरे दिन उगते सूर्य की पूजा स्वाभाविक है। नीरोग रहने के लिए भी सूर्य की बड़ी जरूरत है। सूर्य के ताप में रोगनाशक शक्ति है। अक्सर लोग छठ महापर्व के समय स्वास्थ्य को लेकर भी प्रार्थना करते हैं। जब कोरोना का उभार हुआ था, तब लोग आश्वस्त थे कि एक बार सूर्य की तपन बढ़ेगी, तो कोरोना वायरस नष्ट हो जाएगा। यह जो भ्रम था, वह सूर्य के प्रति हमारी आस्था का ही परिणाम था। यह भी सत्य है कि सूर्य के प्रति हमारी आशा का कोई विकल्प भी नहीं है। सूर्य के बिना भारत की जैव-विविधता, जीवन और स्वास्थ्य का मेल नहीं बन सकता। आधुनिक जीवन की मज़बूरी में जब अक्षय-ऊर्जा की बात होती है, तब लोगों की नजर सूर्य की ओर ही जाती है। अर्थात् किन्हीं अर्थों में सूर्य हमारा अतीत ही नहीं, भविष्य भी है।

(i) सूर्य षष्ठी व्रत क्यों मनाया जाता है?

(A) भगवान सूर्य के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए
(B) प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए
(C) नदियों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए
(D) देवी-देवताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए

उत्तर **(A)** भगवान सूर्य के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए

(ii) 'वही उगेगा, जो डूबेगा' पंक्ति का आशय है:

(A) उदय और अस्त होना एक-दूसरे से जुड़े हैं।
(B) उदय होने के लिए अस्त होना जरूरी है।
(C) असफलताओं का भी सफलता में महत्त्वपूर्ण योगदान होता है।
(D) सफलता का महत्त्व असफल व्यक्ति ही समझ सकता है।

उत्तर **(C)** असफलताओं का भी सफलता में महत्त्वपूर्ण योगदान होता है।

(iii) ताप के अतिरिक्त भी सूर्य की आवश्यकता क्यों है?

(A) प्रकृति के लिए
(B) लंबे जीवन के लिए
(C) नीरोगी जीवन के लिए
(D) प्रकाश के लिए

उत्तर (C) नीरोगी जीवन के लिए

(iv) कोरोना वायरस के नष्ट होने के संदर्भ में लोगों का क्या विश्वास था?

(A) वैज्ञानिक कोरोना वायरस की औषधि ढूँढ़ लेंगे।
(B) सूर्य के बढ़ते ताप से कोरोना वायरस नष्ट हो जाएगा।
(C) सूर्य के बढ़ते ताप से कोरोना वायरस अप्रभावित रहेगा।
(D) कोरोना वायरस धीरे-धीरे स्वयं ही नष्ट हो जाएगा।

उत्तर (B) सूर्य के बढ़ते ताप से कोरोना वायरस नष्ट हो जाएगा।

(v) 'अक्षय ऊर्जा' से क्या अभिप्राय है?

(A) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो कभी नष्ट न हो
(B) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो लंबे समय तक चले
(C) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो कम खर्चीला हो
(D) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो प्रकृति-प्रदत्त हो

उत्तर (A) ऊर्जा का ऐसा स्रोत जो कभी नष्ट न हो

गद्यांश 3 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनियाभर में बढ़ते पर्यावरण संकट को कम करने में जैविक खेती एक उपचारक भूमिका निभा सकती है। गौरतलब है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में प्राकृतिक खेती बड़े पैमाने पर अपनाई जा रही है। धीरे-धीरे दक्षिण, मध्य भारत और उत्तर भारत में भी यह किसानों में लोकप्रिय हो रही है। अब किसानों ने जैविक खेती को एक सशक्त विकल्प के रूप में अपना लिया है। गौरतलब है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की तरफ भारतीय किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। धीरे-धीरे जैविक खेती का प्रचलन बढ़ रहा है। जैविक बीज, जैविक खाद, पानी, किसानी के यंत्रों आदि की आसानी से उपलब्धता जैविक खेती की लोकप्रियता को और अधिक बढ़ा सकती है। प्राकृतिक खेती को लेकर अनुसंधान भी बहुत हो रहे हैं। किसान नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। इससे कृषि वैज्ञानिक भी प्राकृतिक खेती को लेकर अधिक उत्साहित हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि जैविक या प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से पर्यावरण, खाद्यान्न, भूमि, इंसान की सेहत, पानी की शुद्धता को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है। रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली बीमारियों और समस्याओं की जानकारी न होने की वजह से किसान इनका प्रयोग काफी ज्यादा करने लगे हैं। वहीं दूसरी तरफ सिक्किम में प्राकृतिक खेती से पर्यावरण को जितनी मदद मिली है उससे साफ़ हो गया है कि प्राकृतिक खेती को अपनाकर कई समस्याओं का समाधान हो सकता है।

(i) आज जैविक खेती की माँग क्यों बढ़ती जा रही है?

(A) सस्ती होने के कारण
(B) अधिक उत्पादन के कारण
(C) स्वच्छ पर्यावरण के कारण
(D) सरकारी मदद मिलने के कारण

उत्तर (C) स्वच्छ पर्यावरण के कारण

(ii) सही कथन का चयन कीजिए -

(A) उत्तर भारत में जैविक खेती के लिए प्रेरणा की जरूरत है।
(B) पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक खेती के प्रति अधिक उत्साह है।
(C) लोगों में प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी का अभाव है।
(D) प्राकृतिक खेती के लिए विश्वविद्यालय से शिक्षित होना जरूरी है।

उत्तर **(B)** पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक खेती के प्रति अधिक उत्साह है।

(iii) जैविक खेती को किसानों की पहली पसंद बनाने के लिए क्या करना चाहिए?

(A) रासायनिक खेती निषिद्ध की जानी चाहिए।
(B) बाज़ार में केवल जैविक उत्पादों की बिक्री होनी चाहिए।
(C) युवकों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करना चाहिए।
(D) जैविक बीज़, खाद, किसानी के यंत्र आदि सुविधाएँ उपलब्ध करवानी चाहिए।

उत्तर **(D)** जैविक बीज़, खाद, किसानी के यंत्र आदि सुविधाएँ उपलब्ध करवानी चाहिए।

(iv) वर्तमान समय में खेती के लिए, अनुसंधानों में बढ़ोतरी किसके बारे में हुई है?

(A) जैविक खेती
(B) रासायनिक खाद
(C) नई-नई दवाइयाँ
(D) नए बीज

उत्तर **(A)** जैविक खेती

(v) किसान कीटनाशकों और रासायनिक खादों का अधिक प्रयोग क्यों करने लगे हैं?

(A) सहज उपलब्धता के कारण
(B) दुष्प्रभावों की जानकारी न होने के कारण
(C) अधिक प्रचार-प्रसार के कारण
(D) सस्ती होने के कारण

उत्तर **(B)** दुष्प्रभावों की जानकारी न होने के कारण

गद्यांश 4 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

एशिया के उच्च पर्वतीय क्षेत्र को सेंट्रल एशियन माउंटेन रीजन भी कहा जाता है। इसमें हिमालयन, कराकोरम और हिंदुकुश पर्वत श्रृंखलाएँ आती हैं जो चीन से लेकर अफगानिस्तान तक फैली हैं। इस क्षेत्र में करीब 55 हजार हिमनद हैं, जिनमें पेयजल का जितना भंडार है उतना उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों के अतिरिक्त पृथ्वी पर एक साथ पेयजल कहीं नहीं है। इन हिमनदों से पिघला हुआ जल एशिया की दस सबसे बड़ी नदियों को जीवन देता है, जिन पर करीब दो करोड़ लोगों की आबादी निर्भर रहती है। बढ़ते तापमान की वजह से इन सभी पर ख़तरा मंडरा रहा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम यानी यूएनडीपी के मुताबिक शेष दुनिया के मुकाबले हिमालयी क्षेत्र में तापमान करीब दोगुनी रफ़्तार से बढ़ रहा है जिसकी वजह से पर्वतों पर जमी बर्फ पिघल रही है और बर्फबारी हो रही है। यदि समय रहते वैश्विक तापमान में लगभग 1-5 फीसदी की कमी नहीं की गई तो इस शताब्दी के अंत तक दक्षिण एशिया के पहाड़ों पर जो बर्फ जमा है, उसका आधा या फिर दो-तिहाई हिस्सा गायब हो जाएगा। पिघलते हिमनदों की वजह से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। पिछले साल भारत ने गंगा नदी पर नए पनबिजली संयंत्रों के निर्माण पर रोक लगा दी थी, ताकि निचले इलाकों में नदियों के पानी के बहाव को बनाए रखा जा सके और नदियाँ सूखने न पाएँ। ग्लेशियरों के पिघलने की दर को कम करने के तरीके ढूँढ़ने के बावजूद तमाम वैज्ञानिक भविष्य को लेकर बहुत चिंतित हैं। जीवाश्म-ईंधनों के जरिए लोग उन गैसों को वायुमंडल में छोड़ते हैं जो पृथ्वी के चारों ओर ग्रीनहाउस की तरह काम करती हैं और धरती गर्म होने लगती है। 'कोयला, तेल और गैस जलाने पर कालिख' और पार्टिकुलेट मैटर छोड़ते हैं। हवा के जरिए ये प्रदूषक बर्फ पर जम जाते हैं और बर्फ तेजी से गर्म होकर पिघलने लगती है।

(i) सेंट्रल एशियन माउंटेन रीजन कहाँ है?

(A) ऑस्ट्रेलिया में
(B) अफ्रीका में
(C) साऊथ अमेरिका में
(D) एशिया में

उत्तर **(D)** एशिया में

(ii) विश्व में सर्वाधिक पीने योग्य जल का भंडार कहाँ उपलब्ध है?

(A) नदियों में
(B) दोनों ध्रुवों पर
(C) हिमालय पर
(D) हिंदुकुश पर्वत पर

उत्तर **(B)** दोनों ध्रुवों पर

(iii) जीवनदायिनी नदियों पर ख़तरे के बादल क्यों मंडरा रहे हैं?

(A) तापमान में वृद्धि के कारण
(B) जनसंख्या वृद्धि के कारण
(C) अज्ञानता के कारण
(D) वैमनस्यता के कारण

उत्तर **(A)** तापमान में वृद्धि के कारण

(iv) गंगा नदी पर नए पनबिजली संयंत्रों के निर्माण पर प्रतिबंध क्यों लगाना पड़ा?

(A) नदियाँ प्रदूषित न हों
(B) वर्षा समय पर हो
(C) बाढ़ को रोका जा सके
(D) नदियों का प्रवाह बना रहे

उत्तर **(D)** नदियों का प्रवाह बना रहे

(v) गद्यांश के आधार पर ग्लेशियरों को पिघलने से कैसे रोका जा सकता है?

(A) जल प्रदूषण में कमी लाकर
(B) जीवाश्म ईंधनों का सीमित प्रयोग कर
(C) प्लास्टिक पर रोक लगाकर
(D) विकास कार्यों पर लगाम लगा कर

उत्तर **(B)** जीवाश्म ईंधनों का सीमित प्रयोग कर

गद्यांश 5 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

कोलकाता भी दूसरे बड़े शहरों की तरह एक बड़ी नदी के किनारे बसा है। गंगा से निकली एक धारा ही है हुगली नदी। लेकिन दूसरे कई नगरों की तरह कोलकाता में नदी का बहाव एकतरफा नहीं है। हुगली ज्वारी नदी है और बंगाल की खाड़ी से उसका मुहाना 140 किलोमीटर की दूरी पर ही है। हर रोज ज्वार के समय समुद्र नदी के पानी को वापस कोलकाता तक ठेलता है। ज्वार और भाटे के बीच जल स्तर एक ही दिन में कई फुट ऊपर-नीचे हो जाता है। शहर के पश्चिम में बहने वाली हुगली नदी में कोलकाता अपना मैला पानी बहाकर उसे भुला नहीं सकता। नीचे बह जाने की बजाए क्या पता ज्वार के पानी के साथ अपशिष्ट पदार्थ वापस शहर लौट आएँ? शहर के कुल मैले पानी का एक छोटा-सा हिस्सा ही हुगली में बहाया जाता है, वह भी चोरी-छिपे। इसका परिणाम यह है कि कोलकाता में हुगली अधिक दूषित नहीं है। लेकिन हर बड़े शहर को अपना मैला पानी फेंकने के लिए एक नदी चाहिए। तो फिर कोलकाता का मैला कहाँ जाता है? हुगली से उलटी दिशा में, शहर के पूरब में बहने वाली एक छोटी-सी नदी कुल्टीगंग में। पर नदी तक पहुँचने के पहले इस मैले पानी के बड़े हिस्से का उपचार होता है। कुल्टीगंग में गिरने वाला मैला पानी उतना दूषित नहीं होता है जितना वह शहर से निकलते समय होता है। यहाँ मैले पानी की सफाई का तरीका भी दूसरे शहरों से निराला है। कोई 30,000 एकड़ में फैले तालाब और खेत कोलकाता के कुल मैले पानी का दो-तिहाई हिस्सा साफ करते हैं। यही नहीं, इससे कई हजार लोगों को रोजगार मिलता है मैले पानी से मछलियाँ, सब्जियाँ और धान उगाकर। इसका एक कारण है यहाँ का अनूठा भूगोल, जो बना है गंगा के मुहाने पर होने वाले मिट्टी और पानी के प्राकृतिक खेल से। पता नहीं कब से गंगा की बड़ी धार यहाँ से बहकर बंगाल की खाड़ी में विसर्जित होती थी। पर यह संगम केवल गंगा और बंगाल की खाड़ी भर का नहीं रहा है। छोटी-बड़ी कई नदियों की कई धाराएँ हिमालय की मिट्टी गाद या साद के रूप में लाकर यहाँ जमा करती रही हैं। कह सकते हैं कि यहाँ हिमालय और समुद्र मिलते हैं।

(i) कोलकाता में बहने वाली किन-किन नदियों का उल्लेख अनुच्छेद में हुआ है?

(A) गंगा, कुल्टीगंग, यमुना
(B) गंगा, हुगली, उल्टीगंगा

(C) गंगा, यमुना, हुगली
(D) हुगली, गंगा, कुल्टीगंग

उत्तर (D) हुगली, गंगा, कुल्टीगंग

(ii) गद्यांश आधारित निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए:

कथन:
(क) हुगली नदी में जल-स्तर ज्वार और भाटे के अनुरूप ऊपर-नीचे होता रहता है।
(ख) कुल्टीगंग कोलकाता के पूरब में बहती है।
(ग) कोलकाता की अधिकतर नदियाँ उलटी दिशा की ओर बहती है।
विकल्प:

(A) कथन (क) सही है।
(B) कथन (क) और (ख) सही हैं।
(C) कथन (ख) और (ग) सही हैं।
(D) कथन (ग) और (क) सही हैं।

उत्तर (B) कथन (क) और (ख) सही हैं।

(iii) कुल्टीगंग में गिरने वाला कोलकाता का मैला पानी उतना दूषित क्यों नहीं होता?

(A) क्योंकि वह पहले हुगली नदी में जाता है।
(B) कोलकाता के लोग पानी मैला नहीं करते।
(C) नदी में गिरने से पूर्व खेतों और तालाबों से उपचारित होता है।
(D) क्योंकि कुल्टीगंग स्वयं ही गंदगी को उपचारित कर लेती है।

उत्तर (C) नदी में गिरने से पूर्व खेतों और तालाबों से उपचारित होता है।

(iv) निम्नलिखित कथन (A) और कारण (8) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A): कोलकाता के बगल में बंगाल की खाड़ी में हिमालय और समुद्र मिलते हैं।
कारण (03): यहाँ गंगा और अन्य नदियाँ मिट्टी गाद या साद इकट्ठा करती हैं।

(A) कथन (A) गलत है पर कारण (8) सही है।
(B) कथन (A) सही है पर कारण (8) गलत है।
(C) कथन (A) और कारण (%) दोनों सही हैं।
(D) कथन (A) और कारण (%) दोनों गलत हैं।

उत्तर (C)

(v) कोलकाता हुगली नदी में अपना मैला पानी क्यों नहीं बहा सकता?

(A) शहर में हुगली को पवित्र मानकर उसकी पूजा की जाती है।
(B) हुगली एक छोटी नदी है, मैला पानी बहाने लायक नहीं है।
(C) हुगली में समुद्र पानी वापस भेजता है, अपशिष्ट लौट सकता है।
(D) हुगली पश्चिम में बहती है, अपशिष्ट उस ओर लाना कठिन है।

उत्तर (C) हुगली में समुद्र पानी वापस भेजता है, अपशिष्ट लौट सकता है।

गद्यांश 6 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

भारत एक विशाल देश है। यहाँ के विभिन्न राज्यों की अपनी क्षेत्रीय भाषाएँ हैं। स्वतंत्रता के पश्चात से मातृभाषा को प्रोत्साहित करने की बातें चर्चा में रही हैं। परंतु इनके विकास के लिए कोई ठोस उपाय नहीं किए गए। इसके कारण प्रत्येक क्षेत्र में विदेशी भाषा अंग्रेजी का वर्चस्व स्थापित हो गया। नेल्सन मंडेला ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति के सोचने की प्रक्रिया अपनी मातृभाषा में होती है। अगर किसी व्यक्ति से उसकी मातृभाषा में बात करें तो वह बात दिल तक पहुँचती है। यह सर्वविदित है कि मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करना अत्यंत सहज एवं सुगम होता है। अपनी मातृभाषा में

विद्यार्थी किसी भी विषय को सरलता से समझ लेता है जबकि अन्य भाषाओं में उसे कठिनाई का सामना करना पड़ता है। विश्वभर के शिक्षाविदों ने मातृभाषा में शिक्षा प्रदान किए जाने को महत्त्व दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार अपनी मातृभाषा में चिकित्सा की पढ़ाई करवाने वाले देशों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति अन्य देशों की तुलना में अच्छी है। चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस और जापान सहित अनेक देश अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। सर्वविदित है कि ये देश लगभग प्रत्येक क्षेत्र में अग्रणी हैं। इन देशों ने अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करके ही उन्नति प्राप्त की है। यदि स्वतंत्रता के पश्चात भारत में भी मातृभाषा में चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती तो हम आज विश्व में और अधिक बेहतर स्थिति में होते। वर्तमान में इस दिशा में ठोस और क्रांतिकारी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

(i) किसी भी देश के आधारभूत विकास के लिए आवश्यक है:

(A) तकनीकी शिक्षा का विस्तार होना
(B) चिकित्सीय शिक्षा का विस्तार होना
(C) किसी भी भाषा में शिक्षा देना
(D) मातृभाषा में शिक्षा का विस्तार होना

उत्तर **(D)** मातृभाषा में शिक्षा का विस्तार होना

(ii) स्वास्थ्य और चिकित्सा की दृष्टि से कौन-से देश अच्छी स्थिति में हैं?

(A) मातृभाषा में चिकित्सीय शिक्षा देने वाले देश
(B) अपनी राष्ट्रभाषा को मातृभाषा बनाने वाले देश
(C) राष्ट्रभाषा और मातृभाषा को समान मानने वाले देश
(D) अंग्रेजी भाषा से दरी बनाने वाले देश

उत्तर **(A)** मातृभाषा में चिकित्सीय शिक्षा देने वाले देश

(iii) भारत में क्षेत्रीय भाषाओं के अपेक्षाकृत कम विकसित होने के क्या कारण हैं?

(A) हिंदी भाषा का वर्चस्व
(B) अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व
(C) उपयुक्त प्रयासों का अभाव
(D) स्थानीय इच्छाशक्ति का अभाव

उत्तर **(C)** उपयुक्त प्रयासों का अभाव

(iv) 'मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करना आसान होता है।' इस कथन के पक्ष में निम्नलिखित में से कौन-सा /कौन-से तर्क सही है/हैं?

1. मातृभाषा में प्राप्त ज्ञान को समझना सरल है।
2. मातृभाषा में प्राप्त ज्ञान को समझना जटिल है।
3. मातृभाषा अन्य भाषाओं से सरल-स्वरूप होती है। 4, मातृभाषा और दूसरी भाषाओं में कोई अंतर नहीं है।

विकल्प:

(A) 1 सही है।
(B) 3 सही है।
(C) 1 और 2 सही हैं।
(D) 1 और 4 सही हैं।

उत्तर **(A)** 1 सही है।

(v) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन - भारत में शिक्षा के माध्यम में बदलाव वर्तमान की आवश्यकता है।
कारण - शिक्षा के माध्यम के प्रति दृष्टिकोण समाज में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

गद्यांश 7 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

तकनीक की एक विशेषता यह होती है कि जब वह सबके पास पहुँच जाती है, तो अपनी हैसियत खो देती है। व्यापार जगत पर नई तकनीक के लिए दबाव बनने लगते हैं और समाज भी उसके लिए तैयार हो जाता है। टी.बी. के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। समाज से बेशक टेलीविज़न खत्म नहीं हुआ, लेकिन जिस अर्थ में इसको हमारे समाज ने परिभाषित किया था, उस अर्थ में यह अपना वजूद काफ़ी तेजी से खो रहा है। टी.बी. का परंपरागत रूप वह है, जिसमें कुछ चैनल होते हैं। एक निश्चित समय पर उनके कार्यक्रम होते हैं और उन कार्यक्रमों को देखने के लिए आपको उस समय उसके सामने बैठना होता है। बदलते समय के साथ जो कुछ हम टी.वी. पर देखते थे, वह अब हमें अपने मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट पर भी देखने को मिलता है। अक्सर जब हम भविष्य की कल्पना करते हैं, तो हमारे आस-पास जो भी कुछ उपलब्ध होता है, उसी के आधार पर आगे की सुध लेते हैं। किसने सोचा था कि स्मार्टफोन नाम की एक चीज आएगी और सब कुछ बदल जाएगा। आज जो टेलीविज़न-सेट बाज़ार में मिलते हैं, वे सब स्मार्टफोन की नकल करते दिखाई देते हैं। उन्हें कहा भी स्मार्ट टी.वी. ही जाता है। वे तेज़ी से जि 4 स्मार्टफोन का व्याकरण और गणित अपनाते जा रहे हैं। पारंपरिक टी.वी. हमारी जरूरतों पर पूरा नहीं उतर रहा, इसलिए धीरे-धीरे विदा हो रहा है। हमारी यात्रा जिस जगह पहुँच चुकी है, वहाँ किसी भी 'बुद्धू-बक्से' को तब तक स्वीकार नहीं किया जा सकता, जब तक वह स्मार्ट न हो जाए।

(i) गद्यांश के आधार पर परंपरागत टेलीविज़न के वजूद खोने का कारण है -

(A) क्षेत्रीय भाषाओं में प्रसारण की सुविधा का न होना।
(B) अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों के प्रसारण की सुविधा का न होना।
(C) सीमित चैनलों पर आने वाले सीमित कार्यक्रम।
(D) सीमित चैनलों पर निश्चित समय पर आने वाले कार्यक्रम।

उत्तर (D) सीमित चैनलों पर निश्चित समय पर आने वाले कार्यक्रम।

(ii) गद्यांश के अनुसार, भविष्य की कल्पना का आधार क्या होता है?

(A) अतीत की उपलब्धि
(B) वर्तमान की उपलब्धि
(C) विकसित देशों की उपलब्धि
(D) विकासशील देशों की उपलब्धि

उत्तर (B) वर्तमान की उपलब्धि

(iii) 'स्मार्ट टी.बी.' कहा जाता है -

(A) सुंदर, सजीले, शोभनीय टी.वी. को
(B) पारंपरिक टी.वी. से भिन्न आधुनिक टी.वी. को
(C) आधुनिक तकनीकी सुविधा से युक्त टी.वी. को
(D) स्मार्टफोन की तकनीक उपलब्ध कराने वाले टी. वी. को

उत्तर (D) स्मार्टफोन की तकनीक उपलब्ध कराने वाले टी. वी. को

(iv) 'बुद्धू बक्सा' संकेतार्थ है -

(A) रेडियो का
(B) टी. वी. का
(C) टेप रिकार्डर का
(D) वीडियो प्लेयर का

उत्तर **(B)** टी. वी. का

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यान से पढ़िए तथा उचित विकल्प का चयन कर लिखिए

कथन: सबके पास पहुँचने पर तकनीक अपना मूल्य खोने लगती है।
कारण: लोग उससे बेहतर तकनीक की उम्मीद करने लगते हैं।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(B) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की गलत व्याख्या करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर **(D)** कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

गद्यांश 8 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

उन्नीसवीं सदी में एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी मनोचिकित्सक हुए एमिल कुए। उन्होंने आत्म-सम्मोहन के आधार पर स्वास्थ्य लाभ की एक नई विधि की खोज की थी जो खूब चर्चित हुई। उनका सूत्र था - 'दिन-ब-दिन मैं बेहतर, और बेहतर होता जा रहा हूँ।' यह एक प्रयोग था जो ध्यान के नियम पर आधारित था। कुए ने हज़ारों लोगों को इस वाक्य को बार-बार दोहराने के लिए कहकर ठीक किया। जब भी किसी विचार पर ध्यान केंद्रित किया जाता है तो यह स्वत: उसे जीवंत बना देता है। विचार इतना प्रभावशाली होता है कि शरीर उसका अनुसरण करता है और वही भाव महसूस करने लगता है। विचार और शरीर बहुत गहराई से जुड़े हैं। अधिकांश लोग दुःख में जीते हैं या बीमारी को आश्रय देते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने प्रति निराशावादी रवैया विकसित कर लिया है। हमारा अचेतन मन जो कुल मन का 90 प्रतिशत हिस्सा होता है, हमारे विचारों को साकार करता है। यदि हम स्वस्थ विचारों की खेती करेंगे, तो सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करेगा और यदि हम नकारात्मकता से भरे रहेंगे, तो बीमारी पैदा करके वह हमारा समर्थन करेगा। एक बार जब इसे पूरी तरह से समझ लिया जाता है तो हम शरीर व मन में स्वस्थ तरंगें पैदा करके अपनी बीमारियों को काफ़ी हद तक ठीक कर सकते हैं। जब शारीरिक और मानसिक घाव भर जाते हैं, तब व्यक्ति स्वस्थ रहता है। कई बीमारियाँ शारीरिक से अधिक मानसिक होती हैं। लोग आस-पास की दवा की दुकान से दवाएँ तो खरीदते हैं पर स्वास्थ्य क्लब में जाकर स्वस्थ रहने की कला नहीं सीखते। लोग बीमारी में निवेश करते हैं, स्वास्थ्य में नहीं। स्वास्थ्य को आदत बनाना चाहिए। हिल हि

(i) 'हम स्वस्थ विचारों की खेती करेंगे तो मन सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करेगा।' - इस पंक्ति का आशय है -

(A) स्वस्थ मन से खेती करने पर अच्छी फसल होगी।
(B) स्वस्थ मन से काम करने पर सफलता प्राप्त होगी।
(C) स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ मन आवश्यक है।
(D) स्वस्थ विचार ही शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

उत्तर **(D)** स्वस्थ विचार ही शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

(ii) इस गद्यांश के अनुसार, नकारात्मक विचार जन्म देते हैं -

(A) उदासी
(B) एकाकीपन
(C) असफलता
(D) बीमारी

उत्तर **(D)** बीमारी

(iii) हमारे विचारों को साकार रूप देने का कार्य किया जाता है -

(A) मस्तिष्क द्वारा
(B) चेतन मन द्वारा
(C) अचेतन मन द्वारा
(D) कर्मेन्द्रियों द्वारा

उत्तर **(C)** अचेतन मन द्वारा

(iv) 'लोग बीमारी में निवेश करते हैं, स्वास्थ्य में नहीं' - से क्या अभिप्राय है?

(A) लोग स्वस्थ रहने से अधिक बीमारी से बचने के तरीके ढूँढ़ते हैं।
(B) लोग चिकित्सा में पैसा खर्च करते हैं स्वास्थ्य सुधार के तरीकों में नहीं।
(C) इलाज के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएँ ढूँढ़ते हैं।
(D) स्वास्थ्य बीमा न कराके लोग चिकित्सा में निवेश करते हैं।

उत्तर **(B)** लोग चिकित्सा में पैसा खर्च करते हैं स्वास्थ्य सुधार के तरीकों में नहीं।

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यान से पढ़िए तथा सही विकल्प का चयन कर लिखिए:

कथन: वर्तमान समय में लोगों के जीवन में एकाकीपन बढ़ रहा है।
कारण: लोगों ने अपने प्रति निराशावादी रवैया विकसित कर लिया है।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(B) कारण सही है, किंतु कथन गलत है।
(C) कथन सही है, किंतु कारण उसकी गलत व्याख्या करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर **(B)** कारण सही है, किंतु कथन गलत है।

गद्यांश 9 **2024** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

भारत में फिलहाल बिजली का बहुत बड़ा संकट नहीं है, मगर भविष्य की ज़रूरतों और स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने के संकल्पों के तहत केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी है। इस मिशन के माध्यम से भारत को ऊर्जा-स्वतंत्र बनाने, अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को कार्बन मुक्त करने और वैकल्पिक ईंधन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात के एक वैश्विक केंद्र में बदलने की योजना है। इसमें संदेह नहीं कि विकास की राह पर तेज़ी से आगे बढ़ने की कोशिश करते भारत जैसे देशों के लिए ऊर्जा में स्वावलंबन हासिल करना सबसे बड़ी आवश्यकता है। हमें कारख़ाने लगाने, उत्पादन बढ़ाने, लाखों-करोड़ों युवाओं के लिए रोज़गार पैदा करने हैं। इसके लिए स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता है क्योंकि देश में पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ती हुई माँग की आपूर्ति हेतु करोड़ों रुपए प्रति वर्ष सरकार द्वारा खर्च किए जाते हैं। सौर-ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति हो रही है। इस प्रकार जनता को राहत दिलाते हुए ऊर्जा स्वावलंबन हासिल किया जा सकता है, बशर्ते कुछ ठोस योजनाओं पर सतर्कता से अमल किया जाए। विशेषकर यह देखते हुए कि हाइड्रोजन स्वच्छ ईंधन है और एक बार दक्षता हासिल होने के बाद इससे अनंत काल तक असीमित ऊर्जा पाई जा सकती है। मगर इसमें कुछ समस्याएँ भी हैं। मुख्य अड़चन इसके भंडारण की है। यह अत्यंत विस्फोटक होने के कारण दुर्घटना का कारण बन सकती है। उम्मीद है राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन में इससे जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान निकाल लिया जाएगा। मसलन हाइड्रोजन ईंधन को सस्ता करना। कोयले की उपलब्धता का भी फिलहाल कोई संकट नहीं है। मगर ऊर्जा की बढ़ती माँग कोयले के भविष्य को धुँधला कर देती है। ऐसे में बेहतर होगा कि या तो परमाणु बिजली की तरफ बढ़ा जाए या फिर हाइड्रोजन ईंधन समेत स्वच्छ ऊर्जा के अन्य विकल्प आज़माए जाएँ।

(i)

(i) राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का/के मुख्य उद्देश्य है/हैं, भारत को :
I. ऊर्जा क्षेत्र में स्वतंत्र बनाना
II. सर्वोच्च स्थान तक पहुँचाना
III. वैकल्पिक ईंधन का उत्पादन करना
विकल्प :
(A) I सही है । (B) II सही है ।
(C) II और III सही हैं । (D) I और III सही हैं ।

उत्तर **(D)** I और III सही हैं।

(ii) भारत को स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता क्यों है?

(A) उत्पादन बढ़ाने और रोज़गार पैदा करने के लिए
(B) स्वच्छ पर्यावरण को प्रोत्साहन देने के लिए
(C) युवा-पीढ़ी की आवश्यकताएँ पूरी करने के लिए
(D) वैश्विक माँग को पूरा करने के लिए

उत्तर **(A)** उत्पादन बढ़ाने और रोज़गार पैदा करने के लिए

(iii) भारत अपने ऊर्जा-व्यय को किस प्रकार सीमित कर सकता है?

(A) पेट्रोल-डीज़ल को प्रतिबंधित करके
(B) कम क़ीमत पर पेट्रोल-डीज़ल उपलब्ध करवाकर
(C) ऊर्जा स्वावलंबन हासिल करके।
(D) अपने देश में पेट्रोल-डीज़ल पैदा करके

उत्तर **(C)** ऊर्जा स्वावलंबन हासिल करके।

(iv) कौन-सा कथन अनुच्छेद के अनुरूप नहीं है?

(A) मिशन सभी समस्याओं का समाधान खोज लेगा।
(B) कोयले से प्राप्त बिजली सहज उपलब्ध है।
(C) स्वच्छ ऊर्जा के अन्य विकल्प खोजने चाहिए।
(D) परमाणु बिजली को छोड़ देना चाहिए

उत्तर **(D)** परमाणु बिजली को छोड़ देना चाहिए

(v) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी है।
कारण: भविष्य की ज़रूरतों को पूरा करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ज़रूरी है।
विकल्प:

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

गद्यांश 10

2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिलने पर हाइड्रोजन का विकल्प मिलने की संभावनाएँ बढ़ जाएँगी और हमारे देश में जीवाश्म ईंधन जैसे कच्चा तेल, कोयला आदि पर निर्भरता कम हो जाएगी और इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी पाँच करोड़ टन की कमी आ सकती है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन का एक अहम उद्देश्य पेट्रोल-डीज़ल जैसे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता ख़त्म करते हुए देश को स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन का केंद्र बनाना है। यह सही है कि इस समय हाइड्रोजन हमारी धरती पर उपलब्ध सबसे स्वच्छ ईंधन है। मगर समस्या यह है कि पृथ्वी पर मौजूद समस्त हाइड्रोजन किसी दूसरे तत्त्व जैसे पानी या अन्य हाइड्रोकार्बन के साथ गुँथा हुआ है। ऐसे में विलगाने की प्रक्रिया में प्रदूषण होता है। इसलिए इसे स्वच्छ या ग्रीन हाइड्रोजन नहीं कह सकते। ऐसी समस्याओं का इलाज है राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन। उल्लेखनीय है कि

इलैक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया से ईंधन तैयार होने की प्रक्रिया पूरी तरह कार्बन उत्सर्जन से मुक्त होती है। हाइड्रोजन ईंधन तैयार करने के फिलहाल दो तरीके हैं। पहला तरीका इलैक्ट्रोलिसिस यानी पानी में से बिजली गुज़ार कर हाइड्रोजन ईंधन प्राप्त करने वाला है। दूसरा तरीका प्राकृतिक गैस से हाइड्रोजन और कार्बन को तोड़कर ईंधन तैयार करने का है। इलैक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया से तैयार होने वाले हाइड्रोजन ईंधन में स्वच्छ ऊर्जा इस्तेमाल होती है। सौर ऊर्जा या पवन ऊर्जा वाले बिजलीघरों से मिली बिजली के इस्तेमाल से पानी को इलैक्ट्रोलाइज़ कर हाइड्रोजन अलग की जाती है। ऐसे ईंधन को 'ग्रीन' हाइड्रोजन या जी.एच.-2 या फिर ग्रीन फ्यूल कहते हैं। इस तरह की ऊर्जा के बारे में दावा है कि इससे सबसे बड़ा लाभ तेल शोधन, खाद निर्माण, सीमेंट, स्टील और भारी उद्योगों को होगा, क्योंकि वहाँ हाइड्रोजन ईंधन को सी.एन.जी. और पी.एन.जी. के साथ मिलाकर प्रयोग करने पर ये भारी उद्योग कार्बन मुक्त हो सकेंगे।

(i) (v) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों को ध्यान से पढ़िए और उचित विकल्प छाँटकर लिखिए कि हाइड्रोजन ईंधन से हमें कौन-सा/से लाभ मिलेंगे ।

I. जीवाश्म ईंधन, कच्चा तेल आदि पर निर्भरता कम होगी ।

II. सबको बहुत ही सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध होगी ।

III. ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में काफी कमी आ सकेगी ।

विकल्प :

(A) I सही है ।

(B) I और III सही हैं ।

(C) III सही है ।

(D) I और II सही हैं ।

उत्तर **(B)** (I) और (III) सही हैं।

(ii) जीवाश्म ईंधन से बचना क्यों ज़रूरी है?

(A) प्रदूषण रहित पर्यावरण के लिए
(B) अत्यधिक व्यय से बचने के लिए
(C) अत्याधुनिक बनने के लिए
(D) सभी के साथ चलने के लिए

उत्तर **(A)** प्रदूषण रहित पर्यावरण के लिए

(iii) पृथ्वी पर मौजूद समस्त हाइड्रोजन को 'ग्रीन हाइड्रोजन' क्यों नहीं कहा जा सकता?

(A) धरती पर उपलब्ध अन्य तत्त्वों के साथ गुँथा हुआ है।
(B) पानी में मिले अन्य पदार्थ अलग करना असंभव है।
(C) हाइड्रोजन को तोड़ने में प्रदूषण से बचना कठिन है।
(D) आज चारों तरफ हरियाली का पर्याप्त अभाव है।

उत्तर **(C)** हाइड्रोजन को तोड़ने में प्रदूषण से बचना कठिन है।

(iv) 'ग्रीन फ्यूल' कौन-सा है?

(A) हरी वनराशि को पीसकर तैयार किया गया ईंधन
(B) पानी और प्राकृतिक ऊर्जा से मिली बिजली से तैयार ईंधन
(C) जीवाश्म ईंधन से इलैक्ट्रोलाइज़ करके तैयार ईंधन
(D) कार्बन उत्सर्जन को नकारते हुए तैयार सस्ता ईंधन

उत्तर **(B)** पानी और प्राकृतिक ऊर्जा से मिली बिजली से तैयार ईंधन

(v) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन: इलैक्ट्रोलिसिस प्रक्रिया से ईंधन तैयार करना सर्वोत्तम है।
कारण: ईंधन बनाए जाने की यह प्रक्रिया कार्बन उत्सर्जन से रहित होती है।
विकल्प:

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।
(D) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

उत्तर **(D)** कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

गद्यांश 11 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3, 3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

दिनकर जी ने माना है कि उन पर प्रारम्भ से ही जितना प्रभाव रवीन्द्रनाथ ठाकुर का रहा उतना ही मोहम्मद इकबाल का। बाद में इलियट की काव्य-शैली और विचार-दृष्टि ने उनके कवि मानस को छूकर दूर भीतर तक उन्मथित कर दिया। परिणामत: उनकी कविताओं ने एक नई भंगिमा को ग्रहण किया। दिनकर जी अपने युग के एक प्रमुख कवि ही नहीं, सफल और प्रभावपूर्ण गद्य लेखक भी थे। सीधी-सरल भाषा और अत्यन्त प्रांजल शैली में उन्होंने विभिन्न साहित्यिक विषयों पर निबन्ध भी दिए हैं, तो बोधकथा, डायरी-संस्मरण भी, और दर्शन-इतिहासगत तथ्यों के विवेचन भी। 'दिनकर' जी जीवन भर संघर्षरत रहे। साहित्य और राजनीति दोनों के बीच उनका मन रमता था और इन दोनों ही क्षेत्रों में उनको सफलता मिली। साहित्य जगत द्वारा प्रदत्त ज्ञानपीठ पुरस्कार ने दिनकर जी को प्रफुल्लित कर दिया। उनके अन्तरंग मित्रों को यह ज्ञात है कि ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके जीवन के अन्तिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण सिद्ध हुआ। पुरस्कार प्राप्त कर 'दिनकर' जी अभिभूत थे क्योंकि कवि का मन अपनी रचनाओं की स्वीकृति, विशेष रूप से सुधीजनों द्वारा उनका प्रशंसित और समादूत होना, अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानता है। ज्ञानपीठ पुरस्कार के मिलने के बाद उन्होंने अप्रैल, 974 में तिरुपति की यात्रा की। जब 'दिनकर' जी मद्रास पहुँचे तो यह एक सुखद संयोग था कि उनके सर्वाधिक स्नेही मित्र थे गंगाशरण सिंह और जयप्रकाश बाबू भी वहीं थे। उसी शाम उन्होंने मद्रास के समुद्र तट पर अपने कुछ मित्रों को अपनी सुन्दर-सुन्दर रचनाएँ सुनाई। तब कोई नहीं जानता था कि आज 23 - 24 अप्रैल की शाम गंगा की गोद में उत्पन्न दिनकर जी के अस्ताचल जाने की शाम थी। उसी रात मद्रास में ही 'दिनकर' जी की जीवन लीला समाप्त हो गई और फिर उनका पार्थिव शरीर मद्रास से दिल्ली होकर पटना लाया गया।

(i)

(i) दिनकर जी के लेखन पर किन-किन कवियों का प्रभाव रहा है ? *1*

I. इलियट
II. रवीन्द्रनाथ ठाकुर
III. मोहम्मद इकबाल
IV. गंगाशरण सिंह

(A) I, III और IV
(B) I, II और III
(C) II, III और IV
(D) I, II और IV

उत्तर **(B)** I, II और III

(ii) . दिनकर जी के बारे में कौन-सा तथ्य असत्य है?

(A) वे एक प्रमुख कवि थे परंतु असफल गद्य लेखक भी थे।

(B) उनकी शैली प्रांजल थी तथा वे साहित्यिक निबंध लिखते थे।

(C) ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम पन्ना है।

(D) बोधकथा, डायरी, संस्मरण के अतिरिक्त दिनकर जी ने इतिहास के विषय में भी लिखा है।

उत्तर **(A)** वे एक प्रमुख कवि थे परंतु असफल गद्य लेखक भी थे।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए; रच

कथन: पुरस्कार प्राप्त कर मन अभिभूत हो जाता है।
कारण: पुरस्कार विद्वज्जनों द्वारा दी जाने वाली सराहना और सम्मान का प्रतीक है।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है और कारण भी पूरी तरह ग़लत ही है।

(B) कथन सही है परंतु कारण आंशिक रूप से सही है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या भी है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या भी है।

(iv) दिनकर जी की रचनाशीलता की दो विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।

आदर्श उत्तर

दिनकर जी का कविता और गद्य दोनों पर समान अधिकार था; वे महत्त्वपूर्ण कवि होने के साथ गद्य की विविध शैलियों के लेखक भी थे। उनकी शैली प्रभावशाली थी और कविताओं में नई भंगिमा थी। उन्होंने निबंध, डायरी, संस्मरण तथा ऐतिहासिक और दार्शनिक विवेचन भी सरल, प्रांजल भाषा में लिखे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- कविता और गद्य दोनों पर समान अधिकार: न केवल महत्त्वपूर्ण कवि, बल्कि गद्य की विविध शैलियों में लेखन
- प्रभावशाली शैली: कविताओं में नई भंगिमा
- विधाओं की विविधता: निबंध, डायरी-संस्मरण और ऐतिहासिक तथा दार्शनिक विवेचनों का लेखन
- सरल और प्रांजल भाषा: निबंधों की रचना में स्पष्टता, गद्य में सीधी-सरल, सहज, स्पष्ट भाषा का प्रयोग

(v) ज्ञानपीठ पुरस्कार का दिनकर जी के जीवन में क्या महत्त्व रहा?

आदर्श उत्तर

ज्ञानपीठ पुरस्कार दिनकर जी के लिए अत्यंत हर्ष का अवसर था; वह उनके जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण बना। यह उनके साहित्यिक योगदान की उच्चतम स्वीकृति और सम्मान का प्रमाण था। अपनी रचनाओं की इस स्वीकृति से वे गौरव और संतोष से अभिभूत थे।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे -

- अत्यंत हर्ष का अवसर
- जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण
- साहित्यिक योगदान की उच्चतम स्वीकृति का प्रतीक
- प्रशंसा और सम्मान मिलने का प्रमाण

- गौरव और संतोष का भाव
- अपनी रचनाओं की स्वीकृति से अभिभूत

गद्यांश 12 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

उत्तरी गोलार्द्ध में पतझड़ में प्रवास में चिड़ियाँ अंडे देने के स्थान से चलती हैं। वे उत्तर से दक्षिण की ओर ऊँचे अक्षांशों से निचले अक्षांशों की ओर जाती हैं; दक्षिणी गोलार्द्ध इसका उल्टा होता है जो कि स्वाभाविक ही है। चिड़ियाँ दक्षिण की सर्दी से बचने के लिए उत्तर की ओर चल पड़ती हैं। यह बात तो समझ में आती है कि कुछ चिड़ियाँ सख्त जाड़े से घबरा कर अपेक्षाकृत कम ठंडे स्थानों की ओर भाग जाती हैं और जैसे ही गर्मी शुरू होने लगती है, लौट कर अपने देश आ जाती हैं। वे अपने देश जब आती हैं, उस समय वहाँ पेड़ों पर नई-नई कोंपलें, कलियाँ और फूल निकले होते हैं और परिवार के पोषण के लिए तमाम तरह के कीड़े-मकोड़े उपलब्ध होते हैं। गर्मी खत्म होते-होते बच्चे बड़े होकर आत्मनिर्भर हो जाते हैं और पतझड़ के बाद पहली सर्दी के पड़ते ही, चिड़ियाँ दक्षिण की ओर चल देने को तैयार हो जाती हैं। यहाँ तक तो ऐसा लगता है कि इन कठिन प्रवास यात्राओं का निश्चित महत्त्व है और शायद जो चिड़ियाँ प्रवास पर जाती हैं उनके लिए, कुछ हद तक यह आवश्यक भी है; लेकिन उलझन में डालने वाली बात यह है कि कुछ चिड़ियाँ प्रवास पर पूर्व से पश्चिम या पश्चिम से पूर्व को लगभग उसी अक्षांश पर, लगभग उसी प्रकार के जलवायु वाले प्रदेशों में अंडे देने के लिए जाती हैं। अपनी इस लंबी यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले प्रवासी चिड़ियाँ इसके लिए बाकायदा तैयारी करती हैं। वे खाना अधिक मात्रा में खाती हैं ताकि चर्बी की एक तह सी बैठ जाए जो उनकी यात्रा में उनके शरीर को ताकत प्रदान करती रहे। कुछ चिड़ियाँ अभ्यास करना और झुंड बनाकर उड़ना सीखना शुरू कर देती हैं। प्रयोगों से पता चला है कि सूरज निकलने और डूबने से चिड़ियों को प्रस्थान के समय का संकेत मिलता है। लंबी यात्रा में सूरज ही उनको कुतुबनुमा का काम देता है।

(i)

(i) पक्षी ऊँचे अक्षांशों से निचले अक्षांशों की ओर क्यों जाते हैं ? *1*

I. प्रवास के उद्देश्य से
II. अधिक सर्दी से बचने के लिए
III. गर्मी के मौसम की खोज में

विकल्प :

(A) केवल II
(B) I और III
(C) II और III
(D) I और II

उत्तर **(D)** I और II

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए; रच

कथन: कुछ पक्षी समान जलवायु वाले प्रदेशों में अंडे देने के लिए प्रवास करते हैं।
कारण: उनके लिए पश्चिम से पूर्व या पूर्व से पश्चिम जाना अनिवार्य होता है।
विकल्प:

(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, परंतु कारण सही है।
(C) कथन सही है और कारण उसकी उचित व्याख्या है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(D)** कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

(iii) चिड़ियाँ जब प्रवास से लौटती हैं तब उनके देश में कौन-सा परिवर्तन आ चुका होता है?

(A) गर्मी का मौसम खत्म हो चुका होता है।
(B) पेड़ों पर नई कोंपलें, फूल आदि लग चुके होते हैं।
(C) उनके बच्चे बड़े होकर अपने रास्तों पर निकल चुके होते हैं।
(D) सरे कीड़े-मकोड़े अनुपलब्ध हो चुके होते हैं।

उत्तर **(B)** पेड़ों पर नई कोंपलें, फूल आदि लग चुके होते हैं।

(iv) पक्षी प्रवास पर जाने से पहले कौन-सी तैयारियाँ करते हैं? किन्हीं दो का स्पष्ट उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रवास पर जाने से पहले पक्षी अधिक मात्रा में भोजन करते हैं ताकि लंबी उड़ान के लिए शरीर में पर्याप्त ऊर्जा जमा हो जाए। इसके साथ वे उड़ने का अभ्यास करते हैं और झुंड बनाकर एक साथ उड़ना सीखते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- अधिक मात्रा में भोजन करना
- अभ्यास करना और झुंड बनाकर उड़ना सीखना

(v) पक्षियों के लिए प्रवास की आवश्यकता और उसके महत्त्व को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

पक्षियों के लिए प्रवास इसलिए आवश्यक है कि वे अत्यधिक ठंड जैसे प्रतिकूल मौसम से अपना बचाव कर सकें। नए स्थान पर उन्हें पर्याप्त भोजन उपलब्ध होता है और प्रजनन के लिए अनुकूल वातावरण मिलता है। इस प्रकार प्रवास उनके जीवित रहने और वंश-वृद्धि के लिए महत्त्वपूर्ण है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

आवश्यकता और महत्त्व:

- अत्यधिक प्रतिकूल मौसम से बचाव
- भोजन की उपलब्धता
- प्रजनन के उद्देश्य से

गद्यांश 13

2025 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

लोक साहित्य का सृजक लोक ही है इसीलिए उसमें लोकजीवन की आत्मगाथा समाहित होती है। लोक साहित्य मानव जीवन जितना ही प्राचीन है। अपने जन्म के साथ ही मनुष्य ने कथाएँ कहनी शुरू कर दी थीं- यथार्थपरक भी और काल्पनिक भी। इन कथाओं में उसके अपने अनुभव की कथाएँ हैं। साथ ही अपने तत्कालीन समय और समाज की घटनाओं तथा कथाओं का समावेश है। समय के साथ-साथ समाज में बदलाव की बयार चलती रहती है और समय के साथ कदमताल करते हुए लोक साहित्य में भी बदलाव होता रहा है। लोक साहित्य समय के साथ यात्रा करता आया है और परिवर्तनों को स्वीकारता रहा है। लोक साहित्य की यह सबसे बड़ी खूबसूरती है कि वह परंपराओं का ध्यान रखते हुए भी रूढ़ियों को पकड़कर एक जगह ठहरता नहीं। वह समय के साथ चलता है और समय के सच से साक्षात्कार कराते हुए कभी-कभी समय से आगे चलता भी दिखता है। तभी कहा जाता है कि किसी संस्कृति के संबंध में गहराई से जानने के लिए वहाँ के लोक साहित्य को जानना आवश्यक है। क्योंकि उसमें संस्कृति का सच्चा स्वरूप दृष्टिगोचर होता है। लोक साहित्य में लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य आदि सभी रूप शामिल हैं। इनकी भाषा इतनी सहज-सरल-सरस होती है कि वे लोककंठों में बस जाती हैं। आज के आत्ममुग्ध और आत्म-प्रचार के समय में हम लोक साहित्य सृजकों के आत्म-

प्रचार से दूर रहने की मनःस्थिति पर विस्मय ही कर सकते हैं। अपनी प्रसिद्धि, मान-सम्मान या अपने नाम के प्रचार की लालसा का भाव उनमें लेशमात्र भी नहीं था। अपनी रचनाओं में भी वे ऐसा संकेत करने से बचते रहे, जिससे उनकी पहचान की जा सके। अपने नाम के प्रचार के मोह से वे पूरी तरह मुक्त थे।

(i) लोक साहित्य में बदलाव क्यों होते रहते हैं?

(A) बदलाव से इनमें नवीनता बनी रहती है
(B) इसके आधार,समाज में बदलाव होते रहते हैं।
(C) मनुष्य की कल्पनाएँ नए-नए रूप धारण करती हैं
(D) एक ही तरह का साहित्य नीरसता पैदा करता है

उत्तर **(B)** इसके आधार,समाज में बदलाव होते रहते हैं।

(ii) लोक साहित्य के संबंध में अनुपयुक्त विकल्प है-

(A) लोक साहित्य का संबंध तत्कालीन समाज की परंपराओं से होता है।
(B) लोक साहित्य के माध्यम से किसी समाज-देश की संस्कृति को जाना जा सकता है।
(C) लोक साहित्य का सृजन समाज के एक वर्ग विशेष द्वारा किया जाता है।
(D) लोक साहित्य समय के साथ आ रहे बदलाव के प्रति ग्रहणशील होता है।

उत्तर **(C)** लोक साहित्य का सृजन समाज के एक वर्ग विशेष द्वारा किया जाता है।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन- लोक साहित्य रूढ़िवाद का समर्थक होता है।
कारण- यथार्थ और कल्पना पर आधारित होने के कारण इनमें बदलाव संभव नहीं है।

(A) कथन गलत है किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(B)** कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(iv) लोक साहित्य और संस्कृति को अंतर्संबंधित क्यों बताया गया है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

लोक साहित्य किसी भी देश और समाज की संस्कृति को जानने-समझने का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। वह लोकजीवन की ही अभिव्यक्ति है और उसमें अपने समय तथा समाज की घटनाओं और कथाओं का वर्णन होता है। इस प्रकार संस्कृति का सच्चा स्वरूप लोक साहित्य में ही सुरक्षित रहता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- लोक साहित्य किसी भी देश व समाज की संस्कृति को जानने-समझने का महत्त्वपूर्ण माध्यम
- लोकजीवन की ही अभिव्यक्ति
- संस्कृति का सच्चा स्वरूप
- अपने समय एवं समाज की घटनाओं और कथाओं का वर्णन

(v) लोक साहित्य सृजक अन्य साहित्य सृजकों से भिन्न कैसे होते हैं? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

लोक साहित्य के सृजकों में आत्ममुग्धता का भाव नहीं होता। वे प्रसिद्धि और मान-सम्मान की लालसा से परे तथा अपने नाम के प्रचार के मोह से सर्वथा मुक्त होते हैं; वे अपनी रचनाओं में अपनी पहचान का कोई संकेत तक नहीं छोड़ते।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- आत्ममुग्धता का भाव नहीं
- प्रसिद्धि,मान-सम्मान की लालसा से परे
- आत्मप्रचार / नाम के प्रचार के मोह से सर्वथा मुक्त
- रचनाओं में अपनी पहचान का कोई संकेत देने से बचना

गद्यांश 14

2025 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

भारतीय सभ्यता विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है, जिसमें बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। इसके साथ ही यह अपने आपको बदलते समय के साथ ढालती भी आई है। इसमें प्राचीन गौरवशाली मान्यताओं एवं परंपराओं के साथ नवीनता का समावेश भी दिखाई देता है। यह विभिन्न सांस्कृतिक धारणाओं का महासंगम है। इसमें अध्यात्म एवं भौतिकता का समन्वय दिखाई देता है। अपनी पारंपरिक संस्कृति से लेकर तिब्बत, मंगोल, द्रविड़, हड़प्पाई और यूरोपीय धाराओं के समागम के बावजूद भारतीय संस्कृति ने अपना पृथक् अस्तित्व बनाए रखा और नवागत संस्कृतियों की अच्छी बातों को उदारतापूर्वक ग्रहण किया। भारतीय संस्कृति में 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' की भावना के साथ सबके कल्याण की बात कही गई है। साथ ही 'वसुधैव कुटुंबकम्' की पवित्र भावना के साथ संपूर्ण विश्व को ही एक परिवार के रूप में स्वीकार किया गया है। हमारी संस्कृति ने जीवन में 'एकल' को स्वीकार करने, उसका मानवर्धन करने या उसकी ओर अग्रसर होने की बात नहीं सिखाई बल्कि 'सकल' को स्थापित किया। 'व्यष्टि' के स्थान पर 'समष्टि' को महत्त्व और प्राथमिकता दी गई है। हमारे पूर्वजों ने सिखाया कि इस नश्वर संसार में 'मैं' का कोई महत्त्व नहीं है। यहाँ तो 'हम' के बिना मनुष्य जीवन का कुछ होने वाला नहीं है। यह सच है कि मनुष्यता का ऐसा उदात्त भाव, संस्कारों की ऐसी तरलता, सरलता और सांस्कृतिक गहराई दुनिया के किसी समाज, धर्म-संस्कृति में नहीं मिलती, जबकि हमारी संस्कृति में ये हमारी धमनियों में प्रवाहित रक्त के समान तथा हमारी श्वासों के साथ हमारी देह में प्रविष्ट करने वाली प्राण-धारा के समान है। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें-सँवारें तथा उसकी मज़बूत आधारशिला पर खड़े होकर नए मूल्यों और संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें।

(i) गद्यांश में भारतीय संस्कृति के किस तत्त्व का उल्लेख नहीं किया गया है?

(A) सबके सुख की कामना
(B) सबके कल्याण की भावना
(C) समस्त वसुधा एक परिवार
(D) व्यष्टि उत्थान को प्राथमिकता

उत्तर **(D)** व्यष्टि उत्थान को प्राथमिकता

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उचित विकल्प का चयन कीजिए:

कथन: भारतीय संस्कृति 'एकल' का मानवर्धन करने के स्थान पर 'सकल'? का महत्त्व स्थापित करती है।
कारण: भारतीय संस्कृति की विशालता और महत्ता संपूर्ण मानव के साथ तादात्म्य संबंध स्थापित करने में है।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(B) कथन सही है, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
(C) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है।
(D) कथन व कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। न कण ता कर [।

उत्तर **(D)** कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) 'इस नश्वर संसार में 'मैं' का कोई महत्त्व नहीं है। - कथन में प्रयुक्त 'मैं? का अर्थ है -

(A) अहंकार
(B) जीवन
(C) एकल
(D) मनुष्य

उत्तर **(C)** एकल

(iv) भारतीय संस्कृति में 'मैं' की जगह किसे महत्त्व दिया गया है और क्यों?

आदर्श उत्तर

भारतीय संस्कृति में 'मैं' की जगह 'हम' को महत्त्व दिया गया है। 'हम' समाज या समष्टि का प्रतीक है और समष्टि के विकास में ही मानव का वास्तविक विकास है। यहाँ सबके कल्याण की भावना प्रमुख है और संपूर्ण विश्व को एक परिवार माना गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- हम;
- 'हम' समाज/समष्टि का प्रतीक और समष्टि के विकास में ही वास्तविक मानव विकास
- सबके कल्याण की भावना महत्त्वपूर्ण
- संपूर्ण विश्व एक परिवार

(v) भारतीय संस्कृति के अक्षुण्ण बने रहने का क्या कारण है? किन्हीं दो कारणों का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

भारतीय संस्कृति इसलिए अक्षुण्ण बनी हुई है कि वह बदलते समय के अनुरूप स्वयं को ढाल लेती है और उसमें प्राचीनता तथा नवीनता का समावेश है। इसमें मनुष्यता का उदात्त भाव, 'मैं' के स्थान पर 'हम' को महत्त्व तथा अध्यात्म और भौतिकता का समन्वय है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- बदलते समय के अनुरूप स्वयं को ढालना
- प्राचीनता और नवीनता का समावेशन
- मनुष्यता का उदात्त भाव
- सांस्कृतिक गहराई
- 'मैं' के स्थान पर 'हम' को महत्त्व
- अध्यात्म और भौतिकता का समन्वय

गद्यांश 15

2025 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

शिक्षकों को अपने यहाँ बहुत से विशेषणों से संबोधित किया जाता रहा है। शिक्षक को राष्ट्र- निर्माता कहा जाता है। युवा पीढ़ी का सुधारक, मशाल-वाहक और पथ प्रदर्शक भी कहा जाता है। शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ अपने शिष्यों को जीवन-कौशल और नैतिक मूल्यों का भी ज्ञान प्रदान करते हैं। मानव जाति के लिए नई सोच और दृष्टिकोण की अपेक्षा भी शिक्षकों से ही की जाती है। शिक्षकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका समाज को सशक्त और समृद्ध बनाने में भी है। हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राचीन ग्रंथों में जगह-जगह एक आदर्श गुरु के गुणों को वर्णित किया गया है। स्कंद पुराण के गुरु-स्तोत्रम् में तो गुरुओं की तुलना ब्रह्मा, विष्णु और महेश से की गई है तथा गुरु को साक्षात् परब्रह्म माना गया है। एक अच्छे गुरु में गहन ज्ञान,

विद्वत्ता, करुणा, नैतिकता व चरित्र, नवीनता, नवाचार, अनुशासनप्रियता और समानता का भाव अपेक्षित है। यही गुण एक गुरु को महान बनाते हैं और शिष्यों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। अपनी सदी के महान कवि और संत कबीरदास जी ने भी कहा है - 'गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि- 'गढ़ि काढ़ै खोट' - अर्थात् गुरु कुम्हार है और शिष्य घड़ा है जो गढ़-गढ़ कर शिष्य की कमियों को दूर करता है। शिक्षक अपने सफल मार्गदर्शन द्वारा शिष्यों को उनकी शक्तियों से परिचित कराते हुए उनके विकास के मार्ग को प्रशस्त करते हैं। शिक्षक समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

(i) शिक्षक शिक्षा के साथ-साथ शिष्यों को प्रदान करता है -

(A) नैतिक मूल्यों का ज्ञान
(B) धन-अर्जित करने का ज्ञान
(C) पेशेवर विकास का ज्ञान
(D) भविष्य सुनिश्चित करने का ज्ञान

उत्तर **(A)** नैतिक मूल्यों का ज्ञान

(ii) गुरु को ब्रह्मा क्यों कहा गया है?

(A) छात्रों के हित गुरु के भीतर छिपी कल्याण-भावना के कारण
(B) समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने की भूमिका के कारण
(C) छात्रों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के कारण
(D) रोज़गार हेतु विद्यार्थियों में कौशल विकास करने के कारण

उत्तर **(B)** समाज के भविष्य निर्माताओं को तैयार करने की भूमिका के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए:

कथन: मानव जाति के लिए नई सोच और दृष्टिकोण विकसित करना शिक्षक का दायित्व है।
कारण: हमारी ज्ञान परंपरा और ग्रंथों में गुरु को महान बताया गया है।

(A) कथन तथा कारण दोनों गलत हैं।
(B) कारण सही है लेकिन कथन गलत है।
(C) कथन सही है, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर **(C)** कथन सही है, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(iv) शिक्षक को पथ-प्रदर्शक क्यों कहा जाता है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें विकास के सही मार्ग पर आगे बढ़ाता है। वह उन्हें केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, जीवन-कौशल और नैतिक मूल्यों का ज्ञान भी देता है। इसी कारण उसे पथ-प्रदर्शक कहा जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान उन्हें विकास के मार्ग पर अग्रसर करने के कारण
- जीवन-कौशल और नैतिक मूल्यों का ज्ञान प्रदान करने के कारण (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

(v) कबीरदास जी ने गुरु की तुलना कुम्हार से क्यों की है? किन्हीं दो कारणों को स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

जैसे कुम्हार कच्ची मिट्टी को गढ़कर सुंदर घड़े का आकार देता है, वैसे ही गुरु शिष्य के व्यक्तित्व को आकार देता है। कुम्हार भीतर से सहारा देकर बाहर से चोट करता है; उसी प्रकार गुरु शिष्य की कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- शिष्य के व्यक्तित्व को आकार देने के कारण
- शिष्य की कमियों को पहचान कर दूर करने के कारण

गद्यांश 16 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

जब हम छोटे थे, हमें सिखाया गया कि होशियार बनो। अच्छे नंबर लाओ। जीत कर दिखाओ। धीरे-धीरे ये आदत तमाम सीखें आदत में बदल गईं और पता भी नहीं चला कि कब ये आदत हमारे मन की एक दौड़ में बदल गईं। दूसरों से आगे निकलने की दौड़। कभी कक्षा में प्रथम आने की, कभी ऑफिस में पदोन्नति की, कभी समाज में इज़्ज़त कमाने की और कभी अपने ही भाई-बहनों, दोस्तों, रिश्तेदारों से बेहतर दिखने की। परंतु इस लगातार चलने वाली दौड़ में हम भूल गए कि जिस आत्मा को लेकर निकले थे, वह कहाँ है? हर सुबह उठते हैं और सोचते हैं कि किसे पछाड़ना है। हर शाम थककर सोते हैं और गिनते हैं कि कितने पीछे रह गए। यह थकान सिर्फ शरीर की नहीं है, आत्मा की थकान भी है क्योंकि हमने अपनी गति किसी और की रफ़्तार से बाँध दी है। हम अपने फैसले किसी और की कामयाबी देखकर लेने लगे हैं। वो किताब क्यों पढ़ रहे हो? क्योंकि सब पढ़ रहे हैं। वो कोर्स क्यों कर रहे हो? क्योंकि उससे नौकरी मिलती है। शहर क्यों जा रहे हो? क्योंकि वहाँ ज़्यादा अवसर हैं। और धीरे-धीरे हमारी ज़िंदगी, हमारी नहीं रह जाती। वह एक नक़ल बन जाती है, दूसरों के रास्तों की, दूसरों के सपनों की। ऐसा नहीं है कि प्रतिस्पर्धा बुरी चीज है। आपको अगर किसी से आगे ही निकलना है, तो उस 'आप' से निकलिए, जो डरता है, जो टालता है, जो रोज़ कहता है 'कल से'। आपका अपना असली प्रतिद्वंद्वी कोई और नहीं, हमारा ही कल का, हमारा ही पुराना संस्करण है। आज के इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में, जहाँ सोशल मीडिया हर दिन दूसरों की उपलब्धियों को चमका कर पेश करता है, वहाँ अपने ही भीतर स्थिर रहना एक साधना है। खुशी और संतोष हमेशा भीतर से आते हैं और उनका रास्ता आत्म-साक्षात्कार से होकर जाता है, ना कि तुलना और प्रतियोगिता से। गा

(i)

(i) गद्यांश के आधार पर लगातार दूसरों से की जा रही प्रतिस्पर्धा की हानि/हानियाँ है/हैं। उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : **1**

I. शारीरिक थकान
II. आत्मा की थकान
III. सामाजिक प्रतिष्ठा की हानि
IV. आर्थिक नुकसान

विकल्प :

(A) I और II दोनों
(B) I, II और III तीनों
(C) I, II और IV तीनों
(D) II और IV दोनों

उत्तर **(A)** I और II दोनों

(ii) सोशल मीडिया के युग में अपने भीतर स्थिर रहना एक साधना क्यों है?

(A) यह दूसरों की उपलब्धियों को नज़र-अंदाज़ करना सिखाता है।
(B) इससे हम अधिक सफल और प्रसिद्ध हो सकते हैं।

(C) हर दिन दूसरों की उपलब्धियों को दिखा ललचाता रहता है।
(D) प्रतिस्पर्धात्मक युग में इंद्रियों पर नियंत्रण कठिन है।

उत्तर (D) प्रतिस्पर्धात्मक युग में इंद्रियों पर नियंत्रण कठिन है।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए:

कथन: हमें अपनी ज़िंदगी में दूसरों के सपनों का अनुकरण बंद कर देना चाहिए।
कारण: दूसरों की नक़ल से सच्ची खुशी मिल सकती है।

(A) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(B) कथन सही है किंतु कारण गलत है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं किंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

उत्तर (B) कथन सही है किंतु कारण गलत है।

(iv) हम सभी को बचपन में कौन-सी सीख दी जाती है और उसका क्या प्रभाव हमारे स्वभाव पर पड़ता है?

आदर्श उत्तर

हम सभी को बचपन में यह सीख दी जाती है कि होशियार बनो, अच्छे अंक लाओ और जीतकर दिखाओ। इसका प्रभाव यह पड़ता है कि हममें सबसे बेहतर बने रहने और सबसे आगे निकलने की इच्छा जाग जाती है; हम दूसरों से तुलना और प्रतिद्वंद्विता करने लगते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सीख और प्रभाव के दो-दो उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

सीख:

- होशियार बनो
- अच्छे अंक लाओ
- जीतकर दिखाओ

प्रभाव:

- सबसे बेहतर बने रहने की इच्छा
- प्रतिद्वंद्विता
- सबसे आगे निकलने की आदत
- शरीर और मन की थकान
- दूसरों से प्रभावित होकर निर्णय लेना

(v) खुशी और संतुष्टि किस प्रकार मिल सकती है? आप उसे पाने के लिए क्या करेंगे?

आदर्श उत्तर

खुशी और संतुष्टि आत्म-साक्षात्कार से, अपनी क्षमता और योग्यता पर विश्वास रखने से तथा तुलना और प्रतियोगिता से मुक्त रहने पर मिल सकती है। इसे पाने के लिए मैं सोशल मीडिया की चकाचौंध से दूर रहूँगा, अपनी रुचि के काम करूँगा और जो मेरे पास है, उसके लिए कृतज्ञ रहूँगा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी एक उपयुक्त बिंदु लिखेंगे-

- आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से
- अपनी क्षमता और योग्यता पर विश्वास रखकर
- तुलना और प्रतियोगिता से मुक्त रहकर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य, जैसे-

- सोशल मीडिया की चकाचौंध से दूर रहकर

गद्यांश 17 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

हमारी सभ्यताएँ आमतौर पर नदियों के किनारे ही फली-फूलीं, लेकिन जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ी तो उन्हें नदियों से दूर जाकर बसना पड़ा, पर वहाँ भी उन्होंने तालाब बनाए। इन तालाबों की खासियत यह रही कि ये मनुष्यों के साथ-साथ नदियों को भी पोषित करते रहे थे और मानवता को भी पोषित करते थे, क्योंकि तालाबों में भरा पानी नदी के पेट को भरकर नदी को प्रवाह देता था। इसके बाद फिर जैसे-जैसे जनसंख्या बढ़ी, तो हमने कुएँ बनाए, बावड़ियाँ बनाईं। इस तरह जैसे-जैसे मनुष्य को जलस्रोत से दूर जाना पड़ा तो उसने तालाब, बावड़ियाँ, कुएँ, ताल, झाल, पाल आदि बनाकर पानी का संरक्षण किया। इसी कारण हम पानीदार बने रहे, लेकिन जब भारत में अंग्रेज़ी शासक आए तो उन्होंने कहना शुरू किया कि - 'यह तो सपेरों का देश है और ये ठहरा हुआ पानी पीते हैं। ठहरा हुआ पानी तो दूषित है।? अंग्रेज़ यह बात नहीं जानते थे कि वर्षा जल शुद्ध और पवित्र होता है और जब वह इकट्ठा होता है तो वह सूर्य की किरणों और हवा के स्पर्श से शुद्ध होता रहता है। यह ज्ञान उन्हें नहीं था। राजस्थान में जो वर्षा का जल इकट्ठा होता था उसे हम ताज़ा पानी कहते थे और अगर किसी को पेट की बीमारी होती थी, तो हम उसी से उसका इलाज कर लिया करते थे। हमारे लिए जल सिर्फ़ जीवन देने वाला, जीवन चलाने वाला ही नहीं रहा, बल्कि उसकी एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भूमिका भी रही। हमारी कोई भी पूजा जल के बिना नहीं होती। जब कहीं घूमने या आनंद मनाने जाते हैं, तो नदी किनारे का और उसके बदलते रंगों का आनंद लेते हैं। पूरे दिन में नदी के तीन रंग बदलते हैं। सुबह का अलग, शाम का अलग और दोपहर का अलग। नदी के ये बदलते रंग हमारे जीवन के बदलते रंगों की तरह हैं जिनमें प्रवाह होता है, गति होती है। इस तरह पानी से हमें एक 'जीवन दर्शन' मिलता रहा जिसे हम 'जल दर्शन' कह सकते हैं। जब तक हमें यह मिलता रहा तब तक हम पानीदार बने रहे, लेकिन अब हमारा यह जल दर्शन शनै: शनै: मिट्टी में दबता जा रहा है।

(i) हमारी सभ्यताएँ नदियों के किनारे ही क्यों विकसित हुईं?

(A) जल संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण
(B) बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण
(C) आवागमन की सुविधा के कारण
(D) प्राकृतिक सौंदर्य के कारण

उत्तर **(A)** जल संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण

(ii) जनसंख्या वृद्धि के साथ जलस्रोतों के विषय में क्या बदलाव आया है?

(A) नदियों पर मनुष्यों की निर्भरता अधिक बढ़ी।
(B) वर्षा जल के लिए प्रतीक्षा रहने लगी।
(C) नदियों से बसावट दूर हुई और तालाब, बावड़ियाँ, कुएँ आदि बनाए गए।
(D) पर्यावरण में प्रदूषण बढ़ने लगा और जलस्रोतों का पानी कम पड़ने लगा।

उत्तर **(C)** नदियों से बसावट दूर हुई और तालाब, बावड़ियाँ, कुएँ आदि बनाए गए।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए: हि

कथन: हमारी कोई भी पूजा जल के बिना पूरी नहीं होती।
कारण: जल की मानव जीवन में एक आध्यात्मिक भूमिका रही है।
विकल्प:

(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) जल से जीवन का कौन-सा दर्शन मिलता है? स्पष्ट उत्तर लिखिए।

आदर्श उत्तर

जल से प्रवाह और गति का जीवन-दर्शन मिलता है। जैसे जल निरंतर बहता और रास्ते के अनुसार अपना रूप बदलता रहता है, वैसे ही जीवन में सुख-दुख और परिवर्तन आते रहते हैं; हमें रुकना नहीं, चलते रहना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- प्रवाह/ गति/ बदलाव/ चलते रहने का जीवन-दर्शन
- जीवन के सुख-दुख/ परिवर्तन की ओर संकेत

(v) 'पानीदार होने' का गद्यांश के संदर्भ में क्या अर्थ है? हम किस प्रकार पानीदार बने रह सकते

आदर्श उत्तर

गद्यांश के संदर्भ में 'पानीदार होने' का अर्थ पानी जैसी प्राकृतिक संपदा से संपन्न होना और साथ ही इज़्ज़तदार तथा आन वाला होना है। हम वर्षा-जल के संचयन की व्यवस्था करके, कुएँ-बावड़ियों और तालाबों को पुनर्जीवित करके तथा नदियों को सँभालकर पानीदार बने रह सकते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश के आधार पर प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

अर्थ:

- पानी जैसी प्राकृतिक संपदा से संपन्न
- इज़्ज़तदार/ आन वाले/ आत्माभिमानी
- चमकदार;

तरीके:

- वर्षा जल के संचयन की व्यवस्था कर
- कुएँ-बावड़ियों, तालाब आदि व्यवस्थाओं को पुनर्जीवित करके
- नदियों को सँभालकर पानी के रख-रखाव के प्रति सजग रह कर

गद्यांश 18

2026 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

20 अगस्त को राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2004 में इस दिवस को मनाने की शुरुआत की गई। इसका मुख्य उद्देश्य अक्षय ऊर्जा के प्रति आम आदमी में जागरूकता फैलाना है। आधुनिकता और भौतिकवाद की अंधी दौड़ में सबसे समझदार जीव कहे जाने वाले इंसानों ने ही प्रकृति को नज़रअंदाज करने का काम किया है। जीवाश्म ईंधन ने रही-सही कसर पूरी कर दी। आम आदमी यदि समझदारी दिखाए तो आधुनिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण को भी बचाया जा सकता है। वास्तव में हमें अक्षय ऊर्जा का अर्थ समझना होगा। यह अक्षय इसलिए है, क्योंकि इसे तैयार करने के क्रम में स्रोत का क्षय नहीं होता, बल्कि उसका नवीनीकरण होता रहता है। यह ऊर्जा पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती क्योंकि इसे तैयार करने के क्रम में प्रदूषण नहीं फैलता। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल-विद्युत ऊर्जा, ज्वार-भाटा से प्राप्त ऊर्जा, बायोगैस, जैव ईंधन

आदि अक्षय ऊर्जा के ही कुछ उदाहरण हैं। हमारा देश प्राकृतिक संपदाओं से संपन्न है इसलिए अक्षय ऊर्जा के प्रति यदि गंभीरता से काम किया जाए तो हम इस ऊर्जा को पाने की दिशा में सबसे आगे रहेंगे। इसके लिए ज़रूरी है कि प्राकृतिक संपदाओं का अनियोजित दोहन रोका जाए। आम लोगों को इसके प्रयोग के लिए जागरूक और प्रोत्साहित किया जाए। इसमें दो राय नहीं कि भारत में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। हम अक्षय ऊर्जा पाने की ओर ठोस कदम बढ़ा रहे हैं। भारत गाँवों का देश है। अक्षय ऊर्जा के प्रयोग से गाँवों की ऊर्जा संबंधी समस्याओं को सुलझाया जा सकता है। अक्षय ऊर्जा देश के लिए एक अच्छा विकल्प बन सकता है। जल्द ही भारत अक्षय ऊर्जा के उत्पादन के मामले में दुनिया में सिरमौर देश सिद्ध होगा।

(i) अक्षय ऊर्जा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य क्या है?

(A) सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करना
(B) अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता फैलाना
(C) बिजली की खपत के प्रयोग को कम करना
(D) जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ाना

> **उत्तर** **(B)** अक्षय ऊर्जा के प्रति जागरूकता फैलाना

(ii) गद्यांश के अनुसार अक्षय ऊर्जा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(A) अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया जाता है।
(B) अक्षय ऊर्जा का क्षय न होकर नवीनीकरण होता रहता है।
(C) अक्षय ऊर्जा का स्रोत सीमित है और शीघ्र ही समाप्त हो जाएगा।
(D) अक्षय ऊर्जा केवल सौर ऊर्जा को संदर्भित करती है।

> **उत्तर** **(B)** अक्षय ऊर्जा का क्षय न होकर नवीनीकरण होता रहता है।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए: हि

कथन: अक्षय ऊर्जा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती।
कारण: यह प्राकृतिक स्रोतों से उत्पन्न होती है और प्रदूषण नहीं फैलाती।
विकल्प:

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।
(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

> **उत्तर** **(D)** कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) हमारे देश में अक्षय ऊर्जा के प्रयोग पर बल देने के प्रमुख कारण लिखिए।

> **आदर्श उत्तर**
> हमारे देश में अक्षय ऊर्जा के प्रयोग पर बल इसलिए दिया जा रहा है कि प्राकृतिक संपदाओं के अनियंत्रित दोहन पर रोक लगे और पर्यावरण की सुरक्षा हो। देश में सूर्य, पवन जैसे प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता है और इससे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मिलेगी।

> **CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)**
> *परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त कारण लिखेंगे-*
> - प्राकृतिक संपदाओं के अनियंत्रित दोहन पर रोक
> - पर्यावरण की सुरक्षा

- प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता
- ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

(v) अक्षय ऊर्जा के उपयोग से भारत को भविष्य में क्या लाभ होगा?

आदर्श उत्तर

अक्षय ऊर्जा के उपयोग से भविष्य में ग्रामीण जीवन की ऊर्जा संबंधी समस्याओं का समाधान होगा। विकास के साथ-साथ पर्यावरण का संरक्षण भी हो सकेगा और अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में भारत विश्व में प्रमुख स्थान प्राप्त करेगा।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- ग्रामीण जीवन की ऊर्जा संबंधी समस्याओं का समाधान
- विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण
- अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में भारत का विश्व में प्रमुख स्थान

गद्यांश 19

2026 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आकार में छोटी, पर प्रभाव में अद्वितीय चींटी, प्रकृति के सबसे संगठित और उद्देश्यपूर्ण प्राणियों में से एक है। भागवत पुराण और कई क्षेत्रीय भारतीय ग्रंथों में चींटियों की परिश्रमशीलता और सहयोग भावना को मानव आचरण का आदर्श बताया गया है। चींटियाँ हमें सिखाती हैं कि नेतृत्व पद से नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता, सहयोग और निरंतरता से परिभाषित होता है। अकेली चींटी असहाय हो सकती है, परंतु समूह में वे असंभव को संभव कर देती हैं। यही सहयोगात्मक नेतृत्व का सार है। एक सच्चा नेता मात्र स्वयं की सफलता की आकांक्षा नहीं रखता, अपितु वह ऐसे तंत्र का निर्माण करता है, जहाँ सभी मिलकर योगदान दें और सभी सफलता प्राप्त करें। चींटियों का जीवन अत्यंत अनुशासित होता है। बिना बाहरी निगरानी के, वे भोजन संचित करती हैं। सुरंगें बनाती हैं और चुनौतियों का सामना करती हैं। चींटी यह सिखाती है कि महान उपलब्धियाँ किसी एक विलक्षण कार्य से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे, पर नियमित उद्देश्यपूर्ण प्रयासों से बनती हैं। चींटियाँ ध्यान आकर्षित नहीं करतीं। वे मौन भाव से योगदान देती हैं। यह 'निष्काम' 'कर्म' की भावना का प्रतिबिंब है, यानि बिना फल की आसक्ति से किया गया कर्म। चींटी हमें सिखाती है कि शक्ति आकार से मापी नहीं जाती और ध्वनि से प्रभावित नहीं होती। वे सिद्ध करती हैं कि अनुशासन, विनम्रता, सहयोग और दृष्टि से, सबसे छोटा प्राणी भी अपना प्रभाव छोड़ सकता है। आज के तेज़ी और व्यक्तिवाद से भरे युग में, चींटी हमें बताती है कि शांति से किया गया तप और सामूहिक प्रयत्न ही सच्ची संस्कृति का निर्माण करते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश किस विषय-वस्तु पर आधारित है?

(A) चींटियों के लघु आकार पर
(B) चींटियों के प्रेरक जीवन पर
(C) निष्काम कर्म-भावना पर
(D) आदर्श नेता के गुणों पर

उत्तर **(B)** चींटियों के प्रेरक जीवन पर

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन करके लिखिए:

कथन: आकार से शक्ति का आकलन नहीं किया जा सकता।
कारण: शक्ति केवल शारीरिक आकार पर निर्भर नहीं करती। मनुष्य की बौद्धिक क्षमता भी शक्ति को प्रभावित करती है।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii)

(iii) चींटियों के किस गुण को मानव आचरण का आदर्श बताया गया है ? **1**

इस प्रश्न के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :

(I) सहयोग (II) असहाय

(III) परिश्रमशीलता (IV) अनुशासन

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(B) कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।

(C) कथन (I), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) केवल कथन (IV) सही है ।

उत्तर **(C)** कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

(iv) चींटी 'निष्काम कर्म' की भावना का प्रतीक है, कैसे?

आदर्श उत्तर

चींटी बिना किसी दिखावे के मौन भाव से निरंतर अपना काम करती रहती है। वह फल की आसक्ति के बिना कर्मरत रहती है और चुपचाप अपना योगदान देती है। इसी कारण उसे 'निष्काम कर्म' की भावना का प्रतीक कहा गया है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- मौन भाव से योगदान
- फल की आसक्ति के बिना कर्मरत रहना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

(v) सहयोगात्मक नेतृत्व क्या है? इसके किसी एक लाभ का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

सहयोगात्मक नेतृत्व नेतृत्व की वह शैली है जिसमें नेता अकेले निर्णय नहीं लेता, बल्कि सभी सदस्य मिलकर अपना-अपना योगदान देते हैं। इसका लाभ यह है कि इससे केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरे समूह की सफलता सुनिश्चित होती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए एक-एक उपयुक्त बिंदु में उत्तर लिखेंगे-

सहयोगात्मक नेतृत्व: नेतृत्व की ऐसी शैली जहाँ सभी मिलकर योगदान दें;
लाभ: सभी की सफलता सुनिश्चित

(vi)

(iii) चींटियों के किस गुण को मानव आचरण का आदर्श बताया गया है ? **1**

इस प्रश्न के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :

(I) सहयोग (II) असहाय

(III) परिश्रमशीलता (IV) अनुशासन

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(B) कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।

(C) कथन (I), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) केवल कथन (IV) सही है ।

उत्तर **(C)** कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

गद्यांश 20 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

भारत में कहानियों की सुदृढ़ परंपरा रही है। कहानियाँ आनंद प्रदान करने के साथ-साथ, बच्चों के चिंतन को विस्तार देती हैं, उनमें कल्पनाशीलता जगाती हैं तथा उनके समझ के क्षितिज को विस्तृत करती हैं। पंचतंत्र तथा जातक कथाएँ हज़ारों साल से हमारे समाज में लोकप्रिय रही हैं। पंडित विष्णु शर्मा रचित पंचतंत्र की गिनती दुनिया की श्रेष्ठतम बाल कथाओं में की जाती है। इन कथाओं में नैतिक मूल्य निहित हैं। आज दुनियाभर के शिक्षाशास्त्री तथा बाल-मनोविज्ञानी इस बात को स्वीकार करते हैं कि बच्चों के कल्पना जगत में पशु-पक्षियों का अप्रतिम स्थान होता है। वे स्वाभाविक रूप से इनकी ओर आकृष्ट रहते हैं। जानवरों की दुनिया में उनमें रुचि, कौतूहल तथा जिज्ञासा होती है। पंचतंत्र की कहानियों में पशु-पक्षियों में उसी तरह से संवाद होता है जैसे कि मानव समाज में होता है। इन कहानियों के माध्यम से सच्चाई, त्याग, क्षमा, करुणा, स्नेह जैसे मानवीय मूल्यों को संप्रेषित करने की कोशिश की गई है। ये सभी मूल्य मानव समाज के लिए नितांत जरूरी हैं। इन कथाओं के माध्यम से वास्तव में बालमन में जीवन मूल्यों का बीजारोपण होता है। पंचतंत्र की कहानियाँ पाँच खंडों में विभक्त हैं, जिन्हें तंत्र कहा गया है। पाँच तंत्रों के समावेश के कारण इन्हें पंचतंत्र कहा गया। आज से करीब दो हज़ार साल पहले लिखी गयी पंचतंत्र की कहानियाँ कालजयी हैं। माना जाता है कि यह दुनिया की सर्वाधिक भाषाओं में अनूदित भारतीय साहित्य है। हमारे देश में विद्यालयीन स्तर पर हिन्दी, संस्कृत तथा अंग्रेजी की किताबों में ये कहानियाँ हमेशा से पाठ्यक्रम का हिस्सा रही हैं। दुनिया के अन्य देशों में भी इन कहानियों को उतना ही आदर प्राप्त है, जितना हमारे देश में है।

(i) पंचतंत्र और जातक कथाओं की समाज में लोकप्रियता का आधार है -

(A) सहज सरल भाषा में जीवन-मूल्य संप्रेषित करना

(B) पशु-पक्षियों के माध्यम से जीवन-मूल्य संप्रेषित करना

(C) बच्चों और बड़ों को आनंद प्रदान करना

(D) बाल मनोविज्ञान का सुंदर चित्रण करना

उत्तर **(B)** पशु-पक्षियों के माध्यम से जीवन-मूल्य संप्रेषित करना

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन करके लिखिए: है।

कथन: पंचतंत्र की कहानियों को दुनिया के अनेक देशों में आदर प्राप्त हैं।

कारण: पंचतंत्र की कहानियों के माध्यम से सच्चाई, त्याग, क्षमा, करुणा, स्नेह जैसे जीवन- मूल्यों को संप्रेषित करने की कोशिश की गई है।

विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iii)

(iii) 'बच्चों के मानसिक विकास के लिए कहानियों का महत्त्वपूर्ण स्थान है ।' – इस कथन के समर्थन में उचित विकल्प का चयन कीजिए : 1

(I) बच्चों की चिंतन क्षमता का विकास होता है ।

(II) बच्चों का शारीरिक विकास होता है ।

(III) बच्चों की कल्पना शक्ति का विकास होता है ।

(IV) बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास होता है ।

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(B) कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।

(C) कथन (I), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) केवल कथन (IV) सही है ।

*3/5/1** *4 * Page*

उत्तर **(C)** कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

(iv) पशु-पक्षियों की कहानियाँ बच्चों को क्यों लुभाती हैं?

आदर्श उत्तर

बच्चों के कल्पना-जगत में पशु-पक्षियों का विशेष स्थान होता है; उनकी दुनिया के प्रति बच्चों में गहरी रुचि, कौतूहल और जिज्ञासा रहती है। कहानियों में पशु-पक्षी जब मनुष्यों की तरह बातचीत करते हैं तो बच्चों को बहुत आनंद आता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- बच्चों के कल्पना जगत में पशु-पक्षियों का विशेष स्थान
- बच्चों में पशु-पक्षियों की दुनिया के प्रति रुचि, कौतूहल तथा जिज्ञासा
- पशु-पक्षियों के बीच मनुष्यों की तरह होने वाले संवाद से आनंद की अनुभूति

(v) 'आज से करीब दो हज़ार साल पहले लिखी गयी पंचतंत्र की कहानियाँ कालजयी हैं' - पंक्ति का क्या आशय है?

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का आशय है कि लगभग दो हज़ार वर्ष पुरानी होने पर भी पंचतंत्र की कहानियाँ आज भी उतनी ही प्रासंगिक और महत्त्वपूर्ण हैं। समय बीतने पर भी वे पुरानी नहीं पड़ीं; मानो उन्होंने समय पर विजय प्राप्त कर ली है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी दी गई पंक्ति का उपयुक्त आशय लिखेंगे-

पंचतंत्र की कहानियाँ अपनी प्रासंगिकता और महत्त्व को आज भी बनाए हुए हैं; मानो इन्होंने समय पर विजय प्राप्त कर ली है।

अपठित काव्यांश

काव्यांश 1 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

काव्यांश एक
पारिख के घर में नीम का पेड़ था
छितराई हरियाली अहाते को लगभग घेरे हुए
घर गली से ही पहचाना जाता था
नीम के नीचे पारिख की चारपाई बिछती थी
चारपाई पर पारिख के अलावा
किताबें भी बैठतीं सुस्तातीं
नीम कभी बोलकर कभी चुपके से सूखे पत्ते गिराता था
पत्तों में अटका होता था उसका बचपन
हवा के साथ की गई शरारतें
एक दिन नहीं रहा वह नीम का पेड़
वहाँ आ गई रोड़ी और रेत
आ गई ईंटें और सीमेंट वहाँ
बन गया एक घेरा छह बाई आठ फुट का
सजाई गई जिसमें चार कुर्सियाँ और एक मेज़
कुर्सियों पर पारिख मेज पर किताबें.....?
पारिख का मन अब कहीं नहीं जाता
घूमता है उसी छह बाई आठ में
उसके चेहरे पर एक परछाई डोलती है
फीकी लाचार-सी
किताबें देखती हैं उनकी आँखों में दुख झलकता है
पारिख के घर का पता अब लोग
गली में आने-जाने वालों से पूछते हैं।

(i) इस काव्यांश के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों में सबसे सटीक विकल्प चुनिए -

कथन:-
(क) पेड़-पौधों की जगह आधुनिक जीवन में नहीं बची।
(ख) पेड़-पौधे काटकर मकानों का निर्माण आज की सच्चाई है।
(ग) भले ही जरूरतवश हम पेड़ों को काट दें लेकिन उनकी कमी हमेशा खलती है।
(घ) कुर्सी और मेज़ ज़िंदा पेड़ से ज्यादा जरूरी हैं।
विकल्प:

(A) केवल कथन (ग) सही है।
(B) कथन (ख) और (ग) सही हैं।
(C) कथन (क), (ख) और (ग) सही हैं।
(D) कथन (ख), (ग) और (घ) सही हैं।

उत्तर **(B)** कथन (ख) और (ग) सही हैं।

(ii) 'घर गली से ही पहचाना जाता था' - का आशय है -

(A) गली में उसके घर को पहचान के रूप में जाना जाता था।

(B) गली में उसका घर जाना-पहचाना लगता था।
(C) पेड़ के कारण उसके घर को दूर से ही पहचान लिया जाता था।
(D) गली में उसके घर को पहचानने वाले रहते थे।

उत्तर (C) पेड़ के कारण उसके घर को दूर से ही पहचान लिया जाता था।

(iii)

(iii) नीम के पेड़ की जगह किसने ले ली ? 1
(a) रोड़ी और रेत ने (b) ईंटों और सीमेंट ने
(c) छह बाई आठ फुट के कमरे ने (d) चार कुर्सियों और मेज़ ने

उत्तर (C) छह बाई आठ फुट के कमरे ने

(iv) 'पारिख का मन अब कहीं नहीं जाता' - पंक्ति का आशय है -

(A) पारिख को नीम के पेड़ की याद आती
(B) बंद कमरे में पारिख को घुटन होती
(C) अब किताबें पढ़ने में पारिख का मन नहीं लगता
(D) पेड़ के साथ पारिख का बचपन भी खो गया

उत्तर (D) पेड़ के साथ पारिख का बचपन भी खो गया

(v)

(v) इस काव्यांश से हम सीख सकते हैं – 1
(a) पेड़ों की जगह का इस्तेमाल, किताबों से प्रेम, सपने देखना ।
(b) पेड़ों से प्रेम, किताबों को सजाना, जगह का उचित इस्तेमाल
(c) बचपन के बारे में लिखना, पेड़ों के गिर्द घूमना, किताबें पढ़ना
(d) पेड़ों से प्रेम, किताबों की संगति, प्रकृति का संरक्षण

उत्तर (D)

काव्यांश 2 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

काव्यांश दो
उन्होंने बनाए बहुत नीले आसमान
फिर सूरज, चाँद और सितारों को
अलग-अलग जगह रखा
पेड़ इतने हरे बनाए उन्होंने
जितना हरा उन्हें होना चाहिए
या जितने हरे रहे होंगे वे
कभी हमारी धरती पर
फिर पहाड़ों, नदियों और झरनों को
उन्होंने अलग-अलग जगह रखा
उन्होंने मकान, सड़कें और पुल भी बनाए
जिन्हें ईश्वर ने भी नहीं बनाया था कभी
फिर उन्होंने बनाई बसें, स्कूटर और कारें
साइकिल चलाते और पैदल चलते

लोग भी बनाए उन्होंने
चीज़ों को बनाते चले जाने के उत्साह में
इतना ज़्यादा भर गया चित्र
कि गेंद को रखने की कोई जगह ही
नहीं बची चित्र में
तब समझ आया उन्हें
कि बड़ों ने कैसी-कैसी गलतियाँ की हैं

इस दुनिया को बनाने में!

(i) काव्यांश की पंक्ति - 'उन्होंने बनाए' - में 'उन्होंने' शब्द से कवि का संकेत किस ओर है?

(A) चित्रकारों ने
(B) बच्चों ने
(C) कलाकारों ने
(D) विद्यार्थियों ने

उत्तर **(B)** बच्चों ने

(ii) 'पेड़ इतने हरे बनाए उन्होंने जितना हरा उन्हें होना चाहिए' - कथन का अभिप्राय है -

(A) सामान्यतः प्रकृति में पेड़ों को हरा ही होना चाहिए।
(B) प्रकृति में संतुलन बना रहने पर पेड़ खूब हरे रहते हैं।
(C) मनुष्य द्वारा पर्यावरण में छेड़छाड़ किए जाने पर पेड़ों का हरापन नष्ट होता है।
(D) चित्रों में पेड़ अपने वास्तविक हरेपन के साथ हैं।

उत्तर **(D)** चित्रों में पेड़ अपने वास्तविक हरेपन के साथ हैं।

(iii) 'गेंद' रखने की जगह क्यों नहीं बची?

(A) आसमान, सूरज, चाँद, झरनों में गेंद ठीक नहीं लगती।
(B) मकानों, सड़कों और गाड़ियों की भीड़-भाड़ में गेंद खो जाती।
(C) उत्साह में बनाए जाने पर चित्र बहुत भर गया और उसमें जगह नहीं थी।
(D) उत्साह में बनाते जाने की जल्दी में उनसे गलती हो गई।

उत्तर **(C)** उत्साह में बनाए जाने पर चित्र बहुत भर गया और उसमें जगह नहीं थी।

(iv)

(iv) कवि के अनुसार इस दुनिया को किसने बनाया है ? 1

(a) ईश्वर (b) मनुष्य
(c) प्रकृति (d) धरती

उत्तर **(A)**

(v) बड़ों ने दुनिया को बनाने में गलतियाँ कर दीं - इसका आशय है -

(A) बड़े भी गलती कर-कर के सीखते हैं।
(B) बड़ों ने दुनिया से स्वाभाविकता और बचपना नष्ट कर दिया।
(C) बड़ों की दुनिया स्वार्थ और ईर्ष्याजन्य स्पर्धा से भरी है।
(D) बड़ों ने अपनी स्वार्थपूर्ति हेतु बच्चों के लिए खेल के मैदान भी नहीं छोड़े।

उत्तर **(B)** बड़ों ने दुनिया से स्वाभाविकता और बचपना नष्ट कर दिया।

काव्यांश 3 2023 (3/2/1)

(i) 'पथ आप प्रशस्त करो अपना' का आशय है 2:

(A) जीवन का मार्ग ईश्वर दिखाएँ
(B) जीवन का मार्ग माता-पिता सुझाएँ
(C) जीवन का मार्ग स्वयं बनाएँ
(D) जीवन का मार्ग मित्र बताएँ

उत्तर **(C)** जीवन का मार्ग स्वयं बनाएँ

(ii) पच्चांश में 'मृत्यु के उपरांत भी कीर्ति बनी रहे' इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है:

(A) निज गौरव का नित ज्ञान रहे
(B) सब जाय अभी पर मान रहे
(C) हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे
(D) मरणोत्तर गुंजित गान रहे

उत्तर **(D)** मरणोत्तर गुंजित गान रहे

(iii) पद्यांश में किन चीज़ों को प्राप्त नहीं करने के लिए मनुष्य को दोषी माना गया है?

(A) प्रकृति से उपलब्ध सुविधाओं को
(B) भाग्य से प्राप्त वरदानों को
(C) मनोवांछित वस्तुओं को
(D) अलभ्य, परिश्रम से प्राप्त वस्तुओं को

उत्तर **(C)** मनोवांछित वस्तुओं को

(iv)

(v) 'प्रभु ने तुमको कर दान किए' पंक्ति के द्वारा कवि क्या प्रेरणा देता है ?
(a) आलसी बने रहने के लिए
(b) परिश्रम करने के लिए
(c) भाग्य पर आश्रित रहने के लिए
(d) चलने-फिरने के लिए

उत्तर **(B)**

काव्यांश 4 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

इतनी साधारण चीज़ें वहाँ थीं जिन्हें कभी का भुला दिया गया था
चिड़िया के आकार की वह सीटी वहाँ थी
जिसमें आधा पानी भरकर बजाओ तो बुलबुल की तरह बोलती थी
कॉलेज के दिनों में मैं पेड़ों के झुरमुट में छिपकर उसे बजाता था
बचपन की एक फोटो में मैं जिस तीन पहिए की साइकिल पर बैठा था
वो साइकिल वहाँ पड़ी थी धूल से अटी हुई
उसका एक पहिया निकल गया था और रंग उखड़ गया था जगह-जगह से
घिस-घिसकर इतनी छोटी हो चुकी पेंसिलें थीं कि जिन्हें
और अधिक छीला जाना संभव नहीं था
वहाँ बचपन की ड्राइंग कॉपियाँ थीं जिनके हर चित्र में
पेड़ हरे थे और उगता हुआ सूरज था

तब शायद हमने नहीं सोचा था कि हमारी दुनिया में
इतना अँधेरा भी होगा कभी
बरसों पहले खो चुके खिलौने थे
पतंगें थीं, उनकी धघिर्रियाँ थीं माँझे और डोर से भरी हुई
वहाँ कुछ पुरानी घड़ियाँ थीं जिनके बारे में कहा जाता था
कि वे चोरी चली गई थीं
उनमें वो समय अभी तक ठहरा हुआ था

(i) प्रस्तुत पद्यांश किस विषय पर केंद्रित है?

(A) बचपन
(B) स्मृतियों
(C) साधारण वस्तुओं
(D) इतिहास

उत्तर **(B)** स्मृतियों

(ii) वहाँ मौजूद वस्तुओं को 'साधारण' क्यों कहा जा रहा था?

(क) वे सारी पुरानी और अनुपयोगी थीं।
(ख) उन्हें आसानी से विस्मृत कर दिया गया।
(ग) वे सभी बेहद कम मूल्य की थीं। उपर्युक्त विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए:

(A) केवल (क)
(B) केवल (ख)
(C) (क) और (ख)
(D) (ख) और (ग)

उत्तर **(B)** केवल (ख)

(iii) 'तब शायद हमने नहीं सोचा था कि हमारी दुनिया में इतना अँधेरा भी होगा कभी' इन पंक्तियों में अँधेरे से आशय है:

(A) निराशा
(B) अन्याय
(C) बुराई
(D) रात

उत्तर **(A)** निराशा

(iv) कथन (A) और कारण (8) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A):: वहाँ कुछ पुरानी घड़ियाँ थीं जिनमें समय अभी तक ठहरा हुआ था।
कारण (72): घड़ियाँ चोरी चली गई थीं।

(A) कथन (A) सही है, परंतु कारण (2) ग़लत है।
(B) कथन (A) गलत है, परंतु कारण (9) सही है।
(C) कथन (A) और कारण (8) दोनों ग़लत हैं।
(D) कथन (A) और कारण (8) दोनों सही हैं।

उत्तर **(A)**

(v) घड़ियों में समय अभी तक ठहरा हुआ है क्योंकि:

(A) 'घड़ियों की बैटरी खराब हो गई है, समय रुक गया है।'
(B) अतीत के उस कालखंड की स्मृतियाँ ठहरी हुई हैं।
(C) घड़ियाँ चोरी होकर कवि के भावात्मक दायरे से बाहर हो गईं।
(D) घड़ियाँ पुरानी हैं, बदलते वक्त में उनका महत्त्व है।

उत्तर **(B)** अतीत के उस कालखंड की स्मृतियाँ ठहरी हुई हैं।

काव्यांश 5 **2023** (3/2/2, 3/2/3)

सँभलो कि सुयोग न जाय चला,
कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला
समझो जग को न निरा सपना
पथ आप प्रशस्त करो अपना
अखिलेश्वर है अवलंबन को
नर हो, न निराश करो मन को।
जब प्राप्त तुम्हें सब तत्त्व यहाँ
फिर जा सकता वह सत्त्व कहाँ
तुम स्वत्त्व सुधा रस पान करो

उठके अमरत्व विधान करो
दवरूप रहो भव कानन को
नर हो न निराश करो मन को।
निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे
मरणोत्तर गुंजित गान रहे
सब जाय अभी पर मान रहे
कुछ हो न तजो निज साधन को
नर हो, न निराश करो मन को।
प्रभु ने तुमको कर दान किए,
सब वांछित वस्तु विधान किए
तुम प्राप्त करो उनको न अहो
फिर है यह किसका दोष कहो
समझो न अलभ्य किसी धन को
नर हो, न निराश करो मन को।

(i) प्रस्तुत पद्यांश में मनुष्य को किस हेतु प्रेरित किया गया है?

(A) मन को एकाग्र करने हेतु
(B) शरीर को स्वस्थ रखने हेतु
(C) मन को आशान्वित रखने हेतु
(D) ईश्वर के शरण में जाने हेतु

उत्तर **(C)** मन को आशान्वित रखने हेतु

(ii) 'पथ आप प्रशस्त करो अपना' का आशय है:

(A) जीवन का मार्ग ईश्वर दिखाएँ
(B) जीवन का मार्ग माता-पिता सुझाएँ
(C) जीवन का मार्ग स्वयं बनाएँ
(D) जीवन का मार्ग मित्र बताएँ

उत्तर **(C)** जीवन का मार्ग स्वयं बनाएँ

(iii) पद्यांश में 'मृत्यु के उपरांत भी कीर्ति बनी रहे' इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है:

(A) निज गौरव का नित ज्ञान रहे
(B) सब जाय अभी पर मान रहे

(C) हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे
(D) मरणोत्तर गुंजित गान रहे

उत्तर (D) मरणोत्तर गुंजित गान रहे

(iv) पद्यांश में किन चीज़ों को प्राप्त नहीं करने के लिए मनुष्य को दोषी माना गया है?

(A) प्रकृति से उपलब्ध सुविधाओं को
(B) भाग्य से प्राप्त वरदानों को
(C) मनोवांछित वस्तुओं को
(D) अलभ्य, परिश्रम से प्राप्त वस्तुओं को

उत्तर (C) मनोवांछित वस्तुओं को

(v) (v) 'प्रभु ने तुमको कर दान किए' पंक्ति के द्वारा कवि क्या प्रेरणा देता है ?
(a) आलसी बने रहने के लिए
(b) परिश्रम करने के लिए
(c) भाग्य पर आश्रित रहने के लिए
(d) चलने-फिरने के लिए

उत्तर (B)

काव्यांश 6 2023 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

पद्यांश - एक
भले ही अँधेरा घिरे हर दिशा से,
मगर हम नया भोर लाकर रहेंगे।
घृणा-स्वार्थ के इस कठिन संक्रमण में,
सुनो हम नया दौर लाकर रहेंगे।
प्रगति और विज्ञान का नाम लेकर,
मनुज को मनुज आज ठगने लगे हैं।
नई आर्थिक दौड़ की रोशनी में,
हमें मूल्य सब झूठ लगने लगे हैं।
मगर बात इतनी सुनो विश्व वालो,
इसी रोशनी में कभी हम बहेंगे।
सही या गलत रह गया क्या कहीं कुछ,
ज़रा भी उचित और अनुचित नहीं कुछ।
सुनो इस क़दर स्वार्थ टकरा रहे हैं,
पतन की नहीं और सीमा रही कुछ।
मगर हम उठेंगे प्रलय मेघ बनकर,
कठिन दुर्ग पाखंड के सब हढहेंगे।
बताना हमें सत्य सारे जगत को,
जगाना हमें सुप्त इंसानियत को।
करेगा ज़माना सदा गर्व हम पर,
हमें खोजना एकता के अमृत को।

भले ही किसी राह जाए ज़माना,
मगर हम सही राह थामे रहेंगे।

(i) जीवन-मूल्यों के कमज़ोर पड़ने का कारण है

(A) अंधी दौड़। **(B)** वैज्ञानिक दौड़।
(C) विदेश की दौड़। **(D)** आर्थिक दौड़।

उत्तर **(D)** आर्थिक दौड़।

(ii) भारत की किस विशेषता पर पूरा विश्व गर्व करेगा?

(A) अहिंसक प्रवृत्ति **(B)** वैज्ञानिक प्रगति
(C) ऐतिहासिक ज्ञान **(D)** एकता की भावना

उत्तर **(D)** एकता की भावना

(iii) 'किसी का अंधानुकरण न करके अपने लिए सही मार्ग का चयन करेंगे' - यह भाव कविता की किन पंक्तियों में आया है?

(A) भले ही अँधेरा घिरे हर दिशा से, मगर हम नया भोर लाकर रहेंगे
(B) घृणा-स्वार्थ के इस कठिन संक्रमण में, सुनो हम नया दौर लाकर रहेंगे
(C) भले ही किसी राह जाए ज़माना, मगर हम सही राह थामे रहेंगे
(D) 'मगर बात इतनी सुनो विश्व वालो, इसी रोशनी में कभी हम बहेंगे

उत्तर **(C)** भले ही किसी राह जाए ज़माना, मगर हम सही राह थामे रहेंगे

(iv)

(v) 'कठिन दुर्ग पाखंड के सब ढहेंगे' – काव्य पंक्ति का आशय है :
(a) समाज से भेदभाव का नाश होगा
(b) लोगों में स्वार्थ भावना का अंत होगा
(c) समाज से आडंबरों का नाश होगा
(d) अंधविश्वास रूपी किलों का पतन होगा

उत्तर **(B)** लोगों में स्वार्थ भावना का अंत होगा। अथवा।अथवा।अथवा'। पद्यांश-दो सुनता हूँ, मैंने ..... की रेखा!

काव्यांश 7 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

पद्यांश - दो
सुनता हूँ, मैंने भी देखा,
काले बादल में रहती चाँदी की रेखा।
काले बादल जाति द्वेष के,
काले बादल विश्व क्लेश के,
काले बादल उठते पथ पर
नव स्वतंत्रता के प्रवेश के!
सुनता आया हूँ, है देखा,
काले बादल में हँसती चाँदी की रेखा!
आज दिशा है घोर अँधेरी
नभ में गरज रही रणभेरी,
चमक रही चपला क्षण-क्षण पर

झनक रही झिल्ली झन-झन कर,
नाच-नाच आँगन में गाते केकी-केका
काले बादल में लहरी चाँदी की रेखा!
काले बादल, काले बादल,
मन भय से हो उठता चंचल।
कौन हृदय में कहता पल-पल
मृत्यु आ रही साजे दल बल!
आग लग रही, घात चल रहे, विधि का लेखा!
काले बादल में छिपती चाँदी की रेखा!
मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,
पर अनीति से प्रीति नहीं है,
यह मनुजोचित रीति नहीं है,
जन में प्रीति प्रतीति नहीं है!
देश जातियों का कब होगा,
नव मानवता में रे एका,
काले बादल में कल की

सोने की रेखा!

(i) 'काले बादल' और 'चाँदी की रेखा' किनका प्रतीक हैं? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए नीचे दिए प्रतीकों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।

(a) विपत्तियाँ (b) कालिमा (c) आशा की किरण (d) बिजली
विकल्प – I. (a, b) II. (c, d) III. (a, c) IV. (b, d)

उत्तर III. (a, c) – विपत्तियाँ और आशा की किरण

(ii) स्वतंत्रता प्राप्ति के मार्ग में किस प्रकार के बादल छाए हुए हैं? नीचे दिए गए कारकों को पढ़कर इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।

(a) जाति द्वेष के (b) घनघोर घटाओं के (c) परस्पर वैमनस्य के (d) वैश्विक अशांति के
विकल्प – I. (a, b) II. (b, c) III. (c, d) IV. (a, d)

उत्तर IV. (a, d) – जाति द्वेष के और वैश्विक अशांति के

(iii) कैसे वातावरण में आशा की किरण छिप जाती है? नीचे दिए कारकों को पढ़कर इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कर लिखिए।

(a) जब तेज़ वर्षा हो (b) जब मन निराशा से भयभीत हो (c) जब षड्यंत्र रचे जा रहे हों (d) जब बादल न छाए हों विकल्प – I. (a, b) II. (b, c) III. (c, d) IV. (a, d)

उत्तर II. (b, c) – जब मन निराशा से भयभीत हो और जब षड्यंत्र रचे जा रहे हों

(iv) मोर-मोरनी द्वारा आँगन में नृत्य प्रस्तुत करने से क्या अभिप्राय है?

(A) उन दोनों का प्रसन्न होकर नृत्य करना।
(B) निराशा के बादल छॉटने लगे, खुशियों ने दस्तक दे दी है।
(C) दोनों नृत्य कर बादलों को बरसने के लिए मज़बूर कर रहे हैं।
(D) मोर सुहावने मौसम का आनंद ले रहे हैं।

उत्तर **(B)** निराशा के बादल छॉटने लगे, खुशियों ने दस्तक दे दी है।

(v) 'चाँदी की रेखा' को 'सोने की रेखा' में कब बदला जा सकता है?

(A) देश-जातियों की एकता होने पर
(B) काले बादलों के दूर होने पर
(C) बादलों में सूर्य के छिपने पर
(D) मृत्यु से भयभीत न होने पर

उत्तर **(A)** देश-जातियों की एकता होने पर

काव्यांश 8 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

क्या रोकेगी मुझे विषमता, क्या झंझाओं के नर्तन।
मुझ पथिक को कब रोक सके हैं, जीवन के उत्थान-पतन।
मैं गति का हूँ राजा,
मेरे रुके आज तक नहीं चरण।
शूलों के बदले फूलों का,
किया न मैंने कभी चयन।
मैं विपदाओं में मुसकाता नव आशा के दीप लिए,
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, ये तूफ़ानों के गर्जन।
मुझे झुलाता आया युग से,
लहरों का भीषण कंपन।
मेरी श्वास छिपाए फिरती,

ज्वालामुखियों की धड़कन।
मैं बढ़ता अविराम निरंतर, चाहों का उन्माद लिए,
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, कट बाधाओं के बंधन।
मैं अटका कब, कब भटका मैं,
सतत डगर मेरा संबल।
बाँध सकी पगले कब मुझको,
यह युग की प्राचीर निबल।
आँधी हो, ओले-वर्षा हो, राह सुपरिचित है मेरी,
फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये विद्युत-कंपन नर्तन।
मैं चिंतित कब, कब कंपित मैं,
देख विषमता का संगम।
चिर प्रवाह का नूतन गायक,
युग-युग का उन्मुख सरगम।
देख चुका हूँ मैं कितने ही, भू-कंपों के सकल निपात,
फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, ये जग के खंडन-मंडन।

(i) जीवन के उतार-चढ़ाव किसके बाधक नहीं बन सकते?

(A) पथिक
(B) विद्यार्थी
(C) राजा
(D) नागरिक

उत्तर **(A)** पथिक

(ii) आँधी-तूफ़ान-विपदाएँ आगे बढ़ने वाले को रोकने में सफल नहीं हो सकती, क्योंकि

(A) वह आँधी-तूफ़ान से ज्यादा सक्षम है।
(B) आँधी-तूफ़ान-विपदाएँ दिखावटी हैं।
(C) वह आशा के दीप लिए मुस्कुराता रहता है।
(D) उसे आँधी-तूफ़ान झेलने की आदत हो गई है।

उत्तर (C) वह आशा के दीप लिए मुस्कुराता रहता है।

(iii) 'लअशूलों के बदले फूलों का, किया न मैंने कभी चयन।' उपर्युक्त पंक्तियों का भाव है:

(A) वह तो निरंतर आगे बढ़ने में विश्वास रखता है।
(B) उसे कँटीले मार्ग पर चलकर आगे बढ़ना पसंद है।
(C) उसने कठिन बाधाओं के बंधन तोड़ना सीखा है।
(D) वह तूफ़ानों के बीच चलकर आगे बढ़ता है।

उत्तर (B) उसे कँटीले मार्ग पर चलकर आगे बढ़ना पसंद है।

(iv) 'मैं चिंतित कब, कब कंपित मैं, देख विषमता का संगम।' पंक्तियों के संदर्भ में लिखिए कि कवि किनसे चिंतित नहीं होता?

(A) हारने की आशंका से
(B) विपरीत परिस्थितियों से
(C) रोड़े-पत्थरों से
(D) अपरिचित राहों से

उत्तर (B) विपरीत परिस्थितियों से

(v)

(v) दिए गए कथनों को पढ़कर इस प्रश्न के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए :

पथिक की राह में कौन-कौन रोड़े हैं ?

I. तूफ़ानों के चक्रवात
II. कठोर बाधाएँ
III. बिजलियों का कंपन
IV. बर्फ़ीली हवाएँ

विकल्प :

(a) I, II, IV
(b) I, II, III
(c) I, III, IV

उत्तर (B)

काव्यांश 9 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

हाथ हैं दोनों सधे-से
गीत प्राणों के रुँधे-से
और उसकी मूठ में, विश्वास
जीवन के बँधे-से
धकधकाती धरणि थर थर

उगलता अंगार अंबर
भुन रहे तलुवे, तपस्वी-सा
खड़ा वह आज तन कर
शून्य-सा मन, चूर है तन
पर न जाता वार खाली
चल रही उसकी कुदाली।
वह सुखाता खून पर-हित
वाह रे साहस अपरिमित
युगयुगों से वह खड़ा है
विश्व-वैभव से अपरिचित
जल रहा संसार धू-धू
कर रहा वह वार कह हूँ
साथ में समवेदना के
स्वेद-कण पड़ते कभी चू
कौन-सा लालच? धरा की
शुष्क छाती फाड़ डाली
चल रही उसकी कुदाली।
भूमि से रण ठन गया है
वक्ष उसका तन गया है
सोचता मैं, देव अथवा
यंत्र मानव बन गया है
शक्ति पर सोचो ज़रा तो

खोदता सारी धरा जो
बाहुबल से कर रहा है
इस धरणि को उर्वरा जो

(i) और उसकी मूठ में, विश्वास -- इस वाक्य में 'उसकी' संबोधन किसके लिए आया है?

(A) संपन्न वर्ग
(B) शोषक वर्ग
(C) युवा वर्ग
(D) श्रमजीबी वर्ग

उत्तर **(D)** श्रमजीबी वर्ग

(ii) किसान-मज़दूर को तपस्वी-सा क्यों कहा है?

(A) उनके शरीर धूल-मिट्टी से लथपथ होने के कारण
(B) विपरीत परिस्थितियों में भी तन कर खड़ा होने के कारण
(C) धूप में पसीना बहाने के लिए प्रेरित होने के कारण
(D) हिमालय के पहाड़ों पर तपस्या में लीन होने के कारण

उत्तर **(B)** विपरीत परिस्थितियों में भी तन कर खड़ा होने के कारण

(iii) कवि ने किसान-मज़दूर के साहस को अपरिमित क्यों कहा है?

(A) विश्व-वैभव से अपरिचित होने के कारण
(B) दूसरों के लिए अपना सर्वस्व लुटाने के कारण

(C) निरंतर कुदाली चलाने के कारण
(D) युगयुगों से खड़ा होने के कारण

उत्तर (B) दूसरों के लिए अपना सर्वस्व लुटाने के कारण

(iv) किसान-मज़दूरों ने धरती को उपजाऊ कैसे बनाया?

(A) आधुनिक तकनीक द्वारा
(B) रासायनिक उर्वरक डालकर
(C) पूरी शक्ति से खुदाई करके
(D) जैविक खाद का प्रयोग करके

उत्तर (C) पूरी शक्ति से खुदाई करके

(v) कथन (A) और कारण (8) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A):: किसान-मज़दूर देवता या मशीनी-मानव तुल्य है।
कारण (720: अग्नि-से जलते धरती-अंबर के बीच वह सीना तान युगयुगों से परिश्रम कर रहा है।

(A) कथन (A) ग़लत है, किंतु कारण (8) सही है।
(B) कथन (A) और कारण (9) दोनों ही ग़लत हैं।
(C) कथन (A) सही है और कारण (0) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(D) कथन (A) सही है और कारण (8) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (C)

काव्यांश 10 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

पद्यांश - एक
सूरज के ताप में कहीं कोई कमी नहीं
न चंद्रमा की ठंडक में
लेकिन हवा और पानी में ज़रूर कुछ ऐसा हुआ है
कि दुनिया में
करुणा की कमी पड़ गई है

इतनी कम पड़ गई है करुणा कि बर्फ़ पिघल नहीं रही
नदियाँ बह नहीं रहीं झरने झर नहीं रहे
चिड़ियाँ गा नहीं रहीं गायें रँभा नहीं रहीं
कहीं पानी का कोई ऐसा पारदर्शी टुकड़ा नहीं
कि आदमी उसमें अपना चेहरा देख सके
और उसमें तैरते बादल के टुकड़े से धो-पोंछ सके
दरअसल पानी से होकर देखो
तभी दुनिया पानीदार रहती है
उसमें पानी के गुण समा जाते हैं
वरना कोरी आँखों से कौन कितना देख पाता है
पता नहीं
आने वाले लोगों को दुनिया कैसी चाहिए
कैसी हवा कैसा पानी चाहिए
पर इतना तो तय है

कि इस समय दुनिया को
ढेर सारी करुणा चाहिए।

(i) 'दुनिया में करुणा की कमी पड़ गई है' - पंक्ति का आशय है -

(A) वातावरण में शीतलता नहीं है।
(B) जल की निर्मलता समाप्त हो गई है।
(C) लोगों में संवेदना समाप्त हो गई है।
(D) लोगों में क्रूरता बढ़ गई है।

उत्तर **(C)** लोगों में संवेदना समाप्त हो गई है।

(ii) 'करुणा कि बर्फ़ पिघल नहीं रही' - पंक्ति में 'बर्फ़ पिघल नहीं रही' का क्या अभिप्राय है?

(A) लोग स्वार्थ में आत्मकेद्धित हो गए हैं।
(B) लोग दूसरों के दुखों से द्रवीभूत नहीं हो रहे हैं।
(C) लोगों के हृदय की पवित्रता समाप्त हो गई है।
(D) लोग एक-दूसरे से सहमत नहीं हो रहे हैं।

उत्तर **(B)** लोग दूसरों के दुखों से द्रवीभूत नहीं हो रहे हैं।

(iii) 'दूसरों के दुख-दर्द के प्रति सहानुभूति दिखाने वाले लोग नहीं हैं' - इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है -

(A) कहीं पानी का कोई ऐसा पारदर्शी टुकड़ा नहीं।
(B) सूरज के ताप में कहीं कोई कमी नहीं।
(C) लेकिन हवा और पानी में ज़रूर कुछ ऐसा हुआ है।
(D) वरना कोरी आँखों से कौन कितना देख पाता है।

उत्तर **(A)** कहीं पानी का कोई ऐसा पारदर्शी टुकड़ा नहीं।

(iv) 'सूरज के ताप में कहीं कोई कमी नहीं, न चंद्रमा की ठंडक में' - पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाहते हैं

(A) सूर्य की ऊर्जा में गर्मी की कमी नहीं है।
(B) चंद्रमा की चाँदनी में कोई कमी नहीं है।
(C) सूर्य और चंद्रमा के दैनिक क्रिया-कलापों में कोई परिवर्तन नहीं है।
(D) प्राकृतिक उपादानों में सहज करुणा की भावना है।

उत्तर **(D)** प्राकृतिक उपादानों में सहज करुणा की भावना है।

(v)

(v) इस समय समस्त विश्व को आवश्यकता है – 1
(a) स्वच्छ हवा
(b) स्वच्छ पानी
(c) परोपकार
(d) करुणा

उत्तर **(D)** करुणा 1 अथवा। अथवा। अथवा। पद्यांश-दा दरवाजे से बाहर .....-----0------... निवास करती हैं।

काव्यांश 11 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

पद्यांश - दो
दरवाज़े से बाहर जाने से पहले

अपने जूतों के तस्मे बाँधने के लिए मैं झुकता हूँ
रोटी का कौर तोड़ने और खाने के लिए
झुकता हूँ अपनी थाली पर
जेब से अचानक गिर गई कलम या सिक्के को उठाने को झुकता हूँ
झुकता हूँ लेकिन उस तरह नहीं
जैसे एक चापलूस की आत्मा झुकती है
किसी शक्तिशाली के सामने
जैसे लज्जित या अपमानित होकर झुकती हैं आँखें
झुकता हूँ
जैसे शब्दों को पढ़ने के लिए आँखें झुकती हैं
ताकत और अधीनता की भाषा से बाहर भी होते हैं
शब्दों और क्रियाओं के कई अर्थ
झुकता हूँ
जैसे घुटना हमेशा पेट की तरफ ही मुड़ता है
यह कथन सिर्फ शरीर के नैसर्गिक गुणों
या अवगुणों को ही व्यक्त नहीं करता
कहावतें अर्थ से ज़्यादा अभिप्राय में निवास करती हैं।

(i) किस तरह झुकना जीवन के सामान्य कार्य व्यवहार का हिस्सा नहीं है?

(A) जूते के फीते बाँधने के लिए झुकना
(B) खाने का कौर उठाने के लिए झुकना
(C) ताकतवर के सामने सिर का झुकाना
(D) किसी गिरी वस्तु को उठाने के लिए झुकना

उत्तर **(C)** ताकतवर के सामने सिर का झुकाना

(ii) 'चापलूस की आत्मा' के झुकने से आप क्या समझते हैं?

(A) किसी अधिकार सम्पन्न की खुशामद करने वाला व्यक्ति और उसकी आदतें
(B) अपने लाभ के लिए खुशामद करने वाले द्वारा आत्म-सम्मान को छोड़ दिया जाना
(C) एक सत्ता संपन्न व्यक्ति द्वारा मजबूर व्यक्तियों का लाभ उठाना
(D) खुशामद पसंद व्यक्ति और उसके अनुयायियों का समूचा कार्य व्यवहार

उत्तर **(B)** अपने लाभ के लिए खुशामद करने वाले द्वारा आत्म-सम्मान को छोड़ दिया जाना

(iii) शब्दों को पढ़ने के लिए आँखों के झुकने में किस प्रकार का भाव है?

(A) विनम्रता
(B) लज्जा
(C) अपमान
(D) आत्मालोचन

उत्तर **(A)** विनम्रता

(iv) 'ताकत और अधीनता की भाषा से बाहर भी होते हैं शब्दों और क्रियाओं के कई अर्थ' पद्यांश के इस कथन का क्या आशय है? निम्नलिखित कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए:

(क) शब्दों और क्रियाओं के अर्थ समाज की सत्ता-संरचना द्वारा ही तय होते हैं।
(ख) शब्दों और क्रियाओं को बरतना मनुष्य की चेतना के अधीन है।

(ग) हम चाहें तो कोई भी हमें वैसा करने को बाध्य नहीं कर सकता जिससे लज्जित एवं अपमानित होना पड़े।

(A) सिर्फ (क) **(B)** सिर्फ (ख)

(C) (क) और (ग) **(D)** (ख) और (ग)

उत्तर **(D)** (ख) और (ग)

(v) इस कविता में प्रयुक्त 'अर्थ' एवं 'अभिप्राय' का तात्पर्य क्या है?

(A) अर्थ - मतलब; अभिप्राय - नीयत **(B)** अर्थ -नीयत; अभिप्राय - मतलब

(C) अर्थ - आशय; अभिप्राय - लक्ष्य **(D)** अर्थ -तात्पर्य; अभिप्राय - मंसूबा

उत्तर **(A)** अर्थ - मतलब; अभिप्राय - नीयत

(vi)

(iii) शब्दों को पढ़ने के लिए आँखों के झुकने में किस प्रकार का भाव है ? 1

(a) विनम्रता (b) लज्जा

(c) अपमान (d) आत्मालोचन

(iv) "ताकत और अधीनता की भाषा से बाहर भी होते हैं शब्दों और क्रियाओं के कई अर्थ" पद्यांश के इस कथन का क्या आशय है ? निम्नलिखित कथनों को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए : 1

(क) शब्दों और क्रियाओं के अर्थ समाज की सत्ता–संरचना द्वारा ही तय होते हैं ।

(ख) शब्दों और क्रियाओं को बरतना मनुष्य की चेतना के अधीन है ।

(ग) हम चाहें तो कोई भी हमें वैसा करने को बाध्य नहीं कर सकता जिससे लज्जित एवं अपमानित होना पड़े ।

(a) सिर्फ (क) (b) सिर्फ (ख)

(c) (क) और (ग) (d) (ख) और (ग)

उत्तर **(A)**

काव्यांश 12 2024 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

सच से हट कर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम।
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं, जो हार देख झुका नहीं।
जिसने प्रणय पाथेय माना, जीत उसकी ही रही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।

जो है जहाँ चुपचाप, अपने-आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें, काँटे चुभें कलियाँ खिलें।
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही।
सच हम नहीं सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही।

हमने रचा आओ हमीं अब तोड़ दें इस प्यार को।
वह क्या मिलन, मिलना वही जो मोड़ दे मँझधार को।

(i) (i) 'अपने-आप से' लड़ने का क्या अभिप्राय है?

(A) अपने भीतर उठे अंतर्द्वंद्व से लड़ना
(B) अपने भीतर की कमजोरियों से लड़ना
(C) अपनी शारीरिक कमजोरियों से लड़ना
(D) अपनी मानसिक व्याधियों से लड़ना

उत्तर **(A)** अपने भीतर उठे अंतर्द्वन्द्व से लड़ना (B) अपने भीतर की कमज़ोरियों से लड़ना (दोनों विकल्पों में से किसी एक के चयन पर पूरे अंक दिए जाएँ।)

(ii) 'जो नत हुआ वह मृत हुआ' क्यों कहा गया है?

(A) झुकना घमंड का परिचायक है।
(B) झुकना विनम्रता का परिचायक है।
(C) झुकने वाला मृतक के समान है।
(D) स्वाभिमान रहित जीवन मृतक के समान है।

उत्तर **(D)** स्वाभिमान रहित जीवन मृतक के समान है।

(iii) काव्यांश का संदेश है:

(A) हर प्रकार की परिस्थिति से समझौता कर स्वयं को ढालने का।
(B) जीत की संभावना वाले मार्ग पर ही आगे बढ़ने का।
(C) कैसी भी कठिन परिस्थिति हो, उससे हार न मानने का
(D) हार की संभावना होने पर नवीन लक्ष्य के निर्माण का।

उत्तर **(C)** कैसी भी कठिन परिस्थिति हो, उससे हार न मानने का

(iv) 'काँटे' और 'कलियाँ' किसके प्रतीक हैं?

(A) सुख और दुख के।
(B) दुख और सुख के
(C) समृद्धि और उत्कर्ष के।
(D) निर्माण और पतन के।

उत्तर **(B)** दुख और सुख के

(v) कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन - मानव मात्र का जीवन संघर्षपूर्ण है।
कारण - मानव मात्र को अपने जीवन की सम-विषम हर तरह की परिस्थितियों का डटकर सामना करना चाहिए।

(A) कथन गलत है और कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।
(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर **(D)** कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

काव्यांश 13 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

हमीं ने दिया शांति संदेश, सुखी होते देकर आनंद।
विजय लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम।
यवन को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि।
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील को सिंहल को भी सृष्टि।
किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं।
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं।
जातियों का उत्थान, पतन, आँधियाँ, झड़ी, प्रचंड समीर।
खड़े देखा, झेला हँसते, प्रलय में पले हुए हम बीर।
चरित के पूत भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न।
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न।
हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव।
बचन में सत्य, हृदय में तेज़, प्रतिज्ञा में रहती थी टेव।
पा
नि

(i) 'आँधियाँ, झड़ी, प्रचंड समीर' पंक्ति में 'आँधियाँ और प्रचंड समीर' प्रतीकार्थ हैं -

(A) देश में समय-समय पर आए प्राकृतिक आपदाओं का।
(B) देश में समय-समय पर भारतीयों द्वारा प्रदर्शित वीरता का।
(C) देश में समय-समय पर भारतीयों में आए पतन का।
(D) देश में समय-समय पर आए भीषण संकटों का।

उत्तर **(D)** देश में समय-समय पर आए भीषण संकटों का।

(ii) 'विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम' का आशय है -

(A) धरती पर अस्त्र-शस्त्रों से विजय प्राप्त की जाती है, धर्म से नहीं।
(B) धर्म के मार्ग पर चलकर ही लोगों को जीता जा सकता है।
(C) धर्म के मार्ग पर चलकर ही लोगों को जीता जा सकता है, अस्त्र-शस्त्रों से नहीं।
(D) धरती पर धर्म की ध्वजा फहरानी चाहिए अस्त्र-शस्त्रों की नहीं।

उत्तर **(C)** धर्म के मार्ग पर चलकर ही लोगों को जीता जा सकता है, अस्त्र-शस्त्रों से नहीं।

(iii) 'हमीं ने दिया शांति संदेश' में 'हमीं' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(A) कवि के लिए
(B) भारतवासियों के लिए
(C) लेखक के लिए
(D) बुद्ध के लिए

उत्तर **(B)** भारतवासियों के लिए

(iv) काव्यांश के आधार पर अनुपयुक्त विकल्प छाँटकर लिखिए:

(A) भारत में सबके लिए भिक्षाटन की परंपरा रही है।
(B) यहाँ राजा भी निर्लिप्त भाव से रहते आए हैं।
(C) भारतीय शक्तिशाली होते हुए भी विनम्र हैं।
(D) भारत पर प्रकृति की सदा अनुकम्पा रही है।

उत्तर **(A)** भारत में सबके लिए भिक्षाटन की परंपरा रही है।

(v) कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनकर लिखिए:

कथन: भारत सदा से एक शांतिप्रिय देश रहा है।
कारण: भारत ने कभी विदेशी आक्रमणों का डटकर सामना नहीं किया।

(A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।
(B) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन एवं कारण दोनों सही हैं किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(A)** कथन सही है, किंतु कारण गलत है।

काव्यांश 14 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

निर्मल तेरा नीर, अमृत के सम उत्तम है,
शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है,
षट्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अद्भुत क्रम है,
हरियाली फ़र्श नहीं मखमल से कम है,
शुचि-सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्रप्रकाश है।
हे मातृभूमि, दिन में तरणि, करता तम का नाश है।
सुरभित, सुंदर सुखद सुमन तुझ पर खिलते हैं,
भाँति-भाँति के सरस, सुधोपम फल मिलते हैं,
औषधियाँ हैं प्राप्त एक से एक निराली,
खानें शोभित कहीं धातु वर रत्नों वाली,
जो आवश्यक होते हमें, मिलते सभी पदार्थ हैं।
हे मातृभूमि वसुधा, धरा, तेरे नाम यथार्थ हैं।
पा
नि
क्षमामयी, दयामयी है, तू क्षेममयी है,
सुधामयी, वात्सल्यमयी तू प्रेममयी है,
विभवशालिनी, विश्वपालिनी, दुखहर्त्री है,
हे शरणदायिनी देवि, तू करती सबका त्राण है।
हे मातृभूमि, संतान हम, तू जननी, तू प्राण है।

(i) पद्यांश में मातृभूमि की किस विशेषता का उल्लेख नहीं है?

(A) प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण है।
(B) प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है।
(C) माँ के समान पालन करने वाली है।
(D) शांति और सुखों की वर्षा करने वाली है।

उत्तर **(D)** शांति और सुखों की वर्षा करने वाली है।

(ii) शीतल-सुगंधित पवन व्यक्ति पर क्या प्रभाव डालता है?

(A) वह उसकी श्रम करने की क्षमता हर लेता है।
(B) वह उसे श्रम करने से रोक लेता है।
(C) वह उसे विश्राम करने पर विवश कर देता है।
(D) वह उसकी थकान को दूर भगा देता है।

उत्तर (D) वह उसकी थकान को दूर भगा देता है।

(iii) धरती की 'हरियाली' की तुलना किससे की गई है?

(A) कोमल-मख़मली कपड़े से
(B) कोमल-समतल धरा से
(C) रंग-बिरंगे कपड़े से
(D) हरी-भरी धरा से

उत्तर (A) कोमल-मख़मली कपड़े से

(iv) कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए:

कथन: धरती को जननी कहा गया है।
कारण: धरती से प्राप्त जल अमृत समान होता है।

(A) कथन सही है, किंतु कारण गलत है।
(B) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कथन कारण की सही व्याख्या है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर (D) कथन और कारण दोनों सही हैं परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(v) 'दिन में तरणि, करता तम का नाश है।' - इस पंक्ति का आशय है:

(A) यहाँ के दिन सदा सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित रहते हैं।
(B) यहाँ पड़ने वाली तेज रोशनी भीषण कष्ट का कारण है।
(C) मातृभूमि अपने तम का स्वयं ही नाश करती है।
(D) मातृभूमि किसी भी तरह के तम से पूर्णतः मुक्त है।

उत्तर (A) यहाँ के दिन सदा सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित रहते हैं।

काव्यांश 15 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

हे ग्राम देवता! नमस्कार!
सोने-चाँदी से नहीं किंतु
तुमने मिट्टी से किया प्यार।
हे ग्राम देवता! नमस्कार!
जन कोलाहल से दूर कहीं
एकाकी सिमटा-सा निवास,
रवि-शशि का उतना नहीं कि
जितना प्राणों का होता प्रकाश।
श्रम-वैभव के बल पर करते हो,
जड़ में चेतन का विकास,
दानों-दानों में फूट रहे,
सौ-सौ दानों के हरे हास।

यह है न पसीने की धारा,
यह गंगा की है धवल धार।
हे ग्राम देवता! नमस्कार!
अधखुले अंग जिनमें केवल है
कसे हुए कुछ अस्थि-खंड
जिनमें दधीचि की हड्डी है,
यह वज़्र इंद्र का है प्रचंड!
जो है गतिशील सभी ऋतु में
गर्मी, वर्षा हो या कि ठंड।
जग को देते हो पुरस्कार,
देकर अपने को कठिन दंड!

झोंपड़ी झुकाकर तुम अपनी,
ऊँचे करते हो राज-द्वार!
हे ग्राम देवता! नमस्कार!

(i) 'किसान स्वयं छोटे-से घर में संतुष्ट रहता है।' -- यह भाव किन पंक्तियों में आया है?

(A) सोने-चाँदी से नहीं किंतु तुमने मिट्टी से किया प्यार।
(B) जन कोलाहल से दूर कहीं एकाकी सिमटा-सा निवास।
(C) रवि-शशि का उतना नहीं कि जितना प्राणों का होता प्रकाश।
(D) जो है गतिशील सभी ऋतु में गर्मी, वर्षा हो या कि ठंड।

उत्तर **(B)** जन कोलाहल से दूर कहीं एकाकी सिमटा-सा निवास।

(ii) 'किसान को कवि ने देवता' क्यों कहा है?

(A) गर्मी-सर्दी सभी ऋतुओं में कठोर परिश्रम करने के कारण
(B) ऊँचे-ऊँचे राज-प्रासादों में रहने वालों का पेट भरने के कारण
(C) सोने-चाँदी के स्थान पर मिट्टी से प्रेम करने के कारण
(D) अपने श्रमबल से अन्न उपजाकर संसार का पेट भरने के कारण

उत्तर **(D)** अपने श्रमबल से अन्न उपजाकर संसार का पेट भरने के कारण

(iii) किसान के परिश्रम का परिणाम है:

(A) गंगा की धारा का धवल होना
(B) खेतों में चहल-पहल होना
(C) ऊसर भूमि का हरे-भरे खेतों में बदलना
(D) पसीने का वर्षा में बदलना

उत्तर **(C)** ऊसर भूमि का हरे-भरे खेतों में बदलना

(iv) अंतिम पद में किसान की कौन-सी विशेषताओं का वर्णन है?

(A) सहनशीलता - उदारता
(B) अहिंसक - सत्यवादी
(C) कर्मठ - प्रतिभाशाली
(D) दानवीर - विश्वसनीय

उत्तर **(A)** सहनशीलता - उदारता

(v) कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए:

कथन: किसान को किसी तरह का लालच नहीं है।
कारण: किसान धन-दौलत से ऊपर उठकर मिट्टी से प्रेम करता है। मिट्टी ही उसका जीवन है।
विकल्प:

(A) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।
(D) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

उत्तर **(D)** कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

काव्यांश 16 **2024** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

ये खेत तुम्हारी भरी-सृष्टि,
तिल-तिलकर बोए प्राण-बीज
वर्षा के दिन तुम गिनते हो,

यह परिवा है, यह दूज, तीज।
बादल वैसे ही चले गए,
प्यासी धरती पाई न भीज,
तुम अश्रु कणों से रहे सींच
इन खेतों की दुख भरी खीज।
बस चार अन्न के दाने ही,
नैवेद्य तुम्हारा है उदार,
हे ग्राम देवता! नमस्कार!
यह नारी-शक्ति देवता की,
कीचड़ है जिसका अंग-राग
यह भीर हुई-सी बदली है,
जिसमें साहस की भरी आग,
कवियों! भूलो उपमाएँ सब,
मत कहो, कुसुम, केसर, पराग,
यह जननी है, जिसके गीतों से
मृत अंकुर भी उठे जाग।
उसने जीवन भर सीखा है,
सुख से करना दुख का दुलार!
हे ग्राम देवता! नमस्कार!
तुम जन-मन के अधिनायक हो,
तुम हँसो कि फूले-फले देश
आओ, सिंहासन पर बैठो,
यह राज्य तुम्हारा है अशेष!
उर्वरा भूमि के नए खेत के,
नए धान्य से सजे वेश,

तुम भू पर रहकर भूमि-भार
धारण करते हो मनुज-शेष
अपनी कविता से आज तुम्हारी
विमल आरती लूँ उतार
हे ग्राम देवता! नमस्कार!

(i) काव्यांश में किसान को 'मनुज-शेष' क्यों कहा गया है?

(A) शेषनाग की भाँति मिट्टी से जुड़े रहने के कारण
(B) ऊसर भूमि को उपजाऊ बनाने की क्षमता के कारण
(C) शेषनाग की भाँति धरती का भार धारण करने के कारण
(D) खेत-खलिहानों का भार धारण करने के कारण

उत्तर **(C)** शेषनाग की भाँति धरती का भार धारण करने के कारण

(ii) कवि ने 'नारी-शक्ति' किसे कहा है?

(A) किसान-पत्नी को
(B) किसान-माँ को
(C) ग्रामीण महिला को
(D) किसान को

उत्तर **(D)** किसान को

(iii) 'मृत अंकुर भी उठे जाग' का अभिप्राय है:

(A) स्नेह-श्रम से बीज भी प्रस्फुटित हो जाते हैं।
(B) मृत व्यक्ति भी जीवित हो जाते हैं
(C) माँ बच्चों को लोरी सुनाती है
(D) कुसुम, केसर, पराग जैसी उपमाएँ व्यर्थ हैं

उत्तर **(A)** स्नेह-श्रम से बीज भी प्रस्फुटित हो जाते हैं।

(iv) कवि ग्राम-देवता को कहाँ बिठाकर सम्मान देना चाहता है?

(A) ऊँचे पहाड़ पर
(B) उच्च सिंहासन पर
(C) हरे-भरे खेतों में
(D) पेड़ों की छाँव में

उत्तर **(B)** उच्च सिंहासन पर

(v) कथन और कारण पर विचार करते हुए सही विकल्प चुनिए:

कथन: किसान को वर्षा की प्रतीक्षा में एक-एक दिन भारी पड़ता है।
कारण: किसान का परिश्रम वर्षा पाकर ही फलीभूत होता है।
विकल्प:

(A) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।
(B) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(C) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(D) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

उत्तर **(B)** कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

काव्यांश 17 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

संध्या ने मेघों के कितने चित्र बनाये --
हाथी, घोड़े, पेड़, आदमी, जंगल, क्या-क्या
नहीं रच दिया और कभी रंगों से क्रीड़ा
की, आकृतियाँ नहीं बनायीं। कभी चलाए
झीने से बादल जिनमें चटकीली लाली
उभर उठी थी, जिनकी आभा हरियाली पर
थिरक उठी थी। जाते-जाते क्षितिज-पटी पर
सूरज ने सोना बरसाया। छाया काली
बढ़ने लगी, रंग धीरे-धीरे फिर बदले,
पेंसिल के रेखा-चित्रों से बादल छाए।
विविध रूप आकार बदलते से, ज्यों न्हाए
हुए प्रकाश और छाया में, अपना पद ले।
रात उतर आयी, दिखलायी दिये सितारे,
पेड़, गाँव अस्पष्ट दिखे, मानव-दृग हारे।

(i) संध्या के आसमान के बारे में कवि का क्या कहना है?

(A) आसमान को काले मेघों ने आच्छादित कर लिया है।
(B) चारों तरफ रंगों और आकृतियों की भीड़ है।
(C) आसमान में मेघों ने विभिन्न आकृतियाँ बनाईं
(D) पशुओं की आकृतियों को बना उनमें रंग भरा।

उत्तर **(C)** आसमान में मेघों ने विभिन्न आकृतियाँ बनाईं

(ii)

(ii) क्षितिज-पटी का रूप बार-बार क्यों बदलता रहा ? *1*

I. प्रकाश और छाया के बदलते स्वरूप के कारण
II. संध्या के सूर्य की बदलती रोशनी और रंगों के कारण
III. आसमान में बादलों से बनी हाथी, घोड़े, पेड़ आदि आकृतियों के कारण

विकल्प :

(A) केवल I और II
(B) I, II और III सभी
(C) केवल II और III
(D) केवल I और III

उत्तर **(A)** केवल I और II

(iii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन: आसमान में छाए बादलों को कवि ने पेंसिल से बनाए रेखा-चित्र कहा है।
कारण: उनमें डूबते सूर्य की लाली भर गई है।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण गलत है।

(D) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

उत्तर **(C)** कथन सही है और कारण गलत है।

(iv) काव्यांश के आधार पर संध्या के सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

आदर्श उत्तर

संध्या के समय आसमान में मेघ हाथी, घोड़े, पेड़ और आदमी जैसी तरह-तरह की आकृतियाँ बनाते हैं और आकाश रंग-बिरंगा हो उठता है। डूबता सूरज क्षितिज पर सुनहरा प्रकाश बिखेरता है। फिर अँधेरा बढ़ने लगता है और रंगीन चित्र पेंसिल के रेखा-चित्रों जैसे दिखाई देने लगते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- मेघों की तरह-तरह की आकृतियाँ
- रंग-बिरंगा आसमान
- सूरज का सुनहरा प्रकाश
- डूबते हुए सूरज के साथ बढ़ता अँधेरा
- क्षितिज पर बने रंगीन चित्र अब पेंसिल के रेखा-चित्र जैसे

(v) काव्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए और उस शीर्षक को चुनने का तर्क भी लिखिए।

आदर्श उत्तर

इस काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक 'संध्या का सौंदर्य' हो सकता है। इसमें संध्या के समय मेघों में बनने वाले रंग-बिरंगे चित्रों, सूरज के सुनहरे प्रकाश और बदलते रंगों से निखरे सांध्य-सौंदर्य का ही वर्णन है; शीर्षक इसी मूल भाव को व्यक्त करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- उपयुक्त शीर्षक: संध्या: मेघमय सौंदर्य/ मेघों ने कितने चित्र बनाए / संध्या का सौंदर्य / प्रकाश और छाया का सांध्य नृत्य
- शीर्षक के लिए तर्क: मेघों में बने रंग-बिरंगे चित्रों से संध्या के सौंदर्य का निखरना

(vi)

(ii) क्षितिज-पटी का रूप बार-बार क्यों बदलता रहा ? *1*

I. प्रकाश और छाया के बदलते स्वरूप के कारण

II. संध्या के सूर्य की बदलती रोशनी और रंगों के कारण

III. आसमान में बादलों से बनी हाथी, घोड़े, पेड़ आदि आकृतियों के कारण

विकल्प :

(A) केवल I और II

(B) I, II और III सभी

(C) केवल II और III

(D) केवल I और III

उत्तर **(A)** केवल I और II

काव्यांश 18 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

प्राइवेट बस का ड्राइवर है तो क्या हुआ
सात साल की बच्ची का पिता तो है!
सामने गियर से ऊपर
हुक से लटका रक्खी हैं
काँच की चार चूड़ियाँ गुलाबी
बस की रफ़्तार के मुताबिक
हिलती रहती हैं ‘’
झुककर मैंने पूछ लिया
खा गया मानो झटका
अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रोबीला चेहरा
आहिस्ते से बोला: हाँ सा'ब
लाख कहता हूँ, नहीं मानती है मुनिया
टाँगे हुए है कई दिनों से
अपनी अमानत
यहाँ अब्बा की नज़रों के सामने
मैं भी सोचता हूँ
क्या बिगाड़ती हैं चूड़ियाँ
किस जुर्म पे हटा दूँ इनको यहाँ से?
और ड्राइवर ने एक नज़र मुझे देखा
और मैंने एक नज़र उसे देखा
छलक रहा था दृधिया वात्सल्य बड़ी-बड़ी आँखों में
तरलता हावी थी सीधे-सादे प्रश्न पर
और अब वे निगाहें फिर से हो गई सड़क की ओर
और मैंने झुककर कहा -
हाँ भाई, मैं भी पिता हूँ
वो तो बस यूँ ही पूछ लिया आपसे
वर्ना ये किसको नहीं भाएँगी?
नन्हीं कलाइयों की गुलाबी चूड़ियाँ!

(i) बस में कवि को सबसे अधिक आकर्षित करने वाली बात क्या थी?

(A) बस की रफ़्तार
(B) ड्राइवर का रोबीला चेहरा
(C) सात साल की बच्ची की मौज़ूदगी
(D) लटकी हुई गुलाबी चूड़ियाँ

उत्तर **(D)** लटकी हुई गुलाबी चूड़ियाँ

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए; रच

कथन: बस का ड्राइवर चूड़ियों को हटाने के विषय में सोचता है।
कारण: चूड़ियों से बस चलाने में बाधा पहुँचती है।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, परंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(C) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं।

उत्तर **(B)** कथन और कारण दोनों गलत हैं।

(iii) कवि ने 'गुलाबी चूड़ियों'? के विषय में बस के ड्राइवर से क्यों पूछा था?

(A) सहज जिज्ञासावश
(B) आपत्ति जताने के लिए
(C) कवि भी पिता था इसलिए
(D) सफ़र की ऊब को दूर करने के लिए

उत्तर **(A)** सहज जिज्ञासावश

(iv) कविता का मूल भाव क्या है? इसे पढ़ते हुए आप स्वयं क्या महसूस करते हैं?

आदर्श उत्तर

कविता का मूल भाव पिता का वात्सल्य और संवेदनशीलता है। इसमें कवि और बस-ड्राइवर के माध्यम से समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच समानता और सहज मानवीय जुड़ाव दिखाया गया है। इसे पढ़ते हुए मेरे मन में कोमलता और आत्मीयता जागती है तथा अपने पिता के प्रति प्रेम और सम्मान बढ़ जाता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

मूल भाव:

- पिता का वात्सल्य और संवेदनशीलता
- कवि और बस ड्राइवर यानी समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच समानता और जुड़ाव
- सहज मानवीय संबंध और उनका प्रकटीकरण
- गहरी भावनात्मक समझ (कोई एक बिंदु अपेक्षित; अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

व्यक्तिगत अनुभव: परीक्षार्थी प्रश्न के इस हिस्से के लिए स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- मन में संवेदनशीलता, कोमलता,आत्मीयता और पिता के प्रति आदर-स्नेह का भाव जाग्रत होना
- मन में मनोहर छवि का उभरना
- मन में मानव स्वभाव और संबंध के तथ्यों का उद्घाटन होना

(v) बस की गियर से ऊपर लटकी गुलाबी चूड़ियों को किसने और क्यों लटकाया है?

आदर्श उत्तर

बस के गियर के ऊपर गुलाबी चूड़ियाँ ड्राइवर की सात साल की बेटी मुनिया ने लटकाई हैं। उसने उन्हें अपनी अमानत और निशानी के रूप में लटकाया है ताकि वे हर समय पिता की आँखों के सामने रहें। ये चूड़ियाँ मुनिया की याद, उसके प्रेम और मासूमियत की प्रतीक हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

किसने:

- ड्राइवर की सात साल की पुत्री मुनिया ने;

क्यों:

- अपनी अमानत के रूप में लटकाया जाना
- अपनी निशानी पिता की आँखों के सामने बनाए रखने का प्रयास

- चूड़ियाँ मुनिया की याद, उसके प्रेम और मासूमियत का प्रतीक
- चूड़ियाँ पिता की संवेदनशीलता, जिम्मेदारी, प्रेम, पुत्री से भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

काव्यांश 19 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

चीज़ों का हूबहू दिखना अपनी ही शक़्ल में
कविता में मुझे पसन्द नहीं बिल्कुल
मैं चाहता हूँ मेरा फटा पुराना जूता भी दिखे वहाँ
पूर्णिमा के पूरे चाँद की तरह
एक साबुन की तरह दिखे मेरी आत्मा
छोटी-छोटी विकृतियाँ और अन्तर्विरोध भी दिखें वहाँ
फूली हुई नसों वाले राक्षसों से इतने वीभत्स और दैत्याकार
कि आसानी से की जा सके उनसे घृणा
की जा सके नफ़रत
[पर
मुझे पसन्द हैं वे विदूषक जो मंच पर आने से पहले ही
रँग लेते हैं अपना पूरा चेहरा
मैं चाहता हूँ
बेहद थका और ऊबा हुआ फोरमैन भी जब अपने घर में घुसे
तो बदल जाए तत्काल उसका चेहरा
अपनी पाँच बरस की बेटी के पिता की तरह
बदल जाएँ, बदल जाएँ लोगों के चेहरे
जब वे मेरी कविता में आएँ
हीरे की तरह चमकती हुई दिखें लोगों की
बहुत छोटी-छोटी अच्छाइयाँ
कि निराश आदमी पलट कर दौड़ पड़े
जीवन की ओर चिल्लाता हुआ
कुछ नहीं है जीवन से ज्यादा सुन्दर
जीवन से ज्यादा प्यारा
जीवन की तरह अमर
मैं चाहता हूँ
कि कविता के भीतर फैली आसमान की टेबिल पर
मैं जब सूरज के साथ चाय पी रहा होऊँ
एक विशाल समुद्र की तरह दिखे
मेरा कप।

(i) 'फटा पुराना जूता भी पूर्णिमा के पूरे चाँद की तरह दिखे' - पंक्ति का आशय है:

(A) फटे पुराने जूते का भी साफ-सुथरा दिखाई देना
(B) अत्यंत मामूली चीज़ों का भी सौंदर्य से परिपूर्ण दिखाई देना
(C) अत्यंत मामूली चीज़ों का भी कविता में वर्णन होना
(D) अतीत की चीज़ों का भी कविता में सुंदरतापूर्ण उल्लेख होना

उत्तर **(B)** अत्यंत मामूली चीज़ों का भी सौंदर्य से परिपूर्ण दिखाई देना

(ii) कवि किनसे नफ़रत और घृणा का बर्ताव चाहता है?

(A) फूली हुई नसों वाले राक्षस से
(B) अपनी छोटी-बड़ी विकृतियों से
(C) वीभत्स लगने वाले दैत्यों से
(D) साबुन की तरह दिखती आत्मा से

उत्तर **(B)** अपनी छोटी-बड़ी विकृतियों से

(iii) कवि की कामना में फोरमैन के बदलते चेहरे का तात्पर्य है:

(A) बाहर की थकान और ऊब को छोड़ घर में स्नेह और कोमलता का भाव रखना
(B) पाँच बरस की बच्ची के पिता की तरह ज़िम्मेदारी भरा व्यवहार करना।
(C) काम से उपजी थकान और ऊबे हुए मन को भूलकर प्रसन्न दिखने का नाटक करना।
(D) मंच पर आने वाले विदूषक की तरह सबको प्रसन्न करने का प्रयास करना।

उत्तर **(A)** बाहर की थकान और ऊब को छोड़ घर में स्नेह और कोमलता का भाव रखना

(iv) काव्यांश के आधार पर कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

कविता का उद्देश्य जीवन के प्रति आस्था और सकारात्मक दृष्टि जगाना है। कवि समाज के उज्ज्वल पक्ष को प्रस्तुत करके कोमल और सुंदर भावनाओं का संचार करना चाहता है। वह मामूली चीज़ों में भी सौंदर्य देखने की दृष्टि देता है और सामाजिक विकृतियों का विरोध करता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- जीवन के प्रति आस्था
- जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि
- कोमल और सुंदर भावना का संचार
- समाज के उज्ज्वल पक्ष की प्रस्तुति
- सामाजिक विकृतियों का विरोध
- मामूली चीजों के प्रति सौंदर्य दृष्टि (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

(v) क्या कवि कविता से असंभव उम्मीद पाल रहा है? तर्कपूर्ण टिप्पणी कीजिए।

आदर्श उत्तर

मेरे विचार से कवि की उम्मीद असंभव नहीं है। कवि कविता के माध्यम से कोमलता, सुंदरता और सकारात्मकता का संचार करना चाहता है। कविता मनुष्य के हृदय को स्पर्श करती है और धीरे-धीरे उसके सोच-विचार तथा जीवन पर प्रभाव डालती है; इसलिए उससे बदलाव की आशा की जा सकती है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर स्वतंत्र तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- असंभव नहीं है; कवि कविता के माध्यम से कोमलता, सुंदरता, सकारात्मकता का संचार करना चाहता है। कविता मनुष्य के हृदय को स्पर्श करती है और उसके जीवन पर प्रभाव डालती है।

अथवा

- असंभव है; कविता से इतनी बड़ी-बड़ी उम्मीदों और अपेक्षाओं का पूरा होना असंभव है क्योंकि ये जीवन की व्यावहारिकता और यथार्थ से परे हैं।

काव्यांश 20 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आदमी का स्वप्न? है वह बुलबुला जल का,
आज उठता और कल फिर फूट जाता है,
किंतु फिर धन्य, ठहरा आदमी ही तो
बुलबुलों से खेलता, कविता बनाता है।
मैं न बोला, किंतु मेरी रागिनी बोली
देख फिर से चाँद! मुझको जानता है तू
स्वप्न मेरे बुलबुले हैं? है यही पानी
आग को भी क्या नहीं पहचानता है तू?
मैं न वह जो स्वप्न पर केवल सही करते,
आग में उसको गला लोहा बनाती हूँ,
और उस पर नींव रखती हूँ नए घर की,
इस तरह दीवार फौलादी उठाती हूँ।
मनु नहीं, मनु-पुत्र है यह सामने, जिसकी,
कल्पना की जीभ में भी धार होती है,
बाण ही होते विचारों के नहीं केवल,
स्वप्न के भी हाथ में तलवार होती है।

(i)

(i) **कॉलम–1** को **कॉलम–2** से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प छाँटकर लिखिए :

कॉलम–1	कॉलम–2

उत्तर **(B)** (1-II), (2-III), (3-I)

(ii) आज का मानव अपने पूर्वजों से भिन्न कैसे है? अनुपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए:

(A) वह अपनी कल्पना को सच कर सकता है।
(B) वह विचारों से अत्यंत विवेकशील है।
(C) वह अपने सपने को साकार करना जानता है।
(D) वह सिर्फ सपने देखना ही जानता है।

उत्तर **(D)** वह सिर्फ सपने देखना ही जानता है।

(iii) काव्यांश में 'नए घर की नींव रखने' से क्या अभिप्राय है?

(A) नवीन मान्यताओं को स्वीकारना
(B) नए घर का निर्माण करना
(C) नए घर का आधार बनाना
(D) नए समाज की रचना करना

उत्तर **(D)** नए समाज की रचना करना

(iv) काव्यांश का मूल भाव 25-30 शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

काव्यांश का मूल भाव मानव के दृढ़ निश्चय, विवेक, सृजनशीलता और साहस का गुणगान है। मनुष्य सपने देखता है और उन्हें साकार करता है; उसमें कल्पना को यथार्थ में बदलने तथा नए समाज के निर्माण का हौसला है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर मूल भाव लिखेंगे -

- मानव के दृढ़निश्चय, विचार, विवेक, सृजनशीलता और साहस का उल्लेख
- सपने देखना और सपनों को साकार करना
- नए समाज के निर्माण की आकांक्षा
- कल्पना को यथार्थ में बदलने का हौसला (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

(v) काव्यांश में मानव को धन्य क्यों कहा गया है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

काव्यांश में मानव को इसलिए धन्य कहा गया है कि उसमें सपनों को हकीकत में बदलने का साहस है। बार-बार टूटने पर भी वह सपने देखना नहीं छोड़ता और जीवन की अनिश्चितता तथा संघर्षों के बीच अपनी रचनाशीलता बनाए रखता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- सपनों को हकीकत में बदलने के साहस के कारण
- बार-बार टूटने पर भी सपने देखना न छोड़ने के कारण
- जीवन की अनिश्चितता और संघर्षों के बीच अपनी रचनाशीलता को बनाए रखने के कारण

काव्यांश 21

2025 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

बहुत दिनों के बाद
अबकी मैंने जी-भर देखी
पकी - सुनहली फसलों की मुसकान
बहुत दिनों के बाद
अबकी मैं जी-भर छू पाया
अपनी गँवई पगडंडी की चंदनवर्णी धूल
बहुत दिनों के बाद
अबकी मैं जी-भर सुन पाया
धान कूटती किशोरियों की कोकिल-कंठी तान
बहुत दिनों के बाद
अबकी मैंने जी-भर सूँघे
मौलसिरी के ढेर- ढेर से ताजे-टटके फूल
बहुत दिनों के बाद

अबकी मैंने जी-भर तालमखाना खाया
गन्ने चूसे जी-भर
ता कर।
बहुत दिनों के बाद
अबकी मैंने जी-भर भोगे
गंध - रूप - रस - शब्द - स्पर्श सब साथ भू पर
बहुत दिनों के बाद

(i) काव्यांश में धूल के लिए 'चंदन' विशेषण का प्रयोग क्यों किया गया है?

(A) उसके गुणों का उल्लेख करने के लिए
(B) उसके रंग का उल्लेख करने के लिए
(C) उसकी पवित्रता का उल्लेख करने के लिए
(D) उसकी कोमलता का उल्लेख करने के लिए

उत्तर **(B)** उसके रंग का उल्लेख करने के लिए

(ii) 'किशोरियों की कोकिल कंठी तान' से क्या अभिप्राय है?

(A) किशोरियों का कंठ कोकिल के समान है।
(B) किशोरियों की तान कोकिल के समान है।
(C) किशोरियों का स्वर कोकिल के समान है।
(D) किशोरियों का गायन कर्ण प्रिय और मधुर है।

उत्तर **(D)** किशोरियों का गायन कर्ण प्रिय और मधुर है।

(iii) कवि ने जी-भर क्या भोगा?

(A) फसलों की मुसकान
(B) किशोरियों का गान
(C) ऐन्द्रिक सुख
(D) तालमखानों का स्वाद

उत्तर **(C)** ऐन्द्रिक सुख

(iv) कवि ने अपनी किन-किन इन्द्रियों को कैसे तृप्त किया? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

कवि ने पकी सुनहली फसल देखकर अपनी आँखों को और मौलसिरी के फूल सूँघकर नाक को तृप्त किया। उसने किशोरियों का मधुर गायन सुनकर कानों को, पगडंडी की धूल के स्पर्श से त्वचा को तथा गन्ने और तालमखाने चखकर जीभ को तृप्त किया।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- आँखों को- पकी सुनहली फसल देखकर
- नाक को- मौलसिरी के फूल सूँघकर
- कानों को- किशोरियों का कर्ण प्रिय मधुर गायन सुनकर
- त्वचा को- पगडंडी की धूल के स्पर्श से
- जिह्वा को- गन्ने और तालमखाने का आस्वादन कर

(v) बहुत दिनों के बाद कवि को अपने गाँव पहुँचकर कैसा महसूस होता है? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

बहुत दिनों के बाद अपने गाँव पहुँचकर कवि को गहरे ऐंद्रिक सुख और तृप्ति का अनुभव होता है। वहाँ प्रकृति के रमणीय और मनोहर रूप को जी भर देख, सुन और छूकर उसका मन प्रसन्नता से भर उठता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- ऐंद्रिक सुख और तृप्ति का अनुभव
- प्रकृति के रमणीय एवं मनोहर रूप को देखकर मन प्रसन्न (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

काव्यांश 22 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

लीक पर वे चले जिनके
चरण दुर्बल और हहे हैं

हमें तो जो हमारी यात्रा से बने
ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं।
साक्षी हों राह रोके खड़े
पीले बाँस के झुरमुट,
कि उनमें गा रही है जो हवा
उसी से लिपटे हुए सपने हमारे हैं।
शेष जो भी हैं -
वक्ष खोले डोलती अमराइयाँ
गर्व से आकाश थामे खड़े
ताड़ के ये पेड़
हिलती क्षितिज की झालरें,
झूमती हर डाल पर बैठी
फलों से मारती
खिलखिलाती शोख अल्हड़ हवा
गायक-मंडली-से थिरकते
आते गगन में मेघ,
वाद्य यंत्रों से पड़े टीले,
नदी बनने की प्रतीक्षा में, कहीं नीचे
शुष्क नाले में नाचता एक अँजुरी जल
सभी, बन रहा है कहीं जो विश्वास
जो संकल्प हममें
बस उसी के सहारे हैं

(i) कवि पूर्व निर्मित मार्ग का अनुसरण क्यों नहीं करना चाहता है?

(A) वह किसी और का अनुचर बनकर रहना चाहता है।
(B) किसी और के द्वारा निर्मित मार्ग उसे अच्छा नहीं लगता है।
(C) कवि आत्मविश्वासी है और अपना मार्ग स्वयं बनाना चाहता है।

(D) किसी अन्य द्वारा निर्मित मार्ग पर चलना उसे अनुचित लगता है। न कण ता कर।

उत्तर **(C)** कवि आत्मविश्वासी है और अपना मार्ग स्वयं बनाना चाहता है।

(ii)

(ख) किस तरह के लोग दूसरों के सहारे जीवन जीते हैं ? 1

(A) जो आज्ञाकारी प्रवृत्ति के होते हैं । (B) जो अक्षम और निराश होते हैं ।

(C) जो जल्दी सफल होना चाहते हैं । (D) जिनके सपने बहुत बड़े होते हैं ।

उत्तर **(B)** जो अक्षम और निराश होते हैं।

(iii) बादलों की तुलना किससे की गई है?

(A) अपनी ही धुन पर थिरकते गायक मंडली से
(B) दूसरों की धुन पर थिरकती गायक मंडली से
(C) अपनी ही धुन में मग्न नर्तक मंडली से
(D) तीव्र गति से नृत्य करती नर्तक मंडली से

उत्तर **(A)** अपनी ही धुन पर थिरकते गायक मंडली से

(iv) 'हमें तो जो हमारी यात्रा से बने ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं।' - का आशय स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का आशय है कि कवि दूसरों के बनाए रास्तों पर नहीं चलना चाहता; वह जीवन के नए रास्ते स्वयं बनाना चाहता है। लीक पर चलने के स्थान पर अपने संघर्षों से प्राप्त उपलब्धियाँ ही उसे आत्मिक संतुष्टि देती हैं और प्रिय लगती हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त आशय लिखेंगे-

- जीवन के नए रास्ते कवि स्वयं निर्मित करना चाहता है।
- लीक पर चलने की जगह स्वयं के संघर्षों से प्राप्त उपलब्धियाँ कवि को आत्मिक संतुष्टि देती हैं और प्रिय लगती हैं। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)

(v) प्रकृति के विविध घटक कवि को क्या प्रेरणा देते हैं? किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख कीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रकृति के विविध घटक कवि को जीवन में सतत आगे बढ़ने और सदा आशावान बने रहने की प्रेरणा देते हैं। वे उसे बेफ़िक्र होकर सपने देखने, अपने स्वभाव के अनुकूल जीवन जीने तथा धैर्य, स्वाभिमान, उत्साह और आत्मविश्वास बनाए रखने की सीख देते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- जीवन में सतत आगे बढ़ने की
- जीवन के प्रति आशावान बने रहने की
- बेफिक्र होकर सपने देखने और जीवन जीने की
- अपने स्वभाव और इच्छा के अनुकूल जीवन जीने की

- धैर्य, स्वाभिमान, संकल्प, उत्साह, आनंद, आत्मविश्वास से पूर्ण जीवन जीने की (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

काव्यांश 23 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

गाँव में वो दिन था इतवार।
मैं नन्हीं पीढ़ी का हाथ थाम
निकल गई बाज़ार।
सूखे दरख़्तों के बीच देख
एक पतली पगडंडी
मैंने नन्हीं पीढ़ी से कहा
देखो, यही थी कभी गाँव की नदी।
आगे देख ज़मीन पर बड़ी सी दरार
मैंने कहा, इसी में समा गए सारे पहाड़।
नन्हीं पीढ़ी दौड़ी: हम आ गए बाज़ार!
क्या-क्या लेना है? पूछने लगा दुकानदार।
भैया! थोड़ी बारिश, थोड़ी गीली मिट्टी,
एक बोतल नदी, वो डिब्बाबंद पहाड़
उधर दीवार पर टँगी एक प्रकृति भी दे दो,
और ये बारिश इतनी महँगी क्यों?
दुकानदार बोला: यह नमी यहाँ की नहीं!
दूसरे ग्रह से आई है,
मंदी है, छटाँक भर मँगाई है।
पैसे निकालने को साड़ी की कोर टोली
गा
चौंकी! देखा आँचल की गाँठ में
रुपयों की जगह

पूरा वजूद मुड़ा पड़ा था...

(i) नदी के बोतल में और पहाड़ के डिब्बाबंद होने का क्या अर्थ है?

(A) भविष्य की आशंकाओं के चित्र खींचना
(B) पर्यावरण के प्रति मनुष्य की उपेक्षा दिखाना
(C) बाज़ारीकरण की भयावहता स्पष्ट करना
(D) जीवन से प्रकृति और उसका साहचर्य गायब होना

उत्तर **(D)** जीवन से प्रकृति और उसका साहचर्य गायब होना

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए:

कथन: कवयित्री अपने वजूद को मुड़ा हुआ पाती हैं।
कारण: वह प्रकृति के बिना अपने अस्तित्व को खतरे में पाती हैं।

(A) कथन सही है किंतु कारण गलत है।
(B) कथन और कारण दोनों गलत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं किंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है।

उत्तर (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है।

(iii) (iii) कविता के मुख्य भाव को प्रस्तुत करने वाले विकल्प हैं। **1**

उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. बाज़ारीकरण का बढ़ता प्रभाव
II. प्रकृति की उपेक्षा
III. भावी पीढ़ी का भय

विकल्प :

(A) केवल III सही है।
(B) केवल II सही है।
(C) I और III सही हैं।
(D) I और II सही हैं।

उत्तर (D) I और II सही हैं।

(iv) 'नन्हीं पीढ़ी' का अर्थ स्पष्ट करते हुए लिखिए कि उसे साथ लेकर जाने का क्या कारण था?

आदर्श उत्तर

'नन्हीं पीढ़ी' का अर्थ है – बच्चे अर्थात भावी पीढ़ी। उसे साथ ले जाने का कारण उसमें प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और संरक्षण की भावना जगाना था, ताकि वह प्रकृति के विनाश और दोहन से उत्पन्न खतरों के प्रति सचेत हो सके।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

भावी पीढ़ी अथवा बच्चे;

प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर स्वीकार्य, जैसे-

- प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता
- प्रकृति-संरक्षण की भावना जागृत करना
- प्रकृति के विनाश और उसके खतरों से भावी पीढ़ी को सचेत करना
- प्रकृति के दोहन से उत्पन्न समस्याओं से भावी पीढ़ी को अवगत कराना
- बाज़ारीकरण के खतरों से परिचित कराना

(v) कविता जिन खतरों की ओर इशारा कर रही है उनसे बचने के दो प्रभावी उपाय लिखिए।

आदर्श उत्तर

कविता जिन खतरों की ओर इशारा करती है, उनसे बचने के लिए नुक्कड़ नाटक और रैली जैसे कार्यक्रमों द्वारा लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए। साथ ही अधिक-से-अधिक वृक्षारोपण करना और पेड़ों की कटाई रोकना प्रभावी उपाय हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

- पर्यावरण के प्रति जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों द्वारा (जैसे नुक्कड़ नाटक)

- विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों द्वारा (जैसे वृक्षारोपण)

काव्यांश 24 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

तुम्हारे लगाए आम फल आये हैं
बेटी घर आना
तुम्हारी पाली बकरियों ने बच्चे दिए हैं
बेटी घर आना
घर आना कि अबकी बारिश में
भरपूर फ़सल होने वाली है
फूल रहा है सनई जमकर
सेम में फलियाँ आई हैं
अपनी शक्ति में यही भर है
प्यार से बुलाती हूँ
अपनी माँ को याद करना
बेटी घर आना
आँगन उदास है
घर के चौखट तुम्हारा रस्ता देखते हैं
आम, फ़सलें और पेड़-पशु
सब कहानी है
असल बात जो तुम्हें बतानी है
तुम्हारे पिता तुम्हें बुलाते हैं
पर कह नहीं पाते हैं
अकेले में सिसकते हैं, बुदबुदाते हैं
बेटी घर आना।

(i) कविता में माँ बेटी को बार-बार बुला रही है इसका असल कारण है:

(A) घर में अन्न, फल, मछलियाँ अधिक मात्रा में हैं।
(B) उसके किए कार्यों का फल दिखने लगा है।
(C) घर बेटी की अनुपस्थिति से बहुत सूना है।
(D) बेटी के पिता उसे बहुत अधिक याद कर रहे हैं।

उत्तर **(D)** बेटी के पिता उसे बहुत अधिक याद कर रहे हैं।

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए; हि

कथन: कविता में वर्णित परिवार ग्रामीण पृष्ठभूमि में निवास करता होगा।
कारण: आम, बकरियों, फ़सलें और सनई का उल्लेख ग्रामीण परिवेश का उचित संकेत दे रहा है।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कारण ग़लत है, किंतु कथन सही है।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii)

(iii) कविता में माँ ने अपनी स्थिति के बारे में कौन-सी बातें कही हैं ? इस प्रश्न के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए : *1*

I. विवशता से भरी

II. दीनता से भरी

III. असंतोष से भरी

विकल्प :

(A) केवल I सही है।

(B) केवल I और III सही हैं।

(C) केवल II और III सही हैं।

(D) I, II और III तीनों सही हैं।

उत्तर **(A)** केवल I सही है।

(iv) 'तुम्हारे पिता तुम्हें बुलाते हैं, पर कह नहीं पाते हैं।' आपके विचार से पिता पुत्री के प्रति अपने प्रेम को क्यों अभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं?

आदर्श उत्तर

मेरे विचार से पिता पितृसत्तात्मक सामाजिक मानदंडों और पुराने संस्कारों के दबाव के कारण पुत्री के प्रति अपना प्रेम प्रकट नहीं कर पाते। रूढ़िवादी सोच और भावनाओं को व्यक्त करने में पुरुषोचित संकोच उन्हें भीतर से चाहते हुए भी कुछ कहने नहीं देता।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे -

- पितृसत्तात्मक सामाजिक मानदंड
- पुराने संस्कार और मर्यादा के पालन का दबाव
- रूढ़िवादी सोच
- भावनाओं की अभिव्यक्ति में पुरुषोचित संकोच

(v) 'आँगन उदास है - घर के चौखट तुम्हारा रस्ता देखते हैं'? - इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि बेटी की अनुपस्थिति का घर के परिवेश पर क्या प्रभाव है?

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का आशय है कि बेटी के बिना घर-परिवार में उदासी और सूनापन छा गया है; सबको उसके आने का इंतज़ार है। बेटी की अनुपस्थिति में घर में उसकी कमी खल रही है; माता-पिता ही नहीं, पशु-पक्षी, आँगन और चौखट तक उदास हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश के आधार पर प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

आशय: घर-परिवार में उदासी, सूनापन और बेटी के आने का इंतज़ार है।

प्रभाव:

- बेटी की कमी खल रही है।
- माता-पिता के साथ-साथ पशु-पक्षी भी उदास हैं।

- घर में सूनापन है। (कोई एक बिंदु अपेक्षित)

काव्यांश 25 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आदमी हो, स्नेह-बाती बन नया दीपक जलाना।
दर्द की परछाइयों के दानवी बंधन हटाना।
छटपटाती ज़िंदगी को चेतना संगीत देना।
विश्व को नवपंथ देना; हारते को जीत देना।
आदमी हो, बुझ रहे ईमान को विश्वास देना।
मुस्कुराकर वाटिका में मधुभरा मधुमास देना।
शूल के बदले जगत को फूल की सौगात देना।
जो पिछड़ता हो उसे नवशक्ति देना, साथ देना।
आदमी हो, डूबते मँझधार में पतवार देना।
थक चला विश्वास साथी, आस्था आधार देना।
क्रांति का संदेश देकर राह युग की मोड़ देना।
फिर नया मानव बनाना, रूढ़ियों को तोड़ देना।
आदमी हो, द्वेष के तूफ़ान को हँसकर मिटाना।
कंठ-भर विषपान करना, किंतु सबको प्यार देना।
मेटना मजबूरियों को; दीन को आधार देना।
खाइयों को पाटना; बिछुड़े दिलों को जोड़ देना।

(i)

(i) काव्यांश में 'आदमी हो' की पुनरावृत्ति क्यों की गई है ? इस प्रश्न के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए : *1*

I. मानवोचित काम करने का आग्रह करने के लिए
II. पिछड़े हुए व्यक्तियों को नवशक्ति देने के लिए
III. रूढ़ियों को तोड़ देने के लिए
IV. आदमी होने की याद दिलाने के लिए

विकल्प :

(A) कथन I सही है।
(B) कथन I और II सही हैं।
(C) कथन I, II और III सही हैं।
(D) कथन I, II, III और IV सही हैं।

उत्तर **(A)** कथन I सही है।

(ii) 'शूल के बदले फूल देना' का आशय है:

(A) मिटते ईमान को विश्वास देना
(B) दुर्बल को नई शक्ति देना
(C) दुखों के बदले सुख देना
(D) जीवन को आनंद से भर देना

उत्तर **(C)** दुखों के बदले सुख देना

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए:

कथन: जो पिछड़ता हो उसे नवशक्ति देना, साथ देना।
कारण: जीवन में किसी भी कारण से पिछड़ा व्यक्ति हताश हो जाता है।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

उत्तर **(C)** कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) काव्यांश के अनुसार रूढ़ियों और क्रांति में मानव क्या परिवर्तन ला सकता है?

आदर्श उत्तर

काव्यांश के अनुसार मानव पुरानी, जड़ रूढ़ियों को तोड़कर समाज को नई दिशा दे सकता है। वह क्रांति के द्वारा समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है और एक बेहतर, नए समाज का निर्माण कर सकता है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- रूढ़ियों को तोड़ समाज को नयी दिशा देना
- क्रांति द्वारा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

(v) आदमी होने के नाते द्वेष करने वालों के प्रति क्या कर्त्तव्य होने चाहिए?

आदर्श उत्तर

आदमी होने के नाते हमारा कर्त्तव्य है कि हम द्वेष करने वालों से भी प्रेम करें और आपसी दूरियों को मिटाएँ। हमें सबके प्रति समानता का भाव रखना चाहिए और दीन-दुखियों का साथ देना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- द्वेष करने वालों से भी प्रेम करना
- आपसी दूरियों को मिटाना
- सबके प्रति समानता का भाव रखना
- दीन-दुखियों का साथ देना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

काव्यांश 26

2026 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

पंथ पर चलना तुझे तो मुस्कुराकर चल मुसाफिर!
वह मुसाफिर क्या जिसे कुछ शूल ही पथ के थका दें?
हौसला वह क्या जिसे कुछ मुश्किलें पीछे हटा दें?
वह प्रगति भी क्या जिसे कुछ रंगीन कलियाँ तितलियाँ
मुस्कुराकर गुनगुनाकर ध्येय-पथ, मंजिल भुला दें?
ज़िंदगी की राह पर केवल वही पंथी सफल है,
आँधियों में, बिजलियों में जो रहे अविचल मुसाफिर!

पंथ पर चलना तुझे तो मुस्कुराकर चल मुसाफिर।
जानता जब तू कि कुछ भी हो तुझे बढ़ना पड़ेगा,
आँधियों से ही न खुद से भी तुझे लड़ना पड़ेगा,
सामने जब तक पड़ा कर्त्तव्य-पथ तब तक मनुज ओ!
मौत भी आए अगर तो मौत से भिड़ना पड़ेगा,
है अधिक अच्छा यही फिर पंथ पर चल मुस्कुराता,
मुस्कुराती जाए जिससे ज़िंदगी असफल मुसाफिर!
पंथ पर चलना तुझे तो मुस्कुराकर चल मुसाफिर!

(i) कवि किसको मुस्कुराकर चलने के लिए कह रहे हैं?

(A) सफ़ल मुसाफिर को
(B) असफल मुसाफिर को
(C) अविचल मुसाफिर को
(D) साहसी मुसाफिर को

उत्तर **(B)** असफल मुसाफिर को

(ii)

(ii) 'वह मुसाफिर क्या जिसे कुछ शूल ही पथ के थका दें ?' पंक्ति में 'पथ के शूल' का अर्थ है : 1

उचित विकल्प का चयन कीजिए –

(I) पथ की बाधाएँ

(II) पथ की असफ़लताएँ

(III) पथ की सरलता

(IV) पथ की सफ़लता

विकल्प :

(A) विकल्प (I) और (II) सही हैं ।

(B) विकल्प (I), (II) और (III) सही हैं ।

(C) विकल्प (I), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) केवल विकल्प (IV) सही है ।

*3/4/1** *5 * Page* *P.T.O.*

उत्तर **(A)** विकल्प (I) और (II) सही हैं।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन करके लिखिए:

कथन: 'मौत भी आए अगर तो मौत से भिड़ना पड़ेगा'
कारण: मनुष्य जब कर्त्तव्य पथ पर चलता है तो उसे हर कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ता है।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) 'ऑआँधियों से ही नहीं खुद से भी तुझे लड़ना पड़ेगा' पंक्ति से क्या अभिप्राय है?

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का अभिप्राय है कि मनुष्य को केवल बाहर की बाधाओं और कठिनाइयों से ही नहीं, अपने भीतर की कमज़ोरियों – भय, आलस्य और निराशा – से भी लड़ना पड़ता है। सफलता पाने के लिए स्वयं को भीतर से सशक्त बनाना आवश्यक है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे-

- बाहरी बाधाओं का ही नहीं, आंतरिक कमजोरियों का भी सामना करना
- सफलता पाने के लिए स्वयं को सशक्त बनाना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

(v) काव्यांश में प्रयुक्त 'मुस्कुराकर चलने' से क्या आशय है?

आदर्श उत्तर

'मुस्कुराकर चलने' से आशय है कि राह में आने वाली बाधाओं और कठिनाइयों का सामना घबराकर नहीं, प्रसन्नतापूर्वक करना चाहिए। मनुष्य को हँसते हुए अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते रहना चाहिए।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

- राह की बाधाओं / कठिनाइयों का प्रसन्नतापूर्वक सामना करना
- लक्ष्य की ओर निरंतर गतिमान रहना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

काव्यांश 27 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

तुम्हें पता है?
धरती माँ की काया यों तो
कोरा पत्थर है, माटी है।
ऊँचे पर्वत जैसा माथा
गहरे मन जैसी घाटी है
समतल ये मैदान कि जैसे गोद हमारी माता की है
दूध धार-सी नदियाँ हैं।
माणिक मोती जैसे रत्नों की मंजूषा है फैला सागर।
पर क्या तुमने इस काया के बंजर देखे?
भुनती तपती रेत भभकती भट्टी जैसी
तुमने मुझे जहाँ से काटा,
खोदा और उखाड़ा जड़ से
वंशनाश कर मुझे मिटाया।
अब बोलो, कैसे लगता है?
वहाँ कभी रहने बसने को मन करता है
उस बंजर में - उस मरुस्थल में?
रुको, रुको सोचो, क्षण भर रुको।

मैं अपनी धरती माता का रक्षा-कवच
वृक्ष हूँ भाई! मुझे न काटो
मैं तुम्हारा वृक्षमित्र हूँ।
का निगल का

(i) इस कविता का वर्ण्य विषय क्या है?

(A) देश-प्रेम
(B) प्रकृति-प्रेम
(C) मरुस्थल
(D) धरती माँ

उत्तर **(D)** धरती माँ

(ii)

(ii) उपर्युक्त कविता हमें धरती के प्रति कैसी भावना रखने के लिए प्रेरित करती है ? इस प्रश्न के उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए : 1

(I) सम्मान की भावना

(II) कृतज्ञता की भावना

(III) रक्षा की भावना

(IV) परोपकार की भावना

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(B) कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।

(C) कथन (I), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) केवल कथन (IV) सही है ।

उत्तर **(B)** कथन (I), (II) और (III) सही हैं।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण पर विचार करते हुए उपयुक्त विकल्प का चयन करके लिखिए: है।

कथन: रत्नों की मंजूषा है फैला सागर।
कारण: सागर न केवल पानी का विशाल स्रोत है, बल्कि यह भोजन, खनिज, रत्न, ऊर्जा और परिवहन का भी एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।
विकल्प:

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

उत्तर **(C)** कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) 'धरती माँ की काया यों तो, कोरा पत्थर है, माटी है' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस पंक्ति का आशय है कि धरती का शरीर देखने में भले ही पत्थर और मिट्टी से बना है, पर वह केवल एक भौगोलिक स्वरूप नहीं है। वह माँ की तरह हमारा पालन-पोषण करती है और समस्त जीवन का आधार है।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी उपयुक्त आशय स्पष्ट करेंगे-

धरती मिट्टी और पत्थर से बना मात्र एक भौगोलिक स्वरूप नहीं है, बल्कि जीवन का आधार है।

(v) धरती माँ का कवच किसे और क्यों कहा गया है?

आदर्श उत्तर

वृक्षों को धरती माँ का कवच कहा गया है। वे धरती को बंजर और मरुस्थल बनने से बचाते हैं तथा जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करते हैं। वे धरती को शीतलता, हरियाली और सौंदर्य प्रदान करके उसकी रक्षा करते हैं।

CBSE मूल्य-बिंदु (अंक-योजना के अनुसार)

परीक्षार्थी काव्यांश के आधार पर एक कारण सहित उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-

वृक्षों को;
कारण-

- धरती को बंजर और मरुस्थल बनने से बचाना
- जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करना
- धरती को शीतलता व सौंदर्य प्रदान करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

(vi)

(ii) उपर्युक्त कविता हमें धरती के प्रति कैसी भावना रखने के लिए प्रेरित करती है ? इस प्रश्न के उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए : 1

(I) सम्मान की भावना

(II) कृतज्ञता की भावना

(III) रक्षा की भावना

(IV) परोपकार की भावना

*3/5/2** *3 * Page* *P.T.O.*

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(B) कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।

(C) कथन (I), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) केवल कथन (IV) सही है ।

उत्तर **(B)** कथन (I), (II) और (III) सही हैं।

(vii) (ii) उपर्युक्त कविता हमें धरती के प्रति कैसी भावना रखने के लिए प्रेरित करती है ? इस प्रश्न के उत्तर के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए : **1**

(I) सम्मान की भावना

(II) कृतज्ञता की भावना

(III) रक्षा की भावना

(IV) परोपकार की भावना

विकल्प :

(A) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(B) कथन (I), (II) और (III) सही हैं ।

(C) कथन (I), (III) और (IV) सही हैं ।

(D) केवल कथन (IV) सही है ।

उत्तर **(B)** कथन (I), (II) और (III) सही हैं।

भाग 5

रचनात्मक लेखन : प्रकारवार प्रश्न

अनुच्छेद-लेखन

CBSE अंक-योजना के अनुसार मूल्यांकन-बिंदु

- भूमिका = 1 अंक
- विषयवस्तु = 3 अंक
- निष्कर्ष = 1 अंक
- भाषा-शुद्धता = 1 अंक (2025–26 की अंक-योजना; कुल 6 अंक)
- दिए गए संकेत-बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा-प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाते हैं।
- प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक नहीं काटे जाते; सामान्य अशुद्धियों पर भी अंक नहीं काटे जाते।

उत्तर का प्रारूप

1. भूमिका (2–3 वाक्य) — विषय का परिचय।
2. विषयवस्तु — प्रश्न में दिए सभी संकेत-बिंदुओं का क्रम से विस्तार, एक ही अनुच्छेद में।
3. निष्कर्ष (1–2 वाक्य) — सार या संदेश। शब्द-सीमा लगभग 120 शब्द।

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आत्मनिर्भर भारत

- आत्मनिर्भरता आवश्यक क्यों?
- अभियान का प्रभाव
- बाधाएँ और सुझाव

आदर्श उत्तर

आत्मनिर्भर भारत का अर्थ है – अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरे देशों पर कम-से-कम निर्भर रहना। कोरोना महामारी ने सिखाया कि संकट के समय वही देश टिकता है जो अपनी ज़रूरत का सामान स्वयं बना सके। इसी सोच से 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' प्रारंभ हुआ। इसके प्रभाव से देश में मोबाइल, दवाओं, रक्षा-उपकरणों और खिलौनों का उत्पादन बढ़ा है, छोटे उद्योगों को बल मिला है और 'वोकल फ़ॉर लोकल' की भावना जगी है। फिर भी पूँजी और आधुनिक तकनीक की कमी तथा सस्ते विदेशी माल की होड़ बड़ी बाधाएँ हैं। यदि हम कौशल-विकास पर ध्यान दें, गुणवत्ता सुधारें और स्वदेशी वस्तुएँ अपनाएँ तो भारत सचमुच आत्मनिर्भर बन सकता है।

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

ऑनलाइन खरीदारी: व्यापार का बदलता स्वरूप

- वर्तमान में इसकी अनिवार्यता
- सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव
- सुझाव

आदर्श उत्तर

इंटरनेट ने व्यापार का स्वरूप ही बदल दिया है। आज सुई से लेकर कार तक सब कुछ मोबाइल के एक बटन से घर पहुँच जाता है। व्यस्त जीवन, समय की कमी और महामारी के अनुभव ने ऑनलाइन खरीदारी को लगभग अनिवार्य बना दिया है। इसके अनेक लाभ हैं – घर बैठे ढेरों विकल्प, दामों की तुलना, छूट और समय की बचत। छोटे कारीगरों को भी देश-भर के ग्राहक मिलने लगे हैं। पर इसके नकारात्मक पक्ष भी हैं – नकली या ख़राब सामान, ऑनलाइन ठगी, फ़िज़ूलख़र्ची की आदत और स्थानीय दुकानदारों का घटता व्यापार। अतः विश्वसनीय वेबसाइट से ही, आवश्यकता के अनुसार और सोच-समझकर खरीदारी करनी चाहिए।

प्रश्न 3 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

जैविक (ऑर्गेनिक) खेती: एक कदम प्रकृति की ओर

- समय की माँग
- सकारात्मक प्रभाव
- कठिनाइयाँ, सुझाव

आदर्श उत्तर

रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग ने हमारी मिट्टी, पानी और भोजन – तीनों को विषैला बना दिया है। ऐसे में जैविक खेती समय की माँग है। इसमें गोबर की खाद, केंचुआ-खाद और नीम जैसे प्राकृतिक कीटनाशकों का प्रयोग होता है। इससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, भू-जल प्रदूषित नहीं होता और मनुष्य को पौष्टिक व रसायन-मुक्त अन्न मिलता है। जैविक उपज के दाम भी अच्छे मिलते हैं। कठिनाई यह है कि प्रारंभ में उपज कम होती है, प्रमाणीकरण जटिल है और किसानों को जानकारी का अभाव है। सरकार प्रशिक्षण, अनुदान और बाज़ार उपलब्ध कराए तो जैविक खेती सचमुच प्रकृति की ओर लौटने का सुंदर कदम बन सकती है।

प्रश्न 4 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

पर्यावरण संरक्षण: समय की माँग

- मानव और पर्यावरण में अटूट संबंध
- संरक्षण की आवश्यकता क्यों?
- संरक्षण की योजनाओं का प्रभाव
- सुझाव

आदर्श उत्तर

मानव और पर्यावरण का संबंध अटूट है। हवा, पानी, मिट्टी और पेड़-पौधों के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। पर विकास की अंधी दौड़ में मनुष्य ने जंगल काटे, नदियों को गंदा किया और हवा में ज़हर घोल दिया। परिणाम सामने है – बढ़ता तापमान, पिघलते हिमनद, बाढ़, सूखा और नई-नई बीमारियाँ। इसलिए पर्यावरण का संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी माँग है। सरकार ने वृक्षारोपण, स्वच्छ भारत, नमामि गंगे और प्लास्टिक पर रोक जैसी योजनाएँ चलाई हैं, जिनका प्रभाव दिखने लगा है। फिर भी केवल योजनाएँ काफ़ी नहीं; हर नागरिक को पेड़ लगाने, पानी-बिजली बचाने और प्लास्टिक छोड़ने का संकल्प लेना होगा।

प्रश्न 5 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

एक भारत, श्रेष्ठ भारत

- योजना का प्रारंभ कब?
- ऐसी योजनाओं की आवश्यकता क्यों?
- विद्यालयों में इसे कार्य रूप में कैसे लाया गया?
- प्रभाव

आदर्श उत्तर

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' योजना की घोषणा 31 अक्टूबर 2015 को सरदार पटेल की जयंती पर की गई थी। भारत विविधताओं का देश है – यहाँ भाषा, वेश-भूषा, खान-पान और रीति-रिवाज़ हर कुछ कोस पर बदल जाते हैं। इस विविधता में एकता बनाए रखने के लिए ऐसी योजनाएँ आवश्यक हैं। इसके अंतर्गत राज्यों की जोड़ियाँ बनाई गई हैं, जो एक-दूसरे की भाषा और संस्कृति को जानती-समझती हैं। विद्यालयों में इसे भाषा-संगम, दूसरे राज्य के लोक-नृत्य, व्यंजन-उत्सव और शैक्षणिक भ्रमण के रूप में लागू किया गया। इसके प्रभाव से विद्यार्थियों में दूसरे प्रदेशों के प्रति अपनापन, सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना मज़बूत हुई है।

प्रश्न 6 **2022 टर्म-II** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

ऑनलाइन शिक्षा: शिक्षा जगत में नवीन क्रांति

- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनिवार्यता
- सकारात्मक प्रभाव
- कमियाँ
- सुझाव

आदर्श उत्तर

ऑनलाइन शिक्षा ने पढ़ाई को कक्षा की चारदीवारी से निकालकर मोबाइल और कंप्यूटर तक पहुँचा दिया है। महामारी के समय जब विद्यालय बंद थे, तब यही माध्यम पढ़ाई का सहारा बना और अनिवार्य हो गया। इसके सकारात्मक प्रभाव अनेक हैं – घर बैठे देश के श्रेष्ठ शिक्षकों से पढ़ने का अवसर, रिकॉर्ड किए गए पाठ बार-बार देखने की सुविधा और समय व धन की बचत। पर इसकी कमियाँ भी हैं – ग़रीब और ग्रामीण विद्यार्थियों के पास साधनों का अभाव, नेटवर्क की समस्या, आँखों पर ज़ोर और शिक्षक-छात्र के सीधे संवाद की कमी। अतः आवश्यक है कि सबको सस्ता इंटरनेट और उपकरण मिलें तथा ऑनलाइन और कक्षा-शिक्षण का संतुलित मेल अपनाया जाए।

प्रश्न 7 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

वन संरक्षण: प्राथमिकता

- मनुष्य और वन में अटूट संबंध
- संरक्षण प्रथम आवश्यकता क्यों?
- वन संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों का प्रभाव
- सुझाव

आदर्श उत्तर

मनुष्य और वन का संबंध माँ और संतान जैसा है। वन हमें प्राणवायु, वर्षा, फल, औषधियाँ और लकड़ी देते हैं; वे असंख्य जीवों का घर हैं और मिट्टी को बहने से रोकते हैं। पर बढ़ती आबादी, उद्योगों और सड़कों के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। इसका परिणाम बाढ़, सूखा, बढ़ता तापमान और लुप्त होते वन्य-जीव हैं। इसीलिए वन-संरक्षण आज हमारी प्रथम आवश्यकता है। सरकार के वन महोत्सव, वृक्षारोपण अभियान, राष्ट्रीय उद्यानों और कड़े क़ानूनों से वन-क्षेत्र में कुछ वृद्धि हुई है। फिर भी हमें काग़ज़ और लकड़ी की बचत करनी चाहिए तथा हर वर्ष कम-से-कम एक पेड़ लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए।

प्रश्न 8 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

स्वरोजगार: एक कदम विकास की ओर

- स्वरोजगार की आवश्यकता क्यों?
- भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
- बाधाएँ
- सुझाव

आदर्श उत्तर

स्वरोज़गार का अर्थ है – नौकरी खोजने के बजाय अपना काम स्वयं शुरू करना। हमारे देश में युवाओं की संख्या बहुत अधिक है और सबको नौकरी मिलना संभव नहीं; इसलिए स्वरोज़गार आवश्यक है। जब कोई युवा दुकान, डेयरी, सिलाई-केंद्र या स्टार्ट-अप शुरू करता है तो वह स्वयं ही नहीं कमाता, दूसरों को भी काम देता है। इससे उत्पादन बढ़ता है, गाँवों से पलायन रुकता है और देश की अर्थव्यवस्था मज़बूत होती है। इस राह में पूँजी की कमी, प्रशिक्षण का अभाव और असफलता का डर बड़ी बाधाएँ हैं। सरकार की मुद्रा-ऋण और कौशल-विकास योजनाओं का लाभ उठाकर तथा धैर्य और परिश्रम से काम करके युवा विकास की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

प्रश्न 9 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

मोबाइल: शिक्षा जगत में क्रांति का आधार

- वर्तमान में शिक्षा जगत में इसकी अनिवार्यता
- सकारात्मक प्रभाव
- दुष्प्रभाव
- सुझाव

आदर्श उत्तर

आज मोबाइल केवल बातचीत का साधन नहीं, चलता-फिरता विद्यालय बन गया है। ऑनलाइन कक्षाएँ, शैक्षिक ऐप, ई-पुस्तकें और वीडियो-पाठ – सब इसी पर उपलब्ध हैं; इसलिए शिक्षा-जगत में इसकी अनिवार्यता बढ़ गई है। इसके सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट हैं – दूर-दराज़ के विद्यार्थी भी अच्छे शिक्षकों से पढ़ पाते हैं, किसी भी शंका का समाधान तुरंत मिल जाता है और पढ़ाई रोचक बन जाती है। पर इसके दुष्प्रभाव भी कम नहीं – खेलों और सोशल मीडिया की लत, आँखों की कमज़ोरी, एकाग्रता में कमी और अनुचित सामग्री तक पहुँच। अतः मोबाइल का प्रयोग सीमित समय के लिए, केवल पढ़ाई के उद्देश्य से और अभिभावकों की देख-रेख में होना चाहिए।

प्रश्न 10 **2022 टर्म-II** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

कोरोना काल के सहयात्री

- कोराना महामारी का आरंभ और प्रसार
- गत दो वर्षों में जीवन का स्वरूप
- जीवन-यात्रा में साथ देने वाले व्यक्ति और वस्तुएँ

आदर्श उत्तर

सन् 2019 के अंत में चीन के वुहान शहर से शुरू हुई कोरोना महामारी देखते-ही-देखते पूरे विश्व में फैल गई। तालाबंदी लगी तो सड़कें सूनी हो गईं और जीवन घरों में सिमट गया। दो वर्षों तक विद्यालय बंद रहे, पढ़ाई ऑनलाइन हुई, मास्क और दो गज़ की दूरी जीवन का अंग बन गए। इस कठिन यात्रा में कुछ सहयात्री हमेशा याद रहेंगे – परिवार, जिसके साथ पहली बार इतना समय बिताया; डॉक्टर, नर्सें और सफ़ाई-कर्मी, जिन्होंने जान जोखिम में डालकर सेवा की; और मोबाइल-इंटरनेट, जिसने हमें पढ़ाई और अपनों से जोड़े रखा। पुस्तकें और घर के पौधे भी सच्चे साथी बने। इस काल ने हमें स्वास्थ्य, संबंधों और प्रकृति का मूल्य सिखा दिया।

प्रश्न 11 **2022 टर्म-II** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

पॉलीथिन थैलियों पर अनिवार्य प्रतिबंध

- पॉलीथिन थैलियों का प्रचलन, प्रसार
- प्रतिबंध की आवश्यकता
- सरकार और आम आदमी के सहयोग

आदर्श उत्तर

सस्ती, हल्की और सुविधाजनक होने के कारण पॉलीथिन की थैलियाँ हमारे जीवन में बुरी तरह घुल-मिल गई हैं। सब्ज़ी से लेकर दूध तक, हर चीज़ इन्हीं में आती है। पर यही सुविधा अब अभिशाप बन गई है। पॉलीथिन सैकड़ों वर्षों तक नहीं गलती; यह नालियों को जाम करती है, मिट्टी की उर्वरता नष्ट करती है और इसे खाकर गाय आदि पशु मर जाते हैं। जलाने पर इससे ज़हरीली गैसें निकलती हैं। इसलिए इस पर अनिवार्य प्रतिबंध आवश्यक है। सरकार ने एकल-उपयोग प्लास्टिक पर रोक लगाई है, पर क़ानून तभी सफल होगा जब आम आदमी सहयोग करे। हमें कपड़े या जूट का थैला साथ रखने की आदत डालनी चाहिए।

प्रश्न 12 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का दौर

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्या है? कैसे काम करती है?
- वर्तमान में इसका प्रचार-प्रसार अधिक कैसे हुआ?
- इसके लाभ और खतरे, हमारे जीवन पर प्रभाव

आदर्श उत्तर

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) वह तकनीक है जिसमें मशीनें मनुष्य की तरह सोचने, सीखने और निर्णय लेने लगती हैं। कंप्यूटर को बहुत बड़ी मात्रा में आँकड़े देकर प्रशिक्षित किया जाता है, जिनके आधार पर वह प्रश्नों के उत्तर देता, चित्र बनाता और भाषा समझता है। चैटबॉट, मोबाइल के सहायक, ऑनलाइन अनुवाद और स्वचालित कारों के कारण इसका प्रचार-प्रसार तेज़ी से बढ़ा है। इसके लाभ अनेक हैं – चिकित्सा में सटीक जाँच, शिक्षा में व्यक्तिगत मार्गदर्शन, खेती और उद्योगों में अधिक उत्पादन। पर ख़तरे भी हैं – नौकरियों में कमी, झूठी सूचनाएँ और नकली वीडियो, निजता पर संकट और मनुष्य की सोचने की क्षमता का घटना। अतः इसका प्रयोग विवेक और नियमों के साथ होना चाहिए।

प्रश्न 13 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

बुजुर्गों के प्रति हमारी जिम्मेदारी • हमारे समाज में बुजुर्गों की वर्तमान स्थिति बुजुर्गों के प्रति वर्तमान स्थिति के कारण बतौर समुदाय हमारी जवाबदेही आपके द्वारा बदलाव के कुछ सुझाव

आदर्श उत्तर

बुज़ुर्ग हमारे परिवार की जड़ें हैं, पर आज समाज में उनकी स्थिति चिंताजनक है। अनेक बुज़ुर्ग अपने ही घर में उपेक्षित हैं; कुछ वृद्धाश्रमों में अकेलेपन का जीवन बिता रहे हैं। इसके कारण हैं – संयुक्त परिवारों का टूटना, नौकरी के लिए बच्चों का दूर चले जाना, व्यस्त जीवन और बढ़ता स्वार्थ। एक समुदाय के रूप में हमारी जवाबदेही है कि जिन हाथों ने हमें चलना सिखाया, उन्हें बुढ़ापे में सहारा दें। बदलाव के लिए मेरा सुझाव है कि हम रोज़ कुछ समय उनके साथ बिताएँ, निर्णयों में उनकी राय लें, उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखें और बच्चों को उनका सम्मान करना सिखाएँ। मोहल्लों में 'वरिष्ठ नागरिक क्लब' भी बनाए जा सकते हैं।

प्रश्न 14 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

उम्मीद पर दुनिया कायम • जीवन में कठिन दौर और उसका सामना पराजय और संघर्ष की अनिवार्यता हार के बाद भी आशा की किरण बने रहना जब तक उम्मीद है तब तक अंत नहीं

आदर्श उत्तर

जीवन में सुख-दुख धूप-छाँव की तरह आते-जाते रहते हैं। कठिन दौर हर किसी के जीवन में आता है – कभी परीक्षा में असफलता, कभी बीमारी, कभी आर्थिक संकट। ऐसे समय में घबराने के बजाय धैर्य से उसका सामना करना चाहिए। पराजय और संघर्ष जीवन के अनिवार्य अंग हैं; बिना गिरे कोई चलना नहीं सीखता। हार के बाद भी जो आशा का दीप जलाए रखता है, वही अंत में जीतता है। किसान सूखे के बाद भी अगली फसल बोता है क्योंकि उसे वर्षा की उम्मीद है। एडीसन हज़ार बार असफल होकर भी बल्ब बनाने में सफल हुए। सच है – रात कितनी भी लंबी हो, सवेरा अवश्य होता है। उम्मीद पर ही दुनिया क़ायम है।

प्रश्न 15 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'परहित सरिस धर्म नहीं' • दूसरों का हित करना परहित में क्या-क्या शामिल? परहित क्यों धर्म है? परहित से लाभ और सुझाव

आदर्श उत्तर

तुलसीदास ने कहा है – 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई', अर्थात् दूसरों की भलाई के समान कोई धर्म नहीं। परहित का अर्थ है बिना किसी स्वार्थ के दूसरों का हित करना। इसमें भूखे को भोजन देना, रोगी की सेवा, निर्धन विद्यार्थी की सहायता, रक्तदान, पेड़ लगाना और संकट में किसी का साथ देना – सब शामिल है। यह धर्म इसलिए है कि सभी धर्मों का सार मानवता है। प्रकृति भी यही सिखाती है – वृक्ष फल स्वयं नहीं खाते, नदियाँ अपना जल नहीं पीतीं। परहित से समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ता है तथा करने वाले को ऐसा आत्मिक सुख मिलता है जो धन से नहीं ख़रीदा जा सकता।

प्रश्न 16 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

मेरे सपनों का देश देश और देशवासियों का अनोखा संबंध मेरी कल्पनाओं का देश -- खूबियाँ और मंज़िलें देश-निर्माण में बतौर नागरिक मेरा योगदान हमें किन प्रयासों की जरूरत है?

आदर्श उत्तर

देश और देशवासियों का संबंध शरीर और प्राण जैसा अनोखा होता है; देश से ही हमारी पहचान है। मेरी कल्पना का भारत ऐसा देश है जहाँ कोई भूखा न सोए, हर बच्चा विद्यालय जाए और हर हाथ को काम मिले। वहाँ नदियाँ निर्मल हों, हवा स्वच्छ हो और गाँव-शहर दोनों में अच्छे अस्पताल हों। जाति, धर्म या लिंग के नाम पर कोई भेदभाव न हो; महिलाएँ निडर होकर आगे बढ़ें। विज्ञान और खेलों में भारत विश्व में सबसे आगे हो – यही मेरी मंज़िलें हैं। इस देश-निर्माण में मेरा योगदान यह होगा कि मैं मन लगाकर पढ़ूँ, ईमानदार नागरिक बनूँ, नियमों का पालन करूँ, स्वच्छता रखूँ और किसी एक निर्धन बच्चे को पढ़ाऊँ।

प्रश्न 17 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

ऑनलाइन शिक्षा और शिक्षार्थियों की मूल-भूत आवश्यकताएँ • शिक्षार्थियों की मूल आवश्यकताएँ ऑनलाइन माध्यम: पहुँच और सीमाएँ किन मूल आवश्यकताओं की पूर्ति ऑनलाइन से असंभव उससे मिला सबक

आदर्श उत्तर

किसी भी शिक्षार्थी की कुछ मूल आवश्यकताएँ होती हैं – अच्छे शिक्षक का मार्गदर्शन, पुस्तकें, पढ़ने का शांत वातावरण, साथियों का संग और खेल-कूद के अवसर। ऑनलाइन शिक्षा ने इनमें से कुछ को सुलभ बनाया है; अब दूर-दराज़ का विद्यार्थी भी श्रेष्ठ शिक्षकों और ढेरों अध्ययन-सामग्री तक पहुँच सकता है। पर इस माध्यम की पहुँच सब तक समान नहीं है। निर्धन परिवारों के पास स्मार्टफ़ोन, इंटरनेट और बिजली का अभाव है। साथ ही स्क्रीन पर लंबे समय तक पढ़ने से एकाग्रता और स्वास्थ्य प्रभावित होते हैं तथा प्रयोगशाला, खेल और सामूहिक गतिविधियों की कमी रहती है। अतः ऑनलाइन शिक्षा तभी सार्थक है जब हर शिक्षार्थी को साधन मिलें और इसे कक्षा-शिक्षण के पूरक के रूप में अपनाया जाए।

प्रश्न 18 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

दूर के ढोल सुहावने लगते हैं दूर से कोई वस्तु/बात आकर्षक प्रतीत होती है • अनजाने/अपरिचय का आकर्षण और जानने से उत्पन्न परेशानी दूर का आकर्षण नजदीक की समस्या • सोच-समझकर किसी आकर्षण को अपनाना

आदर्श उत्तर

'दूर के ढोल सुहावने लगते हैं' – इस लोकोक्ति का अर्थ है कि दूर से हर वस्तु या बात आकर्षक लगती है, पर पास जाने पर उसकी वास्तविकता कुछ और निकलती है। जिस चीज़ से हम अपरिचित होते हैं, उसके प्रति मन में सहज आकर्षण होता है। गाँव के युवक को शहर की चमक-दमक स्वर्ग जैसी लगती है, पर वहाँ पहुँचकर भीड़, प्रदूषण और अकेलेपन का पता चलता है। विदेश का जीवन, फ़िल्मी दुनिया या दूसरों की नौकरी –

सब दूर से ही सुहावने दिखते हैं। इसलिए किसी भी चीज़ के बारे में पूरी जानकारी लिए बिना निर्णय नहीं लेना चाहिए। जो हमारे पास है, उसका मूल्य समझना और संतुष्ट रहना ही समझदारी है।

प्रश्न 19 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आज़ादी का अमृत महोत्सव • शुरुआत कब और कहाँ • विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम • नए संकल्प • भारत की पहचान

आदर्श उत्तर

देश की आज़ादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मनाया गया। इसकी शुरुआत 12 मार्च 2021 को गुजरात के साबरमती आश्रम से हुई, जहाँ से गांधीजी ने दांडी यात्रा आरंभ की थी। इसके अंतर्गत देश-भर में अनेक कार्यक्रम हुए – 'हर घर तिरंगा' अभियान, गुमनाम स्वतंत्रता-सेनानियों का स्मरण, प्रभात-फेरियाँ, प्रदर्शनियाँ, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएँ। इस अवसर पर देश ने नए संकल्प लिए – विकसित भारत का निर्माण, ग़ुलामी की मानसिकता से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और नागरिक कर्तव्यों का पालन। इस महोत्सव ने नई पीढ़ी को स्वतंत्रता का मूल्य समझाया और विश्व के सामने आत्मविश्वास से भरे नए भारत की पहचान रखी।

प्रश्न 20 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

ऑनलाइन खरीददारी: समय की माँग • ऑनलाइन खरीददारी से अभिप्राय • बदलते समय की आवश्यकता • खरीददारी करते समय संयम की आवश्यकता • खरीददारी के समय सावधानियाँ

आदर्श उत्तर

ऑनलाइन खरीदारी का अर्थ है – इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे वस्तुएँ ख़रीदना। मोबाइल पर सामान चुनिए, भुगतान कीजिए और कुछ ही दिनों में वह आपके द्वार पर होगा। बदलते समय में यह एक आवश्यकता बन गई है, क्योंकि लोगों के पास बाज़ार जाने का समय कम है। इसमें ढेरों विकल्प, दामों की तुलना और आकर्षक छूट मिलती है; बुज़ुर्गों और दूर-दराज़ के लोगों के लिए तो यह वरदान है। पर खरीदारी करते समय संयम बहुत आवश्यक है। छूट के लालच में अनावश्यक चीज़ें नहीं ख़रीदनी चाहिए। केवल विश्वसनीय वेबसाइट चुनें, वस्तु की समीक्षाएँ पढ़ें, वापसी की शर्तें देखें और अपने बैंक की जानकारी किसी से साझा न करें।

प्रश्न 21 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

मधुर वचन हैं औषधि • शांति देने वाले • उदाहरण (प्रकृति और आस-पास से) • भाईचारा और प्रेम • व्यक्तित्व में निखार

आदर्श उत्तर

कहा गया है – 'मधुर वचन है औषधि, कटुक वचन है तीर।' मीठे बोल दुखी मन पर मरहम का काम करते हैं और सुनने वाले को शांति देते हैं। प्रकृति में देखिए – कोयल और कौआ दोनों काले हैं, पर कोयल अपनी मीठी कूक के कारण सबको प्रिय है। हमारे आस-पास भी वही दुकानदार, शिक्षक या पड़ोसी सबका चहेता होता है जो विनम्रता से बोलता है। मधुर वाणी से आपसी झगड़े मिटते हैं तथा भाईचारा और प्रेम बढ़ता है। इससे बोलने वाले के व्यक्तित्व में भी निखार आता है; लोग उसका सम्मान करते हैं और उसके काम सहज ही बन जाते हैं। इसलिए हमें सदा सोच-समझकर, मीठा और सच्चा बोलना चाहिए।

प्रश्न 22 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

इंटरनेट: सूचनाओं की खान तकनीक का अद्भुत वरदान इंटरनेट क्रांति सूचना स्रोत प्रयोग के लिए सजगता

आदर्श उत्तर

इंटरनेट आधुनिक तकनीक का अद्भुत वरदान है। इसने पूरी दुनिया को एक छोटे-से मोबाइल में समेट दिया है। इंटरनेट-क्रांति के कारण आज गाँव का विद्यार्थी भी वही जानकारी पा सकता है जो बड़े शहर के पुस्तकालय में मिलती है। यह सचमुच सूचनाओं की खान है – पढ़ाई की सामग्री, समाचार, मौसम, चिकित्सा, रेल-टिकट, बैंकिंग और मनोरंजन, सब कुछ एक क्लिक पर उपलब्ध है। पर खान में हीरे के साथ कंकड़ भी

होते हैं। इंटरनेट पर झूठी ख़बरें, ठगी के जाल और अनुचित सामग्री भी भरी पड़ी है। इसलिए इसके प्रयोग में सजगता आवश्यक है – केवल विश्वसनीय स्रोतों पर भरोसा करें, निजी जानकारी साझा न करें और समय की सीमा तय रखें।

प्रश्न 23 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

जब आवत संतोष धन, सब धन धूरि समान मानव इच्छाओं का कोई अंत नहीं संतोष धन ही सच्चा धन • संतुष्टि और प्रसन्नता • लालसा नियंत्रण

आदर्श उत्तर

कबीर कहते हैं – 'जब आवत संतोष धन, सब धन धूरि समान।' मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं है। साइकिल वाला स्कूटर चाहता है, स्कूटर वाला कार और कार वाला हवाई जहाज़। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी जन्म ले लेती है और मनुष्य जीवन-भर दौड़ता रहता है। ऐसे में संतोष ही सच्चा धन है। जो अपने परिश्रम से प्राप्त वस्तुओं में प्रसन्न रहना जानता है, वही वास्तव में धनवान है। संतुष्टि और प्रसन्नता का गहरा संबंध है; असंतुष्ट व्यक्ति महल में भी दुखी रहता है, जबकि संतोषी झोंपड़ी में भी सुख की नींद सोता है। संतोष का अर्थ प्रयास छोड़ना नहीं, बल्कि लालच और ईर्ष्या से मुक्त रहकर आगे बढ़ना है।

प्रश्न 24 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

जब मैं नाटक के संवाद भूल गया/गई नाटक प्रस्तुति • पहली बार मंच पर • अध्यापिका/अध्यापक और मित्रों द्वारा उत्साहवर्धन सफलतापूर्वक समाप्ति और सराहना

आदर्श उत्तर

पिछले वर्ष वार्षिकोत्सव पर हमारी कक्षा ने 'अंधेर नगरी' नाटक प्रस्तुत किया। मुझे राजा की भूमिका मिली थी और मैं पहली बार मंच पर उतरा था। परदा उठा, सामने सैकड़ों दर्शक और तेज़ रोशनी देखकर मेरे हाथ-पाँव काँपने लगे। दो संवाद तो मैंने बोल दिए, पर तीसरे पर आकर मेरा दिमाग़ बिल्कुल कोरा हो गया। कुछ क्षण सन्नाटा रहा; मुझे लगा कि सब मुझ पर हँसेंगे। तभी परदे के पीछे से अध्यापिका ने धीरे से पहला शब्द बोला और मंत्री बने मित्र ने मुस्कुराकर बात सँभाल ली। मेरा आत्मविश्वास लौट आया और नाटक तालियों के साथ पूरा हुआ। उस दिन मैंने सीखा कि घबराहट स्वाभाविक है, पर अभ्यास और साथियों का सहयोग हर मुश्किल आसान कर देता है।

प्रश्न 25 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

आज़ाद देश के 75 साल और भविष्य की उम्मीदें • 0 _ 75 वर्ष के बाद देश का वर्तमान • भविष्य के लक्ष्य • लक्ष्य पाने के रास्ते • नागरिकों का दायित्व

आदर्श उत्तर

भारत की आज़ादी को 75 वर्ष से अधिक हो चुके हैं। इन वर्षों में देश ने लंबी यात्रा तय की है। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है; हम अन्न के मामले में आत्मनिर्भर हैं, चंद्रमा और मंगल तक पहुँच चुके हैं और डिजिटल भुगतान में दुनिया को राह दिखा रहे हैं। फिर भी ग़रीबी, बेरोज़गारी, प्रदूषण और असमानता जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भविष्य के हमारे लक्ष्य हैं – 2047 तक विकसित भारत, सबके लिए अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य, स्वच्छ ऊर्जा और महिलाओं की बराबर भागीदारी। इन्हें पाने के लिए कौशल-विकास, अनुसंधान, ईमानदार प्रशासन और हर नागरिक की ज़िम्मेदार भूमिका आवश्यक है।

प्रश्न 26 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है • जीवन और संघर्ष क्या है? • संघर्ष: सफलता का मूलमंत्र

आदर्श उत्तर

जीवन फूलों की सेज नहीं है; वह निरंतर चलने वाली यात्रा है और इस यात्रा में आने वाली बाधाओं से जूझना ही संघर्ष है। जन्म लेते ही शिशु साँस लेने के लिए संघर्ष करता है; बीज मिट्टी को चीरकर ही पौधा बनता है। संघर्ष ही सफलता का मूलमंत्र है। सोना आग में तपकर ही कुंदन

बनता है। अब्दुल कलाम ने अख़बार बेचकर पढ़ाई की और देश के राष्ट्रपति बने। राह में असफलता भी मिलती है, जिससे निराशा घेर लेती है; पर असफलता अंत नहीं, अनुभव है। उसका सामना अपनी कमियाँ पहचानकर, धैर्य रखकर और दुगुने उत्साह से फिर प्रयास करके किया जा सकता है। जो संघर्ष से घबराता नहीं, जीत उसी की होती है।

प्रश्न 27 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

समय होत सबसे बलवान • समय/काल का महत्त्व • सुख-दुख का आवागमन • समय की बारीकी को समझना और उसके अनुसार कार्य करना • बुरे समय में भी हार न मानना

आदर्श उत्तर

'समय होत सबसे बलवान' – यह उक्ति जीवन का बड़ा सत्य है। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता; बीता हुआ क्षण लाख प्रयत्न करने पर भी नहीं लौटता। काल के सामने राजा और रंक सब बराबर हैं – समय पलटते ही राजा भिखारी और निर्धन धनवान बन जाता है। सुख और दुख भी समय के साथ आते-जाते रहते हैं; इसलिए सुख में इतराना और दुख में घबराना नहीं चाहिए। बुद्धिमान वही है जो समय की बारीकी को समझकर उसके अनुसार कार्य करे। किसान समय पर बीज न बोए तो फसल नहीं होती; विद्यार्थी समय पर न पढ़े तो परीक्षा में पछताता है। अतः हमें हर क्षण का सदुपयोग करना चाहिए।

प्रश्न 28 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3) • **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

साइबर सुरक्षा: जागरूकता ही समाधान • साइबर सुरक्षा का अर्थ • वर्तमान में चर्चा का कारण • जागरूकता का प्रभाव

आदर्श उत्तर

आज हमारा जीवन इंटरनेट से जुड़ा है – पढ़ाई, बैंकिंग, खरीदारी, सब ऑनलाइन है। साइबर सुरक्षा का अर्थ है अपने कंप्यूटर, मोबाइल, आँकड़ों और निजी जानकारी को ऑनलाइन चोरी और हमलों से बचाना। यह विषय इसलिए चर्चा में है कि ऑनलाइन ठगी, खातों की हैकिंग, नकली कॉल और 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी घटनाएँ तेज़ी से बढ़ी हैं। अपराधी लोगों की अज्ञानता का ही लाभ उठाते हैं; इसलिए जागरूकता ही इसका समाधान है। जो व्यक्ति जानता है कि ओ.टी.पी. और पासवर्ड किसी को नहीं बताने, अनजान लिंक नहीं खोलने और मज़बूत पासवर्ड रखने हैं, वह ठगी से बच जाता है। जागरूक नागरिक धोखाधड़ी की सूचना तुरंत 1930 पर देकर दूसरों को भी बचाते हैं।

प्रश्न 29 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

सौर ऊर्जा: सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा भूमिका, स्रोत, देश के लिए क्यों आवश्यक, लाभ

आदर्श उत्तर

ऊर्जा के बिना आधुनिक जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। कोयला और पेट्रोल जैसे साधन सीमित हैं और प्रदूषण फैलाते हैं; ऐसे में सौर ऊर्जा आशा की किरण है। इसका स्रोत सूर्य है, जो अनंत काल तक निःशुल्क प्रकाश और ताप देता रहेगा। सौर पैनल इस प्रकाश को बिजली में बदल देते हैं। भारत जैसे देश के लिए, जहाँ वर्ष में तीन सौ दिन धूप खिली रहती है, यह विशेष रूप से आवश्यक है – इससे तेल के आयात पर ख़र्च घटेगा और गाँव-गाँव बिजली पहुँचेगी। इसके लाभ अनेक हैं – यह स्वच्छ है, धुआँ नहीं देती, एक बार पैनल लगाने पर वर्षों लगभग मुफ़्त बिजली मिलती है और बिजली का बिल घट जाता है।

प्रश्न 30 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस भूमिका, उद्देश्य, संसार की लगभग आधी आबादी, महिलाओं की स्थिति पर प्रभाव

आदर्श उत्तर

हर वर्ष 8 मार्च को पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना और समाज में बराबरी का वातावरण बनाना है। महिलाएँ संसार की लगभग आधी आबादी हैं; यदि आधी

आबादी ही पीछे रह जाए तो कोई समाज आगे नहीं बढ़ सकता। घर से लेकर खेत, कार्यालय, खेल के मैदान और अंतरिक्ष तक महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। इस दिवस ने उनकी स्थिति पर सकारात्मक प्रभाव डाला है – शिक्षा, समान वेतन और सुरक्षा पर चर्चा बढ़ी है तथा अनेक योजनाएँ बनी हैं। फिर भी सच्चा सम्मान तभी होगा जब हम हर दिन उन्हें बराबरी का दर्जा दें।

प्रश्न 31 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

बढ़ती जनसंख्या: गहराता संकट भूमिका, वर्तमान में चर्चा का कारण, संकट कैसे, समाधान

आदर्श उत्तर

जनसंख्या किसी देश की शक्ति भी है और समस्या भी। भारत अब विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है; इसी कारण यह विषय फिर चर्चा में है। जनसंख्या जिस गति से बढ़ रही है, उस गति से संसाधन नहीं बढ़ सकते। यह संकट कई रूपों में दिखता है – बेरोज़गारी, महँगाई, आवास और पानी की कमी, भीड़-भरे अस्पताल और विद्यालय, कटते जंगल और बढ़ता प्रदूषण। खेतों की ज़मीन घट रही है और शहरों पर बोझ बढ़ रहा है। इसका समाधान शिक्षा में है – विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा में। छोटे परिवार के लाभों के प्रति जागरूकता, स्वास्थ्य-सेवाओं का विस्तार और युवाओं को कौशल देकर इस आबादी को शक्ति में बदला जा सकता है।

प्रश्न 32 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

हरित ऊर्जा: सुरक्षित भविष्य भूमिका, अर्थ, प्रभाव, समस्याएँ, समाधान

आदर्श उत्तर

बढ़ते प्रदूषण और घटते ईंधन-भंडार के बीच हरित ऊर्जा ही सुरक्षित भविष्य की कुंजी है। हरित ऊर्जा वह ऊर्जा है जो सूर्य, हवा, जल और जैविक कचरे जैसे प्राकृतिक व नवीकरणीय स्रोतों से मिलती है और पर्यावरण को हानि नहीं पहुँचाती। इसके प्रयोग से वायु स्वच्छ रहती है, वैश्विक ताप घटता है और देश तेल के आयात से मुक्त होता है। पर इस राह में समस्याएँ भी हैं – सौर पैनल और पवन-चक्कियाँ लगाने का प्रारंभिक ख़र्च अधिक है, बिजली के भंडारण की तकनीक महँगी है और धूप-हवा हर समय उपलब्ध नहीं रहती। समाधान यह है कि सरकार अनुदान दे, अनुसंधान बढ़ाए और हम घरों की छतों पर सौर पैनल तथा बिजली से चलने वाले वाहन अपनाएँ।

प्रश्न 33 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

सोशल मीडिया: जागरूकता आवश्यक भूमिका, वर्तमान स्थिति, जागरूकता की आवश्यकता क्यों, प्रभाव

आदर्श उत्तर

सोशल मीडिया आज हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। वर्तमान स्थिति यह है कि बच्चे से लेकर बूढ़े तक घंटों फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर बिताते हैं। यह सूचना और संपर्क का शक्तिशाली माध्यम है, पर इसके प्रति जागरूकता बहुत आवश्यक है, क्योंकि यहाँ झूठी ख़बरें आग की तरह फैलती हैं, ठग नकली खातों से लोगों को फँसाते हैं और निजी चित्रों का दुरुपयोग होता है। इसकी लत से पढ़ाई, नींद और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। जागरूक उपयोगकर्ता किसी भी संदेश को आगे भेजने से पहले उसकी सच्चाई परखता है, निजी जानकारी सुरक्षित रखता है और समय की सीमा तय करता है। तभी यह माध्यम वरदान बन सकता है।

प्रश्न 34 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

निष्पक्ष मीडिया: सफल लोकतंत्र का आधार • भूमिका अर्थ लोकतंत्र पर प्रभाव समस्याएँ समाधान

आदर्श उत्तर

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। निष्पक्ष मीडिया का अर्थ है – बिना किसी दबाव, लालच या पक्षपात के सच्चाई को जनता के सामने रखना। लोकतंत्र में जनता ही सरकार चुनती है और सही निर्णय के लिए उसे सही सूचना चाहिए। निष्पक्ष मीडिया सरकार की कमियाँ उजागर करता है, जनता की आवाज़ शासन तक पहुँचाता है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाता है। पर आज इसके सामने कई समस्याएँ हैं –

विज्ञापन और टी.आर.पी. की होड़, सनसनी फैलाने की प्रवृत्ति, राजनीतिक व व्यावसायिक दबाव और झूठी ख़बरें। समाधान यह है कि पत्रकार अपने धर्म का पालन करें, मीडिया-संस्थान आचार-संहिता अपनाएँ और दर्शक भी विवेक से सच और झूठ में अंतर करना सीखें।

प्रश्न 35 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

परोपकार ही सच्चा धर्म है • परोपकार का अर्थ मनुष्य का उत्तम गुण प्रकृति से उदाहरण सच्चे आनंद का स्रोत

आदर्श उत्तर

परोपकार दो शब्दों से बना है – 'पर' और 'उपकार', अर्थात् दूसरों की भलाई करना। निःस्वार्थ भाव से किसी की सहायता करना मनुष्य का सबसे उत्तम गुण है; इसी से वह पशु से भिन्न कहलाता है। प्रकृति स्वयं परोपकार की सबसे बड़ी शिक्षिका है – वृक्ष अपने फल स्वयं नहीं खाते, नदियाँ अपना जल स्वयं नहीं पीतीं, सूर्य सबको समान रूप से प्रकाश देता है और बादल धरती की प्यास बुझाने के लिए बरसते हैं। दधीचि ने देवताओं के लिए अपनी अस्थियाँ तक दान कर दी थीं। परोपकार सच्चे आनंद का स्रोत है; किसी भूखे को भोजन कराने या रोगी की सेवा करने पर जो संतोष मिलता है, वह किसी धन से नहीं मिल सकता।

प्रश्न 36 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

विश्व पर्यावरण दिवस • भूमिका क्या क्यों पर्यावरण पर प्रभाव

आदर्श उत्तर

पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है; इसकी रक्षा के प्रति सबको जागरूक करने के लिए हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र ने सन् 1972 में की थी। इस दिन का उद्देश्य लोगों को यह याद दिलाना है कि धरती केवल हमारी नहीं, आने वाली पीढ़ियों की भी है। बढ़ते प्रदूषण, कटते जंगलों और बदलती जलवायु को देखते हुए यह दिवस अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर विद्यालयों और संस्थाओं में वृक्षारोपण, स्वच्छता-अभियान, रैलियाँ और प्रतियोगिताएँ होती हैं। इनसे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है – लोग प्लास्टिक कम करने, पानी बचाने और पेड़ लगाने का संकल्प लेते हैं। हमें हर दिन को पर्यावरण दिवस मानना चाहिए।

प्रश्न 37 **2024** (3/4/1)

लड़की पढ़े तो घर शिक्षित हो जाए • आवश्यकता • घर का शिक्षित होना • समाज का शिक्षित होना

आदर्श उत्तर

कहा जाता है – एक लड़के को पढ़ाने से एक व्यक्ति शिक्षित होता है, पर एक लड़की को पढ़ाने से पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है। आज भी अनेक परिवारों में बेटियों की पढ़ाई को ज़रूरी नहीं समझा जाता, जबकि इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। पढ़ी-लिखी लड़की जब माँ बनती है तो वह बच्चों की पहली शिक्षिका होती है; वह उनके स्वास्थ्य, पोषण और संस्कारों का ध्यान रखती है, घर का हिसाब सँभालती है और अंधविश्वासों से परिवार को बचाती है। इस प्रकार पूरा घर शिक्षित हो जाता है। शिक्षित महिलाएँ आत्मनिर्भर बनकर समाज में बाल-विवाह और दहेज जैसी कुरीतियों का विरोध करती हैं। जब घर-घर शिक्षित होगा तो समाज और देश अपने-आप शिक्षित हो जाएगा।

प्रश्न 38 **2024** (3/4/1)

खेलें खेल, खेल-भावना से • खेल-भावना • खेल अनुशासन की पहचान • खेल वही जो मेल बढ़ाए

आदर्श उत्तर

खेल केवल जीतने के लिए नहीं खेले जाते; खेल का असली आनंद खेल-भावना में है। खेल-भावना का अर्थ है – नियमों का पालन करना, जीत पर घमंड न करना, हार को मुस्कुराकर स्वीकार करना और विरोधी खिलाड़ी का भी सम्मान करना। खेल अनुशासन की पहचान हैं; मैदान में समय की पाबंदी, कप्तान की बात मानना और निर्णायक के निर्णय को स्वीकार करना हमें जीवन का अनुशासन सिखाता है। सच्चा खेल वही है

जो मेल बढ़ाए। जब दो टीमें मैच के बाद हाथ मिलाती हैं तो मन की दूरियाँ मिट जाती हैं; खेलों ने देशों के बीच भी मित्रता के पुल बनाए हैं। इसलिए हमें जीत-हार से ऊपर उठकर सदा खेल-भावना से खेलना चाहिए।

प्रश्न 39 2024 (3/4/1)

विज्ञान के बढ़ते क़दम • हर तरफ़ विज्ञान का बोलबाला • सहज जीवन • वैज्ञानिक उड़ान

आदर्श उत्तर

आज का युग विज्ञान का युग है। सुबह अलार्म की घंटी से लेकर रात के बल्ब तक, हर तरफ़ विज्ञान का बोलबाला है। रसोई की गैस, मोबाइल, मेट्रो, अस्पताल की मशीनें – सब विज्ञान की देन हैं। इसने जीवन को बहुत सहज बना दिया है; जो यात्रा महीनों में होती थी, वह घंटों में हो जाती है, असाध्य रोगों का इलाज संभव है और दुनिया-भर की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध है। विज्ञान की उड़ान अब धरती तक सीमित नहीं रही – मनुष्य चाँद पर पहुँच चुका है, मंगल पर यान भेज रहा है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से नई दुनिया रच रहा है। आवश्यकता बस इतनी है कि इन बढ़ते क़दमों का प्रयोग मानव-कल्याण के लिए हो, विनाश के लिए नहीं।

प्रश्न 40 2024 (3/4/2)

कंधे से कंधा मिलाकर चलती नारी • समान भागीदारी • कमतर नहीं • जगत जननी

आदर्श उत्तर

आज की नारी घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं है; वह हर क्षेत्र में पुरुष के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर चल रही है। शिक्षा, चिकित्सा, सेना, राजनीति, खेल, विज्ञान और व्यापार – हर जगह उसकी समान भागीदारी है। वह लड़ाकू विमान उड़ा रही है, अंतरिक्ष में जा रही है और बड़ी कंपनियों का नेतृत्व कर रही है। किसी भी दृष्टि से वह पुरुष से कमतर नहीं; परीक्षा-परिणामों से लेकर ओलंपिक के पदकों तक उसने यह सिद्ध किया है। इतना ही नहीं, वह जगत-जननी है – सृष्टि को जन्म देने वाली, घर को सँभालने वाली और संतान को संस्कार देने वाली। जो समाज नारी को बराबरी का अवसर और सम्मान देता है, वही सच्चे अर्थों में उन्नति करता है।

प्रश्न 41 2024 (3/4/2)

मेरा प्रिय खेल हॉकी • खेल का परिचय • क्यों प्रिय • खेल-भावना

आदर्श उत्तर

खेल मनुष्य को स्वस्थ और प्रसन्न रखते हैं; मेरा प्रिय खेल हॉकी है। यह ग्यारह-ग्यारह खिलाड़ियों की दो टीमों के बीच घास या कृत्रिम मैदान पर खेला जाता है, जिसमें मुड़ी हुई स्टिक से गेंद को विरोधी टीम के गोल में डालना होता है। हॉकी मुझे इसलिए प्रिय है कि इसमें गति, फुर्ती और सूझ-बूझ – तीनों की परीक्षा होती है। यह खेल भारत के गौरव से जुड़ा है; मेजर ध्यानचंद के समय भारत ने ओलंपिक में अनेक स्वर्ण पदक जीते। हॉकी हमें खेल-भावना सिखाती है – अकेला खिलाड़ी कुछ नहीं कर सकता; सबको मिलकर, नियमों का पालन करते हुए खेलना होता है। जीत हो या हार, विरोधी से हाथ मिलाना इस खेल की सुंदर परंपरा है।

प्रश्न 42 2024 (3/4/2)

वैश्विक ऊष्मीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) • क्या है • कारण और प्रभाव

आदर्श उत्तर

पृथ्वी के औसत तापमान में लगातार हो रही वृद्धि को वैश्विक ऊष्मीकरण या ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। इसका मुख्य कारण वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों का बढ़ना है। कारख़ानों और वाहनों का धुआँ, कोयले-पेट्रोल का अंधाधुंध प्रयोग और जंगलों की कटाई इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। ये गैसें सूर्य की गरमी को धरती पर ही रोक लेती हैं। इसके प्रभाव भयावह हैं – हिमनद पिघल रहे हैं, समुद्र का जल-स्तर बढ़ रहा है,

कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा पड़ रहा है, गरमी के नए कीर्तिमान बन रहे हैं और अनेक जीव-जंतु लुप्त हो रहे हैं। इससे बचने के लिए हमें अधिक पेड़ लगाने होंगे, सौर ऊर्जा अपनानी होगी और ईंधन की बचत करनी होगी।

प्रश्न 43 2024 (3/4/3)

अब अबला नहीं सबला है नारी • बदलता समय • किसी से कम नहीं • नारी के बढ़ते क़दम

आदर्श उत्तर

एक समय था जब नारी को 'अबला' कहा जाता था – वह घर की चारदीवारी में बंद, अशिक्षित और दूसरों पर निर्भर थी। पर समय बदल गया है। शिक्षा और क़ानून ने उसे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाया है। आज की नारी किसी से कम नहीं; वह डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट, सैनिक, वैज्ञानिक और खिलाड़ी के रूप में अपनी क्षमता सिद्ध कर चुकी है। देश की राष्ट्रपति से लेकर गाँव की सरपंच तक के पदों पर महिलाएँ आसीन हैं। नारी के क़दम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं – स्वयं-सहायता समूहों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएँ भी आत्मनिर्भर बन रही हैं। अब वह अन्याय सहती नहीं, उसका डटकर सामना करती है। सचमुच, आज की नारी अबला नहीं, सबला है।

प्रश्न 44 2024 (3/4/3)

खेलों की ओर बढ़ता रुझान • खेलों का महत्त्व • सोच का बदलना • खेलों को बढ़ावा

आदर्श उत्तर

खेल जीवन का आवश्यक अंग हैं। इनसे शरीर स्वस्थ रहता है, मन प्रसन्न रहता है और अनुशासन, धैर्य तथा मिल-जुलकर काम करने के गुण विकसित होते हैं। पहले माना जाता था – 'खेलोगे-कूदोगे तो होगे ख़राब', पर अब यह सोच बदल गई है। ओलंपिक और एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की सफलता ने दिखा दिया है कि खेल भी सम्मान और रोज़गार का अच्छा माध्यम हैं। अब माता-पिता स्वयं बच्चों को खेल-अकादमियों में भेजने लगे हैं। खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 'खेलो इंडिया' जैसी योजनाएँ, छात्रवृत्तियाँ और नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की है। विद्यालयों में भी मैदान और प्रशिक्षक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह रुझान स्वस्थ भारत का शुभ संकेत है।

प्रश्न 45 2024 (3/4/3)

छिज रही ओज़ोन की परत • ओज़ोन का जीवन संकट में कुदरत के तंबू में छेद • संकट से उबारना होगा

आदर्श उत्तर

पृथ्वी के वायुमंडल में ओज़ोन गैस की एक परत है जो सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को धरती तक आने से रोकती है। यह धरती का सुरक्षा-कवच है, पर आज यही संकट में है। फ़्रिज, ए.सी. और स्प्रे में प्रयोग होने वाली गैसों ने कुदरत के इस तंबू में छेद कर दिया है; अंटार्कटिका के ऊपर यह छेद सबसे पहले देखा गया। परत के छीजने से त्वचा का कैंसर, आँखों के रोग, फसलों की हानि और समुद्री जीवों पर संकट बढ़ रहा है। हमें धरती को इस संकट से उबारना होगा। इसके लिए हानिकारक गैसों का प्रयोग बंद करना, पर्यावरण-अनुकूल उपकरण अपनाना और अधिक-से-अधिक पेड़ लगाना आवश्यक है। 16 सितंबर को ओज़ोन दिवस इसी जागरूकता के लिए मनाया जाता है।

प्रश्न 46 2024 (3/5/1)

महिला सशक्तीकरण • आवश्यकता • समाज में बदलाव • देश का विकास

आदर्श उत्तर

महिला सशक्तीकरण का अर्थ है महिलाओं को इतना सक्षम बनाना कि वे अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकें। इसकी आवश्यकता इसलिए है कि सदियों तक उन्हें शिक्षा, संपत्ति और निर्णय के अधिकार से वंचित रखा गया; आज भी भेदभाव, घरेलू हिंसा और असुरक्षा जैसी समस्याएँ मौजूद हैं। जब महिलाएँ शिक्षित और आत्मनिर्भर होती हैं तो समाज में बड़ा बदलाव आता है – बाल-विवाह और दहेज जैसी कुरीतियाँ घटती हैं,

बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य सुधरता है तथा परिवार की आय बढ़ती है। देश के विकास के लिए भी यह अनिवार्य है, क्योंकि आधी आबादी को पीछे छोड़कर कोई राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाएँ इसी दिशा में सार्थक कदम हैं।

प्रश्न 47 **2024** (3/5/1)

खेल वही जो मेल बढ़ाए • खेल-भावना है ज़रूरी • परस्पर मेल • अनुशासन

आदर्श उत्तर

खेल का उद्देश्य केवल हार-जीत नहीं, आपसी मेल-जोल बढ़ाना है। इसके लिए खेल-भावना सबसे ज़रूरी है। जो खिलाड़ी नियमों का पालन करता है, हार को सहजता से स्वीकार करता है और विरोधी का सम्मान करता है, वही सच्चा खिलाड़ी है। खेल परस्पर मेल बढ़ाते हैं; एक ही टीम में अलग-अलग जाति, धर्म और प्रदेश के खिलाड़ी कंधे-से-कंधा मिलाकर खेलते हैं और सारे भेद भूल जाते हैं। मोहल्ले का क्रिकेट हो या ओलंपिक – खेल लोगों और देशों को जोड़ने का काम करते हैं। खेल हमें अनुशासन भी सिखाते हैं – समय पर अभ्यास, कप्तान की आज्ञा का पालन और निर्णायक के निर्णय का सम्मान। जो खेल झगड़ा बढ़ाए, वह खेल नहीं; खेल वही, जो मेल बढ़ाए।

प्रश्न 48 **2024** (3/5/1)

प्रकृति बनाम विज्ञान • प्रकृति की अहमियत • विज्ञान की आवश्यकता दोनों में संतुलन अनिवार्य

आदर्श उत्तर

प्रकृति हमारी जननी है। हवा, पानी, धूप, अन्न और औषधियाँ – जीवन की हर आवश्यकता प्रकृति ही पूरी करती है; उसके बिना हमारा अस्तित्व संभव नहीं। दूसरी ओर विज्ञान ने मनुष्य के जीवन को सुविधाजनक बनाया है। चिकित्सा, यातायात, संचार और खेती में विज्ञान के बिना आज काम नहीं चल सकता; बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिए भी उसकी आवश्यकता है। समस्या तब होती है जब विज्ञान का प्रयोग प्रकृति के शोषण के लिए किया जाता है – जंगल कटते हैं, नदियाँ दूषित होती हैं और परमाणु अस्त्र बनते हैं। इसलिए दोनों में संतुलन अनिवार्य है। विज्ञान प्रकृति का शत्रु नहीं, सहयोगी बने; सौर ऊर्जा और जैविक खेती जैसी तकनीकें इसी संतुलन की राह दिखाती हैं।

प्रश्न 49 **2024** (3/5/2)

मेरा प्रिय खेल - क्रिकेट • क्रिकेट खेल का परिचय और लाभ • खेल-भावना टीम खेल

आदर्श उत्तर

क्रिकेट मेरा प्रिय खेल है। यह ग्यारह-ग्यारह खिलाड़ियों की दो टीमों के बीच बल्ले और गेंद से खेला जाता है; एक टीम बल्लेबाज़ी कर रन बनाती है और दूसरी गेंदबाज़ी व क्षेत्ररक्षण से उसे रोकती है। इस खेल से शरीर चुस्त रहता है, एकाग्रता बढ़ती है और तुरंत निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। क्रिकेट खेल-भावना का सुंदर उदाहरण है – अंपायर का निर्णय मानना, अच्छे खेल पर विरोधी की भी प्रशंसा करना और हार-जीत को समान भाव से लेना इसकी परंपरा है। यह पूरी तरह टीम का खेल है; एक बल्लेबाज़ या गेंदबाज़ अकेला मैच नहीं जिता सकता। सबके सहयोग, तालमेल और कप्तान के नेतृत्व से ही जीत मिलती है।

प्रश्न 50 **2024** (3/5/2)

महिला दिवस • कब और क्यों आवश्यकता • सामाजिक परिवर्तन और प्रेरणा

आदर्श उत्तर

महिला दिवस हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत बीसवीं सदी के आरंभ में हुई, जब महिला-श्रमिकों ने काम के उचित घंटों, समान वेतन और मतदान के अधिकार के लिए आवाज़ उठाई थी। बाद में संयुक्त राष्ट्र ने इसे अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता दी। इसकी आवश्यकता इसलिए है कि आज भी अनेक स्थानों पर महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा और बराबरी के अवसर नहीं मिलते। यह दिन समाज को

उनकी क्षमता और योगदान की याद दिलाता है। इससे सामाजिक परिवर्तन को गति मिलती है – बेटियों की शिक्षा पर ध्यान बढ़ा है और क़ानून मज़बूत हुए हैं। सफल महिलाओं की कहानियाँ नई पीढ़ी की बालिकाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।

प्रश्न 51 2024 (3/5/2)

चंद्रयान 3 की उड़ान • परिचय • चंद्रयान 3 का लक्ष्य • कब भरी उड़ान • होने वाले लाभ

आदर्श उत्तर

चंद्रयान-3 भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का तीसरा चंद्र-अभियान है, जिसने पूरे देश का सिर गर्व से ऊँचा कर दिया। इसका लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित उतरना, रोवर को चलाना और वहाँ वैज्ञानिक प्रयोग करना था। इसने 14 जुलाई 2023 को श्रीहरिकोटा से उड़ान भरी और 23 अगस्त 2023 को इसका 'विक्रम' लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफलतापूर्वक उतरा। ऐसा करने वाला भारत विश्व का पहला देश बना। 'प्रज्ञान' रोवर ने वहाँ की मिट्टी में गंधक जैसे तत्वों की खोज की। इस अभियान से चंद्रमा पर पानी और खनिजों की जानकारी मिलेगी, भविष्य के अभियानों की राह खुलेगी और युवाओं में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ेगी।

प्रश्न 52 2024 (3/5/3)

घर की स्तंभ है नारी • कैसे • घर की आधारशिला घरेलू-मोतियों को जोड़ने वाला धागा

आदर्श उत्तर

जिस प्रकार स्तंभ के बिना भवन खड़ा नहीं रह सकता, उसी प्रकार नारी के बिना घर की कल्पना नहीं की जा सकती। वह माँ, बहन, पत्नी और बेटी के रूप में घर को सँभालती है। सुबह सबसे पहले उठकर और रात को सबसे बाद में सोकर वह हर सदस्य की आवश्यकता का ध्यान रखती है। वही घर की आधारशिला है – बच्चों को पहला संस्कार, पहला अक्षर और पहला सहारा उसी से मिलता है। आज वह घर के साथ बाहर की ज़िम्मेदारियाँ भी निभा रही है। परिवार के सदस्य मोतियों की तरह हैं और नारी वह धागा है जो इन्हें एक माला में पिरोए रखती है; रूठों को मनाना और सबको जोड़े रखना उसी का काम है। इसलिए उसका सम्मान हमारा कर्तव्य है।

प्रश्न 53 2024 (3/5/3)

मेरा प्रिय खेल फुटबॉल • फुटबॉल के खेल का परिचय • प्रिय क्यों • खेल-भावना

आदर्श उत्तर

फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है और मेरा भी प्रिय खेल यही है। यह ग्यारह-ग्यारह खिलाड़ियों की दो टीमों के बीच नब्बे मिनट तक खेला जाता है। खिलाड़ी पैरों से गेंद को आगे बढ़ाकर विरोधी टीम के गोल में डालने का प्रयास करते हैं; केवल गोलरक्षक हाथ का प्रयोग कर सकता है। यह खेल मुझे इसलिए प्रिय है कि इसमें निरंतर दौड़ना पड़ता है, जिससे शरीर मज़बूत और फुर्तीला बनता है; इसके लिए महँगे सामान की भी आवश्यकता नहीं – बस एक गेंद और मैदान चाहिए। फुटबॉल खेल-भावना सिखाता है – रेफ़री के निर्णय का सम्मान, साथी को पास देकर गोल का अवसर बनाना और मैच के बाद विरोधी से गले मिलना। यह सचमुच टीम-भावना का खेल है।

प्रश्न 54 2024 (3/5/3)

अंतरिक्ष पर्यटन • जल्द ही मिलेगा बढ़ावा • मनोरंजक सैर • रोमांचक यात्रा

आदर्श उत्तर

अब तक पर्यटन का अर्थ पहाड़, समुद्र या विदेश की सैर था, पर विज्ञान ने एक नया द्वार खोल दिया है – अंतरिक्ष पर्यटन। कुछ निजी कंपनियाँ आम यात्रियों को अंतरिक्ष की सैर कराने लगी हैं और जल्द ही इसे और बढ़ावा मिलेगा। जैसे-जैसे तकनीक सस्ती होगी, यह केवल धनवानों तक सीमित नहीं रहेगा। यह एक मनोरंजक सैर होगी – यात्री भारहीनता का अनुभव करेंगे, हवा में तैरेंगे और खिड़की से नीली, गोल पृथ्वी को

निहारेंगे। रॉकेट की गर्जना के साथ कुछ ही मिनटों में वायुमंडल को पार कर जाना किसी रोमांचक सपने जैसा होगा। इससे विज्ञान के प्रति रुचि और रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे; पर सुरक्षा और पर्यावरण का ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक होगा।

प्रश्न 55 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

डिजिटल दौर में मानवीय संपर्क • मानवीय संपर्कों और संबंधों की आवश्यकता बढ़ते डिजिटल दौर में वास्तविक संबंधों में कमी और वायवीय (वर्चुअल) संबंधों के रूप वर्तमान समय की माँग

आदर्श उत्तर

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। सुख-दुख बाँटने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए उसे दूसरों के साथ और अपनेपन की आवश्यकता होती है; मानवीय संबंधों के बिना जीवन नीरस है। आज के डिजिटल दौर में हमारे सैकड़ों ऑनलाइन 'मित्र' हैं, पर पड़ोसी का नाम तक नहीं पता। एक ही घर में बैठे लोग अपने-अपने मोबाइल में खोए रहते हैं। संदेश और इमोजी उस स्पर्श, मुस्कान और साथ का स्थान नहीं ले सकते जो आमने-सामने की भेंट में मिलता है; इसी कारण अकेलापन और अवसाद बढ़ रहे हैं। तकनीक संपर्क का साधन है, संबंध का विकल्प नहीं। इसलिए हमें परिवार के साथ बैठकर भोजन करना चाहिए, मित्रों से मिलना चाहिए और उत्सवों में मोबाइल से दूर रहकर वास्तविक संबंधों को समय देना चाहिए।

प्रश्न 56 **2025** (3/1/1, 3/1/3)

पारंपरिक खान-पान के लाभ • पारंपरिक खान-पान क्या है? भोजन में स्थानीय पदार्थों का महत्त्व क्यों होता है? • स्वास्थ्य की दृष्टि से इसका महत्त्व

आदर्श उत्तर

पारंपरिक खान-पान वह भोजन है जो हमारे पूर्वज पीढ़ियों से खाते आए हैं – दाल-रोटी, खिचड़ी, दलिया, छाछ, मोटे अनाज, मौसमी सब्ज़ियाँ और घर के बने अचार-चटनी। इसमें स्थानीय पदार्थों का विशेष महत्त्व है, क्योंकि जो अन्न और फल-सब्ज़ी हमारे क्षेत्र की जलवायु में उगते हैं, वही हमारे शरीर के सबसे अनुकूल होते हैं; वे ताज़ा, सस्ते और रसायनों से अपेक्षाकृत मुक्त भी होते हैं। यह भोजन संतुलित और सुपाच्य होता है तथा मोटापे, मधुमेह और हृदय-रोगों से बचाता है। इसके विपरीत पिज़्ज़ा-बर्गर जैसा डिब्बाबंद भोजन स्वाद तो देता है, पर स्वास्थ्य बिगाड़ता है। अतः हमें अपनी थाली में फिर से पारंपरिक व्यंजनों को स्थान देना चाहिए।

प्रश्न 57 **2025** (3/1/2, 3/1/3)

पुस्तकें आज भी हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं • अच्छी पुस्तकें कैसे एक अच्छे मित्र की तरह होती हैं। वर्तमान समय में भी पुस्तकों की जगह बची हुई है। उम्र के हर मोड़ पर अलग-अलग तरह की पुस्तकें मददगार होती हैं।

आदर्श उत्तर

अच्छी पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह होती हैं। वे बिना किसी स्वार्थ के हमें ज्ञान देती हैं, अकेलेपन में साथ निभाती हैं, दुख में धीरज बँधाती हैं और सही-ग़लत का मार्ग दिखाती हैं; वे न कभी रूठती हैं, न धोखा देती हैं। आज के समय में मोबाइल और इंटरनेट ने पढ़ने की आदत कम कर दी है; लोग छोटे वीडियो और संदेशों में उलझे रहते हैं। फिर भी पुस्तकों का महत्त्व घटा नहीं है। स्क्रीन की जानकारी क्षणिक होती है, जबकि पुस्तक से मिला ज्ञान गहरा और स्थायी होता है; पढ़ने से एकाग्रता, कल्पना-शक्ति और भाषा तीनों निखरती हैं। इसलिए हमें रोज़ कुछ समय अच्छी पुस्तकों के साथ बिताना चाहिए और पुस्तकालय से मित्रता करनी चाहिए।

प्रश्न 58 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

शहरीकरण और प्रदूषण की समस्या • शहरीकरण का अभिप्राय शहर प्रदूषण के लिए अधिक ज़िम्मेदार कैसे? • विकास की गति को बनाए रखकर भी प्रदूषण पर नियंत्रण कैसे करें?

आदर्श उत्तर

शहरीकरण का अर्थ है गाँवों से लोगों का रोज़गार और सुविधाओं की खोज में शहरों में आकर बसना तथा शहरों का निरंतर फैलना। शहर प्रदूषण के लिए अधिक ज़िम्मेदार हैं – यहाँ लाखों वाहनों और कारख़ानों का धुआँ हवा को ज़हरीला बनाता है, गंदा पानी नदियों में गिरता है, कूड़े के पहाड़ खड़े हो जाते हैं और शोर चैन छीन लेता है। पेड़ कटकर कंक्रीट के जंगल बन जाते हैं। विकास की तेज़ गति में हम यह भूल जाते हैं कि स्वच्छ हवा-पानी के बिना सुविधाएँ व्यर्थ हैं। इसलिए विकास और पर्यावरण में संतुलन आवश्यक है। सार्वजनिक परिवहन, हरित क्षेत्र, कचरा-प्रबंधन और गाँवों में ही रोज़गार के अवसर बढ़ाकर इस समस्या को कम किया जा सकता है।

प्रश्न 59 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

शारीरिक श्रम: स्वास्थ्य का आधार • आधुनिक जीवन-शैली के चलते घटता शारीरिक श्रम • स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक श्रम की आवश्यकता • शारीरिक श्रम से होने वाले लाभ

आदर्श उत्तर

आधुनिक जीवन-शैली ने हमें आराम तो दिया है, पर शारीरिक श्रम छीन लिया है। लिफ़्ट, गाड़ियाँ, मशीनें और घंटों कुर्सी पर बैठकर किया जाने वाला काम – इन सबके कारण शरीर की हलचल बहुत घट गई है। परिणाम है – मोटापा, मधुमेह, रक्तचाप और कमर-दर्द जैसी बीमारियाँ, जो अब बच्चों तक में दिखने लगी हैं। स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक श्रम अनिवार्य है; इससे रक्त-संचार ठीक रहता है, पाचन सुधरता है, नींद अच्छी आती है और मन भी प्रसन्न रहता है। इसके लिए जिम जाना ज़रूरी नहीं – सुबह की सैर, योग, साइकिल चलाना, सीढ़ियाँ चढ़ना, बाग़वानी और घर के काम स्वयं करना भी उत्तम श्रम है। श्रम करने वाला शरीर ही स्वस्थ जीवन का आधार है।

प्रश्न 60 **2025** (3/2/1)

सफलता के बदलते मानदंड • वर्तमान में सफल होने का अर्थ सफलता के पुराने निकष और वर्तमान में बदली कसौटियाँ बदलाव का समाज और नई पीढ़ी पर प्रभाव गाता 3 कब 333 3-43

आदर्श उत्तर

आज के समय में सफल होने का अर्थ प्रायः अधिक धन, ऊँचा पद, बड़ी गाड़ी और सोशल मीडिया पर लोकप्रियता से लगाया जाता है। पहले सफलता की कसौटियाँ कुछ और थीं – अच्छा चरित्र, ईमानदारी, विद्वत्ता, समाज में सम्मान और परिवार की ख़ुशहाली को सफलता माना जाता था। अब 'पैकेज' और 'फ़ॉलोअर' नई कसौटियाँ बन गए हैं। इन बदलते मानदंडों का प्रभाव यह हुआ है कि लोग दिन-रात प्रतिस्पर्धा में दौड़ रहे हैं; तनाव, तुलना और असंतोष बढ़ा है तथा परिवार के लिए समय नहीं बचा। कुछ लोग सफलता के लिए ग़लत रास्ते भी अपना लेते हैं। वास्तव में सच्ची सफलता वही है जिसमें उन्नति के साथ मन की शांति, अच्छा स्वास्थ्य और दूसरों का भला भी शामिल हो।

प्रश्न 61 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

नेतृत्व-कौशल: आवश्यक विशेषताएँ • नेतृत्व कौशल क्या है? उसके ज़रूरी गुण कैसे विकसित करें अपने भीतर ये गुण

आदर्श उत्तर

नेतृत्व-कौशल वह क्षमता है जिससे कोई व्यक्ति एक समूह को साथ लेकर किसी लक्ष्य की ओर बढ़ाता है। नेता वह नहीं जो केवल आदेश दे; नेता वह है जो राह दिखाए और स्वयं सबसे आगे चले। अच्छे नेतृत्व के लिए कुछ गुण ज़रूरी हैं – स्पष्ट सोच, आत्मविश्वास, ईमानदारी, सबकी बात सुनने का धैर्य, सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता और ज़िम्मेदारी स्वीकार करने का साहस। अच्छा नेता सफलता का श्रेय साथियों को देता है और असफलता का दायित्व स्वयं लेता है। ये गुण जन्मजात नहीं होते; इन्हें विकसित किया जा सकता है। कक्षा-प्रतिनिधि बनकर, खेल-टीम या किसी कार्यक्रम का संचालन करके, समूह में काम करके और महापुरुषों की जीवनियाँ पढ़कर हम अपने भीतर ये गुण जगा सकते हैं।

प्रश्न 62 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

बदल रहे हैं हमारे गाँव • आधुनिक सुविधाओं से युक्त • सोच में परिवर्तन • शहरी आबोहवा का असर

आदर्श उत्तर

'भारत की आत्मा गाँवों में बसती है' – और आज यह आत्मा नया रूप ले रही है। अब गाँव आधुनिक सुविधाओं से युक्त हो रहे हैं; पक्की सड़कें, बिजली, नल का जल, शौचालय, मोबाइल-इंटरनेट, बैंक और ऑनलाइन सेवाएँ गाँव-गाँव पहुँच चुकी हैं। किसान ट्रैक्टर और ड्रोन का प्रयोग करने लगे हैं। लोगों की सोच में भी परिवर्तन आया है – बेटियों को पढ़ाया जा रहा है, अंधविश्वास घट रहे हैं और महिलाएँ स्वयं-सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। पर शहरी आबोहवा का असर भी दिखने लगा है – पहनावा और खान-पान बदल रहा है, संयुक्त परिवार टूट रहे हैं तथा आपसी मेल-जोल और लोक-परंपराएँ कम हो रही हैं। विकास के साथ गाँव की सादगी और अपनापन भी बचा रहे, यही कामना है।

प्रश्न 63 **2025** (3/3/1)

सोशल मीडिया: एक धीमा ज़हर • सोशल मीडिया का प्रभाव और दुष्प्रभाव युवा-पीढ़ी की ऊर्जा का नाश • अकेलापन और दबाव गाता 3 कब 333 3-43

आदर्श उत्तर

सोशल मीडिया ने दुनिया को जोड़ा अवश्य है; इससे जानकारी मिलती है और अपनी बात कहने का मंच मिलता है। पर इसका दुष्प्रभाव धीमे ज़हर की तरह है, जो चुपचाप जीवन को खोखला करता है। युवा-पीढ़ी घंटों रील और पोस्ट देखने में बिता देती है; जो ऊर्जा पढ़ाई, खेल और कुछ नया रचने में लगनी चाहिए, वह स्क्रीन पर नष्ट हो जाती है। सैकड़ों ऑनलाइन मित्रों के बीच भी व्यक्ति भीतर से अकेला होता जाता है। दूसरों की चमकदार तस्वीरें देखकर तुलना, हीनता और अधिक 'लाइक' पाने का दबाव बढ़ता है, जो चिंता और अवसाद को जन्म देता है। इस ज़हर से बचने का उपाय है – समय की सीमा तय करना, वास्तविक मित्रों से मिलना और अपनी रुचियों को समय देना।

प्रश्न 64 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

जलवायु परिवर्तन: गहराता संकट • जलवायु परिवर्तन क्या है? • जलवायु परिवर्तन के कारण समस्या एवं समाधान

आदर्श उत्तर

किसी स्थान के मौसम के लंबे समय के औसत स्वरूप में आने वाले स्थायी बदलाव को जलवायु परिवर्तन कहते हैं। आज पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है और ऋतुओं का चक्र बिगड़ रहा है। इसके मुख्य कारण हैं – कोयले और पेट्रोल का अत्यधिक प्रयोग, कारख़ानों और वाहनों का धुआँ, जंगलों की कटाई और बढ़ती आबादी। इससे गंभीर समस्याएँ पैदा हो रही हैं – हिमनद पिघल रहे हैं, समुद्र का जल-स्तर बढ़ रहा है, बेमौसम वर्षा, बाढ़, सूखा और लू से फसलें नष्ट हो रही हैं तथा नई बीमारियाँ फैल रही हैं। समाधान हमारे हाथ में है – अधिक पेड़ लगाना, सौर और पवन ऊर्जा अपनाना, सार्वजनिक वाहनों का प्रयोग, बिजली-पानी की बचत और प्लास्टिक का त्याग।

प्रश्न 65 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

नारी सशक्तीकरण • नारी सशक्तीकरण का अर्थ • वर्तमान में इसकी आवश्यकता क्यों? • भारत में स्थिति एवं सुझाव

आदर्श उत्तर

नारी सशक्तीकरण का अर्थ है नारी को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता और निर्णय लेने का अधिकार देकर इतना समर्थ बनाना कि वह अपने जीवन की दिशा स्वयं तय कर सके। वर्तमान में इसकी आवश्यकता इसलिए है कि आज भी अनेक महिलाएँ भेदभाव, घरेलू हिंसा, असमान वेतन और असुरक्षा का सामना करती हैं; आधी आबादी के पिछड़े रहते देश आगे नहीं बढ़ सकता। भारत में स्थिति बदल रही है – महिलाएँ सेना, विज्ञान, खेल और राजनीति में आगे आई हैं; पंचायतों में उन्हें आरक्षण मिला है। फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत काम बाक़ी है। इसके लिए बालिका-शिक्षा को बढ़ावा, कौशल-प्रशिक्षण, कड़े क़ानूनों का पालन और सबसे बढ़कर समाज की सोच में बदलाव आवश्यक है।

प्रश्न 66 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

नैतिक शिक्षा: आज की आवश्यकता • नैतिक शिक्षा का अर्थ • वर्तमान में इसकी आवश्यकता क्यों? • प्रभाव एवं सुझाव

आदर्श उत्तर

नैतिक शिक्षा का अर्थ है वह शिक्षा जो हमें सही और ग़लत में अंतर करना सिखाए तथा सत्य, ईमानदारी, करुणा, अनुशासन और बड़ों के सम्मान जैसे मूल्यों का विकास करे। आज इसकी आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। अंकों और धन की अंधी दौड़ में विद्यार्थी मूल्य भूलते जा रहे हैं; नक़ल, झूठ, हिंसा, नशा और बड़ों का अनादर बढ़ रहा है। केवल किताबी ज्ञान मनुष्य को कुशल बना सकता है, अच्छा इंसान नहीं। नैतिक शिक्षा से चरित्र का निर्माण होता है, समाज में अपराध घटते हैं और आपसी विश्वास बढ़ता है। इसके लिए विद्यालयों में प्रेरक कहानियों, महापुरुषों की जीवनियों और सेवा-कार्यों को पाठ्यक्रम का अंग बनाना चाहिए; माता-पिता और शिक्षक स्वयं भी आदर्श प्रस्तुत करें।

प्रश्न 67 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

बढ़ते भूस्खलन: राष्ट्रीय संकट • भूस्खलन क्या है • भूस्खलन के कारण • प्रभाव एवं समाधान

आदर्श उत्तर

पहाड़ी ढलानों से मिट्टी, चट्टानों और मलबे का अचानक नीचे खिसक जाना भूस्खलन कहलाता है। हिमालयी राज्यों और पश्चिमी घाट में इसकी घटनाएँ लगातार बढ़ रही हैं और यह राष्ट्रीय संकट बन गया है। इसके प्राकृतिक कारण भारी वर्षा, बादल फटना और भूकंप हैं; पर मानव भी कम दोषी नहीं – जंगलों की कटाई, पहाड़ काटकर बनती सड़कें और सुरंगें, अनियोजित निर्माण और खनन ने पहाड़ों को कमज़ोर कर दिया है। इसके प्रभाव भयानक होते हैं – गाँव-के-गाँव मलबे में दब जाते हैं, जान-माल की भारी हानि होती है और सड़कें बंद हो जाती हैं। समाधान के लिए ढलानों पर वृक्षारोपण, वैज्ञानिक ढंग से निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और पूर्व-चेतावनी प्रणाली आवश्यक है।

प्रश्न 68 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

ओलंपिक - 2024 में भारत का प्रदर्शन • ओलंपिक खेलों का परिचय • कब और कहाँ • भारत का प्रदर्शन

आदर्श उत्तर

ओलंपिक विश्व की सबसे बड़ी खेल-प्रतियोगिता है, जो हर चार वर्ष में आयोजित होती है और जिसमें दो सौ से अधिक देशों के खिलाड़ी भाग लेते हैं। ओलंपिक-2024 का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक फ़्रांस की राजधानी पेरिस में हुआ। भारत की ओर से सौ से अधिक खिलाड़ियों का दल गया और देश ने कुल छह पदक जीते – एक रजत और पाँच कांस्य। नीरज चोपड़ा ने भाला-फेंक में रजत पदक जीता। निशानेबाज़ मनु भाकर ने दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा; स्वप्निल कुसाले को भी निशानेबाज़ी में कांस्य मिला। हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार कांस्य जीता और पहलवान अमन सहरावत ने भी कांस्य पदक पाया। कई खिलाड़ी बहुत कम अंतर से पदक से चूके; आगे और बेहतर प्रदर्शन की आशा है।

प्रश्न 69 **2025** (3/5/1, 3/5/3)

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव • सोशल मीडिया क्या है • वर्तमान पीढ़ी पर प्रभाव • बचाव हेतु सुझाव

आदर्श उत्तर

सोशल मीडिया इंटरनेट पर आधारित वे मंच हैं जिन पर लोग एक-दूसरे से जुड़ते और अपने विचार, चित्र व वीडियो साझा करते हैं – जैसे फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और व्हाट्सऐप। वर्तमान पीढ़ी पर इसका प्रभाव बहुत गहरा है। एक ओर इससे जानकारी, सीखने के अवसर और अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलता है; दूसरी ओर इसकी लत के कारण युवाओं का समय नष्ट होता है, पढ़ाई और नींद प्रभावित होती है, दिखावे और तुलना की प्रवृत्ति बढ़ती है तथा झूठी ख़बरें और साइबर-ठगी का ख़तरा रहता है। बचाव के लिए आवश्यक है कि हम इसके प्रयोग का समय निश्चित करें, निजी जानकारी साझा न करें, हर बात पर आँख मूँदकर विश्वास न करें और खेल तथा पुस्तकों को समय दें।

प्रश्न 70 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

पर्यावरण की आत्मा: वृक्ष • पर्यावरण क्या है • पर्यावरण में वृक्षों का महत्त्व • वृक्षारोपण अभियान

आदर्श उत्तर

हमारे चारों ओर का वह आवरण जिसमें हवा, पानी, मिट्टी, पेड़-पौधे और जीव-जंतु शामिल हैं, पर्यावरण कहलाता है। इस पर्यावरण की आत्मा वृक्ष हैं। वृक्ष हमें प्राणवायु देते हैं और ज़हरीली गैसों को सोखते हैं; वे वर्षा लाते हैं, मिट्टी का कटाव रोकते हैं, तापमान नियंत्रित रखते हैं और असंख्य पक्षियों व जीवों को आश्रय देते हैं। फल, फूल, औषधि और छाया तो उनका उपहार है ही। वृक्षों के बिना धरती मरुस्थल बन जाएगी। इसीलिए वृक्षारोपण अभियान चलाए जाते हैं – वन महोत्सव, 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अभियानों में करोड़ों पौधे लगाए जा रहे हैं। पर पौधा लगाना ही काफ़ी नहीं; उसे बड़ा होने तक पानी और सुरक्षा देना भी हमारा कर्तव्य है।

प्रश्न 71 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

डिजिटल इंडिया • डिजिटल इंडिया क्या है • डिजिटल होने के लाभ • सरकार द्वारा उठाए गए कदम

आदर्श उत्तर

'डिजिटल इंडिया' भारत सरकार का एक महत्त्वाकांक्षी अभियान है, जिसकी शुरुआत 1 जुलाई 2015 को हुई। इसका उद्देश्य देश के हर नागरिक तक इंटरनेट और सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन पहुँचाना है। डिजिटल होने के लाभ अनेक हैं – अब बिल भरना, टिकट बुक करना, प्रमाण-पत्र बनवाना और बैंक का काम घर बैठे मोबाइल से हो जाता है; समय बचता है, पारदर्शिता बढ़ती है और भ्रष्टाचार घटता है। यू.पी.आई. से चाय की दुकान तक पर डिजिटल भुगतान होने लगा है। सरकार ने इसके लिए कई कदम उठाए हैं – गाँवों तक ब्रॉडबैंड, आधार, डिजिलॉकर, उमंग ऐप और जन-सेवा केंद्र। आवश्यकता है कि हर नागरिक डिजिटल रूप से साक्षर बने और साइबर-सुरक्षा के प्रति सजग रहे।

प्रश्न 72 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

उत्तम स्वास्थ्य: सबसे बड़ा धन • स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन/विचार • स्वस्थ तन-मन से ही सभी कार्य संभव • स्वास्थ्य-रक्षा के लिए आवश्यक कदम

आदर्श उत्तर

कहा गया है – 'पहला सुख निरोगी काया।' स्वास्थ्य ही मनुष्य का सबसे बड़ा धन है, क्योंकि रोगी व्यक्ति के लिए धन-दौलत और सुख-सुविधाएँ सब व्यर्थ हैं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन और अच्छे विचार निवास करते हैं; बीमार शरीर मन को भी चिड़चिड़ा और निराश बना देता है। पढ़ाई हो, नौकरी हो या खेल – सभी कार्य स्वस्थ तन-मन से ही संभव हैं। इसलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारा पहला कर्तव्य है। इसके लिए कुछ सरल उपाय हैं – संतुलित और ताज़ा भोजन, प्रतिदिन व्यायाम या योग, पर्याप्त नींद, स्वच्छता, नशे और जंक फ़ूड से दूरी तथा प्रसन्न रहना। नियमित दिनचर्या अपनाने वाला व्यक्ति ही जीवन का सच्चा आनंद ले सकता है।

प्रश्न 73 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

जब मैंने बैंक में बचत खाता खुलवाया • खाता खुलवाने की प्रक्रिया की जानकारी आवश्यक दस्तावेज़ों सहित बैंक जाना • खाता खुलवाना और प्रसन्नता का अनुभव

आदर्श उत्तर

पिछले महीने मैंने पहली बार बैंक में अपना बचत खाता खुलवाया। पहले पिताजी ने मुझे पूरी प्रक्रिया समझाई और बैंक की वेबसाइट से जानकारी दिलाई। अगले दिन हम आधार कार्ड, जन्म-प्रमाणपत्र, विद्यालय का पहचान-पत्र और दो फ़ोटो लेकर बैंक पहुँचे। बैंक के अधिकारी ने मुस्कुराकर एक फ़ॉर्म दिया, जिसे मैंने स्वयं भरा – नाम, पता, हस्ताक्षर और नामित व्यक्ति का विवरण। पाँच सौ रुपये जमा कराने की पर्ची भी मैंने ही भरी। कुछ देर बाद मुझे अपनी पासबुक मिली, जिस पर मेरा नाम छपा था। उस क्षण मुझे बड़ा होने का अहसास हुआ। अब मैं अपनी जेब-ख़र्च की बचत उसमें जमा करता हूँ। इस अनुभव ने मुझे बचत का महत्त्व और बैंक का काम-काज सिखाया।

प्रश्न 74 **2026** (3/1/2, 3/1/3)

यात्राएँ हमें बेहतर मनुष्य बनाती हैं • सांस्कृतिक, भौगोलिक जानकारी • भिन्न परिवेश और मान्यताएँ • अनुभव की व्यापकता

आदर्श उत्तर

यात्रा केवल घूमना नहीं, चलती-फिरती पाठशाला है। यात्राओं से हमें सांस्कृतिक और भौगोलिक जानकारी मिलती है – पहाड़, नदियाँ, मरुस्थल और समुद्र हम अपनी आँखों से देखते हैं; अलग-अलग प्रदेशों की भाषा, भोजन, वेश-भूषा और त्योहारों को जानते हैं। जब हम भिन्न परिवेश और मान्यताओं वाले लोगों से मिलते हैं तो समझ आता है कि हमारा तरीक़ा ही अकेला सही तरीक़ा नहीं है; इससे मन की संकीर्णता मिटती है और सहनशीलता बढ़ती है। यात्रा में आने वाली कठिनाइयाँ – गाड़ी छूटना, अनजान जगह पर राह खोजना – हमें धैर्य, आत्मनिर्भरता और समस्या सुलझाना सिखाती हैं। इस प्रकार अनुभव जितना व्यापक होता है, मनुष्य उतना ही उदार, विनम्र और बेहतर बनता जाता है।

प्रश्न 75 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

प्राकृतिक आपदाएँ और मानव की भूमिका प्राकृतिक आपदाओं से आशय • वर्तमान समय में बढ़ने के कारण रोकथाम में मनुष्य की भूमिका

आदर्श उत्तर

प्रकृति के प्रकोप से अचानक होने वाली विनाशकारी घटनाओं – जैसे भूकंप, बाढ़, सूखा, चक्रवात, भूस्खलन और सुनामी – को प्राकृतिक आपदाएँ कहते हैं। वर्तमान समय में इनकी संख्या और तीव्रता बढ़ रही है, जिसके पीछे मनुष्य का बड़ा हाथ है। जंगलों की अंधाधुंध कटाई, नदियों के मार्ग में निर्माण, पहाड़ों को काटना, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ने प्रकृति का संतुलन बिगाड़ दिया है। इनकी रोकथाम में मनुष्य की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। हमें वृक्षारोपण करना, नदियों-तालाबों को अतिक्रमण से बचाना, भूकंप-रोधी भवन बनाना और पर्यावरण के अनुकूल विकास अपनाना चाहिए। साथ ही आपदा-प्रबंधन का प्रशिक्षण और पूर्व-चेतावनी प्रणाली जान-माल की हानि को बहुत कम कर सकती है।

प्रश्न 76 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

डिजिटल इंडिया और ग्रामीण समाज की चुनौतियाँ • डिजिटल इंडिया का आशय • ग्रामीण भारत में डिजिटलीकरण में आने वाली बाधाएँ डिजिटल इंडिया में शामिल करने के सुझाव

आदर्श उत्तर

डिजिटल इंडिया का आशय है – देश के हर नागरिक तक इंटरनेट पहुँचाकर सरकारी सेवाओं, बैंकिंग, शिक्षा और स्वास्थ्य को ऑनलाइन उपलब्ध कराना। शहरों में यह अभियान तेज़ी से सफल हुआ है, पर ग्रामीण भारत में इसके सामने कई चुनौतियाँ हैं। अनेक गाँवों में नेटवर्क कमज़ोर है और बिजली नियमित नहीं आती। बहुत-से ग्रामीणों के पास स्मार्टफ़ोन नहीं है; जिनके पास है, वे उसका सही प्रयोग नहीं जानते। अंग्रेज़ी में बनी वेबसाइटें और ऑनलाइन ठगी का डर भी बाधा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए गाँव-गाँव तक तेज़ इंटरनेट, स्थानीय भाषाओं में सेवाएँ, डिजिटल साक्षरता के शिविर और जन-सेवा केंद्रों का विस्तार आवश्यक है। तभी डिजिटल इंडिया का सपना पूरा होगा।

प्रश्न 77 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

एक रोमांचक मैच • मैच की जानकारी • खिलाड़ियों और दर्शकों की मनोदशा • मैच के रोमांचक क्षण

आदर्श उत्तर

पिछले रविवार हमारे विद्यालय और नगर के एक अन्य विद्यालय के बीच क्रिकेट का अंतिम मुक़ाबला हुआ। विरोधी टीम ने पहले खेलते हुए बीस ओवरों में 160 रन बनाए। जवाब में हमारी टीम के चार विकेट केवल चालीस रन पर गिर गए। खिलाड़ियों के चेहरे उतर गए और दर्शकों में सन्नाटा छा गया; मेरा दिल भी ज़ोर-ज़ोर से धड़क रहा था। तभी हमारे कप्तान ने मोर्चा सँभाला और चौकों-छक्कों की झड़ी लगा दी। हर रन पर तालियाँ गूँजने लगीं। अंतिम ओवर में दस रन चाहिए थे और अंतिम गेंद पर चार। कप्तान ने गेंद को सीमा-रेखा के पार भेज दिया! पूरा मैदान ख़ुशी से झूम उठा। उस मैच ने सिखाया कि अंतिम क्षण तक हार नहीं माननी चाहिए।

प्रश्न 78 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

प्रकृति की रक्षा: अपनी सुरक्षा प्रकृति और मनुष्य का संबंध प्रकृति के साथ खिलवाड़ के उदाहरण प्रकृति की रक्षा के उपाय

आदर्श उत्तर

प्रकृति और मनुष्य का संबंध माँ और संतान का है। प्रकृति हमें हवा, पानी, भोजन और आश्रय – सब कुछ देती है; उसके बिना हमारा जीवन संभव नहीं।

पर मनुष्य ने लालच में आकर प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है। उसने जंगल काट डाले, पहाड़ों को खोखला कर दिया, नदियों में कारख़ानों का ज़हर बहाया और धरती को प्लास्टिक से पाट दिया। इसका परिणाम बाढ़, भूस्खलन, सूखा, बढ़ती गरमी और महामारियों के रूप में सामने आ रहा है। स्पष्ट है कि प्रकृति की रक्षा में ही हमारी अपनी सुरक्षा है। इसके लिए हमें पेड़ लगाने चाहिए, पानी और बिजली की बचत करनी चाहिए, प्लास्टिक का त्याग करना चाहिए और विकास की ऐसी राह चुननी चाहिए जो प्रकृति के अनुकूल हो।

प्रश्न 79 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

हमारे बुजुर्ग: हमारा सम्मान समाज में बुजुर्गों की वर्तमान स्थिति अनुभवों का खजाना बुजुर्गों के प्रति कर्त्तव्य

आदर्श उत्तर

बुज़ुर्ग किसी भी परिवार की छत्र-छाया होते हैं, पर आज समाज में उनकी स्थिति अच्छी नहीं है। एकल परिवारों और भाग-दौड़ भरे जीवन में वे अकेले पड़ते जा रहे हैं; कई बुज़ुर्ग उपेक्षा सहते हैं तो कुछ वृद्धाश्रमों में रहने को विवश हैं। हम भूल जाते हैं कि वे अनुभवों का ख़ज़ाना हैं। उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ाव देखे हैं; उनकी सीख और कहानियाँ हमें संस्कार देती हैं और कठिन समय में सही राह दिखाती हैं। उनके प्रति हमारे कुछ कर्तव्य हैं – उनका आदर करना, उनके साथ समय बिताना, उनकी बात ध्यान से सुनना, उनके स्वास्थ्य और आवश्यकताओं का ध्यान रखना तथा घर के निर्णयों में उनकी राय लेना। बुज़ुर्गों का सम्मान ही हमारा अपना सम्मान है।

प्रश्न 80 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

बढ़ते साइबर अपराध • अर्थ और प्रकार • कारण • रोकथाम के उपाय

आदर्श उत्तर

कंप्यूटर, मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से किए जाने वाले अपराध साइबर अपराध कहलाते हैं। इनके कई प्रकार हैं – बैंक खाते से ऑनलाइन ठगी, पासवर्ड चुराकर खाते हैक करना, नकली वेबसाइट और लिंक से धोखा, सोशल मीडिया पर किसी को परेशान करना तथा निजी चित्रों का दुरुपयोग। इनके बढ़ने के कारण हैं – इंटरनेट का तेज़ी से फैलाव, लोगों में जानकारी की कमी, लालच में आकर अनजान लिंक पर क्लिक करना और अपराधियों का आसानी से पकड़ में न आना। रोकथाम के लिए हमें मज़बूत पासवर्ड रखना चाहिए, ओ.टी.पी. किसी को नहीं बताना चाहिए, अनजान कॉल और संदेशों से सावधान रहना चाहिए और ठगी होने पर तुरंत 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है।

प्रश्न 81 **2026** (3/4/1, 3/4/3)

मधुर वाणी का प्रभाव • वाणी की मधुरता का आशय • मधुर वाणी का प्रभाव • मधुर वाणी की आवश्यकता

आदर्श उत्तर

वाणी की मधुरता का आशय केवल मीठे शब्दों से नहीं, बल्कि विनम्रता, सम्मान और अपनेपन से भरी बोली से है। कोयल और कौए में केवल बोली का ही अंतर है, फिर भी एक सबको प्रिय है और दूसरा अप्रिय। मधुर वाणी का प्रभाव जादू जैसा होता है – वह क्रोधित व्यक्ति को शांत कर देती है, रूठों को मना लेती है और अपरिचित को भी अपना बना लेती है। मीठा बोलने वाले का सब सम्मान करते हैं और उसके कठिन काम भी सरलता से बन जाते हैं। आज के तनाव-भरे समय में इसकी आवश्यकता और बढ़ गई है; घर, विद्यालय और समाज में अधिकांश झगड़े कटु शब्दों से ही शुरू होते हैं। इसलिए हमें सदा तोल-मोलकर और मीठा बोलना चाहिए।

प्रश्न 82 **2026** (3/4/1, 3/4/2)

मुझे कक्षा-प्रतिनिधि (मॉनिटर) बनना क्यों पसंद है? नेतृत्व का आनंद • जिम्मेदारी का अहसास • अध्यापक/अध्यापिकाओं द्वारा मिलने वाला महत्त्व

आदर्श उत्तर

मुझे अपनी कक्षा का प्रतिनिधि (मॉनिटर) बनना बहुत पसंद है। इसका पहला कारण है नेतृत्व का आनंद – जब पूरी कक्षा मेरे साथ मिलकर किसी कार्यक्रम की तैयारी करती है या प्रार्थना-सभा में अनुशासन से खड़ी होती है तो मुझे गर्व का अनुभव होता है। दूसरा कारण है ज़िम्मेदारी का अहसास; कक्षा की स्वच्छता, उपस्थिति-पंजिका और शांति बनाए रखने का दायित्व मुझे समय का पाबंद और अनुशासित बनाता है। अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा मुझ पर किया गया भरोसा मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है, जिसे बनाए रखने के लिए मैं स्वयं भी नियमों का पालन करता हूँ। इस भूमिका से मैंने सबकी बात सुनना, झगड़े सुलझाना और बिना पक्षपात के निर्णय लेना सीखा है।

प्रश्न 83 **2026** (3/4/2, 3/4/3)

मोटापा: गंभीर स्वास्थ्य समस्या • मोटापे का कारण क्या है? • मोटापा स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है? • संभावित समाधान

आदर्श उत्तर

मोटापा आज एक गंभीर स्वास्थ्य-समस्या बन गया है, जो बच्चों तक को घेर रहा है। इसके मुख्य कारण हैं – तला-भुना और डिब्बाबंद भोजन, मीठे पेय, शारीरिक श्रम और खेल-कूद की कमी, घंटों मोबाइल या टी.वी. के सामने बैठे रहना और अनियमित दिनचर्या। मोटापा अकेला नहीं आता; वह मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय-रोग, जोड़ों के दर्द और साँस की तकलीफ़ जैसी बीमारियों को साथ लाता है। मोटे व्यक्ति में आलस्य बढ़ता है और आत्मविश्वास घटने लगता है। इसका समाधान हमारे अपने हाथ में है – संतुलित और घर का बना भोजन, फल-सब्ज़ियों का अधिक प्रयोग, प्रतिदिन व्यायाम, योग या खेल, पर्याप्त नींद और मीठे व जंक फ़ूड पर नियंत्रण। नियमित जीवन ही स्वस्थ शरीर की कुंजी है।

प्रश्न 84 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

स्वस्थ जीवन-शैली • स्वस्थ जीवन-शैली की आवश्यकता • स्वस्थ आदतें जिनका पालन किया जाना चाहिए • स्वस्थ जीवन-शैली के लाभ

आदर्श उत्तर

आज की भाग-दौड़, तनाव और प्रदूषण के बीच स्वस्थ जीवन-शैली अपनाना बहुत आवश्यक हो गया है। अनियमित दिनचर्या के कारण छोटी उम्र में ही लोग मोटापे, मधुमेह और अवसाद के शिकार हो रहे हैं। स्वस्थ रहने के लिए कुछ आदतों का पालन करना चाहिए – सूर्योदय से पहले उठना, प्रतिदिन व्यायाम या योग करना, संतुलित और घर का बना भोजन लेना, पर्याप्त पानी पीना, सात-आठ घंटे की नींद लेना, स्वच्छता रखना तथा मोबाइल का सीमित प्रयोग करना। नशे और जंक फ़ूड से दूर रहना भी ज़रूरी है। स्वस्थ जीवन-शैली के लाभ अनेक हैं – शरीर ऊर्जावान रहता है, रोग पास नहीं आते, मन प्रसन्न और एकाग्र रहता है तथा व्यक्ति हर काम उत्साह से कर पाता है।

प्रश्न 85 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

एक यादगार पारिवारिक अवकाश • कैसे मनाया? • यादगार क्यों है? • पारिवारिक अवकाश का महत्त्व

आदर्श उत्तर

पिछली गर्मियों की छुट्टियों में हमारा पूरा परिवार – दादा-दादी, माता-पिता, बहन और मैं – एक सप्ताह के लिए शिमला गया। हमने खिलौना-गाड़ी से पहाड़ों की यात्रा की, माल रोड पर घूमे, कुफ़री में घुड़सवारी की और जाखू मंदिर के दर्शन किए। शाम को सब साथ बैठकर अंताक्षरी खेलते और दादाजी से उनके बचपन के क़िस्से सुनते। यह अवकाश इसलिए यादगार है कि पहली बार हम सबने बिना मोबाइल और काम की चिंता के इतना समय एक साथ बिताया; पिताजी को मैंने पहली बार खुलकर हँसते देखा। पारिवारिक अवकाश का महत्त्व यही है – यह रोज़ की थकान मिटाता है, आपसी प्रेम और समझ बढ़ाता है तथा जीवन-भर साथ रहने वाली मीठी यादें देता है।

औपचारिक पत्र

CBSE अंक-योजना के अनुसार मूल्यांकन-बिंदु

- प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक
- विषयवस्तु = 3 अंक
- भाषा-शुद्धता = 1 अंक (कुल 5 अंक)
- उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाते हैं; प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में (पता, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने को लेकर) कोई रूढ़ बंधन नहीं है।
- यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा-प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाते हैं।

उत्तर का प्रारूप

प्रेषक का पता / परीक्षा भवन
दिनांक
सेवा में, — पदनाम, कार्यालय/संस्था का पता
विषय : .....
महोदय/महोदया,
विषयवस्तु — समस्या/उद्देश्य का परिचय → विवरण → निवेदन
धन्यवाद सहित। भवदीय/भवदीया, नाम (क. ख. ग.)

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1)

अपने क्षेत्र में एक 'योग प्रशिक्षण केन्द्र' खोले जाने का निवेदन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
माननीय स्वास्थ्य मंत्री,
राज्य सरकार, सचिवालय
विषय : क्षेत्र में योग प्रशिक्षण केन्द्र खोलने हेतु

महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं विकास नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र की आबादी लगभग पचास हज़ार है, पर यहाँ एक भी योग प्रशिक्षण केन्द्र नहीं है। बदलती जीवन-शैली के कारण लोग मधुमेह, मोटापे और तनाव जैसे रोगों से ग्रस्त हो रहे हैं। योग से इन रोगों की रोकथाम संभव है। यदि यहाँ सरकारी योग केन्द्र खुल जाए तो बच्चे, युवा और वृद्ध सभी लाभान्वित होंगे। अतः आपसे प्रार्थना है कि हमारे क्षेत्र में शीघ्र एक योग प्रशिक्षण केन्द्र खुलवाने की कृपा करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/1/2)

आपके गाँव में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नहीं है। गाँव में विद्यालय खोले जाने का अनुरोध करते हुए राज्य शिक्षा मंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
माननीय शिक्षा मंत्री,
राज्य सरकार, सचिवालय
विषय : गाँव में माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोलने हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं रामपुर गाँव का निवासी हूँ। हमारे गाँव में केवल प्राथमिक विद्यालय है। आगे की पढ़ाई के लिए विद्यार्थियों को दस किलोमीटर दूर कस्बे में जाना पड़ता है। आने-जाने की कठिनाई के कारण अनेक बच्चे, विशेषकर लड़कियाँ, आठवीं के बाद पढ़ाई छोड़ देती हैं। यदि गाँव में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुल जाए तो आसपास के पाँच गाँवों के बच्चों का भविष्य सँवर जाएगा। कृपया इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 3 2022 टर्म-II (3/1/3)

आपके क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियाँ काफी बढ़ गई हैं और कोई पुलिस थाना भी नहीं है। क्षेत्र में एक पुलिस थाने की स्थापना हेतु राज्य के गृह मंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
माननीय गृह मंत्री,
राज्य सरकार, सचिवालय
विषय : क्षेत्र में पुलिस थाने की स्थापना हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि हमारे क्षेत्र नवीन नगर में पिछले कुछ महीनों से चोरी, झपटमारी और मारपीट की घटनाएँ बहुत बढ़ गई हैं। निकटतम थाना आठ किलोमीटर दूर है, इसलिए घटना के समय पुलिस की सहायता समय पर नहीं मिल पाती। महिलाएँ और बुज़ुर्ग शाम के बाद घर से निकलने में डरते हैं। अतः आपसे अनुरोध है कि हमारे क्षेत्र में एक पुलिस थाना अथवा चौकी स्थापित करवाएँ और तब तक नियमित गश्त की व्यवस्था करें। धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 4 **2022 टर्म-II** (3/2/1)

आपके क्षेत्र की सड़कें बदहाल अवस्था में हैं जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। उसकी जानकारी देते हुए उपयुक्त कार्रवाई हेतु शहरी / ग्रामीण विकास मंत्री को लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
नगर निगम आयुक्त/ग्राम विकास अधिकारी महोदय,
नगर निगम कार्यालय
विषय : क्षेत्र की बदहाल सड़कों की मरम्मत हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र गणेश नगर की सड़कों की दयनीय दशा की ओर दिलाना चाहता हूँ। सड़कों पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हैं, जिनमें बरसात का पानी भर जाता है। इनके कारण आए दिन दुपहिया वाहन-चालक गिरकर घायल हो रहे हैं; पिछले सप्ताह एक बुज़ुर्ग को गंभीर चोट आई। रात में स्ट्रीट-लाइट न होने से ख़तरा और बढ़ जाता है। कृपया सड़कों की मरम्मत और प्रकाश की व्यवस्था शीघ्र करवाने की कृपा करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 5 **2022 टर्म-II** (3/2/2)

अपने क्षेत्र की महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना हेतु मुख्यमंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
माननीय मुख्यमंत्री,
राज्य सरकार, सचिवालय
विषय : महिलाओं के लिए सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि हमारे क्षेत्र सीतापुर की अधिकांश महिलाएँ आर्थिक रूप से कमज़ोर परिवारों से हैं। वे मेहनती हैं, पर हुनर के अभाव में आत्मनिर्भर नहीं बन पा रहीं। यदि यहाँ सिलाई-कढ़ाई का सरकारी प्रशिक्षण केंद्र खुल जाए तो वे घर बैठे रोज़गार पा सकेंगी और परिवार की आय बढ़ेगी। इससे महिला-सशक्तीकरण को भी बल मिलेगा। अतः आपसे अनुरोध है कि हमारे क्षेत्र में यह केंद्र शीघ्र स्थापित करवाने की कृपा करें। धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 6 2022 टर्म-II (3/2/3)

अपने क्षेत्र के युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हेतु मुख्यमंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
माननीय मुख्यमंत्री,
राज्य सरकार, सचिवालय
विषय : युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि हमारे क्षेत्र में बड़ी संख्या में शिक्षित युवा बेरोज़गार हैं। डिग्री होने पर भी व्यावहारिक कौशल के अभाव में उन्हें काम नहीं मिल पाता। यदि यहाँ कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र खुल जाए, जहाँ कंप्यूटर, बिजली-मरम्मत, मोबाइल-रिपेयरिंग जैसे पाठ्यक्रम चलें, तो युवा स्वरोज़गार अपना सकेंगे और ग़लत राह पर जाने से बचेंगे। अतः आपसे प्रार्थना है कि हमारे क्षेत्र में ऐसा केन्द्र शीघ्र स्थापित करवाएँ।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 7 2022 टर्म-II (3/3/1)

अपने क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना करने का अनुरोध करते हुए लगभग 120 शब्दों में स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
माननीय स्वास्थ्य मंत्री,
राज्य सरकार, सचिवालय
विषय : क्षेत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि हमारे क्षेत्र किशनपुर और आसपास के गाँवों में कोई सरकारी स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है। बीमार होने पर लोगों को बीस किलोमीटर दूर ज़िला अस्पताल जाना पड़ता है; कई बार समय पर इलाज न मिलने से रोगी की जान चली जाती है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक कठिनाई होती है। अतः आपसे अनुरोध है कि हमारे क्षेत्र में शीघ्र एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित करवाएँ।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 8 2022 टर्म-II (3/3/2)

वर्तमान समय में योग का महत्त्व सर्वविदित है। अपने क्षेत्र में एक योग प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाने का अनुरोध करते हुए स्वास्थ्य मंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
माननीय स्वास्थ्य मंत्री,
राज्य सरकार, सचिवालय
विषय : क्षेत्र में योग प्रशिक्षण केन्द्र खोलने का अनुरोध
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि आज योग का महत्त्व पूरे विश्व में स्वीकार किया जा चुका है। यह शरीर को स्वस्थ और मन को शांत रखता है। खेद है कि हमारे क्षेत्र शांति विहार में कोई योग प्रशिक्षण केन्द्र नहीं है, जिससे इच्छुक लोगों को दूर जाना पड़ता है। यदि यहाँ प्रशिक्षित योगाचार्यों वाला केन्द्र खुल जाए तो हज़ारों नागरिकों का स्वास्थ्य सुधरेगा और दवाओं पर निर्भरता घटेगी। आशा है, आप इस जनहितकारी अनुरोध पर शीघ्र विचार करेंगे।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 9 2022 टर्म-II (3/3/3)

अपने क्षेत्र में आयुर्वेदिक औषधालय की स्थापना हेतु राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

सेवा में,
माननीय स्वास्थ्य मंत्री,
राज्य सरकार, सचिवालय

विषय : क्षेत्र में आयुर्वेदिक औषधालय की स्थापना हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि आयुर्वेद हमारे देश की प्राचीन और विश्वसनीय चिकित्सा-पद्धति है, जिसके दुष्प्रभाव नहीं होते। हमारे क्षेत्र के लोग आयुर्वेदिक उपचार कराना चाहते हैं, पर यहाँ कोई सरकारी औषधालय नहीं है; निजी वैद्य महँगे पड़ते हैं। यदि यहाँ आयुर्वेदिक औषधालय खुल जाए तो निर्धन लोगों को सस्ता और अच्छा उपचार मिल सकेगा। अतः कृपया हमारे क्षेत्र में शीघ्र एक आयुर्वेदिक औषधालय स्थापित

करवाएँ।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 10 2022 टर्म-II (3/4/1)

आप जयपुर में रहने वाले चंद्रप्रकाश / चाँदनी हैं और हाल में ही आपने नया घर बनवाया है। उसके लिए बिजली का कनेक्शन लेने के लिए बिजली विभाग के अधिकारी को एक अनुरोध-पत्र लगभग 120 शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
अधिशासी अभियंता महोदय,
विद्युत वितरण निगम, जयपुर
विषय : नए घर में बिजली का कनेक्शन लगवाने हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैंने हाल ही में प्लॉट संख्या 45, मानसरोवर, जयपुर में नया मकान बनवाया है। मकान रहने के लिए तैयार है, पर अभी उसमें बिजली का कनेक्शन नहीं है। मैंने निर्धारित आवेदन-पत्र भरकर मकान के स्वामित्व के काग़ज़, पहचान-पत्र और शुल्क की रसीद संलग्न कर दी है। कृपया मेरे घर में घरेलू बिजली का कनेक्शन और मीटर शीघ्र लगवाने की कृपा करें, ताकि हम नए घर में रहना प्रारंभ कर सकें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 11 2022 टर्म-II (3/4/2)

आप पटना निवासी रोहन / रीना हैं। आपने कोलकाता के अपने मित्र को एक पार्सल भिजवाया पर वह पंद्रह दिन बाद भी उनको नहीं मिला। संबंधित डाकघर के अधिकारी को इस विषय में शिकायत पत्र लगभग 120 शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रबंधक महोदय,
अ.ब.स. कूरियर सेवा, पटना
विषय : पार्सल न पहुँचने की शिकायत

महोदय/महोदया,
मैं पटना का निवासी हूँ। मैंने 20 फ़रवरी को आपकी सेवा द्वारा कोलकाता में अपने मित्र के पते पर एक पार्सल भेजा था, जिसकी रसीद संख्या 7845XX है। पंद्रह दिन बीत जाने पर भी वह पार्सल मेरे मित्र को नहीं मिला है, जबकि आपने तीन दिन में पहुँचाने का आश्वासन दिया था। पार्सल में ज़रूरी दस्तावेज़ हैं। कृपया तुरंत जाँच कराकर पार्सल पहुँचवाएँ, अन्यथा मुझे उपभोक्ता न्यायालय की शरण लेनी पड़ेगी।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 12 **2022 टर्म-II** (3/4/3)

आप सुशील / सुशीला हैं और एक रिहायशी सोसायटी में रहते हैं। इसमें किसी घर में एक व्यक्ति ने दफ्तर खोल लिया है। उससे होने वाली असुविधा के बारे में बताते हुए और रिहायशी सोसायटी के नियमों से उसे अवगत कराने का अनुरोध करते हुए सोसायटी के सचिव को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

सेवा में,
सचिव महोदय,
सूर्य विहार आवासीय सोसायटी
विषय : रिहायशी फ़्लैट में दफ़्तर चलाने से हो रही असुविधा

महोदय/महोदया,
मैं आपकी सोसायटी के फ़्लैट संख्या 204 का निवासी हूँ। फ़्लैट संख्या 203 में एक सज्जन ने अपना दफ़्तर खोल लिया है। दिन-भर अनजान लोगों का आना-जाना लगा रहता है, लिफ़्ट और पार्किंग में भीड़ रहती है तथा शोर के कारण बच्चों की पढ़ाई में बाधा पड़ती है। इससे सुरक्षा का भी ख़तरा है। सोसायटी के नियमों के अनुसार रिहायशी फ़्लैट का व्यावसायिक उपयोग वर्जित है। कृपया उन्हें नियमों से अवगत कराकर दफ़्तर बंद करवाएँ। धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 13 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप 27/6-बी, क.ख.ग. नगर के निवासी राधेश्याम/रुक्मिणी हैं। आपके मोहल्ले में बहुत से आवारा पशु घूमते रहते हैं। उनकी वजह से न सिर्फ मोहल्लेवासियों को कई तकलीफों का सामना करना पड़ता है बल्कि वे पशु भी कई समस्याओं से ग्रस्त रहते हैं। नगरपालिका के अध्यक्ष को पत्र लिखकर इस समस्या की जानकारी दीजिए. और उचित कदम उठाने का अनुरोध कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी महोदय,
नगर निगम कार्यालय
विषय : मोहल्ले में आवारा पशुओं की समस्या
महोदय/महोदया,
मैं 27/6-बी, क.ख.ग. नगर का निवासी हूँ। हमारे मोहल्ले में बहुत-से आवारा पशु – गाय, साँड़ और कुत्ते – घूमते रहते हैं। ये सड़क के बीच बैठ जाते हैं, जिससे जाम लगता है और दुर्घटनाएँ होती हैं। कुत्ते बच्चों और बुज़ुर्गों को काट लेते हैं तथा पशु कूड़ा फैलाकर गंदगी बढ़ाते हैं। कृपया इन पशुओं को पकड़वाकर गोशाला अथवा आश्रय-स्थल भिजवाने की शीघ्र व्यवस्था करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया
क.ख.ग.

प्रश्न 14 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आप मानव कुमार/मानसी कुमारी हैं। आपने अपने घर में 'नूतन टेलीकॉर्मा' का 'वाई-फाई' लगवाया है। आए दिन वह खराब होता है। उस कंपनी के 'ग्राहक सेवा' से भी आपको मदद नहीं मिल रही है और आप रोज़ परेशान हो रहे /रही हैं। स्थानीय अख़बार के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिख कर अपनी समस्या पर कंपनी का ध्यान आकर्षित कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

सेवा में,
प्रबंधक महोदय,
नूतन टेलीकॉम, क्षेत्रीय कार्यालय
विषय : वाई-फाई सेवा बार-बार ख़राब होने की शिकायत

महोदय/महोदया,
मैंने दो माह पूर्व अपने घर में आपकी कंपनी का वाई-फाई कनेक्शन (ग्राहक संख्या 4521XX) लगवाया था। यह आए दिन ख़राब हो जाता है; कभी गति बहुत धीमी रहती है तो कभी नेटवर्क पूरी तरह बंद हो जाता है। इससे मेरी ऑनलाइन पढ़ाई और पिताजी का कार्यालयी काम बाधित होता है। कई बार शिकायत दर्ज कराने पर भी स्थायी समाधान नहीं हुआ। कृपया तकनीकी दल भेजकर समस्या दूर करें, अन्यथा मुझे कनेक्शन कटवाना पड़ेगा।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया
क.ख.ग.

प्रश्न 15 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आप तनुज/तनुजा हैं। विद्यालय के पुस्तकालय में छात्रों को समसामयिक विषयों पर पुस्तकों का अभाव खटकता है। प्रधानाचार्य जी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर इस विषय से संबंधित पुस्तकें मँगवाने के लिए निवेदन कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : पुस्तकालय में समसामयिक विषयों की पुस्तकें मँगवाने हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं कक्षा दसवीं का छात्र हूँ। हमारे पुस्तकालय में पाठ्यपुस्तकें तो पर्याप्त हैं, पर समसामयिक विषयों – विज्ञान की नई खोजों, पर्यावरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, खेल और सामान्य ज्ञान – पर पुस्तकों और पत्रिकाओं का अभाव है। इनसे हमारा ज्ञान बढ़ेगा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सहायता मिलेगी। अतः आपसे प्रार्थना है कि ऐसी नई पुस्तकें और पत्रिकाएँ शीघ्र मँगवाने की कृपा करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 16 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप दीप्ति/दीप हैं। किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर नियमित स्कूल व्यवस्था पर लगभग 100 शब्दों में अपनी प्रसन्नता अभिव्यक्त कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक समाचार-पत्र
विषय : नियमित विद्यालय-व्यवस्था पुनः शुरू होने पर प्रसन्नता
महोदय/महोदया,
मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से अपनी प्रसन्नता व्यक्त करना चाहता हूँ। लंबे समय तक ऑनलाइन कक्षाओं के बाद विद्यालयों में नियमित पढ़ाई फिर प्रारंभ हो गई है। कक्षा में शिक्षकों से सीधे पढ़ने, मित्रों से मिलने, खेल के मैदान और प्रयोगशाला में जाने का आनंद ही अलग है। इससे पढ़ाई में एकाग्रता और अनुशासन लौट आया है। विद्यालय ही विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास का सच्चा स्थान है। कृपया मेरे विचार प्रकाशित करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 17 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

आप अहमदाबाद के रहने वाले मनीष/मनीषा हैं। किसी कार्यवश रेल से मुंबई जा रहे थे और बीच के एक छोटे स्टेशन पर आपका सामान चोरी हो गया। मुंबई रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर को पूरी घटना की जानकारी देते हुए उचित शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही करने का अनुरोध करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

सेवा में,
स्टेशन मास्टर महोदय,
मुंबई रेलवे स्टेशन
विषय : यात्रा के दौरान सामान चोरी होने की सूचना

महोदय/महोदया,
मैं अहमदाबाद का निवासी हूँ। 8 मार्च को मैं गुजरात मेल के कोच एस-4, सीट संख्या 23 पर अहमदाबाद से मुंबई आ रहा था। रात लगभग दो बजे एक छोटे स्टेशन पर गाड़ी रुकी; उसी दौरान मेरा नीले रंग का सूटकेस चोरी हो गया। उसमें कपड़े, ज़रूरी काग़ज़ात और पाँच हज़ार रुपये थे। मैंने इसकी सूचना तुरंत टी.टी.ई. को दे दी थी। कृपया रेलवे पुलिस द्वारा शीघ्र जाँच कराकर मेरा सामान दिलवाने की कृपा करें। टिकट की प्रति संलग्न है।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 18 2024 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

पुलिस द्वारा उठाए गए विविध कदमों से शहर में अपराध कम तो हुआ है पर अभी और सुधार की आवश्यकता है। अपने क्षेत्र के दैनिक समाचार पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर जन सामान्य का ध्यान इस ओर दिलाइए कि अपराध पर अंकुश सिर्फ पुलिस की ही नहीं बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक समाचार-पत्र
विषय : शहर की क़ानून-व्यवस्था में और सुधार की आवश्यकता
महोदय/महोदया,
मैं आपके समाचार-पत्र के माध्यम से पुलिस-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। रात्रि-गश्त, सीसीटीवी कैमरों और हेल्पलाइन जैसे कदमों से शहर में अपराध अवश्य कम हुए हैं, जिसके लिए पुलिस बधाई की पात्र है। फिर भी सुनसान इलाक़ों में झपटमारी, साइबर ठगी और महिलाओं से छेड़छाड़ की घटनाएँ अब भी हो रही हैं। ऐसे स्थानों पर रोशनी और गश्त बढ़ाने तथा नागरिकों को जागरूक करने की आवश्यकता है। धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 19 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम अनामिका/अनामय है। पिछले महीने आपने अपना घर बदला है। अपने बैंक खाते में पुराने पते के स्थान पर अपना नया पता बदलवाने के लिए संबंधित बैंक प्रबंधक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखें।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
शाखा प्रबंधक महोदय,
अ.ब.स. बैंक
विषय : बैंक खाते में पता बदलवाने हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं आपकी शाखा का बचत खाता-धारक हूँ; मेरा खाता संख्या 3456XXXX है। पिछले माह मैंने अपना निवास बदल लिया है। मेरा पुराना पता 12, शांति नगर था और नया पता 48, विवेक विहार है। कृपया बैंक के अभिलेखों में मेरा नया पता दर्ज करने की कृपा करें, ताकि चेक-बुक और अन्य पत्र सही पते पर पहुँचें। नए पते के प्रमाण के रूप में आधार कार्ड और बिजली के बिल की प्रति संलग्न है।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 20 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आप प्रगति विद्यालय के साची/सचिन हैं। स्कूली शिक्षा में स्मार्ट कक्षाओं की बढ़ती भूमिका को देखते हुए अपने विद्यालय में भी स्मार्ट बोर्ड लगाए जाने का अनुरोध करते हुए अपने क्षेत्र के शिक्षा पदाधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
प्रगति विद्यालय
विषय : विद्यालय में स्मार्ट कक्षाओं की व्यवस्था हेतु

महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं कक्षा दसवीं का छात्र हूँ। आज स्कूली शिक्षा में स्मार्ट कक्षाओं की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। चित्रों, वीडियो और एनिमेशन की सहायता से कठिन विषय भी सरल और रोचक बन जाते हैं तथा लंबे समय तक याद रहते हैं। हमारे विद्यालय में अभी यह

सुविधा नहीं है। अतः आपसे प्रार्थना है कि कम-से-कम वरिष्ठ कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड और प्रोजेक्टर की व्यवस्था करवाने की कृपा करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 21 **2024** (3/4/1)

आप दीप्ति/प्रदीप हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को क्रिकेट प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था करवाने हेतु लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : क्रिकेट प्रशिक्षक (कोच) की व्यवस्था हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं कक्षा दसवीं का छात्र और विद्यालय की क्रिकेट टीम का सदस्य हूँ। हमारे विद्यालय में क्रिकेट के अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी हैं, पर प्रशिक्षक के अभाव में हम सही तकनीक नहीं सीख पा रहे; इसी कारण अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं में टीम पिछड़ जाती है। यदि एक अनुभवी प्रशिक्षक की नियुक्ति हो जाए तो हम निश्चय ही विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। कृपया इस दिशा में शीघ्र व्यवस्था करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 22 **2024** (3/4/2)

आप नीहारिका/नीहार हैं। ऊँची कूद के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आपका चयन हो गया है। इसकी सूचना देते हुए विद्यालय से अवकाश के लिए लगभग 100 शब्दों में प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु अवकाश के लिए
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं कक्षा दसवीं 'ब' का छात्र हूँ। आपको यह सूचित करते हुए मुझे हर्ष हो रहा है कि ऊँची कूद की राष्ट्रीय

प्रतियोगिता के लिए मेरा चयन हो गया है। यह प्रतियोगिता 10 से 16 अप्रैल तक भोपाल में होगी, जिसके लिए मुझे प्रशिक्षण-शिविर में भी रहना है। अतः कृपया मुझे 5 से 17 अप्रैल तक का अवकाश प्रदान करें। मैं छूटा हुआ पाठ्यक्रम लौटकर पूरा कर लूँगा।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 23 **2024** (3/4/3)

आप अंकित/अंकिता हैं। अपनी प्रधानाचार्या को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपने विद्यालय के पुस्तकालय में सुधार के लिए निवेदन कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्या महोदया,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : विद्यालय के पुस्तकालय में सुधार हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं कक्षा दसवीं की छात्रा हूँ। हमारे पुस्तकालय की स्थिति संतोषजनक नहीं है। अधिकांश पुस्तकें पुरानी और फटी हुई हैं, नई पत्रिकाएँ और समाचार-पत्र नियमित नहीं आते, बैठने के लिए कुर्सियाँ कम हैं और रोशनी भी पर्याप्त नहीं है। पुस्तकालय ज्ञान का भंडार होता है। अतः आपसे प्रार्थना है कि नई पुस्तकें मँगवाकर तथा बैठने और प्रकाश की उचित व्यवस्था करवाकर पुस्तकालय में सुधार करवाने की कृपा करें। धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 24 **2024** (3/5/1)

आप मनदीप/मोनिका हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर विद्यालय में बास्केट बॉल प्रशिक्षण (कोचिंग) की व्यवस्था करवाने का निवेदन कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : बास्केटबॉल प्रशिक्षण की व्यवस्था हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं कक्षा दसवीं का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय में बास्केटबॉल का मैदान तो है, पर प्रशिक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है।

अनेक विद्यार्थी इस खेल में रुचि रखते हैं, किंतु मार्गदर्शन के अभाव में अपनी प्रतिभा नहीं निखार पाते। यदि छुट्टी के बाद एक प्रशिक्षक द्वारा नियमित कोचिंग की व्यवस्था हो जाए तो हम अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। कृपया यह व्यवस्था करवाने की कृपा करें। धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 25 2024 (3/5/2)

आप सायरा/साहिल हैं। आपके निवेदन पर आपके विद्यालय में 'बास्केट बॉल' प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रारंभ हो गई है। अत: अपने प्रधानाचार्य को धन्यवाद देते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : बास्केटबॉल प्रशिक्षण प्रारंभ करवाने हेतु धन्यवाद
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैंने कुछ समय पूर्व आपसे विद्यालय में बास्केटबॉल प्रशिक्षण की व्यवस्था करवाने का निवेदन किया था। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि आपने हमारे अनुरोध को स्वीकार कर एक अनुभवी प्रशिक्षक की नियुक्ति कर दी और प्रशिक्षण प्रारंभ हो गया है। सभी खिलाड़ी बहुत उत्साहित हैं और नियमित अभ्यास कर रहे हैं। इस सहयोग के लिए मैं सभी विद्यार्थियों की ओर से आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। हम अपने खेल से विद्यालय का नाम अवश्य रोशन करेंगे।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 26 2024 (3/5/3)

आप सुशील/सुशीला हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखकर 'हॉकी' प्रशिक्षण की व्यवस्था करवाने के लिए निवेदन कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : हॉकी प्रशिक्षण की व्यवस्था हेतु

महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं कक्षा दसवीं का छात्र हूँ। हॉकी हमारा राष्ट्रीय गौरव रही है और हमारे विद्यालय के अनेक विद्यार्थी इसे खेलना चाहते हैं। दुर्भाग्य से विद्यालय में न तो हॉकी का प्रशिक्षक है और न ही पर्याप्त खेल-सामग्री। यदि एक प्रशिक्षक की नियुक्ति कर नियमित अभ्यास की व्यवस्था हो जाए तो हम ज़िला-स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व कर सकेंगे। कृपया इस ओर ध्यान देकर शीघ्र व्यवस्था करवाएँ।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 27 **2025** (3/1/1, 3/1/2)

आपका नाम हिमानी/हेमराज है। नगर-निगम ने आपके मोहल्ले में स्थित पार्क का सौंदर्यीकरण करवाया है साथ ही बच्चों के लिए झूलों की व्यवस्था की है। इस संदर्भ में धन्यवाद ज्ञापन देते हुए नगर-निगम अध्यक्ष को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
आयुक्त महोदय,
नगर निगम कार्यालय
विषय : पार्क के सौंदर्यीकरण हेतु धन्यवाद

महोदय/महोदया,
मैं अपने मोहल्ले प्रेम नगर के सभी निवासियों की ओर से नगर-निगम का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। हमारे मोहल्ले का पार्क पहले उपेक्षित पड़ा था। अब वहाँ हरी घास, फूलों की क्यारियाँ, पैदल-पथ और बैठने की बेंचें लग गई हैं तथा बच्चों के लिए नए झूले भी लगाए गए हैं। पार्क में सुबह-शाम रौनक रहने लगी है। इस सराहनीय कार्य के लिए हम आपके आभारी हैं। आशा है, इसकी नियमित देखभाल भी होती रहेगी।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 28 **2025** (3/2/1, 3/2/3)

आपका नाम आन्या/सिद्दीक है और आप अपने विद्यालय के छात्र-अध्यक्ष हैं। को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर सुझाव दीजिए कि एक अंतर कक्षा वाद-विवाद प्रतियोगिता कब, कैसे और किन कक्षाओं के बीच करवाई जा सकती है। यह प्रतियोगिता क्यों करवानी चाहिए इसके लिए भी तर्क दीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

सेवा में,
प्रधानाध्यापिका महोदया,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : अंतर-कक्षा वाद-विवाद प्रतियोगिता के आयोजन हेतु सुझाव
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि छात्र-अध्यक्ष के नाते मैं एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगले माह के दूसरे शनिवार को कक्षा नवीं से बारहवीं के बीच एक अंतर-कक्षा वाद-विवाद प्रतियोगिता करवाई जा सकती है। प्रत्येक कक्षा से दो वक्ता – एक पक्ष और एक विपक्ष में – भाग लें तथा निर्णय तीन शिक्षकों का मंडल करे। ऐसी प्रतियोगिता से विद्यार्थियों में तर्क-शक्ति, आत्मविश्वास और मंच पर बोलने की कला विकसित होती है। कृपया अनुमति प्रदान करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 29 **2025** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आप किसान/कायरा हैं। परीक्षा के दिनों में आपके इलाके में अलग-अलग प्रकार के आयोजनों में लाउडस्पीकर, डीजे आदि का प्रयोग हो रहा है, जिससे बोर्ड की परीक्षा देने वाले विद्यार्थी और बड़े-बुज़ुर्ग परेशान हैं। स्थानीय थाना-प्रभारी को इस तरह के आयोजनों पर उचित कार्यवाही करने हेतु लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
थाना-प्रभारी महोदय,
स्थानीय पुलिस थाना
विषय : परीक्षा के दिनों में लाउडस्पीकर और डीजे पर रोक हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपका ध्यान अपने इलाक़े की एक गंभीर समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। इन दिनों बोर्ड की परीक्षाएँ चल रही हैं, पर हमारे क्षेत्र में विवाह, जागरण और अन्य आयोजनों में देर रात तक लाउडस्पीकर और डीजे बजते रहते हैं। इससे विद्यार्थी न पढ़ पाते हैं, न सो पाते हैं; बड़े-बुज़ुर्ग और रोगी भी बहुत परेशान हैं। नियमानुसार रात दस बजे के बाद इनका प्रयोग वर्जित है। कृपया ऐसे आयोजनों पर उचित कार्रवाई कर हमें राहत दिलाएँ। धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 30 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आपके पिताजी का स्थानांतरण दूसरे शहर में हो गया है। नए विद्यालय में प्रवेश हेतु आपको चरित्र प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। इस हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। आपका नाम रंजना / राजन है।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
प्रधानाचार्य महोदय,
क.ख.ग. विद्यालय
विषय : चरित्र प्रमाण-पत्र प्रदान करने हेतु
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं 'अ' का छात्र हूँ। मेरे पिताजी का स्थानांतरण लखनऊ हो गया है, इसलिए हमारा पूरा परिवार वहीं जा रहा है। नए विद्यालय में प्रवेश के लिए मुझे चरित्र प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है। मैं पिछले छह वर्षों से इस विद्यालय का अनुशासित छात्र रहा हूँ और खेल तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग लेता रहा हूँ। कृपया मुझे चरित्र प्रमाण-पत्र शीघ्र प्रदान करने की कृपा करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 31 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप पूर्णिमा/पुष्कर हैं। मोबाइल खो जाने की सूचना देते हुए स्थानीय पुलिस अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
थाना प्रभारी महोदय,
स्थानीय पुलिस थाना
विषय : मोबाइल फ़ोन खो जाने की सूचना
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि कल सायं लगभग छह बजे सब्ज़ी-मंडी में खरीदारी करते समय मेरा मोबाइल फ़ोन कहीं गिर गया अथवा किसी ने निकाल लिया। फ़ोन काले रंग का है, जिसका आई.एम.ई.आई. नंबर 35XXXXXXXXXXXXX और सिम नंबर 98XXXXXXXX है। उसमें मेरे बैंक और पढ़ाई से जुड़ी महत्त्वपूर्ण जानकारी है, जिसके दुरुपयोग की आशंका है। कृपया मेरी रिपोर्ट दर्ज कर फ़ोन की खोज करवाने तथा सिम बंद करवाने में सहायता करें। बिल की प्रति संलग्न है।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 32 2025 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

आप अदिति / आदित्य हैं। आपके मोहल्ले में आवारा पशुओं की समस्या बहुत बढ़ गई है। इस ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए स्थानीय नगरपालिका अध्यक्ष को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

सेवा में,
अध्यक्ष महोदय,
नगरपालिका कार्यालय

विषय : मोहल्ले में आवारा पशुओं की समस्या
महोदय/महोदया,
मैं आपका ध्यान अपने मोहल्ले आदर्श नगर की ओर दिलाना चाहता हूँ। यहाँ आवारा पशुओं की समस्या बहुत बढ़ गई है। गाय और साँड़ सड़कों पर झुंड बनाकर बैठे रहते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटनाएँ होती हैं। आवारा कुत्ते राह चलते लोगों को काट लेते हैं। ये पशु कूड़ेदान उलटकर गंदगी भी फैलाते हैं। कृपया इन्हें पकड़वाकर उचित आश्रय-स्थलों में भिजवाने की शीघ्र व्यवस्था करें।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 33 2026 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप कवीश/काव्या हैं। आपने अपने मुहल्ले में 'कचरा पृथक्करण' (वेस्ट सेग्रीगेशन) के अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया है। इसकी जानकारी देते हुए दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक समाचार-पत्र
विषय : मुहल्ले में 'कचरा पृथक्करण' अभियान की सफलता
महोदय/महोदया,
मैं आपके समाचार-पत्र के माध्यम से अपने मुहल्ले विवेक विहार के एक सफल प्रयास की जानकारी देना चाहता हूँ। हम युवाओं ने घर-घर जाकर लोगों को गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने के लिए प्रेरित किया तथा हरे और नीले कूड़ेदान बाँटे। आज मुहल्ले के नब्बे प्रतिशत घर कचरा अलग करके देते हैं; गीले कचरे से खाद बन रही है और सूखा कचरा पुनर्चक्रण के लिए जाता है। अन्य मुहल्ले भी ऐसा करें तो शहर स्वच्छ बन सकता है।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 34 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आप वर्तिका/वर्चस्व हैं और आपने अंतर्राष्ट्रीय स्तर की एक खेल प्रतियोगिता जीती है। अपने शहर के लोकप्रिय अख़बार के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपने अभ्यास और दैनिक कार्यकलापों को विस्तार से लिखिए ताकि युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिल सके।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक समाचार-पत्र
विषय : युवाओं की प्रेरणा हेतु अपने अभ्यास और दिनचर्या का विवरण
महोदय/महोदया,
मैंने हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता जीती है। युवा साथियों की प्रेरणा के लिए अपनी दिनचर्या बताना चाहती हूँ। मैं प्रतिदिन सुबह पाँच बजे उठकर एक घंटा दौड़ और योग करती हूँ, फिर तीन घंटे प्रशिक्षक के साथ अभ्यास। विद्यालय के बाद शाम को दो घंटे फिर अभ्यास और रात को पढ़ाई करती हूँ। संतुलित भोजन, पूरी नींद और मोबाइल से दूरी मेरे नियम हैं। अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है। धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 35 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आप गगनदीप सिंह/गगनदीप कौर हैं। सार्वजनिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन देते हुए तथा इसके उपयोग के पक्ष में पर्याप्त तर्क देते हुए 'दैनिक हिंदी' अख़बार के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
'दैनिक हिंदी'
विषय : सार्वजनिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहन देने हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपके समाचार-पत्र के माध्यम से नागरिकों से सार्वजनिक वाहनों के अधिक उपयोग का आग्रह करना चाहती हूँ। निजी वाहनों की बढ़ती संख्या से सड़कों पर जाम, प्रदूषण और दुर्घटनाएँ बढ़ रही हैं। बस और मेट्रो से यात्रा सस्ती पड़ती है, ईंधन बचता है और एक बस पचास कारों की जगह ले लेती है। इससे पार्किंग की समस्या भी घटती है। सरकार बसों की संख्या और सुविधा बढ़ाए तथा हम सब सप्ताह में कम-से-कम कुछ दिन इन्हें अपनाएँ।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 36 **2026** (3/4/1, 3/4/2)

आप ज्योति/प्रकाश हैं। आप सार्वजनिक स्थानों पर कुछ लोगों को धूम्रपान करते देखते हैं। उनकी इस आदत से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक समाचार-पत्र
विषय : सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान की रोकथाम हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपके समाचार-पत्र के माध्यम से प्रशासन और जनता का ध्यान एक गंभीर समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। बस-अड्डों, पार्कों और बाज़ारों में लोग खुलेआम धूम्रपान करते हैं, जबकि यह क़ानूनन अपराध है। इसका धुआँ आसपास खड़े लोगों के लिए भी हानिकारक है और बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है – वे इसे सामान्य आदत मानकर अपनाने लगते हैं। प्रशासन ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाए और चेतावनी-पट्ट लगवाए।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

प्रश्न 37 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप श्रेया/श्रेयस हैं। विवाह-शादियों में हो रहे अनावश्यक खर्चों की रोकथाम के लिए जागृति फैलाने हेतु किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
सेवा में,
संपादक महोदय,
दैनिक समाचार-पत्र
विषय : विवाह-समारोहों में अनावश्यक खर्च की रोकथाम हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपके समाचार-पत्र के माध्यम से समाज का ध्यान विवाहों में बढ़ते दिखावे की ओर दिलाना चाहता हूँ। आज लोग महँगे पंडाल, आतिशबाज़ी, सैकड़ों व्यंजनों और सजावट पर लाखों रुपये बहा देते हैं। देखा-देखी में मध्यम-वर्गीय परिवार क़र्ज़ में डूब जाते हैं और

भोजन की भी भारी बरबादी होती है। विवाह सादगी से हो और बचा धन नव-दंपती के भविष्य या किसी ज़रूरतमंद की शिक्षा पर लगे – इसके लिए जागरूकता अभियान चलना चाहिए।
धन्यवाद सहित।

भवदीय/भवदीया

क.ख.ग.

अनौपचारिक पत्र

CBSE अंक-योजना के अनुसार मूल्यांकन-बिंदु

- प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक
- विषयवस्तु = 3 अंक
- भाषा-शुद्धता = 1 अंक (कुल 5 अंक)
- उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाते हैं; पता, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने को लेकर कोई रूढ़ बंधन नहीं है।
- यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा-प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाते हैं।

उत्तर का प्रारूप

प्रेषक का पता / परीक्षा भवन
दिनांक
संबोधन — प्रिय मित्र / पूज्य पिताजी / प्रिय अनुज ...
अभिवादन — नमस्ते / सादर प्रणाम / शुभाशीष
विषयवस्तु — कुशल-क्षेम → मुख्य बात → समापन
तुम्हारा मित्र / आपका आज्ञाकारी पुत्र ..., नाम (क. ख. ग.)

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1)

आपका भाई सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय व्यतीत करने लगा है। इसकी हानियों एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का उल्लेख करते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
आशा है, तुम स्वस्थ होगे। माँ के पत्र से पता चला कि आजकल तुम सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय बिताने लगे हो। यह जानकर मुझे चिंता हुई। घंटों मोबाइल देखने से आँखें कमज़ोर होती हैं, नींद पूरी नहीं होती, सिर और गर्दन में दर्द रहने लगता है तथा पढ़ाई में मन नहीं लगता। आभासी दुनिया के कारण हम असली मित्रों और परिवार से दूर हो जाते हैं। इसलिए दिन में केवल आधा घंटा इसके लिए रखो और बाक़ी समय पढ़ाई, खेल और परिवार को दो।

तुम्हारा भाई

क.ख.ग.

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/1/2)

मित्रों की ग़लत संगति के प्रभाव से आपके छोटे भाई को झूठ बोलने और दिखावा करने की आदत पड़ गई है। जीवन में सत्य, सरलता और सादगी का महत्व बताते हुए तथा मित्रों की बुरी संगति से दूर रहने की सलाह देते हुए लगभग 120 शब्दों में उसे पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
कल पिताजी का पत्र मिला। यह जानकर दुख हुआ कि कुछ ग़लत मित्रों की संगति में तुम्हें झूठ बोलने और दिखावा करने की आदत पड़ गई है। याद रखो, झूठ के पाँव नहीं होते; एक झूठ छिपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं और अंत में विश्वास टूट जाता है। दिखावा करने वाला भीतर से खोखला होता है। सत्य, सरलता और ईमानदारी ही मनुष्य को सच्चा सम्मान दिलाती हैं। गांधीजी इसी के बल पर महात्मा बने। इसलिए ऐसे मित्रों से दूर रहो और सच्चाई का मार्ग अपनाओ।

तुम्हारा भाई
क.ख.ग.

प्रश्न 3 **2022 टर्म-II** (3/1/3)

छोटे भाई को ऑनलाइन खेलों से होने वाली हानियों और मनोरंजन के उपयुक्त साधनों का महत्व बताते हुए 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
माँ ने बताया कि तुम दिन-भर मोबाइल पर ऑनलाइन खेल खेलते रहते हो। ये खेल शुरू में मनोरंजक लगते हैं, पर धीरे-धीरे लत बन जाते हैं। इनसे आँखें ख़राब होती हैं, चिड़चिड़ापन बढ़ता है, पढ़ाई पिछड़ जाती है और कई बार पैसों की ठगी भी हो जाती है। मनोरंजन के और भी अच्छे साधन हैं – मैदान में क्रिकेट या फ़ुटबॉल खेलो, अच्छी पुस्तकें पढ़ो, संगीत या चित्रकला सीखो। इनसे शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहेगा।

तुम्हारा भाई
क.ख.ग.

प्रश्न 4 **2022 टर्म-II** (3/2/1)

आपका मित्र पढ़ाई में बहुत अच्छा है, लेकिन किताबी कीड़ा बनकर रह गया है। उसे अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय होने की आवश्यकता और लाभों के विषय में बताते हुए लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय मित्र,

सप्रेम नमस्ते।
तुम्हारा परीक्षा-परिणाम जानकर प्रसन्नता हुई; तुम सदा की तरह कक्षा में प्रथम आए। पर मित्र, एक बात कहना चाहता हूँ – तुम केवल किताबी कीड़ा बनकर रह गए हो। जीवन में पढ़ाई के साथ खेल, संगीत, वाद-विवाद और समाज-सेवा जैसी गतिविधियाँ भी उतनी ही आवश्यक हैं। इनसे शरीर स्वस्थ रहता है, आत्मविश्वास बढ़ता है, नेतृत्व और मिल-जुलकर काम करने के गुण विकसित होते हैं। आज हर क्षेत्र में संपूर्ण व्यक्तित्व की माँग है। इसलिए रोज़ एक घंटा किसी खेल या रुचि को अवश्य दो।

तुम्हारा मित्र

क.ख.ग.

प्रश्न 5 **2022 टर्म-II** (3/2/2)

आपके मित्र को ऑनलाइन शॉपिंग की लत लग गई है। इससे होने वाली हानियों से सावधान करते हुए उसे लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
कल तुम्हारी बहन से बात हुई तो पता चला कि तुम्हें ऑनलाइन शॉपिंग की लत लग गई है और तुम बिना ज़रूरत के भी चीज़ें मँगवाते रहते हो। मित्र, छूट और आकर्षक विज्ञापनों के लालच में हम फ़िज़ूलख़र्ची कर बैठते हैं। इससे जेब-ख़र्च ही नहीं, माता-पिता की मेहनत की कमाई भी बरबाद होती है। कई बार नकली सामान और ऑनलाइन ठगी का भी शिकार होना पड़ता है। इसलिए केवल आवश्यक वस्तुएँ ही ख़रीदो और बचत की आदत डालो।

तुम्हारा मित्र

क.ख.ग.

प्रश्न 6 **2022 टर्म-II** (3/2/3)

इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ ही ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर क्राइम में भी बहुत वृद्धि हुई है। इस बारे में छोटी बहन / छोटे भाई को सतर्क करने के लिए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय बहन,
शुभाशीष।
आशा है, तुम्हारी पढ़ाई अच्छी चल रही होगी। आजकल तुम पढ़ाई के लिए इंटरनेट का काफ़ी उपयोग करती हो, इसलिए तुम्हें सतर्क करना चाहता हूँ। इंटरनेट के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध भी बहुत बढ़ गए हैं। किसी अनजान लिंक पर क्लिक मत करना, अपना पासवर्ड या ओ.टी.पी. किसी को मत बताना और अपरिचित लोगों से मित्रता या निजी चित्र साझा मत करना। इनाम या लॉटरी के संदेश प्रायः जाल होते हैं। कोई भी गड़बड़ लगे तो तुरंत माँ-पिताजी को बताना।

तुम्हारा भाई

क.ख.ग.

प्रश्न 7 2022 टर्म-II (3/3/1)

खाने-पीने की ग़लत आदतों के कारण आपका मित्र मोटापे का शिकार हो गया है। उसे संतुलित आहार एवं योग का महत्त्व बताते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
पिछली बार मिलने पर देखा कि तुम्हारा वज़न काफ़ी बढ़ गया है और तुम जल्दी थक जाते हो। इसका कारण तुम्हारी खाने-पीने की ग़लत आदतें हैं – पिज़्ज़ा, बर्गर, चिप्स और ठंडे पेय। मित्र, मोटापा अनेक रोगों की जड़ है। अपने भोजन में दाल, हरी सब्जियाँ, फल, सलाद और दूध शामिल करो तथा तली-भुनी चीज़ों से बचो। रोज़ सुबह आधा घंटा योग और प्राणायाम करो। कुछ ही महीनों में तुम स्वयं को हल्का, चुस्त और प्रसन्न अनुभव करोगे।

तुम्हारा मित्र
क.ख.ग.

प्रश्न 8 2022 टर्म-II (3/3/2)

आपका भाई पढ़ाई में अच्छा है लेकिन अपना अधिकांश समय ऑनलाइन खेल खेलने में लगा देता है। उसे ऑनलाइन खेलों के दुष्प्रभावों एवं समय के सदुपयोग के बारे में बताते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
तुम पढ़ाई में अच्छे हो, यह हम सबके लिए गर्व की बात है। पर सुना है कि आजकल तुम अपना अधिकांश समय ऑनलाइन खेलों में लगा देते हो। इन खेलों की लत बहुत बुरी होती है। लगातार स्क्रीन देखने से आँखें और नींद ख़राब होती है, स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और धीरे-धीरे पढ़ाई भी पिछड़ने लगती है। दसवीं का यह वर्ष तुम्हारे भविष्य की नींव है। इसलिए खेलने का समय सीमित करो और मैदान के खेलों को अपनाओ।

तुम्हारा भाई
क.ख.ग.

प्रश्न 9 2022 टर्म-II (3/3/3)

आजकल आपका छोटा भाई छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करता है और वह किसी से भी सही ढंग से बात नहीं करता। उसे आत्म-संयम और मीठी वाणी का महत्व बताते हुए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
माँ के पत्र से ज्ञात हुआ कि आजकल तुम छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने लगे हो और किसी से ठीक से बात नहीं करते। भाई, क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है; यह बुद्धि हर लेता है और बने-बनाए संबंध बिगाड़ देता है। मीठी वाणी से शत्रु भी मित्र बन जाते हैं – कबीर ने कहा है, 'ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।' जब क्रोध आए तो कुछ क्षण चुप रहो, पानी पियो और गहरी साँस लो। आत्म-संयम ही सच्ची शक्ति है।

तुम्हारा भाई
क.ख.ग.

प्रश्न 10 2022 टर्म-II (3/4/1)

आपका नाम सना / सोहम है और आपने बीते दो वर्षों में ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाई की है। अपने मित्र को इस अनुभव की अच्छाइयों और सीमाओं से अवगत कराते हुए लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
बहुत दिनों बाद तुम्हें पत्र लिख रहा हूँ। पिछले दो वर्ष मैंने ऑनलाइन कक्षाओं से पढ़ाई की। इस अनुभव की कुछ अच्छाइयाँ रहीं – घर बैठे सुरक्षित पढ़ाई हुई, आने-जाने का समय बचा, रिकॉर्ड किए गए पाठ दोबारा देखे जा सके और कंप्यूटर का ज्ञान बढ़ा। पर सीमाएँ भी कम न थीं – नेटवर्क की समस्या, आँखों पर ज़ोर, शिक्षकों से सीधा संवाद न होना तथा मित्रों और खेल के मैदान की कमी बहुत खली। सच कहूँ तो विद्यालय की कक्षा का कोई विकल्प नहीं।

तुम्हारा मित्र, सोहम
क.ख.ग.

प्रश्न 11 2022 टर्म-II (3/4/2)

गत दो वर्षों में आपकी पढ़ाई के स्तर में गिरावट नज़र आ रही है। आप दसवीं में पढ़ने वाले सारिका / संवेद हैं। अपने पिताजी को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखकर इस स्थिति की जानकारी दीजिए और इसे बेहतर करने के लिए सुझाव देने एवं सहायता करने का अनुरोध कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
पूज्य पिताजी,
सादर चरण-स्पर्श।
मैं यहाँ कुशल हूँ, पर एक चिंता आपसे साझा करना चाहता हूँ। पिछले दो वर्षों में मेरी पढ़ाई के स्तर में गिरावट आई है। गणित और विज्ञान में मेरे अंक लगातार कम हो रहे हैं। ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान मेरी बुनियाद कमज़ोर रह गई और अब कक्षा में कई बातें समझ नहीं आतीं। मैं मेहनत कर रहा हूँ, पर अकेले यह कमी पूरी नहीं हो पा रही। कृपया सुझाव दें कि मैं क्या करूँ; यदि संभव हो तो इन विषयों के लिए अतिरिक्त मार्गदर्शन की व्यवस्था कर दें।

आपका पुत्र, संवेद

क.ख.ग.

प्रश्न 12 **2022 टर्म-II** (3/4/3)

आप पाखी / पंकज हैं जो एक मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ रहे हैं। आपके छोटे भाई / बहन की दसवीं की परीक्षा है। उसे लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखकर परीक्षा की तैयारी के विषय में समझाइए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
तुम्हारी दसवीं की बोर्ड परीक्षा निकट है, इसलिए कुछ बातें समझाना चाहता हूँ। सबसे पहले एक समय-सारणी बनाओ और हर विषय को बराबर समय दो। कठिन विषय सुबह के समय पढ़ो। रटने के बजाय समझकर पढ़ो और मुख्य बिंदु लिखते चलो। पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र समय-सीमा में हल करो – इससे लिखने की गति बढ़ेगी। मोबाइल से दूर रहो, छह-सात घंटे की नींद लो और हल्का व्यायाम करो। घबराना बिल्कुल नहीं; आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

तुम्हारा भाई, पंकज

क.ख.ग.

प्रश्न 13 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आपका नाम रमैया / रौशन है। आप अपने विद्यालय की तरफ से किसी बड़े शहर की शैक्षणिक यात्रा पर गए हैं। यात्रा से लौटकर उसकी जानकारी देते हुए अपनी बड़ी बहन को पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

आदरणीय दीदी,
सादर प्रणाम।
मैं कल ही विद्यालय की शैक्षणिक यात्रा से लौटा हूँ। हम पचास विद्यार्थी दो शिक्षकों के साथ तीन दिन के लिए दिल्ली गए थे। वहाँ हमने लाल क़िला, क़ुतुब मीनार, राष्ट्रपति भवन, संसद भवन और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय देखा। इतिहास की जो बातें पुस्तकों में पढ़ी थीं, उन्हें आँखों से देखना अद्भुत अनुभव था। मेट्रो की यात्रा भी रोमांचक रही। इस यात्रा से मैंने अनुशासन, समय की पाबंदी और मिल-जुलकर रहना सीखा। शेष बातें मिलने पर बताऊँगा।

आपका अनुज

क.ख.ग.

प्रश्न 14 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आप लक्षिता/लक्ष्य हैं। आप उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाली/वाले हैं। इस बात से आपकी माँ भावनात्मक रूप से बेहद परेशान हैं। उनको समझाते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में बताते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्यारी माँ,
सादर प्रणाम।
मैं जानता हूँ कि मेरे विदेश जाने की बात से आप बहुत परेशान हैं। माँ, यह दूरी केवल दो वर्षों की है। मेरा सपना है कि मैं वहाँ से उच्च शिक्षा लेकर एक कुशल वैज्ञानिक बनूँ और लौटकर अपने देश की सेवा करूँ। आपने ही तो मुझे बड़े सपने देखना सिखाया है। आजकल वीडियो-कॉल से हम रोज़ बात कर सकेंगे और छुट्टियों में मैं घर आऊँगा। आपका आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। कृपया मुस्कुराकर मुझे विदा कीजिए।

आपका बेटा

क.ख.ग.

प्रश्न 15 **2023** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आप विभू / विभूति हैं। अपने मित्र तेजस्विन शंकर को राष्ट्रमंडल खेल में ऊँची कूद के लिए पदक जीतने पर लगभग 100 शब्दों में बधाई-पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय तेजस्विन,
सप्रेम नमस्ते।
राष्ट्रमंडल खेलों में ऊँची कूद में पदक जीतने पर तुम्हें हार्दिक बधाई! टेलीविज़न पर तुम्हें तिरंगे के साथ देखकर मेरी आँखें ख़ुशी से भर आईं। मुझे याद है, तुम विद्यालय के मैदान में घंटों अभ्यास किया करते थे। चोट और कठिनाइयों के बावजूद तुमने हार नहीं मानी – यह पदक उसी लगन का फल है। तुमने पूरे देश का सिर गर्व से ऊँचा किया है। ईश्वर करे, अगली बार तुम ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतो।

तुम्हारा मित्र

क.ख.ग.

प्रश्न 16 **2023** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप पवन/पावनी हैं। आप छुट्टियों में गुजरात घूमने का कार्यक्रम बना रहे/रही हैं। सरदार पटेल की प्रतिमा भी देखना चाहते/चाहती हैं। आपने जो कार्यक्रम बनाया है उसमें क्या सुधार हो सकता है, अपने चचेरे भाई को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर पूछिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय भाई,
सप्रेम नमस्ते।
आशा है, तुम सकुशल होगे। इन छुट्टियों में मैं गुजरात घूमने का कार्यक्रम बना रहा हूँ। मैंने सोचा है कि पहले दो दिन अहमदाबाद में साबरमती आश्रम देखूँ, फिर एक दिन 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' – सरदार पटेल की प्रतिमा – के लिए रखूँ और अंत में दो दिन द्वारका व सोमनाथ जाऊँ। तुम गुजरात में रहते हो, इसलिए बताओ कि इस कार्यक्रम में क्या सुधार हो सकता है? क्या गिर के जंगल के लिए भी समय निकालना चाहिए? ठहरने और आने-जाने के बारे में भी सुझाव देना।

तुम्हारा भाई
क.ख.ग.

प्रश्न 17 **2023** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

आपका नाम सना/सोहम है। आपके छोटे भाई/बहन को लगातार मोबाइल पर खेलते रहने की लत पड़ चुकी है। खाने, पढ़ने की जगह वह बस मोबाइल में लगा रहता/रहती है। इसके नुकसान समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
घर से पता चला कि तुम्हें मोबाइल पर खेलते रहने की लत पड़ गई है; तुम खाना और पढ़ना तक भूल जाते हो। यह सुनकर मुझे बहुत चिंता हुई। लगातार मोबाइल देखने से आँखें कमज़ोर होती हैं, सिर-दर्द और अनिद्रा घेर लेती है तथा याददाश्त पर भी बुरा असर पड़ता है। समय पर भोजन न करने से शरीर दुर्बल हो जाता है। मोबाइल तुम्हारा सेवक बने, स्वामी नहीं। दिन-भर में आधा घंटा ही इसके लिए रखो और शेष समय पढ़ाई, खेल तथा परिवार को दो।

तुम्हारा भाई
क.ख.ग.

प्रश्न 18 2024 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप चंदा/चंदन हैं। खराब जीवनशैली के कारण आपके मित्र का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। संयमित और स्वस्थ जीवनशैली का महत्त्व बताते हुए लगभग 100 शब्दों में उसे एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
तुम्हारे पत्र से पता चला कि आजकल तुम्हारा स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता। मुझे लगता है, इसका कारण तुम्हारी बिगड़ी हुई जीवन-शैली है – देर रात तक जागना, सुबह देर से उठना, बाहर का खाना और व्यायाम से दूरी। मित्र, स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। समय पर सोओ और उठो, सुबह सैर या योग करो, घर का सादा भोजन करो और मोबाइल का उपयोग सीमित रखो। संयमित जीवन से शरीर ही नहीं, मन भी प्रसन्न रहता है। आशा है, तुम मेरी बात पर ध्यान दोगे।

तुम्हारा मित्र
क.ख.ग.

प्रश्न 19 2024 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम अनामिका/अनामय है। भाषा में सुधार हेतु नियमित समाचार पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने की आदत का महत्त्व बताते हुए छोटे भाई को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
तुमने लिखा था कि तुम्हें निबंध लिखने और बोलने में शब्द नहीं सूझते। इसका सरल उपाय है – नियमित रूप से समाचार-पत्र और अच्छी पत्रिकाएँ पढ़ना। रोज़ आधा घंटा संपादकीय और लेख पढ़ने से नए शब्द, मुहावरे और वाक्य-रचना अपने-आप सीखने को मिलती है। इससे वर्तनी सुधरती है, सामान्य ज्ञान बढ़ता है और विचारों में स्पष्टता आती है। नए शब्द एक कॉपी में लिखते जाओ और उनका प्रयोग करो। कुछ ही महीनों में तुम्हारी भाषा निखर उठेगी।

तुम्हारा भाई
क.ख.ग.

प्रश्न 20 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आप साची/सचिन हैं। आपने महसूस किया है कि आपके मित्र का स्वभाव, बोलने का तरीका दिन-प्रतिदिन उग्र होता जा रहा है। संयमित व्यवहार और मीठी वाणी का महत्त्व बताते हुए उसे लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
एक सच्चे मित्र के नाते आज तुमसे खुलकर कुछ कहना चाहता हूँ। पिछले कुछ समय से तुम्हारा स्वभाव और बोलने का ढंग बहुत उग्र होता जा रहा है। छोटी-सी बात पर तुम ऊँची आवाज़ में बोलने लगते हो, जिससे साथी तुमसे कतराने लगे हैं। मित्र, कठोर वाणी तीर की तरह घाव देती है, जबकि मीठी वाणी सबका मन जीत लेती है। संयमित व्यवहार ही व्यक्ति को सम्मान दिलाता है। बोलने से पहले एक क्षण सोच लिया करो। मुझे विश्वास है, तुम पहले जैसे हँसमुख बन जाओगे।

तुम्हारा मित्र
क.ख.ग.

प्रश्न 21 2024 (3/4/1)

आप मोहिनी/मोहित हैं। आपकी दादी का नया काव्य-संग्रह 'कुदरत की लय' हाल ही में प्रकाशित हुआ है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
पूज्य दादीजी,
सादर चरण-स्पर्श।
आपका नया काव्य-संग्रह 'कुदरत की लय' प्रकाशित होने पर आपको हार्दिक बधाई! पिताजी ने पुस्तक की प्रति दिखाई तो मन गर्व से भर गया। मैंने कई कविताएँ पढ़ीं; पेड़ों, नदियों और चिड़ियों पर लिखी आपकी पंक्तियाँ सीधे मन में उतर जाती हैं। इस उम्र में भी आपकी लेखनी की ऊर्जा हम सबके लिए प्रेरणा है। मैं अपनी कक्षा में आपकी एक कविता सुनाऊँगा। ईश्वर आपको स्वस्थ रखे और आप यूँ ही रचती रहें।

आपका पौत्र
क.ख.ग.

प्रश्न 22 2024 (3/4/2)

जिला स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में आपके द्वारा तैयार मॉडल को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। अपने मित्र को इसकी जानकारी देते हुए और अपनी खुशी साझा करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
तुम्हें एक शुभ समाचार देना है। पिछले सप्ताह ज़िला-स्तर पर आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में मेरे मॉडल को प्रथम पुरस्कार मिला है! मैंने 'सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंचाई-प्रणाली' का मॉडल बनाया था, जो मिट्टी सूखने पर अपने-आप पानी देने लगती है। इसे बनाने में दो महीने लगे और हमारे विज्ञान-शिक्षक ने बहुत मार्गदर्शन किया। ज़िलाधिकारी ने स्वयं मुझे ट्रॉफ़ी दी। अब यह मॉडल राज्य-स्तर पर जाएगा। काश, उस दिन तुम भी वहाँ होते!

तुम्हारा मित्र

क.ख.ग.

प्रश्न 23 **2024** (3/4/3)

आप प्रगण्य/शेफाली हैं। अपनी पढ़ाकू बहन को समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए कि पढ़ाई के अतिरिक्त व्यक्तित्व के निर्माण में विविध गतिविधियों का भी महत्त्व है।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय बहन,
शुभाशीष।
तुम्हारे अंक देखकर बहुत प्रसन्नता हुई; पढ़ाई में तुम्हारी लगन सराहनीय है। पर मैंने देखा है कि तुम पुस्तकों के अलावा किसी गतिविधि में भाग नहीं लेतीं। बहन, व्यक्तित्व का निर्माण केवल अंकों से नहीं होता। खेल से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है; वाद-विवाद से आत्मविश्वास बढ़ता है; संगीत और कला से संवेदनशीलता आती है तथा समूह में काम करने से नेतृत्व के गुण विकसित होते हैं। इसलिए रोज़ कुछ समय अपनी रुचि की किसी गतिविधि को भी दो।

तुम्हारा भाई

क.ख.ग.

प्रश्न 24 **2024** (3/5/1)

आप स्नेहा/तुषार हैं। आपकी बुआ द्वारा लगाई 'चित्र प्रदर्शनी' की भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है। लगभग 100 शब्दों में उन्हें बधाई-पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

आदरणीय बुआजी,
सादर प्रणाम।
समाचार-पत्र में आपकी चित्र-प्रदर्शनी की प्रशंसा पढ़कर मन प्रसन्न हो गया। आपको बहुत-बहुत बधाई! कला-समीक्षकों ने आपके चित्रों के रंग-संयोजन और ग्रामीण जीवन के सजीव चित्रण की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। यह आपकी वर्षों की साधना का फल है। बचपन में आपने ही मुझे ब्रश पकड़ना सिखाया था। मेरी इच्छा है कि अगली प्रदर्शनी में मैं स्वयं आकर आपके चित्र देखूँ। ईश्वर करे, आपकी कला देश-विदेश में ख्याति पाए।

आपका भतीजा

क.ख.ग.

प्रश्न 25 2024 (3/5/2)

आप मुदिता/उदित हैं। आपकी मौसी द्वारा लिखित कहानी-संग्रह हाल ही में प्रकाशित हुआ है, और उन्होंने उसकी प्रति आपको भेजी है। कहानियों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
आदरणीय मौसीजी,
सादर प्रणाम।
आपका भेजा हुआ कहानी-संग्रह मिला। सबसे पहले इस उपलब्धि के लिए आपको हार्दिक बधाई! मैंने सारी कहानियाँ दो ही दिन में पढ़ डालीं। गाँव के जीवन पर लिखी कहानियाँ इतनी सजीव हैं कि पात्र आँखों के सामने घूमने लगते हैं। 'माटी की महक' कहानी ने तो मेरी आँखें नम कर दीं। आपकी भाषा सरल और दिल को छूने वाली है। मेरी इच्छा है कि आप यूँ ही लिखती रहें। घर में सबको मेरा प्रणाम कहिएगा।

आपका भानजा

क.ख.ग.

प्रश्न 26 2024 (3/5/3)

आप नेहा/जसविंदर हैं। आप छुट्टियों में कश्मीर घूम कर आए हैं। अपने मित्र अनन्य को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखकर इसकी विस्तृत जानकारी दीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनन्य,
सप्रेम नमस्ते।
मैं इन छुट्टियों में परिवार के साथ कश्मीर घूमकर लौटा हूँ। सचमुच, वह धरती का स्वर्ग है! श्रीनगर में हमने डल झील में शिकारे की सैर की और हाउसबोट में ठहरे। मुग़ल उद्यानों के रंग-बिरंगे फूल मन मोह लेते हैं। गुलमर्ग में बर्फ़ से ढकी ढलानों पर हमने गंडोला की सवारी की और पहलगाम में लिद्दर नदी के किनारे घंटों बैठे रहे। वहाँ के लोग बहुत सरल और मेहमाननवाज़ हैं। कहवा और केसर का स्वाद अब भी याद है। तुम भी एक बार अवश्य जाना।

तुम्हारा मित्र

क.ख.ग.

प्रश्न 27 **2025** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आपका नाम हिमानी/हेमराज है। आपने अपने माता-पिता को बातचीत करते सुना कि वे आपकी मोबाइल फोन में डूबे रहने और गेमिंग की दुनिया में खोने की आदतों से परेशान होकर आपको एक आवासीय विद्यालय (बोर्डिंग स्कूल) में भेजना चाह रहे हैं। अपने पिता को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि वे ऐसा न करें। तर्कपूर्ण बिंदुओं में यह भी स्पष्ट कीजिए कि आप स्वयं में किस प्रकार सुधार लाएँगे।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
पूज्य पिताजी,
सादर चरण-स्पर्श।
कल मैंने आपकी और माँ की बातचीत सुन ली कि आप मेरी मोबाइल और गेमिंग की आदत से परेशान होकर मुझे आवासीय विद्यालय में भेजना चाहते हैं। पिताजी, मुझे अपनी भूल का अहसास है। कृपया ऐसा न करें। मैं घर में रहकर ही स्वयं को सुधारूँगा – अब से मोबाइल केवल पढ़ाई के लिए और वह भी एक घंटे के लिए लूँगा; शाम को मैदान में खेलूँगा; समय-सारणी बनाकर पढ़ूँगा और रात में फ़ोन आपके पास रख दूँगा। मुझे एक अवसर दीजिए; मैं आपको निराश नहीं करूँगा।

आपका पुत्र

क.ख.ग.

प्रश्न 28 **2025** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम आन्या/सिद्दीक है। आपने अपने किसी कार्य से अपने प्रिय मित्र को चोट/ठेस पहुँचाई है। मित्र का दिल ऐसा दुखा कि वह अब आपसे बात नहीं करता/करती। लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखते हुए 'उक्त' कार्य का उल्लेख कर क्षमा माँगते हुए आश्वस्त करें कि भविष्य में आप ध्यान रखेंगे कि ऐसी स्थिति ना हो।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
कई दिनों से तुमने मुझसे बात नहीं की; इसका कारण मैं जानता हूँ और उसी के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ। उस दिन कक्षा में सबके सामने मैंने तुम्हारी लिखी कविता का मज़ाक़ उड़ाया था। वह मेरी बहुत बड़ी भूल थी। मैंने हँसी-हँसी में तुम्हारे मन को ठेस पहुँचाई, जिसका मुझे गहरा पछतावा है। मैं तुमसे हृदय से क्षमा माँगता हूँ। विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में ऐसा कभी नहीं होगा। तुम्हारी मित्रता मेरे लिए अनमोल है। कृपया मुझे क्षमा कर दो।

तुम्हारा मित्र

क.ख.ग.

प्रश्न 29 **2025** (3/3/1, 3/3/3)

आप किसान/कायरा हैं। आपने घर में अक्सर देखा है कि आपकी माँ सबके प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाती हुई अपने ही स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रख रही हैं। उन्हें 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपनी चिंता से अवगत कराते हुए अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने का अनुरोध कीजिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्यारी माँ,
सादर प्रणाम।
आज यह पत्र मैं अपनी एक चिंता बताने के लिए लिख रहा हूँ। मैं रोज़ देखता हूँ कि आप सुबह से रात तक हम सबकी देखभाल में लगी रहती हैं – दादी की दवा, पिताजी का टिफ़िन, हमारी पढ़ाई – पर अपने स्वास्थ्य का ज़रा भी ध्यान नहीं रखतीं। आप समय पर भोजन नहीं करतीं और थकान व कमर-दर्द को टालती रहती हैं। माँ, आप स्वस्थ रहेंगी तभी घर हँसता रहेगा। कृपया डॉक्टर से जाँच कराइए, समय पर भोजन और आराम कीजिए। घर के कामों में अब हम सब आपका हाथ बँटाएँगे।

आपका बेटा

क.ख.ग.

प्रश्न 30 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आप रंजना/राजन हैं। संयमित और स्वस्थ जीवन शैली का महत्त्व बताते हुए छोटे भाई को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
आशा है, तुम सकुशल होगे। आज मैं तुम्हें संयमित और स्वस्थ जीवन-शैली का महत्त्व बताना चाहता हूँ। जो व्यक्ति समय पर सोता-उठता है, नियमित व्यायाम करता है और सादा, पौष्टिक भोजन लेता है, वह सदा ऊर्जावान रहता है। इसके विपरीत देर रात तक जागना, जंक फ़ूड और घंटों मोबाइल देखना शरीर और मन दोनों को बीमार कर देता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क रहता है, जिससे पढ़ाई में भी मन लगता है। इसलिए आज से ही अपनी दिनचर्या नियमित कर लो।

तुम्हारा भाई

क.ख.ग.

प्रश्न 31 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप पूर्णिमा/पुष्कर हैं। संयमित और मीठी वाणी का महत्त्व बताते हुए अपने मित्र को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
आशा है, तुम प्रसन्न होगे। आज तुम्हें जीवन की एक अनमोल बात लिख रहा हूँ – वाणी का संयम और मिठास। वाणी मनुष्य के व्यक्तित्व का दर्पण है। मीठे बोल से पराए भी अपने बन जाते हैं, जबकि कड़वे शब्द अपनों को भी दूर कर देते हैं। तलवार का घाव भर जाता है, पर वाणी का घाव नहीं भरता। इसलिए क्रोध में भी शब्दों पर संयम रखना चाहिए। जो व्यक्ति सोच-समझकर और विनम्रता से बोलता है, उसे हर जगह सम्मान मिलता है।

तुम्हारा मित्र
क.ख.ग.

प्रश्न 32 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

आप अदिति / आदित्य हैं। आपकी दादीजी को खेलों में अत्यधिक रुचि है। ओलंपिक खेल-2024 में भारत के प्रदर्शन के बारे में जानकारी देते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
पूज्य दादीजी,
सादर चरण-स्पर्श।
आप खेलों की कितनी शौकीन हैं, यह मैं जानता हूँ; इसलिए पेरिस ओलंपिक-2024 में भारत के प्रदर्शन के बारे में बता रहा हूँ। इस बार भारत ने कुल छह पदक जीते – एक रजत और पाँच कांस्य। नीरज चोपड़ा ने भाला-फेंक में रजत पदक जीता। निशानेबाज़ी में मनु भाकर ने दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार कांस्य जीता और कुश्ती में अमन सहरावत को भी कांस्य मिला। अगली बार हम और अधिक पदक लाएँगे।

आपका पौत्र
क.ख.ग.

प्रश्न 33 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप कवीश/काव्या हैं। एक सप्ताह के लिए आपके माता-पिता को अचानक दूसरे शहर में जाना पड़ा। उनके पीछे से आपने घर का प्रबंधन कैसे सँभाला। इस अनुभव की विस्तृत जानकारी देते हुए अपने प्रिय मित्र को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX

प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
पिछले सप्ताह का एक अनोखा अनुभव तुम्हें बताना चाहता हूँ। माता-पिता को अचानक एक सप्ताह के लिए दूसरे शहर जाना पड़ा और घर की पूरी ज़िम्मेदारी मुझ पर आ गई। पहले दिन तो नाश्ता बनाने में ही पसीने छूट गए! फिर मैंने काम की सूची बनाई – सुबह दूध लेना, छोटी बहन को तैयार करना, खाना बनाना, पौधों को पानी देना और रात को दरवाज़े बंद करना। पैसों का हिसाब भी लिखता रहा। इस एक सप्ताह ने मुझे आत्मनिर्भरता और माँ के परिश्रम का मूल्य सिखा दिया।

तुम्हारा मित्र

क.ख.ग.

प्रश्न 34 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम सलिला/सलिल है। हाल में ही आप अपने माता-पिता के साथ एक नए शहर में रह रहे हैं। अपने दादा-दादी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर अपने साथ रहने के लिए बुलाइए और यह भी बताइए कि इस शहर में आप उन्हें क्या-क्या दिखाना चाहते हैं।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
पूज्य दादाजी एवं दादीजी,
सादर चरण-स्पर्श।
हम सब यहाँ नए शहर में कुशलपूर्वक हैं। पिताजी को बड़ा और हवादार घर मिला है, जिसमें आपके लिए धूप वाला कमरा मैंने स्वयं सजाया है। घर के पास ही एक सुंदर पार्क और मंदिर है, जहाँ आप सुबह-शाम जा सकेंगे। पर आपके बिना यह घर सूना लगता है। दादाजी की कहानियाँ और दादी के हाथ के लड्डू मुझे बहुत याद आते हैं। कृपया अब हमारे साथ ही रहने आ जाइए। पिताजी अगले सप्ताह आपको लेने आएँगे।

आपका पौत्र

क.ख.ग.

प्रश्न 35 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आप गगनदीप सिंह/गगनदीप कौर हैं। आपकी माँ कार्यालय के काम से कुछ दिनों के लिए दूसरे शहर गई हैं और उनकी अनुपस्थिति में आपको घर की व्यवस्था सँभालनी पड़ रही है। अपने अनुभव और कठिनाइयों को व्यक्त करते हुए उन्हें 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्यारी माँ,
सादर प्रणाम।
आशा है, आप वहाँ कुशल होंगी और आपका काम ठीक चल रहा होगा। आपके जाने के बाद घर की व्यवस्था मैं ही सँभाल रहा हूँ। अब समझ में आया कि आप कितना कुछ करती हैं! पहले दिन दाल जल गई और दूध उफन गया। सुबह पिताजी का टिफ़िन, छोटी की चोटी

और अपनी पढ़ाई – सब एक साथ सँभालना कठिन लगा। पर अब मैंने समय-सारणी बना ली है और काम ठीक चल रहा है। आप चिंता न करें, बस जल्दी लौट आइए।

आपका बेटा

क.ख.ग.

प्रश्न 36 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप श्रेया/श्रेयस हैं। आपने छुट्टियों में देहरादून और उसके आसपास के भ्रमण का आनंद उठाया। इस कार्य में देहरादून में रहने वाले आपके मित्र/सहेली ने आपको पहाड़ी स्थलों को दिखाया और पहाड़ी संस्कृति से भी परिचय कराया। उसे धन्यवाद देते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते।
मैं सकुशल घर पहुँच गया हूँ। देहरादून की वह यात्रा मेरे जीवन की सबसे सुंदर यात्राओं में से एक रही और इसका पूरा श्रेय तुम्हें जाता है। तुमने जिस आत्मीयता से सहस्रधारा, रॉबर्स केव, वन अनुसंधान संस्थान और मसूरी घुमाया, वह मैं कभी नहीं भूलूँगा। तुम्हारे घर का स्नेह और चाचीजी के हाथ का स्वादिष्ट भोजन अब भी याद आता है। तुम्हारे सहयोग के बिना इतने कम समय में इतना कुछ देखना संभव न था। हार्दिक धन्यवाद! अब तुम्हारी बारी है – छुट्टियों में मेरे यहाँ अवश्य आना।

तुम्हारा मित्र

क.ख.ग.

प्रश्न 37 **2026** (3/4/3)

आप ज्योति/प्रकाश हैं। आपके छोटे भाई ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

आदर्श उत्तर

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 12 मार्च, 20XX
प्रिय अनुज,
शुभाशीष।
आशा है तुम स्वस्थ होगे और नए विद्यालय में तुम्हारा मन लग गया होगा। आवासीय विद्यालय में घर से दूर रहते हुए मित्र ही परिवार बन जाते हैं, इसलिए मित्रों का चुनाव बहुत सोच-समझकर करना। ऐसे साथियों के साथ रहो जो पढ़ाई में रुचि रखते हों, अनुशासित हों और कठिनाई में सही सलाह दें। जो समय नष्ट करें, झूठ बोलें या बुरी आदतों की ओर ले जाएँ, उनसे विनम्रता से दूरी बना लेना। याद रखना, अच्छी संगति जीवन सँवारती है और बुरी संगति उसे बिगाड़ देती है। कोई उलझन हो तो निस्संकोच मुझे लिखना।
माता-पिता की ओर से ढेर सारा प्यार।

तुम्हारा भाई/तुम्हारी बहन

प्रकाश/ज्योति

स्ववृत्त-लेखन

CBSE अंक-योजना के अनुसार मूल्यांकन-बिंदु

- प्रारूप = 1 अंक
- विषयवस्तु = 3 अंक
- भाषा-शुद्धता = 1 अंक (कुल 5 अंक)
- व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा-प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाते हैं।

उत्तर का प्रारूप

नाम, पिता/माता का नाम, जन्म-तिथि, वर्तमान पता, मोबाइल, ई-मेल
शैक्षणिक योग्यताएँ (कक्षा/उपाधि — बोर्ड/विश्वविद्यालय — वर्ष — प्रतिशत) तालिका रूप में
अन्य योग्यताएँ, उपलब्धियाँ, कार्य-अनुभव, रुचियाँ, भाषा-ज्ञान
संदर्भ (दो परिचित व्यक्तियों के नाम) • घोषणा • दिनांक, स्थान, हस्ताक्षर
ध्यान रहे — स्ववृत्त के साथ प्रायः संक्षिप्त आवेदन-पत्र/आवरण-पत्र भी अपेक्षित होता है।

प्रश्न 1 2023 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

जड़ी-बूटियों से दंत-मंजन बनाने वाली कंपनी 'अ.ब.स.' को अपने उत्पाद के प्रचार-प्रसार और बिक्री को बढ़ाने हेतु घर-घर जाकर संपर्क करने वाले कुछ नवयुवकों और नवयुवतियों की आवश्यकता है। अपनी शैक्षणिक योग्यता, रुचि और अनुभव का विवरण देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : क.ख.ग. • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : विक्रय प्रतिनिधि – 'अ.ब.स.' कंपनी
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं (वाणिज्य) – 78%
- बी.ए. – 65%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : घर-घर संपर्क और बिक्री का एक वर्ष का अनुभव; मिलनसार स्वभाव; हिंदी व स्थानीय भाषा में अच्छी बातचीत **भाषा-ज्ञान :** हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : क.ख.ग.

प्रश्न 2 2023 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

सौंदर्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी 'सौंदर्या' को अपने उत्पाद के प्रचार-प्रसार और बिक्री बढ़ाने हेतु कुछ नवयुवक-नवयुवतियों की आवश्यकता है जो घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर सके। अपनी योग्यता, रुचि और अनुभव का परिचय देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : क.ख.ग. • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : विक्रय प्रतिनिधि – 'सौंदर्या' कंपनी
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 80%
- बी.कॉम. – 68%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : सौंदर्य उत्पादों की जानकारी; ग्राहकों को समझाने की क्षमता; दुपहिया वाहन उपलब्ध
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : क.ख.ग.

प्रश्न 3 2023 (3/4/1)

आपका नाम दिव्य / दिव्या है। आपने इसी वर्ष बी.कॉम. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। अपनी शैक्षणिक योग्यताओं और रुचि का वर्णन करते हुए रेलवे बोर्ड में कार्यालय सहायक के रिक्त पद के लिए एक संक्षिप्त स्ववृत्त लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : दिव्य • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : लिपिक (क्लर्क) – रेलवे विभाग
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- दसवीं – 85%
- बारहवीं (वाणिज्य) – 82%
- बी.कॉम. – प्रथम श्रेणी (इसी वर्ष)

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : कंप्यूटर और टंकण का ज्ञान; लेखा-कार्य में रुचि; समय का पाबंद
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : दिव्य

प्रश्न 4 2023 (3/4/2, 3/5/2)

आप स्मित / स्मिता हैं। अ.ब.स. कपड़े की फैक्ट्री में एक सुपरवाइज़र की आवश्यकता है। आपने इसी वर्ष 12वीं की परीक्षा विज्ञान विषयों के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। अपनी शैक्षणिक योग्यता और रुचि का वर्णन करते हुए इस पद के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार

कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : स्मित • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : सुपरवाइज़र – अ.ब.स. कपड़ा फैक्ट्री
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- दसवीं – 88%
- बारहवीं (विज्ञान) – प्रथम श्रेणी (इसी वर्ष)

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : नेतृत्व-क्षमता; कंप्यूटर का सामान्य ज्ञान; परिश्रमी और अनुशासित
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : स्मित

प्रश्न 5 2023 (3/4/3)

आप पुष्कर / परमजीत कौर हैं। आप शारीरिक शिक्षा-विज्ञान में स्नातक (ग्रेजुएशन) परीक्षा पास कर चुके हैं। साथ ही आपने अ.ब.स. अकादमी से क्रिकेट में एकवर्षीय प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। आपको केंद्रीय विद्यालय में आवेदन करना है। इसके लिए क्रिकेट कोच के रिक्त पद के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : पुष्कर • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : क्रिकेट प्रशिक्षक – विद्यालय/खेल अकादमी
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- शारीरिक शिक्षा-विज्ञान में स्नातक
- अ.ब.स. अकादमी से क्रिकेट में एकवर्षीय डिप्लोमा

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : राज्य-स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भागीदारी; बच्चों को प्रशिक्षण देने का अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : पुष्कर

प्रश्न 6 2023 (3/5/1)

आप मानव/मानवी हैं। आपने बी.ए. की परीक्षा पास की है। साथ ही हिन्दी और अंग्रेज़ी भाषा में टाइप करने का डिप्लोमा भी किया है। अपनी शैक्षणिक योग्यता और टंकण गति (टाइपिंग स्पीड) का उल्लेख करते हुए, अ ब से विद्यालय में लिपिक (टाइपिस्ट) के रिक्त पद के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : मानव • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : टंकक (टाइपिस्ट) – संबंधित कार्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 75%
- बी.ए. – 62%
- हिंदी एवं अंग्रेज़ी टंकण में डिप्लोमा

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : टंकण-गति : हिंदी 35 और अंग्रेज़ी 45 शब्द प्रति मिनट; कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : मानव

प्रश्न 7 2023 (3/5/3)

आप मृणालिनी/मृणाल हैं। आपने बी.लिब. और एम.लिब. की परीक्षा पास कर ली है। अपनी योग्यता और रुचि का वर्णन करते हुए केंद्रीय विद्यालय में पुस्तकालयाध्यक्ष के रिक्त पद के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : मृणाल • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : पुस्तकालयाध्यक्ष – केंद्रीय विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.ए. – 70%
- बी.लिब. – 74%
- एम.लिब. – 72%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : पुस्तकों के वर्गीकरण और कंप्यूटरीकृत सूचीकरण का ज्ञान; पढ़ने-पढ़ाने में रुचि
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : मृणाल

प्रश्न 8 2023 (3/6/1)

आपने हाल ही में एम.एस.सी. (गणित) की परीक्षा अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की है और साथ ही आप बी.एड.भी कर चुके हैं। गणित के पी.जी.टी. (परा-स्नातक अध्यापक) पद के लिए अपना स्ववृत्त (बायोडाटा) लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। आपका नाम नेहा/निखिल है। आपको केंद्रीय विद्यालय, क.ख.ग. में गणित अध्यापक/ अध्यापिका पद के लिए आवेदन करना है।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : क.ख.ग. • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : पी.जी.टी. (गणित) – संबंधित विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.एससी. (गणित) – 76%
- एम.एससी. (गणित) – 81%
- बी.एड. – 78%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : गणित शिक्षण का प्रशिक्षण-अनुभव; स्मार्ट-कक्षा के प्रयोग में दक्ष
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : क.ख.ग.

प्रश्न 9 2023 (3/6/2)

आपने समाजशास्त्र में उच्च अध्ययन किया है। एक गैर-सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) के मुख्य कार्यकारी प्रबंधक के लिए स्ववृत्त (बायोडाटा) 80 शब्दों में तैयार कीजिए। आपका नाम सीमा/सुरेश है।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : सुरेश • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : मुख्य कार्यकारी प्रबंधक – गैर-सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.)
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.ए. (समाजशास्त्र) – 72%
- एम.ए. (समाजशास्त्र) – 75%
- समाज-कार्य में डिप्लोमा

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : सामाजिक संस्थाओं में तीन वर्ष का कार्य-अनुभव; प्रबंधन और जन-संपर्क में दक्ष
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत

संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : सुरेश

प्रश्न 10 2023 (3/6/3)

आपका नाम मारिया/मोहनिश है। आपने बी.एस.सी. कम्प्यूटर साइंस में उत्तीर्ण की है। अ.ब.स. बैंक को कुछ कम्प्यूटर इंजीनियरों की आवश्यकता है। अपनी शैक्षणिक योग्यताओं, रुचि और अनुभव की जानकारी देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : मोहनिश • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : कंप्यूटर इंजीनियर – अ.ब.स. बैंक
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं (विज्ञान) – 84%
- बी.एससी. (कंप्यूटर साइंस) – 79%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : प्रोग्रामिंग, नेटवर्किंग और डाटा-सुरक्षा का ज्ञान; छह माह का प्रशिक्षण-अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : मोहनिश

प्रश्न 11 2024 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप रजनी/राजन हैं। आपके विद्यालय की पत्रिका 'प्रखर' के लिए छात्र संपादक की नियुक्ति होनी है। आप उक्त पद के योग्य हैं। इस पद के लिए प्रधानाचार्य को संबोधित कर लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : राजन • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : छात्र-संपादक, विद्यालय पत्रिका 'प्रखर' – प्रधानाचार्य, क.ख.ग. विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- कक्षा नवीं – 92%
- वर्तमान में कक्षा दसवीं का छात्र

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : निबंध और कविता-लेखन में अनेक पुरस्कार; भित्ति-पत्रिका के संपादन का अनुभव; हिंदी-अंग्रेज़ी दोनों में दक्ष
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत

संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : राजन

प्रश्न 12 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आप धनुश्री/धनुष हैं। सोशल मीडिया से आपको जानकारी मिली है कि राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में जूनियर कलाकार का पद रिक्त है। आपको लगता है कि आप इस पद के योग्य हैं। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय को भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : धनुष • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : जूनियर कलाकार – राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 80%
- बी.ए. (रंगमंच) – 74%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : विद्यालय और महाविद्यालय के अनेक नाटकों में अभिनय; नुक्कड़ नाटक का अनुभव; संवाद-अदायगी और गायन में रुचि
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : धनुष

प्रश्न 13 **2024** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आप निभा/निर्भय हैं। आपको अपने मित्र से पता चला है कि स्थानीय नवोदय विद्यालय में सहायक प्राथमिक शिक्षक का पद रिक्त है। आप इस पद के लिए योग्य उम्मीदवार हैं और अपनी सेवा देने के इच्छुक भी हैं। उक्त पद के लिए नवोदय विद्यालय के प्रमुख को आवेदन भेजने हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : निर्भय • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : सहायक प्राथमिक शिक्षक – नवोदय विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 82%
- बी.ए. – 70%
- डी.एल.एड. – 78%

- केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : बच्चों को पढ़ाने का एक वर्ष का अनुभव; खेल और कला-गतिविधियों में रुचि
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : निर्भय

प्रश्न 14 2024 (3/4/1)

आप विवेक/वल्लरी हैं। आपके पड़ोस के विद्यालय में हिन्दी शिक्षक के लिए पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता, एम.ए. (हिन्दी), बी.एड. को धारण करते हैं। उक्त पद के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को आवेदन भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में एक संक्षिप्त स्ववृत्त लिखिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : विवेक • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : हिंदी शिक्षक – संबंधित विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.ए. (हिंदी) – 72%
- एम.ए. (हिंदी) – 76%
- बी.एड. – 80%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : दो वर्ष का शिक्षण-अनुभव; वाद-विवाद और साहित्यिक गतिविधियों के संचालन में दक्ष
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : विवेक

प्रश्न 15 2024 (3/4/2)

आप अनन्य/अनन्या हैं। दवाइयों की कंपनी में लेखापाल (अकाउन्टैंट) का पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता बी.कॉम (ऑनर्स) धारण करते हैं। निदेशक को आवेदन भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लिखिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : अनन्य • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : लेखापाल (अकाउंटेंट) – निदेशक, दवा कंपनी
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं (वाणिज्य) – 86%

- बी.कॉम. (ऑनर्स) – 78%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : टैली और जी.एस.टी. का ज्ञान; लेखा-कार्य का एक वर्ष का अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : अनन्य

प्रश्न 16 2024 (3/4/3)

आप ग्रेस/इब्राहिम हैं। दवाइयों की कंपनी में लिपिक का पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता धारण करते हैं। आपको हिन्दी और अंग्रेज़ी भाषा में टंकण (टाइपिंग) आती है। कम्प्यूटर का भी ज्ञान है। उसके आवेदन के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लिखिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : इब्राहिम • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : लिपिक – दवा कंपनी
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 76%
- बी.ए. – 64%
- हिंदी व अंग्रेज़ी टंकण का प्रमाण-पत्र

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : टंकण-गति 40 शब्द प्रति मिनट; कंप्यूटर और कार्यालयी पत्राचार का ज्ञान
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : इब्राहिम

प्रश्न 17 2024 (3/5/1)

आप समायेरा/ओज हैं। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कंप्यूटर अध्यापक के लिए पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता एम.सी.ए. धारण करते हैं। उसके लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को आवेदन भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लिखिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : ओज • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : कंप्यूटर अध्यापक – राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.सी.ए. – 78%

- एम.सी.ए. – 82%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : प्रोग्रामिंग भाषाओं का ज्ञान; एक वर्ष का शिक्षण-अनुभव; विद्यार्थियों को परियोजना-कार्य कराने में दक्ष
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : ओज

प्रश्न 18 2024 (3/5/2)

आप निधि/अभिनंदन हैं। दवाइयों के मुख्य वितरक के यहाँ कंप्यूटर सहायक का पद रिक्त है। आप उक्त पद की योग्यता बी.सी.ए. धारण करते हैं। उस पद हेतु आवेदन करने के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लिखिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : अभिनंदन • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : कंप्यूटर सहायक – दवाइयों के मुख्य वितरक
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 80%
- बी.सी.ए. – 75%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : एम.एस. ऑफ़िस, डाटा-एंट्री और बिलिंग सॉफ़्टवेयर का ज्ञान; छह माह का कार्य-अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : अभिनंदन

प्रश्न 19 2024 (3/5/3)

आप विलियम/जिमी हैं। दवाइयों के डिस्ट्रीब्यूटर के यहाँ टेलीफोन ऑपरेटर के लिए पद रिक्त है। उसके आवेदन के लिए लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त लिखिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : विलियम • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : टेलीफोन ऑपरेटर – दवाइयों के डिस्ट्रीब्यूटर
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 74%
- बी.ए. – 62%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : हिंदी और अंग्रेज़ी में स्पष्ट एवं विनम्र बातचीत; कंप्यूटर का सामान्य ज्ञान; ग्राहक-सेवा का अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : विलियम

प्रश्न 20 2025 (3/1/1, 3/1/3)

आप अमन/आमना हैं और अभी-अभी आपने 'पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल' से एम.बी.बी.एस. की डिग्री पूरी की है। वहीं पर इंटर्न डॉक्टर के पद पर आवेदन करने के लिए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : अमन • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : इंटर्न डॉक्टर – पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं (विज्ञान) – 92%
- एम.बी.बी.एस. – पटना मेडिकल कॉलेज (इसी वर्ष)

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : अध्ययन के दौरान विभिन्न विभागों में प्रशिक्षण; ग्रामीण स्वास्थ्य-शिविरों में सेवा
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : अमन

प्रश्न 21 2025 (3/2/1, 3/2/2)

आपका नाम रोज़ी/राकेश है और आपने हाल ही में पुस्तकालय-विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। शहर के सबसे बड़े सार्वजनिक पुस्तकालय में कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष की रिक्ति के लिए आवेदन हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : राकेश • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष – सार्वजनिक पुस्तकालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 78%
- पुस्तकालय-विज्ञान में स्नातक (बी.लिब.) – 73%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : पुस्तकों के सूचीकरण और कंप्यूटर का ज्ञान; पाठकों की सहायता में रुचि
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : राकेश

प्रश्न 22 2025 (3/3/1, 3/3/2)

आप सोनी/राघव हैं और हाल में ही आपने शारीरिक शिक्षा विषय में स्नातक की डिग्री पाई है और बास्केटबॉल के खेल का आपका लंबा अनुभव भी है। 'राजकीय विद्यालय नई दिल्ली' में पी.ई. शिक्षक के पद की रिक्ति भी हुई है। इस पद के लिए आवेदन हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : राघव • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : बास्केटबॉल प्रशिक्षक – राजकीय विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- शारीरिक शिक्षा में स्नातक – 76%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : राज्य-स्तर पर बास्केटबॉल खेलने का लंबा अनुभव; कनिष्ठ खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने का अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : राघव

प्रश्न 23 2025 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आप नीलाक्षी/नीलकांत हैं। स्थानीय शॉपिंग सेंटर में कंप्यूटर ऑपरेटर का पद रिक्त है और आप स्वयं को उस पद के योग्य मानते हैं। उपर्युक्त पद हेतु आवेदन करने के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : नीलकांत • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : कंप्यूटर ऑपरेटर – स्थानीय शॉपिंग सेंटर
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 79%
- कंप्यूटर अनुप्रयोग में एकवर्षीय डिप्लोमा

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : एम.एस. ऑफ़िस, बिलिंग और डाटा-एंट्री में दक्ष; टंकण-गति 40 शब्द प्रति मिनट
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत

संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : नीलकांत

प्रश्न 24 2025 (3/5/2, 3/5/3)

आप नमित/नमिता हैं। क.ख.ग. विद्यालय में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षक पद हेतु रिक्तियाँ निकली हैं। इस पद हेतु आवेदन करने के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : नमित • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षक – क.ख.ग. विद्यालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.पी.एड. – 77%
- योग में डिप्लोमा

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : एथलेटिक्स में राज्य-स्तरीय पदक; विद्यालय में एक वर्ष प्रशिक्षण देने का अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : नमित

प्रश्न 25 2025 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

आप भव्या / भव्य हैं। आपने पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक डिग्री (बी.लिब.) प्राप्त की है। आपके क्षेत्र के सार्वजनिक पुस्तकालय में पुस्तकालय अध्यक्ष का पद रिक्त है। उक्त पद के लिए आवेदन हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : भव्य • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : पुस्तकालय अध्यक्ष – सार्वजनिक पुस्तकालय
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.ए. – 71%
- पुस्तकालय विज्ञान में स्नातक (बी.लिब.) – 75%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : पुस्तकों के वर्गीकरण, सूचीकरण और कंप्यूटर का ज्ञान; पुस्तकों से गहरा लगाव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत

संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : भव्य

प्रश्न 26 2026 (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आपका नाम हुमा/फरहान है। आप अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर (एम.ए.) की पढ़ाई एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से कर रहे हैं। इसी दौरान एक प्रमुख प्रकाशन संस्थान में इंटर्नशिप की जानकारी आपको मिली है। इंटर्नशिप के लिए आवेदन हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त लेख तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : फरहान • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : सहायक संपादक/प्रूफ़-पाठक – प्रमुख प्रकाशन संस्थान
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.ए. (अंग्रेज़ी ऑनर्स) – 78%
- एम.ए. (अंग्रेज़ी) – अध्ययनरत

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : लेखन, संपादन और प्रूफ़-पठन में रुचि; महाविद्यालय पत्रिका के संपादन का अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : फरहान

प्रश्न 27 2026 (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम सरोज/संजय है। आप शहर के प्रतिष्ठित महाविद्यालय से कला-स्नातक हैं और फोटोग्राफी में विशेष रुचि रखते हैं। एक प्रसिद्ध कंपनी में वन्यजीव फोटोग्राफर के सहायक का पद रिक्त हुआ है। आपको उस पद के लिए आवेदन करना है। इसके लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त लेख तैयार कीजिए

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : संजय • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : वन्यजीव फोटोग्राफर – संबंधित कंपनी
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- कला-स्नातक (बी.ए.) – 72%
- फ़ोटोग्राफ़ी में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : वन्यजीव फ़ोटोग्राफ़ी में विशेष रुचि; राष्ट्रीय उद्यानों में छायांकन का अनुभव; प्रदर्शनी में पुरस्कार
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत

संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : संजय

प्रश्न 28 2026 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आपका नाम समीर/समायरा है। अ.ब.स. विश्वविद्यालय से आपने जर्मनी भाषा में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। क.ख.ग. शिक्षण संस्थान में जर्मन-शिक्षक पद के लिए आवेदन करने हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : समीर • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : जर्मन भाषा शिक्षक – क.ख.ग. शिक्षण संस्थान
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं – 81%
- अ.ब.स. विश्वविद्यालय से जर्मन भाषा में स्नातक – 76%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : जर्मन भाषा का बी-2 स्तर का प्रमाण-पत्र; एक वर्ष का अध्यापन-अनुभव
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : समीर

प्रश्न 29 2026 (3/4/1, 3/4/2)

आप अनुराधा/अनुराग हैं। आपने बी.टेक. (कंप्यूटर साइंस) की डिग्री हासिल की है। एक दैनिक समाचार-पत्र में डाटा एनालिस्ट की नौकरी का विज्ञापन जारी हुआ है। इसके लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त लेख तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : अनुराग • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : डाटा एनालिस्ट – दैनिक समाचार-पत्र
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं (विज्ञान) – 88%
- बी.टेक. (कंप्यूटर साइंस) – 8.2 सी.जी.पी.ए.

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : पाइथन, एक्सेल और डाटा-विश्लेषण का ज्ञान; छह माह की इंटर्नशिप
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत

संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : अनुराग

प्रश्न 30 2026 (3/4/3)

आप अनुराधा/अनुराग हैं। आपने बी .टेक. (कंप्यूटर साइंस) की डिग्री हासिल की है। एक दैनिक समाचार-पत्र में डाटा एनालिस्ट की नौकरी का विज्ञापन जारी हुआ है। इसके लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त लेख तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : अनुराग • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : डाटा एनालिस्ट – दैनिक समाचार-पत्र
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बारहवीं (विज्ञान) – 88%
- बी.टेक. (कंप्यूटर साइंस) – 8.2 सी.जी.पी.ए.

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : पाइथन, एक्सेल और डाटा-विश्लेषण का ज्ञान; छह माह की इंटर्नशिप
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत
संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : अनुराग

प्रश्न 31 2026 (3/5/1)

आप रजनी/राजन हैं। आपने बी.बी.ए. किया है। साथ ही किसी प्रतिष्ठित संस्थान से प्रबंधन में एम.बी.ए. भी किया है। अ.ब.स. कंपनी में प्रबंधक (मैनेजर) का पद रिक्त है। आप उस पद के लिए आवेदन करना चाहते हैं। इसके लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त लेख तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्ववृत्त

नाम : राजन • **पिता का नाम :** श्री अ.ब.स. • **जन्म-तिथि :** 15 अगस्त, 20XX
पता : 12, शांति नगर, नई दिल्ली • **मोबाइल :** 98XXXXXXXX • **ई-मेल :** abc@mail.com
आवेदित पद : प्रबंधक (मैनेजर) – अ.ब.स. कंपनी
शैक्षणिक योग्यताएँ :

- बी.बी.ए. – 74%
- एम.बी.ए. (प्रबंधन) – 79%

अन्य योग्यताएँ / अनुभव : नेतृत्व और टीम-प्रबंधन की क्षमता; दो वर्ष का कार्य-अनुभव; कंप्यूटर में दक्ष
भाषा-ज्ञान : हिंदी, अंग्रेज़ी • **रुचियाँ :** पढ़ना, खेल, संगीत

संदर्भ : (1) श्री क.ख.ग., प्राचार्य (2) श्रीमती च.छ.ज., प्राध्यापिका
घोषणा : मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी जानकारियाँ पूर्णतः सत्य हैं।

दिनांक : 12 मार्च, 20XX हस्ताक्षर : राजन

ई-मेल लेखन

CBSE अंक-योजना के अनुसार मूल्यांकन-बिंदु

- प्रारूप = 1 अंक
- विषयवस्तु = 3 अंक
- भाषा-शुद्धता = 1 अंक (कुल 5 अंक)
- उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाते हैं।
- यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा-प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाते हैं।

उत्तर का प्रारूप

प्रेषक (From) : abc@mail.com
प्राप्तकर्ता (To) : xyz@mail.com
विषय (Subject) : .....
संबोधन — महोदय/महोदया,
विषयवस्तु — परिचय → मुख्य बात/समस्या → अनुरोध (लगभग 80 शब्द)
धन्यवाद। भवदीय/भवदीया — नाम, पता/संपर्क

प्रश्न 1 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप जुबैर आलम / जोया मलिक हैं। हाल ही में आपने एक प्रतिष्ठित वेबसाइट से कुछ कपड़ें मँगाए थे। उन कपड़ों में कई समस्याएँ हैं पर अब वह वेबसाइट उसे वापस नहीं ले रही। इस पूरी समस्या को स्पष्ट करते हुए उस वेबसाइट के उपभोक्ता संपर्क विभाग को लगभग 80 शब्दों में ईमेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : zubair.alam@mail.com
प्रति (To) : grahakseva@website.com
विषय : दोषपूर्ण कपड़ों की वापसी के संबंध में
महोदय/महोदया,
मैंने दिनांक 2 मार्च को आपकी वेबसाइट से ऑर्डर संख्या 45XXX के अंतर्गत कुछ कपड़े मँगवाए थे। प्राप्त कपड़ों का नाप ग़लत है और दो कमीज़ों की सिलाई भी उधड़ी हुई है। वापसी का अनुरोध करने पर उसे अस्वीकार कर दिया गया, जो आपकी ही वापसी-नीति के विरुद्ध है। कृपया कपड़े वापस लेकर मेरी राशि शीघ्र लौटाएँ, अन्यथा मुझे उपभोक्ता फ़ोरम में शिकायत करनी पड़ेगी।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

जुबैर आलम

प्रश्न 2 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम शाश्वत/शाश्वती है। 'आपने ऑनलाइन खरीदारी में मनोकार्मा' वेबसाइट से एक घड़ी मँगवाई थी। दो महीने में ही घड़ी ने काम करना बंद कर दिया। कंपनी के 'ग्राहक सेवा' को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखकर शिकायत कीजिए और उचित मुआवज़े की माँग भी कीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : shashwat@mail.com
प्रति (To) : customercare@manokarma.com
विषय : ख़राब घड़ी को बदलने हेतु
महोदय/महोदया,
मैंने दो माह पूर्व आपकी वेबसाइट से ऑर्डर संख्या 78XXX के अंतर्गत एक घड़ी मँगवाई थी। घड़ी ने अब काम करना बंद कर दिया है, जबकि वह एक वर्ष की वारंटी-अवधि में है। ग्राहक-सेवा नंबर पर कई बार संपर्क करने पर भी कोई समाधान नहीं मिला। कृपया घड़ी को शीघ्र बदलने अथवा उसकी मरम्मत कराने की व्यवस्था करें। बिल की प्रति संलग्न है।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
शाश्वत

प्रश्न 3 2023 (3/4/1)

ई-मेल द्वारा किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 80 शब्दों में सूचित कीजिए कि आपके निवास स्थान के आसपास अधिक वर्षा के कारण बाढ़ का-सा माहौल बन गया है। जल-भराव से मुक्ति के लिए तुरंत सहायता अपेक्षित है।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : kakhaga@mail.com
प्रति (To) : sampadak@dainikpatra.com
विषय : जल-भराव की समस्या की ओर ध्यान दिलाने हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से प्रशासन का ध्यान अपने क्षेत्र शांति नगर की ओर दिलाना चाहता हूँ। लगातार वर्षा से यहाँ बाढ़ जैसा माहौल है; गलियों में घुटनों तक पानी भरा है, घरों में पानी घुस रहा है और बीमारियाँ फैलने का डर है। कृपया इस समस्या को प्रकाशित करें ताकि जल-निकासी की व्यवस्था शीघ्र हो सके।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
क.ख.ग., शांति नगर

प्रश्न 4 2023 (3/4/2)

आप रूपाली / मयंक हैं। ई-मेल द्वारा बैंक प्रबंधक को अपनी पास-बुक खोने की सूचना लगभग 80 शब्दों में दीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : rupali@mail.com
प्रति (To) : manager@abcbank.com
विषय : पास-बुक खो जाने की सूचना एवं नई पास-बुक हेतु अनुरोध
महोदय/महोदया,
मैं आपकी शाखा की बचत खाता-धारक हूँ; मेरा खाता संख्या 1234XXXX है। कल बाज़ार में मेरी पास-बुक कहीं गिर गई और खोजने पर भी नहीं मिली। कृपया इस सूचना को अपने अभिलेख में दर्ज करें तथा मुझे नई (डुप्लीकेट) पास-बुक जारी करने की कृपा करें।

आवश्यक शुल्क मेरे खाते से काट लिया जाए। पहचान-पत्र की प्रति संलग्न है।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

रूपाली

प्रश्न 5 **2023** (3/4/3)

आप दीपक / दीपिका हैं। आपके बड़े भाई / बहिन का विवाह जून माह की 10 तारीख को होना निश्चित हुआ है। विदेश में रहने वाले अपने मित्र के लिए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल निमंत्रण-पत्र तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : deepak@mail.com
प्रति (To) : mitra@mail.com
विषय : बड़े भाई के विवाह का निमंत्रण
प्रिय मित्र, तुम्हें यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मेरे बड़े भाई का विवाह 10 जून को होना निश्चित हुआ है। समारोह हमारे निवास-स्थान, 15 गांधी नगर में सायं 7 बजे से होगा। तुम मेरे सबसे प्रिय मित्र हो, इसलिए तुम्हारे बिना यह खुशी अधूरी रहेगी। अपने आने की तिथि पहले बता देना ताकि मैं तुम्हें हवाई अड्डे पर लेने आ सकूँ। तुम्हारी प्रतीक्षा रहेगी।
धन्यवाद।

तुम्हारा मित्र

दीपक

प्रश्न 6 **2023** (3/5/1)

आप प्रियंक/प्रियंका हैं। अपने विद्यालय के पुस्तकालय के लिए कक्षा 8-10 तक के सभी विषयों की पुस्तकें प्रकाशन-विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. से मँगवाने हेतु लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : priyank@mail.com
प्रति (To) : publication@ncert.nic.in
विषय : पुस्तकालय हेतु पुस्तकें मँगवाने के संबंध में
महोदय/महोदया,
मैं क.ख.ग. विद्यालय के पुस्तकालय की ओर से यह अनुरोध कर रहा हूँ कि हमें कक्षा 8 से 10 तक के सभी विषयों की पाठ्यपुस्तकों की दस-दस प्रतियाँ भेजने की कृपा करें। पुस्तकों की सूची संलग्न है। कृपया कुल मूल्य, उपलब्ध छूट और भुगतान की विधि बताएँ, ताकि राशि तुरंत भेजी जा सके। पुस्तकें विद्यालय के पते पर भिजवाएँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

प्रियंक, छात्र-प्रतिनिधि, क.ख.ग. विद्यालय

प्रश्न 7 **2023** (3/5/2)

आप दीपाली/दीपक हैं। आपकी कॉलोनी की सड़कें नगर-पालिका द्वारा नई बनवा दी गई हैं। ई-मेल द्वारा नगर-पालिका को नई सड़कें बनवाने के लिए लगभग 80 शब्दों में धन्यवाद ज्ञापन कीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : deepali@mail.com
प्रति (To) : adhyaksh@nagarpalika.gov.in
विषय : नई सड़कों के निर्माण हेतु धन्यवाद
महोदय/महोदया,
मैं सूर्य विहार कॉलोनी के सभी निवासियों की ओर से नगर-पालिका का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूँ। हमारी कॉलोनी की टूटी सड़कों के स्थान पर नई और पक्की सड़कें बन जाने से आवागमन सुगम हो गया है तथा दुर्घटनाओं और जल-भराव की समस्या भी समाप्त हो गई है। इस त्वरित एवं सराहनीय कार्य के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
दीपाली

प्रश्न 8 **2023** (3/5/3)

किसी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित लेख पर 'आपकी चिट्ठी' स्तंभ में छापने के लिए अपने विचार लगभग 80 शब्दों में संपादक को ई-मेल द्वारा भेजिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : kakhaga@mail.com
प्रति (To) : sampadak@dainikpatra.com
विषय : 'आपकी चिट्ठी' स्तंभ हेतु – प्रकाशित लेख पर विचार
महोदय/महोदया,
दिनांक 5 मार्च के अंक में प्रकाशित लेख 'मोबाइल और बचपन' अत्यंत विचारोत्तेजक था। लेखक ने ठीक ही कहा है कि मोबाइल की लत बच्चों को खेल, पुस्तकों और परिवार से दूर कर रही है। मेरा सुझाव है कि अभिभावक स्वयं उदाहरण बनें और घर में 'मोबाइल-मुक्त समय' तय करें। ऐसे उपयोगी लेखों के लिए आपको साधुवाद। कृपया मेरे विचार अपने स्तंभ में प्रकाशित करें।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
क.ख.ग., नई दिल्ली

प्रश्न 9 **2023** (3/6/1)

आपके घर मेहमान आने वाले हैं तो आपने 'तुरत-फुरत' नामक वेबसाइट से कुछ खाने-पीने की वस्तुएँ मँगवाई हैं। बीस मिनट में सामान पहुँचाने वाली इस साइट से 50 मिनट में भी सामान नहीं आया है। इसकी शिकायत करते हुए उपभोक्ता संपर्क विभाग के लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। आपका नाम साधना/सोमेश है।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : kakhaga@mail.com
प्रति (To) : care@turatfurat.com
विषय : सामान देर से पहुँचाने की शिकायत
महोदय/महोदया,
मैंने आज दोपहर ऑर्डर संख्या 90XXX के अंतर्गत आपकी वेबसाइट से खाने-पीने की कुछ वस्तुएँ मँगवाई थीं। आपका दावा बीस मिनट में सामान पहुँचाने का है, पर सामान पचास मिनट बाद पहुँचा। इस देरी से मेहमानों के सामने मुझे असुविधा हुई। कृपया इस लापरवाही की जाँच करें, उचित क्षतिपूर्ति दें और भविष्य में समय का ध्यान रखें।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
क.ख.ग.

प्रश्न 10 2023 (3/6/2)

आप बतौर अध्यापक कार्यरत हैं लेकिन आप किसी कारण से अब अपना व्यवसाय बदलना चाहते हैं। नौकरी से त्यागपत्र देते हुए विद्यालय प्रमुख को 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए। आपका नाम प्रेरणा/प्रतीक है।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : kakhaga@mail.com
प्रति (To) : principal@abcschool.com
विषय : अध्यापक पद से त्यागपत्र
महोदय/महोदया,
सविनय निवेदन है कि मैं पिछले पाँच वर्षों से आपके विद्यालय में अध्यापक के रूप में कार्यरत हूँ। अब मैं व्यक्तिगत कारणों से अपना व्यवसाय बदलना चाहता हूँ। अतः मैं अपने पद से त्यागपत्र दे रहा हूँ; कृपया इसे एक माह की सूचना-अवधि मानकर स्वीकार करें। इन वर्षों में मिले सहयोग और स्नेह के लिए मैं आपका तथा विद्यालय-परिवार का आभारी हूँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
क.ख.ग.

प्रश्न 11 2023 (3/6/3)

आप कोल्हापुर, महाराष्ट्र के निवासी मिलिंद/भुवी हैं। आपके एक परिचित ने आपको दिल्ली से एक पार्सल भेजा जो 25 दिनों बाद भी नहीं मिला। आप कूरियर कंपनी को ई- मेल लिखकर शिकायत करते हुए उचित कार्यवाही करने की चेतावनी दीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : milind@mail.com
प्रति (To) : support@abccourier.com
विषय : पार्सल न मिलने की शिकायत
महोदय/महोदया,
मेरे परिचित ने 25 दिन पूर्व दिल्ली से आपकी कंपनी द्वारा मेरे कोल्हापुर के पते पर एक पार्सल भेजा था, जिसकी बुकिंग संख्या

DL45XXX है। इतने दिन बीत जाने पर भी पार्सल मुझे नहीं मिला और आपकी वेबसाइट पर उसकी स्थिति भी नहीं दिख रही। कृपया पार्सल की खोज कराकर उसे शीघ्र पहुँचाएँ, अन्यथा उसकी पूरी क्षतिपूर्ति करें।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

मिलिंद, कोल्हापुर

प्रश्न 12 **2024** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप राजन/रजनी हैं। अपने बैंक खाते में नेट बैंकिंग की सुविधा प्राप्त करने के लिए संबंधित शाखा प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : rajan@mail.com
प्रति (To) : manager@abcbank.com
विषय : नेट बैंकिंग सुविधा प्रारंभ करने हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपकी शाखा का बचत खाता-धारक हूँ; मेरा खाता संख्या 5678XXXX है। ऑनलाइन लेन-देन की सुविधा के लिए मैं अपने खाते में नेट बैंकिंग सेवा प्रारंभ करवाना चाहता हूँ। मेरा मोबाइल नंबर और ई-मेल पता खाते में पहले से पंजीकृत हैं। कृपया यह सुविधा शीघ्र सक्रिय करें तथा यूज़र-आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने की प्रक्रिया बताएँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

राजन

प्रश्न 13 **2024** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आप धनुश्री/धनुष हैं। अपने क्षेत्र में जलभराव की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने शहर के नगर निगम/नगरपालिका को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : dhanush@mail.com
प्रति (To) : commissioner@nagarnigam.gov.in
विषय : क्षेत्र में जल-भराव की समस्या
महोदय/महोदया,
मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र विकास नगर की जल-भराव की समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। थोड़ी-सी वर्षा में ही सड़कों पर पानी भर जाता है क्योंकि नालियाँ कूड़े से अटी पड़ी हैं। इससे आवागमन बाधित है और मच्छरों के कारण बीमारियाँ फैल रही हैं। कृपया नालियों की सफ़ाई और जल-निकासी की स्थायी व्यवस्था शीघ्र करवाएँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

धनुष

प्रश्न 14 2024 (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आप निभा / निर्भय हैं। आपने ऑनलाइन खरीददारी करके कुछ कपड़े खरीदे थे। उनकी गुणवत्ता आपकी आवश्यकताओं के अनुकूल न होने के कारण आपने उन्हें वापस कर दिया था। परंतु 10 दिन बीत जाने के बाद भी आपकी रकम वापस नहीं आई। संबंधित कंपनी के ग्राहक सेवा कक्ष (कस्टमर सर्विस सेल) को ई-मेल द्वारा अपनी समस्या से अवगत कराइए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : nirbhay@mail.com
प्रति (To) : refund@website.com
विषय : लौटाए गए कपड़ों की राशि वापस न मिलने के संबंध में
महोदय/महोदया,
मैंने आपकी वेबसाइट से ऑर्डर संख्या 33XXX के अंतर्गत कुछ कपड़े खरीदे थे। गुणवत्ता अनुकूल न होने पर मैंने उन्हें 5 मार्च को वापस कर दिया था, जिसकी पावती मेरे पास है। आपकी नीति के अनुसार राशि सात दिन में लौटनी थी, पर बीस दिन बाद भी मुझे धन-वापसी नहीं मिली। कृपया मेरी राशि शीघ्र मेरे खाते में लौटाएँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
निर्भय

प्रश्न 15 2024 (3/4/1)

आप दिनेश/सृष्टि हैं। आपके मुहल्ले में पानी की आपूर्ति बाधित है, अत: जल उपलब्ध कराने के लिए जल आपूर्ति-विभाग के अध्यक्ष को लगभग 80 शब्दों में शिकायती ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : dinesh@mail.com
प्रति (To) : adhyaksh@jalvibhag.gov.in
विषय : मुहल्ले में जल-आपूर्ति बाधित होने की शिकायत
महोदय/महोदया,
मैं आपका ध्यान अपने मुहल्ले राम नगर की गंभीर समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। पिछले एक सप्ताह से यहाँ पानी की आपूर्ति पूरी तरह बाधित है। लोगों को दूर-दूर से पानी ढोना पड़ रहा है; बच्चे और बुज़ुर्ग सबसे अधिक परेशान हैं। कृपया पाइप-लाइन की जाँच कराकर आपूर्ति शीघ्र बहाल करें और तब तक टैंकरों की व्यवस्था करवाएँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
दिनेश

प्रश्न 16 2024 (3/4/2)

आप नीलम/राजन हैं। आपके क्षेत्र में डेंगू-मलेरिया फैल रहा है। नगर-निगम स्वास्थ्य-अधिकारी को अपेक्षित क़दम उठाने के लिए लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : neelam@mail.com
प्रति (To) : health@nagarnigam.gov.in
विषय : क्षेत्र में डेंगू-मलेरिया की रोकथाम हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र गांधी नगर में फैल रहे डेंगू और मलेरिया की ओर दिलाना चाहती हूँ। जगह-जगह गंदा पानी जमा है और मच्छरों की भरमार है; कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। कृपया क्षेत्र में तुरंत दवा का छिड़काव और फ़ॉगिंग करवाएँ, जमा पानी की निकासी कराएँ तथा एक स्वास्थ्य-शिविर लगवाने की व्यवस्था करें।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
नीलम

प्रश्न 17 2024 (3/4/3)

आप परमजीत कौर/जितेंदर सिंह हैं। आपके मोहल्ले के पार्क में अनपेक्षित व्यक्तियों का जमावड़ा रहता है। जिसके कारण बच्चों को खेलने का स्थान नहीं मिल पाता। इस समस्या के निदान के लिए नगर-निगम अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : paramjeet@mail.com
प्रति (To) : sho@police.gov.in
विषय : पार्क में असामाजिक तत्वों के जमावड़े के संबंध में
महोदय/महोदया,
मैं आपका ध्यान अपने मोहल्ले के बाल-उद्यान की समस्या की ओर दिलाना चाहती हूँ। वहाँ दिन-भर अनपेक्षित व्यक्तियों का जमावड़ा रहता है जो जुआ खेलते और शोर मचाते हैं। इस कारण बच्चों को खेलने का स्थान नहीं मिलता और महिलाएँ भी असुरक्षित अनुभव करती हैं। कृपया पार्क में नियमित गश्त की व्यवस्था कर इस समस्या से मुक्ति दिलाएँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
परमजीत कौर

प्रश्न 18 2024 (3/5/1)

आप कमलदीप/पूनम हैं। अपने मुहल्ले में बरसात के बाद होने वाली जल-भराव की समस्या को दूर करने के लिए नगर-निगम अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : kamaldeep@mail.com
प्रति (To) : adhikari@nagarnigam.gov.in
विषय : बरसात के बाद जल-भराव की समस्या दूर करने हेतु
महोदय/महोदया,
हमारे मुहल्ले प्रेम नगर में हर बरसात के बाद कई-कई दिन पानी भरा रहता है। नालियाँ जाम हैं और सड़क का ढलान भी ठीक नहीं है।

गंदे पानी से बदबू और मच्छर फैल रहे हैं तथा बच्चों का विद्यालय जाना कठिन हो गया है। कृपया नालियों की सफ़ाई और जल-निकासी की स्थायी व्यवस्था शीघ्र करवाने की कृपा करें।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

कमलदीप

प्रश्न 19 2024 (3/5/2) • 2026 (3/4/1)

आप काव्या/महेश हैं। आपके क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति पहले अनियमित थी। उसमें अब पर्याप्त सुधार हुआ है। विद्युत आपूर्ति निगम के महानिदेशक को धन्यवाद ज्ञापन के लिए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : kavya@mail.com
प्रति (To) : dg@vidyutnigam.gov.in
विषय : विद्युत आपूर्ति में सुधार हेतु धन्यवाद
महोदय/महोदया,
हमारे क्षेत्र में पहले विद्युत आपूर्ति बहुत अनियमित थी; घंटों की कटौती से पढ़ाई और काम-काज प्रभावित होता था। पिछले दो माह से आपूर्ति नियमित हो गई है और वोल्टेज की समस्या भी दूर हुई है। इस सुधार के लिए मैं सभी क्षेत्रवासियों की ओर से आपका और आपके कर्मचारियों का हार्दिक धन्यवाद करती हूँ। आशा है, यह व्यवस्था आगे भी बनी रहेगी।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

काव्या

प्रश्न 20 2024 (3/5/3)

आप हरदीप/स्नेहा हैं। आपने अपने मुहल्ले में जल-भराव की समस्या के लिए नगर-निगम अधिकारी को पत्र लिखा था जिस पर तुरंत ही कार्रवाई की गई। उसके लिए संबंधित अधिकारी को धन्यवाद ज्ञापन के लिए 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : hardeep@mail.com
प्रति (To) : adhikari@nagarnigam.gov.in
विषय : जल-भराव की समस्या पर त्वरित कार्रवाई हेतु धन्यवाद
महोदय/महोदया,
मैंने कुछ दिन पूर्व अपने मुहल्ले में जल-भराव की समस्या के संबंध में आपको पत्र लिखा था। मुझे प्रसन्नता है कि उस पर तुरंत कार्रवाई हुई – नालियाँ साफ़ करा दी गईं और जल-निकासी की व्यवस्था ठीक कर दी गई। अब वर्षा में पानी नहीं ठहरता। इस तत्परता के लिए मैं सभी मुहल्लेवासियों की ओर से आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

हरदीप

प्रश्न 21 2025 (3/1/2, 3/1/3)

आप आमना/अमन हैं। अ.ब.स. बैंक के प्रबंधक को, एक शहर से दूसरे शहर में बचत खाता स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जानने हेतु लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : aman@mail.com
प्रति (To) : manager@abcbank.com
विषय : बचत खाता दूसरे शहर में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जानने हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपकी शाखा का बचत खाता-धारक हूँ; मेरा खाता संख्या 2468XXXX है। मेरे पिताजी का स्थानांतरण जयपुर हो गया है, अतः मैं अपना खाता वहाँ की शाखा में स्थानांतरित करवाना चाहता हूँ। कृपया बताएँ कि इसके लिए कौन-सा प्रपत्र भरना होगा, कौन-से दस्तावेज़ लगेंगे और इसमें कितना समय लगेगा।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

अमन

प्रश्न 22 2025 (3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम रोज़ी/राकेश है और आप दूर-दराज़ के एक गाँव में रहते हैं। वहाँ से आपने ज़रूरी दवाएँ 'अ.ब.स'. नामक कंपनी से मँगाई हैं। कंपनी ने सप्ताह भर में भेजने का वादा करके तीन सप्ताह लगा दिए पर दवाएँ अब तक नहीं पहुँची हैं। जबकि आप अग्रिम भुगतान कर चुके हैं। कंपनी के 'उपभोक्ता-शिकायत विभाग'? में 'उपभोक्ता कोर्ट' में इसकी शिकायत दर्ज करवाने की चेतावनी देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : rakesh@mail.com
प्रति (To) : care@abcpharma.com
विषय : दवाएँ समय पर न पहुँचने की शिकायत
महोदय/महोदया,
मैं एक दूर-दराज़ के गाँव में रहता हूँ। मैंने ऑर्डर संख्या 61XXX के अंतर्गत आपकी कंपनी से कुछ ज़रूरी दवाएँ मँगवाई थीं, जिन्हें एक सप्ताह में भेजने का आश्वासन दिया गया था। पंद्रह दिन बीत जाने पर भी दवाएँ नहीं पहुँचीं, जबकि रोगी को इनकी तुरंत आवश्यकता है। कृपया दवाएँ शीघ्रतम भिजवाएँ अथवा मेरी राशि लौटाएँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

राकेश

प्रश्न 23 2025 (3/3/2, 3/3/3)

आप सोनी/राघव हैं। क.ख.ग. बैंक से आपके मोबाइल पर एक शाम आपके क्रेडिट कार्ड से दस हजार रुपए की राशि का भुगतान होने की सूचना आई जबकि आपने कोई खरीदारी या भुगतान भी नहीं किया है। बैंक के क्रेडिट कार्ड शाखा में पूरे घटनाक्रम का विवरण लिखते हुए लगभग 80 शब्दों में एक ईमेल लिखिए। साथ ही उचित कार्रवाई न होने तक तत्काल प्रभाव से क्रेडिट कार्ड के माध्यम से होने वाले लेन-देन पर रोक लगाने का अनुरोध भी कीजिए

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : raghav@mail.com
प्रति (To) : manager@kkgbank.com
विषय : क्रेडिट कार्ड से अनधिकृत भुगतान की शिकायत
महोदय/महोदया,
कल शाम मेरे मोबाइल पर सूचना आई कि मेरे क्रेडिट कार्ड (अंतिम अंक 4417) से दस हज़ार रुपये का भुगतान हुआ है, जबकि मैंने कोई खरीदारी या भुगतान नहीं किया। यह स्पष्ट रूप से धोखाधड़ी है। कृपया मेरा कार्ड तुरंत बंद (ब्लॉक) करें, इस लेन-देन की जाँच कराएँ और काटी गई राशि मेरे खाते में वापस करें।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
राघव

प्रश्न 24 **2025** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आप नीलाक्षी/नीलकांत हैं। आपके पिताजी का पैन कार्ड कहीं खो गया है। इस संबंध में आयकर अधिकारी को अपने पिताजी की ओर से लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : neelkant@mail.com
प्रति (To) : ito@incometax.gov.in
विषय : पैन कार्ड खो जाने की सूचना एवं डुप्लीकेट कार्ड हेतु
महोदय/महोदया,
मैं अपने पिताजी श्री क.ख.ग. की ओर से यह ई-मेल लिख रहा हूँ। उनका पैन कार्ड (संख्या ABCDE12XXX) यात्रा के दौरान कहीं खो गया है, जिसकी सूचना थाने में दे दी गई है। कृपया डुप्लीकेट पैन कार्ड जारी करने की कृपा करें और इसकी प्रक्रिया तथा शुल्क की जानकारी दें। आवश्यक दस्तावेज़ों की प्रतियाँ संलग्न हैं।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
नीलकांत

प्रश्न 25 **2025** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप नमित/नमिता हैं। आपने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया था परंतु आपको इसका कोई उत्तर नहीं मिला है। इस संबंध में राज्य परिवहन विभाग को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : namit@mail.com
प्रति (To) : rto@transport.gov.in
विषय : ड्राइविंग लाइसेंस के आवेदन की स्थिति जानने हेतु
महोदय/महोदया,
मैंने 10 जनवरी को ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन (संख्या DL-78XXX) किया था और परीक्षण भी सफलतापूर्वक दे दिया था। दो

माह बीत जाने पर भी मुझे न लाइसेंस मिला है, न कोई उत्तर। कृपया मेरे आवेदन की वर्तमान स्थिति बताएँ और लाइसेंस शीघ्र मेरे पते पर भिजवाने की कृपा करें।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

नमित

प्रश्न 26 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

आप भव्या / भव्य हैं। विद्यालय में नामांकन के समय आपकी जन्मतिथि गलत दर्ज हो गई है। दसवीं के पंजीकरण से पहले आप इसे सुधरवाना चाहते हैं। जन्मतिथि में सुधार हेतु निवेदन करते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : bhavya@mail.com
प्रति (To) : principal@abcschool.com
विषय : विद्यालय-अभिलेख में जन्मतिथि में सुधार हेतु
महोदय/महोदया,
मैं आपके विद्यालय की कक्षा नवीं 'अ' की छात्रा हूँ। नामांकन के समय अभिलेख में मेरी जन्मतिथि 15 मई 2011 के स्थान पर भूलवश 15 मार्च 2011 दर्ज हो गई है। दसवीं के बोर्ड-पंजीकरण से पहले इसे सुधरवाना आवश्यक है। कृपया मेरी जन्मतिथि ठीक करवाने की कृपा करें। जन्म-प्रमाणपत्र की प्रति संलग्न है।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

भव्या

प्रश्न 27 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप जयपुर शहर के निवासी अमन/रोमा हैं। शहर में आए दिन होने वाली बारिश की वजह से उत्पन्न समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए नगर निगम अध्यक्ष को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए, जिसमें शीघ्रातिशीघ्र समस्याओं के समाधान का आग्रह भी किया गया हो।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : aman@mail.com
प्रति (To) : adhyaksh@jaipurnagarnigam.gov.in
विषय : बारिश से उत्पन्न समस्याओं के समाधान हेतु
महोदय/महोदया,
जयपुर में आए दिन होने वाली बारिश से शहर की स्थिति चिंताजनक हो गई है। सड़कों पर पानी भर जाता है, गड्ढों से दुर्घटनाएँ हो रही हैं, जाम लगा रहता है और जगह-जगह कूड़ा सड़ने से बीमारियाँ फैल रही हैं। कृपया नालों की सफ़ाई, सड़कों की मरम्मत और जल-निकासी की उचित व्यवस्था शीघ्र करवाएँ ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया

अमन, जयपुर

प्रश्न 28 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम जॉन/जॉली है। अपनी कक्षा के विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार कुछ पुस्तकों का उल्लेख करते हुए उन्हें विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध कराने का निवेदन करते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : john@mail.com
प्रति (To) : principal@abcschool.com
विषय : पुस्तकालय में रुचिकर पुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु
महोदय/महोदया,
मैं कक्षा दसवीं का छात्र हूँ। हमारी कक्षा के विद्यार्थी विज्ञान-कथाएँ, महापुरुषों की जीवनियाँ, प्रेमचंद की कहानियाँ और प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें पढ़ना चाहते हैं, पर ये पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। कृपया इन पुस्तकों को पुस्तकालय में मँगवाने की कृपा करें ताकि हमारी पढ़ने की रुचि और ज्ञान बढ़ सके।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
जॉन, कक्षा दसवीं

प्रश्न 29 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आपका नाम राधिका/राघव है और आप जिस क्षेत्र में रहते हैं वहाँ आपराधिक घटनाएँ बढ़ रही हैं। अपने क्षेत्र के थानाध्यक्ष को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखकर समस्याओं से अवगत कराते हुए सहायता का अनुरोध कीजिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : raghav@mail.com
प्रति (To) : sho@police.gov.in
विषय : क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के संबंध में
महोदय/महोदया,
मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र सुभाष नगर में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं की ओर दिलाना चाहता हूँ। पिछले एक माह में यहाँ चोरी और झपटमारी की कई घटनाएँ हुई हैं। शाम के बाद लोग घर से निकलने में डरते हैं। कृपया क्षेत्र में पुलिस-गश्त बढ़ाएँ और प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की व्यवस्था करें।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
राघव

प्रश्न 30 **2026** (3/4/2, 3/4/3)

आप अनुराधा/अनुराग हैं। आपके क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति पहले अनियमित थी। उसमें अब पर्याप्त सुधार हुआ है। विद्युत आपूर्ति निगम के महानिदेशक को धन्यवाद ज्ञापन के लिए लगभग 8 • शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : anurag@mail.com
प्रति (To) : dg@vidyutnigam.gov.in
विषय : विद्युत आपूर्ति में सुधार हेतु धन्यवाद
महोदय/महोदया,
हमारे क्षेत्र में पहले बिजली की आपूर्ति बहुत अनियमित थी, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई और लोगों का काम-काज प्रभावित होता था। अब आपूर्ति में पर्याप्त सुधार हुआ है और कटौती लगभग समाप्त हो गई है। इस सराहनीय कार्य के लिए मैं सभी क्षेत्रवासियों की ओर से आपको तथा आपके विभाग को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
अनुराग

प्रश्न 31 **2026** (3/5/1, 3/5/3)

आप रजनी/राजन हैं। आपने ऑनलाइन कुछ पुस्तकें मँगवाईं थीं, लेकिन पुस्तकें आपके ऑर्डर के अनुरूप नहीं आईं हैं। इसकी शिकायत करते हुए प्रबंधक महोदय को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए।

आदर्श उत्तर

प्रेषक (From) : rajan@mail.com
प्रति (To) : manager@bookstore.com
विषय : ग़लत पुस्तकें भेजे जाने की शिकायत
महोदय/महोदया,
मैंने ऑर्डर संख्या 52XXX के अंतर्गत आपकी वेबसाइट से कक्षा दसवीं की पाँच पुस्तकें मँगवाई थीं। प्राप्त पार्सल में दो पुस्तकें दूसरी कक्षा की हैं और एक के पृष्ठ फटे हुए हैं। कृपया ग़लत पुस्तकें वापस लेकर सही पुस्तकें शीघ्र भेजें अथवा मेरी राशि लौटाएँ। ऑर्डर और पुस्तकों के चित्र संलग्न हैं।
धन्यवाद।

भवदीय/भवदीया
राजन

विज्ञापन-लेखन

CBSE अंक-योजना के अनुसार मूल्यांकन-बिंदु

- रचनात्मकता = 1 अंक
- विषयवस्तु = 2 अंक
- समग्र प्रभाव = 1 अंक (कुल 4 अंक)
- भाषा-प्रयोग और प्रस्तुति, दोनों स्तरों पर रचनात्मकता के प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाते हैं।
- आकर्षक भाषिक प्रयोग के लिए अन्य भाषाओं के शब्द स्वीकार्य हैं; रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है।

उत्तर का प्रारूप

बॉक्स (चौखटे) के भीतर लिखें • सबसे ऊपर आकर्षक शीर्षक / नारा
वस्तु या सेवा की 3–4 विशेषताएँ (छोटे, तुकांत या प्रभावी वाक्यांश)
छूट / प्रस्ताव (यदि हो) • संपर्क-सूत्र — पता, फ़ोन, वेबसाइट
शब्द-सीमा लगभग 40 शब्द

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

हस्तनिर्मित वस्तुओं का निर्माण करने वाले शिल्पकारों की संस्था 'कलाकौशल' के प्रचार-प्रसार के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

हुनर हाथों का, गौरव देश का – 'कलाकौशल'

शिल्पकारों के हाथों से बनी अनूठी वस्तुएँ

मिट्टी, लकड़ी, धातु और कपड़े की सजावटी कलाकृतियाँ

उचित दाम • शुद्ध स्वदेशी • हर घर की शोभा

संपर्क : कलाकौशल शिल्प-संस्था, हस्तशिल्प बाज़ार • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

सोलर बल्ब और लाइट बनाने वाली कंपनी 'रोशनी' के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

सूरज से लीजिए उजाला – 'रोशनी' सोलर बल्ब और लाइट

बिजली का बिल आधा, उजाला पूरा

एक बार लगाइए, बरसों चलाइए • 2 वर्ष की गारंटी

पर्यावरण का मित्र, जेब का साथी

आज ही खरीदें – निकटतम विक्रेता या 1800-XXX-XXXX

प्रश्न 3 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

अंगदान के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

अंगदान – जीवनदान

जाते-जाते किसी को नई ज़िंदगी दे जाइए

एक व्यक्ति का अंगदान आठ लोगों का जीवन बचा सकता है

आज ही संकल्प लें, अंगदान-पत्र भरें

स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी • हेल्पलाइन : 1800-XXX-XXXX

प्रश्न 4 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

'ललित कला केन्द्र' कथक और भरतनाट्यम नृत्य कला का प्रशिक्षण प्रारंभ कर रहा है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

थिरकें कदम, निखरे व्यक्तित्व – 'ललित कला केन्द्र'

कथक और भरतनाट्यम का प्रशिक्षण प्रारंभ

अनुभवी गुरु • सभी आयु-वर्ग के लिए बैच • प्रमाण-पत्र की सुविधा

पहले 50 प्रवेशों पर शुल्क में 20% छूट

संपर्क : ललित कला केन्द्र, मुख्य मार्ग • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 5 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

महिलाओं की सहायता हेतु स्थापित संस्था - 'सहयोगिनी' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

हर महिला के साथ, हर कदम पर – 'सहयोगिनी'

कानूनी सलाह • स्वरोज़गार प्रशिक्षण • आपात सहायता

आपकी बात पूरी तरह गोपनीय

डरिए नहीं, आगे बढ़िए – हम आपके साथ हैं

निःशुल्क हेल्पलाइन : 1800-XXX-XXXX (24 घंटे)

प्रश्न 6 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3, 3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

सोलर कूकर बनाने वाली कंपनी 'रविरश्मि' के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

सूरज की आँच, सेहत का स्वाद – 'रविरश्मि' सोलर कूकर

न गैस का खर्च, न धुएँ की परेशानी

धूप में रखिए और स्वादिष्ट, पौष्टिक भोजन पाइए

मज़बूत बनावट • आसान देखभाल • 2 वर्ष की गारंटी

आज ही खरीदें – निकटतम विक्रेता या 1800-XXX-XXXX

प्रश्न 7 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'नेत्रदान' के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

नेत्रदान – महादान

आपकी आँखें किसी के जीवन का अँधेरा मिटा सकती हैं

मृत्यु के बाद भी देखती रहेंगी आपकी आँखें

आज ही नेत्रदान का संकल्प-पत्र भरें

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी • निकटतम नेत्र-बैंक या 1919 पर संपर्क करें

प्रश्न 8 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

योग प्रशिक्षण केन्द्र 'आरोग्य' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

योग अपनाइए, रोग भगाइए – 'आरोग्य' योग प्रशिक्षण केन्द्र

प्रशिक्षित योगाचार्य • सुबह-शाम के बैच

प्राणायाम, ध्यान और आसन का नियमित अभ्यास

पहला सप्ताह निःशुल्क

संपर्क : आरोग्य केन्द्र, गांधी उद्यान के सामने • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 9 2022 टर्म-II (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

लॉक डाउन के दौरान आर्थिक संकट से गुजर रहे मूर्तिकारों की सहायता हेतु स्थापित संस्था 'शिल्पी' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

मूर्तियों में प्राण फूँकने वाले हाथों को थामिए – 'शिल्पी'

लॉकडाउन से प्रभावित मूर्तिकारों की बनाई सुंदर मूर्तियाँ खरीदें

आपकी एक खरीद, एक परिवार की मुस्कान

ऑनलाइन ऑर्डर और घर-पहुँच सेवा उपलब्ध

संपर्क : शिल्पी संस्था • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 10 2022 टर्म-II (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'रक्तदान' के प्रति आम लोगों में जागरूकता लाने के लिए 'स्वास्थ्य मंत्रालय' के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

रक्तदान – महादान

आपका दिया रक्त किसी की साँसें लौटा सकता है

18 से 65 वर्ष का हर स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है • रक्तदान से कमज़ोरी नहीं आती

आइए, निकटतम रक्तदान शिविर में पहुँचकर जीवन बचाएँ

स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी • हेल्पलाइन : 1800-XXX-XXXX

प्रश्न 11 2022 टर्म-II (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

चश्मा बनाने एवं बेचने वाली कंपनी 'दृष्टि' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

साफ़ नज़र, सुंदर अंदाज़ – 'दृष्टि' चश्मे

नज़र और धूप के चश्मों की विशाल शृंखला

निःशुल्क नेत्र-जाँच • हल्के और मज़बूत फ्रेम

हर चश्मे के साथ एक वर्ष की गारंटी

पधारें : दृष्टि ऑप्टिकल्स, सदर बाज़ार • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 12 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आपके बड़े भाई ने बेकरी की एक दुकान खोली है। उसके लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

ताज़गी हर निवाले में – 'स्वाद बेकरी' का शुभारंभ

केक, पेस्ट्री, बिस्कुट और ब्रेड – रोज़ ताज़ा

शुद्धता और स्वच्छता की पूरी गारंटी

जन्मदिन के केक पर 10% की छूट

पता : स्वाद बेकरी, मुख्य बाज़ार • ऑर्डर के लिए : 98XXXXXXXX

प्रश्न 13 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आपकी बहन का एक थिएटर-समूह है। वे इस शहर में अपने नए नाटक का मंचन करने जा रही है। उसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

आइए, देखिए – नया नाटक 'उजाले की ओर'

'रंगमंच' थिएटर-समूह की भावपूर्ण प्रस्तुति

दिनांक : 15 मार्च, सायं 6 बजे • स्थान : नगर सभागार

सीमित सीटें – आज ही टिकट आरक्षित करें

टिकट के लिए संपर्क : 98XXXXXXXX

प्रश्न 14 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

मुख्य चुनाव आयुक्त की ओर से 50 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार कीजिए जिसका विषय है – 'मतदान: प्रत्येक नागरिक का अधिकार और कर्त्तव्य'।

आदर्श उत्तर

मतदान – आपका अधिकार भी, कर्तव्य भी

एक-एक वोट से बनता है मज़बूत लोकतंत्र

18 वर्ष के हो गए? मतदाता-सूची में नाम अवश्य जुड़वाएँ

मतदान के दिन घर से निकलें, निडर होकर वोट डालें

मुख्य चुनाव आयुक्त, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनहित में जारी • हेल्पलाइन : 1950

प्रश्न 15 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आपकी सोसायटी के पास ठेले लगाने वाले व्यक्ति का 10 वर्षीय बच्चा गुम हो गया है। उसके लिए अखबार में 'खोया-पाया' कॉलम के अंतर्गत एक विज्ञापन 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

खोया-पाया : गुमशुदा बालक की तलाश

नाम – राजू, आयु 10 वर्ष, रंग साँवला, कद लगभग 4 फुट

नीली कमीज़ और काली निकर पहने है; 10 मार्च से सूर्य नगर सोसायटी के पास से लापता

सूचना देने वाले को उचित इनाम

संपर्क : रामलाल (पिता) – 98XXXXXXXX या निकटतम थाना

प्रश्न 16 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

जल संकट के प्रति जनता को जागरूक करने के लिए लगभग 60 शब्दों में एक जनहित विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

जल है तो कल है

बूँद-बूँद बचाइए, आने वाली पीढ़ी को प्यास से बचाइए

नल खुला न छोड़ें • वर्षा-जल का संचय करें

पानी की बरबादी रोकना हम सबकी ज़िम्मेदारी

जल-संसाधन विभाग द्वारा जनहित में जारी

प्रश्न 17 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

स्वच्छता के प्रचार-प्रसार के लिए एक जनहितकारी विज्ञापन प्रदेश सरकार की ओर से लगभग 60 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्वच्छ प्रदेश, स्वस्थ प्रदेश

कूड़ा सदा कूड़ेदान में ही डालें

गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखें

अपना घर ही नहीं, गली-मोहल्ला भी साफ़ रखें

प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में जारी

प्रश्न 18 **2023** (3/4/1)

आपके पिताजी ने पाठ्यपुस्तकों की दुकान खोली है, उसके प्रचार के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

किताबें वही, दाम सही – ‘ज्ञानदीप पुस्तक भंडार’

सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकें एक ही छत के नीचे

कॉपियाँ, संदर्भ-पुस्तकें और स्टेशनरी भी उपलब्ध

पूरे सेट पर 15% की छूट

पता : ज्ञानदीप पुस्तक भंडार, विद्यालय मार्ग • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 19 2023 (3/4/2)

आपके विद्यालय के बच्चों ने दीपावली के दीए, मोमबत्ती आदि तैयार किए हैं। उनकी बिक्री के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

इस दीवाली, नन्हे हाथों के बनाए दीए जलाइए

विद्यालय के बच्चों द्वारा बनाए रंग-बिरंगे दीए और सुगंधित मोमबत्तियाँ

किफ़ायती दाम • आकर्षक सजावट

बिक्री की राशि ज़रूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए

स्थान : विद्यालय प्रांगण • 20 से 25 अक्टूबर, प्रातः 9 से 2 बजे

प्रश्न 20 2023 (3/4/3)

आपके मित्र को स्टेशनरी की दुकान खोलनी है। उसके प्रचार के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

पढ़ाई का हर साथी यहाँ – ‘कलम-दवात स्टेशनरी’

कॉपी, पेन, रंग, ज्योमेट्री बॉक्स, फ़ाइलें – सब उपलब्ध

उत्तम गुणवत्ता, उचित मूल्य

उद्घाटन सप्ताह में हर खरीद पर उपहार

पता : कलम-दवात स्टेशनरी, बस-अड्डे के पास • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 21 2023 (3/5/1)

आपके भाई ने मिठाई की दुकान खोली है, उसके प्रचार के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

मिठास रिश्तों की – ‘मधुर मिष्ठान भंडार’

शुद्ध देशी घी की ताज़ा मिठाइयाँ और नमकीन

त्योहार और विवाह के ऑर्डर पर विशेष छूट

स्वाद ऐसा कि बार-बार आएँ

पता : मधुर मिष्ठान भंडार, घंटाघर चौक • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 22 2023 (3/5/2)

आपके विद्यालय के माली ने फूलों की पौध तैयार की है। उनके निःशुल्क वितरण के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

आइए, हरियाली घर ले जाइए – पौध का निःशुल्क वितरण

गेंदा, गुलाब, गुड़हल और मौसमी फूलों की पौध

विद्यालय के माली द्वारा तैयार स्वस्थ पौधे

एक पौधा लगाइए, पर्यावरण बचाइए

स्थान : विद्यालय उद्यान • रविवार, प्रातः 8 से 11 बजे

प्रश्न 23 2023 (3/5/3)

कोई कंपनी बाज़ार में नया क्रिकेट बैट लाना चाहती है। उसके प्रचार के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

हर गेंद पर छक्का – नया 'विजेता' क्रिकेट बैट

उत्तम कश्मीरी विलो से निर्मित • हल्का और मज़बूत

बेहतरीन ग्रिप, दमदार स्ट्रोक

बैट के साथ कवर मुफ़्त

सभी खेल-सामग्री विक्रेताओं के पास उपलब्ध

प्रश्न 24 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

जल-प्रदूषण की भयावहता के प्रति सब को सचेत करने वाला एक जनहितकारी विज्ञापन लगभग 60 शब्दों में बनाइए।

आदर्श उत्तर

नदियाँ हमारी जीवन-रेखा हैं, इन्हें ज़हर न बनाइए

कूड़ा-कचरा और प्लास्टिक जल-स्रोतों में न डालें

कारखानों का गंदा पानी नदियों में न बहाएँ

दूषित जल = बीमारियों को न्योता

स्वच्छ जल, सुरक्षित कल – जनहित में जारी

प्रश्न 25 2024 (3/1/1)

राज्य परिवहन निगम की ओर से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

सड़क सुरक्षा – जीवन रक्षा

हेलमेट और सीट-बेल्ट अवश्य लगाएँ

वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें

तेज़ रफ़्तार का मज़ा, बन सकता है सज़ा

राज्य परिवहन निगम द्वारा जनहित में जारी

प्रश्न 26 2024 (3/1/2, 3/2/3)

'जल संरक्षण' के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

जल है तो कल है

बूँद-बूँद बचाइए, जीवन बचाइए

नल खुला न छोड़ें • वर्षा-जल का संचय करें • पानी का दोबारा उपयोग करें

आज की बचत, आने वाली पीढ़ियों की राहत

जनहित में जारी

प्रश्न 27 2024 (3/1/3)

सार्वजनिक रूप से आयोजित दावतों में अन्न की बरबादी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विषय पर लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

अन्न का हर दाना अनमोल

दावत में उतना ही लीजिए, जितना खा सकें

थाली में जूठन न छोड़ें • बचा भोजन ज़रूरतमंदों तक पहुँचाएँ

अन्न बचाइए, किसी की भूख मिटाइए

जनहित में जारी

प्रश्न 28 2024 (3/2/1)

आपके पिताजी घर का प्रथम तल किराए पर देना चाहते हैं, उससे संबंधित जानकारी देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

किराए के लिए उपलब्ध – हवादार प्रथम तल

दो शयनकक्ष, बैठक, रसोई और स्नानघर • बालकनी सहित

24 घंटे पानी-बिजली • बाज़ार और विद्यालय के निकट

छोटे परिवार को वरीयता

संपर्क : श्री क.ख.ग., मकान नं. 12, शांति नगर • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 29 2024 (3/2/2)

'स्वस्थ तन, स्वस्थ मन' विषय पर जागरूकता लाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्वस्थ तन, स्वस्थ मन

रोज़ सुबह 30 मिनट व्यायाम या योग करें

संतुलित भोजन लें, जंक फ़ूड से दूरी बनाएँ

भरपूर नींद लें और मोबाइल से थोड़ा अवकाश

स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की नींव हैं – जनहित में जारी

प्रश्न 30 2024 (3/3/1)

स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रक्तदान हेतु जागरूकता फैलाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

रक्तदान – जीवनदान

आपका एक यूनिट रक्त तीन ज़िंदगियाँ बचा सकता है

18 से 65 वर्ष का हर स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है

रक्तदान से कोई कमज़ोरी नहीं आती

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी • निकटतम ब्लड-बैंक से संपर्क करें

प्रश्न 31 2024 (3/3/2)

पर्यावरण मंत्रालय की ओर से '(पर्यावरण संरक्षण' के प्रति जागरूकता लाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

पर्यावरण बचाइए, जीवन बचाइए

अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ

प्लास्टिक को 'ना' कहें, कपड़े का थैला अपनाएँ

पानी और बिजली की बचत करें

पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी

प्रश्न 32 2024 (3/3/3)

देश में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत

कूड़ा केवल कूड़ेदान में डालें

खुले में गंदगी न फैलाएँ • गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखें

स्वच्छता अपनाइए, बीमारियाँ भगाइए

जनहित में जारी

प्रश्न 33 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आप भूपेंद्र/रूपा हैं। आप अपनी पुरानी साइकिल बेचना चाहते हैं। उससे संबंधित जानकारी देते हुए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

बिकाऊ है – अच्छी हालत की साइकिल

दो वर्ष पुरानी, गियर वाली, नीले रंग की साइकिल

नए टायर, मज़बूत ब्रेक • घंटी और स्टैंड सहित

मूल्य मात्र ₹ 2,500 (मोल-भाव संभव)

संपर्क : भूपेंद्र/रूपा, 24, गांधी नगर • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 34 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप मुजाहिब/ताहिरा हैं। आप अपना लैपटॉप बेचना चाहते/चाहती हैं उससे संबंधित जानकारी देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

बिकाऊ है – बढ़िया हालत का लैपटॉप

एक वर्ष पुराना • 8 जीबी रैम, 512 जीबी स्टोरेज
बैटरी बैकअप उत्तम • बिल, चार्जर और बैग साथ

मूल्य ₹ 22,000 (बातचीत संभव)

संपर्क : मुजाहिब/ताहिरा • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 35 2025 (3/1/1, 3/1/2)

आपकी बहन ने 'दियार' नाम से पॉल्ट्री (मुर्गीपालन) का व्यवसाय ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से शुरू किया है। इस कंपनी की खूबियों को दर्शाने वाला एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में बनाइए।

आदर्श उत्तर

ताज़गी और शुद्धता का भरोसा – 'दियार' पॉल्ट्री

ताज़े अंडे और स्वच्छ पॉल्ट्री उत्पाद

ऑनलाइन ऑर्डर कीजिए, घर बैठे पाइए • दुकान पर भी उपलब्ध

पहले ऑर्डर पर 10% की छूट

ऑर्डर के लिए : www.diyarpoultry.in • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 36 2025 (3/2/1, 3/2/3)

'धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' विषय पर स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक जनहितकारी विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

धूम्रपान छोड़िए, जीवन से नाता जोड़िए

धूम्रपान से कैंसर, दमा और हृदय-रोग होते हैं

आपका धुआँ आपके अपनों को भी बीमार करता है

आज ही छोड़ने का संकल्प लें

स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी • सहायता : 1800-11-2356

प्रश्न 37 2025 (3/3/1)

'मतदान एक अनिवार्य कर्तव्य है' इस विषय पर चुनाव आयोग की ओर से एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

मतदान – हमारा अनिवार्य कर्तव्य

आपका एक वोट देश की दिशा तय करता है

बिना डर, बिना लालच – अपने विवेक से मतदान करें

पहले मतदान, फिर जलपान

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनहित में जारी • हेल्पलाइन : 1950

प्रश्न 38 2025 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

ऊर्जा संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

ऊर्जा बचाइए, भविष्य बचाइए

लाल बत्ती पर इंजन बंद रखें

पैदल, साइकिल और सार्वजनिक वाहनों को अपनाएँ

ईंधन की हर बूँद अनमोल है

पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी

प्रश्न 39 2025 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

पेय जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु जल मंत्रालय की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

पेयजल – प्रकृति का अनमोल उपहार

पीने का पानी उतना ही लें, जितनी प्यास हो

टंकी भरते ही मोटर बंद करें, रिसाव तुरंत रोकें

वर्षा-जल संचयन अपनाएँ

जल मंत्रालय द्वारा जनहित में जारी

प्रश्न 40 2025 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता हेतु ट्रैफिक पुलिस की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 100 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

सुरक्षित चलिए, सुरक्षित घर पहुँचिए

हेलमेट पहनें, सीट-बेल्ट लगाएँ

लाल बत्ती पार न करें, गति-सीमा का पालन करें

नशे में वाहन कभी न चलाएँ

ट्रैफिक पुलिस द्वारा जनहित में जारी

प्रश्न 41 **2026** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आपने अपने पिता के साथ मिलकर दुग्ध उत्पादों (डेयरी प्रोडक्ट्स) की एक कंपनी 'एकम' शुरू की है। उसके प्रचार-प्रसार हेतु लगभग 40 शब्दों में उसका एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

शुद्धता का दूसरा नाम – 'एकम' डेयरी उत्पाद

दूध, दही, पनीर, घी और मक्खन – खेत से सीधे आपके घर

बिना मिलावट, पूरी ताज़गी

सुबह-शाम घर-पहुँच सेवा

ऑर्डर के लिए : 98XXXXXXXX • www.ekamdairy.in

प्रश्न 42 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपकी माँ ने बुनाई सिखाने का एक उद्यम शुरू किया है। उसके प्रचार-प्रसार के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

ऊन के धागों से बुनिए हुनर – 'ममता बुनाई प्रशिक्षण केन्द्र'

स्वेटर, शॉल, टोपी और आधुनिक डिज़ाइन सीखें
घरेलू महिलाओं और छात्राओं के लिए विशेष बैच

प्रशिक्षण के बाद स्वरोज़गार में सहायता

संपर्क : ममता बुनाई केन्द्र, शिव कॉलोनी • फ़ोन : 98XXXXXXXX

प्रश्न 43 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'अंगदान है महादान' - विषय पर एक जनहितकारी आकर्षक विज्ञापन लोगों को प्रोत्साहित करने हेतु लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

अंगदान है महादान

मृत्यु के बाद भी किसी की धड़कन बनकर जीवित रहिए

एक दाता आठ लोगों को नया जीवन दे सकता है

आज ही अंगदान का संकल्प लें और परिवार को बताएँ

जनहित में जारी • हेल्पलाइन : 1800-XXX-XXXX

प्रश्न 44 **2026** (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसके प्रचार के लिए सोसायटी की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

रक्तदान शिविर – आइए, जीवन बचाइए

दिनांक : 14 जून, प्रातः 9 से सायं 4 बजे

स्थान : रेडक्रॉस भवन, सिविल लाइंस

रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र और जलपान

आयोजक : रेडक्रॉस सोसायटी • पंजीकरण : 98XXXXXXXX

प्रश्न 45 **2026** (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने और इसके प्रचार के लिए सरकार की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

आदर्श उत्तर

एक कदम स्वच्छता की ओर

कूड़ा कूड़ेदान में डालें, खुले में न फेंकें

शौचालय का प्रयोग करें, आस-पास सफ़ाई रखें

स्वच्छता अपनाएँ, बीमारियाँ दूर भगाएँ

भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी

संदेश-लेखन

CBSE अंक-योजना के अनुसार मूल्यांकन-बिंदु

- प्रारूप = 1 अंक
- विषयवस्तु = 2 अंक
- भाषा-शुद्धता = 1 अंक (कुल 4 अंक)
- उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाते हैं; संबोधन, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने को लेकर कोई रूढ़ बंधन नहीं है।
- यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक प्रस्तुति पर पूरे अंक दिए जाते हैं।

उत्तर का प्रारूप

बॉक्स (चौखटे) के भीतर लिखें • शीर्षक — 'संदेश' / 'बधाई संदेश' / 'शुभकामना संदेश'
दिनांक और समय
संबोधन — प्रिय ..., / आदरणीय ...,
संदेश की विषयवस्तु (लगभग 40 शब्द) — सीधी, आत्मीय और संक्षिप्त
प्रेषक का नाम

प्रश्न 1 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

संघ लोक सेवा आयोग की प्रशासनिक प्रतियोगिता परीक्षा में चयन हो जाने पर बड़ी बहन को लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय दीदी,
संघ लोक सेवा आयोग की प्रशासनिक परीक्षा में आपके चयन का समाचार पाकर पूरा परिवार गर्व से भर उठा है। यह आपकी लगन और अथक परिश्रम का फल है। आप देश की सेवा में नई ऊँचाइयाँ छुएँ – हार्दिक बधाई!

आपका अनुज, क.ख.ग.

प्रश्न 2 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आपके बड़े भाई का चयन विद्यालय की फुटबॉल टीम में कप्तान के रूप में हो गया है। उसके लिए लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय भैया,
विद्यालय की फुटबॉल टीम के कप्तान चुने जाने पर आपको ढेरों बधाइयाँ! मैदान पर आपकी मेहनत और खेल-भावना रंग लाई है। आपके नेतृत्व में टीम हर मुकाबला जीते – यही मेरी शुभकामना है।

आपका अनुज, क.ख.ग.

प्रश्न 3 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

राजस्थान निवासी अपने मित्र को 'गणगौर' पर्व के अवसर पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,

गणगौर के पावन पर्व पर तुम्हें और तुम्हारे परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ। ईसर-गौर की कृपा से तुम्हारे घर-आँगन में सुख, समृद्धि और प्रेम सदा बना रहे। राजस्थान की यह रंगीली परंपरा यूँ ही खिलती रहे।

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 4 2022 टर्म-II (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3, 3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

'शिक्षक दिवस' के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के छात्रों को प्राचार्य की ओर से लगभग 40 शब्दों में एक साधुवाद बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

साधुवाद संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय विद्यार्थियो,

'शिक्षक दिवस' का कार्यक्रम तुम सबके अनुशासन, सहयोग और रचनात्मकता से अत्यंत सफल रहा। शिक्षकों के प्रति तुम्हारा सम्मान देखकर मन प्रसन्न हुआ। इस सुंदर आयोजन के लिए सभी को साधुवाद और बधाई!

प्राचार्य, क.ख.ग. विद्यालय

प्रश्न 5 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपकी बहन का चयन राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) में हो गया है। उनके लिए लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय दीदी,

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एन.डी.ए.) में आपके चयन की खबर से हम सबका सिर गर्व से ऊँचा हो गया। आपका साहस और परिश्रम हम सबके लिए प्रेरणा है। देश-सेवा के इस पथ पर आपको ढेरों बधाइयाँ!

आपका अनुज, क.ख.ग.

प्रश्न 6 2022 टर्म-II (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

मित्र / सखी को नृत्य प्रतियोगिता में सफल होने तथा प्रथम स्थान पाने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय सखी,

नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने पर तुम्हें हार्दिक बधाई! तुम्हारी साधना और लगन का यह सुंदर परिणाम है। तुम इसी तरह आगे बढ़ती रहो और राष्ट्रीय मंच पर भी चमको – यही शुभकामना है।

तुम्हारी सखी, क.ख.ग.

प्रश्न 7 **2022 टर्म-II** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

अपने मित्र को 'लोहड़ी' पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,

लोहड़ी की हार्दिक शुभकामनाएँ! अलाव की गरमाहट, रेवड़ी-मूँगफली की मिठास और ढोल की थाप तुम्हारे जीवन में नई उमंग भर दे। यह पर्व तुम्हारे परिवार के लिए सुख-समृद्धि लेकर आए।

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 8 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आपकी बड़ी बहन राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एन.ई.ई.टी.) की तैयारी कर रही है। उसमें उनकी सफलता के लिए लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय दीदी,

नीट की परीक्षा के लिए आपको ढेरों शुभकामनाएँ! आपने पूरी निष्ठा से तैयारी की है; बस आत्मविश्वास बनाए रखिए और शांत मन से प्रश्न-पत्र हल कीजिए। सफलता निश्चित ही आपके कदम चूमेगी।

आपका अनुज, क.ख.ग.

प्रश्न 9 **2022 टर्म-II** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

राष्ट्रीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर छोटे भाई को लगभग 40 शब्दों में बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय अनुज,
राष्ट्रीय हिंदी निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने पर तुम्हें बहुत-बहुत बधाई! तुम्हारी लेखनी ने पूरे परिवार का मान बढ़ाया है। इसी तरह पढ़ते-लिखते रहो और हिंदी का गौरव बढ़ाते रहो।

तुम्हारा भाई, क.ख.ग.

प्रश्न 10 2022 टर्म-II (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'गुड़ी पड़वा' के अवसर पर महाराष्ट्र निवासी अपने मित्र को लगभग 40 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
गुड़ी पड़वा और नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ! घर के द्वार पर सजी गुड़ी तुम्हारे जीवन में विजय, सुख और समृद्धि का संदेश लेकर आए। पूरन पोली की मिठास पूरे वर्ष बनी रहे।

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 11 2022 टर्म-II (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

'हिंदी दिवस' के सफल आयोजन के लिए छात्रों की ओर से लगभग 40 शब्दों में साधुवाद बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

साधुवाद संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय गुरुजन एवं साथियो,
'हिंदी दिवस' समारोह आप सभी के मार्गदर्शन और सहयोग से अत्यंत सफल रहा। कविता-पाठ, वाद-विवाद और नाटक ने सबका मन मोह लिया। इस सुंदर आयोजन के लिए हम सभी छात्रों की ओर से हार्दिक साधुवाद!

समस्त छात्रगण, कक्षा दसवीं

प्रश्न 12 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आपके मित्र ने नीट की परीक्षा में राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उसे बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
नीट में राज्य-स्तर पर तीसरा स्थान पाने पर हार्दिक बधाई! तुम्हारी दिन-रात की मेहनत सफल हुई। अब तुम एक कुशल और संवेदनशील डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करो – यही कामना है।

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 13 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

चेन्नई निवासी अपने मित्र को पोंगल के अवसर पर लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
पोंगल की हार्दिक बधाई! नई फसल की खुशबू और मीठे पोंगल का स्वाद तुम्हारे घर को खुशियों से भर दे। सूर्यदेव की कृपा से तुम्हारे परिवार में सुख-समृद्धि सदा बनी रहे।

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 14 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

विदेश में रहने वाले अपने चाचा-चाची को नव वर्ष की शुभकामना का संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय चाचाजी-चाचीजी,
सादर प्रणाम। नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ! नया साल आप दोनों के लिए उत्तम स्वास्थ्य, सुख और सफलता लेकर आए। हम सब आपको बहुत याद करते हैं; इस वर्ष घर अवश्य आइए।

आपका भतीजा, क.ख.ग.

प्रश्न 15 2022 टर्म-II (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

अपनी कक्षा के प्रतिनिधि के रूप में सभी सहपाठियों को आगामी बोर्ड की परीक्षा के लिए शुभकामना का संदेश लगभग 40 शब्दों में दीजिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय साथियो,
बोर्ड परीक्षा के लिए आप सबको ढेरों शुभकामनाएँ! हमने पूरे वर्ष मिलकर मेहनत की है। घबराएँ नहीं, समय का सही प्रबंधन करें और

आत्मविश्वास से लिखें। हमारी कक्षा का परिणाम शानदार रहेगा।

आपका कक्षा-प्रतिनिधि, क.ख.ग.

प्रश्न 16 **2023** (3/1/1, 3/1/2, 3/1/3)

आप अनन्य देव / मीना मोहनी हैं और जल्द ही आपके पिताजी की लिखी हुई दसवीं किताब प्रकाशित होने वाली है। उन्हें बधाई और शुभकामना का एक संदेश 60 शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

पूज्य पिताजी,
आपकी दसवीं पुस्तक के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ! आपकी लेखनी सदा समाज को दिशा देती रही है। यह पुस्तक भी पाठकों का भरपूर स्नेह पाए – ईश्वर से यही प्रार्थना है।

आपका पुत्र, अनन्य देव

प्रश्न 17 **2023** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका नाम सीमा पटेल/महेश कुलकर्णी है। आपके चाचा अपने पैतृक-गाँव में जाकर बच्चों के लिए एक विद्यालय शुरू कर रहे हैं। उनके इस कार्य की सफलता हेतु लगभग 60 शब्दों में शुभकामना संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय चाचाजी,
गाँव के बच्चों के लिए विद्यालय शुरू करने के आपके संकल्प पर हमें गर्व है। शिक्षा का यह दीप अनेक घरों को रोशन करेगा। आपके इस नेक कार्य की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

आपका भतीजा, महेश कुलकर्णी

प्रश्न 18 **2023** (3/4/1)

ईद पर अपने मित्र को लगभग 60 शब्दों में बधाई संदेश भेजिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
ईद के पावन अवसर पर तुम्हें और तुम्हारे पूरे परिवार को दिली मुबारकबाद! यह त्योहार तुम्हारे जीवन में खुशियाँ, सुख-शांति और समृद्धि लेकर आए। सेवइयों की मिठास की तरह हमारी दोस्ती भी सदा मीठी बनी रहे। ईद मुबारक!

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 19 2023 (3/4/2)

होली के अवसर पर अपने मित्र को लगभग 60 शब्दों में बधाई संदेश भेजिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
होली की रंग-भरी बधाई! गुलाल के रंग तुम्हारे जीवन में खुशियों के नए रंग भर दें। गिले-शिकवे भूलकर प्रेम और भाईचारे के साथ यह त्योहार मनाओ। गुझिया की मिठास सदा बनी रहे।

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 20 2023 (3/4/3)

आई.आई.टी. में प्रवेश पाने पर चचेरी बहिन को लगभग 60 शब्दों में बधाई संदेश भेजिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय बहन,
आई.आई.टी. में प्रवेश पाने पर तुम्हें हार्दिक बधाई! यह तुम्हारी कड़ी मेहनत और एकाग्रता का परिणाम है। पूरा परिवार तुम पर गर्व करता है। आगे भी इसी लगन से अपने सपने पूरे करो।

तुम्हारा भाई, क.ख.ग.

प्रश्न 21 2023 (3/5/1)

दीपावली पर अपनी मौसी के परिवार को लगभग 60 शब्दों में बधाई-संदेश भेजिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय मौसीजी एवं परिवार,
दीपावली की हार्दिक बधाई! दीपों का यह पर्व आपके घर-आँगन को सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि के उजाले से भर दे। माँ लक्ष्मी की कृपा आप सब पर सदा बनी रहे।

आपका भानजा, क.ख.ग.

प्रश्न 22 2023 (3/5/2)

रक्षा-बंधन के अवसर पर भाई/बहन को लगभग 60 शब्दों में बधाई-संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय बहन,

रक्षा-बंधन की हार्दिक बधाई! तुम्हारी राखी मेरे लिए स्नेह और विश्वास का सबसे अनमोल धागा है। मैं सदा तुम्हारे साथ खड़ा रहूँगा। तुम हमेशा हँसती-मुस्कुराती रहो।

तुम्हारा भाई, क.ख.ग.

प्रश्न 23 2023 (3/5/3)

आपकी सखी का वॉलीबॉल की विद्यालय टीम में चयन हो गया है। उसके लिए लगभग 60 शब्दों में बधाई-संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय सखी,

विद्यालय की वॉलीबॉल टीम में चयन होने पर ढेरों बधाइयाँ! तुम्हारा नियमित अभ्यास और जुझारूपन रंग लाया। अब अपने खेल से विद्यालय का नाम रोशन करो – हम सब तुम्हारे साथ हैं।

तुम्हारी सखी, क.ख.ग.

प्रश्न 24 2023 (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

आप मोहिनी/महेन्द्र हैं। आपके बड़े भाई को विदेश जाकर पढ़ाई करने के लिए छात्रवृत्ति मिली है जिसके अंतर्गत वे अमेरिका उच्च अध्ययन के लिए जाने वाले हैं। उन्हें बधाई एवं शुभकामना प्रेषित करता एक संदेश लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय भैया,

अमेरिका में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति मिलने पर आपको हार्दिक बधाई! यह आपकी प्रतिभा और परिश्रम का सम्मान है। वहाँ भी आप सफलता के नए कीर्तिमान बनाएँ – यही शुभकामना है।

आपका अनुज, महेन्द्र

प्रश्न 25 2024 (3/1/1)

आपके कक्षाध्यापक का चयन उप प्रधानाध्यापक के पद पर हुआ है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय गुरुजी,
उप प्रधानाध्यापक के पद पर चयन के लिए आपको हार्दिक बधाई! आपके अनुशासन, स्नेह और मार्गदर्शन ने हमें सदा प्रेरित किया है। नए दायित्व में भी आपको अपार सफलता मिले।

आपका शिष्य, क.ख.ग.

प्रश्न 26 2024 (3/1/2)

आप कुमुद/कुमुदिनी हैं। बड़े प्रयासों और प्रतीक्षा के बाद आपकी बहन का स्थानान्तरण अपने गृह-नगर में हो गया है। इसके लिए उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय दीदी,
लंबी प्रतीक्षा के बाद अपने गृह-नगर में स्थानांतरण होने पर आपको बहुत बधाई! अब आप फिर हम सबके साथ रहेंगी – यह सोचकर पूरा घर खुशी से झूम उठा है। आपके आने की राह देख रहे हैं।

आपका अनुज, कुमुद

प्रश्न 27 2024 (3/1/3)

आप रीतेश/रीतिका हैं। दो वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद अंततः आपकी बहन का चयन संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा के माध्यम से विधि स्नातक (एल.एल.बी.) पाठ्यक्रम में हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय दीदी,
दो वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद विधि विश्वविद्यालय में चयन होने पर आपको हार्दिक बधाई! आपका धैर्य और संकल्प हम सबके लिए मिसाल है। आप न्याय के क्षेत्र में खूब नाम कमाएँ।

आपका अनुज, रीतेश

प्रश्न 28 2024 (3/2/1)

आप अवनि/अर्जुन हैं। आपकी बड़ी बहन का भारतीय वायु सेना में पायलट पद के लिए चयन हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय दीदी,
भारतीय वायु सेना में पायलट के रूप में चयन होने पर आपको सलाम और ढेरों बधाइयाँ! आपने साबित कर दिया कि हौसलों की उड़ान की कोई सीमा नहीं होती। आसमान की बुलंदियाँ छूती रहिए।

आपका अनुज, अर्जुन

प्रश्न 29 2024 (3/2/2)

आप मैथिली/मिथिलेश्वर हैं। आपके बड़े भाई साहब स्कूल बैग बनाने का कारखाना शुरू करने जा रहे हैं। उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय भाई साहब,
स्कूल बैग के कारखाने के शुभारंभ पर आपको हार्दिक शुभकामनाएँ! आपकी मेहनत और ईमानदारी से यह उद्यम खूब फले-फूले तथा अनेक लोगों को रोज़गार दे – ईश्वर से यही प्रार्थना है।

आपका अनुज, मिथिलेश्वर

प्रश्न 30 2024 (3/2/3)

आप रोहन/रोहिणी हैं। अपने दादाजी को उनकी 75वीं वर्षगाँठ के अवसर पर लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

पूज्य दादाजी,
सादर चरण-स्पर्श। 75वीं वर्षगाँठ पर आपको हार्दिक बधाई! आपका स्नेह, अनुभव और आशीर्वाद हमारे परिवार की सबसे बड़ी पूँजी है। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करे।

आपका पौत्र, रोहन

प्रश्न 31 2024 (3/3/1)

आप नंदिनी/नंदन हैं। आपके मित्र का चयन एन.डी.ए. में हो गया है। उसे शुभकामना देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
एन.डी.ए. में चयन होने पर तुम्हें बधाई और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ! वर्दी पहनकर देश की रक्षा करने का तुम्हारा सपना पूरा होने जा रहा है। प्रशिक्षण में भी सदा अव्वल रहो।

तुम्हारा मित्र, नंदन

प्रश्न 32 2024 (3/3/2)

आप तारा/तरुण हैं। आपके मित्र का चयन राज्य फुटबॉल टीम में हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
राज्य फुटबॉल टीम में चयन होने पर हार्दिक बधाई! मैदान में बहाया तुम्हारा पसीना आज रंग लाया है। अब अपने शानदार खेल से राज्य को जीत दिलाओ – हम सब तुम्हारा हौसला बढ़ाएँगे।

तुम्हारा मित्र, तरुण

प्रश्न 33 2024 (3/3/3)

आप सरला/सरल हैं। आपके बड़े भाई की एक प्रसिद्ध संस्थान के लिए परिसर नियुक्ति (कैंपस प्लेसमेंट) हो गई है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए। न्ान हि

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय भैया,
प्रसिद्ध संस्थान में परिसर नियुक्ति (कैंपस प्लेसमेंट) होने पर आपको हार्दिक बधाई! आपकी लगन ने पूरे परिवार को गौरवान्वित किया है। नई नौकरी में आप निरंतर उन्नति करें – यही कामना है।

आपका अनुज, सरल

प्रश्न 34 2024 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आप शिक्षा/विदित हैं। अपनी मित्र स्नेहा को बैडमिंटन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने के लिए लगभग 40 शब्दों में एक बधाई-संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय स्नेहा,
बैडमिंटन में राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने पर तुम्हें ढेरों बधाइयाँ! तुम्हारे निरंतर अभ्यास और अनुशासन का यह सुखद परिणाम है। अब देश के लिए पदक जीतकर लाओ – शुभकामनाएँ!

तुम्हारी मित्र, शिक्षा

प्रश्न 35 2024 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आप जोसफ/लिन हैं। अपने मित्र को ऊँची कूद के लिए राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने के लिए लगभग 40 शब्दों में बधाई-संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
ऊँची कूद में राष्ट्रीय स्तर पर चयन के लिए हार्दिक बधाई! तुमने अपनी मेहनत से सचमुच ऊँची छलाँग लगाई है। आगे भी नए कीर्तिमान बनाओ और विद्यालय का नाम रोशन करो।

तुम्हारा मित्र, जोसफ

प्रश्न 36 2025 (3/1/3)

आपका नाम सोमा/सोमप्रभ है। अपने मामा-मामी को नए घर की बधाई देते हुए गृहप्रवेश के अवसर पर शुभकामना संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

आदर्श उत्तर

शुभकामना संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय मामाजी-मामीजी,
नए घर की हार्दिक बधाई और गृहप्रवेश की शुभकामनाएँ! आपका नया आशियाना सदा सुख, शांति और हँसी-खुशी से भरा रहे। ईश्वर की कृपा आप सब पर बनी रहे।

आपका भानजा, सोमप्रभ

प्रश्न 37 2025 (3/2/2)

आपका नाम मोइन/स्नेहा है। आपके बड़े भाई का चयन 'एन.डी.ए.' में हो गया है। उनको लगभग 40 शब्दों में बधाई एवं शुभकामना देते हुए संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय भैया,
'एन.डी.ए.' में चयन होने पर आपको हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ! आपकी मेहनत और देश-प्रेम ने परिवार का मान बढ़ाया है। प्रशिक्षण में सफलता पाकर आप सच्चे सैनिक बनें।

आपका अनुज, मोइन

प्रश्न 38 2025 (3/3/2, 3/3/3)

आपके प्रिय मित्र को लंदन के किंग्स कॉलेज में पूरी छात्रवृत्ति के साथ दाखिला मिल गया है। मित्र का नाम रोहन और आपका नाम यामिनी/जॉर्ज है। लगभग 40 शब्दों में उसे बधाई और शुभकामना दीजिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय रोहन,
लंदन के किंग्स कॉलेज में पूरी छात्रवृत्ति के साथ दाखिला पाने पर हार्दिक बधाई! यह तुम्हारी प्रतिभा का सम्मान है। नई जगह पर खूब सीखो और देश का नाम रोशन करो।

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 39 2025 (3/4/1, 3/4/2, 3/4/3)

आपकी बड़ी बहन की पदोन्नति कैप्टन से मेजर के रूप में हुई है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय दीदी,
कैप्टन से मेजर के पद पर पदोन्नति के लिए आपको सलाम और हार्दिक बधाई! आपकी कर्तव्यनिष्ठा और साहस पर हम सबको गर्व है। आप इसी तरह देश-सेवा में आगे बढ़ती रहें।

आपका अनुज, क.ख.ग.

प्रश्न 40 2025 (3/5/1, 3/5/2, 3/5/3)

आपकी हिंदी अध्यापिका सफलतापूर्वक अपना कार्यकाल संपन्न कर सेवानिवृत्त होने वाली हैं। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय गुरुजी,
गौरवपूर्ण कार्यकाल पूरा करने पर आपको हार्दिक बधाई! आपने हमें हिंदी ही नहीं, जीवन के मूल्य भी सिखाए। आपका आगामी जीवन स्वस्थ, सुखी और आनंदमय रहे – हम सबकी यही कामना है।

आपका शिष्य, क.ख.ग.

प्रश्न 41 **2025** (3/6/1, 3/6/2, 3/6/3)

प्रादेशिक स्तर पर आयोजित होने वाली 100 मीटर की बाधा दौड़ में आपके मित्र को प्रथम स्थान मिला है। उसे बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
प्रादेशिक स्तर की 100 मीटर बाधा दौड़ में प्रथम स्थान पाने पर हार्दिक बधाई! तुमने हर बाधा पार कर जीत हासिल की है। अब राष्ट्रीय स्तर पर भी यही रफ़्तार बनाए रखो।

तुम्हारा मित्र, क.ख.ग.

प्रश्न 42 **2026** (3/1/1)

आपकी बड़ी बहन का लिखा गीत- 'मेरे देश की मिट्टी प्रसिद्ध हो गया। लगभग 40 शब्दों में उनको एक बधाई संदेश लिखिए। मिल शिभि निम्न कमल बाण

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय दीदी,
आपके लिखे गीत 'मेरे देश की मिट्टी' की प्रसिद्धि पर आपको हार्दिक बधाई! आपके शब्दों ने हर देशवासी के मन को छू लिया है। आपकी लेखनी यूँ ही नए गीत रचती रहे।

आपका अनुज, क.ख.ग.

प्रश्न 43 **2026** (3/1/2, 3/1/3)

आपकी बड़ी बहन का लिखा गीत- 'मेरे देश की मिट्टी प्रसिद्ध हो गया। लगभग 40 शब्दों में उनको एक बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय दीदी,
आपके लिखे गीत 'मेरे देश की मिट्टी' की प्रसिद्धि पर आपको हार्दिक बधाई! आपके शब्दों ने हर देशवासी के मन को छू लिया है। आपकी लेखनी यूँ ही नए गीत रचती रहे।

आपका अनुज, क.ख.ग.

प्रश्न 44 **2026** (3/2/1, 3/2/2, 3/2/3)

आपका एक सहपाठी ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधि धावक बनकर जा रहा है। लगभग 40 शब्दों में उसे बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने जाने पर हार्दिक बधाई! यह हम सबके लिए गर्व का क्षण है। पूरे जोश से दौड़ना और तिरंगे की शान बढ़ाना – ढेरों शुभकामनाएँ!

तुम्हारा सहपाठी, क.ख.ग.

प्रश्न 45 **2026** (3/3/1, 3/3/2, 3/3/3)

आपकी माताजी अपने कार्यालय में 'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' चुनी गई हैं। उन्हें लगभग 40 शब्दों में एक बधाई संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्यारी माँ,
'वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' चुने जाने पर आपको हार्दिक बधाई! घर और कार्यालय दोनों को जिस लगन से आप सँभालती हैं, वह हमारे लिए प्रेरणा है। हमें आप पर बहुत गर्व है।

आपका बेटा, क.ख.ग.

प्रश्न 46 **2026** (3/4/2, 3/4/3)

आप नंदिनी/नंदन हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने प्रिय अध्यापक को बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक बधाई एवं शुभकामना संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

आदरणीय गुरुजी,
शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ! आपने ज्ञान के साथ-साथ हमें सही राह पर चलना सिखाया है। आपका आशीर्वाद और मार्गदर्शन हमें सदा मिलता रहे।

आपका शिष्य, नंदन

प्रश्न 47 **2026** (3/5/2, 3/5/3)

आप रजनी/राजेश हैं। आपके मित्र को तीरंदाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है। आप उसे बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक बधाई एवं शुभकामना संदेश लिखिए।

आदर्श उत्तर

बधाई संदेश

दिनांक : 12 मार्च, 20XX समय : प्रातः 9:00 बजे

प्रिय मित्र,
तीरंदाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ! तुम्हारी एकाग्रता और अभ्यास ने निशाना ठीक लक्ष्य पर लगाया। आगे भी देश के लिए पदक जीतते रहो।

तुम्हारा मित्र, राजेश